

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ

ОПИСАНИЕ

ПРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСИ<sup>У</sup>

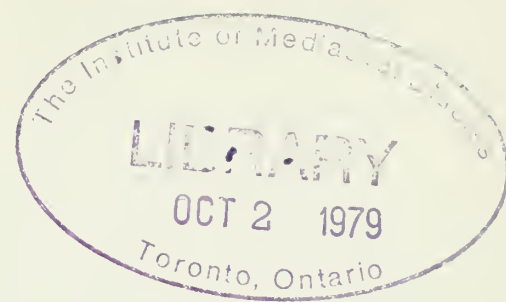
XIII и XIV ВѢКА

АРХИМАНДРИТА

АМФИЛОХІЯ



Digitized by the Internet Archive  
in 2011 with funding from  
University of Ottawa





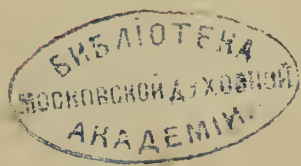




10  
56  
651.  
Алеографическое Описание  
древесных Рукописей

XIII и XIV. Вѣка

Предъложенныхъ Лѣтъ съ 35. Таблицами  
снимковъ въ двѣ краски.



омъ III.

рука  
ерхмандрита Амфилохія.

Москва

Типографія Б. К. Давыдовой

АѢП года.

Литография Н. Е. Онимова.

THE NEW YORK PUBLIC LIBRARY

AP  
10553

ASTOR LENOX TILDEN FOUNDATION

# ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНИЕ



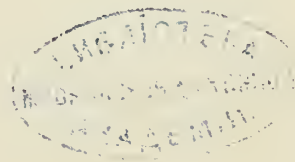
ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XIII и XIV В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 35-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.



ТОМЪ III.



13428

ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.



МОСКВА.

Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.  
1880.





Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 25 Іюля 1879 г.  
Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

# ХІІІ-й ВѢКЪ.

1235-го года.

## І. ΘΕΟΤΟΚΑΡΙЙ (БОГОРОДИЧНИКЪ).

или

СОБРАНИЕ КАНОНОВЪ ВЪ ЧЕСТЬ БОЖІЕЙ МАТЕРИ НА КАЖДЫЙ

ДЕНЬ НЕДѢЛИ ВОСЬМИ ГЛАСОВЪ.

Находится въ Собраніи Г. Севастьянова подъ № 1116-мъ.

Длина пергамина . . . . .	4 $\frac{3}{4}$	В.
Ширина . . . . .	3 $\frac{5}{8}$	В.
Къ корешку . . . . .	$\frac{1}{2}$	В.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$\frac{5}{8}$	В.
Къ верху . . . . .	$\frac{1}{2}$	В.
Къ низу . . . . .	$\frac{7}{8}$	В.

Пергамень довольно толстъ съ поврежденіями, первый листъ пополамъ разорванъ, у послѣдняго внизу клочъ оторванъ.

Писано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 202-хъ листахъ. Кой-гдѣ простыя заставки и начальныя буквы раскрашены голубою, желтою, красною и черною краскою, прочія начальныя буквы довольно фигурныя писаны тѣми же чернилами довольно темными. Помѣта тетрадей на верху въ углу съ правой стороны. Число строкъ на страницѣ 17-ть.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ текстомъ.

Ο ΚΑΝΩΝ. 'ΩΔΗ' ᾠ. ηχ. γ. 'Ο ΤΑ' ὙΔΑΤΑ.

'Αμελεία τὸν βίον. διατελέσας προσῆγγε|<sup>1)</sup> л. 62. σω. τῆς ζωῆς μου. τὸ τέλει. ἀλλ' αὐτῇ δέ|ομε. καὶ ἐν ἀισχύ- τω καιρῷ δίδου| μοι κατάνοξιν. ὅπως πενθῇσω συντόνος. ἐπὶ τοῖς ἀμέτροις ρει πταίσμασιν ἄχραντε|.

Βεβηλώσας ἀφρόνως. τὸ κατ' εἰκόνα τῆς| πάθεσιν. τῆς σαρκός μου παρθένε. τοῦ θυ| δέδικα τὴν ἀγανάχτισιν. καὶ τὸ φρικτο|δεσπότην τῆς τοῦ πύρρος τιμορίας. ἀλλ' αὐ|τῇ ἐλέ- ησον τὸν προσφυῶτα σοι|.

Γονυκάμπτω οὐ τὰς. τὴν σὴν αἰτοῦμεν| βοήθειαν. πα- ναγία παρθένε. ἀλλὰ σὺ ἄκση|σον ὀδεινομένης ψυχῆς. καὶ τὸ ἐπιχει|μενον τῆς ἀθυμίας μου νέφος. φέγγει| διασκέδα- σον τῶν σὸν δεήσεων|

Напоитиса вѣгѣно слѣгѣ даѣмъ бразѣмъ стрѣнѣмъ ми дѣшѣ. и плоды принести ми сторнѣны. влѣще сиѣѣн. и срѣе носѣ вѣсѣаго вѣлѣа исплѣни. да слава та: .

Изъ Каноновъ XIV в. № 210. Въ пѣе вѣрь. канѣ мо- лебенъ. л. 74. об. прѣн вѣн. гла г. пѣ а. ѿмо: ѿ водѣ: .

Въ лѣности жнѣе сконѣавъ. приближиха жнѣа моѣ конѣю. нж сама ма мола поне послѣнее время, даѣмъ ми оумнленѣе. како да плаѣюся горко. ѿ безмѣ- рнѣ ми прегрѣшенѣн прѣтаа:

Осквернивъ без оума, ѣ по ѡбразоу стрѣми плоти моеа дѣо. вѣѣаго оустрашиха негодованѣа. и оужа- снаго ѡгньнаго мнѣа. нж сама помноѣн прибѣгаю- щаго к тебѣ.

Колѣнѣ приклонивъ окаянныи. твож проишѣ помоци прѣтаа дѣшѣ и належаѣаи неѣааи моеа ѡблѣкѣ. зарежѣ разори твоихъ млѣвѣ: .

1) Ответныя линіи означаютъ, гдѣ въ подлинникѣ оканчиваются строки.



‘ΩΔΗ’ Γ. ‘Ο ‘ΕΚ ΜΗ’ ‘ΟΝΤΩΝ.

Δακρύων ὄμβρους παράσχου μοι ἀγαθῇ| καὶ τοῦτοις κα-  
τάσβesson. τὴν τῶν παθῶν| л. 62 об. μου κόμινον. καὶ  
πᾶσης ἀπόπλυνον| τὰς ψυχῆκας μου κηλίδας θιξέ|.

Ἐν ἀνομίαις. τὸ εὐγενὲς τῆς ψυχῆς ἐμόλυνα πανάγνε.  
καὶ φρίττω τῆς ἐξέτασιν| ὅτε ἀπετήσυ με. τὸ τῆς εἰκότος  
ἀξίωμα| ὁ λόγος.

Ζάλη πταισμάτων. καταλαβοῦσα| με νῦν. εἰς βῦθον. κα-  
τήγαγεν. ἀγνή τῆς ἀπὸ| γνώσεως. ἀλλὰ δίδου χεῖρα μοι.  
καὶ| μετανοίας. ἀνάγαγε πρὸς ὄρμον|.

ИЗБАВИ ГЕЕНЫ И КЪСЬКАГО ННАГО ПРЕЩЕНІА ВЪ УА СЖДА РАБА ТВОЕГО ПРЕНЕПОРΟΥНАА. И ПРИЧАСТНИКА СЪТВОРИ  
СНѦ И БѦ, ТВОЕГО ЦРѢВІА: .

‘ΩΔΗ’ Δ. ‘ΕΘΟΥ ΠΡΟΣ ‘ΗΜΑΣ|.

Ἦλθωσαν ἀγνή. τῶν ἀτόπων πράξεων ὕδατα.| ἕως τῆς  
ἀθλίας μου ψυχῆς. καὶ λογισμῶν| τῇ ἡλῃ κρατοῦμενον βοῶ  
ὀδυνόμενος. μὴ| με παρήδης. Δέσποινα τὸν δοῦλον σου|.

Θῦρες νοητοῦ. νῦν ἀνυλεῶς με κῦκλώσαν|τες. σπένδουσιν  
ἀρπᾶσε ἀφηδὸς. τὴν τα|πεινὴν ψυχὴν μου πανάμωμε. ἀλ-  
λὰ τοῦτων| л. 63. σύντριχον. τὰς ψυχοφθόρους. μυλας|  
παναμώμητε|.

Ἰλεως γενοῦ. τοῖς σοῖς δούλοις Δέσποινα δέομε. καὶ  
προσδοσκου|μένης ἀπειλῆς. τὸν σὸν λαὸν ἐξᾶρπα|σον па-  
νάγνε. ἵνα σοι κραυγάζωμεν. εὐχα|ριστοῦντες. δόξα τῇ ду-  
νάμει σου|.

СѦ ВЪ НОЩН ЖЕНН ПРІНДЕ СЖІТН ЗЕМЛН. ТОГѦ ВЪ СТРѢТЕНІЕ ЕГО СЪ СВѢТЛОЖ СВѢЩЕЮ БЛГОКΩЛН НЗЫІТН  
ПРѢТѦА. И ПОКЛОННТНСѦ ТОГО ПРИШЕСТВІЮ: .

‘ΩΔΗ’ Ε. ‘ΕΠΙ’ ΤΗΣ ΓΗΣ ‘Ο ‘ΑΟΡΑΤΟΣ|.

Κύναις πολλοί. περιέσχον με ὄντως. συ|ναγωγεῖ. πονη-  
ρῶν με πῶν περιεκύ|χλωσεν. ἀλλὰ τοῦτον ἄχραντε. τὰς  
βου|λας διασκέδασον|.

Λάκκω μεν νῦν. ὁ βελίαρ ὀρύξας. καταβα|λεῖν. ἐν αὐ-  
τῷ με πειράτε. ἀλλὰ τῇ σῇ δεξιᾷ| ἐμβληθήτω πάναγνε.  
εἰς τὸν βόθρον. ὄν| εἰργάσαστω.

Μὴ τῷ θυμῷ. ἐλεχθῶ τοῦ| υἱοῦ σου. ἐν τῷ κερῷ. τῆς  
αὐτοῦ παρουσίας.| μὴ τῇ ὀργῇ αὐτοῦ. παιδευθῶ πανύμνη-  
τε. л. 63 об. ἀλλὰ σῶσον με. πρεσβεΐαις σου|.

ВНЖЪ УТАА НЕМОЩЬ, ВНЖЪ СМЪРЕНІЕ ОКЛАНЫА МН ДІІЖ. И БЕЗПЛЪНЫІ ВРА ВЪСТАНІЕ. И СІІ ВРЕДА  
НЗБАВИ МА: .

ΩΔΗ’ Ζ. ‘ΑΒΥΣΣΟΣ’ ΕΣΧΑΤΙ ‘ΑΜΑΡΤΙΩΝ.

Μανίε вѣсѣ гнѣтѣла, егда хоцѣ душѦ моа разажунтнса ѿ плѣти непорочунаа. ржкы ма своеѿ ненави-  
дащѣ ма. вѣе вѣсепѣла: .

Ξήρανων. τοὺς θολεροὺς ποταμοὺς. θεογέν|νητορ τῶν  
πονηρῶν μου πράξεων. ρεῖθροις κα|τανοίξεως καὶ πρὸς τὸ  
ὑδωρ ἱθῦνον τῆς| ἀφέσεως. ἐν ἡμέρα τῆς κρίσεως|.

ПѢ. Γ. Ірмѡ и же ѿ несжць.

СлѣзѦ тжѹа подажѣ ми бѣгла, и снми оугаси стрѣтен  
моѣ нецрь, и всакыѣ ѿмыи душѣкыѣ ми скврны вѣе: .

Въ везаконіи бл҃гѡрѡдїа, душѣ ѡскврнѣи прѣстѣла и тре-  
пѣржнстазанїа. е҃га нстажѣ ма ѡбразѣ доушїа слово: .

Бог҃ра прегрѣшенїи л. 75. об. ѡбемши ма. нѣѣ въ  
г҃ажениѣ съвѣ ма у҃таѣ ѡу҃лашїа. нж дажѣ ми ржкж. и  
на показанїе ма настави: .

ПѢ. Δ. Ірмѡ. полѡ.

Прїндоша у҃таа везмѣстнѣ дѣла воды. до ѡкалнныѣ  
ми душѣа. помыслы брѣнныѣ ѡдржѣи. вѣпїж съ болѣзньїж.  
не презри мене раба твоѣ влѣцѣ: .

Звѣрїе мыслыныи нѣѣ немнлостнвно ѡбындѣ ма.  
тѣщашесѣ вѣсхытнн нещадно смѣреннжѣ мож душѣж.  
вѣсенепорочунаа, нж сї съкржши, душѣтленныѣ у҃елю-  
стн. л. 76 прѣтѣа: .

Мл҃тва бж҃ї своемоу рабж, влѣцѣ млѣсѣ. и у҃демаго  
прещенїа людн твоа нсхннн вѣсепѣтаа. да ти зовѣ, бл҃го-  
даращѣ слава тебѣ вѣсѣ цр҃ѣцѣ: .

ПѢ. Ε. Ірмѡ. на землн невнї:

Пси мнози ѡдржашѣ ма въ истиннж. сънѣ лжкѣвы  
ма дѣхъ. ѡбїнде. нж сї прѣтѣа нѣѣ разори съвѣты: .

Рѡ ми нѣѣ лжкѣвыи нзрнѣв, вѣвреци ма вѣнѣ по-  
кжшаѣсѣ. нж твоєж десннцѣж да вѣпадѣсѣ влѣцѣ въ  
амоу кже сътвори: .

Да не простїж облнѣѣ бж҃, сїа твоєго: . л. 76.  
об. въ время прншествїа е҃го покажѣ вѣсепѣтаа. нж  
сїи ма млѣбамн: .

ПѢ. Ζ. Ірмѡ безнїа послѣ:

Несжши мжтныѣ рѣкы в҃гѡрѡїтлнннцѣ лжкѣвѣ моѣ  
дѣанїи строу҃амн оу҃мнленїа. и къ водѣ направн ѡс-  
лабы въ днѣ сжда: .



Οἶδας μου τὸ ἀσθεναῖς τῆς ψυχῆς. καὶ τοῦ νοῦ μου. τὸ ἀνίσχυρον ἄχραντε. τῆς σαρκὸς τὸ ἀτονον. διό σῶσον τὸν δοῦλον σου. σὲ γὰρ καίκτημε. προστασίαν αἰττητον].

Καθ. Ἐκαστος ὅπου σώζεται. ἐκεῖ δικαίως καὶ προστρέχει. καὶ ποῖα ἄλλη τοιαυτῇ].

Стржамн слѣзъ дѣхонѣ, подаѣ ми отроковнѣ. нмнѣ н змѣ ж прегрѣшенѣи мой тннѣ. н страстен млѣ-вѣ пренепорѣнна. н скврны телесныя:.

Сѣ: гла. ѿ. по. красотѣ: Мнѣтваго вѣрскѣ поноснвнѣи прнѣ:.

‘ΩΔΗ’ ζ. ΤΟ ΠΡΙΝ ΕΙΚΟΝΙ ΤΗ ΧΡΥ’].

Περιέχυθίμοι ὕδωρ. τῶν ἀμαρτημάτων μου. | ἕως ψυχῆς πανάμωμε. ἄβυσσος με. ἐκῦχλασεν ἐσχάτι. ἀλλὰ ταύτης ἐξελου τῆς τριχυμίας.

л. 64. Ράντησον αἵματι ἀγνή. τῆς πλευρᾶς τοῦ τόκου σου. τὸ πληθῆ τοῦ ἐλέους σου. | πλήνον δέ με. τοῖς τῶν δακρύων ρεῖθρας]. καθάρησον ἐκ πάσης με κηλίδος].

Συντετριμμένην μοι ψυχὴν. τεταπεινωμένην τε. καρδίαν δίδου Δέσποινα. | ὅπως πάσης. ῥύσθω μίχανουργίας]. τῶν αἰεῖ μοι ἀφειδῶς ἐνεδρεούντων].

Яко млѣтва мѣи бѣѣа. рабы скоа влѣче, млѣи спѣи, нже вѣро ж сѣи твоемоу зовѣи. ѿѣ ншѣ бѣ бѣ:.

‘ΩΔΗ’ η. ΑΣΤΕΚΤΩ ΠΥΡΙ’].

Τὸ τόξον ἀγνή τοῦ βελῆαρ. σόντριψον τὸ κράτει τοῦ βιοῦ σου. καὶ ἡ τουτου ἀδικίαν νῦν καταβήτω. ἐπὶ κορυφὴν αὐτοῦ | ἵνα μέλπω. πάντα ἔργα].

Непостояннѣи огнѣ съвѣжплѣшеся. н блѣгѣтѣи прѣстоаѣе юноша. пламенѣ же неврежѣи бѣтвнѣа пѣ понте:.

Ἐπνοῶσας εἰς θάνατον κείμαι. τάφω ἀπογνώσεως παρθένε. ἀλλὰ σὺ με. ἐξανάστησον καὶ ἀγρυπνῶς. μέλπει καταξίωσον εὖ.

Φωτί σου καταύγασον κόρη. τὴν ἐσκοτισμένην μου καρδίαν. καὶ τὰ ὅπλα φωτος ἡ | πύλη л. 64 об. ἐνδυσον. κραυγάζοντα. εὖ].

Не престан. ὕψα млѣишя. н вѣ оумнленѣи тебе утѣи. нзбавншя сѣи дѣла гѣа гѣ понте н прѣ:.

‘ΩΔΗ’ θ. ΕΝ ΝΟΜΩ ΣΚΙΑ.

Χειμάζει παθῶν. κληδόνων. καὶ τάραχος ἐσχυρῶν λογισμῶν. παρθένε τὴν ψυχὴν μου. πονηρῶν ἀνῶν καταιγῖς. διήνεκός με тарάττει. ἀλλ’ ὡς φιλάγαθος. τῆς κατεχούσης ἀνάγκης. διὰ τάχους με ἀπάλλαξον].

Ψυχῇ ταπεινῇ ἀπόστηθῇ. τῶν πονηρῶν σου πράξεων. καὶ παύσαι τῆς κακίας καὶ τοῦ παροργίζειν τὸν θν. ἐπιλαβοῦ δε προσθῦμῶς. τῶν τοῦ θυ ἐντωλων. τὴν θκον γὰρ ἔχεις. τὰς ὁδούς σου κατευθύνου. |

Ὡς πάντων τεκοῦσα κν. πασῶν με ἐλευθέρωσον. τῶν πάλαι μου πταισμάτων καὶ παντίοις ἔργοις ἀγαθοῖς. διὰ πολλὴν ἐυσπλαγχνίαν. σὺ κατὰ πλοῦτισον. ἵνα γιθόμενος πόθω, θκѣ μεγαλύνω σε.

Вѣси можъ немощь дшѣвнѣю. н оума моеѣ крѣпоуѣа. н плѣти немощенѣе. тѣмже сѣи раба твоего. та бо стаѣа л. 77. застѣпннѣа непобѣдннѣа.

Пѣ. з. Ірмѣ. Прѣвѣе тѣлоу злѣу.

Нзлѣишѣ на ма уѣа прегрѣшенѣи мѣи до дшѣи моеа вѣи безнѣа же обынде ма послѣднѣа. ноу сего нзмы прегрѣшенѣа, н трѣвлѣненѣи:.

Окропи кровію уѣа н нз ребрь рожѣства тн. л. 77. об. мнѣствѣи млѣи твоеа. омы же ма слѣзнымн стржамн. н нѣаи ма ѿ вѣсакѣи скврны:.

Сѣкроушенѣе мн дшѣи смѣренѣе сѣиоу даѣ мн вѣсеуѣа. яко да вѣсакѣи нзбавѣа коварства. н ма прѣи неѣино ловѣи:.

нже вѣро ж сѣи твоемоу зовѣи. ѿѣ ншѣ бѣ бѣ:.

Пѣ. н. Ірмѣ.

Стрѣлы уѣа стрѣла сѣкроушн дръжако ж сѣа твоего. н сего ншѣ неправѣ сѣиѣнде л. 78. на вѣи его. да вѣсно ж вѣа дѣла гѣа гѣ по:.

Оуѣснѣ вѣ сѣмѣтн, лежоу вѣ грѣбѣ ѿуаиѣа дѣо. нж сама ма вѣзстави. н бѣино пѣти стѣи. блѣнте вѣса дѣла гѣа:.

Сѣтѣи тн озари ѿтроковнѣе омраченѣе мн сѣиѣ. н оржѣи сѣиѣа ма, сѣиѣоу дѣири одѣи, зѣвѣи блѣнте вѣса дѣла гѣа:.

утѣи. нзбавншя сѣи дѣлаи. сѣиѣоу твоемоу вѣ-нѣи:.

Пѣ. θ. Вѣ законн сѣии писанѣи.. л. 78. об.

Обоуреѣа стрѣтен вѣишенѣа. н сѣмоушенѣа скврнѣи помышленѣи дѣо дшѣи моеа лѣкаѣи уѣа коуѣа прѣи ма сѣмѣиѣ: нж яко уѣколюѣа ѿдрѣжнмыа нжѣа вѣскѣи прѣмѣи:.

Дшѣи смѣренѣа, ѿстѣи лоукаѣи своѣи дѣиѣи н прѣстанн ѿ зѣиѣи. нѣи прогнѣвати бѣ. н вѣспрѣи оуѣсѣино заповѣи его. бѣиѣи бѣи мнѣишн нѣти тѣоа направѣиѣи:.

Яко вѣсѣ рѣишн гѣа. стрѣтен ма скоѣи н лѣиѣи грѣѣи. н вѣсего ма дѣлаи блѣишн за многѣе млѣиѣи обогати. да раѣсѣа лѣѣѣи н вѣиѣа та вѣсѣиенѣи-нѣа:.

Заставки. Азбука изъ заглавныхъ буквъ. Скорописная азбука. Сокращенія: ἐλπίδας, καὶ. Слова съ знаками препинанія: κύριον. φλόγος με† Буква α въ соединеніи съ другими: ἀγνή κατέρραξεν. ε) δεξιέρας ἡμέρας ἡμέραν. ν) τυφλῶν ἐπικαλοῦμεν. σ) ἀστέκτω εἰς σε. τ) μετὰ.

Г҃И УТО СѦ ОУМНОЖИША СѢЖЮЩИ МН. МНОГИ ВЪСТАЮ  
НА МѦ МНОЗИ ГЛ҃Ю Д҃ШІИ МОЕИ НѢСТЬ С҃ИИТЕ ЕМУ БОЗѢ ЕГО.  
ТЫ ЕЖЕ Г҃И ЗАСТѢПИНИКЪ МОИ ЕСИ И СЛАВА МОЯ ВОЗНОСИ  
ГЛАВУ МОЮ ГЛАСОМЪ МОИМЪ КО҃ Г҃Ъ ВЪЗВѢ И ОУСЛЫША МѦ  
ѿ Г҃РЫ СТЫЯ СВОЕЯ АЗЪ ОУСНУХЪ И СПАХЪ ВЪСТА (ВОСТА) А  
КАКО ТѢ ЗАСТѢПИТЬ МѦ. († ТѢМЖЕ) НЕ ОУБЮЮСѦ ѿ ТЕМЪ  
ЛЮДЕИ ОКРѢТЪ НАПАДАЮЩИ НА МѦ. ВОСКРѢНИ Г҃И С҃П҃СІИ МѦ  
БЖЕ МОИ. КАКО ТЫ ПОРАЗИ ВСѦ ВРАЖДЮЩЕИ (— А) МН  
(— НѢ) ВСѦХ. ЗУБЫ ГРѢШНИКѢ (— НУХЪ) СЪКР҃ВИША  
ЕСИ. Г҃ИЕ ѿ С҃П҃СЕНІЕ И НА ЛЮДЕ ТВОИ БЛ҃ГЕНІЕ ТВОЕ.



Δ. 'ΕΙΣ ΤΟ ΤΕΛΟΣ, 'ΕΝ ὙΜΝΟΙΣ ΨΑΛΜΟΨ  
ΩΔΗΣ ΤΩ ΔΑΔ:

Ἐν τῷ ἐπικαλεῖσθαι εἰσήκουσέ με ὁ θεὸς τῆς δικαιοσύνης μου: . ἐν θλίψει, ἐπλάτυνας με: . οἰκτείρησον με καὶ εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου: . υἱοὶ ἀνῶν ἕως ποτε βαρυκαρδιοὶ. ἵνα τί ἀγαπάτε ματαιότητα καὶ ζητεῖτε ψεῦδος: . καὶ γινώτε ὅτι ἐθαυμάστωσε καὶ τὸν ὅσιον αὐτοῦ. καὶ εἰσακούσεται με ἐν τῷ κεκραγέναι πρὸς αὐτὸν: . ὀργίσεσθε καὶ μὴ ἀμαρτάνετε: . ἃ λέγετε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατακυβερνᾶτε: . θύσατε θύσιαν δικαιοσύνης καὶ ἐλπίζετε ἐπὶ κν: . πολλοὶ λέγουσι τίς δεῖξει ἡμῖν τὰ ἀγαθὰ. ἐσημειώθη ἐφ' ἡμᾶς τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου κν. ἔδωκας εὐφροσύνην εἰς τὴν καρδίαν μου. ἀπὸ καρποῦ σίτου οἴνου καὶ ἐλαίου αὐτῶν ἐπληθύνθησαν: . ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι καὶ ὑπνώσω. ὅτι σὺ κν κατὰ μόνους ἐπ' ἐλπίδι κατώκισάς με: .

Ε. 'ΕΙΣ ΤΟ ΤΕΛΟΣ ὙΠΕΡ ΤΗΣ ΚΛΗΡΟΝΟΜΟΥΣ ΨΑΛΜΟΨ ΤΩ ΔΑΔ:

Τὰ ῥήματα μου ἐνώτισαι κν: . σῦνες τῆς κραυγῆς μου: . πρόσχες τῇ φωνῇ τῆς δεήσεως μου: . ὁ βασιλεὺς μου καὶ ὁ θεὸς μου: . ὅτι πρὸς σε προσεύξομαι κν: . τὸ πρῶν παρastiθῆσθαι σοι καὶ ἐπόψει με: . ὅτι οὐχὶ θεὸς θέλων ἀνομίαν σὺ εἶ. οὐ παροικήσει σοι πονηρὸς. οὐδὲ διαμενοῦσι παράνομοι κατέναντι τῶν ὀφθαλμῶν σου: . ἐμίσησας πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν: . ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος: . ἄνδρα αἱμάτων καὶ ὀόλιαν βδελύσσεται κν: . ἐγὼ δὲ ἐν τῷ πλήθει τοῦ ἐλέους σου. εἰσελεύσομαι εἰς τὸν οἶκόν σου: . προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιόν σου ἐν φόβῳ σου: . κν ὁδηγήσῃς με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου ἕνεκα τῶν ἐχθρῶν μου κατέυθυνον ἐνώπιόν σου τὴν ὁδόν μου: . ἕνεκα τῶν ἐχθρῶν μου: . κατέυθυνον ἐνώπιόν σου τὴν ὁδόν μου. ὅτι οὐκ ἔστιν ἐν τῷ στόματι αὐτῶν ἀλήθεια ἡ καρδία αὐτῶν ματαιά: . τάφος ἀνέωγμενος ὁ λάρυγξ αὐτῶν: . ταῖς γλῶσσαις αὐτῶν ἐδοιοῦσαν: . κρῖνον αὐτοῦς ὁ θεὸς ἀποπεσέτωσαν ἀπὸ τῶν διαβουλίῶν αὐτῶν: . κατὰ τὸ πλήθος τῶν ἀρεβειῶν αὐτῶν ἔξωσον αὐτοὺς ὅτι παρεπίκραναν σε κν: . καὶ εὐφρανθήσονται πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ σοι: . εἰς αἰῶνα ἀγαλλιάσονται καὶ κατασκηνώσεις ἐν αὐτοῖς: . καὶ καυχῶνται ἐν σοὶ οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄνομα σου: . ὅτι σὺ εὐλογῆσεις δίκαιον κν: . ὡς ὅπλω εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς: .

Σ. 'ΕΙΣ ΤΟ ΤΕΛΟΣ ὙΠΕΡ ΤΗΣ ὈΓΔΩΗΣ ἙΝ ὙΜΝΟΙΣ ΨΑΛΜΟΨ ΤΩ ΔΑΔ:

Κν μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης με. μὴ δὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύσης με: . ἐλέησον με κν ὅτι ἀσθενὴς εἰμὶ. ἴασαί με κν ὅτι ἐταράχθη ὅστα μου καὶ ἡ ψυχὴ μου ἐταράχθη σφόδρα: . καὶ σὺ κν ἕως ποτὲ: . ἐπιστρέψον κν ῥῦσαι τὴν ψυχὴν μου σώσον με ἕνεκεν τοῦ ἐλέους σου: . ὅτι ἄνθρωπος ἔστιν

(Сказаніе Δ. флѣма на концѣ ѿ пѣтїи хъ.)

Внегда возвѣ (ѣ и) оуслыши ма бже (бъ) правды моея въ скорби распространила ма еси, оушедри ма (помнѣши ма) и оуслыши мѣтвх мою сѣоке уѣуестїи доколе тѣжкосердїи, вскѣю любите свѣтила и ищите лъжи (—а) и оувѣдите ꙗко оудни (—а) гѣ прѣвнаго своего гѣ оуслыши ма внегда (егда) вѣззѣхъ к немѣ. гѣвѣн-теса и не согрѣшѣте ꙗже глѣте в сѣрѣцѣи вашѣи, и на ложѣ (—жѣи) вашѣи оушмѣнтеса (покантеса). пожрѣте жрѣтвѣ правдѣ (ы) и оушновѣте (надѣнтеса) на гѣ мнози глѣю, кто ꙗки на бѣгла. знаменаса на нѣ свѣтѣ лица твоего гѣ. дѣла еси веселїе въ сѣрѣцѣи моѣ, ѿ плода пше-ници (а) и вина, и едеа своего (мѣсла ихъ) оушмѣнѣн-шаса. вмирѣ вѣхѣхъ оушнѣхъ и поуїю. ꙗко ты гѣ едн-ного на оушновѣнїе (ѿ надежи) вселѣ ма еси.

(Сказ. ε. ф. на концѣ ѿ наслѣдствоу ющѣи.)

Глѣ моѣ книши гѣ развѣн званїе моѣ. конни глѣ молитвы моея ѣрю мон и бже мон ꙗко к тебѣ по-молюса гѣ заутра оуслыши глѣ мон. заутра прѣста-нѣ ти (прѣ тобою) и оушриши ма. ꙗко бѣтъ нехота (и) беззаконїе (а) ты еси. не прїндѣ (преселѣтса) к тебѣ лѣкакиѣн. (ѣ и) непрѣвѣдѣ же закорѣстѣниши, (беззаконни) прѣ оушма твѣнма. вѣзненѣвѣдѣ (лѣ еси) всѣ твѣрѣма беззаконїе. погвѣнши всѣ глѣюма лѣж. мѣжа кровнѣ лѣтѣ (козгн) гѣвѣнѣтса гѣ. аз же мно-жествѣ мѣти твоея книдѣ в дѣ твѣн, поклонюса къ ѣркѣи сѣтѣи твоеи, ко страхѣ твоеѣ. гѣ наставн (—вѣдн) ма (на) правдою (оу) твоею, (ю) крагѣ моѣ радн (ѣ и) исправи прѣ собою пѣтъ мон. ꙗко пѣтъ къ оушѣтѣ ихъ истинны. сѣрѣи и свѣтно (ѣ ѣ) грѣ ѿверѣтъ гортѣи и ꙗзыкѣи сконни лѣпѣхъ. свѣдн нмѣ бѣ да ѿнадѣ ѿмыслѣн своѣи. по множествѣ неуестїа и (—тѣи) ишри-нїа (ихъ). ꙗко (—раз) прогнѣвѣма тѣ гѣ. (ѣ да) вѣ-звсѣлѣтса всѣ оушновѣнѣн (надѣюѣн) на тѣ, (тобою) ко вѣки козрѣютса. и вселѣнѣнѣн в нихъ. похвалѣтса ѿ тебѣ (тобою) всѣ люкаѣн нма твое. ꙗко ты бл-гословѣнши правѣдника гѣ. ꙗко оушжїемѣ блгоколѣнїа вѣнѣмѣ еси на.

флѣмѣ дѣкѣ вѣ ε. (Сказ. ε. ф. на концѣи книшїи-ихъ заосмоѣ)

Гѣ да не лростїю твоею ѿблѣнѣнши (—хн) мене. нѣ гѣвѣ твоѣи похѣи мене, помнѣши ма гѣ, ꙗко не-моѣсѣнѣ ссѣмѣ, ищѣли ма гѣ. ꙗко смѣтнѣнѣ (—аѣи) костнѣ моѣ, и днїа моѣ смѣтнѣнѣ (—аѣсѣ) гѣло. и ты гѣ, доколе оушри гѣ. (ѣ и) ишри днїѣхъ мою сѣи ма



ἐν τῷ θανάτῳ ὁ μνημονεύων σε. ἐν δὲ τῷ ἅδῃ τίς ἐξομολογήσεται σοι: ἐκοπίασα ἐν τῷ στεναγμῷ μου λούσω καθ' ἐκάστην νύκτα τὴν κλῖνην μου. ἐν ὀνείρῳ μου τὴν στρώμην μου βρέξω: ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ ὀφθαλμός μου. ἐπαλαιώθη ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου: ἀπόστητε ἀπ' ἐμοῦ πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ὀνομίαν. ὅτι ἐισήκουσε κς τῆς φωνῆς, τοῦ κλαυθμοῦ μου. ἤκουσε κς τῆς δεήσεως μου. κς τὴν προσευχὴν μου πρὸς σε δέξατο: αἰσχυνθεῖσαν καὶ ταραχθεῖσαν πάντες οἱ ἐχθροί μου. ἀποστραφεῖσαν καὶ καταισχυνθεῖσαν σφόδρα διὰ τάχους:

мѣти твоѣа ради. ꙗко нѣ въ смѣрти поминанъ тѣ. въ адѣ же кто исповѣстѣтся оутрѣдихсѣ въздыханіѣ моѣ. нѣзмию на всакѣ ноцѣ ложѣ мое. слезами моими постелю мою омоуѣ. (намоуѣ) смѣтѣсѣ (— атѣсѣ) ѿ карости око мое, ѿбѣтѣхѣ въ всѣхъ вразѣхъ моѣ. ѿ стѣните ѿ мене вси творѣи беззаконіѣ. ꙗко оуслыша гѣ глѣ плача моего († ꙗко) оуслыша гѣ моленіѣ (— мѣтѣхъ) мое (ю). гѣ мѣтѣхъ (— еніѣ) мою (ѣ) прѣтѣ. да постыдѣсѣ и смѣтѣсѣ вси врази мои възвратѣсѣ и оустыдатсѣ зѣло къ скорѣ.

### Чтѣніе и обьясненіе снимка.

† Συνέσεως τῷ ἁσάφ: .

Ἐνταῦθα τὰ τῆς ἐξόδου. τὰ τῶν ἀριθμῶν. καὶ τὰ τοῦ δευτερονομίου ψάλλει. τὸν δὲ ψαλμὸν ἅδει τῷ λαῷ. παραινῶν τῷ νόμῳ προσέχειν τῷ εὐαγγελικῷ. τῷ δὲ πάλαι οἱ τῶν ἰουδαίων δῆμου κατηγορῶν ὡς ἀγνωμονος. καὶ ἀχαριστία τὰς εὐεργεσίας ἀμειψαμένου. παρορμῶν δὲ ἡμᾶς ἐπὶ τὴν σύνεσιν σιῶν ἐπιφερομένων, συνέσεως τὴν ἐπιγραφὴν ἐποιήσατο. ταύτης γὰρ δεόμεθα εἰς θήραν τῆς προκειμένης διανοίας. ὥστε γινῶναι τίς ὁ λέγων. καὶ τίς ὁ λαὸς αὐτοῦ. καὶ τίς ὁ νόμος. ἕτερος ὢν παρὰ τὸν μωσέως, δαδ. γὰρ οὐκ ἦν νομοθέτης ἵνα λέγοι, προσέχετε τῷ νόμῳ μου. οὐ δὲ ἤρμοττεν αὐτῷ λέγειν τὰ ρήματα τοῦ στόματος μου. в γὰρ οἰκεῖα. ἀλλὰ τοῦ πρς προσέφερε ρήματα ὁ μὲν οὖν λέγων. ὁ σῆρ ἐστὶ. νόμος δὲ αὐτοῦ, τὸ δὲ εὐαγγέλιον. καὶ λαὸς ὁ χριστιανοὶ τάχα δε εἰμὴ ματθαῖος εἶπεν ὅτι ἐκ προσώπου τοῦ σρς ἐστὶν ὁ ψαλμος, οὐκ ἂν ἐτόλμησεν. διὰ τὸ ὅσα ἠκούσαμεν καὶ τὰ ἐξῆς, ἐπὶ τὸν σρᾶ ἀναγαγεῖν τὰ γεγραμμένα. νῦν δὲ σώζω καὶ ὅτι ὁ σῆρ ὁ λέγων. καὶ ὅτι οὐ δι' ὅλου τοῦ ψαλμοῦ λέγει ὁ σῆρ. ταῦτα μὲν εἰς τὸ καθάрай τὸ λέγων πρόσωπα. κατὰ λέξιν ἀκούσωμεν. (φ. 381. об.)

Ψαλτήριον ἐτελειώθη σὺν θῷ ἐρμηνευθὲν παρὰ τοῦ μακαριωτάτω μρσπολίτου. ἐγράφη δὲ χειρὶ τοῦ ἁμαρτωλοῦ Κωνσταντίνου... ἔτους 877 г. (1275 г.): οἱ οὖν τυγχάνοντες τη... μου πρὸς τὸν κν. τῷ συντελετῇ τῶν καλῶν θῷ χάριν:

Конецъ 76. псалма: Ка! τὸ ἀβέβαιον καὶ ἀνώμαλον, φασὶν ὅτι ἐν τῷ βίῳ τούτῳ ἔσται ἡ πολιτεία σου. κατὰ τῇ ἐνανθρώπησιν ἀλλὰ τὰ ἔχνη σου τουτέστιν ὁ τρόπος τῆς ἐνανθρωπήσεως σου. в καταληφθήσεται. λαὸς δὲ τοῦ πρς, ὃν καὶ χριστιανικὸς χεῖρ, ἡ χειραγωγία καὶ ὁδηγήσις τοῦ χυ. ὅς ἐστι μωυσῆς καὶ ἀαρὼν. τὸ μὲν ὡς νομοθετῆς τοῦ εὐαγγελικοῦ νόμου. τὸ δὲ ὡς μέγας ἀρχιερεὺς θύσας ἑαυτὸν ὑπὲρ εὐαγγελικοῦ νόμου ὑπὲρ ἡμῶν.

Заглавные буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: πιστεύσαντες: . χάριτος. φθορᾶ, Σокращения и слова съ титлами: δέ, γρηγόριος νύσσης. κυρίλλος, ἀμήχανον, ἐξομολογήσεως ἀθλήτας ἐπὶ ἄνθρωπον δαβίδ. Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: а) ἀγαπῶσι. е) ἐξ στέφανος ὑποστρέψαντες. ν) οὖν σ) ὁστέον. Знаки вносныхъ мыслей. Слово: ἀμὴν написано крестообразно по одной буквѣ.

## III. Четвероевангеліе.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подѣ № 277-мѣ.

Длина пергамина . . . . .	5 1/2 в.
Ширина . . . . .	4. в.
Къ корешку . . . . .	1/2 в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	1. в.
Къ верху . . . . .	3/4 в.
Къ низу . . . . .	1. в.

Пергамень хорошо выдѣланъ и мѣстами очень тонокъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ на 261. листѣ. въ одинъ столбецъ На 1-мъ пустомъ листѣ по серединѣ написано: Арсеній. λ. Съ 1-го по 9-й писанъ уставъ въ XIV в. на бом-

бицинтъ, когда какое читать Евангеліе. Заставки на 10-мъ листѣ предъ началомъ Евангелія отъ Матѳея и въ другихъ мѣстахъ предъ Евангеліями и заглавныя буквы писаны блѣдно-коричневою краскою коричневою, желтою и зеленою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей на углу внизу съ оборотной стороны тетради. Число строкъ на страницѣ 23.

Послѣ оглавленій предъ каждымъ Евангелистомъ въ 5-ти, а Ев. Іоанну въ 6-ти стихахъ Епиграммы.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

(л. 81 об.) Марка. Глава 2-я.

Изъ Четверо-Евангелія 1144. г. Моск. Синод. Библ.

Глава ѳ.

Καὶ εἰσῆλθε πάλιν εἰς καπερνάουμ. δι' ἡμερῶν. καὶ ἠκούσθη ὅτι εἰς οἶκόν ἐστι· καὶ εὐθέως συνηχθήσαν πολλοὶ. ὥστε μηκέτι χωρεῖν μὴ δὲ τὰ πρὸς τὴν θύραν. καὶ ἐλάλει αὐτοῖς τὸν λόγον. καὶ ἔρχονται πρὸς αὐτὸν παραλυτικὸν φέροντες. αἰρόμενον ὑπὸ τεσσάρων. καὶ μὴ δυνάμενοι προσεγγίσει αὐτῷ διὰ τὸν ὄχλον ἀπεστέγασαν τὴν στέγην ὅπου ἦν. καὶ ἐξορύξαντες, χαλῶσι τὸν κράββατον. ἐφ' ᾧ ὁ παραλυτικὸς κατέκειτο. ἰδὼν δὲ ὁ ἰς τὴν πίστιν αὐτῶν, λέγει τῷ παραλυτικῷ. ἀφέωνταί σοι αἱ ἁμαρτίαι σου. ἦσαν δὲ τινες τῶν γραμματέων ἐκεῖ καθήμενοι καὶ διαλογιζόμενοι ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν. τί οὗτος. οὕτως λαλεῖ βλασφημίας. τίς δύναται ἀφιέναι ἁμαρτίας, ἐμὴ εἰς ὁ θεός. καὶ (л. 82.) εὐθέως ἐπιγνούς ὁ ἰς τῷ πνι αὐτοῦ. ὅτι οὕτως αὐτοὶ διαλογίζονται, ἐν ἑαυτοῖς, εἶπεν αὐτοῖς. τί ταῦτα διαλογίζεσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν. τί ἐστὶν εὐκοπώτερον. εἰπεῖν τῷ παραλυτικῷ ἀφέωνταί σοι αἱ ἁμαρτίαι, ἢ εἰπεῖν. ἔγειραι καὶ ἄρον, τὸν κράββατον σου καὶ περιπάτει. ἵνα δὲ εἰδῆτε. ὅτι ἐξουσίαν ἔχει ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ἀφιέναι ἐπὶ τῆς γῆς ἁμαρτίας, λέγει τῷ παραλυτικῷ. σοὶ λέγω. ἔγειραι καὶ ἄρον τὸν κράββατον σου καὶ ὑπάγε εἰς τὸν οἶκόν σου. καὶ ἠγέρθη εὐθέως καὶ ἄρας τὸν κράββατον ἐξῆλθεν ἐναντίον πάντων. ὥστε ἐξίστασθαι πάντας. καὶ δοξάζειν τὸν θῆ. λέγοντας. ὅτι οὐδέποτε οὕτως εἶδομεν. καὶ ἐξῆλθε πάλιν παρὰ τὴν θάλασσαν. καὶ πᾶς ὁ ὄχλος ἤρχετο πρὸς αὐτὸν. καὶ ἐδίδασκε αὐτοὺς. καὶ παράγων εἶδε λευτεῖν τὸν τοῦ ἀλφαίου. καθήμενον ἐπὶ τῷ τελωνίῳ. καὶ λέγει αὐτῷ. ἀκολούθει μοι. καὶ ἀναστὰς ἠκολούθησεν αὐτῷ. καὶ ἐγένετο ἐν ταῖς κατακεισθαι αὐτὸν ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐτοῦ, (л. 82 об.) καὶ πολλοὶ τελῶναι καὶ ἁμαρτωλοὶ, συνανέκειντο τῷ ἰωὺ καὶ τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ἦσαν γὰρ πολλοὶ καὶ ἠκολούθησαν αὐτῷ. καὶ οἱ γραμματεῖς καὶ οἱ φαρισαῖοι ἰδόντες αὐτὸν ἐσθίοντα μετὰ τῶν τελωνῶν καὶ ἁμαρτωλῶν, ἔλεγον τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. τί ὅτι μετὰ τῶν τελωνῶν καὶ ἁμαρτωλῶν ἐσθίει καὶ πίνει ὁ διδάσκαλος ὑμῶν καὶ ἀκούσας ὁ ἰς λέγει αὐτοῖς. οὐ χρειαν ἔχουσιν οἱ ἰσχύοντες ἰατροῦ. ἀλλ' οἱ κακῶς ἔχοντες. οὐκ ἤλθον καλεῖσαι δικαίους, ἀλλὰ ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν. καὶ ἦσαν οἱ μαθηταὶ Ἰωάννου καὶ οἱ τῶν φαρισαίων νηστεύοντες. καὶ ἔρχονται καὶ λέγουσιν αὐτῷ. Δια τί οἱ μαθηταὶ Ἰωάννου καὶ οἱ τῶν φαρισαίων νηστεύουσιν. οἱ δὲ σοὶ μαθηταὶ οὐ

И вѣнѣде пакы въ капернаоумъ. по днѣхъ. и слоухъ бысть яко въ домоу ієсть. и абые събрашася мнози. яко к томоу не вѣмѣшахоуся ни прѣдъ двѣрми, и гл҃аше имъ слово. и придоша к нему носаше ослабленъ. носимъ устырми. и не могущіе пристопити к нему за народъ. ѿкрыша стропъ ндеже въ. и прокопавше. съвѣсша одръ. на немъ же ослабленъ съ лежаше. видѣвъ же ісѣ въроу ихъ гл҃а ослабленомоу. уадо оставляються тебе грѣси твои. бахоу же пѣци ѿ книжнѣхъ тоу съдаше. (л. 72.) и помышляюще въ срд҃цїихъ своихъ. что съ безаконнѣ разоумѣвають о вѣсѣхъ. кто можетъ оставати грѣхы. тѣмъ ієдинъ бѣ. и абые разоумѣвъ ісѣ дх҃мъ своимъ яко тако ти помышляютъ въ собѣ. рече имъ. что та (sic) помышляете въ срд҃цїихъ вашихъ. что ієсть оудобѣе рещи ослабленомоу. оставаютъ ти ся грѣси. мѣ рещи вѣстаніи и вѣзми одръ свон и ходи. нѣ да вѣсте. яко власть имать сѣхъ уаѣхъ оставати на землї грѣхы. гл҃а ослабленомоу. тебе гл҃ю. вѣстаніи и вѣзми одръ твою. и иди въ домъ твою. и вѣста абые. и вѣзми одръ. нзиде прѣдъ всѣми. яко дв҃гнѣся всѣмъ. и славляхоу б҃а гл҃юще. яко николиже така вѣдѣхомъ. и нзиде пакы къ морю. и всъ народъ ндаше к нему и оучаше к. и (мѣ) моградѣхъ видѣ левгнѣ. алфѣова. (л. 72. об.) съдаша на мытницѣ. и гл҃а іємъ. по мнѣ градѣ. ї вѣстакъ въ слѣдъ ієго нде. и бысть іємоу вѣзлежашю въ домоу ієго. ї мнози мытаре. и грѣшницѣ вѣзлежашоу съ ісѣмъ. и съ оученикы ієго. бахоу бо мнози. и по немъ ндоша. и книжницѣ и фарисен. видѣвъше и лдоущѣ съ мытари и грѣшникы гл҃ахоу оученикомъ ієго. что яко съ мытари и грѣшникы асть и пѣиеть. и слышавъ ісѣ гл҃а имъ. не трѣбоуѣть съдракинъ врахъ нѣ болашеї не придохъ призватъ правѣдникъ нѣ грѣшникы въ покѣныє. и бахоу оученици нѣапоки. и фарисен постащеся. и придоша и рѣша іємоу. пошто оученици нѣапоки и фарисен постатъся. а твои оученици не постатъся. и рече имъ ісѣ. еда могущѣ сѣве брахѣннѣ поститѣся. дондеже съ ними ієсть женѣхъ. ієліко время съ собою имоуѣ жениха. (л. 73.) не мо-



νηστεύουσιν. καὶ εἶπεν αὐτοῖς ὁ Ἰϛ. μὴ δύνανται οἱ υἱοὶ τοῦ νυμφῶνος ἐν ᾧ ὁ νυμφίος μετ' αὐτῶν ἐστὶν νηστεύειν. ὅσον χρόνον μεθ' ἑαυτῶν ἔχουσι τὸν νυμφίον οὐ δύνανται νηστεύειν. ἐλεύσονται δὲ ἡμέραι· ὅταν ἀπαρθῇ ἀπ' αὐτῶν ὁ νυμφίος καὶ τότε νηστεύσουσιν (л. 83.) ἐν ἐκείναις ταῖς ἡμέραις. καὶ οὐδεὶς ἐπιβλημὰ ῥάκους ἀγνάφου ἐπιρράπτει ἐπὶ ἱματίῳ παλαιῷ. εἰ δὲ μὴ γὰρ αἶρει ἀπ' αὐτοῦ τὸ πλήρωμα τὸ καινὸν τοῦ παλαιοῦ. καὶ χειρὸν σχίσμα γίνεται. καὶ οὐδεὶς βάλλει οἶνον νέον εἰς ἀσχοῦς παλαιούς. εἰ δὲ μὴ, ῥήσσει ὁ οἶνος ὁ νέος τοὺς ἀσχοῦς καὶ ὁ οἶνος ἐκχεῖται. καὶ οἱ ἀσκοὶ ἀπολοῦνται. ἀλλὰ οἶνον νέον εἰς ἀσχοῦς καινοὺς βλητέον. καὶ ἐγένετο παραπορεύεσθαι αὐτὸν ἐν τοῖς σάββασιν διὰ τῶν σπορίμων. καὶ ἤρξαντο οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ ὁδὸν ποιεῖν. τίλλοντες τοὺς σταχύας. καὶ οἱ φαρισαῖοι ἔλεγον αὐτῷ. ἴδε τί ποιοῦσιν ἐν τοῖς σάββασιν ὃ οὐκ ἔξεστι. καὶ αὐτὸς ἔλεγεν αὐτοῖς. οὐδε ποτε ἀνέγνωτε τί ἐποίησε δαδ ὅτε χρεῖαν ἔσχε καὶ ἐπείνασεν αὐτὸς καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ. πῶς ἐισῆλθεν εἰς τὸν οἶκον τοῦ ἐπὶ ἀβιθαθαρχ ἀρχιερέως. καὶ τοὺς ἄρτους τῆς προθέσεως ἔφαγεν. οὓς οὐκ ἔξεστι φαγεῖν ἐμὴ τοῖς ἱερεῦσι. καὶ ἔδωκε καὶ τοῖς л. 83 об. μετ' αὐτοῦ οὗσι, καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς. τὸ σάββατον διὰ τὸν ἄνθρωπον ἐγένετο. οὐχ' ὁ ἄνθρωπος διὰ τὸ σάββατον ὥστε κύριος ἐστὶν ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου καὶ τοῦ σαββάτου.

гоуѣ поститисѧ. прѣдоуѣ же дѣныя кѣгда ѿниметьсѧ ѿ нѣхъ жснѣхъ. и тѣгда постатьсѧ къ тѣмъ дѣмъ. нѣктоже прѣставленѧ палѧ неѣмѧ. не прѣставляють ризѣ ветѣсѧ. аѣе ли же нѣ. кѣзметъ послѣдѣкъ кѣго покое ветхаго. и горѣнѣ дѣра боудеть. и нѣктоже не кѣмѧметъ кѣна нова. къ мѣхѣ ветѣхѣ. аѣе ли же нѣ. прѣсѧдѣтъ кѣно ново. и кѣно проѣмѣтьсѧ. и лѣсѣ погѣбноуѣ. нѣ кѣно покое. къ мѣхѣ новѣ лѣтѣ. и бѣсть мѣмоходаѣно кѣмоу къ соудѣтѣ. сквозѣ нѣмѣ. и наѣмѧ оуѣениѣ кѣго поуѣ творѣтѣ кѣстѣргѧюѣмѣ клѣсѣ. и фарѣсѣ гѣлоуѣ кѣмоу. кѣжѣ уѣо творѣтъ кѣ соудѣтѣ. кѣгоже не достѣнтѣ. и тѣгда гѣлѣмѣ нѣмѣ. нѣстѣ ли нѣнѣкоже уѣли. уѣо сѣтѣкорѣ дѣдѣ. кѣгда трѣбоѣ. и кѣзѧлкѣ самѣ и нѣже бѧлоуѣ сѣ нѣмѣ. кѧко вѣнѣ (л. 73. об.) дѣ къ хрѣбѣ (sic) бѣнѣ. прѣѧѧѧѧрѣ архѣнѣренѣ. и хлѣбѣ прѣдѣложенѣ сѣнѣстѣ. нѣхъ же не достѣмѣ вѣстѣ, нѣ тѣкѣмо нѣреѣмѣ. и дѧстѣ ѣ соудѣмѣ сѣ нѣмѣ. и гѣлѣмѣ нѣмѣ. соудѣтѣ уѣлкѣ рѧдѣ бѣ. а не уѣлкѣ соудѣтѣ рѧдѣ. тѣмѣ же гѣ кѣстѣ сѣнѣ уѣлѣскѣн соудѣтѣ.

#### Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а.

Τὸ κατὰ Ἰωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον.

Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος, καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν θεόν, καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος. οὗτος ἦν ἐν ἀρχῇ πρὸς τὸν θεόν. πάντα δι' αὐτοῦ ἐγένετο. καὶ χωρὶς αὐτοῦ ἐγένετο οὐδὲ ἓν ὃ γέγονεν.

φ. 258. об. Ἐγράφη δὲ τὸ τοιοῦτο ἅγιον καὶ θεῖον εὐαγγέλιον διὰ χειρῶν μελετίου ταπεινοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ μοναχοῦ, τοῦ ἐκ βερροίας ὁρμωμένου. διὰ συνδρομῆς καὶ μισθ' ἀποδοσίας καὶ παντελοῦς ἐξόδου τοῦ πανοσιστάτου ἱερομονάχου κυρ. ἀλυπίου τοῦ καὶ οἰκονόμου τῆς θείας καὶ περιαλήτου μονῆς τοῦ ἁγίου μεγάλου γεωργίου, τῆς τοῦ μάυρου ἐπωνυμουμένης. εἰς λύτρον καὶ ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν αὐτοῦ κατὰ μῆνα ἰούνιον. ἐν ἔτει 847. ἰνδικτιῶνος 6. βασιλεύοντος δὲ μιχαήλ μεγάλου βασιλέως καὶ αὐτοκράτορος ρωμαίων τοῦ παλαιολόγου.

Ἐσπευσαν ἄλλοι χρυσὸν εὑρεῖν ἐν βίῳ·

Ἄλλοι δὲ, γῆν σπένδουσιν ἢ καὶ μαργαρίτας·

Καὶ πάντα πλοῦτον, προσλαβεῖν ἀπληστία·

Ὁ δεσπότης δὲ τοῦ παρόντος βιβλίου,

Οὐ μαργαρίτας οὐ λίθους οὐ χρύσιον·

Τὴν καλλονὴν δὲ τῶν λόγων τοῦ χριστοῦ μου·

Σοφῶς ἀνευρῶν ἐξέρωτος ἐνθεός,

Ἐνθεν συνῆξε πλοῦτον ὃς μένει μόνος.

Ρεῖ πάντα γῆς γὰρ, καὶ λόγος μένει μόνος.

Заглавные буквы, скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: ἀποδῶς· γύναι. Сокращенія и слова съ титлами: καὶ γάρ, κύριε οὐρανῶν. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀγγέλων. ε) ἔλαμψε, ἔξ, ἐκεῖνος. ν) ἀμὴν τῶν. σ) περισσοῦ. τ) ἐστὶν. Союзъ ἐπεὶ съ двумя удареніями. ε., означаетъ помѣту тетрадей 5-ю.



## IV. ЛѢСТВИЦА СВ. ІОАННА,

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 146-мъ.

Длина пергамина . . . . .	5 <sup>7</sup> / <sub>8</sub> в.
Ширина . . . . .	4 <sup>3</sup> / <sub>4</sub> „
Къ корешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub> „
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub> „
Къ верху . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub> „
Къ низу . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>8</sub> „

Пергамень выдѣланъ хорошо и бѣлъ, но мѣстами отъ времени пожелтѣлъ.

Писано крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 332-хъ листахъ. Внизу 1-го бумажнаго листа подписано: Арсеній, а вверху: αὕτη οἱ (sic) βίβλος ὁ κλήμαξ ὑπάρχει μονῆς τοῦ παντοκράτορος καὶ σρς χυ, τῆς ἐν τῷ ἁγίῳ ὄρει: Заставки, заглавныя буквы и заглавія писаны киноварью. Только 1-я заставка пройдена еще красками: темною и бѣловатою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей съ обоихъ сторонъ внизу, съ лицевой къ правой сторонѣ, а съ оборотной у корешка. Число строкъ 20-ть. Лѣствица оканчивается 301-ю страницю. На оборотѣ 278 листа изображена лѣствица по которой восходятъ два инока на небо. Первый изъ нихъ ступилъ уже на предпослѣднюю ступень, а за руку его взялъ Іисусъ Христосъ, изъ облака протянувъ ему руку. Другой инокъ ниже перваго продолжаетъ восходить; а внизу лѣствицы близъ двери зданія стоятъ четыре инока, намѣреваясь только вступить на нее, а подлѣ нихъ близъ окна зданія съ сіяніемъ вокругъ головы стоятъ вѣро-ятно св. Іоаннъ лѣствичникъ, руководящій иноковъ, какъ восходить по 30-ти ступенямъ добродѣтелей на небо.

На 279. страницѣ изображена только одна лѣствица съ 30-ю ступенями и слѣдующею назидательною подписью.

Ἀναβαίνετε ἀναβαίνετε ἀναβάσεις προθύμους ἐν καρδίᾳ ἀδελφοί. τοῦ φάσκοντος ἀκούοντες. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυ. καὶ εἰς τὸν οἶκον τοῦ θυ ἡμῶν τοῦ καταρτίζοντος τοὺς πόδας ἡμῶν, ὥσει ἐλάφου. καὶ ἐπὶ τὰ ὑψηλὰ ἱστῶντος τοῦ νικῆσαι ἐν τῇ ὁδῷ αὐτοῦ. ὁράμετε δυσωπῶ μετ' ἐκείνου τοῦ λέγοντος. σπουδάσωμεν ἕως οὗ καταντήσωμεν οἱ πάντες εἰς τὴν ἐνότητά τῆς πίστεως. καὶ τῆς ἐπιγνώσεως τοῦ θυ. εἰς ἄνδρα τέλειον. εἰς μέτρον ἡλικίας τοῦ πληρώματος τοῦ κυ. τοῦ τριακοντα ἔτους τῇ ὁρωμένῃ ἡλικίᾳ βαπτισθέντος. ἐν τῷ τριακостῷ βαθμῷ ἐπὶ τῇ νοεῖᾳ ἡμῶν κλίμακι ὑπερχειμένου. εἴπερ ἡ ἀγάπη ἐστὶν ὁ θυς. ὧ ὕμνος. ὧ κράτος. ὧ σθένος. ὧ τῶν πάντων ἀγαθῶν αἴτιον. ἔνεστι. καὶ ἦν καὶ ἔσται. εἰς τοὺς ἀορίστους αἰῶνας φῶς ἀμήν: .

Въсходите въсходите въсходы съ ѡсердіемъ на срѣни братіе рекшаго слышати. придыте къзыдемъ на гороу гнию. и въ домъ бга нашего совершающаго носъ наши яко елени и на высoky ооставающаго. на стень бжжыа любе.

л. 302—322. Τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν ἐφραὶμ. λόγος περὶ σρῖας ψυχῆς. καὶ περὶ τῆς μελλούσης κρίσεως.

Начало: Ἡ ἀποταγή ἦν ἐπὶ τοῦ ἁγίου βαπτισματος παιεῖν ἀπαιτοῦμεθα л. 322. τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸν ἀντίχριστον.

Начало: Πῶς ἐγὼ ὁ ἁμαρτωλὸς. μεστὸς πλημμελημάτων. δυνήθειν ἐξ' εἰπεῖν τὰ ἐμοὶ ὑπέροχα....

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 280. ΠΡΟΣ ΤΟΝ ΠΟΙΜΕΝΑ: .

Ἐν τῇ μὲν κάτω βίβλῳ. ἐγὼ γέ σε θεσπέσιε. πάντων ἔσχατον τέταχα. ἐν τῇ ἄνω δέ σε πεπεισμαι, πάντων ἡμῶν. ἐν τῇ ὑπογραφῇ τῇ θεῇ προτερεύειν. εἴπερ τις ἐστὶν ὁ εἰρηκῶς ἀληθής. ἔσονται οἱ ἔσχατοι τῷ φρονήματι, πρῶτοι τῷ ὀξιώματι. ποιμὴν κυρίως ἐστίν. ὁ τὰ л. 280 об. ἀπολωλὸτα λογικά. πρόβατα διὰ ἀκακίας οἰκίας, σπουδῇ καὶ ἐυχῇ ἀναζητῆσαι καὶ ἀνορθῶσαι δυνάμενος. κυβερνήτης

Томъ III.

Изъ лѣствицы св. Іоанна съ толкованіемъ XV в. моего собранія. (л. 272—277.)

Въ долинѣ оубо кинзе, азъ тебе бжткне всѣ послаѣ къ уни. къ горни же ти оукерѣса, всѣ на в написани бжткнемъ прѣкомъ быти аце кто ѣ рекши истиненъ. бждъ послѣднѣи мжрканіемъ, прѣки достоинствѣ: Пастыръ въ истинѣ ѣ нже погышла словесныа оуца незловѣсмъ, и своимъ тычаніемъ и мліи-



ἐστίν. ὁ ἰσχύον νοσερὰν ἐκ θῦ καὶ οἰκείων μόχθων ἐιληθῶς. οὐ μόνον ἐκ τριχυμίας, ἀλλὰ καὶ ἐξ αὐτῆς τῆς ἀβύσσου, τὴν ναῦν ἀνασπᾶσαι δυνάμενος. ἴατρος ἐστίν ὁ τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχὴν κεκτημένος ἄνοσον. μὴ δὲ μιᾶς ἐμπλάστρου τὸ παράπαν δεόμενος. διδάσκαλος ὄντως ἐστίν. ὁ νοεράν δέλτον γνώσεως. δακτύλιω θῦ. ἤγουν ἐνεργεία ἐλλάμψεως ἐξ αὐτοῦ δι' ἑαυτοῦ κομισάμενος. καὶ τῶν λοιπῶν βιβλίων ἀνεκδοῆς γενόμενος. Ἀπρεπὲς διδασκάλοις. ἐξ ἀντιγράφων ἐκπαιδεύειν. καὶ ζωγράφους ἐκ μεταβόλων σημειοῦσθαι. ὁ τοὺς κάτω παιδεύων, ἄνωθεν ἐκ τοῦ ὕψους δίδασκε καὶ τῷ σχήματι τῷ αἰσθητῷ. τὸ ἕτερον παιδεύου, μὴ ἐπιλάβῃ τοῦ φάσκοντος. οὐκ π. 281. ἀπ' ἁνῶν. οὐ δὲ δι' ἁνῶν τὴν διδασκαλίαν παιδεύου οὐ γὰρ πέφυκε τὰ κάτω τὰ χαμαὶ θεραπεύειν ποτὲ. ἀγαθὸς κυβερνήτης, διασώζει πλοῖον. καὶ καλὸς ποιμὴν ζωοποιεῖσει καὶ ἴσεται νοσερὰ πρόβατα. καθόσον τὰ πρόβατα. τῷ ποιμένι ἀπαραλείπτως προκόψαντα ἀκολουθοῦσι. κατα τοσοῦτον ὑπὲρ αὐτῶν τῷ οἰκοδεσπότῃ ἀπολογήσεται. λιθαζέτω τῷ λόγῳ ὁ ποιμὴν καὶ τὰ ἐξ ὀκνηρίας. ἢ γαστριμαργίας ἀπομένοντα πρόβατα. ἔστι γὰρ καὶ τοῦτο ἀγαθὸν ποιμένος τεκμήριον. ὁ ποτ' ἂν τὰ πρόβατα. ἐκ τοῦ φλογμοῦ τοῦ καύματος, μᾶλλον δε τοῦ σώματος νυστάζειν τῇ ψυχῇ ἄρξωνται. τότε σφοδρότερος ὑπὲρ αὐτῶν εἰς οὐτὸν ὄρων ὁ ποιμὴν γρηγορήσοιεν. ἐιῶθαι γὰρ κατὰ τὸν καιρὸν τοῦ καύσωνος ἐκείνου. πολλὰ λυκόβρωτα γίνεσθαι. πλὴν εἰ καὶ αὐτὰ κατὰ τὸν ἐκτὸς π. 281 οβ. ἐν τοῖς προβάτοις ὀρώμενον τύπον τὴν κεφαλὴν τῆς ψυχῆς ἐν τῷ καιρῷ τοῦ φλογμοῦ κάτω εἰς γῆν κλίνουσιν. ἔχομεν τὸν ἐπόντα. καρδίαν τεταπεινωμένην καὶ συντετριμμένην, ὁ θς οὐκ ἐξουθενώσει. σκοτίας καὶ νυκτὸς παθῶν καταλαβούσης τὴν ποιμνὴν. ὀρίζει ἀκινήτως τὸν κύνα πρὸς θν. εἰς τὴν νυκτερινὴν φυλακὴν. οὐδὲν δὲ ἀπεικὸς νοήσεις τὸν σὸν νοῦν. τὸν ἀναιρέτην τῶν θηρίων. φύσεως ἰδίωμα καὶ τοῦτο ὁ ἀγαθὸς ἡμῶν πεποίηκε κς. ἵνα τὸν ἴατρὸν ὄρων ὁ νοσῶν εὐφραίνεται. ἴσως εἰ καὶ μηδὲν παρ' αὐτοῦ ὠφελεῖται. κέκτησο καὶ σὺ ὦ θαυμάσιε. ἐμπλαστρα. ξηρία. κουλούρια. ποτὰ. σπόγγους. ἀναυσίαν. φλεβότομα. καυστήρας. ἀλείμματα. ὑπνητήρια. μάχαιραν. καταδέσμους εἰ δὲ τούτων ἀποροῦμεν πῶς τὴν ἐπιστήμην ἐνδειξώμεθα. οὐδαμῶς. οὐ γὰρ λόγων, ἀλλ' ἔργων οἱ μίσθοι π. 282. δίδονται. ἐμπλαστρον ἐστίν, ἱασις παθῶν ὀρωμένων ἡγουν σωματικῶν. δόσις ἐστίν ἱασις παθῶν τῶν ἐντὸς. καὶ κένωσις ῥύπου ἀοράτου. κηρίον ἐστίν. ἀτμία δάχνουσα καὶ οἴησεως σηπεδόνα θεραπεύουσα. κουλούριον ἐστίν. ὀφθαλμοῦ ψυχῆς νοὸς καθαρσις. ἐκ χωλώσεως θυμοῦ ταραχθέντος. ποτόν ἐστι στύφουσα ἐπίπληξις. μετ' ὀλίγον δὲ θεραπεύουσα φλεβότομον ἐστι σύντομος κένωσις ὁζωδίας ἀφανοῦς. φλεβότομον κύριως. ἐπιτατικὴ καὶ ἀπόταμος ἐπένεξις εἰς στήν τῶν νοσοῦντων. σπόγγος ἐστίν. ἢ μετὰ τὴν φλεβοτομίαν. ἢ χειρουργίαν διὰ προσηγῶν καὶ ἡπίων λόγων καὶ ἀπαλῶν τοῦ ἱατροῦ ἐν τῷ νοσοῦντι θεραπεία καὶ κατάψυξις. καυστήρ ἐστίν ὄρος καὶ ἐπιτίμιον εἰς μετάνοιαν πρὸς χρώμενον διδομενον φιλανθρώπως. ἀλειμμα ἐστίν ἢ μετὰ τὸν καυστήρα

[illegible]



ἢ δια λόγου. ἢ διὰ μικρῆς παρακλήσεως. ἐπιτιθεμένη τῷ νοσοῦντι παραμυθία л. 232 об. ὑπνωτικόν ἐστι. τὸ τὸ φορτίον τοῦ ὑπηκόου ἀναδέξασθαι. καὶ διὰ τῆς ὑποταγῆς. ἀνά-  
 παυσιν αὐτῷ καὶ ὕπνον ἄὑπνον. καὶ τύφλωσιν ὁσίαν. τοῦ βλέπειν τὰ ἑαυτοῦ καλὰ χαίρειν. κατὰδес μοι εἰσι. τὸ τοὺς τῇ κενοδοξίᾳ ἐκλυομένους. καὶ κεχαυνωμένους. δι' ὑπο-  
 μνήσεως θανάτου στερεοῖν καὶ ἐπισφίγγειν. τέλος δὲ πάντων μάχαιρα ἐστιν. ὅρος καὶ ἀπόφασις ἐπιτομῇ νεκρωθέν-  
 τος ψυχικῶς μέλους καὶ σεσηπότος. ἵνα μὴ καὶ τοῖς λοι-  
 ποῖς. τὴν οἰκείαν ψώραν μεταδῶ. μακαρία ἀναυσία ἐνία-  
 τροῖς καὶ ἐν προεστώσιν ἀπάθεια. οἱ μὲν γὰρ μὴ ναυσιῶν-  
 τες, ἐν πάσῃ ὀζωδίας θεραπεία. ἀκύνως ἐπιχειρήσουσιν. οἱ δὲ πᾶσαν τεθνηκυῖαν ψυχὴν ἀναστήσουσιν. καὶ αὕτη μία τῶν αὐτοῦ προσευχῶν τοῦ πρεσβηκότος γένηται. τὸ πᾶσι κατὰ τὴν ἑαυτῶν ἀξίαν προσπάσχειν τὴν καὶ συνδιατίθεσθαι. μήπως л. 283. ὡς ὁ ἱακῶβ καὶ αὐτὸς καὶ τὸν ἀγαπώ-  
 μενον. καὶ τοὺς συμφοιτητὰς καταβλάψοιεν. τοῦτο δὲ πᾶσ-  
 χειν πεφύκασιν. ἐπειδὴ. οὕτω τὰ τῆς ψυχῆς αἰσθητήρια τελείαν γεγυμνασμένα κέκτηνται πρὸς διάκρισιν καλοῦ τε καὶ μέσου καὶ κακοῦ. πολλὴ ἡ τοῦ προεστώτος αἰσχύνῃ προσευχόμενον τι πρὸς τὸ δωρηθῆναι τι τῷ ὑπηκόῳ. ὅπερ αὐτὸς οὕτω προκέκτηται. ὥσπερ οἱ πρόσωπον βασιλέως θε-  
 ασάμενοι. καὶ τοῦτον ἑαυτοῖς φίλον καταστήσαντες. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ ἅπαντας δύνανται λοιπὸν καὶ τοὺς ἀγνώστους αὐτῷ ἢ καὶ ἐχθροὺς, εἴπερ βουληθῶσι συνοψί-  
 σαι. καὶ τῆς αὐτοῦ δόξης ἀπολαῦσαι. οὕτω καὶ ἐπὶ τῶν ἀγίων νόει. τοὺς ἀκροτάτους φίλους. καὶ αἰδοῦνται οἱ φί-  
 λοι καὶ ὑπακούουσιν. ἴσως δὲ καὶ βιάζονται ὑπὲρ αὐτῶν κα-  
 λὸν κεκτῆσθαι φίλους τοὺς νεοτέρους φίλους. οὐδεὶς γὰρ, οὕτω συνεργεῖ ἡμῖν πρὸς ἀρετὴν. л. 283 об. διηγήσα-  
 το μοι τι τῶν θεοφιλῶν. ὡς ὅτι πάντοτε μὲν. μάλιστα δὲ ἐν ταῖς ἐτησίαις καὶ δεσποτικαῖς ἑορταῖς ὁ θεὸς τοὺς ἑαυτοῦ θεράποντας. δωρεαῖς ἀμείβεται. τελέως ὀφείλει αὐτὸ τὰ πάθη ὁ ἱατρὸς ἐκδύσασθαι. ἵνα ἐν καιρῷ τινὶ δυνήσεται τινα. καὶ μάλιστα τὸν θυμὸν ὑποκρίνεσθαι. ἐμὴ γὰρ αὐ-  
 τὰ εἰς ἄκρον ἀπώσεται οὐ δυνήσεται αὐτὰ. ἀπαθῶς ὑπο-  
 δύεσθαι. εἶδον ἵππον ἔτι μικρὸν ἀγυμνάστως διακείμενον. καὶ μέντοι χαλινὸν ἔχων. καὶ ἡσυχίως βαδίζων. ἐξαίφ-  
 νης τὸν ἴδιον κύριον ἐπεσούλευσε. μικρὸν τοῦ χαλινοῦ αὐ-  
 τοῦ χαυνωθέντος. ἐπιδυσὶ δαίμοσι τὸ παρὸν ὡς ἐπὶ παν πρό-  
 βλημα. ἐπακολουθεῖν πέφυκεν. οἱ βουλούμενοι ζητεῖν. ζη-  
 τεῖτωσαν ἐμπόνως. τότε τὴν ἐκ τοῦ δεδομένην αὐτῷ ὁ ἱα-  
 τρὸς ἐπιγνώσεται σοφίαν. ὁ πότ᾽ αὖν τὰ τοῖς πολλοῖς ἀθε-  
 ράπευτα πάθη θεραπεῦσαι δυνήσεται. л. 284. οὐ θαυμα-  
 στὸς διδάσκαλος ὁ τοὺς εὐμαθεῖς παῖδας σοφοὺς ἀπεργα-  
 σάμενος. ἀλλ' ὁ τοὺς ἀμαθεῖς καὶ ἀσόφους, σοφίσας καὶ τε-  
 λειώσας. ἢ τῶν ἡνιοχούντων εὐφυῖα. ὅτ' ἂν ἐν ἀδοκίμοις ἵπποις νικήσωσι. καὶ τοὺς ἵππους διασώσωνται. τότε ἐμ-  
 φανίζεται καὶ ἐπαινέται. ἐὰν εἴληφας ὄμματα προβλέπειν. τὰ κύματα. τοῖς ἐν τῷ πλοίῳ προύλεγε. εἰ δὲ μὴ σὺ τοῦ ναυαγίου αἰτίας καθίστασαι. ὡς σὺ καὶ παραπάντων πῖστευ-  
 θεῖς ἀμέριμον τὴν κυβέρνησιν. εἶδον ἱατροὺς τῷ ἀρρώστῳ

лагаемое, нежджжюциомж оупокоеніе. оуспителное ѿ  
 еже время послжшного въспріати. и ради покинкова-  
 нія. покон томж и сънъ безсѣинны и слѣпотж прѣнжю  
 еже не блюсти своа добраа подати. привази сѣ, еже  
 тѣшеславіемъ разслабляемыа, въспоминаніемъ смѣрт-  
 нымъ оутврѣжати и прнтазати: Конецъ же въсѣмъ но-  
 жъ ѿ, оуставъ и ѿреуеніе и ѿсѣуеніе оуѣркенаго дшѣ-  
 кнѣ оуда и сѣгннвшаго. ꙗко да не и проуимъ своа  
 красты подастъ. бѣжено безболѣзне въ крѣуѣ. и въ на-  
 столщѣ бестѣтїе. ѿвн бо неболежнжюще, къ всѣкомъ  
 смрада крѣуевани безлѣности наунжтъ. ѿвн же, въсѣ-  
 кжю оуѣмѣшж дшѣж въскрсѣнн възможѣ. и сн едина  
 ѿ того мѣтвъ настолщяго бѣдѣ, нже всѣ по своємъ  
 дѣннствж състрадовати же и сълагатсѣ. да не како  
 ꙗко же ѿакѡвъ. и тѣ и любнмлаго и съ оуѣнѣкы по-  
 вредѣ. сече страдати ѡбыкоша, понеже не оу дшѣ-  
 кнѣа уювства съврѣшенѣ ѡбѣоуена имжтъ, къ ра-  
 зсѣжѣнію добрж же и злж и срѣнемж. мнѡгъ насто-  
 щяго срамъ, молащжсѣ неѣто дароватсѣ послжшно-  
 мж, еже самъ не оу прече стажа. ꙗко же нже лице  
 ѿрѣко видѣвшен, и того себѣ дрѣга оустронѣшен, и  
 слоугы его всѣ. можѣ проуеє и невѣдомыа емѣ или  
 и врагы аще косхотать съпрнвестн, и того славы на-  
 сладитсѣ. снче и ѿ сѣнѣ разоумѣвати. съврѣшенѣ-  
 нѣ дрѣгъ и стыдатсѣ дрѣгн и послжшяють. равно же  
 и прннжжѣются ѿ нѣ. добро стажати дрѣгын, оуѣмныа  
 дрѣгы. ннктѡ бо тако съносѣшѣствѣтъ намъ къ до-  
 бродѣтели. новѣда мн некто ѿ бѣолюбнѣ. ꙗко въсѣгда  
 оубо, паѣе же въ молебнѣ и кладыунѣ прожѣннѣ бѣ  
 сконмъ оугодннѣомъ дары въздаєтъ. съврѣшенѣ дѣ-  
 женѣ есть самѣ стѣтен крѣуъ съвѣщнсѣ. ꙗко да въ  
 крѣмѣ некое възможѣ некое. и паѣе же кростъ себѣ  
 прнткорнтн. аще бо ты ꙗ до кѡнѣа не ѡрннж, не въ-  
 зможеть въ тыа бестѣтнѣ ѡблѣщнсѣ: Видѣ конѣ и  
 еѣе малъ не ѡбѣоуенѣ сѣщнѣ. и оубо оуздѡу нмѣа  
 и безмѣлнѣа хода, кнезѣа нѣа на своєго гѣа навѣтова  
 мало оузѣ его попжстенѣ бывшн. ѿ двѡнѣ въсѣхъ на-  
 столщїеє ꙗко при всѣмъ гѣанѣе послѣдовати ѡбыѣе.  
 хоташѣн нескати, да нѣжѣ болѣзньнѣ: Тогда же ѿ  
 бѣа даннжю емѣ премѣрѡсть крѣуъ познасть, кнегда  
 же многымн не оукрѣуеваннѣа стѣтн оукрѣуевати въ-  
 зможѣ. не уюденѣ оуѣнтель нже добрѣ выкижѣлаа дѣ-  
 ти премѣрѣ съдѣлавъ, нж нже не навѣщющѣа и немѣ-  
 рыа оуѣремѣжнѣа и съврѣннѣа. Нже на колесннѣа те-  
 кжѣнѣ бѣгоразжмїе, егда на неѣскжснѣа конѣ поѣдѣати  
 и конѣ съблѡдѣтъ, тогда ꙗкѣмѣтсѣа и похвалѣтсѣа.  
 аще прѣлѣа есн оуѣн прожнрати кѣлнѣ, сѣщнѣа в ко-  
 рабн прѣгѣн. аще ли нн, ты нстѡплѣнію кнѣоѣнѣ  
 есн. ꙗко ты паѣе всѣ въкѣренѣ неспѣуалнѣ ѡкрѣмѣ-  
 нїю: Видѣ крѣуа, колащнѣа кнѣнѣ неѣрѣ възвѣстн-  
 кнѣа. и оубо ѿ сего и болащнѣа и себѣ, мнѡг трѣ  
 и съкржнѣенне нехѡдѣтѣннѣа. послнжж оубо настѡн,



τὰς αἰτίαις μηήσαντας. καὶ μέντοι ἐκ τούτου. καὶ τοῖς νοσοῦσι καὶ ἑαυτοῖς πολὺν τὸν κόπον καὶ τὴν συντριβὴν προεξένησαν. καθὼς ἂν ὁ προεστὼς τὴν τε τῶν ὑπηκόων. τὴν τε τῶν πόρρωθεν πίστιν πρὸς αὐτὸν πολλὴν θεάσῃται. κατατοσοῦτον λοιπὸν ἑαυτὸν πάσῃ φύλακῇ τηρήσοιεν ἐν πάσιν οἷστε πρᾶττει. καὶ φθέγγεται. γινώσκων ὡς πάντες **π. 284** **οθ.** εἰς αὐτὸν ὡς ἀρχέτυπον εἰκόνα βλέπουσιν καὶ τὰ παρ' αὐτοῦ εἰς ὅρον καὶ νόμον λογιζονται. ποιμένα ἀληθινὸν ἀποδείξει ἀγάπη. δι' ἀγάπην γὰρ ὁ ποιμὴν ἐσταύρωται. λόγοις οἰκείου τὰ ἐν ἄλλοις. καὶ οὐ δεῖ σοι πολλῆς αἰδῶ πάντοτε. λύπει νοσοῦντα πρὸς χρόνον, ἵνα μὴ μακρονοσήσῃ. ἢ τελευτήσῃ ἐκ σιωπῆς ἐπαράτου. πολλοὶ τῇ σιωπῇ τοῦ κυβερνήτου καλῶς πλέειν ὀπελάμβανον. ἕως οὗ τῷ βράχει προσέκρουσαν. πάυλου τοῦ μεγάλου τῷ τιμοθέῳ ἀκούσωμεν γραφόντος. ἐπίμεν ἑαυτοῖς φησὶν. εὐκαίρως ἀκαίρως. εὐκαίρως μὲν οἶμαι. ὅτε οἱ ἐλεγχόμενοι τὸν ἔλεγχον ἡδέως ὑπομένουσιν. ἀκαίρως δὲ ὁ πότε ἂν ἐπ' τοῦτο δάκνυνται. ἐπεὶ καὶ αἱ πηγαὶ καὶ μηδεὶς ὄντος τοῦ διψῶντος. ἀναβλύζουσι νάματα. ἔστι φύσις ἵνα οὕτως εἴπω. περὶ τὸ αἰδετικὸν ἐν προεστῶσι ῥέπουσα. καὶ τὰ ὀφείλοντα τοῖς ὀφείλουσι πολλάκις σιωπῶσα. εἴτις τὸ τῶν διδασκάλων ἐπὶ **π. 284** τοῖς μαθητευομένοις ποιεῖν μὴ παραιτήσοιτο. καὶ γραφὴ τὰ χρειώδη ἀπαγγέλλματα σημειοῦσθαι αὐτοῖς ἐπιχειρήσοιεν. ἀκούσωμεν ἔν τισι τῆς θείας φωνῆς λεγούσης. ἔκκοψον αὐτὴν ἵνα τί καὶ τὴν γῆν καταργῇ. καὶ ἐξάρκατε τὸν πονηρὸν ἐξ υμῶν. καὶ μὴ προσέυχου ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τούτου. καὶ ἐπὶ τοῦ σαοὺ ὁμοίως. ταῦτα πάντα τὸν ποιμένα γινώσκειν ἀναγκαῖον. ἐν ποίοις καὶ πῶς καὶ πότε ὀφείλουσι γίνεσθαι. θῷ γὰρ ἀληθέστερον οὐδέν. εἴτις ἴδια ἐλεγχόμενος οὐκ αἰσχύνεται. οὗτος καὶ τὸν ἐπὶ πλήθους ἔλεγχον. ἀφορμὴν ἀναισχυντίας ἐποίησατο. ἐκουσίως τὴν ἑαυτοῦ σφ'ίαν βδελυξάμενος. σκοπῶ δὲ κακεῖνο. ὅπερ παρὰ πολλοῖς εὐγνώμοσιν ἀρρώστοις. εἶδον γινόμενον. τὴν γὰρ ἑαυτῶν δειλίαν καὶ ἀσθένειαν ἐπιστάμενοι. καὶ μὴ βουλομένους τοὺς ἰατροὺς δεσμήσαι αὐτοὺς καὶ ἐκουσίῳ γνώμῃ βία ἱατρεύσαι ἐδυσώπησαν. δι' ὅτι τὸ μὲν πᾶν πρόθυμον **π. 285** **οθ.** διὰ τὴν μέλλουσαν ἐλπίδα. ἢ δὲ σὰρξ ἀσθενῆς. διὰ τὰς προλαβούσας προλήψεις. ἐγὼ δὲ ἑωρακῶς πείθεσθαι τοὺς ἱατροὺς ἐδυσώπησα. οὐδὲ πᾶσιν ὁ ὁδηγὸς στενὴν καὶ τεθλιμμένην τοῖς προσερχομένοις λέγειν ὀφείλει. οὐ δὲ μὴν ἐκάστω τὸν ζυγὸν χρηστὸν καὶ τὸ φρρτίον ἐλαφρόν. σκοπεῖν δὲ μᾶλλον καὶ προσφυῶς ἀρμόζειν τὰ φάρμακα. τοῖς μὲν ἐκ χαλεπῶν καταβεβραρημένοις ἀμαρτημάτων. καὶ εὐχερῶς πρὸς τὴν ἀπόγνωσιν ἔχουσι, τὸ δεύτερον τοῖς δὲ πάλιν πρὸς τὸ ὑψηλὸν καὶ οἰηματικὸν φρόνημα κλίνουσι. τὸ πρῶτον ἀρμόδιον φάρμακον. τινὲς ὁδὸν ὀδέυειν μακρὰν ἔχοντες. ἐρωτήσαντες τοὺς γινώσκοντας, εὐθείαν ταύτην καὶ λείαν καὶ ἀκίνδυνον, παρ' αὐτῶν εἶναι ἀκήκοαν. καὶ μέντοι τῇ ἀκοῇ χαυνωθέντες πρὸς τὴν ὁδοιπορίαν, περὶ τὰ μέσα ταύτης ἢ ἐκινδύνευσαν ἢ καὶ ὑπέστρεψαν ἀπαρασκέυαστοι πρὸς τὰς θλίψεις εὐρεθέντες. ὥσπερ καὶ τὸ ἔμπαιλιν **π. 286.** νόει μοι. ὅπου ἔρως θεῖος ἤψατο. ἐκεῖ

и посажѣнныѣ же и сѣщїи ѱудалеуа кѣрѣ к немѣ мно-  
гую оузрѣть. потолѣкѣ себе проуеє късѣщїемъ хране-  
нїемъ да съблюдаєть къ всѣмъ нѣмъ творити и кѣрѣ. кѣ-  
дыи. ꙗко къси нани ꙗко на нѣуалообразныи образѣ зрѣть,  
и ꙗже ѿ него глѣмаа къ оустѣмъ и законѣмъ вышѣють.  
пастыря истиннаго, покажеть любовь. любви бо рѣ  
пастырь распахтѣ. словеса оускоан ꙗже къ нимъ, и  
не трѣбѣ ти ѣ многа стыдѣнїа всегда. ѿнеуалѣи недѣ-  
жющаго на время, ꙗко да недѣлго болѣть. или  
оумрѣ ѿ мѣуанїа проклѣтаго. мнози мѣуанїемъ крѣ-  
мнѣмъ добрѣ плавати не ꙗже ꙗже, донде ꙗже къ бре-  
гѣмъ приражѣнѣ. ꙗвлѣ великаго оуслышѣмъ ти моѣ-  
ѡви нишѣща. ꙗстѣи тѣ рѣ, бѣговременнѣ и безъвре-  
меннѣ. бѣговременнѣ оубо мною, егда ѡбнѣуемъ ѿ ѡбнѣ-  
уенїе слѣщѣ трѣпати. безъвременнѣ же вѣгда ѡ семь  
хѣпѣтѣ. елма и нѣстоуничи, и ниномъ же ꙗже ꙗже  
нѣстауѣю воды: . † на ѣ. ꙗсѣ:

[illegible]



φόβος ῥημάτων οὐκ ἴσχυσε. καὶ ὅπου φόβος γεέννης, ἐπέφανεν, ἐκεῖ πόνων πάντων κατάδεξις. ὅπου δὲ βασιλείας ἐλπίς γνωρίζεται. ἐκεῖ ὅλων τῶν τάτῳ καταφρόνησις. δεῖ τὸν καλὸν στρατηγὸν τὴν ἐκάστου τῶν ἀρχομένων στάσιν καὶ τάξιν σαφῶς ἐπίστασθαι. ἴσως γὰρ εἰσὶν ἐν τῷ πλήθει τῖνες συν αὐτῷ ὑπὲρ τῶν συστρατιωτῶν πρόμαχοι. καὶ μονομάχοι. ὀφείλοντες ἐν ἡσυχία καθίστασθαι. οὐ δύναται μόνος κυβερνήτης χωρὶς τῆς τῶν ναυτῶν συνεργίας. τὴν ναῦν διασώσασθαι. οὐδὲ ἱατρὸς τὸν κάμνοντα ἰάσασθαι. μὴ πρότερον παρ' αὐτοῦ διὰ δυσωπήσεως. καὶ τῆς τοῦ τραύματος φανερώσεως. προτραπῇ ὀλοπίστως. οἱ αἰδεσθεντες ἱατροῦς, σηπεδόνας πεποιήκασιν. πολλοὶ δὲ πολλάκις καὶ τεθνήκασιν. νεμωμένων τῶν προβάτων, τῇ σύριγγι τοῦ λόγου ὁ ποιμὴν κεχρημένος μὴ παύσεται. λ. 286 οβ. καὶ μάλιστα μελλόντων τούτων εἰς ὕπνον ἔρχεσθαι. οὐδὲν γὰρ δέδοικε λύκος. ὡς σύριγγος ποιμαντικῆς ἀπήχημα. οὐδὲ πάντοτε ταπεινοῦν ἀλόγως. οὐδὲ πάντοτε ἀνυψοῦν αὐτὸν ἀφρόνως ἐαυτὸν ὁ προεστὼς ὀφείλει. ὁρῶν παῦλιν ἐν ἀμφοτέροις ὀδέουοντα.

ДНТЕЛЮ, КОЕГОЖДО ѿ воинствующѣи ѹННѢ Н СТОЛНІЕ КВѢ ВѢТН. ЕДА БО СЖѢ ВЪ МНОЖЕСТВѢ НѢЦІН. СЪ ННМЪ ѿ ВОННѢ ПРѢВБОРЦН Н ЕДННОВОРЦН, А ДЛѢЖНН СЖІЕ ВЪ БЕЗМЛѢВН ОУСТРАЛНСА. НЕ МОЖЕТЪ ЕДННЪ КРѢМЦІН БЕЗ КОРАБННУСКАГО СЪНѢСПННЕНІА КОРАБЪ СІІСТН. ННЖЕ КРАУЪ БОЛАЩАГО НСЦѢЛНТН, НЕ ПРѢВЪЕ ѿ НЕГО ОУМОЛЕНІЕМЪ Н СТРПА КВЛЕНІЕМ ПОВЕЛЕНЪ БЫВЪ ВЪ СЕКѢРНѢ. ОУСТНДѢВШЕНСА КРАУЕВЪ, СЪГННТІА СЪТВОРНША. МНѢГН ЖЕ МНОЖНЦЕЮ Н ОУМРОША. ПАСОМѢМЪ ѿКЦАМЪ, СВНЖАНІЕМЪ СЛОВА ПАСТЫРЪ ПРІЕМЛХ ДА НЕ ПРЕСТАНЕТЪ. Н ПЛѢЕ ЖЕ ХОТАЩНМЪ ТѢМЪ ВЪ СКНѢ ПРНХОДІТН. ННУСѢЖЕ ВОНТСА ВЛѢКЪ, КАКО ЖЕ ЗВІЖАНІА ПАСТЫРСКАГО ѿГЛАШЕНІА: . НН ВСЕГДА СМѢРНТСА БЕЗСЛОВЕСНѢ, ННЖЕ ВСЕГДА БЕЗЖМНѢ СЕБЕ КЪЗВЫШАТН НАСТОЛН ДЛѢЖЕНЪ Ё. ЗРА ПАВЛА ВЪ ѿБОИ ШЕСТВЮЩА.

### Ч т е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а .

Ιωσήφ οἰκτρος εὐτελής ρακενδύτης τὴν ἱερὰν κλίμακα τάυτην ἐκ πόθου, ἐγράψα χερσὶν οὐ μενουν ταῖς ἰδίαις. ἀλλ' ὥσπερ ἠυπόρησα τῶν μισθωμάτων: . ταύτην ἀνατρέχοντες οὐλοῦν πρὲς ταῖς πρακτικαῖς μάλιστα νῦν ἐργασίαις πρὸς τὰς μονὰς βαίνοιτε τὰς οὐνῖους: . τὴν γῆν ἀφέντες καὶ τὰ τῆς γῆς τοῖς κάτω: . ἐμου δὲ τοῦ τάλανος ἐν μονοτρόποις, διηνεκῶς μέμνησθε πρὸς τὸν δεσπότην. ὅπως διαβὰς τὴν θάλασσαν τοῦ βίου, πρὸς λιμένας φθάσαι τοὺς οὐνῖους:

† Η παροῦσα δέλτος ἐγράφη, ἐν ἔτει ۞۞۞. ἰνδικτιώνος ۞. ἐπὶ τῆς βασιλείας τοῦ εὐσεβεστάτου βασιλέως ἡμῶν κυρ. ἀνδρονίκου κομνηνοῦ ἀγγέλου δουκὰ τοῦ παλαιολόγου, πατριαρχέοντος τοῦ ἀγιωτάτου δεσπότη ἡμῶν τοῦ φιλοσοφωτάτου κυρ. Γρηγορίου. ὃν ἡ κύπρος ἦνεγκεν ἡ περιφάνης τε καὶ περιβόητος. καὶ ἡγοιμενευόντος ἐν τῇ σεπτῇ μονῇ τοῦ ἀρχιστρατίγου τῶν ἄνω δυνάμεων μηχαῆλ. τοῦ πανοσιωτάτου πρὸς μου τοῦ ἱερομονάχου κυρ. Ιγνατίου. ὅσοι γοῦν ἀναγινώσκετε ταύτην τὴν βίβλον εὐχεσθε μοι διὰ τὸν κν, ὅπως εὔροι μὲ ταῖς εὐχαῖς ὑμῶν, τῶν πολλῶν μὲ ἀμαρτημάτων τὴν ἀπολύτρωσιν.

Ἐυχεσθε καμοὶ τῷ γραφεῖ θεοδοσίῳ μοναχῷ ταπεινῷ καὶ ἀμαρτωλῷ. καὶ συγγνώμην δίδοτε τοῖς σφάλμασι μου: . Δόξα σοι ὁ θεῷ Δόξα σοι ἀμήν.

φ. 15 οβ. Λόγος ἀσκητικὸς τοῦ ἀββᾶ ἰωάννου τοῦ ἡγουμένου τῶν ἐν τῷ σινᾶ ὄρει μοναχῶν. λόγος ۞.

Τοῦ ἀγαθοῦ καὶ ὑπεραγάθου. καὶ παναγάθου ἡμῶν θεοῦ καὶ βασιλέως. καλὸν γὰρ ἐκ θεοῦ πρὸς τοὺς θεοῦ θεράποντας ἄρξασθαι. πάντα τὰ ὑπὲρ αὐτοῦ κτισθέντα λογικὰ. αὐτεξουσιότητος ἀξιώματι. τιμήσαντος οὐ μὲν εἰσὶν φίλοι. οἱ δὲ γνήσιοι δοῦλοι. οἱ δὲ χρεῖται.

Заставки. Монограма: Ιωσήφ τοῦ πουλιτζή. . : . Περὶ μνήμης θανάτου . : .

Πάντος λόγου προεῖται ἔννοια. μνήμη δὲ θανάτου καὶ πταισμάτων.

Заглавные буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: ἐπάυσατο; . πόθον, μοναχός. Сокращения и слова съ титлами: χαρίσματος, θάνατον, φύσιν καὶ πάτερ, θεοῦ. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀγγέλοις. ε) ἐξέλθε ἐν εἰς ἐγγνώμων. ν) νοῦν γράφων. σ) καθέστηκεν ἀβύσσου. τ) πλεῖστα πρᾶττει. цифра Ϸ съ титлами. Сокращенная монограма. φεβουάριος.

## V. Сборникъ разныхъ св. отцевъ церкви нравственнаго содержанія

Находится въ Московской Синодальной Библиотекѣ подъ № 405-мъ.

Длина пергамина . . . . .	4 $\frac{1}{8}$	в.
Ширина . . . . .	3 $\frac{1}{4}$	в.
Къ корешку . . . . .	$\frac{1}{2}$	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$\frac{7}{8}$	в.
Къ верху . . . . .	$\frac{1}{2}$	в.
Къ низу . . . . .	$\frac{7}{8}$	в.

Пергамень тонокъ и выдѣланъ очень хорошо.

Писано мелкою скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 328-ми листахъ. Вверху 3-го листа подписано: τῶν ἱβηρῶν. а внизу: Арсеній, ὡς. На 3-й страницѣ простая заставка, заглавія и заглавія буквы до 106. листа обор. писаны свѣтло-коричневою краскою, съ 107 по 172-й об. пунцовою краскою, съ 173 до конца тою-же свѣтло-коричневою краскою. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 33. Помѣта тетрадей внизу на краю правой стороны.

На первыхъ двухъ листахъ въ XIII—XIV в. написано поученіе не имѣющее ни начала ни конца.

л. 3—7. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ ἰσαάκ, τοῦ σύρου ἀναχωρητοῦ περὶ τῆς ἀδιαλείπτου νηστείας.... Начало: Ἐν πολλῷ καιρῷ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιοῖς καὶ ἀριστεροῖς.

л. 7 об. 9. Τοῦ αὐτοῦ. πόθεν γίνεται τὸ μέτρον τῆς γνώσεως. καὶ τὸ μέτρον τῆς πίστεως. Начало: Ἔστι γινώσις, προηγουμένη τῆς πίστεως.

л. 9—16. Περί διαφορᾶς τῆς ἐν ἡσυχίᾳ διακρίσεως.... Начало: Δόξα τῷ ἐκχέαντι πλουσίως τὰς ἑαυτοῦ δωρεάς, τοῖς ἀνῶις.

л. 16—19 об. Περί φυλακῆς καὶ τηρήσεως.... Начало: Ὁ κωλύων τὸ στόμα αὐτοῦ ἐκ τῆς λαλίας, φυλάσσει τὴν καρδίαν αὐτοῦ ἐκ τῶν παθῶν.

л. 19 об.—23 об. Διήγησις ἁγίων ἀνδρῶν. καὶ λόγοι πανόσιοι οὓς παρ' αὐτῶν ἀκήκοεν ὁ ἀββᾶς ἰσαάκ καὶ περὶ τῆς θαυμαστῆς αὐτῶν Διαγωγῆς. Начало: Ἐν μιᾷ τῶν ἡμερῶν, ἀπῆλθεν εἰς κελλίον тινὸς ἀδελφοῦ ἁγίου.

л. 23 об.—42 об. Τάξις τρίτη τῆς γνώσεως. ὅπερ ἐστι τάξις τῆς τελεώτητος. Нач. Πῶς οὖν λεπτύνεται καὶ κτᾶται τὸ πνικόν.

л. 43.—73 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν μαξίμου πρόλογος.. περὶ ἀγάπης. πρὸς ἐλπίδιον. 400. Начало: Ἰδοὺ τὸν περὶ ἀγάπης λόγον πέπομφα τῇ σῇ ὁσιότητι

л. 73 об.—97. Περί θεολογίας καὶ τῆς ἐνσάρχου οἰκονομίας τοῦ υἱοῦ τοῦ θῷ. 300. Начало: Εἰς θεῷ ἀνορχος.

л. 97—99. Ἐρώτησις τοῦ ἁγίου θαλασσίου πρὸς τὸν ἐν ἁγίοις μαξίμον τὸν ὁμολογητὴν. Начало: Ἀποκρίσις οἱ τον τέλειον τῆς πρὸς θῷ ἀγάπης.

л. 99—123. Τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν μαξίμου τοῦ ὁμολογητοῦ. πηγὴν ἄσυσαν ἡθικῶν δροσολόγων. ἐντευθεν ἐφευροῖς εἰ μετελθῆς γνησίως. Начало: Ἐξέστι παντὶ χριστιανῷ τῷ ὀρθῶς πιστεύοντι εἰς τὸν θῷ.

л. 123—183. Τοῦ ταπεινοῦ νικητᾶ ἀ καὶ πρεσβυτέρου τῆς εὐαγεστάτης μονῆς τῶν σου Δίου. τοῦ στηφάνου 300. Начало: Τέσσαρας οἶμαι τὰς αἰτίας εἶναι ἐν τριάδι τελεία τῶν ἀρετῶν.

л. 183—184 об. Τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ θαλασσίου. περὶ ἀγάπης καὶ ἐγκρατείας καὶ τῆς κατὰ νῦν πολιτείας. Начало: Ἀγάπην ἀληθινὴν ἐκεῖνος κέκτηται.

л. 184 об.—194. Τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν νείλου. περὶ προσευχῆς. Начало: Ἔτις βούλοιο εὐῶδες θυμίαμα.

л. 194. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολαὶ πρὸς μονάζοντας. Начало: Κἂν μηδεὶς σε διώκητύραννος ἔλλην.

л. 195 об. и 196. — 218. Ἦσυχίου πρεσβυτέρου πρὸς θεόδουλον. λόγοι ψυχωφελεῖς περὶ νήψεως καὶ ἀρετῆς κεφαλαιωδεῖς.... Начало: Νήψις ἐστὶ, μέθοδος πνικῆ....

л. 218. Τοῦ ἁγίου νείλου.. περὶ ἀκτημοσύνης. περὶ τῶν τριῶν τρόπων τῆς εὐχῆς. Начало: Ἔστι μὲν προηγουμένη τῶν τελείων προσευχῇ.

л. 218 об.—231. Κεφάλαια φιλοθέου μοναχοῦ. ἡγουμένου μονῆς τῆς ὑπεραγίας θ' αὐ τοῦ τῆς βᾶτου. Начало: Ἔστι νοητὸς πόλεμος ἐν ἡμῖν αὐτοῖς...

л. 231—313 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν ἀναστασίου τοῦ σῖναῖτου εἰς τὸν δαίμονα τῆς βλασφημίας въ во-просахъ и отвѣтахъ и съ выписками разныхъ отцевъ церкви, какъ въ его пудеводителѣ. Нач. Ὄταν ἄρξηται ἐν ἡμῖν ὁ δαίμων τῆς βλασφημίας ἐν τῷ κρυπτῷ φθέγγεσθαι.

л. 314—328. Διόπτριχ. недокончено. Начало: Μηδεὶς ἐξαπατάτω σε μηδεὶς παραμυθῆται.



## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 363. 'ΑΝΤΙΟΧΟΥ ΜΟΝΑΧΟΥ ΠΡΟΣ 'ΕΥ-  
ΣΤΑΘΙΟΝ ΠΕΡΙ ΠΡΟΣΕΥΧΗΣ.

Декабрь Макар. Четьи-минеи XVI в. (л. 592.)

ω молитвъ. глава рѣ.

Τὸ σχολάζειν τῇ ἀδιαλείπτῳ προσευχῇ, ἀναγκαῖον καὶ ἐποφελές ἡμῖν ὑπάρχει. αἰτήσωμεν οὖν τὸν πρῶτον τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ χριστοῦ δοῦναι ἡμῖν σύνεσιν πνευματικὴν ὥστε νήφειν καὶ ἐγρηγορέναι τοῦ αἰτεῖν παρ' αὐτοῦ τὸ θέλημα αὐτοῦ γενέσθαι ἐν ἡμῖν. τοῦτο γὰρ αὐτὸς ὁ θεὸς καὶ σὴρ ἡμῶν τὸ πνευτικὸν φῶς, τὸ ὄν, τὸ ἀληθινόν. ὃ φωτίζει πάντα ἄνθρωπον ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον. ἐνετείλατο ἡμῖν αἰτεῖν. ὅταν οὖν ἐπικαλούμεθα τὴν ἁγίαν καὶ ὁμοούσιον τριάδα πανάγχοις μὲν εὐχαῖς. ἀνεπιθολώτῳ δὲ νῶ. καὶ τῇ πρὸς θεῖαν ἔνωσιν ἐπιτηδεότητι, τότε καὶ ἡμεῖς αὐτοὶ πάρεσμεν καὶ ἀντιλαμβάνομεν τὰ πανάρετα δῶρα. τὰ περὶ αὐτὴν ἰδρυμένα. ἢ προσευχῇ ὑψηλοτέρα τυγχόνει πασῶν τῶν ἀρετῶν. καθαρὰ οὖσα καὶ θῶ ἐγγιζουσα. προσευχῇ γὰρ ἐστὶ, πραότητος καὶ ἀοργησίας βλάβη. προσευχῇ ἐστὶ, χαρᾶς καὶ εὐχαριστίας πρόβλημα. ἀλέξημα δὲ λύπης καὶ ἀθυμίας. χρῆ οὖν στησαι τὸν νοῦν κατὰ τὸν καιρὸν τῆς προσευχῆς κωφὸν καὶ ἄλαλον καὶ δύναται τις προσεῦξασθαι. ἢ γὰρ προσευχῇ, ὁμιλία ἐστὶ νοῦ πρὸς θεόν. ποίας οὖν δεῖται ὁ νοῦς καταστάσεως, ἵνα δυνήθῃ ὁμιλεῖν τῷ δεσποτῇ μηδενὸς ἐμποδιζόντος τῶν ξένων λογισμῶν. ἢ μετὰ πένθους. καὶ ἐν πνι προσευχῇ. τροφή τοῦ ἀνθρώπου ὑπάρχει. ὥσπερ ὁ ἄρτος τοῦ σώματος. μακάριος οὖν ἐστὶν ὁ νοῦς ὃς κατὰ τὸν καιρὸν τῆς προσευχῆς ἀπερίσπαστος τῷ θεῷ προσομιλεῖ, ὁ τοιοῦτος ὡς νεοσσός ἀετοῦ εἰς ὕψος αἵρεται. καὶ ὅλος ἡλλοιωμένος τῇ τοῦ θεοῦ ἀλλοιώσει φωτοειδὴς γίνεται. καὶ л. 263 об. ὅταν εἰς εὐχὴν στῶμεν. μὴ εὐξώμεθα τὸ ἡμῶν θέλημα γενέσθαι καθὼς προεῖρηται. ἀλλὰ τὸ τοῦ θεοῦ καθὼς καὶ ἐδιδάχθημεν. γεννηθῇ τὸ θέλημα σου ἐν ἡμῖν καὶ ἐν παντί, ἵνα οὕτως αὐτὸν αἰτοῦμεν. ὅπως τὸ αὐτοῦ γένηται θέλημα. θέλει γὰρ τὸ ἀγαθὸν καὶ σύμφερον τῇ ψυχῇ. ἡμεῖς δὲ. οὐ πάντως τοῦτο ζητοῦμεν καὶ τοῦτο ταλανίζοντες ἑαυτοὺς. καὶ μετὰ πολλοῦ πένθους. ὅτι πῶς ἀκάθαρτον ὄντες. τολμῶμεν κυρίως σαβασθῶ παρестάναι. ἵδὲ βουλόμενος οὖν καθαρῶς προσεῦξασθαι. πρότερον ὑπὲρ συνεργίας διακρύων προσεύχεται. ἵνα διὰ τοῦ πένθους ἐξημερώσῃ τὴν ἀγριότητα τῆς ψυχῆς. καὶ τυγχάνῃ τῆς ἀκραιφνοῦς προσευχῆς. καὶ γὰρ ἡ ἔμμενος καὶ συνεχῆς προσευχῇ. διὰ τῆς πρὸς θεόν ὁμιλίας ἐκ τῶν ἐγχοσμίων φρονημάτων ἀρπάζει τὸν νοῦν θεῷ δὲ αὐτὸν παρίστησι. καὶ διὰ τῆς εἰς θεόν ἐγγύτητος. εὐλαβείας τε αὐτὸν καὶ ἡ πιότητος ἐμπιπλά. χωρὶς δὲ ταπεινοφροσύνης, οὐκ ἐστὶν ἐνπροσδέκτον γενέσθαι προσευχὴν ἐπέβλεψε γὰρ φησὶν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν ταπεινῶν. καὶ οὐκ ἐξουδένωσε τὴν δέησιν αὐτῶν. τοιγαροῦν ὁ θέλων τὴν ἑαυτοῦ καθαρίσαι καρδίαν, τὴν μνήμην τοῦ κυρίου

Еже прилежати непрестанно мѣткѣ. потребно и полезно намъ есть. просимъ оубо оу бѣ и оца гѣ ншѣго ісѣу хѣ дати намъ разумъ дхѣнъ яко трѣзвѣати и бдѣти просити оу него воли его быти к намъ сего бо намъ бѣ и сѣсѣ нашъ ѿ ѿ свѣтъ сѣи истинныи, нже просвѣщаѣ всакаго члѣка въ весь миръ приходяща. поклѣ намъ просити еѣ оубо призываемъ стоюю ї еднносѣишю трѣи оу прѣтамъ молебамъ. безсмоутномъ же оумомъ. и къ бжѣемъ приствѣзвлению ключенѣ тогда и мы сами прѣидемъ. и въспрѣмлемъ вседѣтельны дары ѿ неи оутверженныа. мѣтѣ вышншии есть всѣ добродѣтели. чнста сѣи и бѣ приближающиса мѣтѣ бо есть кротость и безгнѣва прозѣбавъ. мѣтѣ есть радости и блгодаренїа прѣлогъ. цѣлѣе же печали и грѣшенїю. трѣк оубо есть поставити оумъ въ время мѣтѣное глѣха и нѣма и можетъ молбы ѿбѣщати. мѣтѣ бо всегда есть и оумъ къ бѣ. таково оубо трѣбуетъ оумъ оустроенїа. да възможетъ вседѣвати къ бѣ. ни еднномъ же заппнающе странныхъ помыслъ. съ плачемъ и дхѣмъ сѣиѣ мола. ница оумъ есть якоже хлѣбъ тѣлъ. блженъ оубо есть оумъ и же въ время мѣтѣное без сматенїа къ бѣ вседѣетъ. таковыи оубо яко и птица ѿрелъ на высотѣ вземлетсѣ. и весь измѣненъ бжѣю измѣною и свѣтотн денъ бывѣ. и егда на мѣтѣ стоимъ. не молимсѣ нашен воли быти якоже и оуени есмы. да бѣдетъ кола твоѣ ѿ мнѣ и ѿ всен кѣи. нъ тако просимъ оу него яко тогда бѣде кола. (л. 592 об.) хоцетъ бо блгомъ и полезномъ дхнн. мы же несако есть просимъ. и сеже оукарающеи и со многомъ плачемъ. яко тако нечисти сѣи смѣемъ гѣ саваофоу прѣстоати. хотя оубо чнстѣ помолнитсѣ. и прѣкѣ за поснѣшенїе слезъ да помолитсѣ. да плачѣ оукротитъ свѣрпѣю днѣ и оулуитъ чнстое моленїе. прилежнаа бо и чнста мѣтѣ вседѣванїемъ къ бѣ. ѿ мирьскыхъ оубо мыслѣи въсхыщаетъ оумъ. бѣ оу же ю прѣстѣлаетъ. приближенїемъ еже къ бѣ. говѣнїа же и тихости наполаетъ. без смѣреномъ дрїа же нѣ блгопрїатнѣ быти мѣтѣ. призре бо на смиренѣ мѣтѣ и не оуниъжи моленїа ихъ. тѣмъ же оубо хотѣи свое сѣи ѿчнстити. памѣтию гнѣю выниъ да разжнѣастъ. се тоуїю пооуенїе непрѣстанно дѣло имѣа. не ѿко. гда молнитсѣ ѿкогда ни. хотячнмъ свою гнѣлость ѿложити. нъ прѣно мѣтѣ прилежати къ соблюденїе оума. аче и негда къ мѣтѣнын храмъ събирасмѣ. якоже бо и хотѣ оунистити злато. аче и вмаѣ ослабѣтъ





λέγων οὐδὲν ἦν ἐν χειρὶ μου. εὐχὴ δέ μου καθαρᾷ. καὶ ὁ πέτρος. σωφρονήσατε οὖν καὶ νήψατε εἰς προσευχάς. καὶ ἀντίσθεται τῷ διαβόλῳ. ὁ δὲ κς. διὰ τοῦτω λέγω υμῖν, πάντα ὅσα ἂν προσευχόμενοι αἰτεῖσθαι. πιστεύεται ὅτι λαμβάνετε καὶ ἔστε ἡμῖν. καὶ ἐν τῷ εἶναι αὐτὸν ἐν τόπω τινὶ προσευχόμενον ὡς ἐπαύσατο, εἶπε τίς τῶν μαθητῶν αὐτοῦ. κς. δίδαξον ἡμᾶς. προσεύχεσθαι. καὶ εἶπεν. ὅταν προσεύχεσθαι, λέγετε. πέρ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐνοῖς, ἁγιασθήτω τὸ ὄνομα σου καὶ τὰ ἐξῆς. καὶ ἐπάγει. αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. ζητεῖτε, καὶ εὐρήσετε. κρούετε, καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. καὶ ἐπιφέρει. εἰ οὖν ἡμεῖς πονηροὶ ὑπάρχοντες, οἶδατε δόματα ἀγαθὰ διδόναι τοῖς τέκνοις ὑμῶν. πόσω μᾶλλον ὁ πῆρ ὁ ἐξ οὐνοῦ δώσει πᾶν ἅγιον τοῖς αἰτοῦσιν αὐτόν. καὶ βουλόμενος ἡμᾶς ὁ πολυπόθυτος κς διὰ κρυπτης ἐργασίας τὴν εὐχὴν л. 265. τῷ θῷ προσφέρειν, λέγει. ὅταν προσεύχη, εἰσελθε εἰς τὸ ταμεῖον σου. προσέυξαι τῷ πρὶ σου τῷ ἐν τῷ κρυπτῷ. καὶ ὁ πῆρ σου ὁ βλέπων ἐν τῷ κρυπτῷ ἀποδώσει σοι ἐν τῷ φανερῷ, αὐτῷ ἡ δέξα εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

ІѠКЪ Н НЕПРАКЕДНА ГЛѦ. НИЧЕГО ЖЕ БѢ ВЪ РУКЪ МОЕЮ. МОЛНТВА ЖЕ МОЯ УНСТА. Н ПЕТРЪ. ѠУНСТНТЕСА ОУБО Н НСТРѢЗКНТЕСА НА МЛТВЪ Н ПРОТНВНТЕСА ДІАВОЛОУ. ГЪ ЖЕ. СЕГО РАДН ГЛЮ КАМЪ ВСА ЕЛНКО АЩЕ МОЛЩЕСЯ ПРОСНТЕ, ВѢРХНТЕ ІАКО ПРІЕМЛЕТЕ Н БОУДЕТЬ КАМЪ. Н СХЩІѢ СМЪ НА МШСТЬ ЕТЕРЪ МОЛЩІѢСА. ІАКО ПРЕСТА. РЕЧЕ ЕТЕРЪ Ѡ ОУЇНКЪ ЕГО. ГН НЛОУНН НЫ МОЛНТНСА. Н РѢ. ЕГДА МОЛНТЕСА ГЛѢТЕ ОУЕ НАШЪ НЖЕ ЕСН НА НБѢСЪХЪ, ДА СТНТЕСА НМА ТВОЕ. Н ПРОУАА. Н ПОТОМЪ ПРОСНТЕ Н ДАСТЕСА КѦ. ННРѢТЕ Н ѠБРАЩѢТЕ. ТОЛЩЕТЕ Н ѠКЕРЗЕТЕСА КАМЪ. Н ПРИРЕЧЕТЪ. АЩЕ ОУБО КЫ ЗАН СХЩІЕ. І ОУМЩЕТЕ ДЛАДНІА БЛГА ДЛАДН УАДОУ КАНІИ, КОДМН ПАЧЕ ѠЩІ СЪ НБСЕ ДАСТЬ ДХЪ СТЫН ПРОСАЩНМЪ ЕГО. Н ВЕЛА НЫ МНОГОЛЮБНЫИ ГЪ ТАНЫМЪ ДѢЛАНІЕМЪ МЛТВЪ БОУ ПРИНОСНТН. ГЛѢТЕ. ЕГДА МОЛНННСА ВНДН К ХРѦ ТВОИ Н ЗАТВОРН ДВЪРН СВОМ Н ПОМОЛНСА ГОУ СВОЕМОУ В ТАНИИ Н ѠЩІ ТВОИ ВНДА ТА В ТАНИИ Н ВЪЗДАСТЬ ТЕБѢ ІАКЪ. ТОМОУ МЛРДМЪ ОІЮУ НАШЕМЪ СЛАКА ВЪ ВѢ: .

#### Ч т е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м е а.

φ. 184. Τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν νεύλου περὶ προσευχῆς.

Ἐἰ τις βούλοιο εὐῶδες θυμιάμα σκέυασα τὸν διαφανῆ λίβανον καὶ τὴν κασσίον καὶ τὸν ὄνουχα καὶ τὴν στακτὴν καὶ ἐξίσουσιν θήσει κατὰ τὸν γάμυν. ταῦτα διεστίν. ἡ τέτρας τῶν ἀρετῶν ἐὰν γὰρ πληρώταται καὶ ἴσαι τυγχάνουσιν οὐ προδοθήσεται ἡμᾶς.

φ. 270. Ἐκ τῆς βίβλου τῆς λεγομένης διόπτρα. περὶ τοῦ νοῦ.

Τοῦ νοῦ δε χρεῖα δετερον παρὰ πάντα τὰ μέλη καὶ ὄργανον τὸ κάλλιστον ὁ ἐγκέφαλος πέλει.

Καὶ κατοικοῦσιν ἐν αὐτῷ αἱ τρεῖς δυνάμεις τούτου μνημονικὸν φανταστικὴν διανοητικὸν το φανταστικὸν μὲν ἔμπροσθεν μνημονικὸν ὀπίσω.

Ἐτελειώθη ἡ παρούσα βίβλος παρ' ἐμοῦ νικήτου ἀναγνωστοῦ μαυρώνι δι' ἐξόδου δὲ ἐπιμελείας καὶ συνδρομῆς.... μοναχοῦ... ἐν ἔτει ςϷϣϣ.

Заставки, заглавныя буквы, Скорописная азбука. Сокращенія и слова съ титлати: ὑπόστατος. καὶ δε. ἐπιτεταμένη. πνεύματι, θεῷ, οὐρανῶν.

Слова съ знаками препинанія: δύνανται. μυσταγωγοί:

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀπετάξω, ἀξιοῦται καταμάχητον. ε) ἐξ μετανοίας. ἕξις θειοτέρων τέλος ν) ἀγάπην. τουνάντιον. σ) ἐστὶ μονογενῆς σου. τέσσαρα. τ) τέταρτον μετασχηματίζεσθαι. Цифры: ιγ. означающія помѣту тетрадей. Слова по одной буквѣ на поляхъ писанныя перпендикулярно: Ѡραῖον πᾶν. Σημείωσαι ὀραῖον ὅλον.



## VI. Сочиненія нравственнаго содержанія неизданныя брат. Раймонда Медіоланскаго

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 113-мъ.

Длина пергамина . . . . .	4 $\frac{1}{8}$	в.
Ширина . . . . .	2 $\frac{7}{8}$	в.
Къ корешку . . . . .	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$\frac{2}{4}$	в.
Къ верху . . . . .	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу . . . . .	1.	в.

Пергамень выдѣланъ прекрасно.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 222-хъ листахъ. Въ началѣ маленькая заставка, заглавная буква и другія заглавныя буквы писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 23.

л. 1—17. Первый трактатъ о вѣрѣ Христіанской на л. 1-мъ начинается такъ: 'Επειδήπερ πολλοὶ ἐπιθυμοῦσιν εἰδέναι...

л. 17—50. Другой трактатъ о томъ же. Начало: 'Αινετὸς καὶ εὐχαριστὸς εἴη ὁ ἡμέτερος θεός.

л. 51—81. Σύνοψις βίου πνιχοῦ: Начало: Πάντες ἐκεῖνοι οἱ θέλουσι ποιῆσαι βίον πνικόν, μέλλουσιν ἐξαίρετως τηρῆται καὶ φυλάξαι ἐν πράγματι.

л. 81 об.—107. "Αρχεται διάλογος διδασκαλικὸς ἐπὶ τοῖς στοιχείοις τῆς καθολικῆς πίστεως Начало: 'Υπάρχεις σὺ πιστός. ὑπάρχω κύριε....

л. 107 об.—112 об. "Αρχονται ἀντιλογίαι κατὰ τῶν ἐιρημένων. πρώτη ἀντιλογία. Начало: Δοκεῖ μοι αὐθάδεια. καὶ εὐήθεια.

л. 113—173. "Αρχεται ἡ φιλοσοφία ἡ καθολικὴ καὶ θεία. ἡ διδούσα τέχνην τοῦ οὐδενῶσαι τὰς πανουργίας τοῦ μεγίστου ἀντιχρίστου καὶ πάντων τῶν μελῶν αὐτοῦ πρὸς τὴν ἱερὰν ὁμήγουριν τῶν ῥωμαίων. Начало: "Ανοῖ λοιμοὶ διαχέουσι πόλιν εἰς ὧν τὴν διάχουσιν.

л. 173 об.—184 об. "Αρχὴ τοῦ εὐλογίου περὶ γνωρίσματος ἀληθινῶν καὶ ψευδοπροφητῶν. Начало: 'Επειδήπερ ὁ ἀπόστολος πρὸς θεσσαλονικεῖς παραινεῖ καὶ παροτρύνει τοὺς πιστοὺς.

л. 185—222. "Αρχεται ὁμιλία ἐπὶ τῇ σημασίᾳ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετραγράμματος τόσον ἐν τῇ γλώττῃ τῇ ἑβραϊκῇ ὅσον τῇ λατίνῃ ἐπὶ τῇ δηλώσει τοῦ μυστηρίου τῆς τριάδος σαφῆσι λόγοις. καὶ σημείοις. πρὸς τὸν ἀδελφὸν πέτρον τοῦ πουгέτου: Начало: Πλεονάκεις ἐπεθύμησα μακαριώτατε πῆρ.

Г. Муральтъ въ своемъ описаніи Греческихъ рукописей Императ. Публичной Библіотеки 1864. Замѣтилъ, что всѣ эти сочиненія Раймонда неизданы. Въ Славянскомъ переводѣ ихъ нѣтъ.

### Чтеніе и объясненіе снимка.

фол. 1. Επειδήπερ πολλοὶ ἐπιθυμοῦσιν εἰδέναι ἢ ἀκουσας ἐκεῖνο ὅπερ πορευόμενι ἀναγγέλλων καὶ βοῶν διὰ πάντων τῶν μέρων τῶν χριστιανῶν διὰ τοῦτο εἰς τιμὴν τοῦ ἡμετέρου κυρίου Ἰησοῦ Χριστοῦ. καὶ εἰς ἀσφάλειαν πάντων τῶν φίλων τῆς ἀληθείας τῆς εὐαγγελικῆς αὐτοθέλω ἐν σύνοψι βραχεῖα ἀναφέρειν ἐνώπιον ὑπὲρ τοῦ κυρίου ρηγὸς ἐνγραφῶν.

φ. 222. Ὑμεῖς δὲ πάτερ καὶ οἱ ἕτεροι πιστοὶ ἐξεταστὰς τοῦ ἱεροῦ χαρτίου ὡς ὁ θεὸς μέζονα ἀποκαλύπτει ἢ ἀνοίγει, δύνασθε μέζονα ταῖς προτειρημένοις προσθεῖναι καὶ ἔτι περὶ αὐτῶν σαφεστέρως κρίναι. δέδοται ἐν τῷ κάστρῳ μεδουλλόνης τρίτῃ ἡμέρᾳ. πρὸ τῆς ἐορτῆς τῆς μακαρίας ἀγαπητρίας τοῦ κυρίου Μαρίας τῆς μαгдаλινῆς ἔτει αὐτοῦ χιλιαστῶ διακοσιοστῶ ἐνενηκοστῶ δευτέρῳ (1292.).

Τελειοῦται ἡ ὁμιλία ἢ ἐπὶ τῇ σημασίᾳ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετραγράμματος.

Заглавныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: τοῦ θεοῦ, τὸν θεόν: τῷ σῶ: Сокращенія и слова съ титлами: Καί. πάτερ. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀξιόλογον. ἀγίαση: ε) γίνεται. ν) βοῶν. σ) ἐνετάζεσθαι. θύσεως. τ) ἐστὶ τῷ σῶ. Союзъ η съ дыханіемъ и удареніемъ.

## VII. Прологъ (синазаръ) съ Сентября по Мартъ,

Находится въ Московской Синодальной Библиотекѣ подъ № 390-мъ.

Длина пергамина. . . . .	7.	в.
Ширина. . . . .	5.	в.
Къ корешку . . . . .	$\frac{1}{2}$	в.
Между столбцами. . . . .	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	1.	в.
Къ верху . . . . .	$\frac{3}{4}$	в.
Къ низу . . . . .	$1\frac{1}{8}$	в.

Пергамень не дурно выдѣланъ, но много въ немъ поврежденій, и не тонокъ.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 252. листахъ. Внизу 1-го листа подписано: Арсеней. Заставки и заглавныя буквы блѣдно-розоваго цвѣта. Заглавія писаны тоюже краскою уставными съ загибомъ концевъ буквами. Колеръ чернилъ коричневый. Число строкъ на страницѣ 37. Помѣта тетрадей у корешка въ низу съ обоихъ сторонъ.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 27 об. Μηνὶ τῷ αὐτῷ κἄ. ἡ μετάστασις τοῦ  
ἁγίου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Ἰωάννου,  
παρθένου καὶ θεολόγου:

Изъ пролога XVI—XVII в. Моск. Свн. Библ.  
№ 242. л. 56 об. — 66. об.

Μρς παρέστης ἡγαπημένω λόγω, Πάντων μαθητῶν, ἡγαπημένε πλέον. Πρὸς γε θν̄ μετέβη. βροντῆς παῖς εἰκάδι ἔκτη:

Οὗτος ἦν υἱὸς ζεβεδαίου. καὶ σαλώμης. ἣτις θυγάτηρ  
Ἰωσήφ, τέσσαρας υἱοὺς ἔσχεν. Ἰάκωβον. σὺμῶν. Ἰούδαν.  
καὶ Ἰωσῆ. καὶ θυγάτερας. τρεῖς τὴν ἐσθῆρ. τὴν μάρθαν.  
καὶ τὴν σαλώμην. ἣτις β'. ἦν γυνὴ ζεβεδαίου. μῆρ δὲ  
Ἰωάννου. ἐντεῦθεν ὁ κς̄ ἡμῶν Ις̄ χς̄. θεὸς ἦν Ἰωάννου.  
ὡς ἀδελφὸς σαλώμης τῆς θυγατρὸς Ἰωσήφ. οὗτος ἐστὶν ὁ  
ἐν τῷ στῆθι τοῦ χῡ ἀναπεσὼν, ὡς ἀγαπώμενος σφόδρα.  
καὶ γὰρ καὶ ἐν τῇ προδοσίᾳ. καὶ ἐν τῷ στῆθι. καὶ ἐν τῷ  
τάφῳ. εἰ καὶ μετὰ πέτρου, ἀλλὰ πρῶτος ἦλθε. καὶ τὴν  
θῆκον εἰς τὰ ἴδια ἔλαβε. καὶ μέχρι τῆς κοιμήσεως αὐτῆς  
διηκόνει ταύτη. καὶ μετὰ τὴν κοίμησιν. γενομένων τῶν  
κλήρων παρὰ τῶν ἁγίων ἀποστόλων. ποῦ ἂν ἕκαστος ἀπέλ-  
θῃ καὶ κηρῆξαι. καὶ κλήρον λαβὼν ὁ Ἰωάννης ἀπελθεῖν ἐν  
τῇ Ἀσίᾳ. καὶ λυπηθεῖς ἐπὶ τούτῳ προέγνω κατὰ θάλασ-  
σαν πειρασθῆναι. ὁ καὶ προεῖπε τῷ μαθητῇ προχόρῳ. καὶ  
δὴ τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα νύκτας. ποιή-  
σας ἐπὶ τῆς θαλάσσης περιφερόμενος ὑπὸ τῆς βίας τῶν κυ-  
μάτων. διὰ τὸ λυπηθῆναι ἐπὶ τῷ κλήρῳ καὶ μὴ ἐλπίσαι  
ἐπὶ τὸν κν̄. ἐν τόπῳ τινὶ μαρμαρέοντι τῆς Ἀσίας ὑπὸ τὸν  
αἰγιαλὸν, ἀπεδόθη. ἐν ᾧ τῷ προχόρῳ περιτυγχάνει. κινδυ-  
νευσαντι καὶ αὐτῷ, ἐπὶ τῷ αὐτῷ πλοίῳ. καὶ ἄρτι ἀπὸ σε-  
λευχίας αὐτόθι. δι' ἡμερῶν τεσσαράκοντα κατάραντι. л. 28  
а. ἐν ἣ καὶ τὴν συκοφαντίαν ὑπέστη. ὅτι μάγοι. ἐστὲ καὶ  
ὅτι ὁ σὸς. ἐταῖρος. ἦγουν ὁ Ἰωάννης ἀναλαβόμενος χρυ-  
σίον. τῆς ἐνθῆκης τοῦ πλοίου, ἀπεδήμησεν. εὐσελθοῦσι δὲ ἀμφοτέροις εἰς ἔφεσον τὴν πόλιν. ῥωμὰνα αὐτοῖς περι-  
τυγχάνει. ἣτις ἦν μνηστευθεῖσα περιβάτω. τυνὴ δὲ διαβεβοημένη. καὶ μέχρι ῥώμης ἐπὶ κακία. αὕτη οὖν τοῦτους

Сен бѣаше сн̄ъ зеведевъ, і саломѣл. кже бѣаше  
дѣӣ носифл ѿβръхнинка, нбо носиф. д̄. сн̄ы нмѣаше  
іакова семѣона поудю н ѿсню. н дщери г̄. есфирь  
марфъ н салмню. кже бѣаше жена зеведеѡва, мѣи  
же нѡнновка. понеже гд̄х нш̄ъ нс̄ хс̄. оужника баше н  
нѡнновки. іако братъ саломѣинъ. дщере носифы тои  
бѣаше. нже на персѣхъ хр̄товѣ возлегѣи. іако возлю-  
бленъ зело. нбо къ преданіи н на распатіи оу крт̄а  
н оу гроба нже с петромъ первне прїнде, н бѣхъ къ  
своа си. прикѣтъ. н даже до оуспенїа ел служаніе си,  
н по оуспенїи, бѣвшимъ жребнемъ стѣмн ап̄л̄м. кмо  
кждо пондетъ, еже проповѣдати. нспаде жребїи нѡ-  
ннѡв. н пѡнде во асню. оскорбѣ нѡннѡв о семѣ. про-  
вѣдѣкъ. еже по морю напасти. нже прорѣ своемъ оу-  
чѣкѣ прохѡрѣ, н оуже устыредесѣт дн̄и н устыре-  
десѣт нѡцїи, сѡтвори коуламн носимъ. за еже оско-  
рбѣти емъ жребїа радн. н мѣстѣ нѣкоѣ мармарѣ нме-  
немъ, во асїи на брежѣ пристахъ. конъ же прохора,  
обръте оутроуѣннѡв. н того к кораблн. н оуже ѿ се-  
леукиа тѣдѣ. за і̄. дн̄и. пришеѣша ндеже оулекстанїе  
приимахъ, іако волѣхъ есте. кнѣшнмъ нмъ кѣнно къ  
ефесѣскїи гр̄а. обръте н̄ романа нже баше ѿбръхена  
прикѣтъ жена знаема нарѡчїта. даже н до рима зло-  
бою змннсею, та бо ихъ нлѣмннн пристахъ бани ра-







καταπίπτειν. σχῆμα στρατιωτικὸν ἐν φαντασίᾳ σχηματισθεὶς ὡς ταξιότης. καὶ χάρτος ἐπιφερόμενος ἐκόθητο κλαίων. ἐν τινι τόπῳ. λέγων δύο μάχους ἐμπιστευθῆναι δοκίμους παρὰ τῆς ἐξουσίας. καὶ τούτους ἀποδράσαι. διὸ καὶ κινδυνεύειν μέχρι καὶ αὐτῆς τῆς ζωῆς. ὑπεδείκνυε πρὸς οὓς ἔλεγε, καὶ χρυσίου ἀπόδεσμον. καὶ τούτους δώσιν, ὑπησχεν, εἰ τοὺς μάχους ἀνέλωσι. τῆς δὲ πόλεως ἐπὶ τούτῳ ἀνασεισθείσης, ἐκιμήθησαν ὄχλοι πολλοὶ κατὰ τῆς οἰκίας διωσκριίδους λέγοντες. δοῦναι αὐτοῖς τοὺς μάχους. ἢ αὐτὸν καὶ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ κατακαῦσαι. τοῦ δὲ διωσκριίδου μᾶλλον αἰρετисαμένου καταφλεχθῆναι. л. 29 а. ἢ αὐτοῖς τὸν ἀπόστολον προδοῦναι σὺν τῷ μαθητῇ προχόρῳ. ἐπιγνοὺς ὁ Ἰωάννης τῷ πνι. ὡς ἡ στροφή τοῦ λαοῦ τούτου εἰς ἀγαθὸν ἔχει. τοὺς πλείονας αὐτῶν, παρέδωκεν ἑαυτὸν καὶ τὸν πρόχορον τῷ λαῷ. ἀπαγόμενοι οὖν παρὰ τοῦ ὄχλου οὗτοι ἐπέστησαν τῷ ναῷ τῆς ἀρτεμίδος. καὶ προσήυξαντο πρὸς τὸν θν. τὸ μὲν ἱερὸν καταπесεῖν. μηδὲν δὲ ἄνθρωπον παθεῖν. καὶ δὴ τούτου καταπίπτοντος. ὁ ἀπόστολος εἶπε πρὸς τὸν παρεδρεύοντα τῷ ναῷ τῆς ἀρτεμίδος δαίμονα. σοὶ λέγω τῷ ἀκαθάρτῳ πνεύματι. ὁ δὲ δαίμων ἔφη. τί ἐστίν. ὁ ἀπόστολος ἔφη. πόσον χρόνον ἔχεις οἰκῶν ἐνθάδε. εἶπέ. καὶ σοὶ τοὺς ταξέωτας καὶ τὸν ὄχλον τοῦτον ἐξήγειρας καθ' ἡμῶν; ὁμολόγησον, ὁ δὲ δαίμων, ἔκραξε λέγων. χρόνους μὲν ἔχω οἰκῶν ἐνταῦθα, διακοσίους τεσσαράκοντα ἐννέα; πάντας δὲ τούτους ἐγὼ ἐξήγειρα καθ' ὑμῶν. εἶπεν οὖν αὐτῷ ὁ Ἰωάννης. παραγγέλλω σοι ἐν τῷ ὀνόματι Ἰϋ χυ τοῦ Ναζωραίου, μηκέτι οἰκῆσαι ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ. καὶ ἐξῆλθεν ὁ δαίμων εὐθέως ἀπὸ τῆς πόλεως. εἶχεν οὖν πάντας αὐτοὺς, θάμβος καὶ ἔκστασις. καὶ οἱ πλείονες αὐτῶν, ἐπίστευσαν τῷ κω. καὶ ἐτέρων οὖν πολλῶν σημείων καὶ τεράτων γινομένων. διὰ τῶν χειρῶν Ἰωάννου. ὥστε πληθὺς ἄπειρον ὑπακοῦσαι τῇ πίστει. καὶ ἀνιένεχθαι ταῦτα πάντα, τῷ τότε κρατοῦντι. ὡς ὅτι μαγικαῖς τιπὶ τῶν λεγομένων χριστιανῶν παραδόσεις. ὑπαχθέντες οἱ ὄχλοι ἀθετοῦσι τοὺς νόμους τῶν βασιλέων. καὶ τὸ τῶν θεῶν σέβας καταφρονοῦσιν. ὡς καὶ τὰ κράτιστα τῶν παρ' αὐτοῖς ἱερῶν. κατ' ἐδάφους κείσθαι. διὸ καὶ τῇ πατρίᾳ νήσω, ὑπερόριοι γίνονται. προέφθασε δὲ ὁ κς δι' ὀράματος, γνωρίσαι τῷ Ἰωάννῃ λέγων. ὅτι δεῖ σε πολλὰ πειρασθῆναι. καὶ ἐξορία ὑποβληθῆναι. ἐν νήσῳ τινὶ, ἣτις μεγάλως σοι χρήζει. πλέων δὲ ὁ ἀπόστολος μετὰ τῶν προτικτόρων εἰς τὴν ἑαυτοῦ ὑπερορίαν, ὡς δεδήλωται. ἀνέστησε νεκρὸν ἓνα τῶν στρατιωτῶν, θανατωθέντα ἐν τῷ βυθῷ. πολλὰ παρὰ τῶν προτικτόρων εἰς τοῦτο δυσωπειθεὶς. καὶ τὸν ἐς ὕστερον αὐτοῖς ἐπεγερθέντα λαίλγπα καὶ σφοδρότατον τῆς θαλάσσης κλύδωνα, εἰς γαλήνην μετεποιήσατο. καὶ ἓνα τῶν προτικτόρων δυσεντερία συνεχόμενον. καὶ τὴν πνοὴν ἥδη ἀποπνέοντα. ἵασατο ἀφθόρον. καὶ εἰς παντελὴ ὕγαιαν κατέστησεν. л. 29 об. ἐπὶ τούτῳ οὖν ἐβαπτίσθησαν ἅπαντες. ὁ δὲ Ἰωάννης ἐκουσίως τῇ πατρίᾳ νήσῳ ὑπερόριος ἀποδοθείς. τὸν ὕν τοῦ μύρωνος ἀπολλωνίδην, ἀπῆλλαξε τοῦ ἐνοικούντος αὐτῷ πνεύματος πύθωνος. καὶ τὸ ἀκάθαρτον πνεῦμα, ἔξω τῆς νήσου ἐξώρισε. καὶ εὐθύς ἐπίστευσαν καὶ ἐβαπτίσθησαν ἅπαντες, οἱ ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος. καὶ αὐτὸς ἀπολλωνίδης. καὶ ἡ θυγάτηρ μύρωνος χρυσίπη μετὰ τοῦ λαοῦ αὐτῆς. ὕστερον δὲ καὶ λαυρέντιος. ὁ ἀνὴρ αὐτῆς καὶ ἡ γεμῶν. τῆς ἐν τῇ νήσῳ φώρας πόλεως. μάχος δὲ τις ἐν τῇ νήσῳ ἦν ταύτῃ. Κύνωψ ὀνομαζόμενος. κατοικῶν ἐν τόπῳ ἐρήμῳ. ἐν κατοικίᾳ πνευμάτων ἀκαθάρτων. ἀπὸ ἱκανῶν χρόνων. τοῦτον πάντες οἱ ἐν τῇ νήσῳ εἶχον ὡς θн. διὰ τὰς φαντα-

него хощетъ низложенъ быти. образъ коннѣскѣи коспрѣимъ кннжѣе носѣ, сѣданіе плаха на нѣкоемъ мѣстѣ и глѣ. два кольхва врынушіе нскзснн, властію си ѿгнати. того ради и нудисѣ даже и до самѿго жнко-та. и к ннмъ же бесѣдоваше оузолъ злата показѣ нмъ, и дати ѿбѣщаніе, аще таковыѣ влѣхвы нѿгзбѣтъ. о семъ же градъ потрастышѣсѣ, и подкнзашѣ народи мнози. къ храминѣ днѿскорндѿкъ глѣюще, илн подати нмъ кольхвы, илн того храмннѣ зажещн, днѿскорндѣ нзкѿ-лнш, ѣко домъ его згорѣти, нежелн тѣмъ аѣла предати со оуѣнкомъ прохоромъ, оукидѣѣ нѿланъ дхѿѿ. ѣко матежъ люѣскѣи, во блѣое приводитъ множаніе. е. предасть себе съборъ и прохора. и кедомн оубо народомъ. дондоша двѣ цркви артемидинны, и помолшн-сѣ блѣ церкннѣе паде. нн єдиногѣ уѣклѣ нѿвредн, нже томъ бывшъ, реуе аѣлъ к ѣрнсѣдащему тамо блѣс. тебѣ глѣо нечнстын блѣс. колнко лѣтъ нмашн здѣ жн-кын, аще ты нарѣда подкнже на ны. блѣс реуе азъ нмамъ двѣсѣ лѣтъ, и мѣ и ф. по снхъ азъ подкнго на вы, реуе же емъ нѿланъ тебѣ завѣщѣлю. во нма ісѣ хлѣ назарѣанннѣ, ннкако да пребываєшн к мѣстѣ семъ, и аєне нзѣде блѣс. оужаѣсѣ прикѣтъ людн, и кѣровкаша хѣн. ѣко и болнша знаменѣа быша ѿ іѿанна. еже и много мноѣствѣ обратннѣ къ гдѣ. и покѣдано бысть ѿ семъ держащемъ, ѣко нѣцын кольхвы, глѣемъ хртѣ-аньскнхъ преданѣн. нмъ покннѣкншѣсѣ нарѣди, и оста-внша црклѣа законы и уѣтъ богѣмъ нреѿбнѣшѣа. того ра-ди в патѣмъ островъ прогнанн быша. ѣкѿ и ко снѣ гѣ нѿланнъ реуе. ѣко нѿдѣбѣтъ тн нноѣ нѿстрадаѣи къ прогнанѣн. нзгнанъ кѣ островъ нѣкѣи, нже кѣлмн тебѣ трѣсѣѣтъ. и налѣаюшѣ аѣлѣ съ прѣтнкторы, и воскрѣсн мертвѣца єдиногѣ оумернѣа в морн. і кѣлн-кѣю кѣрю, и страшнѣа колнѣ в тншннѣ прѣтворн. єдиногѣ ѿ прѣтнкторъ урѣкнѣо ю кзѣю сѣдержнмѣ, и хотѣшѣа оумернѣ. внѣзанѣ нсѣѣлн, сего ради оубо крѣнншѣсѣ ксн. нѿланъ колею патѣмъ островъ нзгнанѣ бывшъ. сѣла мнронока аполонѣа да прѣмѣннѣтъ. нже кнѣмъ жнвѣрагѣ дхѣ. нѣтонѣскагѣ, и ѿ ѿстровъ далѣуе ѿгна єго. и акѣе кѣровкаша и крѣнншѣсѣ, нже в домъ мнронока ксн. и самъ аполонѣи и дѣнн мнро-нока, хрсннн, и сѣєладѣю скѣю. и лѣкрѣнтѣе мѣжѣ єа, нгѣмонъ кѣ ѿстровъ патѣмъ. кольхѣ нѣкѣи кѣлмѣ кѣ ѿстровъ томъ. нмѣнемъ кннѣсѣ жнвѣн к мѣстѣ нѣстошнѣ с нечѣтнкѣмн дхн, и лѣты доколнмн. и



σίας τὰς ὑπὲρ αὐτοῦ γινομένας ὑπὸ τῶν δαιμόνων. οἱ οὖν ἱερεῖς τοῦ ἀπόλλωνος ὡς εἶδον. ὅτι παρρησίας πολλῆς διδάσκει ὁ Ἰωάννης, ἐγονυπέτουν κατὰ Ἰωάννου γενέσθαι. ἐφ' οἷς τὸ ἱερὸν ἀπόλλωνος εἰς ἐρήμωσιν ἤνεγκε. καὶ αὐτοὺς τοὺς ἱερεῖς κατέβαλεν. ὁ δὲ Κύνωψ μὴ θελήσας ἐισελθεῖν ἐν τῇ πόλει. διὰ τὸ πολλοὺς διηγουμένους χρόνους ἐν τῷ τόπῳ ἐκεῖνῳ. καὶ μὴ ἐξελθεῖν τούτου. ἀλλὰ τοὺς ἐν τῇ πόλει μᾶλλον ἀπέρχεσθαι πρὸς αὐτὸν υπέσχετο αὐτοῖς. ἄγγελον πονηρὸν πεπομφθέντα ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος. καὶ παραλαβεῖν τὴν ψυχὴν Ἰωάννου. καὶ παραδοῦναι αὐτὴν κρίσει αἰωνία. Τῇ ἐπαύριον δὲ ἓνα ἄρχοντα τῶν πονηρῶν πνευμάτων ἀπέστειλε πρὸς Ἰωάννην ὁ Κύνωψ. τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἀγαγεῖν τούτῳ ἐγκλεισθέντι. ὁ δὲ δαίμων ἀπελθὼν ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος, ἔστη ἐν τῷ τόπῳ οὗ ἦν Ἰωάννης. γνοὺς δὲ ὁ Ἰωάννης περὶ τοῦ δαίμονος, εἶπεν αὐτῷ. παραγγέλλω σοι ἐν τῷ ὀνόματι Ἰησοῦ, μὴ ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ τόπου τούτου, ἕως ἂν εἴπῃς μοι δι' ἣν αἰτίαν ἦλθες πρὸς με. καὶ ἐπὶ τῷ λόγῳ τούτῳ ἔστη τὸ πνεῦμα ὡς δεδεμένον. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. εἰπέ πνεῦμα ἀκάθαρτον. διὰ τί εἰσῆλθες ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ. τὸ δὲ πνεῦμα εἶπεν. οἱ ἱερεῖς τοῦ ἀπόλλωνος ἦλθον πρὸς Κύνωπα. καὶ πολλὰ κακὰ εἶπον αὐτῷ περὶ σοῦ. καὶ παρεκάλουν αὐτὸν ἐισελθεῖν ἐν τῇ πόλει καὶ κατασκευάσας θάνατον. καὶ αὐτὸς οὐκ ἠνέσχετο λέγων. ὅτι πολλὰ ἔτι ἔχω ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ. καὶ οὐ καταλύω ἐμαυτὸν καὶ εἰσερχομαι ἐν τῇ πόλει διὰ μικρὸν ἄνδρα τετραγωδημένον. ἀλλ' ὑποστρέψατε. λ. 30. α. εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν, καὶ αὐριον ἀποστελλῶ ἄγγελον πονηρὸν καὶ παραλήψεται αὐτοῦ τὴν ψυχὴν. καί ῥξει αὐτὴν πρὸς με. καὶ παραδώσω αὐτὴν εἰς κρίσιν. εἶπε δὲ Ἰωάννης. ἀπεστάλῃς οὐ ποτὲ ὑπὲρ αὐτοῦ. καὶ λαβὼν ψυχὴν ἀνδρὸς ἀπήνεγκας αὐτῷ; εἶπε δὲ τὸ πνεῦμα. ἀπεστάλῃν καὶ ἀπέκτεινα. ψυχὴν δὲ οὐκ ἀπήνεγκα. καὶ εἶπεν ὁ Ἰωάννης. τίνας χάριν πείθεσθε αὐτῷ. καὶ εἶπε τὸ πνεῦμα. πάντα ἡ δύναμις τοῦ σατανᾶ ἐκεῖ κατοικεῖ. καὶ συντάξεις ἔχει μετὰ πάντων τῶν ἀρχόντων. καὶ ἡμεῖς μετ' αὐτοῦ καὶ ἀκούει ἡμῶν Κύνωψ. καὶ ἡμεῖς ἀκούομεν αὐτοῦ. καὶ εἶπεν ὁ Ἰωάννης. ἀκουσον πνεῦμα πονηρὸν. κέλεύει σοι Ἰωάννης ὁ ἀπόστολος τοῦ υἱοῦ τοῦ θῷ, μηκέτι ἐξελθεῖν σε ἐπὶ βουλῇ ἀνθρώπου. μὴ δὲ ἐν τῷ τόπῳ ἐκεῖνῳ ἀπελθεῖν ἔτι. ἀλλ' ἔξω τῆς νήσου ταύτης ἐξελθεῖν καὶ πελάζεσθαι. καὶ μηδ' αὖθις σε σχεῖν τόπον. καὶ εὐθέως τὸ πνεῦμα τὸ πονηρὸν, ἐξῆλθε τῆς νήσου. ὁ δὲ Κύνωψ ἰδὼν ὅτι οὐδαμῶς τὸ πνεῦμα ὑπέστρεψεν, καὶ ἕτερον ἀπέστειλεν. οὗ τὰ αὐτὰ πεπονημένος τῷ προτέρῳ. εἴτα ἕτερα δύο πνεύματα ἐκ τῶν ἀρχόντων, ἀπέστειλεν. ἐν ἐισελθεῖν πρὸς Ἰωάννην. καὶ τὸ ἕτερον ἔξω ἐστηκὼς ἀγαγεῖν ἀπόκρισιν, πρὸς αὐτόν. τοῦ δὲ ἐισελθόντος καὶ τὰ ὅμοια πεπονημένος τοῖς ἄλλοις. τὸ ἔξωθεν ὦν φυγὼν, τῷ Κύνωπι τὰ πραχθέντα ἀπήγγειλεν. ἐπὶ τούτοις θυμοῦ πλησθεὶς ὁ Κύνωψ. παραλαβὼν ἅπαντα τὰ πλήθη τῶν δαιμόνων, ἀπῆλθεν ἐν τῇ πόλει. ἤχησε δὲ ἡ πόλις ἰδοῦσα τὸν Κύνωπα. καὶ πάντες αὐτῷ προσεκύουν. διδάσκοντα δὲ τὸν Ἰωάννην καταλαβὼν ἐπλήσθη θυμοῦ πολλοῦ. καὶ ἔφη πρὸς τὸν λαόν. ἄνδρες τυφλοὶ καὶ πεπλανημένοι. τὴν ὁδὸν τῆς ἀληθείας ἀκούσατε. εἰ δίκαιος ἐστὶν Ἰωάννης. καὶ δίκαια τὰ παρ' αὐτοῦ λαλούμενα θεραπεύσει καὶ ὑμᾶς καὶ ἐμέ. διὰ τὸν λόγον ὃν ἐγὼ λέξω πρὸς αὐτόν. καὶ πιστεύω. κάγω τοῖς γενομένοις καὶ λεγομένοις ὑπὲρ αὐτοῦ. καὶ ἐπιλα-

того вси иже ко островѣ нмѣхъ ꙗко бѣа. приидѣ-  
нїа ради бываема ѿ него. іерси же аполонови видѣхше  
ꙗко держновеіемъ многымъ оу҃хитъ нѡанъ, поклахѣ  
клекеци҃ице на нѡанна жертвїца ради аполоноа, иже  
низложи. кинопѣ не косхотѣ кинтї во градѣ. зане  
и многа лѣта нмѣаніе к мѣстѣ томѣ живыи, по ра-  
ди па҃че гражаномѣ. приходити к немѣ. и ѡбѣщѣ нмѣ  
аг҃ла л҃каваго послати к мнронокѣ домѣ. ꙗзати дѡи҃  
нѡанноа, и предати его с҃дхъ вѣуном҃у. и нлоутрїа  
же единого князѣ л҃кавѣ дѣховѣ. посла ко іѡанн҃у,  
повелѣ дѡи҃г его к нем҃у принести. бѣсѣ же шедѣ в до-  
мѣ мнронокѣ, ста на мѣстѣ ндѣже бѣаніе нѡанъ. оу-  
видѣхѣ (sic) іѡанъ о бѣсе, и рече емѣ. повелѣваю  
ти именемъ х҃ымъ не нзйти ѿ мѣста еего. донелѣ-  
же речешн мн. коею кинною пришеа еси ко мнѣ. и  
словесемъ такоымъ ста бѣсѣ свазанъ и рече. нерен  
аполоноа, дондоша ко кинопс҃у, и помолншасѣ до-  
ити во градѣ, и накестн смѣти на тѣ. и не косхотѣ-  
рекѣ, многа лѣта нмамѣ. в мѣстѣ семѣ. и не нмамѣ.  
трѣхите себе. уа҃ка ради слава. и ни вѣ х҃то с҃циа, по  
идете п҃темъ своимъ, и нлоутрїа азѣ пошлю аг҃ла  
л҃кава. ꙗзати дѡи҃г его и пренесѣ ко мнѣ. ꙗзѣ  
предамъ ю с҃дхъ. и рече к нем҃у нѡанъ послаа ли тѣ  
есть оу҃бо когда покати дѡи҃г уа҃еск҃у и принести ем҃у,  
и рече бѣсѣ всѣ силѣ сатанина в немѣ ѿ ꙗзѣ  
ненїе нмѣти сѣ кнѣзи. и мы е ннмѣ есм҃ы; и послѣ-  
шлетъ нлѣ к нпсонѣ (sic), и мы того. и рече іѡанъ  
тебѣ г҃лю дѡи҃г л҃кавыи, азѣ а҃ла х҃ѣ и к том҃у не по-  
ити кѣ свѣтѣ уа҃ескомѣ. ниже кѣ кинопс҃у обратити-  
са по вѣ острова еего нзйти и м҃хитица, и ни како  
нигдѣ мѣста нмѣти. ꙗзѣ нзиде нзѣ острова. ви-  
дѣхѣ кинопс҃ѣ. дѣа не возвратившасѣ посла дѣаго.  
иже и тои такоаа пострада, и дѣаго ѿ князевѣ  
пѡла. и повелѣ единомѣ кинти кѣ іѡанн҃у, и дѣгом҃у  
нзѣкнѣ стоати, еже принеести том҃у ѡвѣтѣ. оном҃у же  
вншѣшю, і такоаа пострадавшн. ꙗко и прежде при-  
шедшн, и вѣ стоаи бѣсѣ. бѣжа кѣ кинопс҃у и бы-  
вшее повѣда. о снхѣ же мростн кинопс҃ѣ нсполннса.  
и поемъ все мнѡство бѣсовское, и донде ко гр҃а. і  
порадокаса градѣ весь видѣхнї кїноса, и вси при-  
ходѣше кланхѣ емѣ. и обрѣ же іѡанна оу҃аца, іс-  
полннвса мростн многи. и рече к людемъ м҃жїе  
слѣпїи забл҃женїи пѣти нстинныи послѣшантѣ. а҃ре  
праведѣ есть іѡанъ, и праведна с҃хѣ ꙗже о немѣ,  
г҃лемѣ, оу҃рауекати нмѣти касѣ. и мене слова его ра-  
ди. и азѣ повѣсѣд҃ю к нем҃у, и вѣрѡвати нмамѣ и  
азѣ г҃лемымъ. и сѣдѣлоклемымъ ѿ него. и емѣ кн-



βόμενος ὁ Κύνωψ νεανίσκου τινός, εἶπεν αὐτῷ. νεανίσκε. ζῇ ὁ πῆρ σου; ὁ δὲ εἶπε. τέθνηκεν. ὁ Κύνωψ εἶπε. ποίῳ θανάτῳ. ὁ δὲ εἶπε. ναυτικὸς ὑπῆρχε. καὶ συνετρίβη τὸ πλοῖον ἐν τῇ θαλάσῃ. καὶ ἐπνίγη ὑπὸ τῶν κυμάτων, καὶ ἀπέθανεν. καὶ ὁ Κύνωψ εἶπε πρὸς Ἰωάννην. ἰδοὺ δεῖξον ἐι ἀληθῆ λέγεις. καὶ ἀναγαγε τὸν πρᾶ τοῦ παιδὸς ἀπὸ τῆς θαλάσσης καὶ παράστητον αὐτὸν τῷ παιδί. καὶ πᾶσιν ἡμῖν. л. 30 об. а. ζῶντα. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. οὐκ ἀπέστειλε μοι χεῖρ νεκροῦς ἐγείρειν, ἀλλὰ ἄνους πεπλανημένους διδάσκειν. εἶπε δὲ Κύνωψ πρὸς πάντα τὸν παρεστῶτα λαόν. κἄν ἄρτι πιστεύετε ἄνδρες οἱ τὴν φῶραν οἰκοῦντες, ὅτι πλάνος ἐστὶν Ἰωάννης καὶ πλανᾷ ὑμᾶς διὰ μαγικῶν ἐμπαιγμάτων; κρατήσατε αὐτόν. ἕως ἂν ἐγὼ ἀναγάγω τὸν πρᾶ τῆ παιδός. καὶ παραστήσω αὐτὸν ζῶντα. καὶ ἐκράτησαν τὸν Ἰωάννην. καὶ διαπετόσας Κύνωψ τὰς χεῖρας αὐτοῦ. καὶ διακρούσας αὐτὰς παρὰ τὸν αἰγιαλὸν τῆς θαλάσσης. κτύπου μεγάλου γενομένου ἐν τῇ θαλάσῃ. καὶ πάντων φοβηθέντων. ἐξ ὀφθαλμῶν πάντων, ἀφανὴς ἐγένετο. καὶ ἐπῆραν τὴν φωνὴν αὐτῶν ἅπαντες. μέγας εἶ Κύνωψ καὶ οὐκ ἔστιν πλήν σου. καὶ ἐξαίφνης ἀνέβη Κύνωψ ἀπὸ τῆς θαλάσσης, ἔχων ὡς ἔλεγε τὸν πρᾶ τοῦ παιδός. καὶ ἐξέστησαν ἅπαντες. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ τῷ παιδί. οὗτος ἐστὶν ὁ πῆρ σου; καὶ εἶπεν ὁ παῖς. ναὶ κῆ. καὶ προστεκύνησαν ἅπαντες τῷ Κύνωπι. καὶ ἐζήτησαν τὸν Ἰωάννην ἀποκτεῖναι. καὶ οὐκ εἶασεν ὁ Κύνωψ λέγων. ὅταν ὀψητε τούτων μείζονα. τότε τῖμωρηθήσεται κακίᾱς. καὶ προσκαλεσάμενος ὁ Κύνωψ ἄλλον ἄνθρωπον, εἶπεν αὐτῷ. ἔχεις υἱόν; ἀποκριθεὶς δὲ ὁ ἀνὴρ. εἶπε. ναὶ κύριε εἶχον. καὶ κατὰ φθόνον τίς, ἐπιβουλεύσας αὐτὸν ἀπέκτεινε. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ. ἐγερθήσεται ὁ υἱός σου. καὶ εὐθύς ἀποδίδωσι φωνὴν ὁ Κύνωψ. καὶ προστεκαλεῖ τὸ ἐξ ὀνόματος. καὶ τὸν ἀποκτείναντα καὶ τὸν ἀποκτανθέντα. καὶ εὐθέως παρέστησαν οἱ δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ πρὸς τὸν ἄνθρωπον οὗτος ἐστὶν ὁ υἱός σου; καὶ οὗτος ἐστὶν ὁ ἀποκτείνας αὐτόν; καὶ εἶπεν ὁ ἄνθρωπος. ναὶ κύριε. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ πρὸς Ἰωάννην. τί θαυμάζεις Ἰωάννης. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. ἐγὼ ἐπὶ τούτοις οὐ θαυμάζω. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ. μείζονα τούτων ὄψει. καὶ τότε θαυμάσεις ἐὰν μὴ ἐκστήσω σε ἀπὸ τῶν σημείων, οὐκ ἐῷσαι ἀποθανεῖν. καὶ εἶπεν Ἰωάννης πρὸς Κύνωπα. τὰ σημεία σου λυθῇσονται ταχύ. ἀκούσαντες δὲ οἱ ὄχλοι τοῦτον τὸν λόγον, διεσπάραν τὸν Ἰωάννην. ἕως οὗ σχεδὸν εἰπεῖν, ἔμεινε νεκρός. νομίσας οὖν ὁ Κύνωψ ὅτι τέθνηκεν, εἶπε πρὸς τὸν ὄχλον ἄφετε αὐτὸν ἄταφον. ὅπως τὰ πετεινὰ τοῦ οὐνοῦ καταφάγωσιν αὐτόν καὶ ἰδῶμεν εἰ ὁ χεῖρ αὐτοῦ ἐγερεῖ αὐτόν. ἀσφαλῶς οὖν πάντες ἔχοντες ὅτι τέθνηκεν Ἰωάννης; ἀνεχώρησαν ἀπὸ τοῦ τόπου. χαίροντες μετὰ τοῦ Κύνωπος. л. 31 а. καὶ εὐφημοῦντες αὐτόν. μετὰ δὲ ταῦτα ἀκούσας ὁ Κύνωψ ὅτι Ἰωάννης ἀπελθὼν ἐν τόπῳ καλουμένῳ λίθου βολὴ διδάσκει προσκαλεσάμενος τὸν δαίμονα. οἱ οὖν τὰς νεκρομαντίας ἐποίει. καὶ προσβαλὼν τῷ τόπῳ, λέγει πρὸς Ἰωάννην. βουλόμενος σοι περισσοτέρων αἰσχύνην. καὶ κρίσιν περιποιήσασθαι. τούτου χάριν ἔιασα σε τέως ζῆν. ἀλλὰ δεῦρο ἐπὶ τὸν αἰγιαλόν. καὶ ὄψει τὴν δύναμιν μου καὶ ἐντραπήσοι. ἦσαν δὲ καὶ οἱ τρεῖς δαίμονες. οἱ νομιασθέντες ἐκ νεκρῶν ἐγηγέρθαι ἀκολουθοῦντες αὐτῷ. καὶ διακρούσας κτύπῳ μεγάλῳ τὰς χεῖρας. ἔβαλεν ἑαυτὸν εἰς τὴν θάλασσαν ἐξ ὀφθαλμῶν ἀπάτων, ἐξαίφνης γεγόμενος. οἱ δὲ ὄχλοι ἐβόη-

нопись оуношх нѣкогого. и рече к немх оуноше жнвѣ ли есть ѿцѣ твои, ѿнѣ же рече оумре. и рече кн-нопись како оумре, коею смертію. онѣ же рече пло-кецѣ бывше, и разбикшѣся кораблю. и оутопикшѣся въ морн, и рече кннопись къ нваннх. се покажи аще истиннѣ глѣши, и прѣставиши ѿца жнвѣ снѣоу его. и рече іѡаннѣ, не послалъ ма есть хс мертвѣм ѿ мора воздвнзати. но уѣка прелщеныа наказати. и рече кн-нопись къ всѣмъ людемъ. понеже вержете, како льстецѣ есть нѡаннѣ. и прельщаѣ касѣ, їмѣте его и держите. донележе нзведѣ ѿца ѿтрокѣ жнвѣ, ї пана іѡанна, и распростеръ кннопись рѣцѣ и оудари нѣ. и плескатию бывшю к морн, и всѣ оубоикшѣся ѿ оуноу не вн-днмъ бысть. и воздвнгоша вси глѣш глѣюще. велѣн еси кннописе, и вnezапѣ възде кннопись ѿ мора де-ржа кѣѡ рече отрокѣ ѿца и оуднвшасѣ вси и рече кннопись се ли есть ѿцѣ твои. и рече отрокѣ си гнѣ. и поклонншасѣ вси кннописѣ, нскахѣ оубнн іѡанна. и не остави кннопись глѣ. како внегда оузрнѣе волна снѣ, тогда да мхѣ бѣдетѣ. и призвакѣ дръгаго уѣка и рече емх нмѣлъ еси снѣ. и рече си гдн нмѣхѣ. и по закнстн нѣкто оубн его. и абне возва гласомъ кн-нопись. и зваше на нма оубнвшѣго, ї оубнснаго. и абне кпнно оба прѣсташа. и рече кннопись къ уѣкѣ. се ли есть снѣ твои, и си ли есть оубнвнн его. и рече уѣкѣ си гдн. и рече кннопись ко нѡаннѣ, что са днвншии іѡанне. и рече іѡаннѣ азѣ о снѣ не днклѣю, ї рече кннопись, и кольша снхѣ оузрнши. тогда ую-дннѣ нмашн. аще не оужѣнѣ теке знаменїи. не нмѣмъ оставннн теке оумретн. и рече нѡаннѣ кннописѣ, зна-менїа твоѣ разрѣшѣся къскоре. слышавшѣ народѣ та-ковѣе слово внша нѡанна, дондѣже оумретн смх рѣцн. и рече кннопись к народѣ, оставите его не нѡ-гребенѣ. како да нтнѣ нѣнѣ снѣдѣ его. и вси оубо ткердѣ нмѣхѣ, како же іѡаннѣ оумретѣ. и ѿндоша ѿ мѣста радѡющеся съ кннописомъ. по снѣ же слы-шавѣ кннопись како нѡаннѣ оуѣнтѣ на мѣсте нарицаемо ка мен о к е р ж н е. призвакѣ бѣ нмѣе кѣхкѡканїе тво-рѣше и донедѣ до мѣста. и рече іѡаннѣ. мышлю ѿ тебѣ множаннѣ срамѡтѣ, и сѣ соткорн. ї того ради оставнѣ та жнвѣ. по прїдн на мѡрьскїи нѣсокѣ, и оузрншии славѣ мою. и постыднннѣся, бѣхѣ нтн трне бѣсоке. нхже мнѣхѣ ѿ мерткѣи воставнѣ, и послѣствѣ-юще емѣ. кннопись же оударнѣкъ плесномъ велѣмн рѣцѣ свои. и погрѣзнѣся к морн, и ѿ ѡуїю всѣхѣ не-внднмъ вѣкѣ. нарѡдн же восннвше велѣн еси кнно-писе, нѣсть нного волна тебе. іѡанна занѡвѣда нже







πλήθη προσαγαγὼν τῷ χῳ. καὶ θαύματα ἄπειρα ἐργασάμενος. ἃ καὶ ἐνεργῶν διετελέσειεν. ἐφ' ὅλοις ἔτεσιν εἰκοσιέξ. μετὰ τὸ ἐπανελθεῖν αὐτὸν τῆς ἐξορίας. πρὸ δὲ ταύτης, ἑτέροις ἔτεσιν ἑννέα. καὶ ἐν πάτμῳ τῇ νήσῳ, χρόνους πέντε καὶ δεκα. ἦν γὰρ ὅτε παρεγένετο ἐξ Ἱεροσολύμων εἰς ἔφεσον ἐτῶν πεντήκοντα ἑξ. καὶ μηνῶν ἑπτα. л. 32 α. καὶ πληρώσας ὡς εἴρηται τὰ ὅλα αὐτοῦ ἔτη. εἰς ἕκαστον πέντε. καὶ μῆνας ἑπτὰ. καὶ ἐξῆλθε ἐκ τοῦ οἴκου δόμνου μετὰ καὶ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ τῶν ἑπτὰ. καὶ ἀπελθὼν ἔν τινι τόπῳ. ἐκεῖσε τοὺς μαθητὰς καθίσαι παρεγγυήσατο. ἦν δὲ πρὸς ὄρθρον. καὶ αὐτὸς προσελθὼν ὥσει λίθου βολῇ. προσήυξατο. καὶ μετὰ ταῦτα. ὀρυζάντων τῶν μαθητῶν στρωσιδῶς μῆκος τῆς αὐτοῦ ἡλικίας ὡς αὐτοῖς ἐνετείλατο, ἐπέσκηψε τῷ προχώρῳ, ἐν Ἱεροσολύμοις ἀνελθεῖν καὶ ἐκεῖσε τελειωθῆναι, διδάξας δὲ καὶ τοὺς μαθητὰς ἡσπασατο αὐτοὺς καὶ εἶπε σύραντες γῆν τὴν ἐμὴν μῤα. καλύψατε με. καὶ ἀσπασάμενοι αὐτὸν οἱ μαθηταί, ἐσχέπασαν μέχρι τῶν γονάτων. καὶ πάλιν τούτου ἀσπασαμένου αὐτοῦς. ἐκάλυψαν ἕως τοῦ τραχήλου. καὶ ἐπιθέντες εἰς τὸ πρῶτον αὐτοῦ ὀθόνην. καὶ ἀσπασάμενοι αὐτὸν κραταιῶς κλαίοντες. ἐσχέπασαν αὐτόν. καὶ ὁ ἥλιος ἀνέτειλε. καὶ αὐτὸς τὸ πῶν παρέδωκεν. ἀκούσαντες δὲ τοῦτο οἱ ἐν τῇ πόλει ἀδελφοί. καὶ ἐλθόντες καὶ ὀρύζαντες, οὐδὲν εὔρον. καὶ κλαύσαντες σφόδρα καὶ εὐξάμενοι. ὑπέστρεψαν εἰς τὴν πόλιν. ὅθεν καὶ πολυχράτης ὁ τῆς ἐφέσου παροικίας ἐπισκοπος, βίκτωρι τῷ ἐπισκόπῳ γράψας ῥώμης οὕτως αὐταῖς λέξει· φησί. καὶ γὰρ κατὰ τὴν ἀσίαν. μέγα στοιχεῖον κεκοίμηται. ὃ καὶ ἀναστήσεται τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ τῆς παρουσίας τοῦ κυ. Ἰωάννης ὁ ἐπιστήμιος χυ. ὃς καὶ τὸ πέταλον πεφορηκῶς καὶ διδάσκαλος. ἐν ἐφέσῳ γενόμενος. οὐ μὴν δὲ ἄλλα καὶ ὁ θεῖος ἱππόλυτος περὶ τοῦ κηρύγματος καὶ τῆς τελειώσεως τῶν ἀποστόλων ἐξιών, ἔφη. Ἰωάννης ἀδελφὸς Ἰακώβου. κηρύσσων ἐν τῇ ἀσίᾳ τὸν λόγον, ἐξωρίσθη ἐν πάτμῳ τῇ νήσῳ. κακῶς θεν πάλιν εἰς ἔφεσον ἐκ τῆς ἐξορίας ἀνακληθεὶς. ὑπὸ νερούα. τελευτᾷ ἐκεῖσε. οὗ τὸ λείψανον παρὰ τῶν ἐποίκων τῆς πόλεως πιστῶν ζητηθὲν, οὐχ εὐρέθη. ὁ δὲ τοῦ μεγάλου γρηγορίου ἀδελφὸς καὶ σάρειος ἐπὶ σεκρέτου. ἐν κωνσταντινουπόλει ἐρωτηθεὶς περὶ τούτου οὕτως ἀπεκρίνατο λέγων. αὐτὸς ὁ Ἰωάννης. ἐν τῷ κατ' αὐτὸν εὐαγγελίῳ. πρὸς τῷ τέλει διεσάρησε τοῦτο φάσκων. καὶ τοῦτο εἰπὼν ὁ ΙϚ, λέγει αὐτῷ. ἀκολουθεῖ μοι. τιθέσθῃ τῷ πέτρῳ. ἐπιστραφεὶς δὲ ὁ πέτρος, βλέπει τὸν μαθητὴν. ὃν ἡγάπα ὁ ΙϚ ἀκολουθοῦντα. καὶ φησί. κε. οὗτος δὲ τί. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ΙϚ. ἐάν л. 32 об. α. αὐτὸν θέλω μένει ἕως ἔρχομαι, τί πρὸς σέ. ἐξῆλθεν ὁ λόγος οὗτος εἰς τοὺς ἀφελφοὺς. ὅτι ὁ μαθητὴς ἐκεῖνος οὐκ ἀποθνήσκει. ὅθεν καὶ τινες. ὡς κατὰ πρόφασιν τοῦ δε τοῦ λόγου, φασί. μήπω καὶ τήμερον εἰνάτου πείραν τὸν Ἰωάννην λαβεῖν ἀλλὰ μετατεθῆναι. ἔχει δὲ ἔμως. οὐχ οὕτως τὸ ἀληθές. ἐπεὶ οὖν ἀλιεύοντας αὐτοὺς κατειληφὼς ὁ χς. τῷ πέτρῳ μόνῳ. προσέταξεν ἔπεσθαι αὐτῷ. ὁ δὲ συμπορεύεσθαι αὐτῷ. καὶ τὸν Ἰωάννην βουλόμενος ἔφη. κε. οὗτος δὲ, τί. ὃν θεσπίσας ὁ ΙϚ πρᾶσμένειν ἐπὶ τῆς ἀλ...ας φησίν. ἐάν αὐτῷ θέλω μενεῖν ἕως ἔρχομαι ἐνταῦθα. καὶ ἀλιεύειν ἕως ἂν ὑποστρέψω πάλιν, τι πρὸς σέ. ὥστε οὖν τὸν τῷ χῳ φιλούμενον Ἰωάννην, ἀποθανεῖν ἤδη. ἐπεὶ καὶ ὁ τόπος ἐνθα κεῖται δῆλος ἦν. βεβαῖος δὲ μάλιστα τοῦτο, καὶ ὁ μέγας

несведома содѣлакъ. сѣа сотвори. за к. лѣтъ. и бѣ-  
мшѣ егда донде ѿ не рѣлнма. лѣтѣ и. и сѣмь  
мѣтъ. исполнѣнемса. всѣмъ лѣтомъ его р. и сѣдмь  
мѣтъ нзыде нз домъ домноба, съ сѣмню оуѣкъ. и до-  
шедъ до нѣкоего мѣста, тамо ѿнѣмъ състи повелѣ,  
и бѣ кже къ оуѣрѣ и тон ѿшедъ. кко верженію ка-  
мене, и помолнса. и потѣмъ же, ископавшемъ оу-  
чѣкомъ крѣтѣобразно долготѣ возраста его. ккоже  
нмъ повелѣ, и зановѣдѣ прохорѣ ко їерѣлнмъ нтн. ї  
тамо сконьчатнса, и наказавъ оуѣнко и цѣлокавъ и.  
рече прнвлекнше землю мѣръ мою. покрнте ма і цѣло-  
каша его оуѣнцы. и покрыша его данже и до колѣ-  
нѣ, и накн цѣлокашнхъ нхъ. покрыша его дан и до  
кыа, и положнша на лнѣе его понавѣ. і того цѣ-  
локашнне крѣнко плачющеся. покрыша его весьма, и  
слѣнне косѣа, и тон ѿдасть дхъ. слышавшѣ се нже  
ко граде братѣа, прншѣше, і окопавше грѣвъ и не  
ѿкретоша, ннѣтѣ. и много зѣло плакашнне. и помоль-  
шѣ и возвратншася, ко градѣ. тѣмъ и полнкрать  
ефѣскѣн епѣтъ кнкторѣ епѣнѣ, рнмьскомѣ напнса снѣ-  
вымн бѣсѣдамн рекъ. нбо ко асѣн велнкъ образъ оу-  
сне, нже ѿскрѣнѣтъ нматѣ в послѣднѣн днѣ. прншесгѣа  
гѣа. і ѿлннѣ возлегѣн на персѣхъ гдѣнхъ нже, окрон,  
носнвын и оуѣнтель ко еѣсѣ выкн. не такоже. но  
и кжѣткенын нпнѣлантѣ о проновѣданѣн. и о сконь-  
чанѣн аплѣстѣ расмотрнкъ рече і ѿлнѣ братѣ іаковѣ.  
прѣновѣдаа ко асѣн слѣко. нзнанѣ бѣтъ в патѣмь-  
скѣн острокъ. и ѿтѣдѣ накн во еѣсѣ ѿ нзнанѣа  
прнходнтѣ. и ѿ їерѣа и во еѣсѣ сконьсася. его же  
тѣлѣ кзыскано кѣрнмн аплѣа градѣскнмн и не обрѣ-  
теся. велнкаго грнгорѣа братѣ кесарѣн на соборѣ ко-  
стантннна града. конрошенѣ бѣсть о сѣмъ. и тѣм ѿвѣ-  
ща гѣа. тон и слѣмъ і ѿлнѣ къ своѣмъ блѣгокѣстѣн къ  
коньцѣ нсповѣда гѣа. і се рекъ іс. послѣднѣнѣа и  
рече, тн а се что, и гѣа иис. аѣе томѣ хоѣмъ прѣ-  
бывати. дондѣже нрѣндѣ то к тебѣ, нзыде слѣкѣ  
се къ братѣю. кко оуѣнѣкъ тѣм не оуѣметѣ, тѣмъ и  
нѣкнмн нѣ прнѣтн такокаа гѣютѣ. еда и днѣ смѣртнѣаго  
нскзса і ѿлннѣ прнмтн. но прѣложеноу кѣтн; нматѣ не  
такѣ нсконное. понеже оуѣко лѣкнѣаа нхъ оуѣнтѣ гдѣ.  
нѣтрѣ еднномѣ покелѣ прнходнтн к немѣ ѿномѣ же  
спѣтъннестковати. і ѿлнѣ хотнѣнѣ рече гѣа се что, о  
немѣ прѣрече иис, прѣкыкати к лѣкѣ гѣнне. аѣе сѣго  
хоѣмъ прѣкыкати. донелѣ прѣнтн мн къ зѣа и ло-  
кнн. донекѣ возкравѣнѣ что тебѣ. кко то оуѣко нже хѣмъ  
любнмаго і ѿлннѣа оуѣмрѣтн оуѣко. понеже и грѣкъ ндѣ-  
же лѣжнтѣ кѣленѣ кѣашн. нзкѣстѣтъ же на ѣс се.



ὕφηγητῆς καὶ ἱσαπόστολος Ἰωάννης. ὁ χρυσοῦς τὴν γλώτταν, ἐν τῷ εἰκοστῷ δευτέρῳ. καὶ τῷ εἰκοστῷ ἔκτῳ τῆς πρὸς ἑβραίους ἐπιστολῆς κεφαλαίοις. οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ ἐν τῷ ἑβδομηκοστῷ ἔκτῳ τοῦ κατὰ ματθαῖον εὐαγγελίου. καὶ τῷ εἰκοστῷ ὀγδόῳ τοῦ κατὰ Ἰωάννην διαλαμβάνει καὶ τούτοις συνοδᾷ καὶ μέχρι τοῦ νῦν ἀναδιδόμενη κόνις λεπτή τοῦ τάρου αὐτοῦ, ἥ κατὰ τὴν ὀγδόην τοῦ μαίου. πηγάζειν πᾶσι διέγνωσται:

и великѣи сказательъ бмкѣ. и равноплѣтъ и ѿплѣтъ златѣи языкомѣ. въ кѣ. котромѣ словѣ и въ кѣ. шестемѣ. иже во екренствѣи епистолѣи, не тоуноу же но въ сѣмьдесѣи и осмое иже ѿ іѡанна воспрѣимати. поне снхѣ припоицается даже и доселѣ, и исходацини прхѣ тонкѣи ѿ гроба его. и занеже ко осмыи днѣи мѣи мана исходацини квлается, и всемѣи зпѣи бмвѣетѣ. <sup>1)</sup>).

#### Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а .

Μὴν Νοέμβριος ἔχει ἡμέρας λ'. ἡ ἡμέρα ἔχει ὥρας ι'. καὶ ἡ νύξ ὥρας ιλ'. Ἐἰς τὴν λ'. Μνήμη τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων κοσμά καὶ Δαμιᾶνου: Ἐἰ καὶ παρῆκαν γῆν ἀνάργυροι δύο

Πληροῦσιν ὡς πρὶν καὶ πάλιν γῆν θαυμαμάτων.

Πρώτη ἀέστορεῖ φῶτενοε μβρίου.

Ἐκπτατον ἐκ γῆς.

Οὗτοι οἱ ἅγιοι εἶλκον τὸ γένος ἐκ τῆς ἀσιатиδος γῆς. πρὶς μὲν ὑπάρχοντος ἑλλήνος μητρὸς δὲ χριστιανῆς, τοῦ νομα θεοδότης. ἦτις χρεῖαν ἐκ τοῦ ἀνδρὸς ὑποστάσα. καὶ ἀδείας εὐκαίρου λαβομένη, πᾶσαν εἰδέαν. ἀρετῆς τελείας ἑαυτοὺς ἐξεπαίδευσεν. πάσης δὲ ἐπιστήμης ἐν πείρᾳ γενόμενοι.

Τῷ αὐτῷ κῆ. μνήμη τῶν ἁγίων νοταρίων, μαρκιανοῦ καὶ μαρτυρίου.

Θεοῦ καλᾶμους τοὺς νοταρίους νόει,

Ἐἰς αἶμα τὸ σφῶν ἐκ ξίφους βεβαμμένους.

Πεμπτη μαρκιανὸν τὰ μόνει

-Κάδι μαρτύριόν τε.

Παύλου τοῦ ὁμολογητοῦ πατριάρχου κωνσταντινουπόλεως.

† Θεὸν ἰλεούμενος τίμιε πάτερ θεοδώρου μέμνησο τοῦ καλογράφου.

Ἐπίκλην δ' ἔχοντα ὁ ἁγιοπετρίτης ἔτους 895. (1295.).

Заставици, заглавныя буквы. Азбука изъ заглавій и скорописная.

Слова съ знаками препинанія: ἐγχειρίζει. παρὰτίθεται:

Сокращения и слова съ титлами: Καὶ τῷ Ἰωάννῃ σημείων λεγομένων ἐφεπόμενος ἐξεδῆμυσεν.

Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: α) διεσπάραξαν καταφάγωσιν. ε) ἐξ ἐξ σεραπίων λέγει πε-ριπεσῶν. ν) τὴν. σ) προσέδωκε. παράστησον. τ) γλώττα. Собственное имя съ титломъ, σέλευκος. Союзъ ὅτι имѣющій дыханіе полукрестикомъ.

### VIII. Патерикъ Павла монаха Монастыря Пресвятыя Богородицы Еввергетиды въ двухъ книгахъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 202-мъ.

Длина пергамина 1-й книги.	. . . . .	6 1/4 в.
Ширина.	. . . . .	5 "
Къ корешку.	. . . . .	1/2 "
Къ правой сторонѣ	. . . . .	1 "
Къ верху	. . . . .	7/8 "
Къ низу.	. . . . .	1 1/4 "

Пергамень тонокъ и выдѣланъ хорошо.

Писаны скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ, 1-я на 389. листахъ, а 2-я на 251. листѣ Маленькія заставочки, заглавныя буквы писаны свѣтлокоришневою краскою и мѣстами киноварью. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей внизу у корешка. Число строкъ въ 2-й книгѣ на страницѣ

<sup>1)</sup> Сего сказанія объ Іоаннѣ Богословѣ въ Слав. прологахъ XIII, XIV XV, и XVI. в. Моск. Синод. Библіотеки нѣтъ.

не определѣно. 37. 38. 39. 43. Внизу 1-го листа бумажнаго 2-й книги подписано: Арсеній мн̃. а внизу 3-го листа: λαύρας. Въ 1-й книгѣ число строкъ на страницѣ 32 и 31. Внизу 2-го листа 1-й книги подписано: βιβλίον τοῦ πᾶνβασιλεῶς χϥ. Арсеній. Колеръ чернилъ коричневый.

Въ 1-й книгѣ написано двѣ книги. Первая оканчивается л. 196 об. и заключаетъ въ себѣ 5-ть главъ. Съ 197 по 202. изъ главъ 36. 37. и 40. выписано другимъ почеркомъ, но тогоже конца XIII вѣка. Вторая книга оканчивается на л. 388 об. На 389. на бомбицинѣ написанъ отрывокъ изъ Богослужебной книги XIV в. Колеръ чернилъ коричневый.

Во 2-й двѣ же книги: 3-я и 4-я. Третія оканчивается л. 120 об. и заключаетъ въ себѣ 50-ть главъ, а 4-я имѣетъ, столько же главъ.

Первая книга оглавляется л. 2—11 об. такъ: Συναγωνή τῶν θεοφθόγγων ῥημάτων καὶ διδασκαλιῶν τῶν θεοφόρων πατέρων, ἀπο πάσης γραφῆς θεοπνεύστου συνάθεισθαι καὶ οἰκείως καὶ προσφόρως ἐκτεθεῖσα εἰς ὠφελείαν τῶν ἐν-  
τυγχανόντων παρα πάλου τοῦ ὁσιωτάτου μοναχοῦ. καὶ κτήτορος μονῆς τῆς ὑπεραγίας δέσποινας θεοτόκῃ τῆς εὐεργέτιτος.

α. "Οτι οὐ δεῖ ἀπογνῶναι τινᾶ ἑαυτὸν. ποτὲ καὶ πολλὰ ἡμαρτεν ἀλλὰ διὰ μετανοίαν ἐλπίζει τὴν σῶσιν.

β. л. 11 об.—12. "Οτι δεῖ ἐν τῷ ἐνεστῶτι ποιεῖν τὸ καλόν. καὶ μὴ εἰς τὸ μέλλον ὑπερτίθεσθαι. καὶ ὅτι μετὰ θάνατον οὐκ ἔστι διόρθωσις.

γ. л. 12. 13 об. Περὶ τοῦ πῶς δεῖ μετανοεῖν.

δ. л. 13 об. 14. "Οτι τοῖς ἀσθένεσιν ἀρμοδιον τὸ κατὰ μικρὸν εἰστὰ τῆς μετανοίας ἔργα ἐνάγεσθαι καὶ λοιπὰς ἀσκήσεις.

ε. л. 14—17 об. "Οτι δεῖ αἰ τοῦ θανάτου μεμνηθῆσθαι καὶ τῆς μελλούσης κρίσεως. οἱ γὰρ μὴ ταῦτα διηνεκῶς προσδοκῶντες καὶ λογίζομενοι ὑπὸ τῶν παθῶν ῥαδίως ἀλίσκονται.

ς. л. 17 об. — 19 об. "Οτι ἀνείκατος ἢ ἐν οὐρανοῖς εὐφροσύνη καὶ ἢ τοῖς ἁγίοις ἀποκειμ.... δόξα διοδεῖ ταύτης ἐκθύμως ὀρέγεσθαι. καὶ ὅτι οὐδὲν τῶν ὄντων ἢ παρ' ἡμῖν γινομένων ταύτης ὀντάξιον.

ζ. 19 об. — 24 об. "Οτι πολλάκις αἱ τῶν ἐναρέτων ψυχαί, ἐν τῷ θανάτῳ θεία τινὶ ἐπισκιάσει παρακαλούμεναι, οὕτω τοῦ σώματος διαζεύγνυνται.

η. 24 об. — 30. Περὶ τῶν ἐκλιπόντων καὶ πάλιν ὑποστρεφόντων. ὅτι κατὰ θείαν οἰκονομίαν τοῦτο γίνεται. καὶ ὅτι πολλάκις οἱ ἁμαρτωλοὶ ἔτι ἐμπνέοντες τὰ ἐν αἵδου ὀρώντες δικαιοτήρια καὶ τοὺς δαίμονας τρέμουν. καὶ οὕτω τοῦ σώματος διαζεύγνυνται.

θ. л. 30 — 36 об. Ἀπόδειξις περὶ τοῦ ποῦ αἱ τῶν τελευτώντων ψυχαί ἀπέρχονται. καὶ πῶς εἰς μετὰ τὴν διαζευξιν.

ι. л. 36 об. — 38. об. Περὶ τοῦ ὅτι μετὰ τὴν ἔξοδον ἡ ψυχὴ φοβερὰν ἐν τῷ ἀερὶ τὴν δεέτασιν δέχεται τῶν πονηρῶν πνῶν. ἀπαντώντων αὐτῇ καὶ κωλιόντων τὴν ἄνοδον.

ια. л. 38 об.—41 об. Περὶ τοῦ ὅτι μετὰ θάνατον πάντες πάντας ἀλλήλους ἐπιγινώσκουσι. καὶ ὅτι μετὰ τῶν οἱ ὁμοίων οἱ ὁμοιοὶ κατὰττονται...

ιβ. 41 об. — 46. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τοὺς θεοφιλεῖς τῶν γονέων χαίρειν καὶ εὐχαριστεῖν ἐπὶ τοῖς πειρασμοῖς τῶν τέκνων τοῖς διὰ κν̃. ἔτι δὲ πρὸς τοὺς τούτῳ παῖδας, ἐπὶ τοὺς δι' ἀρετὴν ἀγῶνας, καὶ τοὺς κινδύνους.

ιγ. 46 — 50. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν ἀποτασσόμενον ξενитеῦσαι. καὶ τίς ἢ ἐν λόγῳ ξενитеία. καὶ ἢ ἐκ ταύτης ὠφέλεια. καὶ ποῖοι τῶν τόπων πρὸς ἄσκησιν ἐπιτήδαιοι.

ιδ. 50. Πόθεν ὁ εἰς θν̃ φόβος καὶ ἡ ἀγάπη καταρχὰς τῷ ἀνῳ γίνεται. καὶ ἐπὶ πόσον ὀφείλεται.

ие. 50—55. Περὶ τοῦ ὅτι τοῖς ἀποταξαμένοις ἀναγκαῖον, τὸ μὴ συμμειγνῦσθαι τοῖς κατὰ τάρκα συγγενέσιν. ἢ προσπαθῶς εἰς αὐτοὺς ἔχειν.

ис. 55 и об. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἐπίσης τῶν λοιπῶν ἀδελφῶν ἀγαπᾶν καὶ τοὺς σαρκικοὺς συγγενεῖς. εἰ τὴν αὐτὴν ἀκαχεῖνοι πολιτείαν μειτέρχονται. εἰ δὲ τὴν ἐναντίαν ὡς βλαπτικοὺς αὐτοὺς ἀποτρέφειν.

ιζ. 55 об. — 57. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἀποτασσόμενον γυμνωθῆναι πάντων. καὶ πῶς δεῖ διοικεῖν τὰ αὐτῷ ἐπιβάλλοντα καὶ ὅτι τοῖς ἐν τῷ κοινοβίῳ ιδιόκτητον πρᾶψαν. ὀλεθρον.

иш. 57—59 об. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν σωθῆναι βουλόμενον, τὰς τῶν ἐναρετων συντυχίας μεταδιώκειν ὡς πάνυ ὠφελίμους, ἐπερωτᾶν τὲ αὐτοὺς καὶ μανθάνειν παρ' αὐτῶν τὰ σῖα μετ' ἐπιθυμίας σφοδρᾶς καὶ πόθου ζέοντος.

иф. 59 об. — 61 об. "Οτι ἀναγκάια ἡ ὑποταγή. καὶ τίς ἐκ ταύτης ὠφέλεια καὶ πῶς κατορθοῦται.



κ̄ 61 οβ. — 70. Περὶ τοῦ ὅτι οὐ δεῖ ἑαυτῷ ἐν τινι καταπιστεύειν. ἀλλὰ τῆς τῶν πρῶν συμβουλίας μετέχειν πάντα. καὶ τὰ τῆς καρδίας ἀπόρητα ἐξαγορεύοντα καὶ μηδὲν ἀποκρύπτοντα.

κᾱ. 70—78. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τοῖς δια...κοῖς τῶν... τοὺς λογισμοὺς ἀνατίθεσθαι. καὶ μὴ τοῖς τυχοῦσι καταπιστεύειν. καὶ πῶς δεῖ δεῖ ἀγορεύειν καὶ ἐρωτᾶν. καὶ ποταπῇ πιστεῖ. τὰς ἀποκρίσεις τῶν πατέρων δέχεσθαι. καὶ ὅτι δεῖ αὐτοῖς συνεργεῖν.

κβ. 78—83. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἐκτρέπεσθαι τὰς συντυχίας τῶν ἀπροσυχῶν ἁγίων, καὶ τοὺς θορύβους. καὶ ὅτι ἀναγκαῖα, ἢ ἐκ τῶν κοσμικῶν ἀλλοτριώσις τῷ σωθῆναι θέλοντι.

κγ. 83—84 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ πάντων τῶν βλαπτόντων ἀφίστασαι. καὶ φίλοι ὦσιν, ἢ ἄλλως ἀναγκαιότατοι.

κδ. 84 οβ. — 87 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν ἀποταξάμενον, μὴ ἐμπλέκεσθαι βιωτικαῖς διοικήσεσι, καὶ τί εὐλογον ἔχειν δοκοῦσιν, ἀλλὰ τῇ προνοῖα καὶ περὶ τούτων παραχωρεῖν.

κε. 87 οβ. — 90 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι εὐχερὲς ἢ κακία. καὶ πολλοὶ οἱ ταύτην αἰρούμενοι καὶ μάλιστα νῦν. ἔγκοπος δὲ ἢ ἀρετὴ. καὶ ἑλίγοι οἱ αὐτὴν μετερχόμενοι. ἃς δεῖ καὶ ζηλοῦν. τῆς δὲ πολλῆς μὴ προσέχειν.

κς. 90 οβ. — 99. Περὶ τοῦ ὅτι τοὺς προσίοντας τῇ μοναδικῇ πολιτείᾳ μετὰ πολλῆς δοκιμασίας δεῖ δέχεσθαι. οἱ γὰρ μετὰ δοκιμασίαν εἰσδεχθέντες, ὡς ἐπὶ τὸ πλεῖστον καὶ δοκιμότατοι. ὁποβαίνουσι. τίνα τὲ αὐτοῖς δεῖ ἐπιτρέπειν.

κζ. λ. 99 — 101 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι καὶ αἱ περιστατικαὶ ἀποταγαί, οὐ πάντῃ ἀπόβλητοι. καὶ ὅτι πάντα τὸν προσίοντα τῷ κοινοβίῳ. καὶ τὴν μετὰ τῶν ἀδελφῶν οἴκησιν θερμῶς ἐξετουμένην, οὐ δεῖ παρ' εὐθύ παντελῶς ἀποπέμπεσθαι, πρὸ τῆς ἀκριβοῦς κατ' αὐτὸν διαγνώσεως. ἀλλὰ παραιτεῖσθαι μὲν ποσῶ, καὶ δοκιμάζειν κατὰ τὰ προγραφέντα ἐμμένοντα δὲ τῇ προθέσει καὶ μετὰ τὴν δοκιμασίαν παραδέχεσθαι. εἰ μήτι. ἕτερον ἀπηγορευόμενον τοῖς θείοις νόμοις παρακολουθεῖ τῷ πράγματι.

κη. 101 οβ. — 106. Περὶ τοῦ πόθου ἄρχεσθαι τῆς ἀσκήσεως. καὶ ὅτι τοῖς ἀρχομένοις, ὑπομονῆς χρεῖαν καὶ βίαν ὡς τῆς ἀρετῆς ἐξ ἀρχῆς μὲν. τραχείαν εἶναι δοκούσης. διὰ τὰ πάθη καὶ τὰς προλήψεις. ὕστερον δὲ καὶ πάντῃ λείαν εὐρισκομένης. καὶ ὅτι ἡ στερεὰ ἀρχή, λυσιτελεῖ τὰ μέγιστα καὶ ὅτι ἀδύνατον ἀκολουθεῖν χῶ, ἢ ἀρετὴν τίνα κατορθῶσαι, τὸν μὴ ἑαυτὸν εἰς θάνατον προετοιμάσαντα.

κθ. 106 — 111. Περὶ τοῦ ὅτι τῷ ἀγωνιζομένῳ ἰσχυρῶς καὶ οἱ δαίμονες πολεμοῦσι τῶν δὲ ἀμελούντων ὡς ὑποχειρίων αὐτοῖς. ἀμελοῦσι. καὶ ὅτι οἱ τὸ ἀγαθὸν θέλοντες. συνεργὸν εὐρίσκουσι τὸν θν. οἱ καὶ τοὺς πολέμους συγχωρεῖ συμφέροντες.

λ. 111 — 114. Περὶ τοῦ ὅτι οὐ δεῖ εἰς πάντα ἃ πατρίομεν, τοὺς δαίμονας αἰτιᾶσθαι. ἀλλ' ἑαυτοὺς τοὺς γὰρ προσύχοντας, οὐδὲν οἱ δαίμονες βλάψαι δύνανται, μεγάλης οὔσης τῆς παρὰ θν βοηθείας. καὶ ὅτι πρὸς τὴν δύναμιν τῶν ἀνθρώπων. καὶ ὁ θς συγχωρεῖ πολέμους.

λα. 114 — 116. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν τῇ ἀσκήσει προσελθόντα μετὰ τὸ ἱκανῶς ἐγγυμνασθῆναι ταῖς ἀρεταῖς, τότε τὰ τῶν μοναχῶν ἀμφιένυσθαι καὶ τὸ ψύχωφελές καὶ σωτήριον:·

לב. 116 — 123 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν πρόποντα βίον τῷ σχήματι, ἐπιδεικνύσθαι. ὁ γὰρ μὴ κατὰ τὸ σχῆμα πολιτευόμενος, οὐ μοναχός. καὶ ὅτι οὐκ ἐκ τοῦ χρόνου, ἀλλ' ἐκ τοῦ τρόπου τὸ κατὰ θν γῆρας χαρακτηρίζεται.

λγ. 123 οβ. — 131. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μαθητὴν τὰ παρὰ τοῦ διδασκάλου καταδέχεσθαι προθύμως ὡς συμφέροντα, καὶ λυπηρὰ ἢ καὶ ἐπώδυνα. πρὸς γὰρ τὸν σκοπὸν αὐτοῦ καὶ τὰς θλίψεις. καὶ τὸ παρὰ θν ἔλεος δίδοται.

λδ. 131 — 133 οβ. Ὅτι δεῖ καὶ μέρχι θανάτου τοῖς ἐν κῶ προεστῶσι πείθεσθαι. καὶ ἀγαπᾶν τὲ αὐτοὺς καὶ φοβεῖσθαι.

λε. 133 οβ. — 138. Ὅτι δεῖ ἐν ἀπλότῃ ὑποτάσσεσθαι τοῖς ἐν κῶ προεστῶσι. καὶ τὰς αὐτῶν κρίσεις ὡς ἐκ θν ἀβασανίστως δέχεσθαι. καὶ μὴ ἀνακρίνειν αὐτὰς ἢ ἐπὶ διορθοῦν. καὶ οὐ συμφερόντως ἴσως πρὸς τὸ παρὸν φαίνονται.

λς. 138 η οβ. Τί τὸ κρίμα, τῆς πρὸς τοὺς ἐν κῶ διδασκάλους ἀπειθείας καὶ τοῦ γογγυσμοῦ. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τὸν ὑποτακτικὸν ἀντιλέγειν ὅλως ἢ δικαιολογεῖσθαι. ἀλλ' ἐν πᾶσιν ἀνθίστασθαι τῷ ἰδίῳ θελήματι. καὶ ἀγαπᾶν τὸν ἑλεγχον καὶ μὴ μισεῖν.

λζ. 138 οβ. — 141. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν διδάσκαλον κατακρίνειν, καὶ ντινα ἐναντία ἴσως ὧν διδάσκει ποιῇ. καὶ γὰρ πολλοὶ μαθηταὶ ἀμελέσι διδασκάλους ἐμπιστευθέντες καὶ μὴ κατακρίνοντες αὐτοὺς ἀλλ' ἐν κῶ ὑποτασσόμενοι, αὐτοὶ μὲν ἐσώθησαν. πολλὰς δὲ καὶ τοῖς διδασκάλους σωτηρίας γεγόνασι αἵτιος.

λη. 141 — 144. Περὶ τοῦ ὅτι τοὺς προσέχοντας ἑαυτοῖς καὶ τῇ προνοίᾳ τῇ τοῦ θν, ἢ χάρις πολλάκις. καὶ διὰ ἰδιωτῶν καὶ ἀγνώστων διδάσκει τὰ δέοντα. καὶ ὅτι οἱ ταπεινόφρονες καὶ παρὰ τῶν τυχόντων μανθάνειν οὐ παραιτοῦνται.

- Λθ. 144—150 οβ. Περί τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μαθητὴν, τῇ ἑαυτῷ θαρρεῖν, ἀλλὰ πιστεύειν ὡς διὰ τοῦ διδασκάλου καὶ σώζεται καὶ δυναμοῦται εἰς πᾶν ἀγαθόν. καὶ τὰς αὐτοῦ ἐπικαλεῖσθαι εὐχάς.
- Μ. 150 οβ. — 164. "Οτι οὐ δεῖ τινὰ εἰμετάβατον εἶναι. ἢ τῆς μονῆς ἀναχωρῆσαι ἐν ᾗ τελειωθῆναι τῷ θᾶ συνετάξατο. οἱ γὰρ πρῆς, οὐ δὲ τῆς κέλλης εὐχρεῶς ἀπανίσταντο ἐν ᾗ καὶ ἡ τὴν τυχοῦσαν εὕρεν ὥφελεια σθ.
- ΜΑ. 164—169 οβ. "Οτι τοῖς ἀγυμνάστοις τὸ ἀφιδιαίνει ἐπὶ κίνδυνον.
- ΜΒ. 169 οβ. — 174 οβ. "Οτι οὐ δεῖ ἐριστικῶς ἀντιλέγειν, οὐδ' ἐν αὐτῷ τοῖς δοκοῦσιν εἶναι καλοῖς. ἀλλὰ τῷ πλησίον διὰ τὸν θν ὑποτάσσασθαι κατὰ πάντα.
- ΜΓ. 174 οβ. — 175 οβ. "Οτι πάντα τὰ γινόμενα δικαιοσύνη θυ γίνεται. διὸ δεῖ τὸν πιστὸν τῇ προνοίᾳ ἀεὶ ἀκολουθεῖν. καὶ μὴ τὸ οἰκεῖον ἐπιζητεῖν θέλημα. ἀλλὰ τὸ τοῦ θυ. ὁ γὰρ οὕτω πάντα ποιῶν ἢ δεχόμενος, ἀναπάυεται.
- ΜΔ. 175 οβ. — 179. "Οτι ἡ ταπεινοφροσύνη τοῖς δαίμοσιν ἀνάλωτος ἔλως ἐστὶ. καὶ τίς ἢ τῆς ταπεινοφροσύνης γένεσις. καὶ τίς ἢ δύναμις καὶ ὅτι ὑπὲρ πάσας τὰς ἀρετάς, ἡ ταπεινώσις καὶ μόνη συντόμως σώζει τὸν ἄνθρωπον.
- ΜΕ. 179 — 191 οβ. "Οτι ἴδιον ταπεινόφρονος δεῖ ἡγεῖσθαι τὰ παρ' αὐτοῦ γινόμενα ἀγαθὰ, ὅσα καὶ οἷα ἂν ἦ. καὶ τίνα τὰ τῆς ταπεινοφροσύνης ἰδιώματα καὶ τινες οἱ ταύτης καρποί.
- ΜΖ. 191 οβ. — 193. Περί τοῦ τί τὸ κέρδος ἐκ τοῦ ἑαυτὸν μέμθεσθαι.
- ΜΘ. 193. 194. "Οτι οὐ δεῖ τιμὴν ζητεῖν. ἢ πρωτεῖων ἐφίεσθαι τὰ γὰρ παρὰ τοῖς ἀνθρώποις τίμια, παρὰ τῷ θῷ βδέλλυκτα εἰσιν.
- ΜΗ. 194 η οβ. "Οτι ταπεινολογεῖν ἀκαίρως ἢ ἀμέτρως γινόμενον οὐκ ὠφέλιμον. ἀλλὰ βλαβερὸν ἐστὶ. καὶ τί δεῖ ποιεῖν πρὸς τοὺς ἐπαινοῦντας. καὶ ὅτι τὸν προσέχοντα οὐδὲν οἱ ἔπαινοι βλάπτουσιν.
- ΜΘ. 194 οβ. — 196. Περί τοῦ πῶς δεῖ. καὶ μέχρι τίνος κεχρηθῆναι τοῖς πρὸς τὴν σκέπην τοῦ σώματος. καὶ πῶς οἱ πρῆς ἡγάπων χάν τοῖς ἐνδύμασι τὴν εὐτέλειαν. ἣν ἐν πᾶσι τὸν μοναχὸν δεῖ ἀσπάζεσθαι.
- Η. 196 η οβ. "Οτι οὐ δεῖ πρὸς τέρψιν. ἢ κατὰ προσπάθειαν τί ποιεῖν.
- Λ. 197 η οβ. Ἐκ τῆς ὑποθέσεως τῆς. ΛΖ. τῆς. ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν μακρόθυμεῖν. (— ον).
- Λ. 198 — 202. Ἐκ τῆς ὑποθέσεως τῆς. Μ. τῆς ὅτι δεῖ καὶ τοὺς ἐχθροὺς ἀγαπᾶν λεγούσης.
- Λ. 203 204 οβ. Πίναξ δευτέρου τοῦ δευτέρου βιβλίου τοῦ εὐεργετίνου.
- Α. 205—215 οβ. "Οτι οἱ εὐτελίζοντες ἑαυτοὺς, ἔντιμοι εἰσὶ παρὰ τῷ θῷ.
- Β. Λ. 215 οβ. — 228. "Οτι ἡ μὲν ἐξουδένωσις, τὴν ταπείνωσιν. ἡ δὲ τιμὴ τὴν ὑπερηφανίαν προσενεῖν πέφυκε. διὸ καὶ οἱ ταπεινόφρονες ἐξουδενωμένοι. χάρουσι. τιμώμενοι δὲ λυποῦνται.
- Γ. Λ. 228 — 233 οβ. "Οτι δεῖ τὸν μοναχὸν ἀργὸν εἶναι. ἀλλὰ καὶ σωματικῶς ἐργάζεσθαι. καὶ ὅτι ἡ ἀργία πολλῶν αἰτία κακῶν.
- Δ. Λ. 233 οβ. — 235. Ποίῳ σκοπῷ τὸν μοναχὸν δεῖ ἐργάζεσθαι. καὶ ἐπὶ πόσον καὶ τίνα ἔργα ἐπιτηδύειν.
- Ε. Λ. 235 η οβ. Τίνα δεῖ τηρεῖν τοὺς ἀδελφοὺς συνεργουμένους ἀλλήλους.
- Σ. Λ. 235 οβ. — 229 οβ. "Οτι οἱ ἐν τῷ κοινοβίῳ, οὐ δεῖ τινὰ ἴδιον τι κεκτηθῆναι. τῷ δὲ κτησαμένῳ βαρυτάτη ἐπήρτηται κόλασις.
- Ζ. Λ. 239 οβ. — 243 οβ. "Οτι ὁ τῶν τῇ μονῇ διαφερόντων πραγμάτων καταπροδιδὸς τί ἢ ὑφαιρούμενος μεγάλα εἰς θν ἁμαρτάνει καὶ μείζονα κολασθήσεται. διὸ δεῖ αὐτῶν ὡς ἀφιερωμένων θῷ, σφοδρὰ ἐπιμελεῖσθαι. καὶ μὴ δὲ τῶν εὐτελεστάτων καταφρονεῖν. καὶ ὅτι ἐν πᾶσι βλαβερὰ ἡ ἀμέλεια.
- Η. Λ. 243 οβ.—246 οβ. Μετὰ ποίας διαθέσεως δεῖ διακονεῖν ἢ διακονεῖσθαι. καὶ τί τὸ ἐκ τῆς διακονίας κέρδος.
- Θ. Λ. 246 οβ. η 247 οβ. Πότε καὶ παρὰ τίσιν διακονία προτιμητέα τῆς προσευχῆς.
- Ι. Λ. 247 οβ. — 252 οβ. "Οτι δεῖ σπουδαίως εἰς τὴν προσευχὴν διανίστασθαι. καὶ ὑπομονητικῶς προσεδρεύειν αὐτῇ. πόθεν τὸ καὶ διὰ τί αἱ κατὰ τὰς τεταγμένας ὥρας προσευχαὶ ἀρχῇθεν ἐτάχθησαν. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τούτων καταμελεῖν.
- ΙΑ. Λ. 252 οβ. — 257. Περί ψαλμωδίας καὶ προσευχῆς καὶ τῆς ἐν αὐταῖς εὐταξίας.
- ΙΒ. Λ. 257. 258 οβ. "Οτι δεῖ τοὺς ἐπὶ ταῖς θείαις συνάξεσιν ἀργολογοῦντας ἢ ὅλως κοινογούμενους πρὸς ἀλλήλους, ἐπιτιμᾶν. καὶ ἐμὴ διορθώσονται, ἐξωθεῖν τῆς ἐκκλησίας αὐστηρία.
- ΙΓ. Λ. 258 οβ. — 260. "Οτι δεῖ ἐν παντὶ καιρῷ ἀγρυπνεῖν. καὶ τοσοῦτον ὑπνοῦν ὅσον τὸ σῶμα διακρατεῖν. καὶ ὅτι τοὺς ἀρχομένους τῆς ἀσκήσεως, δεῖ καὶ δι' ἐπινοῶν τινῶν ἐθίζειν τὴν ἀγρυπνίαν.
- ΙΔ. Λ. 260 οβ. — 268 οβ. "Οτι δεῖ τὸν ἀσκητὴν, μὴ δέποτε τῆς ἀσκήσεως ἐνδιδόναι. ἀλλ' ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος ἀεὶ ἀγωνίζεσθαι.
- ΙΕ. Λ. 268 οβ. 269. Περί φιλαυτίας.



ιβ. 269 — 272 οβ. Τίς ἢ ἐκ τῆς ἐγκρατείας ὠφέλεια. καὶ τίς ἢ ἐκ τῆς ἀκρασίας βλάβη. καὶ τίς ὁ ἐκ τῆς ἀμετρίας τοῦ οἴνου ὄλεθρος.

ιζ. 272 οβ. — 274 οβ. Πῶς οἱ πρῶς τὴν νηστείαν ἡγάπησαν. καὶ κατώρθωσαν. καὶ μέχρι τίνος καὶ εἰς ταύτην ἐχρῶντο τῇ ἀκριβείᾳ.

ιη. ι. 274 οβ. — 278 οβ. Πράξεις διάφοροι πρῶν ἀγίων εἰς ὑπομονὴν διεγείρουσαι, τὴν ἡμετέραν ἀσθενεῖαν. καὶ τῇ ὑπερβολῇ διδάσκουσαι ἡμᾶς τὴν ταπείνωσιν.

ιδ. ι. 279 — 284 οβ. Πῶς δεῖ προνοεῖσθαι τοῦ σώματος. καὶ τίς ἢ κατὰ λόγον ἀσκήσις καὶ ἐγκράτεια.

κ. 284 οβ. 285 οβ. Πῶς δεῖ τὸν θεοφιλῆ ἐορτάζειν. καὶ τίς κἂν ταῖς ἐορταῖς τῶν πατέρων ἢ διαίτα.

κβ. ι. 285 οβ. 286. Ὅτι μέγα κακὸν ἢ λαθροφαγία. διὸ καὶ μόνη δύναται τὸν μοναχὸν ἀπολέσαι.

κγ. ι. 286 287 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν. ἅπαξ τῆς ἡμέρας ἐσθίειν. καὶ τοῦτο μετὰ τὴν ἐνάτην. ἢ πρὸς ἐσπέραν εἰ φροντίζει τῆς ἀκριβείας ἣν οἱ πρῶς πάντες ὁ φύλαττον, οὐ μόνον οἱ ἐν ἡσυχίᾳ. ἀλλὰ καὶ τῶν ἐν κοινοβίοις οἱ πλείονες.

κδ. 287 οβ. — 290. Ὅτι δεῖ δι' ἡδονὴν. ἀλλὰ πρὸς χρείαν ἐσθίειν, καὶ ὅτι ὁ μὴ πρὸς ἡδονὴν ἐσθίων, κἂν ἡδέα τὰ βρώματα ἦ. οὐδὲν ζημιούται.

κε. 290 — 293. Πῶς δεῖ. καὶ ποῶ σκοπῶ τὸν μοναχὸν ἐν τῇ τραπέζῃ καθέζεσθαι, καὶ τῶν παρατιθεμένων ἐφάπτεσθαι. καὶ τίνα τηρεῖν καὶ μετὰ τὴν τράπεζαν.

κε. 293 294 οβ. Περὶ βρώσεως καὶ πόσεως. καὶ πότε καὶ πῶς. καὶ τίνων δεῖ ἀπέχειν ἢ ἀπτεσθαι.

κς. 294 οβ. — 300. Τίς ἢ διαφορὰ τοῦ τῆς πορνείας πολέμου. καὶ πῶς δεῖ κατ' αὐτοῦ ἐγωνίζεσθαι.

κζ. 300 — 304. Ὅτι τελείως τοῦ τῆς πορνείας πολέμου οὐκ ἔστιν ἄλλως ἀπαλλαγῆναι. εἰμὴ ἐκ τῆς τοῦ θυβοηθείας. ἢ τοῖς ἀγωνιζομένοις ἐπακολουθεῖ. καὶ τίς ἢ τελεία ἀγνεία.

κη. 304 — 305 οβ. Τίς ἢ τιμὴ τῆς ἀγνείας. καὶ τίς ἢ τῆς πορνείας ἀτιμία. καὶ ἐκατέρων τὰ τέλη καὶ ἀνταποδόματα καὶ νῦν καὶ ἐν τῷ μέλλοντι.

κθ. 305 οβ. — 316. Ὅτι καὶ τὸ τοὺς αἰσχροὺς λογισμοὺς παραδέχεσθαι. καὶ μὴ εὐθέως ἀποκρούεσθαι. ὁμοίως καὶ τὸ περιέργως βλέπειν. καὶ τὸ αἰσχρὰ λαλεῖν ἢ ἀκούειν, ὑπο τιμορίαν ἐστίν. ἢ δὲ συγκατάθεσις, ἐπίσης τῇ πράξει κολάζεται. καὶ ὅτι διὰ πολλῶν καὶ ποικιλῶν μεθοδεῶν, τὸ πνεῦμα τῆς πορνείας προσβάλλει. διὸ καὶ προσεκτέον ἀεὶ.

λ. 316 — 326. Ὅτι δεῖ καὶ τὰς τῶν γυναικῶν ὁμιλίας ἐκτρέπεσθαι. καὶ τῶν λοιπῶν πραγμάτων, τῶν τὴν ἐπιθυμίαν ἐρεθιζόντων.

λα. 326 — 327. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ἀνέχεσθαι ὅλως ἀκούειν αὐλοῦ ἢ κιθάρας. ἢ τινὸς ἄλλου μέλους θυμελικοῦ. ἀλλ' ὡς ὀλέθρια ταῦτα φεύγειν. ἐν ᾧ καὶ ὅτι ἐκ διαφορῶν αἰτιῶν ὁ ἐνυπνιασμός γίνεται.

λβ. 327 — 338 οβ. Ὅτι μεγίστη ἢ τοῦ πένθους ἐργασία. καὶ ποσαχῶς τὸ πένθος. καὶ τίς ἢ διαφορὰ τῶν δακρύων.

λγ. 338 οβ. — 340 οβ. Ὅτι ἐν τῷ τέλει τῆς ζωῆς, σφοδρότερον τῷ ἄνθρωπῳ οἱ δαίμονες ἐπιτίθενται. διὸ προσεκτέον τὰ μάλιστα.

λδ. 340 οβ. — 342. Ὅτι οὐδὲν οὕτω τῷ μοναχῷ ἀνοίκειον ὥς ἡ παρρησία. καὶ ὁ γέλως. ἐν ᾧ καὶ περὶ ευλαβείας. καὶ τίνα ταύτης τὰ ἰδιώματα.

λε. 342 — 347. Ὅτι εὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ὅλως θυμουςθαι εἰς ἄνθρωπον. ἢ κραυγάζειν. καὶ τῆς ἢ τοῦ θυμοῦ γένεσις. καὶ τίς ἢ θεραπεία.

λε. 347 η οβ. Ὅτι τοῖς ἐψιεμένοις τῆς τελειότητος, τὸ ταραχθῆναι ὅλως τὴν καρδίαν πρὸς τὸν ἀδικοῦντα ἢ ὑβρίζοντα, οὐκ ἂν ἐυθυνον φαίνεται.

λζ. 347 οβ. — 355. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν μακρόθυμον εἶναι τοῖς εἰς αὐτὸν πταίοῦσι. καὶ τοῖς ἀδικοῦσι μὴ ἐπεξέρχεσθαι.

λη. 355 — 361 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν οὐ μόνον τοὺς ἀδικοῦντας μὴ ἀμύνεσθαι. ἀλλὰ καὶ μακροθύμως τὴν ἀδικίαν ὑφίστασθαι. καὶ τῇ ἀνεξικακίᾳ ἐντρέπειν αὐτοὺς.

λθ. 361 οβ. — 363 οβ. Ὅτι τοῖς εὐχαρίστως τὴν ἀδικίαν ὑπομένουσι καὶ μὴ ἑαυτοὺς ἐκδικοῦσιν, ὁ θεὸς ἐκδικος γίνεται, καὶ μείζονι πολλᾷκις αὐτοὺς ἀμείβεται, ὣν ἡδικήθησαν.

μα. 363 οβ. — 367 οβ. Ὅτι δεῖ καὶ τοὺς ἐχθροὺς ἀγαπᾶν, ὡς τὰ μεγάλα ὠφελοῦντας. καὶ εὐεργετεῖν. καὶ εὐχεσθαι αὐτοῖς τὰ σωτήρια.

μα. 367 οβ. 368 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ ἄνθρωπον μισεῖν.

мк. 368 об. — 371 об. "Οτι ὀλέθριον ἢ μνησικαχία ὡς μη μόνον πᾶσαν ἐργασίαν πνικῆν. ἀχρεῖον. ἀλλὰ καὶ τὴν τοῦ θυ ἀποστρέφον συμπαθείαν.

мг. л. 371 об. 372 об. "Οτι οὐ δεῖ τινὶ ἐπαρᾶσθαι.

мд. 372 об. 373 об. "Οτι οὐ δεῖ μόνον μὴ ὑβρίζειν τινά, ἀλλὰ καὶ τοὺς ὑβρίζοντας εὐλογεῖν. καὶ οὕτω κατασέλλειν αὐτῶν τὸν θυμὸν.

με. 373 об. 374 об. "Οτι οὐ δεῖ ψεύδεσθαι ἀλλ' ἀληθεύειν.

мз. 374 об. — 378. "Οτι μέγα τῆς συκοφαντίας ἀμάρτημα. καὶ ὅτι πρὸς ὁόξαν τῶν συκοφαντουμένων ἐι ὑπομένουσιν ευχαρίστως, τοῖς συκοφάνταις καὶ ἐνταῦθα πολλάκις ἢ παρὰ θυ τιμωρία ἐπέρχεται.

мз. 378 — 381 об. Περί λόγου καὶ σιωπῆς. καὶ πῶς δεῖ καὶ πότε τοῦτοις χρῆσθαι. καὶ ὅτι τὸ ἀργολογεῖν οὐκ ἀνέγκλητον.

мш. 381 об. — 382. "Οτι καὶ τὸ ἀπλῶς ὁμνύειν ἐφάρμακτον. ἢ δὲ ἐπιорκία ἀπαράιτητον ἔχει τὴν κόλασιν. καὶ ὅτι τὸν ἐπ' ἀθετήσει ἐντολῆς θυ ἐκ προπετείας γενόμενον ὄρκον, ἀναλύειν δεῖ. ἢ μετανοεῖν ἐπ' αὐτῷ.

мф. 382—385 об. "Οτι δεῖ οὐ μόνον μὴ καταλαλεῖν, ἀλλὰ μὴ δὲ τοῦ καταλοῦντος ἀνέχεσθαι μὴ δὲ ψιθυρίζειν ἢ γογγύζειν.

п. 385 об. — Πῶς δεῖ τοὺς συνόντας ἀδελφοὺς διορθοῦσθαι ἀλλήλους. ἐν τισι σφαλλομένους. καὶ πότε μὲν καὶ ἐν ποίοις σφάλμασι χρῆ σιωπᾶν. πότε δὲ καὶ ἐν ποίοις λαλεῖν. καὶ μὴ ἀποκρύπτειν.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ <sup>1)</sup>

π. ὙΠΟΘΕΣΙΣ ΒΙΒΛΙΟΝ. ῥ.

С О У Н Ы Н Н Н.

Ἀντιόχου τοῦ πανδέκτου: Περί ἀκηδίας. Ὁ τῆς ἀκηδίας δαίμων, δεινὸς λίαν ἐστὶν καὶ βαρύντατος. ὅστις περὶ ὥραν ἕκτην ἐμπίπτει τῷ μοναχῷ. ἀγωνίαν αὐτῷ ἐμποιῶν. καὶ ἀπεχθῶς ἔχειν πρὸς τὸν τόπον. μᾶλλον δὲ καὶ τοὺς σὺνδῆα τρίβοντας ἀδελφοὺς. καὶ πρὸς πᾶν ἔργον. καὶ πρὸς αὐτὴν τὴν ἀνάγνωσιν τῆς θείας γραφῆς. ἀναγινώσκων δὲ, χασμαῖται πολλὰ καὶ πρὸς ὕπνον καταφέρεται. εὐχερῶς. τρίβει τὰς ὀφείας καὶ διατείνει τὰς χεῖρας. καὶ τοῦ βιβλίου τοὺς ὀφθαλμοὺς ἀποστήσας, ἐνατενίζει τῷ τοίχῳ. πάλιν ἐπιστρέψας, ἀναγινώσκει μίκρον. καὶ ἀναπτύσσων, τὰς ἀρχὰς καὶ τὰ τέλη τῶν λόγων περιεργάζεται. ἀριθμοῖ τὰ φύλλα. καὶ τὰς τετράδας ἐπιψηφίζει. φέγει ἢ ἐπαινεῖ τὸ γράμμα καὶ τὴν κόσμησιν τοῦ βιβλίου. ὕστερον δὲ πτύξας αὐτὸ, ὑπέθηκε τῇ κεφαλῇ καὶ καθέουδαι ὕπνον οὐ πᾶν βαθύν. ἢ γὰρ πείνα ἢ ἀκηδία αὐτῷ προξενεῖ, διεγείρει αὐτοῦ τὴν ψυχὴν καὶ οὐκ ἑαυτὸν καθέουδειν ἐπὶ πολὺ. μετὰ μικρὸν οὖν ἀναστὰς, τὴν ὥραν καταμανθάνει. τῇ τοῦ ἡλίου ἀκτίνι ἐνατινίζων πύκνωσ. καὶ τὸν καιρὸν τῆς ἐστιασέως προσδεχόμενος, ἐστῶτα ἔχει τὰ ὦτα πότε ἀκούσει τοῦ σημαντηροῦ τοῦ καλοῦντος ἐπὶ τὴν τράπεζαν. καὶ ἀκούσας, εὐπρόθυμος γίνεται. καὶ εὐγε εὐγε τῇ καρδίᾳ ἐπιφωνεῖ. ἀκηδιαστὴς μοναχὸς, εἰς διακονίαν ὀξὺς. καὶ ἐντολὴν λογίζεται, τὴν τοῦ πάθους πληροφορίαν ὁ ἀσθενῶν, οὐκ ἀρκεῖται τροφῇ μίᾳ. καὶ ἀκηδιαστὴς μοναχὸς, οὐκ ἐμμένει ἔργῳ. ἐνὶ. ἀλλὰ μεταβαίνει σὺνεχῶς ἐκ τούτου εἰς ἐκεῖνο. καὶ ἐξ ἐκεῖνου, πάλιν εἰς ἄλλο. πᾶσιν ἐπιχειρεῖ, καὶ πᾶσι θυσασεστέ. καὶ οὐ δὲ ἐν τελειῷ. ἀσθενούντων ἐπισκέψεις. ἢ ἀδελφῶν πνικῶν ὁμιλίας ἢ μνείας ἀγίων καὶ πανηγύρεις προβάλλεται. ὁ ἀκηδιαστὴς. πληροφορεῖ δὲ τὸν ἴδιον σκοπὸν. νεφέλη ἀνυδρὸς,

Лютын сын. оунынынь бѣсъ и съносѣшнынкѣ. и сжнржънынкѣ естъ дхоч нечлв. и зело тжкѣ (нже) къ шестын члсѣ нападеѣтъ (уерноризъи) тжгж юмоу ткора. и ненавнсть нмѣти на мѣстѣ (наеже и на жнкоушн с нмн братѣхъ. и на всемъ дѣлѣ.) и на бжствъныхъ кѣнигахъ скарѣднѣ (и) зѣаннѣ (знаннѣ) члсто творнтъ. (к снмъ и) алуь (—уе) мѣногъ (—го) подаеѣтъ. и сѣмо и онамо обраштантася. жъджнштаго да кстн мало. и кѣзъмъ кѣнигы поуѣтетъ мало. и пакы положнтъ к. науѣнетъ трѣти оун. (и ѡконци кжнратн и пакы мало прнхнтатн. и потомъ чнстн тетради. и начатъ нскати глвѣ кнжнныхъ. конѣуеи же сѣгнѣвъ кннгы спнтъ. мало же сна прннмѣ. пакы кѣстанѣтъ оуе и все творнтъ. хота погѣнн члсты. когда оуслыннтъ) клѣпанннѣ ѡбѣд. (слынѣтъ же бѣгокодренъ бѣдѣ) ѡбрѣтаеѣтъ бо са и на слоужекъ бнстры. и знанокѣдъ номынаеѣтъ ское нзкѣствованнѣ (проуеѣ же) бѣсъ съ оунынынѣ. кѣложнтъ вьнь мыган прѣселеннѣ. (и кѣко ачѣ да не прнндетъ на мѣста дроуга) кѣсе лѣто. (и трѣдъ и сѣѣтенъ бѣдетъ. потомъ поѣстнтъ и кѣко) ннѣтъ же ннѣтъ ѡбразомъ недоуга сего оуѣлантн. (ачѣ не члсто нсходн. и) дохаждаеѣтъ братнѣ польза ради. (нан) прнстѣшнтсннѣ. (коланнхъ ради и) ѡбратнтѣся кѣко съ хлѣ поѣстннѣнѣ. мало номѣунтъ (и пакы) кѣтромъ же-нома естъ (кѣзжнзѣемъ прѣсѣжѣемъ. и кѣкоже садъ кѣлкѣ ѡкѣмасѣ. тѣко и уернеуъ ходан не прннесетъ плода дѣтсѣнѣ. и кѣкоже) ѡкѣкъ кѣзжодѣнѣ. кѣтромъ же н етъ сѣ. (такѣ и уернеѣ не ннѣн тернѣннѣ. дѣмъ

<sup>1)</sup> Изъ Пандекта Антиоха XI в. Востр. Новоіерус. Библиотеки а въ скобкахъ изъ того же Пандекта XV в. Синод. Библиотеки.



διώκεται ὑπὸ ἀνέμου. καὶ μοναχὸς. ὑπομονὴν μὴ ἔχων ὑπὸ πνῆς ἀκηδίας. ἀκηδιαστῆς μοναχὸς, εἰς μὲν ἀργολογίαν, εὐπρόθυμος. εἰς προσευχὴν καὶ λήαν ἀπρόθυμος, βάλλων ἐν τῇ κέλλῃ τὴν σὺναξιν, περισπασμῶν προφάσεις ζητεῖ. καὶ τοῦτο μὲν φησιν, ἀνεπιτηδεύωσ κεῖται. ἐκεῖνο δὲ, οὐ χρεῖα ὥδὲ εἶναι. πολλάκις δὲ καὶ τοῦ ἐργοχείρου ἐχόμενος, οὕτω ποιεῖται τὴν σὺναξιν ὀφθαλμὸς ἀκηδιαστοῦ, ταῖς θυρίσιν ἐνατενίζει πύκνωσ. л. 30. καὶ ἡ διάνοια αὐτοῦ, τοὺς ἐπισκεπτομένους φαντάζεται. ἔτριξεν ἡ θύρα, ἀκακῆνος ἐξήλλατο. φωνῆς ἤκουσε, καὶ διὰ τῆς θυρίδος παρέκυψε. καὶ οὐκ ἀφίσταται ταύτης, ἕως ἂν ναρκήσῃ αὐτῇ ἐπικείμενος. ἀκηδίαν θεραπεύει, ὑπομονὴν πρὸς τοὺς πειρασμοὺς. καὶ τὸ, πάντα ποιεῖν. μετὰ πολλῆς προσεδρείας καὶ φόβου θυ. τεύξον ἑαυτῷ μετέρον ἐν παντὶ ἔργῳ καὶ μὴ πρότερον ἀποστῆς, πρὶν τελέσεις αὐτὸ. καὶ προσεύχου συνετῶς καὶ εὐτόνως καὶ πνεῦμα ἀκηδίας φεύζεται ἀπὸ σοῦ. προσευχόμενος δὲ, λέγε τὰ τοῦ δαδ. ῥήματα. συνετῶς ἐν αἰσθησέαι καὶ σὺν τριμῶ ψυχῆς. ταχὺ εἰσάκουσον μου κἔ. ἐξέλιπε τὸ πῶα μου μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον σου ἀπ' ἐμοῦ. ὅτι ἐταπείνωσεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχὴν μου. ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροῦς αἰῶνος, καὶ ἡκηδίασεν ἐπ' ἐμὲ τὸ πῶα μου. ἀλλὰ σὺ κἔ μὴ ἐγκαταλίπῃς με. ἀλλ' ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμὲ καὶ ἐλέησον με. καὶ ποίησον μετ' ἐμοῦ σημεῖον εἰς ἀγαθόν. καὶ ιδέτωσαν. οἱ μισοῦντες με καὶ αἱ σχυνθήτωσαν. ὅτι σὺ κἔ ἐβοήθησας μοι καὶ παρεκάλῃσάς με.

сте. како подобаетъ подобитися намъ. како не всѣиновахомъ вѣ. ни тѣне хлѣба ꙗхомъ. ни оубогоже. но оушани. и подвизани. ноуѣ и днѣ дѣлюще. не ѡтатѣште иереѣ ѡ васъ. и наводитъ. не ꙗко не имамъ власти но да сѣ ѡбразъ дамъ. да оунодобавитися намъ. зѣло и оубо любни. стронно нѣ есть. в рꙋнѣмъ дѣлѣ пребывати. не тоуѣю оуныньнаго ѡгоненна дѣла. но и иже лицѣю нмъ сготовати. и не нмꙋщнмъ подавати. и ꙗсто поꙋгати. дѣльскымъ. иже кадро (sic) (кадро) оуслыши ма гнѣ. нсконꙋасѣ дхъ мон. ꙗко смнрналъ есть врагъ днѣно моѣю. посади ма ꙗко мрткыѣ вѣка и оуны въ мнѣ дхъ мон.

## Чт е н і е и о б ѣ я с н е н і е с н и м к а.

Τοῦ ἁγίου Μαρκου.

“Ὅταν ἡ τοῦ ἐνὸν βλαβὴ εἰς πολλοὺς διατρέχῃ. οὐδεὶ μακροθυμεῖν. οὔτε ζητεῖν τὸ ἑαυτοῦ συμφέρον. ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν ἵνα σωθῶσι. διότι τῆς μονομεροῦς ἀρετῆς. ἡ πολυμερῆς, ὠφελιμωτέρα τυγχάνει. ἐνθάδε τέρμα τῆς τετάρτης πυξίδος. ὧ δ' ἡ τετάρτη τερματοῦται μοι βίβλος.

Ἐτελειώθη ἡ βίβλος ἡ δε διὰ χειρὸς μανουήλ τοῦ σφηνέα μηνὶ Ἰουλίῳ κζ'. ἡμέρα ἐκτῇ Ἰνδικτιωνος δεκατῆς ἐκ ἔτει ςsῶ πέμπτῳ, ἔτει καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες ταύτην, εὖξασθαι καὶ ἐμοὶ τῷ ἁμαρτωλῷ μανουήλ τῷ σφηνέα.

Въ № 202. чтеніе приписки 1474 года. τὸ παρὸν βιβλίον ἐστὶν ἐμοῦ τοῦ παπᾶ δοσιθέου. καὶ ἡγόρασα αὐτὸ, ἐν τῇ ἀλῶσει τῆς θεσσαλονικῆς. καὶ νῦν δίδωμι αὐτὸ πρὸς τὸν παπᾶ κυρ. ἀρσένιον τὸν κρητὰ καὶ τοῖς μετ' αὐτοῦ ἀδελφοῖς, χάριν τι ἀναγινώσκειν αὐτὸ, καὶ ὀφελεῖσθαι ἐξ αὐτοῦ, καὶ ὅταν βούλωμαι ἐπάρω αὐτὸ ἐξ αὐτῶν. εἰ δε συμβεῖ μοι θάνατος, ἵνα ἔχωσιν αὐτὸ οἱ ρηθέντες ἀδελφοὶ καὶ ἔυχονται καὶ μνημονεύουσιν ἡμῶν οὐθενότητος. ἔτους ςgῡπκ. μηνὶ αὐγουστῆ. † Δοσιθέος ἱερομόναχος.

Заставки. Заглавные буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: διατρέχῃ, συμφέρον. σοι: Сокращения и слова съ титлами: γαρ. ἐφορέσαμεν, φλίψεως, χριστὸς ἄνθρωπον. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) φαγειν. ἐφύλαξεν. ε) ἐκκαταλείψαι μετάνοια εἶπεν. ν) τὴν σὺν τέλειον. σ) ἐργάσασθαι ἀναπτύσσων. τ) μετὰ. Конецъ книги нѣкоторыми фигурными буквами написанный. τέλος ὑποθεσέων τοῦ τετάρτου βιβλίου.

оуныньна.) не можетъ его изгнати и сѣлѣти. науѣ-  
неть нмъ въ неѣ крѣтѣти въ крѣма мѣтѣноѣ. (сѣ  
рекии не подобно лежитъ. нномꙋ требые сѣлѣ быти.  
ꙗко) да оуимъ емоꙋ праздынь сътворитъ. отъ сѣлво-  
словесна вѣлѣ. сѣже въсе празнь (и лѣность. сътво-  
раиеть. не оуправити бо сѣ оуныньнаиѣтъ уернеуѣ. дѣ-  
ломъ иѣдинѣмъ николѣже но и на мѣтѣв лѣниѣтъ иестъ.  
а на празнословесне быстръ хотан оубо прѣдолоѣти. бѣсꙋ  
семꙋ. да оуныниѣтъ сѣбѣ мѣроꙋ въ всемъ дѣлѣ. и прѣже  
да не ѡстѣнаиеть даже сконꙋиѣ. и да мѣтѣв творитъ  
ꙗсто въ кратѣтѣ. и дхъ оуныньна прѣбѣгнеть ѡ него.  
кредъ бо сѣ мѣтою въздражаиетьсѣ. и ѡстанниѣмъ пра-  
знословесна. и рꙋнѣмъ дѣломъ. прѣтѣкꙋ силѣ. и  
ꙗтеннѣмъ стѣхъ кнѣгъ. и напастѣнѣтѣ терпѣниѣмъ. аѣ  
бо не ѡрꙋжни снѣи сѣбѣ самѣхъ оꙋтвержешьсѣ нѣ  
ѡбѣрѣтѣ. то състрѣлѣтъ сконѣи стрѣлами. на хѣтѣ бѣ  
сѣлѣтѣниѣ нѣтѣ творитъ. прѣмѣнаюѣма мѣсто ѡ мѣста.  
и ннꙋнѣмъ же ннѣмъ неѣнѣсѣ. и съзнати. но сѣ то-  
ꙋѣю гдѣ ширѣе и напастѣ стѣхъ кыкꙋють. оуныньна-  
ваго бо мыслѣ. ннꙋтоже нного не прикнѣиеть. и ꙗтѣтъ  
разкѣ глꙋмленѣиѣ же ѡ тѣхъ. и ѡ того оꙋже на мн-  
рьскаѣ дѣлѣниѣ скажетъ и помалꙋ прѣлѣиеть правѣ-  
днѣиѣ снѣи оꙋпражнѣниѣ. дондѣже и уернорнꙋнаго ѡбѣ-  
тованѣиѣ сѣтѣиѣ нѣжѣнѣтѣ. добръ оубо ꙗ ꙗлѣ ꙗко  
скершенѣтъ враꙋѣ. хотан сѣлѣи. недꙋга его кнѣи. ꙗкоже  
оуныниѣе ражають. и проꙋꙋиеть глѣа братѣе самѣи въ-

## Πατερικὸν Παύλου μοναχοῦ, 2-я книга

Находится въ Московской Синодальной Библиотекѣ подъ № 348-мъ

Длина пергамина . . . . .	5 <sup>5</sup> / <sub>8</sub>	В.
Ширина . . . . .	4	В.
Κὺ κορешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub>	В.
Κὺ правой сторонѣ . . . . .	<sup>3</sup> / <sub>4</sub>	В.
Κὺ верху . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub>	В.
Κὺ низу . . . . .	1.	В.

Βιβλίον τρίτον. ἄ. λ. 3—5. "Οτι οὐ δεῖ ἐξ ὑπονοίας κατακρίνειν τιάν. ἢ ὅλως πιστεύειν ταῖς ὑπονοίαις.

β. 5—13. "Οτι οὐ δὲ τὸν προφανῶς ἀμαρτάνοντα, δεῖ κατακρίνειν. οὐ δὲ ἐξουθενεῖν τινά. ἀλλὰ προσέχειν ἑαυτῷ. καὶ μὴ περιεργάζεσθαι τὰ ἀλλότρια. ὁ γὰρ προσέχων τοῖς ἰδίοις κακοῖς, τὸν πλησίον κατακρίνειν οὐ δύναται.

γ. λ. 13. и 14 об. "Οτι οὐ δεῖ τινὰ ἐν τοῖς μὴ κατ' ἐντολήν, σκανδαλίζειν. καὶ τί δύναται τὸ τοῦ σκανδαλοῦ ὄνομα. καὶ οὐ δεῖ σκανδαλίζεσθαι. τοὺς δὲ σκανδαλιζομένους, θεραπεύειν.

δ. λ. 14—15 об. "Οτι δεῖ τὸν ἀγωνιστὴν, αἰχμαλωτίζειν πᾶν νοήμα εἰς χν̄. οἱ γὰρ πν̄ικοι. καὶ ἐξ αὐτῶν τῶν κοσμικῶν ἢ φαύλων πραγμάτων, εἰς ἀγαθὰς ἐννοίας χειραγωγοῦνται.

ε. 15 об. и 16. Περὶ δόλου καὶ πονηρίας ἀπλότητος τε καὶ κακίας. πόθεν τίκτονται. καὶ τίς ἐξ αὐτῶν βλάβη καὶ ὠφέλεια.

ς. 16 — и об. "Οτι οἱ τῶν ἀπλάσων ἀνδρῶν καὶ ἑαυτοὺς ταπεινούντων καταφρονοῦντες καὶ κατειρωνευόμενοι, τὰ μέγιστα ἀμαρτάνουσιν.

ζ. 16 об. и 17 об. "Οτι δεῖ τὸν πιστὸν ἅ ποιεῖ, καλῶ συνειδότε ποιεῖν. καὶ μὴ φαύλῳ ὁ γὰρ θε̄ς ἐκάστου πρᾶξιν οὐ καθὼ φαίνεται, ἀλλὰ πρὸς τὸν σκόπον κρίνει τοῦ πρᾶττοντος.

η. λ. 17 об. "Οτι μέγα ἀγαθὸν ἐκ θε̄ς δέδοται ἡμῖν ἡ συνειδήσις. καὶ μεγάλη εὐεργετεῖ τὸν αὐτῆς ὑπακούοντα.

θ. 18.—22. "Οτι δεῖ προσέχειν αἰεὶ καὶ πάντοθεν ἑαυτοὺς ἀσφαλίζεσθαι. ὥς τοῦ ἐχθροῦ πάντοτε προσβάλλοντος.

ι. 22. 23. "Οτι δεῖ ἑαυτὸν ἀνακρίνειν αἰεὶ. καὶ τὰ μὲν σφάλματα, διορθοῦσθαι. τὰ δὲ καλὰ ἐπαυξάνειν.

ια. 23 — 26 об. "Οτι τῷ πιστῷ οὐκ ἀκίνδυνος καὶ ἡ μιᾶς ἐντολῆς παράβασις. ὥς λαβόντι δύναμιν τῆς ἐργασίας. πασῶν καὶ ταύτας ἀπαιτουμένω. καὶ ὅτι καὶ ἡ μικρὰ κακία, καταβλάπτει τὰ μέγιστα.

ιβ. 26 об. и 27 об. "Οτι τῶν τὴν θείαν γνῶσιν λαβόντων καὶ τὰ τῶν εὐλαβῶν καὶ μοναχῶν ἀμαρτήματα. καὶ τὰ μικρὰ, μεγάλοις βασιάνοις ἐτάζονται.

ιγ. 27 об. — 33. "Οτι δεῖ γενναίως πρὸς τὴν ἀκηδίαν ἵστασθαι, καὶ τὴν ἐκ δαιμόνων λύπην. καὶ περιὑπομονῆς.

ιδ. 33—36. "Οτι δεῖ τὸν ἀγωνιστὴν καὶ ἀσθενούντος τοῦ σώματος, μὴ πάντῃ ταῖς ἡδοναῖς ἐπιέναι καὶ καταλύειν τὴν ἀσκήσιν. ἢ ἐν ἰατρείαις τὴν ὑγίαν ἐλπίζειν, ἀλλ' ἐν θεῷ οὐ οἰκονομία αἱ ἀρρωστίαι προσγίνονται.

ιε. λ. 36 и 37 об. Πῶς δεῖ καὶ πότε καὶ ποίας ἰατρείαις χρᾶσθαι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν χάριν ἰατρείας σωματικῆς, τῆς μονῆς ἀπόδημον γίνεσθαι. ἀλλὰ καὶ ἀρρωστοῦντα ἐν ταύτῃ προσκαρτερεῖν. ταῖς παρὰ τῶν ἀδελφῶν θεραπαίαις σαρκούμενον.

ισ. λ. 37 об. — 39 об. "Οτι οὐδεὶς τὸν μοναχὸν ἄνεο ἀνάγκης λούεσθαι ἢ ὅλως γυμνοῦσθαι.

ιζ. λ. 39 об. и 40. "Οτι οὐκ ἔστι τι ἄοριστον παρὰ τῷ θεῷ. πάντα δὲ τα γινόμενα. καὶ αὐτοὶ οἱ ἀφνίδιοι θάνατοι, τῇ τοῦ θε̄ς προγνώσει ὠρισμένοι εἰσὶν.

ιη. λ. 40—43. Περὶ τῆς ἐν ἀσθενείαις ὑπομονῆς καὶ τῆς ἐξ αὐτῶν ὠφελείας. καὶ ὅτι τισὶ καὶ τῶν ἐναρέτων, οἰκονομικαὶ παιδεύσεις ἐκ θε̄ς ἐπὶ γίνονται εἰς τελείαν κάθαρσιν.

ιθ. 43—45. "Οτι καὶ βιαίῳ θανάτῳ πολλάκις συμφερόντως οἱ δίκαιοι παραδίδονται.

ιβ. λ. 45 и 46 об. "Οτι οὐ δεῖ. ξενίζεσθαι ὅταν τῇ περιστατικῶν δικαίῳ ἀνδρᾶσι συμβῇ.

κα. 46 об. — 50 об. "Οτι δεῖ τὸν μοναχὸν καὶ τῶν ἀναγκαιῶν καὶ πότε συμφερόντως ὑστερηθῇ, μὴ ὀλιγωρεῖν εὐθέως. ἀλλ' εὐχαρίστως ὑπομένειν τὸ χν̄ καὶ ἀδιαστάκτως ἐλπίζειν, ὥς πάντως ὁ ἀγαθὸς αὐτοῦ προνοήσεται. καὶ ὅτι αἰσχρὸν τῷ ἀσκητῇ ὑπὲρ τῆς ὄντι θε̄ς, κοσμικοῖς προσιέναι καὶ τὰ πρὸς χρεῖαν αἰτεῖν. καὶ ἐν ἐνδεείᾳ πιέζεσθαι.

κβ. λ. 50 об. и 51 об. Τίς ἔστιν ὁ ἀφρόνως τὴν εἰς χν̄ ἔχων ἐλπίδα.



κγ. λ. 51 οβ. η 52. "Οτι μὴ δὲ τὴν τυχοῦσαν ἐντολὴν προδιδόναι διὰ τινὰ σωματικὴν χρεῖαν. καὶ κατεπεύγουσα ἢ ἢ διὰ φόβον ἀνῖνον.

κδ. 52. η 53. "Οτι δεῖ τὸν μοναχὸν καὶ πότε καὶ θορύβοις ἐμπέσῃ. μὴ τοῖς ἔξωθεν συσχιματιζέσθαι πράγμασιν, ἀλλὰ πρὸς τὸν θν̄ ἀποβλέπειν, καὶ τὸ ἐκείνῳ ἀρεσκῶν ποιεῖν.

κε. 53. η 54. "Οτι δεῖ τὸν θω̄ ἀρέσαι ζητοῦντα, τὰς ἐκ τῶν ἀνῶν ἀτιμίας ἢ τιμὰς εἰς οὐδὲν λογίζεσθαι.

κε. 54 — 58 οβ. "Οτι δεῖ ἐν κρυπτῷ τὴν ὁρετὴν μετιεναί, καὶ μὴ φανητιᾶν ἢ καυχᾶσθαι. καὶ περ κενοδοξίας καὶ ἀνθρωπαρεσκείας. καὶ πόθεν ἢ κενοδοξία τίκεται καὶ τινὰ ἐργάζεται. καὶ πῶς ἀναιρεῖται.

κζ. 58 οβ.—60. "Οτι οὐ δεῖ μεταδιώκειν τὰς φιλίας τῶν κατὰ κόσμον περιφανῶν.

κη. 60 — 62. "Οτι οὐ δεῖ ἐξ αὐταρεσκείας τι ὑπὲρ τοὺς λοιποὺς ποιεῖν ἀδελφοὺς, τοὺς συνόντας ἐν τῇ μονῇ

κθ. 62 — 67. "Οτι καὶ μόνῃ ἢ ὑπερηράνια, ἀπολέσαι τὸν ἀσκητὴν. δύναται. καὶ ὅτι οἱ φυαιοῦμενοι ἐπὶ κατορθώμασιν ἐγκαταλειφθέντες ὑπὸ τῆς χάριτος πίπτουσιν.

λ. 67. — 69 οβ. Πόθεν ἢ βλασφημία τίκεται. καὶ πῶς θεραπεύεται.

λα. 69 οβ. — 73 οβ. "Οτι μεγίστη ἐν ἀρεταῖς ἢ διακρίσις. καὶ δεῖ τὸν μοναχὸν μετ' αὐτῆς ποιεῖν ἃ ποιεῖ. τὰ γὰρ διακρίτως καὶ ἀσκόπως γινόμενα, καὶ καλὰ ὧσιν οὐδὲν ὠφελοῦσι. ποτὲ δὲ καὶ βλάπτουσιν.

λβ. 73 οβ.—75. "Οτι ἄνευ τῆς ἀνωθεν βοήθειας, ἢτε κακίας ἀπαλλαγῇ, ἢτε ἀρετῆς περιποίησις τῷ ἀγωνιζομένῳ προσγίνεται. καὶ ὅτι ἢ ὑιοθεσία, ἀλλ' ἐκ χάριτος γίνεται.

λγ. 75 — 81 οβ. Τίς ἢ τῶν πειρασμῶν αἰτία. καὶ τίς ἢ ἐκ τούτων ὠφέλεια, καὶ τίς ἢ διαφορά.

λδ. 81 οβ. — 85. Πῶς δεῖ κατὰ τῶν πειρασμῶν ἵστασθαι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ ἑαυτὸν ἐπιρρίπτειν εἰς αὐτοὺς. πότε δὲ καὶ ἐν τίσιν δεῖ φεύγειν. καὶ καταδέχεσθαι τὸν πειρασμόν.

λε. 85—89. "Οτι οὐ δεῖ ἐπιτρέχειν τῷ θαυματουργεῖν. ἀλλὰ παραιτεῖσθαι τοῦτο ἐκ ταπεινώσεως. καὶ ὅτι οὐ δὲ ἐτέρων χαρισμάτων ἐφίεσθαι δεῖ. ἢ αἰτεῖν. εἰ δὲ καὶ ἀξιωθῇ, μὴ μεγαλοφρονεῖν. ἀλλὰ φυλάττειν διὰ τῆς ταπεινώσεως. καὶ ὅτι τῶν τὰ σημεῖα ποιούντων οὐδὲν ἐλαττοῦνται οἱ πολιτεῖαν. ἐνδεικνύμενοι ἔνθεον. καὶ ὅτι τοῦ θαυματουργεῖν εἰσὶν ἄλλα χαρίσματα μεῖζονα ἀφ' ὧν οἱ πν̄ικοὶ μᾶλλον ἐπιγινώσκονται.

λε. 89 — 93. "Οτι μεῖζον πασῶν τῶν ἀρετῶν ἢ ἀγάπη. καὶ ὅτι ὁ κατὰ θν̄ ἀγαθῶν, τὴν τοῦ πλησίον ὠφέλειαν. ἢ ἀνάπαυσιν τῆς ἑαυτοῦ ἐν πᾶσι προκρίνει.

λζ. 93—95 οβ. "Οτι δεῖ ὑπὲρ τῆς τῶν πλησίον ἀγάπης καὶ τὴν ψυχὴν τιθεναί.

λη. 95 οβ. — 100 οβ. "Οτι ὁ ἔχων τὴν ἐν κω̄ ἀγάπην καὶ ταπεινῶσιν σπουδάζει μὴ λυπεῖν. ἀλλὰ παντὶ τρόπῳ θεραπεύειν τὸν πλησίον. καὶ πάντα τὰ αὐτοῦ, οἰκειοποιεῖσθαι ὡς ἴδια.

λθ. 100 οβ. — 102 οβ. "Οτι ὁ κατὰ θν̄ ἀγαπῶν, καὶ ἀγνοοῦντα τὸν πλησίον σπουδάζει εὐεργετεῖν.

μ. 102 οβ. — 104 οβ. "Οτι δεῖ τὸν μοναχὸν καὶ ἐν τῷ πωλεῖν καὶ ἀγοράζειν. ἢ ἄλλο τι τοιοῦτον ποιεῖν, τὸν θν̄ ἔχειν πρὸ ὀφθαλμῶν καὶ τὴν τοῦ πλησίον ζημίαν μὴ καταδέχεσθαι, καὶ ἐκεῖνος λέγει μὴ ἀδικεῖσθαι. καὶ ὅτι δεῖ ἐν τῇ ἀγάπῃ τηρεῖν τὸ ἀπαρρησίαστον, καὶ μάλιστα τοὺς νέους. ἔτι δὲ καὶ τὰς ἐταιρίας ἐν τῷ κοινωβίῳ ὡς ὀλεθρίους φυλάττεσθαι.

μα. 104 οβ. η 105 οβ. Τίνα δεῖ ποιεῖν πρὸς τοὺς παραβάλλοντας. καὶ πῶς αὐτοῖς ὑπαντᾶν. καὶ ὁμιλεῖν.

μβ. 105 οβ.—107 οβ. "Οτι ἐν ταῖς παρουσίαις τῶν κατὰ θν̄ ζώντων, πολλοὶ τῶν πρῶν διὰ τὴν τῶν ἐλθόντων ἀνάπαυσιν ἐνεδίδουν μικρὸν τῆς ἀσκήσεως. μηδὲν ἐκ τούτου βλαπτόμενοι διὰ τὴν ἀπάθειαν. τινὲς δὲ αὐτῶν καὶ ἐπὶ τῇ βραχίᾳ ταύτῃ ἀνέσει. ἑαυτοὺς ἐκόλαζον ὕστερον. καὶ ὅτι ὁ τηρῶν ἐν ταῖς παρουσίαις καὶ παρακλήσεσι τὴν ἑαυτοῦ ἀσκήσιν ἀκατάλυτον. ἢ λύων μὲν βραχὺ δὲ, ἐπαινετός ἐστὶ τοῖς καλῶς κρίνουσι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ πέθεσθαι τοῖς εἰς παράκλησιν ὑπὲρ τὸ μέτρον βιαζομένοις.

μγ. 107 οβ. "Οτι οὐ δεῖ τοῖς παραβάλλουσι τῷ κοινωβίῳ καὶ μοναχοὶ ὧσιν, ἀδιαφόρως ἐπιτρέπειν. τὴν πρὸς τοὺς ἀδελφοὺς ὁμιλίαν ἢ συνοίκτησιν. καὶ τοὺς ἀδελφοὺς δὲ τίνα δεῖ τηρεῖν πρὸς τοὺς παραβάλλοντας.

μδ. 107 οβ. η 108 οβ. "Οτι οὐ δεῖ ἀδιαφόρως ἀνδράσι συνεσθίειν. καὶ ὅτι τοὺς ἐρωτῶντας. καὶ μὴ ποιοῦντας μετὰ πρώτην ἢ δευτέραν τάξιν, ἀποτρέπεσθαι χρή.

με. 108 οβ.—111 οβ. Καὶ αὐτοῖς δὲ τοῖς παραβάλλουσι, τίς ἢ πρέπουσα ἐπὶ ξένης ἀναστροφῇ. καὶ πῶς δεῖ ὀδεύειν ἢ καὶ συνοδεύειν τοῖς ἀδελφοῖς.

με. 111 οβ.—115 οβ. "Οτι δεῖ πάντα τὸν προσιόντα ἡμῖν ἐπὶ τοῦ ἐλέους τυχεῖν μὴ ὀποστρέφειν κενόν. ἀλλ' ὡς ἐκ θν̄ πεμπόμενον, προσδέχεσθαι προσηνῶς. καὶ μεταδιδόναι ὧν ἔχομεν. καὶ ἀναιδέηται, ἀνεξικακεῖν καὶ μὴ ὀργίζεσθαι κατὰ θν̄ μίμησιν. καὶ ὅτι τοὺς ἐλεήμονας ὁ θς, μεζόνως πολλάκις ἀμείβεται. καὶ πῶς δεῖ παρὰ τῶν τὴν μετάνοιαν ἐν τοῖς κοινοβίοις ἀνεργεῖσθαι.

μζ. 115 οβ.—118. "Οτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν προφάσει τῆς ἐλεημοσύνης χρήματα ἔχειν. ἢ διδόμενα δέχεσθαι. καὶ τίς ἡ μοναχῷ πρέπουσα ἐλεημοσύνη.

μη. 118—120. "Οτι πολλάκις τινὲς ἐν πτωχείᾳ ὄντες καὶ κατὰ δύναμιν ἐλεοῦντες, ἔπειτα χρημάτων εὐπορήσαντες τῇ φυλαργυρίᾳ ἠττηθέντες, καὶ ἣν εἶχον ἐλεημοσύνην ἀπέβαλον.

μθ. 120 οβ. "Οτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ἀδιακρίτως ἀπὸ παντὸς ἀνὸυ λαμβάνειν. οὐδὲ ὑπὲρ τὴν χρεῖαν. καὶ ὅτι ὀφείλει ὁ λαμβάνων ὑπὲρ τῶν διδόντων κοπιᾶν.

ν. 120 οβ. η 121 οβ. "Οτι δεῖ τῶν μὴ διαφερόντων ἡμῶν ἢ ἀλλοτρίων, ὡς ὀλεθρίων σὺν ἀκριβείᾳ ἀπέχεσθαι.

ξ. 122—124. Πίναξ τοῦ τετάρτου βιβλίου.

α. 124 οβ.—130. "Οτι τῷ μοναχῷ ἡ ἀκτημοσύνη ἐπήγγελται. καὶ τί τὸ τοῦ ἀπροσπαθοῦς γνῶρισμα. καὶ πῶς οἱ πρὲς ταύτην κατόρθωσαν.

β. 130—132 οβ. "Οτι ἡ σωματικὴ ἐλεησύνη τοῖς κατὰ κόσμον ἀναγκαῖα ὡς οὐκ ἀκτήμοσι καὶ ὡς μυρία. εὐεργετούμενοις ὑπ' αὐτῆς ἦν καὶ δεῖ τούτους ποιεῖν ἀφειδῶς. καὶ ἐκ τῶν προκρίτων ὧν ἔχουσιν.

γ. 132 οβ. η 133. "Οτι τὸ τῆς φιλαργυρίας πάθος παθῶν ἐστὶν ὀλεθριώτερον.

δ. 133—139 οβ. Πόθεν ἡ εἰς θν' ἀγάπη γίνεται. καὶ πῶς δείκνυται. καὶ τίνα ἐργάζεται.

ε. 139 οβ.—149. "Οτι μέγιστον ἀρεταῖς τὸ ἡσυχάζειν ἐν λόγῳ. καὶ μεγάλων ψυχῶν δεόμενον. τίς τὲ ἡ ἐν λόγῳ ἡσυχία, καὶ πῶς κατορθοῦται.

ς. 149—160 οβ. Πῶς τίς καὶ πόθεν τῶν λογισμῶν περιγίνεται. καὶ μέχρι τίνος ἐπὶ τούτοις ἔκ εὐθυνόμεθα.

ζ. 160 οβ.—164. "Οτι θάνατος τῷ μοναχῷ ὁ μετεωρισμὸς καὶ ἡ λήθη. ὥσπερ ἡ διηνεκὴς τοῦ θανάτου μνήμη ζωὴ αὐτῷ γίνεται. καὶ πάσης ἀμαρτίας ἀναίρεσις.

η. 164—168. "Οτι δεῖ ἀδιαλείπτως προσεύχεσθαι. καὶ τί ἐστὶ τοῦτο, καὶ πῶς κατορθοῦται.

θ. 168—170 οβ. "Οτι ὁ τῇ προσευχῇ ἀεὶ τειχιζόμενος. ἀναλωτὸς ἐστὶ τοῖς ἐχθροῖς. διὸ δεῖ ταύτης ἐπιμελεῖσθαι.

ι. 170 οβ. — 175 οβ. Τίς ἡ τῆς προσευχῆς δύναμις καὶ ὅτι διὰ τῆς προσευχῆς, πᾶν ἀγαθὸν ἐκ θυ δίδεται. καὶ θυ ἐνοῦται ὁ ἄνθρωπος.

ια. 175 η οβ. "Οτι δεῖ τὸν αἰτοῦντα, μὴ τὸ αὐτῷ ἀρέσκον. αἰτεῖν ἀλλὰ τὸ συμφέρον ὡς δοκεῖ τῷ θῷ.

ιβ. 176 η 177 οβ. "Οτι δεῖ τὸν αἰτοῦντα ἐκ θυ τὰ συμφέροντα, τὰ ἐκ τῆς προνοίας γινόμενα εὐχαρίστως καταδέχεσθαι. καὶ ὅταν ἐπεναντίας τῷ ἐκείνου θελήματι ὀποβαίνωσιν.

ιγ. 177 οβ.—179 οβ. "Οτι δεῖ τὴν προσευχὴν βραβεῖσθαι ὑπὸ τῆς πράξεως καὶ τίνα εἰσὶ τὰ τὴν προσευχὴν ἀπρόσδεκτον ἀποφαίνοντα.

ιδ. 179 οβ.—181. "Οτι τοῦ ἔχοντος κατὰ τινος ἢ τὸν κατ' αὐτοῦ ἔχοντα θεραπεύοντος, ἡ προσευχὴ ἀπρόσδεκτος.

ιε. 181 η 182. "Οτι ἀναγκαῖα τῷ πιστῷ τῶν γραφῶν ἡ ἀνάγνωσις. καὶ πολλὴ ἡ ἐκ ταύτης ὠφέλεια.

ισ. 182 η 183 οβ. "Οτι ὀφείλομεν ἅ ἀναγινώσκωμεν. καὶ ποιεῖν. ἢ γὰρ ἐν λόγῳ ἡ σφίς, ἀλλ' ἐν ἔργῳ διὸ καὶ ἡ ψιλὴ γνώσις ἀνωφελὴς ἐστὶ. καὶ ὅτι δεῖ τὸν πνικὸν, μὴ ἐναιπομένειν τῷ γράμματι. ἀλλὰ ὀγωνίζεσθαι εἰς τὸ πᾶν διαβαίνειν.

ιζ. 183 οβ.—185. "Οτι οὐ δεῖ ἐξυπερηφανίας πολυπραγμονεῖν τὰ ὑψηλὰ τῆς γραφῆς καὶ δογματικὰ καὶ ἀπόκρυφα.

ιη. 185 η 186. "Οτι δεῖ τὸν μοναχὸν ἀπέχεσθαι ὅλως τῆς ψευδωνύμου γνώσεως καὶ τοῦ αἰρετικοῦ ὁμιλεῖν. καὶ τίς ἡ κατὰ θν' σοφία. καὶ ὅτι τίς. καὶ ἡ ἰδιωτεία συμβάλλεται.

ιθ. 186 οβ. — 192. "Οτι κατὰ τῶν πιστῶν, οὐδὲν οἱ δαίμονες δύνανται διὸ δεῖ καταφρονεῖν αὐτῶν καὶ μὴ δειλίαν ἢ προσέχειν ὅλως αὐτοῖς. ὅτι ἂν καὶ ποιῶσι. πῶς τὲ τὴν ὀπτασίαν τῶν πονηρῶν καὶ τῶν ἀγαθῶν διακρίνει τίς. πολλάκις γὰρ καὶ φαντασίας δεικνύουσι πρὸς πλάνην τῶν ἀπλουστέρων καὶ τὴν ψυχὴν περικαλοῦσι. τίς τε ἡ θεία καὶ τίς. ἡ δαιμονιώδης παράκλησις.

κ. 192—194. "Οτι πολυτρόπως δέκνυται τὰ ἐνύπνια. διὸ καὶ τὸ ἀπιστεῖν αὐτοῖς ἀσφαλέστερον. καὶ ὅτι οὐδὲν τῶν μελλόντων οἱ δαίμονες οἶδασιν. καὶ προσποιῶνται εἰδέναι τινὰ, καὶ προλέγωσι στοχαζόμενοι.

κα. 194 η 195 οβ. "Οτι τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ τοῦ ἀνὸυ οὐδαμῶς οἱ δαίμονες οἶδασιν. οὐδὲ ποιοῖς ἠττώμεθα πάθεισιν. ἐξ ὧν δὲ λαλοῦμεν ἢ πράττομεν ταῦτα μανθάνουσιν.

κε. 195 οβ.—199. οβ. Τί τὸ τῆς ἀπαθείας μέτρον καὶ τίνα ταῦτα τὰ ἰδιώματα. καὶ πόθεν τῷ ἀνὸφ προσγίνονται.

κς. 199 οβ.—205 οβ. Πότε καὶ πῶς δεῖ θεολογίας ἐφάπτεσθαι. καὶ τῆς ὁ τῆς πνικῆς σοφίας λόγος, καὶ τίς ὁ τῆς γνώσεως. καὶ τί διαφέρει. καὶ πόθεν ὁ νοῦς αὐτῶς ἀξιοῦται.

κζ. 205 οβ.—214. Πῶς καὶ πόθεν ὁ νοῦν χάριτος οὐ γίνεται μέτοχος, καὶ εἰς θεωρίαν ἀνάγεται. καὶ πῶς ἐν αὐτῇ συντηρεῖται.



κε. 214 215. Ποσαχῶς ἡ θεία παραχώρησις καὶ ἐγκατάλειψις καὶ τίνα δεῖ ποιεῖν ἐν αὐταῖς, καὶ τὴν χάριν ἀνακαλεῖσθαι τοῦ πν̄ς.

κε. 215 η 216 οβ. Ὅτι ἡ θεωρία, τὸν νοῦν ἐξίστησι ἀπὸ πάντων τῶν ἐνταύθα παρασκευάζει. ἐπιλανθάνεσθαι. καὶ ὅτι ἡ τοῦ πν̄ς χάρις, τοῖς τελείοις τὰ πάντα γίνεται. καὶ τροφή. καὶ πόσις. καὶ ἔνδυμα. διό καὶ τινες τῶν ἁγίων τούτοις ἢ ἢ δόλως, ἢ παρὰ μικρὸν ὑπὲρ φύσιν ἐχρῶντο ὑπὸ τῆς χάριτος δυναμούμενοι.

κε. 216 οβ. η 217 οβ. Ὅτι μέγα τὸ τῆς ἱερωσύνης ἀξίωμα. διό καὶ οὐ δεῖ ταύτη προστρέχειν ἀλλὰ καὶ παραιτεῖσθαι ποσῶς δι' εὐλαβειαν τὸν εἰς ταύτην καλούμενον. καὶ μαλιστα εἰ ἐξ ἀνίνης σπουδῆς καὶ οὐκ ἐκ θείας φηφου νομίζοι τὴν φῆφον γίνεσθαι. ὁμοίως ποιεῖν καὶ περὶ ἀρχῆς καὶ διδασκαλίας.

κη. 217 οβ. η 218 οβ. Περὶ ἱεροσύνης. ὅτι ὁ ἀναξίως ἱερατεύων βαρυτάτην καὶ αὐτῷ ἐπισπᾶται τὴν κόλασιν ὥσπερ καὶ ὁ μετὰ προσοχῆς, καὶ ἀξίως καρποῦται τὰ μέγιστα.

κη. 218 οβ. η 219 οβ. Ὅτι καὶ τὸ καθεκάστην ἱεουργεῖν, μεγίστην προξενεῖ τὴν ὠφελείαν. διό καὶ παρὰ τοῖς πρᾶσιν εὐρίσκεται τοῦτο γινόμενον. καὶ ὅτι ἐν τῇ ἱερᾷ θυσίᾳ, τὰ οὐνία τοῖς ἐπιγείοις συνάπτονται.

λ. 219 οβ. — 221. Ὅτι οὐ μόνον τοῖς ζῶσιν, ἀλλὰ καὶ τοῖς θανοῦσιν ἢ ὑπὲρ αὐτῶν προσφορὰ μεγάλη συμβάλλεται.

λα. 221.—223. Ὅτι μετὰ θάνατον, οὐκ ἔστι συγχώρησις ἐμῇ που τῶν ἐλαφρῶν. πάνυ ὁμαρτυμάτων καὶ τούτων μόλις. καὶ ὅτι τὸν ἅπαξ εἰς κόλασιν ἐμβληθέντα, οὐκ ἔστι ταύτης ἐξαρεθῆναι.

לב. 223 οβ. η 224 οβ. Τίς ὁ λόγος τῶν ἁγιασμάτων καὶ ἡ δύναμις. καὶ ἐπὶ ποίῳ σκοπῷ δεῖ αὐτοῖς προσιεναι.

λγ. 224 οβ. — 226. Πῶς δεῖ καὶ πότε τοῖς ἁγιάσμασι προσιεναι. καὶ μετὰ ποίου συνειδότος.

λδ. 226 η 227 οβ. Ὅτι τὸ καθ' ἐκάστην κοινωνεῖν λίαν ὠφέλιμον. ὥσπερ καὶ τὸ μὴ συνεχῶς κοινωνεῖν, βλαβερὸν καὶ ἐπικίνδυνον.

λε. 227 οβ. η 228. Ὅτι δεῖ τὸ ὑπὸ ἐπιτίμιον ὄντα καὶ μὴ μεταλαμβάνοντα. ἐν τῇ θείᾳ συνάξει, τοῖς κατηγουμένοις τῆς ἐκκλησίαις ἐξέρχεσθαι.

λε. 228 η 129 οβ. Ὅτι καὶ τὸ ἐν ἐκκλησίᾳ ταφῆναι. τοῖς μὲν ἐυσεβέσιν ὠφέλεια τοῖς δὲ κατεγνωσμένοις, κολάσεως πρόξενον.

λζ. 229 οβ. — 232 οβ. Ὅτι καὶ τὸ ταφῆναι πολυτελῶς, οὐ μικρὰ ζημιῶσι διό καὶ οἱ θεοφιλεῖς αὐτὸ ἀποτρέπονται τὸν δὲ εὐτελεῖ ἐνταφιασμὸν ὡς ἐπωφελῆ καὶ σφόδρα αἰροῦνται.

λη. 232 οβ.—236. Ὅτι οὐ παντὸς ἐστὶ τὸ διδάσκειν. ἀλλὰ μόνου τοῦ τῇ θείᾳ προνοίᾳ, προβηθέντος εἰς τοῦτο ὡς ἱκανοῦ. καὶ πράττοντος ἃ διδάσκει, καὶ τὰ πάθη νικήσαντος. τὸν δὲ ἀτελεῖ ἑαυτῷ δεῖ προσέχειν. ἵνα μήπως ἄλλους θέλων οἰκοδομεῖν, ἑαυτὸν καταλύσῃ. καὶ ὅτι σπάνιοι μὲν. ὅμως εὐρίσκονται τινες ἐξ ἀρχῆς αὐτῶν ὑπὸ τοῦ ἁγίου πν̄ς οδηγούμενοι. οἱ ἀνίνης ὅλως ὁδηγίας οὐκ δεήθησαν, ἀλλ' αὐτοὶ ὁδηγοὶ ἐτέρων γεγόνασιν ὕστερον. ὁ θαυμάζειν δεῖ μόνον ἡμᾶς. καὶ οὐ μιμεῖσθαι. εἰς τὴν ἑαυτῶν ἀφορῶντας ἀσθένειαν.

λθ. 236 η 237. οβ. Ὅτι ὁ ἐκ τοῦ ἁγίου πν̄ς τὰς κρίσεις ποιούμενος. καὶ μὴ ἱερεὺς ἐστὶν ἐν οἷς ἂν δοκιμάσῃ, καὶ τὸν θν̄ ἔχῃ σύμφηφον. καὶ ὅτι οὐ τοῖς ἱερεῦσιν μόνον ἀλλὰ καὶ τοῖς ἄλλοις καθαροῖς οὖσι τὸ διδάσκειν παρὰ θν̄ ἐπιτέτραπται. καὶ ἥτις ἡ νοουμένη ἱερωσύνη. καὶ πῶς δεῖ τοὺς ἐν ἐρημίᾳ μὴ παρόντως ἱερέως, τῶν ἁγιασμάτων μεταλαμβάνειν.

μ. 237 οβ.—241. Ὅτι δεῖ τὸν ἀληθῆ ποιμένα πάντα κίνδυνον ὑπὲρ τῶν προβάτων προθυμῶς ὑφίστασθαι. καὶ σφόδρα τούτων ἐπιμελεῖσθαι.

μα. 241 η 242. Ὅτι οἱ ἐκ θν̄ τὸ διδάσκειν ἐπιτραπέντες. ὅσω τὴν διδασκαλίαν ἀυξάνειν σπουδάζουσι τοσούτων καὶ πλείονος τῆς χάριτος ἀπολαύουσι. διό δεῖ ἀόκνως αὐτοὺς διδάσκειν. οἱ δὲ ραθυμία τῶν διδασκομένων καταμενοῦντες, ἀφόρητον τὴν τιμωρίαν φεύξουσι. καὶ ὅτι δεῖ ἐν τῇ μονῇ εἶναι τὸν προεστῶτα. καὶ δευτερονέχειν τὸν τῆς προστασίας αὐτῷ συναντιλαμβανόμενον.

μβ. 242 η 243. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ τοὺς μὴ ὑποκειμένους αὐτῷ διδάσκειν ἢ ἐλέγχειν καὶ ἁμαρτάνωσιν, ἐμὴ παρ' αὐτῶν αἰτηθῆ, ἀλλ' οὐδὲ ἀδικουμένοις διεκδικεῖν.

μγ. 243 η 244 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ τῶν ὑπηκόων καταυθεντεῖν ἢ τὰ μὴ ἀνήκοντα αὐτοῖς ἐπιτάττειν. καὶ ὅτι πᾶν τὸ, ταπεινοφρόνως καὶ εὐσυνειδότως ἐπιταττόμενον ἢ χάρις εὐοδοῖ.

μδ. 244 οβ. η 245. Ὅτι δεῖ τὸν, ἀγαθὸν τι ποιῶντα καὶ ἀτελεῖς ἢ, μὴ ἐκκόπτειν προθυμοποιεῖν δὲ μάλλον, καὶ κατὰ μικρὸν ἐπαναγεῖν εἰς τελειότητα.

με. 245 η 246. Ὅτι δεῖ τὸν προεστῶτα τοὺς ἀσθενεστέρους τῶν ἀδελφῶν ποτὲ καὶ διὰ τῶν δυνατωτέρων τὴν ὑπακοήν καὶ τὴν ὑπομονήν καὶ τὴν λοιπὴν ἄσκησιν ἐκπαιδεύειν. καὶ τῶν ἀρχομένων ὡς μάλιστα φεῖδεσθαι.

мс. 246 и 247. "Οτι οὐ πάντα δεῖ ἐπίσης τὴν ἄσκησιν ἀπαιτεῖν, ἀλλὰ πρὸς τὸν προλαβόντα. βίον καὶ τὴν ἔξιν τοῦ σώματος.

мз. 247 об. и 248. "Οτι δεῖ τῶν ἀσθενῶν μάλιστα φροντίζειν καὶ συγκαταβαίνειν αὐτοῖς μικρὸν, ἐν οἷς οὐκ ἔστι παράβασις ἐντολῆς θυ. ἵνα μὴ σκανδαλίζωνται. καὶ ὅτι κατὰ τὴν ἐκάστου ἰσχὺν καὶ τὸ ἐπιτήδευμα καὶ τὰ κατορθώματα κατὰ ἁμαρτήματα κρίνεται.

мн. 248 — 250 об. "Οτι δεῖ τὸν εἰς ἁμαρτίαν πεσόντα καὶ τῇ ἀπογνώσει ἐγγίζοντα μὴ ἐπιτρίβειν εὐθύς. ἀποτόμοις ἐλέγχους. ἀλλὰ παρακαλεῖν. συμπαθῶς καὶ πράως ἀνακαλεῖσθαι τοῦ πτωματος. ὁμοίως καὶ τὸν χωρισθέντα τοῦ κοινοβίου. εἶτα ἐπανελθόντα, προσηνῶς ὑποδέχεσθαι

мф. 250. "Οτι οὐ δεῖ τὸν προσεστώτα τοῖς ὑπ' αὐτὸν ἁμαρτάνουσιν ἐρησυχάζειν. ἀλλ' ἐλέγχειν καὶ ἐπιτιμᾶν καὶ παντὶ τρόπῳ θεραπεύειν.

н. 250 об. и 251 об. "Οτι δεῖ τὸν ἀδιορθῶτα ἁμαρτάνοντα καὶ τῷ κοινῷ τῆς ἀδελφότητος λυμαινόμενον. μετὰ πρέπουσαν ἐπιμέλειαν ὡσαύτως ἔχοντα, ἐκδιώκειν. καὶ μὴ τῇ συμπαθείᾳ ὑπὲρ τὸ μέτρον χρώμενον τὸν προσεστώτα, καὶ ἑαυτὸν καὶ τοὺς λοιποὺς καταβλάπτειν.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Ἐκ τοῦ βιβλίου δευτέρου ὑποθεσις η̅. (8).

р. 243 об. ἀντίσχοу τοῦ παντέκτου.

Ὁ διακονιτῆς ὀφείλει ἐπιμελῶς. ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος διακονεῖν. εἰδὼς ὅτι θυ ἔργον ἐστίν. ὃ μεταχειρίζεται. καὶ μὴ ἀμελεῖν ἐν τινι, ἥ δι' ὄκνον. ἥ λύπην. ἥ παροξυσμὸν. πάντα γὰρ τὰ τῆς μονῆς, τῷ θῷ ἀφιέρωνται. καὶ μεγάλῳ καὶ βαρυτάτῳ κινδύνῳ ὑπόκειται, ὃ ἀμελῶς διακονῶν, ὡς θυ καταφρονῶν. ἐφόσον γὰρ ἐποιήσατε ἐνὶ τούτων τῶν ἐλαχίστων, ἐμοὶ ἐποιήσατε καὶ πάλιν ἐφόσον οὐκ ἐποιήσατε ἐνὶ τούτων ἐλαχίστων, οὐδὲ ἐμοὶ ἐποιήσατε. εἴτε οὗ ἐπιμελῶς εἴτε ἀμελῶς. τίς διακονεῖ. εἰς τὸν θυ ἀνατρέχει ἢ διακονία αὐτοῦ. ἀκουσον οὖν τι περὶ τῶν ἀμελῶν διακονούντων ὁ προφήτης λέγει. ἱερεμίας. ἐπικατάρατος ἄνθρωπος ὁ ποιῶν τὸ ἔργον κυ ἀμελῶς. σπουδάσωμεν οὖν ἀδελφοί, ἐκτὸς εἶναι τῆς τοιαύτης φρικωδεστάτης ἀρᾶς. καὶ ὡς διάκονοι κυ. ἐν πάσῃ ἐπιμέλειᾳ καὶ σπουδῇ τὴν διακονίαν ἡμῶν πληροφορήσωμεν. ἵνα καὶ τῆς εὐλογίας μετάρχωμεν, ὡς μαθητοῦ τοῦ εὐλογημένου τοῦ εἰρηκότος. ἐάν τις ἐμοὶ διακονῇ τιμήσει αὐτὸν ὁ πατήρ μου. καὶ πάλιν ἐγὼ δὲ εἰμι ἐν μέσῳ ὑμῶν ὡς ὁ διακονῶν. καὶ γὰρ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου, οὐκ ἤλθε διακονηθῆσαι. καὶ л. 224. δοῦναι τὴν ψυχὴν αὐτοῦ λύτρον, ἀντὶ πολλῶν. τὸ αὐτὸ οὖν καὶ τοῖς οἰκείοις μαθηταῖς παραγγέλλει λέγων. ὁ θέλων ἐν ἡμῖν πρῶτος εἶναι, ἔστω πάντων ἔσχατος. καὶ πάντων δοῦλος καὶ διάκονος πάντων ἀκούσωμεν δὲ τί καὶ ὁ ἀπόστολος λέγει. ἰδοὺ νῦν καιρὸς εὐπρόσδεκτος. νῦν ἡμέρα σωτηρίας. μηδεμίαν ἐν μηδενὶ διδόντες προσκοπήν, ἵνα μημωμηθῇ ἢ διακονία ὑμῶν. ἀλλ' ἐν παντὶ συνιστῶντες ἑαυτοὺς, ὡς θυ διάκονοι ἐν ὑπομονῇ πολλῇ. ἐν θλίψεσιν. ἐν ἀνάγκαις. ἐν ἀγρυπνίαις. ἐν στενοχωρίαῖς. ἐν κοποις ἐν μακροθυμίᾳ. ἐν ἀγαπῇ ἀνυποκρίτῳ. ἐν λόγῳ ἀληθείας. ὡς δοῦλοι κυ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιοῦντες ἐκ ψυχῆς. καὶ μετ' εὐνοίας δουλεύοντες τῷ θῷ καὶ οὐκ ἀνθρώποις. καὶ πάλιν παραινεῖ φάσκων. ἀδελφοί ἐδραῖοι γίνεσθε. ἀμετακίνητοι περισ-

Изъ Макара. Четьи минеи. л. 583. Декабр.

Глава. ѱн.

Служитель долженъ есть прилежнѣе слоужити. въ дѣлѣ како бѣе дѣло есть. и не лѣновати ни оуемже ни на пѣхаль ни на раздраженіе. ни на ркеніе единого братіа. прѣпѣхати и оунывати. все бо манастирское ѿданое бѣи ѿсѣено есть. како томъ приносимо и величѣ поѣхити бѣдѣ лѣностнѣ служахъ. како бѣ прѣвѣдѣ. елма сътвористе реуе единомъ сѣи мнѣ сътвористе. аще бо прилежнѣ. аще ли лѣностнѣ кто служити, на бѣ восходѣ служеніе его. въистиннѣ оубо глѣше іереміа ѿ лѣнацнхъсѣ. проклатъ уѣкѣ творѣи дѣло гнѣ лѣностнѣ. нераднѣи мѣжѣ келнѣакѣ и прѣзорнѣесть. мы же крѣмѣ клатѣ сѣхѣе, блѣвеніа же кнѣтрѣ. какоже и служителе, хѣи. всѣмѣ прилежаніемъ и тѣпаніемъ служеніе свое извѣстѣмъ. да блѣвеніе наследѣмъ како оуѣеннѣи блѣвенѣго. рекнѣго. ндеже есмѣ азъ тоу и служитель монъ вѣдѣть. оуслышнѣмъ что ѿ апѣлѣ глѣ. се нѣтъ крѣмѣ блѣгопрѣлѣтно се нынѣ днѣ спсѣнѣа. ни единого ниуемже дѣлюще прѣтыкнѣа. да не пороуно вѣдѣть служеніе. нѣ ѿ всѣмѣ съставляющесѣ како вѣіа слѣгы въ тѣпнѣи много. въ скорбѣхъ. въ вѣдѣ. тоуѣ въ тѣдѣхъ. въ вѣдѣиѣхъ в долготѣпнѣи. в любви нелицемѣрнѣ въ словесѣ истиннѣ. и пакы како рабѣ хѣи колю творѣиѣ ѿ днѣа іуковѣио слѣжѣиѣ како гоу а не уѣкомѣ. и пакы. брѣе. твердѣи быкѣнте и не постѣннѣ. извѣстоуѣ в дѣлѣ гнѣ. всегда. вѣдѣиѣе како оуслѣиѣе кѣше не вѣдѣть тѣиѣ ѿ гнѣ. и к тнѣмоѣею, тѣзѣкнѣа ко всѣмѣ дѣло сътвори л. 583. об. а. іуѣлѣста слѣженіе свое извѣстѣи. не уѣеже и ѿ сѣбѣ. нынѣ же глѣдѣ въ мѣтѣа слѣжа стѣмѣ. нѣ поспѣшѣствѣнте ми в мѣтѣахъ да слѣжа монъ приѣта стѣмѣи вѣдѣст. посмотрѣмъ и развѣмѣмъ самѣи крѣе, апѣи стѣни црѣковнѣи. с кѣиѣ



σέουντες ἐν τῷ ἔργῳ τοῦ θ· πάντοτε. εἰδότες ὅτι ο κόπος ἡμῶν, οὐκ ἔσται κενός ἐν κω. οὐ γὰρ ἄδικος ὁ θς ἐπι-  
λαθέσθαι τοῦ ἔργου ὑμῶν. καὶ τῆς ἀγάπης, ἧς ἐνεδεί-  
ξασθε εἰς τὸ ὄνομα αὐτοῦ. διακονήσαντες τοῖς ἁγίοις, καὶ  
διακονοῦντες. λέγει δὲ καὶ περὶ ἑαυτοῦ. νῦν δὲ πορεύομαι  
εἰς Πλῆμ διακονήσων τοῖς ἁγίοις. ἀλλὰ συναγωνίσασθε μοι  
ἐν ταῖς προσευχαῖς. ἵνα ἡ διακονία μου, εὐπρόσδεκτος γέ-  
νηται τοῖς ἁγίοις. κατανοήσωμεν οὖν ἄδελφοί! ὅτι ἐκεῖνοι  
οἱ φωστῆρες τῆς οἰκουμένης. καὶ στύλοι τῆς ἐκκλησίας  
μετὰ τοσούτου ἀγῶνος καὶ πόθου διηκόνουν τοῖς ἐν ἱερο-  
σολύμοις πτωχοῖς, πόσω γε μᾶλλον ἡμεῖς χρεωστοῦμεν προθύμως καὶ σπουδαίως τοῖς ἐκ κω ἡμῶν ἀδελφοῖς διακο-  
νεῖν. καὶ παντὶ τρόπῳ ἀγωνίζεσθαι εἰς τὸ θεραπεύειν αὐτούς, ὡς τὸν θ· δι' αὐτῶν θεραπεύοντες.

пѣвномъ славяхъ свѣримъ въ іерлѣмъ ннѣмъ. рече же  
и ннѣмъ. не ѡбидѣмъ во бѣ забыви дѣла нашего и  
любве еже есте во нмъ ѣ, посланнѣ стѣмъ. и слав-  
яще. и приконтъ. аще кто глѣтъ ꙗко словеса бѣѣа.  
аще кто славѣ ꙗко ѡ силы юже дасть бѣ гѣмъ на-  
шимъ ісѣ хѣмъ. гѣ же, аще кто мнѣ славѣтъ, поу-  
тетъ и ѡѣмъ мон. и пѣ. азъ есмь посреде васъ. ꙗко  
славѣан. ꙗко сѣмъ уѣмъ не нрѣнде да послажать емъ  
но да послажѣтъ. и дати дѣмоу свою нзбавленіе за мно-  
гы. томоу слава въ кѣмъ кѣмъ.

## Чтєніє и обьясненіє снимка изъ № 202.

Τοῦ γρηγορίου τοῦ διαλόγου. Κλήρѣκος τῆς ἐκ τῆς ἀκϋίνων ἐκκλησίας. ὑπὸ δαίμονος ἀκαθάρτου ὡχλεῖτο. ὁ  
δὲ τούτου ὁσιώτατος ἐπίσκοπος κωνσταντίας ἐν διαφόροις τῶν ἁγίων κοιμητηρίοις πολλάκις τούτον ἀπέστειλεν ὅπως  
ἰαθῇ, ἀλλ' οὐκ ἰάθη ὑστερον διαπηνέχθη ἀσθενῶ.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ, и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἄλλα. ἀνθρώπου, αὐτὸν. ἀθανασίαν σοι: σωθῶσι. ἡ πολυμερής,

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγάπην τάξεως. ε., ἐξήει ἕξ ὅπερ, ἡρώτησεν. νῦν συνέχον-  
τα ἀνεκλάλητον. σ., ἔστι. τ, μετα. τοιοῦτοις. Цифра ιζ̄. съ титломъ означающая помѣту тетрадей.

## ΙΧ. Уставъ Іерусалимскій.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 202-мъ.

Длина бумаги . . . . .	6	в.
Ширина. . . . .	4 <sup>3</sup> / <sub>8</sub>	»
Къ корешку. . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>2</sub>	»
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 <sup>5</sup> / <sub>8</sub>	»
Къ верху . . . . .	1	»
Къ низу. . . . .	1 <sup>3</sup> / <sub>8</sub>	»

Бумага лощеная. Бумажнаго знака невидно.

Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 240. листахъ. Заставки, заглавныя буквы  
писаны киноварью; а на л. 14-мъ розоваго цвѣта карминною краскою. Въ началѣ рукописи припле-  
тено 12-ть листовъ изъ другой рукописи XIV в. Изъ нихъ на 4-хъ листахъ на крюковыхъ нотахъ  
написаны троичны свят. čtyредесятницы, и нѣкоторыя прокимны; внизу 1-го листа подписано: Ар-  
сеній, а вверху 14. τοῦ βασιδαιδίου. съ 6-го по 13-й листъ: πίναξ ἀκριβῆς τοῦ μεγάλου μεβράνου. πινάκεσ  
σαφεῖς τῶν ἰδανηγυρικῶν βιβλίων на все мѣсяцы. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на  
страницѣ 21. Помѣта тетрадей писана киноварью внизу у корешка съ лѣвой стороны.

На листѣ 14-мъ уставъ оглавляется такъ: Ρυπικὸν τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἀκολουθίας ἐν ἱεροσολύμοις ἁγίας  
λάρας. τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πνς ἡμῶν σάβα. αὕτη δὲ ἡ ἀκολουθία γίνεται. καὶ ἐν ταῖς λοιποῖς τῶν ἐν ἱε-  
ρουσαλύμοις ἁγίων μονῶν.

Начинается: Εἰδήσις τοῦ μικροῦ ἐσπερινοῦ... περὶ τῆς ἀγρυπνίας διάταξις.

л. 16—24. Ἐκφρασις ἐν ἐπιτομῇ τῆς ἐκκλησιαστικῆς διατάξεως τῶν ἐν ἱεροσολύμοις ἁγίων μοναστηρίων.

л. 24—95 οβ̄. Ακολουθία τῆς ἐκκλησιαστικῆς ψαλμωδίας τε καὶ συνάξεως τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ. ἀρχομένη  
ἀπὸ μηνὸς σεπτεμβρίου μέχρι μηνὸς αὐγούστου.

- л. 95 об.—134. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας μεγάλης τεσσαρακοστῆς. καὶ πεντηκοσταρίου.  
 л. 134. Περὶ τοῦ πῶς δεῖ θυμῶν.  
 л. 135. Τὰ ἀναστάσιμα προκείμενα.  
 л. 135. об. Τὰ ἀναστήσιμα ἀλληλουῖα καὶ τὰ ἐξῆς...  
 л. 136 об. Τὰ φωταγωγικὰ τῶν ἡ. (8). ἤχων.  
 л. 137. — 140. Τῇ μεγάλῃ κυριακῇ ἀντιφωνα.  
 л. 140 об.—145. Ὑποτύπωσις σὺν θῶ καταστάσεις τῆς εὐαγγελιστικῆς μονῆς, τῶν στουδίου.  
 л. 145. Περὶ τῆς ἐν βρώμασι καὶ πόμασι ποσότητος καὶ ποιότητος. καὶ τῆς ἐν ταῖς τραπέζαις εὐταξίας.  
 л. 146. Περὶ τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς.  
 л. 146 об. Περὶ τῆς ἐν ταῖς διακονίαις συμμετρίας.  
 л. 147 об. Περὶ ποσότητος ἐνδυμάτων τε ὑποδημάτων, καὶ καταστάσει τρομνῆς.  
 л. 149. Περὶ τοῦ κύκλου τῆς σελήνης.  
 л. 149 об. Περὶ τῆς ἰνδίκτου.  
 л. 151 — 153 об. Στίχηρα ψαλλόμενα εἰς τὰς δεσποτικὰς καὶ εἰς ἐπισήμους ἁγίους.  
 л. 153 об. — 156 об. Στιχηρα σταυροθεοτόκια κατ' ἤχον.  
 л. 156 об. — 159 об. Ἀρχὴ τῶν καθισμάτων.  
 л. 159 об. Χερυβικὸν τῆς ἁγίας λειτουργίας. τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς τῆς μεγάλης ε. τοῦ μεγάλου σαββάτου.  
 л. 162—217 об. Μόρκω ἀμαρτωλῶ ἱερομονάχῳ. σύνταγμα πονηθὲν, εἰς τὰ ἀπορούμενα τοῦ τυπικοῦ.  
 (95 главъ).

л. 218 — 231. Τὰ ἀναστάσιμα ἀπολιτίκια καὶ αἱ ὑπακοαὶ τῶν ὀκτῶ ἡχῶν. тутъ же въ концѣ каждаго гласа написаны по два кондака Богородицѣ.

л. 231 — 237 об. Κοντόκια ἅπερ λέγονται ἐν ταῖς ὥραις τῆς τεσσαρακοστῆς, τῆς ἡ. τῶν δεσποτικῶν ἐορταζομένων ἁγίων. τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ ἐν αἷς ἡμέραις τύχῃσι.

л. 372 об. Ἀκολουθία τῶν ὥρων καὶ τῶν τροπαρίων. καθ' ἕτερα τυπικὰ γινόμενα. τῇ παραμονῇ τῆς χϣ γεννέσεως.

## Выписки изъ подлинника съ Дрекле-Славянскимъ переводомъ

л. 120. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὴν λαμπρὰν κυριακὴν τῆς ἁγίας καὶ ἐνδόξου χϣ τοῦ θϣ ἡμῶν ἀναστάσεως.

Ἐἰ τις εὐσεβὴς καὶ φιλόθεος, ἀπολαβέτω ταυτῆς τῆς καλῆς πανηγύρεως. εἴτις δοῦλος л. 121. εὐγνώμων, ἐισελθέτω χαίρων εἰς τὴν χαρὰν τοῦ κϣ αὐτῆς. εἴτις ἔκαμιν νηστεύων, ἀπολαβέτω νῦν τὸ δηνάριον. εἴτις ἀπὸ πρώτης ὥρας ἐργάσατο δεχέσθω σήμερον τὸ δίκαιον ὀφλήμα. εἴτις μετὰ τὴν τρίτην ἦλθεν, εὐχαριστῶν ἐορτάσει. εἴτις μετὰ τὴν ἕκτην ἔφθασαι μὴδὲν ἀμφιβαλλέτω. καὶ γὰρ, οὐδὲν ζημιούται. εἴτις ὑστέρησεν εἰς τὴν ἑννατην, προσελθέτω μὴδὲν ἐνδοιάζων. εἴτις εἰς μόνην. ἔφθασαι. τὴν ἐνδεκάτην μὴ φοβηθῇ τὴν βραδύτητα. φιλότιμος γὰρ ὢν ὁ δεσπότης, δέχεται τὸν ἔσχατον, καθάπερ τὸν πρῶτον. ἀναπαύει τὸν τῆς ἐνδεκάτης, ὡς τὸν ἐργασάμενον ἀπο τῆς πρώτης. καὶ τὸν ὑστερον ἐλαεῖ, καὶ τὸν πρῶτον θεραπεύει. κάκεινω δίδωσι, καὶ τοῦτω χαρίζεται. καὶ τὴν πράξιν τιμᾷ, καὶ τὴν πρόθεσιν ἐπαινεῖ. οὐκ οὖν, ἐισελθετε πάντες εἰς τὴν χαρὰν τοῦ κϣ ἡμῶν. καὶ πρῶτοι καὶ δεύτεροι τὸν μισθὸν ἀπολάβετε. πλούσιοι καὶ πένητες μετ' ἀλλήλων χορεύσατε.

Изъ слѣдов. Псалтири XV. в. моего собранія л. 249 об. и 250 об.

Слово нже во стѣхъ оѣа ннѣго ѿан. архіеѣна коньстантинна грѣ злѣвѣстаго. на стѣю насхъ. оуѣнтелное слово еже ѿ позѣкнѣ к покнѣ постномъ.

Нже аѣе кто есть вѣомовнѣ, вѣговѣренѣ и вѣгѣтнѣ. Да прѣнметъ сѣ добра, и наслѣтсѣ ннѣшнаго трѣжеста. нже аѣе кто ѣ вѣгѣрѣхѣ, ѿ рѣ вѣгѣнѣнѣ. да вннѣ рѣнѣ в радость гѣ своѣ. аѣе кто дѣла есть постаса. да коспрѣнметъ ннѣ сребреннѣ. аѣе ктѣ ѿ первѣ гѣса дѣлаѣтъ ѣ. да прѣнметъ ннѣ днѣ прѣннѣ долгѣ. аѣе кто по трѣемъ гѣсѣ прѣнде. вѣгѣдара вѣ да празнѣѣ. аѣе кто и по шестѣ гѣсѣ достигнѣти прѣнѣ. ннѣто же да сѣмнѣа скорбѣ. нѣо ннѣнѣмъ отѣтѣтѣаѣтъ. аѣе кто н. ф. го гѣса оуѣннѣ. да прѣнѣннѣ безъ сѣмнѣнѣа, ннѣгѣ коѣ. аѣе и к перкнѣ наѣсѣа гѣ прѣнде. да не оуѣтрѣннѣ прѣннѣ срамлѣа медленѣа рѣ. вѣкѣомнѣ во ѣ вѣѣ. прѣнѣмѣ послѣднѣа нѣо и перкѣ. оуѣтнѣаѣ, нѣо вѣ прѣкнѣ наѣсѣа гѣ прѣннѣшнаго. нѣо дѣлакнѣа ѿ перкѣ гѣса, и послѣнѣа мнѣлѣ и перкѣ оуѣтнѣаѣ. и ѿномъ даѣтъ, и сѣмъ дарѣствѣтъ. и дѣлаѣтѣ поуѣтаѣтъ: и прѣложенѣе хѣлѣ. тѣмъ же оуѣо



ἐγκρατεῖς καὶ ράθυμοι τὴν ἡμέραν τιμῆσατε. νηστεύσαντες καὶ μὴ νηστεύσαντες, εὐφράνθητε σήμερον. ἡ τράπεζα γέμει. τρυφήσατε πάντες ὁ μόσχος, πολὺς. μὴδεῖς ἐξέλθῃ πεινῶν. πάντες ἀπολαύσατε τοῦ πλοῦτου τῆς χρηστότητος. μὴδεῖς θρηνεῖτο πένιαν. ἐφάνη γὰρ ἡ κοινὴ βασιλεία. μὴ δεῖς ὀδυρέσθω л. 121 об. πταίσματα. συγγνώμη γὰρ ἐκ τοῦ τάφου ἀνέτειλε. μὴδεῖς φοβεῖσθω θάνατον. ἤλευθέρωσε γὰρ ἡμᾶς, ὁ τοῦ σῶς θάνατος. ἔσβησεν αὐτὸν ὑπὸ αὐτοῦ κατεχόμενος ἐκόλασε τὸν ἄδην ὁ κατελθὼν εἰς τὸν ἄδην. ἐπικράνεν αὐτὸν γευσάμενος τῆς σαρκὸς αὐτοῦ. καὶ τοῦτο προλαβὼν ἡσαίας ἐβόησε. ὁ ἄδης φησὶν ἐπικράνθη, συναντήσας σοι κάτω. ἐπικράνθη καὶ γὰρ ἐνεκράθη. ἐπικράνθη, καὶ γὰρ καίθηρέθη. ἐπικράνθη, καὶ γὰρ ἐνεπέχθη. ἔλαβε σῶμα, καὶ θῶ περιέτυχεν. ἔλαβε γῆν, καὶ συνήνητησεν οὐνῶ, ἔλαβεν ὅπερ ἔβλεπε. καὶ πέπτωκεν ὅθεν οὐκ ἔβλεπε. ποῦ σου θάνατε τὸ κέντρον, ποῦ σου ἄδῃ τὸ νίκος, ἀνέστη χς, καὶ σὺ καταβέβλησαι. ἀνέστη χς καὶ πεπτώκασιν δαίμονες. ἀνέστη χς, καὶ χαίρουσιν ἄγγελοι. ἀνέστη, χς, καὶ ζωῇ πολιτεύεται. ἀνέστη χς, καὶ νεκρὸς οὐδεῖς ἐπὶ μνήματος. χς ἐγερθεὶς ἐκ νεκρῶν, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων ἐγένετο, αὐτῷ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

л. 218. Αναστάσιμα ἀπολυτίκια. . . ἡχ. α̣.

Τοῦ λίθου σφραγισθέντος ὑπὸ τῶν ἰουδαίων. καὶ στρατιωτῶν φυλασσόντων τὸ ἄχραντον σου σῶμα, ἀνέστης τριήμερος σῆρ δωρούμενος τῷ κόσμῳ τὴν ζωὴν. διὰ τοῦτο αἱ δυνάμεις τῶν οὐνῶν ἐβόων σοι ζωοδότα. δόξα τῇ ἀναστάσει σβ χε. δόξα τῇ βασιλείᾳ σβ. δόξα τῇ ἀ. α. σ. τ. α. σ. (sic) σβ. δόξα τῇ οἰκονομίᾳ σβ μόνε φιλᾶνε.

л. 219 об. ἡχ. β̣. Ὅτε κατῆλθες πρὸς τὸν θάνατον ἡ ζωὴ ἀθάνατος, τότε τὸν ἄδην ἐνέκρωσας τῇ ἀστραπῇ τῆς θεότητος. ὅτε δὲ τοὺς τεθνεῶτας ἐκ τῶν καταχθονίων ἀνέστησας, πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν ἐπουνίων ἐκραύγαζον ζωοδότα χε ὁ θς δόξα σοι.

л. 222. ἡχ. γ̣. Εὐφραινέσθω τὰ οὐνία. ἀγαλλιάσθω τὰ ἐπίγεια. ὅτι ἐποίησε κράτος ἐν βραχίονι αὐτοῦ ὁ κς. ἐπάτησε τῷ θανάτῳ τὸν θάνατον. πρωτότοκος ἐκ νεκρῶν ἐγένετο. ἐκ κοιλίας ἄδου ἐρρύσατο ἡμᾶς. καὶ παρέσχε τῷ κόσμῳ τὸ μέγα ἔλεος,

л. 223 об. ἡχ. δ̣. Τὸ φαιδρὸν τῆς ἀναστάσεως κήρυγμα. ἐκ τοῦ ἀγγέλου μαθούσαι αἱ τοῦ κῡ μαθήτριαι. καὶ τὴν προγονικὴν ἀπόφασιν ἀπορρίψασαι τοῖς ἀποστόλοις καυχόμεναί ἔλεγον. ἐσκύλευται ὁ θάνατος. ἡγέρθη χς ὁ θς. δωρούμενος τῷ κόσμῳ τὸ μέγα ἔλεος.

л. 226. ἡχ. πλα. (5). Τὸν συνάναρχον λόγον π̣ρι. καὶ π̣νι. τὸν ἐκ παρθένου τεχθέντα εἰς σ̣ριαν ἡμῶν. ἀνυμνήσωμεν πιστοὶ καὶ προσκυνήσωμεν. ὅτι εὐδόκησε σαρκί. ἀνελθεῖν ἐν τῷ σ̣τρῳ. καὶ θάνατον ὑπομῆναι. καὶ ἐγεῖραι τοὺς τεθνεῶτας. ἐν τῇ ἐνδόξῳ ἀναστάσει αὐτοῦ.

л. 227 об. ἡχ. πλβ. (6). Ἀγγελικαὶ δυνάμεις ἐπὶ τὸ μνήμα σβ. καὶ οἱ φυλάσσοντες ἀπενεκρώθησαν. καὶ ἵστατο μαρία ἐν τῷ τάφῳ. ζητοῦσα τὸ ἄχραντον σβ σῶμα. ἐσχύ-

кните вѣсть ꙗко своего. и первѣи, и вторѣи, и послѣднѣи мѣзѣи прѣимѣте, бѣтѣи, и оубожи, и нищѣи. дрѣсѣ дрѣзѣи ликуете. воздержници и лѣннѣи днѣи поутете. постникшенса и не постникшѣнса возвеселитѣ днѣи. трапеза црѣкнаа готова исполнена. наслаѣтеса вси. телесѣи оушнѣи многѣ. никто же изыде алыѣ. вси наслаѣтеса пира црѣкнаа. вси воспрѣимѣте бѣтѣство бѣгостн. никто рыдан нищетою. ꙗки бо сѣи оуцѣи црѣтѣи. никто же да не оуслѣбѣѣ. никто да плачѣтъ согрѣшенѣи. ѿпѣшенѣи бо кзпно, и ѿставленѣи ѿ гроба воснѣи. Никто да оубонѣтъ смрѣти. своего бо ꙗко сѣи сова смрѣть. оугаси бо сѣи. иже ѿ неа дрѣжнмын, оушнѣи ада. Снѣсѣи воа, горе бѣи емѣ, кѣшнѣи плотн гнѣи и сѣи прѣварѣи ꙗсѣи, кѣспн. адъ рѣи огорѣи срѣи та долѣ. огорѣи иже нѣрѣга бѣи. прнѣи тѣло. и бѣи прнѣи. прнѣи землю. и срѣи нѣи. прнѣи еже видѣаше, и падѣ въ еже не видѣаше. гдѣ ти смрѣти жало. гдѣ ти адѣи по-вѣда. вѣста хс, и падоша вѣсовѣ. вѣста хс, и рѣи ѡтѣи аггѣи. воскрѣсе хс, жнзнь и жнвѣи ко всѣи мирѣ. воскрѣсе хс. мрѣтѣи ннеднѣи не оуа хс бо вѣста ѿ мрѣтѣи. ꙗуаѣи оушнѣи бѣи. томѣи сѣи и дрѣжава вѣвѣи вѣи амнѣи:

л. 264 и 265 об. Каменн знаменанъ ѿ ꙗудѣи. во-ниѣи стрѣжнѣи прѣушнѣи тѣло твое. воскрѣсе въ третѣи днѣи сѣи подаи жнмировн жнзнь. сѣи рѣи слы нѣи коннѣи ти жнзнодавѣе. сѣи воскрѣи ти хс сѣи црѣтѣи твоѣи сѣи смотренѣи твоѣи еднѣи ѡтѣи:

Трѣи глѣи б̣. Егда снѣи ко смрѣти жнкѣи вѣи. тогда ада оушнѣи снѣи вѣи. вса слы нѣи коннѣи ти жнзнодавѣе хс сѣи тѣи:

Трѣи глѣи г̣. Да веселѣи нѣи и рѣи земнѣи. ꙗко сътвори дрѣжава мышцѣи своею. гѣи попра смрѣти смрѣть. прѣвѣи нѣи мрѣтѣи бѣи нѣи урѣи ада нѣи бѣи нѣи. подаи мирѣи вѣи мѣи:

Трѣи глѣи д̣. Сѣи воскрѣи проповѣи. ѿ аггѣи оушнѣи оушнѣи, прѣи оушнѣи ѿвѣи апѣи хвалаи глѣи нѣи смрѣти вѣи хс бѣи подаи мирѣи вѣи мѣи:

трѣи глѣи е̣, Сѣи сѣи сѣи оушнѣи и дрѣи, еже ѿ дрѣи рожеи наспнѣи нѣи. воснѣи вѣи покло-ниѣи ꙗко бѣи плѣи кѣи кѣи, смрѣти оушнѣи ти ко славноѣи воскрѣи твоеи:

Трѣи глѣи з̣, Аггѣи слы на грѣи твоѣи, и стрѣ-жнѣи та оушнѣи, нѣи стои мѣи на грѣи, нѣи нѣи прѣи тѣи твоею. нѣи ада, не ис-

λευσας τὸν ἄδην μὴ πειρασθεῖς ὑπὸ αὐτοῦ. ὑπὴντησας τῇ παρθένῳ δωρούμενος τὴν ζωὴν. ὁ ἀναστὰς ἐκ τῶν νεκρῶν καὶ δόξα σοι.

л. 228. ἡχ. βαρὺς. (7). Κατέλυσας τῷ σῶ σθ τὸν θάνατον. ἠνέωξας τῷ ληστῇ τὸν παράδεισον. τῶν μυροφόρων τὸν θρῆνον μετέβαλες. καὶ τοῖς ἀποστόλοις κηρύττειν ἐπέταξας ὅτι ἀνέστης χεὶρ ὁ θς. παρέχων τῷ κόσμῳ τὸ μέγα ἔλεος.

л. 228 об. Ἐξ ὕψους κατήλθες ὁ εὐσπλαγχνος ταφῇν κατεδέξω τριήμερον. ἵνα ἡμᾶς ἐλευθερίσῃς τῶν παθῶν ἡ ζωῇ καὶ ἡ ἀνάστασις ἡμῶν δόξα σοι.

кѣшнїѣ ѿ нѣ. срѣте дѣх, ддрѣхн жнвѣ, воскрѣсѣ нзъ мртѣхъ. ꙗн слѣ тобѣ: .

Трѣ гла̑ з̑: Разрѣшии крѣтѣ сконмъ смрть, н ѿвръзлѣ еси разбонникѣ рлн. мнроноснцѣ плѣ преложн дѣло проповѣдати повелѣ. ꙗко воскрѣсе хс̑ бѣ подлѣ мнро-кн келїю мѣтъ:

трѣ гла̑. ꙗ. Свѣшнїи снѣ мрѣде. погребенїѣ прнѣтрн-дѣеено. да нѣ свободншн ѿ стрѣтен жнвоте н воскрѣнїѣ нїѣ слѣ те:

#### Чтєніє и об̑ясненїє снїмкѣ.

Μηνὶ σεπτεμβρίῳ. α̑. Περὶ τῆς ἰνδικτοῦ καὶ τοῦ <sup>ὁσίου</sup> συμεῶν, εἰ τύχωσιν ἐκ κυριακῇ.

Μηνὶ τῷ αὐτῷ. ιγ̑. Περὶ τῆς ἐορτῆς τῶν ἐγκαινίων εἰ τυγχῇ ἐν κυριακῇ. μηνὶ τῷ ἐν ια̑ . . . β̑. περὶ τῆς ἐβδόμης συνόδου τὸ π. καὶ πότε ὀφείλει ψάλλεσθαι.

φυλ. 13. Προσετίθη δε δευτέρα ὀκτωβρίου. ἐν ἔτει ἕκστῳ ὀκτακοσιόστῳ τε ἑξακισχιλιοστῷ. ἐνδεκάτης ἰνδείκτου.

φυλ. 13 об. Η βίβλος αὕτη παρ̑ ἐμοῦ πονηθεῖσα . . .

Τοῦ ἐν μοναχοῖς ἀμαρτωλοῦ ἐκπόθῃ . . .

Ἀθανασίου τάλανος καὶ ἀχρείου . . .

Τῆ καὶ χρηματίσαντος ἀρχιμανδρίτου . . .

Μονῆς τῆς θείας καὶ βασιλεικοτάτης . . .

Ὅρους τῇ κληῖσει ἁγίου ἀυξεντίου.

Ὡς εὐτελεῖ δῶρον τῇ πανάγνῳ παρθένῳ . . .

Μρ̑ι τῆ μόνου θῦ μῃ καὶ δεσπότου . . .

Μονῆς λαμπρῆς τε καὶ περιφανεστάτης . . .

Βασιλικῆς ἐτέθῃ βατοπεδίου . . .

Μνήμης ἔνεκα. ψυχῆς ἡμετέρας . . .

Ὁ δε βεληθεῖς ὅστις καὶ οἶος εἶη . . .

Στερῆσαι αὐτὴν τῇ σεβασμίᾳ ταύτῃ . . .

Μωνῇ καὶ ὅπῃ βολήθειη ἔχετω . . .

Ἀυτὴν πρὸ παντὸς τὴν θεομήτορα μῃ . . .

Ἐνθεν καχεῖσε ἀντίδικον εἰθούτως . . .

Τὰς τῶν ὁσίων θεοφόρων πρῶν . . .

Τριακοσίων ὅκτω καὶ δέκα κληῖρον . . .

ἀρχῆς καὶ πάντων ἀπὸ αἰῶνος ἁγίων . . .

μερὶς δὲ τῆς ἐστῶ μετὰ ἰουδα . . .

καὶ τῶν κραζάντων ἄρον στρῶσον ἄρον . . .

Заставки заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: καινὸν σιῶν: Сокращенія и слова съ титлами: ταῖς ψυχᾶῖς, τῆς δυνάμεως. σάββατον, κυριακῇ. τὸν. καθάρισον. μητρὶ θεοῦ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α, ἁγίων. ε, εἰς ἐσταυρώθη ἐπὶ. ν, ἐπιπυνάπτουσι. σ, φῶς σου φοβερα. τ, μετὰ. Знаки сносокъ на л. 109 изображеніе четвероконечнаго креста въ концѣ статьи.



## XIV-н ВѢКЪ.

І. ДѢСВІЦА СВЯТАГО ІОАННА,

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 361-мъ.

Длина пергамина . . . . .	5	В.
Ширина. . . . .	$3\frac{6}{8}$	”
Къ корешку. . . . .	$\frac{3}{8}$	”
Къ правой сторонѣ . . . . .	1	”
Къ верху . . . . .	$\frac{3}{8}$	”
Къ низу. . . . .	$1\frac{1}{8}$	”

Пергамень выдѣланъ очень хорошо и довольно тонокъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ на 260-ти листахъ въ одинъ столбецъ. Внизу 1-го неписаннаго листа подписано: Арсеній;верху 3-го листа: τοῦ βατοπαίδε. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны краскою блѣдно-розоваго цвѣта. Колеръ чернилъ коричневый. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 21.

Въ началѣ рукописи на 1-мъ помѣченномъ листѣ написана молитва: Ангелу Хранителю и еще въ родѣ же молитвъ безъ надписаній. Внизу 6-й страницы на оборотѣ краскою розоваго цвѣта нарисована лѣствица о 30-ти ступеняхъ; на 257. страницѣ написано, когда и кто писалъ сію лѣствицу въ 1306-мъ году. На оборотѣ 257. листа безъ надписи говорится объ осми порочныхъ помыслахъ; на оборотѣ 259. листа одна молитва ко снѣ; начало ей: Καὶ σὺ μὲν ὑπὲρ ἁγὰθ ἐνὶ καὶ λόγῳ.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Л. 152 об. Περὶ τῶν ἀνεκφράστων λογισμῶν τῆς βλαφημίας.

κῆ. Χαλεπῆς ῥίξης καὶ μῆς, χαλεπώτατον ἀπογόνον εἶναι ἐν τοῖς φθάσασιν ἀκηλόαμεν. λέγω δὴ τῆς μίαρὰς ὑπεὶ ρηφανίας, τὸν ἄρρητον τῆς βλασφημίας ἀπόγονον. Διὸ ἀναγκάστον, καὶ αὐτὸν εἰς μέσον ἀχθῆναι. οὐ γὰρ τῶν τυχόντων. ἀλλάγε καὶ πολὺ πάντων, χαλεπότερος ἐχθρὸς καπολέμιος καθέστηκεν. καὶ τὸ δὴ χαλεπώτερον, οὐδὲ εὐχερῶς ἐκφρασθῆναι ἢ ἐξομολογηθῆναι καὶ στηλιτευθῆναι πνευματικῶ ἱαιρῶ δυνάμενος. Διὸ καὶ πολλοῖς πολλὰκις ἀπογνώσιν καὶ ἀνελπιστίαν ἐγέννησεν. ὥσπερ σκώληξ ἐν ξύλῳ, πᾶσαν αὐπῶν τὴν ἐλπίδα ἐξαναλώσας ὁ ἀνόσιος. οὗτος τοῖον οὗτος ὁ παμμίαρος, φίλει πολλάκις π. 153. παρ' αὐτὰς τὰς ἀγίας συνάξεις καὶ κατ' αὐτὴν τὴν τῶν φριχτῶν μυστηρίων ὥραν, δυσφημεῖν τὸν κν' καὶ τὰ τελούμενα ἅγια. ὅθεν μαλίστα μανθάνομεν σαφῶς, μὴ οὔσαν τὴν ἡμετέραν ψυχὴν τὴν τὰ ἅθρα καὶ ἀκατάληπτα καὶ ἄρρητα ἐκεῖνα λόγια ἔνδον φθειγξαμένην, ἀλλὰ τὸν μισόθεον δαίμονα, τὸν ἐκ τῶν οὐρανῶν δραπετέυσαντα, διὰ τὸ κακεῖ τὸν κν' βλασφημίαις τὸ δοκεῖν βαλεῖν. εἰ γὰρ ἐμοὶ οἱ ἄσπεμνοὶ ἐκεῖνοι καὶ ἀτρεπεῖς λόγοι, πῶς τὸ δῶρον δεξάμενος προσκυνῶ. πῶς λοιδορεῖν καὶ εὐλογεῖν δύναμαι. πολλοὺς Ὁ ἀπατεῶν οὗτος καὶ ψυχοφθόρος, εἰς ἑκτασιν φρενῶν ἤγαγε πολ-

Изъ лѣствици св. Іоанна XV в. моего собр. л. 93—95.

О не изгланнѣ помыслѣхъ оуланыхъ.

Люѣа корене и мѣре лютеѣнши ѿрѣ сѣшь в прѣка-  
ршии слышахѡ. глаю скверна презорства не изгладни  
и хѣлныи ѿрѣ. тѣже потребно ѣ и то на средѹ при-  
кестн. не бо ѿ прилѹчишѣся но на множае всѣ лютеѣнши  
краѣ и ратнѣ ѣ. и ѣ лютеѣнее ка ницѡ извѣцати наи  
исповѣдати, наи обличити дѣхномъ краюю могои.  
тѣже и многаѣи многоѣ ѡхлѣе и безнадеѣе ро. ꙗко  
херкъ ко дрекѣ, всю и надежю истощи непреподобныи.  
се збо сен скверныи любн многаѣи вта сама стѣла со-  
браа, и в тон самыи страшыи уѣ стѣхъ тѣхъ хѣлн  
га, и творимаа стѣла. ѿнюдѹ и па навѣкиѹе каѣ, не  
сзѣрѹ наизъ дѣю непѡбнаа и непостыжнаа она и не-  
изрицаемаа словеса кнѹть вѣщающѣх. но бо ненавѣ-  
стномѹ бѣсѹ, и ѿ неѣ ѡбѣгшемѹ, и за ѣ и тамо га  
хлѣамн ѣ мнѣти облагати. ꙗже ко мои безѹтѣи они  
и непѡбнѣи помысли, ка стѣла дары приѣ кланѣѣ. ка-  
ко ли злословити наи блѣити могоѹ. многы прелестнѣи  
сен дѣстѣнныи ко изстѣнлѣе зма приведе многаѣи.  
никоѹ ко сиѣ ниѣ не зѡ исповѣдѹе помыслѣ. ꙗко  
тон ѣ. тѣже и множицею со мнозѣми состарѣвѣа. ни-  
цѡ бо тѣ бѣсѡ и помыслѡ крѣпѡ на ны дѣе, ꙗко сѣла не

λάχις. οὐδείς γὰρ ἕτερος λογισμὸς οὕτως δυσεξαγόρευτος, ὥς αὐτὸς καθέστηκεν. Διὸ πολλάχις, τοῖς πολλοῖς καὶ συνεγείρασεν. οὐδὲν γὰρ οὕτως οὐδὲν τοῖς δαίμοσι καὶ τοῖς λογισμοῖς ἰσχύον καθ' ἡμῶν δίδωσιν ὥς τὸ τούτους ἀνεξαγορεύτους ἐν τῇ καρδίᾳ σιτίζεσθαι καὶ ἀποκρύπτεσθαι. μὴ δείς ἐπὶ λογισμοῖς βλασφημίας, π. 153 οβ. ἑαυτὸν αἰτίον εἶναι λογίσαιτο. καρδιογνώστης γὰρ ἐστὶν ὁ κς καὶ ἐπίσταται οὐχ ἡμῶν. ἀλλὰ τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν εἶναι, τὰ τοιαῦτα ῥήματα. τὸ μεθύνειν, αἰτίον τοῦ προσκόπτειν. καὶ τὸ ὑπερφηάνευσθαι, αἰτίον τῶν ἀπρεπῶν λογισμῶν. καὶ ἐκ μὲν τοῦ προσκόπτειν, ἀναίτιος ὁ προσκόψας καὶ ἀνεγκλητος. ἐκ δὲ τοῦ μεθύνειν πάντως τιμω ρηθίηται. ἐν προσευχῇ σταθέντων ἡμῶν, οἱ ἀκάθαρτοι λογισμοὶ ἐκεῖνοι καὶ ἄρρητοι, ἐπανέστησαν. καὶ τὴν προσευχὴν πληρωσάντων, εὐθέως ὑπεχώρησαν. τοῖς γὰρ μὴ μαχομένοις αὐτοῖς, οὐφίλουσι μάχεσθαι. οὐ μόνον τὸ θεῖον καὶ τὰ θεῖα πάντα ὁ ἄθεος βλασφημεῖ, ἀλλὰ καὶ αἰσχροτάτους τινὰς καὶ ἀπρεπεῖς λόγους ἐν ἡμῖν φθέγγεται. ἵνα ἢ τὴν προσευχὴς καταλείψωμεν, ἢ ἑαυτῶν ἀπογνώμεν. πολλοὺς μὲν τῆς προσευχῇ ἐνέκοψεν. π. 154. πολλοὺς δὲ τῶν μυστηρίων ἀπεχώρησε. τινῶν μὲν τὰ σῶματα, τῇ λύπῃ κατέτηξεν. ἄλλους δὲ, ἐκ νηστείας δεδῶμακεν, ὁ πονηρὸς οὗτος καὶ ἀπάνδρος τύραννος. καὶ ἡδεμίαν αὐτοῖς τὴν ἄνεσιν δέδωκεν. οὐ μόνον τοῖς κατα κόσμον, ἀλλὰ καὶ τοῖς τὸν μοναδικὸν βίον μετερχομένοις, τοῦτο ἀπεργασάμενος. μὴδεμίαν, αὐτοῖς λοιπὸν σφίαν ἔχειν. ὑποτιθέμενος. ἀλλὰ καὶ ἀπίστων καὶ ἐλλήνων πάντων ἑλλεινοτέρους καὶ ἀθλιωτέρους εἶναι ἀποφηνάμενος. ὁ πνὶ βλασφημίας ὀχλούμενος. καὶ τούτου ἀπαλλαγῆναι βουλόμενος, ἐπιγνώτω ἀκριβῶς μὴ τὴν ψυχὴν τὴν ἑαυτοῦ, αἰτίαν εἶναι τῶν τοιούτων λογισμῶν, ἀλλὰ τὸν ἀκάθαρτον δαίμονα, τὸν ποτὲ πρὸς κν λέγοντα ταῦτα πάντα σοι δώσω, ἐὰν πεσῶν προσκύνῃς μοι. Διὸ καὶ ἡμεῖς ἐξουθενοῦντες αὐτὸν καὶ μὴδ' ὅλως τα παρ' αὐτοῦ λεγόμενα εἰς μέτρον ἔχοντες, εἴπωμεν. ὕπαγε ὀπίσω μου σατανᾶ. κν' τὸν θν μου π. 154 οβ. προσκυνήσω, καὶ αὐτῷ μόνῳ λατρεύσω. σοῦ δὲ, ἐπίστρέψει ὁ πόνος καὶ ὁ λόγος, ἐπὶ τὴν κεφαλὴν σου. καὶ ἐπὶ τὴν κορυφὴν σου ἡ βλασφημία σου καταβήσεται. ἐν τῷ νῦν καὶ ἐν τῷ μέλλοντι αἰῶνι ἀμήν. Ὁ ἐκτος τοῦ προεξηρημένου τρόπου τῷ τῆς βλασφημίας δαίμονι, παλαιῶς σε (σαι) βουλόμενος, ὅμοιος ἐστὶ τῷ ἐν ταῖς ἑαυτοῦ χερσὶν ἀτραπὴν πῖάσαι δοκιμάζοντι. πῶς γὰρ καὶ καταλήψεται ἢ ἀντεῖποι. ἢ παλαίση τὸ ἐξαίφνης ἐν τῇ καρδίᾳ δίκην ἀνέμου παρερχομένῳ καὶ ροπῆς τάχιστα τὸν λόγον τῷ λέγοντι καὶ εὐθέως ἀφαντούμενῳ. πάντες μὲν γὰρ οἱ πόλεμοι. καὶ ἴστανται, καὶ προσ αὐτῶν παλαιεῖν βουλομένῳ. οὗτος δὲ, οὐ ἀλλ' ἅμα τοῦ ἰλάχις ἐν τῇ τῶν ἀπλουστέρων καὶ ἀκεραιτέρων διανοίᾳ, ὁ μάλιστα σφοδρωτέως τῶν ἄλλων θορυβοῦνται καὶ ταραττοφθόνου τῶν δαιμόνων τὸ πᾶν γίνεσθαι. τοῦ κρίνειν καὶ ῥίζα, τοῦ δευτέρου τὸ πρότερον. ὥσπερ ὁ ἐν οἴκῳ κατακρούει αὐτὸς τούτους μὴ φθειγόμενος, οὕτως καὶ ἡ ψυχὴ μενι ταραττεται. ὥσπερ φθέγγεται δι' αὐτῆς παρερχόμενος

[illegible]



λως αὐτῷ παλαίειν σοφίζόμενος, εἰς τέλος ὑπόκειται. ὁ γὰρ λόγους, πνευμάτων πιάσαι βουλόμενος, ὅμοιος ἐστὶ τῷ ἀνέμου ἐγκλείοντι. μοναχὸς σπουδαῖος ὑπὸ τούτου ὀχλοῦμενος τῇ θαίμονος ἐπὶ εἰκοστὸν ἔτος, τὰς ἑαυτοῦ σαρκας νηστεῖαις καὶ ἀγρυπνίαις κατέτηξε л. 155 об. καὶ ὡς οὐδεμιᾶς ἀφελείας ἤσθετο, ἀπελθὼν καὶ τὸ πάθος ἐν χάρτῃ γεγραφῶς, ἀγίῳ τῖνι ἀνδρὶ ἐπιδέδωκεν. ἐπὶ πρόσωπον χείμενος καὶ πρὸς αὐτὸν ἀνανεύειν μὴ δυνάμενος. ὡς δὲ ἀνέγνω ὁ γέρων, ἐμηδίασε. καὶ ἀναστήσας τὸν ἀδελφόν, λέγει αὐτῷ. ἐπίθες ὦ τέκνον τὴν σὴν χεῖρα ἐπὶ τὸν ἐμὸν αὐχένα. καὶ ὡς τοῦτο ὁ ἀδελφὸς πεποίηκε, λέγει ὁ μέγας. ἐπὶ τὸν ἐμὸν τράχηλον ἀδελφε ἡ ἁμαρτία αὕτη, ὅσα ἔτη καὶ πεποίηκε καὶ ποιήσει ἐν σοί. μόνον σοι αὐτὴν εἰς μέτρον μὴ κέτι ἔχει. καὶ διεβεβαιούτο ὁ τιοῦτος ὡς οὐ πρώην τῆς κέλης τοῦ γέροντος ἐξεληλύθει, εἰς οὗ τὸ πάθος θαῦτον γήσαςτο εὐχαρίστων τῷ θῷ.

а ѿ нѣко сѣ братѣ зхнѣрали до конца полежа. и во словеса дхѣхати хотѣх, похенѣ ѣ ѿ кѣтры затворѣишѣмѣ. мнѣ поспѣши ѿ сѣ бѣса стѣжаѣ до. к. го лета. нлѣ свою посты и вѣтны нстаа. да ѣхнн еднѣногѣ зхнѣха ошнѣраше, шѣ и стрѣ на харѣх напнѣа стѣх нѣкоемѣ мѣжю вѣдѣ. лнѣ на землн лсжа, и к нѣмѣ козрѣти немогы. и ѣхнроуте старецѣ осклабѣ. и коздрѣх братѣ гѣа емѣ. козложн о гѣа свою рѣкѣ на мою кнѣю. и ѣх сѣ крѣ створн гѣа келнкнн, на моен кнн братѣ грѣх тон, елнко лѣ створѣ и створѣ к тебѣ. тоѣ ты не ктомѣ нмѣх то к ннело. нзвѣраше таковын ѣх не прѣ не кѣа старѣх нзѣти емѣ дондѣ стрѣх вскорѣ безвѣстн бѣ. семѣ ѿ во нскѣх быкнн. мнѣ повѣствока бѣгодарствѣю бѣ:

ἄφαντον γέγονε. τούτου ὁ ἐν παῖρα γενόμενος, ἐμοὶ διηγήσατο εὐχαρίστων τῷ θῷ.

### Ч т е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

φ. 148-й об. Περί τῆς ὑπερηφανίας τῆς ἀκεφάλου. ἐν ᾧ καὶ περὶ ἀκαθάρτων λογισμῶν τῆς βλασφημίας.

кѣ. Ὑπερηφανία ἐστίν, θεοῦ ἄρνησις. θαυμόνων εὖρεμα ἐξουδένωσις ἀνθρώπων κατακρίσεως μητήρ. ἐπαίνων ἀπόγονος. ἀκαρπίας τεκμήριον.

φ. 24. † Θεοῦ τὸ δῶρον, καὶ πόνος δωροθέου.

† Δόξα τῷ θεῷ πάντων ἔνεκα.

† Ἐτελειώθη τὸ παρὸν βιβλίον κατὰ μῆνα Μαρτίου. ἔτους ϞϞϞ. Ἰνδικτιῶνος Ϟ. δι' ἐνεργείας τοῦ τιμιωτάτου ἐν ἱερομονάχοις Κυρῆ Ἀρσενίου. καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες ἔυχесθαι ἡμῖν διὰ τὸν Κύριον.

Маленькая заставка, заглавные буквы. Вязью написанное: Ἰωσήφ ἱερομονάχος.

Слова съ знаками препинанія: δοκῶν, σκώληκες. παρεκτείνεσθαι.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ τοῖς. θεοῦ μητήρ.

Нѣкоторыя слова въ связи съ другими: α., ὑποταγῆς. ε., ἐξουδένωσις εὖρεμα. ν., τεκμήριον οὖν. σ., ἐστίν. τ., ἐξέρχεται. л. 154 об. знаки вносныхъ мыслей; цифры к и л. съ титлами вверху и снизу, означающія помѣту тетрадей.

## II. Фотолитографическій свитокъ

### ΛΗΤΟΥΡΓΙΗ ΣΑΓΓΑΤΟ ΙΩΑΝΝΗ ΖΛΤΟΥΣΤΑΤΟ.

Находится въ собраніи Г-на Севастьянова въ Румянцевскомъ музеѣ.

Сей свитокъ мною скопированъ и литографически отпечатанъ въ очень немногихъ экзетплярахъ. Длина сего свитка съ одной стороны писаннаго 7½ аршинъ; въ ширину два вершка. Заставка круглая поддерживается двумя витыми колонками. Заглавные буквы очень красивы изъ птицъ и звѣрей. Въ началѣ написана проskomidia, но сокращенными словами и блѣдно вышедшими изъ фотографіи.

Выписываю изъ сей службы молитву; которую читаетъ Іерей послѣ словъ: *благодаримъ Господа*, съ древнимъ Славянскимъ переводомъ, и слѣдующее послѣ ней до конца.



## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπέυχεται.

Ἀξίον καὶ δίκαιον. σὲ ὑμνεῖν. σὲ εὐλογεῖν. σὲ αἰνεῖν. σοὶ εὐχαριστεῖν. σοὶ προσκυνεῖν ἐν παντὶ τόπῳ τῆς δεσποτείας σου. σὺ γὰρ εἶ θεὸς ἀνέκφραστος ἀπερινόητος ἀόρατος καὶ ἀκατάληπτος. αἰεὶ ὦν ὡσαυτῶς ὦν. σὺ καὶ ὁ μονογενὴς σου υἱὸς καὶ τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον. σὺ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι ἡμᾶς παρήγαγες. καὶ παραπεσόντας ἀνέστησας πάλιν. καὶ οὐκ ἀπέστης πάντα ποιῶν ἕως ἡμᾶς εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνήγαγες. καὶ τὴν βασιλείαν ἐχαρίτω τὴν μέλλουσαν. ὑπὲρ τούτων ἀπάντων. εὐχαριστοῦμεν σοι καὶ τῷ μονογενεῖ σου υἱῷ. καὶ τῷ πνεύματι σου τῷ ἁγίῳ. ὑπὲρ πάντων ὧν ἴσμεν καὶ ὧν οὐκ ἴσμεν. τῶν φανερῶν καὶ ἀφανῶν εὐεργεσιῶν τῶν εἰς ἡμᾶς γεγενημένων. εὐχαριστοῦμεν σοι καὶ ὑπὲρ τῆς λειτουργίας ταύτης ἣν ἐκ τῶν χειρῶν ἡμῶν δεξιᾶσθαι κατηξίωσας. καί τοι σοὶ παριστήκασι χιλιάδες ἀρχαγγέλων καὶ μυριάδες ἀγγέλων τὰ χειροβίμια καὶ τὰ σεραφίμ ἐξαπτερυγα πολυόμματα, μετάρσια πτερύατα: τὸν ἐπινίκιον ὕμνον ᾄδοντα βοῶντα κεκραγότα καὶ λέγοντα.

Ἐυχῇ κλιν...

Μετὰ τούτων καὶ ἡμεῖς τῶν μακαρίων δυνάμεων δεσποτα φιλάνθρωπε βοῶμεν καὶ λέγομεν. ἅγιος εἶ ὡς ἀληθῶς καὶ πανάγιος. σὺ καὶ ὁ μονογενὴς σου υἱός καὶ τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον. ἅγιος εἶ καὶ πανάγιος καὶ μεγαλοπρεπὴς ἡ δόξα σου. ὅς τὸν κόσμον σου οὕτως ἡγάπησας ὥστε τὸν υἱόν σου τὸν μονογενῆ δοῦναι. ἵνα πᾶς ὁ πιστεύων εἰς αὐτὸν μὴ ἀπόληται. ἀλλ' ἔχῃ ζωὴν αἰώνιον. ὅς ἐλθὼν καὶ πᾶσαν τὴν ὑπὲρ ἡμῶν οἰκονομίαν πληρώσας. τῇ νυκτὶ ἣ παρεδίδοτο μᾶλλον θεῷ ἑαυτὸν παρεδίδου ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς λαβὰν ἄρτον ἐν ταῖς ἀγίαις αὐτοῦ καὶ ἀχράντοις καὶ ἀμωμήτοις χερσίν. εὐχαριστήσας καὶ εὐλογήσας. ἀγιάσας κλάσας, ἔδωκε τοῖς ἀγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις εἰπὼν. Ἐκφώνησις. Λάβετε φάγετε τοῦτο ἐστὶ τὸ σῶμα μου τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλόμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν.

Ομοίως καὶ τὸ ποτήριον μετὰ τὸ δειπνῆσαι λέγων.

Ἐκφώνησις. Πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες. τοῦτο ἐστὶ τὸ αἷμα τὸ τῆς καινῆς διαθηκῆς τὸ ὑπὲρ ὑμῶν καὶ πολλῶν ἐκχυνόμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. Ὁ ἱερεὺς εὐχεται.

Μεμνημένοι τοίνυν τῆς σωτηρίου ταύτης ἐντολῆς. καὶ πάντων τῶν ὑπὲρ ἡμῶν γεγενημένων. τοῦ σταυροῦ. τοῦ τέφρου. τῆς τριημέρου ἀναστάσεως. τῆς εἰς οὐρανοὺς ἀναβάσεως. τῆς ἐκ δεξιῶν καθέδρας τῆς δευτέρας καὶ ἐνδόξου παρουσίας.

Ἐκφώνησις. Ἦν δὲ ἐκ τῶν σῶν σοι προσφέροντες κατὰ παντὰ. καὶ διὰ πάντα.

Изъ Служебника Варлаама Хутынскаго XIII в. Синод. Библіотеки. л. 14—19.

Благодаримъ га . . . мѣтка. таи . . .

Достойно и праведно та пѣти. бл҃гословити. тебе бл҃годарити. тебе кланятися на всякомъ мѣстѣ вѣѣствїа твоего. ты бо іеси б҃ъ не измѣняеши. не домыслиши. некидиши приносиши. тако же сынъ іединоуадыи сїѣ твоеи. и дх҃ъ твой с҃тъи. ты ѿ небытыа ны приведе. ѿнадынаа вѣскр҃сен пакы. не ѿстоиши все творѣ. донѣдеже ны на нб҃о възведе. и цр҃кѣ дарова хотѣице быти. ѿ снх҃ъ всѣхъ бл҃годаримъ та. и іединоуадыи твоеи сїѣ и дх҃ъ твой с҃тъи. и ѿ всѣхъ иже вѣмъ ихъ же не вѣмъ. явленыхъ и не явленныхъ. бл҃годѣянии бывшихъ на насъ. бл҃годаримъ та ѿ сл҃жбѣ сѣи. іеже ѿ роукъ нашихъ приимѣи и де тебе прѣстоахоу тысаица арханг҃лѣ и тмы анг҃лѣ. херокии и серафимъ. шестокрилати. и многоуиити. вѣсх҃тыцаица пѣриата . . .

Побѣдною и нѣ ноюща възопыюща възывлюща и г҃ла . . .

Съ сими и мы вѣшными силами вѣко уаѣкомѣбѣе вѣиѣмъ и г҃амъ. с҃тъ іеси и прѣсѣтъ. и іединоуадыи твоеи сїѣ. и дх҃ъ твой с҃тъи. с҃тъ и прѣсѣтъ. и вѣальнаа слава твоя. иже миръ свои тако възлюбѣи яко сїѣ свои іединоуадыи дати. да всякъ вѣроуѣи вѣи не погыбнѣтъ. но имѣтъ животъ вѣиши. иже приимѣтъ. и все іеже ѿ насъ смотрѣише исполникъ. в ноцѣ в нюже прѣдаишесѣ за мирьскыи животъ. приимъ хлѣбъ с҃тъи своимъ и прх҃тъи и непороушима роукѣа бл҃годаривъ и бл҃гословивъ. ѿсѣи прѣломѣ. вѣда с҃тъи своимъ оуѣеникомъ и аѣломъ рекъ . . .

Принимѣте и ядите се іестъ тѣло моеи лѣимоеи за вѣи во ѿставлѣниѣ грѣховъ . . .

Такоже и чашию по вѣири г҃ла . . .

Пийте ѿ неѣ вси се іестъ кровь моя новаго за вѣта изаиѣиѣмаа за вѣи и за многы во ѿставлѣниѣ грѣховъ . . .

Помниаюѣе оуѣко пѣиѣ сїссною сию заповѣдъ. и всѣхъ за ны бывшихъ. рѣспати. и грѣа. тридѣиѣкѣнаго вѣскр҃ниа. и на нб҃а вѣиствїа. ѿ десною сѣдѣниа. вѣтораго и славноаго пакы прииствїа . . .

Твоя ѿ твоихъ тебе приносѣиѣ ѿ всѣхъ и за всѣ:



Ὁ ἱερεὺς εὐχεται.

ПѠ мѧтѡу. тѧн . : .

Ἐτι προσφέρωμεν σοι. τὴν λογικὴν ταύτην καὶ ἀναίμακτον λατρείαν. καὶ παρακαλοῦμεν σε. καὶ δεόμεθα καὶ ἱκετεύομεν. κατὰπερὶφον τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς. καὶ ἐπὶ τὰ προκειμένα δῶρα ταῦτα.

Καὶ ἀνιστάμενος καὶ σφραγίζων τὰ ἅγια δῶρα, λέγει

Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον, τίμιον σῶμα τοῦ χριστοῦ σου ἀμήν, τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ τούτῳ. τίμιον αἶμα τοῦ χριστοῦ σου ἀμήν. Μεταβαλὼν αὐτὰ τῷ πνεύματι σου τῷ ἁγίῳ ἀμήν. :

Μνήσθητι ἡμῶν δέσποτα ἅγιε. καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπέυχεται.

Ὡστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν. εἰς νῆψιν ψυχῆς. εἰς ἄρεσιν ἀμαρτιῶν. εἰς κοινωνίαν τοῦ ἁγίου σου πνεύματος. εἰς βασιλείας οὐρανῶν πλήρωμα. εἰς παρρησίαν πρὸς σέ. μὴ εἰς κρίμα ἢ εἰς κατάκριμα. ἔτι προσφέρωμεν σοι τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ὑπὲρ τῶν ἐν πίστει ἀναπαυσμένων πρὸ πατρῶν. πατρῶν πατριαρχῶν προφητῶν ἀποστόλων κηρύκων εὐαγγελιστῶν. μαρτύρων ὁμολογητῶν. ἐγκρατευτῶν. καὶ παντὸς πνεύματος ἐν πίστει τετελειωμένου.

Ἐκφώνησις. Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης ἐνδόξου δέσποινης ἡμῶν θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας.

Ὁ ἱερεὺς εὐχεται.

Попѣ. Молѣтѡу. тѧн . : .

Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ. προστάσιαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων. τῷ ἁγίῳ ἐνδόξῳ καὶ πανευφρόνῳ ἀποστόλῳ. τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων. τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατρῶν ἡμῶν καὶ πάντων τῶν ἁγίων τοῦ ἁγίου τοῦ δ. οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. ὧν ταῖς ἱεσείαις. ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ὁ θεός. καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. μνήσθητι Κύριε τὰς ψυχὰς τῶν δούλων σου... θεοδώρας... ἀμφιλοχίου ἱερομοναχοῦ... Ἰωαννικίου μοναχοῦ... Δημητρίου καὶ εἰρήνης. μνήσθητι Κύριε τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου κωνσταντίνου καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς ἐνθα ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου. ἔτι παρακαλοῦμεν σε. μνήσθητι Κύριε πάσης ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων. τῶν ὀρθοτομούντων τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας. παντὸς τοῦ πρεσβυτερίου τῆς ἐν χριστῷ διακονίας. καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος. ἔτι προσφέρωμεν σοι τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ὑπὲρ τῆς οἰκουμένης. ὑπὲρ τῆς ἁγίας καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας. ὑπὲρ τῶν ἐν ἀγνεΐᾳ καὶ σεμνῇ πολιτείᾳ διαγόντων. ὑπὲρ τῶν πιστοτάτων καὶ φιλοχρίστων ἡμῶν βασιλέων. παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῷ, δός αὐτοῖς Κύριε εἰρηνικὸν τὸ βασίλειον. ἵνα καὶ ἡμεῖς ἐν τῇ γαλήνῃ αὐτῶν. ἡρεμον καὶ ἡσύχιον βίον διάγωμεν ἐν πάσῃ εὐτελείᾳ καὶ σεμνότητι.

Ἐκφώνησις. Ἐν πρώτοις μνήσθητι Κύριε τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν δειν.. ὃν χάρισαι ταῖς ἁγίαις σου ἐκκλησίαις ἐν εἰρήνῃ σῶον ἔντιμον ὑγιῇ μακροσημερεύοντα. ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας.

И ꙗще приносимъ ти словесноюю снѡ и бескъвернѡю слоужьбою. и молимъ тѧ и мнѧея дѣемъ и просимъ. ннзъносѧ дхѣ твоѧ стѣн нѧны. и нѧпрѣдѣлѧщѧ дарты снѧ . : . нѠ знаменѧеть дарты перѡе блѡдо. глѧ се.

И створи оубѡ хлѣбо съ утѣноѡ тѣло хл твоѡго . : .

И потомъ ѡишо прѣхрѣтитъ. глѧ се . : .

А ꙗже къ ѡиши сѧи утѣноѡю кровъ хл твоѡго . : .

Ѡбоѡ прѣхрѣтѧ. блѡ. и ѡѧ . : .

Прѣложъ дхѡмъ твоимъ стѣмъ . : .

Глѡ быти приемлющимъ къ бѣдрѡстѣ дѡи. къ ѡпоищеннѡ грѣховъ къ прихлѡстѡ стѡго твоѡго дхл. коцрѣсткѧи исполнѧнѧ. къ дерѣзѡвѧннѡ ꙗже к тебе. не къ соудъ ни ко ѡсоуженнѡ. и ꙗще приносимъ ти словесноюю снѡ слоужьбою. ѡ поуѡвѧннѧхъ къ вѣрѣ. прѡѡишѧхъ. и ѡишѧхъ. патриарсѧхъ. и прѣрѣхъ. аплѣхъ. проповѣднѧцѧхъ. блѡгѡкѡстнѧцѧхъ. постнѧцѧхъ. и всѧкомъ дѣкъ вѣрою сконѡуѡвѧннѡмъ . : .

Издѡдѡно прѣтѧ утѣн прѣблѡсловѧенѧи вѡишѧи нѧшен вѡишѧи и приснодѣѧи и нѧрнн . : .

Стѣхъ и нѡиѣхъ снѧхъ. стѡго и славѧнѡго прѣрѣка и прѣтѣю хрѣтѧтелѧ нѡѧнѧ. и стѣхъ и прѣхѡлѧннѧхъ аплѣ. и стѡго сѡго нѧѧ ꙗго же нѧмѧтъ творнѡмъ. и всѣхъ стѣхъ твоѧхъ. нѧхъ же мѧтѡмѧи посѣти нѧсъ бѣ . : . ѡде помѧни. ѡсѡпѣшѧѧ . : . помѧни всѧ ѡсѡпѣшѧѧ. нѡѧнѧ. ѡнѡноу. ннѡнѡрѧ. кѡпрѣѧнѧ гѡврѧнѧ. ѡнѡноу. ѡрннѡу. ѡ ѡѡноѡннѧи вѡскрѣннѧи жнзѧннѧ вѣѡнѧмъ и поѡнѧи нѡдеже прнсѣѡнѧеть свѣтѣ лиѡѧ твоѡго. и ꙗще молимъ тѧ. помѧни гѡи всѧко епѡѣство. нрѡвѡвѣрнѧхъ прѡѡѡишѧхъ слово твоѡѧи истннѧи. и всѧко прозвѣтерѣство. и днѧѡнѣство ꙗже ѡ хлѣ. и всѧко сѡишѧѣсѧѡго ѡннѧ. и ꙗще приносимъ ти словесноюю снѡ слоужьбою ѡ всѣленѧи ѡ стѣн свѡрнѧи аплѣскѡн црѣѡи ѡ въ утѡтѣ и утѣ жнѡѡишѧхъ. ѡ клѡвѣрнѧмъ и бѡхрѧннѧмъ кнѧзнѧи нѧшемъ. нѧмѧ. и ѡ всѣхъ вѡлѡрѣхъ и ѡ вѡнѧхъ ꙗго. дѧжъ нѧмъ гѡи мнрнѡ клѡѣство. дѧи нѧи въ тннннѧхъ нѧхъ. тнѡго и вѡзѣмѡлѡѡно жнтнѡе жнѡемъ. ко всѧкомъ клѡвѣрѡи и утѡтѣ . : .

Въ перѡѡхъ помѧни гѡи епѡѧи нѧшего. нѧмѧ ꙗго же дѧжъ стѣмъ твоимъ црѣѡѡмъ къ мнрѣ цѣлѧ утѣнѧ сѡдѡѡѧ. долѡдѡѡѣствоѡѡѡѧи и прѡѡѡѡѧи слово твоѡѧи истннѧи . : .

## ЕДИНСТВО КЪРЪ И ПРИЧАСТЬ . . .



Ἐκφώνησις. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς δέσποτα μετὰ παρρησίας ἀκατάκριτως τολμᾶν ἐπικαλεῖσθαι σε τὸν ἐπουράνιον θεὸν πατέρα καὶ λέγειν.

Πάτερ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς ἁγιασθήτω τὸ ὄνομα.

Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα.

Ἐιρήνη πᾶσιν. τὰς κεφαλὰς ὑμῶν τῷ Κυρίῳ κλίνειτε.

Ὁ ἱερεὺς ἔυχεται.

Ἐυχαριστοῦμεν σοι βασιλεῦ ἄρχατε, ὁ τῇ ἀμετρήτῳ σου δυνάμει τὰ πάντα δημιουργήσας καὶ τῷ πλήθει τοῦ ἐλέους σου ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι τὰ σύμπαντα παραγαγὼν, αὐτὸς δέσποτα οὐρανόθεν ἐπιδε ἐπὶ τοὺς ὑποκεκλικότας σοι τὰς ἑαυτῶν κεφαλὰς. οὐ γὰρ ἔκλιναν σαρκὶ καὶ αἵματι. ἀλλὰ σοὶ τῷ φωβερῷ θεῷ. σὺ οὖν δέσποτα τὰ προκείμενα πᾶσιν ἡμῖν εἰς ἀγαθὸν ἐξομάλισον κατὰ τὴν ἐκάστου ἰδίαν χρείαν. τοῖς πλέουσι συμπλευσον. τοῖς ὁδοιποροῦσι συνόδευσον. τοὺς νοσοῦντας ἰάσαι. ὁ ἱατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων.

Ἐκφώνησις. Χάριτι καὶ φιλανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου υἱοῦ. μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ παναγίῳ καὶ ἀγαθῷ καὶ ζωοποιῷ σου πνεύματι. νῦν.

И кѣдѣнѣ роуцѣ. по. реуѣ Гѣ оустѣнѣ мон ѿверзѣннѣ оустѣ моѣ кѣзвѣстѣ хвалоу твою . : .

Πρόσχες κύριε Ἰησοῦ χριστέ ὁ θεὸς ἡμῶν ἐξ ἁγίου κοινητηρίου σου. καὶ ἀπὸ θρόνου δόξης τῆς βασιλείας σου. καὶ ἐλθέ εἰς τὸ ἁγιάσαι ἡμᾶς. ὁ ἄνω τῷ πατρὶ συγκαθήμενος καὶ ὧδε ἡμῖν ἀοράτως συνών. καὶ καταξίωσον τῇ κραταιᾷ σου χειρὶ μεταδοῦναι ἡμῖν τοῦ ἀχράντου σώματος σου καὶ τοῦ τιμίου αἵματος. καὶ οἱ ἡμῶν παντὶ τῷ λαῷ.

Днѣ. конѣмѣ. по. стѣмѣ стѣмѣ. реуѣ. днѣ. прѣстоупѣ кѣ трапезѣ. Многа лѣта ѿѣ бѣ стою и уѣтою и уѣтною твою млѣкоу дароуѣть намѣ на многа лѣта уѣнѣнѣ ѿѣ . : .

И рѣть архѣерѣн. Коуѣно съжнѣкотомѣ вѣшнѣмѣ всегда и нѣ . : .

По п. ломѣ тѣло на. д. частѣ. гѣть. Вѣ прѣломлѣннѣ хлѣба познаста оуѣеника гѣ своѣго. тако и намѣ гѣ дан грѣшнѣнѣкомѣ познати тѣ вѣжнѣннѣ вѣуѣнѣнѣ всегда и нѣ и прѣсно и вѣ . : .

Πρόσχωμεν. τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις.

Πλήρωσον δέσποτα τὸ ἅγιον ποτήριον τοῦτο.

Πλήρωμα πνεύματος ἁγίου ἀμήν. Ἐἵτα βάλλει τὸ ἅγιον ζέον λέγων. ζέσις πλήρης πίστεως πνεύματος τοῦ ἁγίου ἀμήν.

По ѣ прѣже прѣуѣстѣмѣ за сѣ молѣтъ . : .

Вѣ множествѣ грѣховѣ монѣхѣ не ѿверзи мене вѣко бѣ мон. нѣмѣ бо прѣхожю кѣ уѣдѣнѣомѣ и нѣѣомѣ ирѣкѣно. не ѣко же достѣннѣ сы. нѣ на твою козрѣкѣ велѣнѣкоу бѣдѣть сѣно. прѣстѣроу гѣ свѣ. и нѣсѣмѣ достѣннѣ козрѣти на подѣбноу сѣно и дѣхѣнѣноу трапезоу. на нѣнѣже бѣ нашѣ и гѣ іс хѣ ѣдѣноуѣдѣнѣ сѣнѣ. и всею скверною ѿскверѣнѣнѣмѣ. тѣмѣ лежѣти вѣ жѣртѣкоу сѣдроблѣнѣ. тѣмѣ и млѣкоу прѣношю тебе. и прошю ѿставлѣннѣ грѣховѣ дабѣ прѣнѣелѣ оуѣтѣшнѣнѣкѣ. и ѿнѣстѣнѣлѣ грѣховѣ монѣхѣ. сѣнѣнѣнѣнѣ и стѣ дѣхѣ твоѣ. оуѣкрѣпѣлѣмѣ и оуѣтѣрѣжѣмѣ мѣ. да ѿ уѣдѣнѣнѣ сѣнѣ и сѣнѣнѣнѣ жѣртѣвѣ. хвалоу вѣсѣмѣлѣмѣ ѿѣно и сѣноу . : .

И вѣземѣ по. комѣнѣнѣ. и держѣ на роуѣкоу. и прѣхрѣщѣмѣсѣ ѿбѣмѣ роуѣкама. гѣть.

Даждь ми гѣ іс хѣ сѣнѣ вѣнѣ изѣбѣвѣтелю рода уѣбѣуѣсѣкаго. стѣюѣ тѣло твоѣ и кровѣ. не вѣ соудѣ ни во ѿсоужѣннѣ. нѣ во лѣготоу дѣшѣ моѣнѣ. и вѣ жнѣзѣнѣ вѣуѣноуѣ. нѣдеже самѣ жнѣвѣннѣ и ирѣствѣоуѣннѣнѣ сѣ ѿѣмѣ и . : .

кѣзгѣсѣнѣть архѣерѣн.

И спѣдобѣ нѣ бѣко сѣ держѣнѣннѣмѣ не ѿсоужѣнѣно сѣмѣти и прѣзѣвѣати тебе нѣнѣаго бѣ ѿѣнѣ и гѣти . : .

О ѣе нашѣ. кѣзгѣсѣть.

Вѣко твоѣ ирѣствѣнѣе и сѣла . : .

Мнѣрѣ всѣмѣ . : . Гѣлѣвѣ нашѣ гѣнѣ поклѣннѣмѣ . : .

По нѣ. мѣ о тѣнѣ . : .

Вѣгодѣрнѣмѣ тѣ ирѣно некѣдѣннѣнѣ. нѣже безѣмѣрною сѣлою всѣуѣсѣкѣмѣ сѣдѣлѣвѣ. и мнѣжѣсѣтѣомѣ млѣти твоѣкѣ. ѿ не соуѣнѣхѣ вѣ соуѣнѣкѣ всѣ прѣкѣдѣ. тѣ вѣко сѣ нѣсѣе прѣзрѣ на поклѣннѣкѣнѣмѣ тебе гѣлѣвѣ своѣ. не поклѣннѣнѣ бо пѣтѣи и крѣкѣи нѣ тебе стрѣшнѣомѣу бѣоу. тѣ оуѣко вѣко. прѣдѣлѣжѣнѣмѣ всѣмѣ намѣ. вѣ бѣго изѣдрѣнѣнѣ. комоуѣждѣ по сѣоѣомѣу трѣбѣкѣннѣю. сѣ пѣлѣкѣнѣннѣмѣ пѣлѣкѣнѣ. сѣ поуѣтѣшѣсѣтѣоуѣннѣмѣ нѣсѣтѣоуѣнѣ. нѣдоуѣжѣннѣмѣ нѣцѣнѣ. ирѣнѣтелю дѣшѣмѣ и тѣломѣ . : .

Вѣзгѣсѣть. бѣгодѣтѣю и ирѣдрѣтѣмѣи и уѣбѣкомоуѣбѣмѣ ѣдѣноуѣадаго сѣнѣ твоѣго. сѣ нѣмѣ же бѣгѣослѣвѣнѣнѣнѣнѣ сѣ прѣтѣмѣ. бѣгѣмѣ и жнѣвтѣорѣнѣннѣмѣ дѣхѣмѣ твоѣмѣ нѣшѣнѣ прѣнѣ . : .

По. млѣтѣкоу. гѣть. тѣнѣ . : .

Конѣмѣи гѣ іс хѣ бѣ нашѣ ѿ стѣго жнѣнѣцѣа твоѣго. и ѿ прѣстола сѣлѣвѣ ирѣствѣннѣкѣ твоѣго. и прѣдѣи и ѿ стѣи насѣ. нѣже горѣ сѣ ѿѣмѣ сѣдѣнѣ. и сѣе сѣ намѣи некѣдѣннѣмѣ сѣнѣ. и спѣдобѣи держѣкѣноу твоѣю роуѣкоу. подѣти намѣ прѣѣтѣоѣ тѣло и уѣтѣноуѣ твою кровѣ. и намѣи всѣмѣмѣ лѣодемѣ твоѣмѣ . : .

По нѣ. вѣлѣгѣа хлѣбѣ. гѣть . : . Сѣмѣшѣннѣ стѣга тѣла и уѣтѣннѣа кровѣ гѣ нашѣго іс хѣ . : . дѣнѣ. амѣнѣ. вѣлѣнѣи и ѿстѣи ѿѣе уѣшнѣю сѣно . : . по. нѣсполнѣннѣе стѣго дѣхѣ нѣшѣа и прѣсно и вѣ . : .

Клада во оуста. глѣть . : .

Се прикасається оугла оустѣнахъ моихъ да и грѣхы мои ѡчѣстить . : .

Уашню принимаю речеть . : .

Уашню снѣнна приимомъ нма гнѣ призовѣ . : .

И по уашни. тан. речеть . : .

Тѣло и кровь юже приидѣхъ кѣко. дажь да не боудеть ми се въ грѣхъ ни во ѡсоуженіе. нъ на истрѣбленіе грѣхохъ. и на ѡчищеніе днѣи и тѣлоу. яко твою де . : .

И прихачьса. за са. глѣть. по . : .

Боуди мнѣ гнѣ ѡдание грѣхохъ. идеже унстаи и прѣстаи коньма сохъ снѣнна ѡнохъ. тоу бо ницѣ-днѣи же ѡстанеть грѣхъ. мѣрѣни радн. бѣ ѡгнѣ иединицадаго снѣа твоего. въ кѣкы кѣк . : .

Τοῦ δεῖπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον. υἱέ θεοῦ.

Τὰς ὀνομίας μου πάριδε Κύριε. ὁ ἐκ παρθένου.

Ὡς ὁ ἄσωτος υἱὸς ἦλθον χάγῳ οἰκτίρμων.

Ὡς ὁ περιπεσὼν εἰς τοὺς ληστὰς καὶ τετραυμ ...

Ἐκαστος ὅπου σώζεται. ἐκεῖ δικαίως καί.

Καὶ αὐθις λέγει συγχώρησον δέσποτα ἅγιε. καὶ λαβὼν τὸν θεῖον ἄρτον ἐν δεξιᾷ, ποιῶν μετὰ αὐτοῦ σταυρὸν Γ. εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, λέγει. εἰς τὸ ὄνομα τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος. Πίστεύω Κύριε καὶ ὁμολογῶ. ὅτι σὺ εἶ ὁ υἱὸς καὶ λόγος τοῦ θεοῦ ζῶντος ὁ ἐλ.

Ὅτε де μεταλαμβάνη τοῦ θεοῦ ἄρτου ἀσπαζεται αὐτὸν λέγων. Τὸ τίμιον καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος τοῦ θεοῦ δεῖνος Ιερομόναχος εἰς ἀφεσιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον ἀμήν.

Ὅμοίως καὶ εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον. τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ζωοποιὸν αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος.

Καὶ μετὰ τὸ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν λέγει ἡσύχως. Τῆς ἁγίας ἐνδόξου καὶ ἀχράντου σαρκὸς σου Χριστέ μετέλαβον καὶ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σου αἵματος ἡξιώθην ὁ ἀνάξιος καὶ τῆς βασιλείας σου μὴ ὑστερήσης με. εἴτα εἰσκομίζει τὰ ἅγια ἀπὸ τοῦ δίσκου ἐν τῷ ἁγίῳ ποτηρίῳ μετὰ πάσης προσωχῆς καὶ φόβου θεοῦ βληθ .. καὶ τῆς ἁγίας λαβίδος ἐν αὐτῷ. προσέχων ακριβῶς μητι κατελίφθῃ ἐν τῷ ἁγίῳ δίσκῳ τοῦ ἁγίου καὶ φρικωδ... σώματος.

Καὶ αὐθις στραφεὶς πρὸς τὸν λαὸν λέγει ἡσύχως. Μετὰ φόβου θεοῦ καὶ πίστεως, προσέλθετε. εἴτα σφραγίζει πάντας λέγει: σῶσον ὁ θεὸς τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου.

И потомъ. днѣко. вѣземъ уашню глѣть. Съ страхомъ бнѣемъ пристоупнѣте . : .

Лѣіе. влѣгнѣ градъи во нма гнѣ . : .

И покаднѣтѣ трапезоу глѣ . : .

Εὐχὴ μετὰ τῶν ἁγίων μυστηρίων χριστοῦ.

Ἐυχαιστοῦρεν σοι δέσποτα φιλάνθρωπε εὐεργέτα τῶν ψυχῶν ἡμῶν. ὅτι καὶ τῇ παροῦσῃ ἡμέρᾳ κατηξίωσας ἡμᾶς τῶν ἐπουρανίων σου καὶ ἀθανάτων μυστηρίων. ὀρθοτόμητον ἡμῶν τὴν ὁδόν. στήριξον ἡμᾶς ἐν τῷ φόβῳ σου τοὺς πάντας. φροῦρησον ἡμῶν τὴν ζωὴν. ἀσφάλισται ἡμῶν τὰ διαβήματα. εὐχαῖς καὶ ἱκεσίαις τῆς ἁγίας ἐνδόξου θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων:

Ἐψώθητι ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς ὁ θεὸς ἡμῶν καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου.

Εὐλογητὸς ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων πάντας.

Ἐκφων. Πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Πληρώθητω τὸ στόμα...

Καὶ μετὰ τὸ ὑποστρέψαι. λέγει.

Ὅρθοι μεταλαβόντες τῶν θείων ἁγίων ἀχράντων ἀθανάτων ἐπουρανίων ζωοποιῶν φρικτῶν τοῦ χριστοῦ μυστηρίων ἀξίως εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ.

Ἀντιλαβοῦ σῶσον ἐλέησον καὶ διαφύλαξον ἡμᾶ ὁ θεὸς τῇ σῇ χάρι.

Вѣзнесица на нѣса бѣ и по всен земли слава твою . : . по вѣзъглѣ . : . ксегда и нына и прѣ.

Днѣ. по переносѣ . : .

Прости приимъи . : .

Застоупи снѣи помн . : .

Томъ III.

ΠΘ. ΜΛΤΒΟΥ ΤΑΝ . : .

Блгодаримъ тѣ кѣко улѣколюбъе блгодателю днѣамъ нашимъ. яко и въ настоуцини днѣи снѣдобнѣи ны иесн. нѣснѣхъ твоихъ и бесмертѣхъ твоихъ. нспраки нашѣ похъ. снѣи ны въ страхъ твоємъ вса. съемодн жнкотъ нашѣ. оутверди наша стопы. млткми и молѣннѣемъ стѣи и славыиѣи вѣи и приснодѣиѣи ма-риѣи. и всѣхъ стѣи твоихъ.



Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τέλειαν ἁγίαν εἰρηνικὴν καὶ ἀναμάρ- ДНЬ ВСЯКЪ СВЕРШЕНЪ . . .  
τητον αἰτησάμενοι ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν χριστῷ τῷ θεῷ παραθῶμεθα.

Ἐκρ. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμός ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν, ἀναπέμπομεν τῷ πατρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι  
νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

КАКО ТЫ ЕСИ СТИИ НАША . : .

Ἐν εἰρήνῃ προσέλθωμεν. τοῦ κυρίου δεηθῶμεν.

В ИМЕНЕ ГИИ . : .

Господоу помолнмъся : : лю. Господи помилуѣни : :

Εὐχὴ οπισθάμβωτος.

Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντας σέ Κύριε . καὶ ἀγιάζων  
τοὺς ἐπὶ σοὶ πεποιθότας , σῶσον τὰς λαὸν σου καὶ εὐλό-  
γησον τὴν κληρονομίαν σου . τὸ πλήρωμα τῆς ἐκκλησίας  
σου φύλαξον . ἀγιάσον τοὺς ἀγαπῶντας τὴν εὐπρέπειαν τοῦ  
οἴκου σου . σὺ αὐτοὺς ἀντιδόξασον τῇ θεϊκῇ σου δυνάμει .  
καὶ μὴ ἐγκαταλίπης ἡμᾶς τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ . εἰρήνην  
τῷ κόσμῳ σου δώρησαι ταῖς ἐκκλησίαις σου . τοῖς ἱερεῦσι .  
τοῖς βασιλεῦσιν ἡμῶν . τῷ στρατῷ . καὶ παντὶ τῷ λαῷ σου .  
ὅτι πᾶσα δόσις ἀγαθῇ . καὶ πᾶν δώρημα τέλειον , ἄνωθεν  
ἐστὶ καταβαῖνον ἐκ σοῦ τοῦ πατρὸς τῶν φώτων . καὶ σοὶ τὴν  
δόξαν καὶ εὐχαριστίαν καὶ προσκύνησιν . ἀναπέμπομεν . τῷ  
πατρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι , νῦν καὶ ἀεὶ αἰ

ДѢЙ ВСАКЪ СВЕРШЕНЪ . . .

**Съ миромъ изидеть.**

ПОПЪ. МЛѢВОУ. ЗАМБОНЬНОУЮ . : .

Бл҃гѣи бл҃гословаѣиѡ тѣ тѣ. и стѣ на тѣ оуно-  
ваѡщиѡ. сѣси люди своѣ. и бл҃гѣи достоѣннѣ твоѣ.  
нѣсполнѣннѣ цѣкѣе твоѣѡ сѣрѣи. стѣ любаѣиѡ бл҃го  
лѣпотоу домоу твоѣѡ .ты ѡ вѣспрослѣи бж҃твѣноу  
твоѣѡ снлоу. и не ѡстави нѣсѣ бѣ оуповѣѡщихъ на  
тѣ. мнрѣ всемоу мироу твоѣмоу дароуи. цр҃кѣиѡ  
твоимъ и сѣринкомъ. и бл҃гоуверномоу кнѣзю нашѣмоу.  
нѣмѣ. воѣмъ и всѣмъ людемъ твоимъ. ѡко всѣко да-  
ннѣ бл҃го. и всѣкѣ дарѣ свершенѣ. съвѣиѣ ѡестѣ съ  
ходѣи ѡ тебе ѡцѣ свѣтомъ. и тебе славоу и бл҃го-  
дарѣннѣ, утѣ и поклонѣннѣ вѣсѣлѣи . . .

Чтеніе и обьясненіе снімка.

Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλου νηθεσία πρὸς τοὺς ἱερεῖς.

Πρόσεχε σεαυτὸν ὡς ἱερεῦ. καὶ οἷς μέλλεις διδάσκειν. καὶ βλέπε τὴν διακονίαν ἣν παρέλαβες. ἵνα αὐτὴν πληρεῖς. οὐ γὰρ ἐπίγειον διακονίαν ἐνεχειρίσθης, ἀλλ' οὐρανίον. οὐκ ὀνθρώπων. ἀλλὰ ἀγγέλων. σπουδάζε σεαυτὸν παραστῆσαι τῷ Κυρίῳ ἐργάτην ἀνεπαίσχυντον. ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς ἀληθείας. μηδέποτε στῆς εἰς σὺνάξιν ἔχων ἑλθράν κατὰ τινος. ἵνα μὴ φυγαδέυσῃς τὸν παρὰ κλητον. ἐν ἡμέρα συνάξεως. μὴ δικάζου. μὴ φιλονίκῃ καθόλου. ἀλλὰ κρυπτόμενος προσεύχου καὶ ὀνατίνε κε μέχρι τῆς ὥρας. καὶ οὕτω παράστα ἐν κατανύξει τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ. μὴ περιβλεπόμενος. μὴ σπουδῇ τὰς εὐχὰς συντέμνων. μὴ λάμβανε πρόσωπον. ἀλλὰ ὅρα τὸν προκείμενον βασιλέα. μὴ ὑποκρινόμενος μεταδότης τὸ θεῖον σῶμα ὅπου οὐ χρῆ. σεαυτὸν ἄξιον ποιήσον τῶν ἱερατικῶν κανόνων. μὴ συλλειτουργεῖς οἷς ὁ κανὼν ἀπώθεται. ὅρα οὖν πῶς παριστας. πῶς ἱερουργεῖς. πῶς καὶ τίσι δίδως. καὶ πῶς καταστέλλεῖς ὅρα μὴ ἐπιλαθῇ τῶν δεσποτικῶν ἐντολῶν, αἱ φασί. μὴ δότε τὰ ἁγία τοῖς κυσί, καὶ τὰ ἐξῆς. ὅρα οὖν μὴ φόβω ἀπαχθῇς ἀνθρώπου. μὴ παραδὸς τὸν υἱὸν τοῦ θεοῦ εἰς χεῖρας ἀναξίων. ὅρα μὴ ἐντραπῆς τοὺς ἐνδόξους τῆς γῆς. μηδὲ αὐτὸν τὸν τὸ διάδημα περικείμενον πτοηθῇ... ἐν τῇ ὥρᾳ ἐκείνῃ. βλέπε τοὺς βουλομένους δωρεὰν λαμβάνειν ἐν τοῖς οἴκοις, πῶς δίδως. ἐγὼ πρᾶγμα οὐκ ἔχω. σὺ ὄψῃ. ὅρα οὖν οἷς οἱ θεῖοι κανόνες οὐκ ἐπιτρέπουσι, μὴ μεταδίδως. ὥς οἱ ἐθνικοὶ γὰρ ἐλογίσθησαν. καὶ πρὶν ἐπιστρέψουσιν, οὐαὶ οἱ μεταδίδοντες αὐτοῖς. βλέπετε οὖν καὶ ὑμεῖς μὴ μετέχοντες τῆς θείας ἱερωσύνης τοὺς ἱερεῖς, καὶ ἀνακρίνειν. ἀλλὰ ἀκούετε αὐτῶν νηνεχῶς καὶ μετὰ φόβου θεοῦ. ὅρα οὖν ὁ ἱερεῦ. μὴ μῦς ἢ ἄλλο τι ἄφηται τῶν θείων μυστηρίων. μὴ ἐξ ἀμελείας σου νοτισθῇ ἢ καπνισθῇ ἢ χειρισθῇ. ὑπὸ ἀνιέρων. ταῦτα καὶ τὰ ὅμοια φυλάττων, καὶ σεαυτὸν σώσης καὶ τοὺς ἀκούοντας σου.

Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ.

Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν αὐτὸς ὑπάρχων Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν. ὁ πληρώσας πᾶσαν πατρικὴν οἰκονομίαν. πληρώσον χαρὰς καὶ εὐφροσύνης τὰς καρδίας ἡμῶν. πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

М<sup>о</sup>. ПОТРЕБИТИ ХОТАЩИ . ; .

Исполнѣніе законоу пророкомъ ты іеси хе бѣ нашъ.  
исполнѣнъ всяко ѡубокоіе смотрѣніе. исполни насъ  
дха стго твоего. всегда и нынѣ : . :

Ἔτους 2014. (1306 Γ.) Ἰνδικοπιώνος Δ. Μετὰ ἰουλίω.

## Заглавныя фигурныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἐνεχειρίσθης, ἀληθείας. ὀπισθάμβονος.

Слова съ титлами и сокращенія: Πατρί πνεύματι. Κύριε. Ἀντιλαβοῦ διαφύλαξαι. ποτηρίῳ τῆς προσέχων. ἐκφώνησις. δόξαν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀνιέρων ἄφεσιν διαφύλαξον. ε., ἱερεῦσι ἀναπέμπομεν. ἐπί. ν., ἐπουρανίων. σ., τὰς σε πίστει. τ., μετὰ.

### III. Сочиненія Нравственнаго содержанія, содержащія въ себѣ сначала: Діоптру или Зерцало,

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 116-мъ.

Длина пергамина . . . . .	5 <sup>1</sup> / <sub>8</sub> в.
Ширина . . . . .	3 <sup>7</sup> / <sub>8</sub> „
Къ корешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub> „
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 „
Къ верху . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub> „
Къ низу . . . . .	1 „

Пергамень съ большими поврежденіями по краямъ и пожелтѣлъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 220. листахъ. Заглавія и заглавныя буквы не фигурныя коричневаго цвѣта. Колеръ чернилъ темный и темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 25-ть. Помѣта тетрадей на верху въ углу съ правой стороны.

л. 1—183. Разговоръ души съ тѣломъ Іоанна Монаха и пресвитера и Михаила Хоніота.

л. 183 об. — 198. Τοῦ οσίου πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ θεοδώρου διδασκαλίας διαφόραι πρὸς τοὺς ἑαυτοῦ μαθητάς. ἀναχωρήσαντος αὐτοῦ, ἐκ τοῦ ἀββᾶ σερεθίου. καὶ τὸ ἴδιον σὺν θῷ συστησάμενος μοναστήριον. κατὰ τὴν ἀββᾶ ἰωάννου τοῦ προφήτου τελευταίην τοῦ ἀββᾶ βαρσανουφρίου.

Начало: Ἐν ἀρχῇ ὅτε ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον. ἔθετο αὐτὸν ἐν παραδείσῳ.

л. 198—205. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ταπεινωφροσύνης. Начало: Ἐπεὶ τίς τῶν γερόντων. πρὸ πάντων χρῖζομεν τῆς ταπεινωφροσύνης.

л. 205 об. — 207 об. Πρόλογος ψυχοφελῆς. τοῦ ἐν ἀγίοις πρὸς ἡμῶν ἰωάννου τοῦ θεολόγου. (Zonaras Muralt). Начало: Τοῖνυν ἀδελφοὶ σκοπῶ τὸν σκοπὸν ἀποθέμενοι. τῷ θεοφώρῳ πρὶ καὶ ἀρχηποιμένη γρηγορίῳ τῷ θελόγῳ.

л. 207 об. — 212 об. Πολιτικὸς διακείμενος χαίρει τῷ διδασκάλῳ. Начало: Ὁ φίλος ὁ εὐχάριστος, ὁμιλεῖ κύνᾳ ἀχρεῖστον.

л. 212 об. — 213 об. Κυκλὸς ζωδιακός.

л. 213 об. — 219. Ιατροσόφην ἐκ τοῦ γαληνοῦ εἰς πᾶν εἶδος ὑφέλημων... Начало: Περὶ καψίδος...

### Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ИЗЪ РАЗГОВОРА ДУШИ СЪ ТѢЛОМЪ ІОАННА МОНАХА И  
ПРЕСВИТЕРА И МИХАИЛА ХОНИОТА.

л. 1. Πῶς κἀθ' ἡ πῶς ἀμεριμνῆς πῶς ἀμελεῖς ψυχῆ μου. πῶς οὐ φροντίζεις τῶν κακῶν. ὧν ἔπραξας ἐν κόσμῳ. καὶ μόνην τὴν μετάνοιαν περὶ πολυποιῆσαι καὶ σπουδάζεις ἀλιθινήν. ἐπιδείξασθαι ταύτην. καὶ ἐρωτᾷς περὶ αὐτῆς. ἐν πολλῇ παρακλήσει. πρᾶς δικάσκαλους τε ποιμένας σωφοτάτους. καὶ ἀκριβῶς ἀνευρὰς πῶς αὐτὴν κατορθώσεις. καὶ πῶς ἰσχύσεις διαυτῆς, θυ φιλανίαν. λαβεῖν μεγάλην ἄφρῃ τῶν πολλῶν σου σφαλμάτων ψυχῇ ἀμετανόητε, τί οὐκ ευθυμῇ τὴν κρίσιν. τί οὐ μελετᾷς ἀπόκρισιν περὶ τοῦ ἐκείνου κοσμου: τί οὐ μελετᾷς τὸν θάνατον. πᾶς μελλεῖς ἀποθνήσκειν. καὶ πῶς ἀπο τοῦ л. 1. об. σάματοῦ. εσ...<sup>1)</sup> ψυχῇ πολλὰ κακὰ ἐπρα.... βίω: καὶ σε αὐτὴν.... ἁμαρτίαν. ἐλθόντων. . . . . λων τοῦ σου Κριτοῦ: θελον. . . . .

ИЗЪ КНИГИ: ДІОПТРА—ЗЕРЦАЛО, 1493. ГОДА.

Кирилло-Бѣлоозерской Гибліотеки № <sup>14</sup>/<sub>1091</sub>.

л. 5. Плуєве н рыданїа, многа грѣшна. нмже спирашеса къ дхнн свон сѣко нєркѣ стїховк: тѣ. Како съднши како не пєуамєши како нєраднши дшє моѣ. како не пєуєшиєса ѿ злѣ. кжє съднѣ къ жн-тнн. н єдннѣ поканїє ѿ мнозѣ творнши єн. н тїрн-шнєса истнннѣ показати то. н конрпашєнї л. 5. об. ѿ сѣ со мнозѣмъ молєнїѣ ѿпѣ н охчѣла жє. н па-стырѣ мохдрѣнннѣ. н ѿнаєнѣ нспытѣєши како сє нсправннши. н како козможєши с нмѣ бїѣмъ усло-кѣколюбнємѣ. прїати кєлнє оставлєннє многнм тн соєлазнѣмѣ. дшє нєпоєкѣннѣ. утѣ не помышлєннн сѣдѣ. утѣ не поохчѣєннєса. ѿкєтѣ, єкє ко ѿномѣ мнрѣ. утѣ не пєуєннєса ѿ смѣртн. како хощєши ох-

<sup>1)</sup> Уголь у пергамина очень намоченъ былъ текстъ отъ этаго слиялъ весь.



σει σέ, τοῦ κόσμου τοῦ προσκαίρου . . . οὐαὶ οὐαὶ σοι ταπεινῇ, ἃν ληφθῇς ἀμελοῦσα: ἀνεξαγόρευτος λοιπὸν, τοῖς πράκτωρσιν ἐκείνοις: δεινὸν τὸ ψυχράγημα, καὶ ὁ ἐντεῦθεν κλόνος: πολὺ δὲ χαλεπότερα, ἢ στέρωσις ἢ τότε: ἡνίκα σε κυκλώσῃσιν, γύρωθεν τοῦ κραββάτου: οἱ σύγγενεῖς οἱ φίλοι, οἱ ἀδελφοὶ καὶ γνωστοὶ σου: καὶ κλαίουσιν ὀδύρονται, θρηνοῦσιν οἱ παρόντες: ἰδόντες ὡς ἀποδημῶν. οὐδαμῶς ὑποστρέψης: σὺ δὲ ψυχὴ μου βλέπεις μὲν, τὸν κλαυθμὸν τὸν(—οὗς) θρηνον(—οὗς) σαρκοδεστέροις ὀφθαλμοῖς λοιπὸν βραχὺ δοκοῦσιν φθιέζεσθαι τέ, οὐδὲ πῶς σχεῖν τὸ πένθος. οὐδὲ παραμυθίσασθαι, τῶν φίλων σου τὴν λύπην: ἀλλὰ πρὸς μόνους ἔχεις σου, τὸ βλέμμα. τοὺς ἀγγέλους: παρακαλεῖσθαι κατανοοῦν παράκλησιν μεγάλην. . . . .  
 Л. 2. . . . . πῶς μετανοήσω. . . . .  
 . . . αφετε. ἄλλον γοῦν . . . . . καὶ διὰ φυγεῖν, . . .  
 . . . . . να κλάσω μου . . . . . ματα, ἃ κακῶς ἐργασάμην: φιλάωνος ὁ κς, καὶ Ἰσος ἐλεῆμε: εκτοτε δε λαβόντες με, το κελευθὲν ποιῆται: τότε ψυχὴ μου λέγουσιν ἀσυμπαθῶς ἐκείνοι: ὁ χρόνος σου πεπλήρωται, ἔζηθι τοῦ σαρκίου: ὁ δικασθεὶς προσέταξεν, ὁ φοβερός ὁ μέγας: ἵνα σε μεταστήσωμεν, ἀπὸ τοῦ κόσμου τούτου: τοὺς χρόνους ὅλους ἔζησας, ἐν πάσῃ ἀμελεῖα: ἐν ἀναπαυσῇ καὶ τρυφῇ, τούτους ἐκδαπανῶσα: ὥρας οὐκ ἐμνημόνευσας, ποτὲ τῇ τοῦ θανάτου: νῦν ὅτε σε λαμβάνωμεν, ἐμνήσθης μετανοίας: πάντος ὃν ὑπεμίμνησκον, πᾶσαι γραφαὶ σέ πάντα: ἃ μέλει μετὰ θάνατον, συμβαίνειν σοι ἀθλία: οὐ καθ' ἐκάστην ἐβλεπες. ὅμως τοὺς τελευτόντας. ἀρπαζομένους ἐκ τῆς γῆς, γέροντας τε καὶ νέους: Л. 2 об. πῶς οὖν οὐ μετανόησον τῷ παρελθόντι χρόνῳ: ἔπου λοιπὸν ἀπέλθομεν ἄρτι πρὸς τὸν δεσπότην. τὸν σόν τε καὶ ἡμέτερον δημιουργὸν καὶ πλάστην: τότε δὴ συνχωρίσθησα, ἐξ αὐτῶν τῶν ὀνύχων: ἐκ πάσης ἀρμονίας τε, ἐξ ὅλης τῆς σαρκός σου. παραλαμβάνει διστιμῶς, τοῖς φοβεροῖς ἀγγέλοις: οὐ παίδων τότε οὐ γυναικός, φροντίζεις ὧς ψυχῇ μου: τὴν κρίσιν μόνον δέδηκας τὴν ψῆφον ὑποτρέμης: ὁπίαν ἄρα δώσει σοι ὁ δικαστὴς ἐκδίκως: ποῦ τιναυῖα χρήματα, καὶ πλοῦτος: ποῦ συγγενεῖς ποῦ ἀδελφοί, ποῦ γονεῖς τε καὶ φίλοι: οὐδεὶς ἐκ τούτων δύναται ψυχὴ μου βοηθεῖν σοι:  
 дасть тебе сядъ. и в правдѣ ѿбѣтъ. гдѣ тогда имѣнна и стажання. и бѣгѣство и сродници. гдѣ братна гдѣ роднтелѣс и дрѣзи. никто же ѿ сихъ днѣ моѣ можетъ помочи ти.

мѣрѣ. и како ѿ тѣлѣ ѿлѣгнѣтсѣ. днѣ много зла со-  
 дѣлаа еси в сѣтнѣмъ жити сѣ. и себе самѣю ѿс-  
 квернѣла еси во всякоу грѣсѣ. пришеѣнѣи оубо страш-  
 нымъ ангѣламъ сядѣ твоего. хотѣиѣи тѣ прѣставиѣнѣи ѿ  
 мира кременнаго. горе горе тебе смиреннаа. аще по-  
 ата вѣдени и нерѣдѣни. и безѣ исповѣдѣнна сѣи  
 проуеѣ прѣставниѣи ѿнѣмѣи. люто доуши Л. 6. ѿдѣ-  
 ленне. и еже ѿсюдоу тренѣтъ. много же лютеѣше  
 оутѣшенне тогдаѣше. вѣгда тѣ ѿбѣдѣтъ. ѿкрѣтъ  
 одра твоего. сродниѣи и зрѣтѣа. дрѣзи и зѣлѣмѣи  
 твоѣи. и плачѣють и рыдають сѣтъѣиѣе. пришеѣне и  
 вѣдѣиѣе ѿко ѿхода. никѣко же возвратѣнѣнѣсѣ. ты же  
 днѣ моѣ зрѣиши оубо плачѣ и рыданне. вѣшатѣи же ни-  
 что же можѣши. ни оудержати плачу. ниже оутѣшѣнѣи дрѣ-  
 зѣнѣи твоѣа пѣчалѣ. по тоуѣю ко ангѣламъ имѣиши скѣе зрѣ-  
 нѣе. молиѣи же сѣ ко оумѣ. молюбоу великоу. ѿставиѣи ма  
 ангѣлѣи, ѿко да покаюсѣа. оуѣнедрѣиѣи и ѿставиѣи. дрѣгоѣ  
 поѣе едиѣно лѣто пожитѣи. и оубѣгнѣти страха смѣртѣаго.  
 ѿко да и согрѣшенѣи сконхѣ плачуѣсѣа. ѿже злѣ сѣ-  
 дѣхѣхъ ѿлѣколюбѣнѣе еѣтъ бѣ еда помѣлѣтъ ма потоѣмъ поѣи-  
 нѣ ма повелѣнѣиѣе сотвориѣи. тогда днѣ моѣ глѣють немѣ-  
 лѣнѣиѣи ѿнѣи, лѣта твоѣи сконѣалѣсѣа еѣтъ. ижиѣи ѿ плѣти,  
 сѣдѣи повелѣлѣ еѣтъ. страшѣиѣи. и велиѣиѣи. ѿко да тѣ прѣ-  
 ставѣнѣи ѿ мира сѣго. лѣта всѣа ижиѣа еси. коу всѣакомѣ не-  
 бреженѣиѣи. в поѣон и в питѣиѣи сѣхѣ истоѣиѣиѣи. и  
 уѣсѣа не помѣлѣла еси ниѣкогда же смѣртѣаго. иѣѣ же  
 егда поѣмѣмѣ тѣ помѣноу покаѣнѣе. вѣдѣ во по-  
 каѣнѣиѣи всѣа, воспомѣнѣиѣи ѿ всѣхѣ ѿже хотѣтъ. по  
 смѣртѣи сѣлѣгнѣтсѣа оѣаѣнѣа. не наѣиѣи жѣдоѣи дѣнѣ зѣлѣ-  
 нѣе ѿбаѣе оуѣмѣрѣиѣиѣи. восхѣиѣмѣиѣи ѿ зѣмѣлѣа. ста-  
 рыѣа и оуѣныѣа. како оубо не покѣшѣнѣсѣа, в мѣиѣиѣиѣи  
 шѣе вреѣмѣа. послѣдѣиѣи проуеѣе. поѣдѣмѣ иѣѣ ко кѣиѣ  
 твоѣмѣ же Л. 7. и наѣмѣу. сѣздѣатѣлю и творѣю.  
 тогда же ѿдѣлѣнѣнѣсѣа ты ѿ тѣхѣ самѣхѣ поѣтѣи. ѿ  
 всѣхѣ кѣстѣи же и сѣстѣвѣи. и всѣа плѣти. твоѣа. по-  
 ата бѣвѣаѣшѣа. зѣлоѣаѣиѣиѣи страшѣиѣиѣи аѣнѣгѣлѣи, не ѣа-  
 ды тогда ни жѣноу поѣеѣшѣнѣсѣа днѣ моѣ. сѣдѣа то-  
 уѣю бѣиѣнѣсѣа, и оѣсѣженѣиѣа трѣпѣѣиѣиѣи. какоѣѣ оубо

# Чт е н и е и о б ѣ я с н е н и е с н и м ѣ а.

Л. 105 об. Διάλεξης σώματος καὶ ψυχῆς. οἱ τοιαῦτα διήγησής. περὶ τοῦ λόγου σάρξ.

Ἰδοὺ τὴν πνεῦσις ἤκουσας. σὺν ἅμα καὶ τὴν φράσιν: περὶ τῆς ἀναστάσεως. τοῦ δόγματος κυρία: τῶν σοφιστά-  
 των μὲν ἀνδρῶν. καὶ ἀγίων ἐκείνων· λειπὸν ἀπεταδόξαντα ἐπὶ τοῖς εἰρημένοις.

Л. 219. Γένοιτο σωτῆρ μὲ σωτηρία γένοιτο. Θεοτόκε καθαρὲ καὶ Θεοῦ παρὰστάτα εὐχ... τῆς γραφῆς τὸν ἐρ-  
 γάτην. Ἐγράθη ἐπὶ ἔτους 868. (1318 г.) ἰνδίκτιωνος ᾠ.

Слова съ знаками препинанія: τέλειαν μου: ὧδε:· Слово съ титуломъ: οὐρανοῦ. Нѣкоторыя буквы  
 въ связи съ другими: α., ἀγίων. ε., ἐξ. ἀπόδειξης, ἀλλοιώσεως. ν., οὖν. σ., ἀκμαστὴν γίνεσθαι. τ., μετὰ  
 μέτρον... Скорописная азбука.

## IV. Евангеліе (Апракосъ — недѣльное),

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 20-мъ.

Длина пергамина . . . . .	6	в.
Ширина . . . . .	4 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ корешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub>	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ верху . . . . .	<sup>3</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ низу . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.

Пергамина выдѣланъ хорошо; но мѣстами отъ времени пожелтѣлъ и поврежденъ.

Писано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 222-мъ листахъ. Заставки и заглавныя буквы довольно фигурны писаны просто чернилами и коричневою краскою. Заглавія писаны уставомъ и краскою свѣтло-коричневою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей внизу близъ корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ настраницѣ 27. Евангеліе недѣльное полное, т. е. есть Евангелія послѣ пятидесятницы и дневныя кромѣ субботнихъ и недѣльныхъ. Ни начала ни конца нѣтъ, и въ срединѣ листы перебиты.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Τ ἡ δ̃. τῆς ἀποκρέω. ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον.

Тѡ кайрѡ ἐκείνѡ . λαλοῦντος τοῦ Ιϋ πρὸς τοὺς μαθη-  
τάς. παραγίνεται ἰούδας ὁ ἰσκαριώτης εἰς τῶν δώδεκα καὶ  
μετ' αὐτοῦ ὄχλος πολὺς μετὰ μαχαίρων καὶ ξύλων. ἀπε-  
στάλμενοι л. 111 об. παρὰ τῶν ἀρχιερέων καὶ γραμμα-  
τέων καὶ τῶν πρεσβυτέρων. δεδῶκεи δὲ ο παραδιδοῦς αὐ-  
τὸν σύσσημον αὐτοῖς λέγων. ὃν ἂν φιλήσῃ αὐτός ἐστι κρα-  
τήσατε αὐτὸν καὶ ἀπαγάγετε ἀσφαλῶς καὶ ἐλθὼν εὐθέως  
προσελθὼν αὐτῷ, λέγει. χαῖρε ῥαββὶ ῥαββὶ καὶ κατεφίλη-  
σεν αὐτόν. οἱ δὲ ἐπέβαλον ἐπ' αὐτὸν τὰς χεῖρας αὐτῶν. καὶ  
ἐκράτησαν αὐτόν. εἰς δὲ τίς τῶν παρεστηκότων σπασάμενος  
τὴν μάχαιραν. ἔπαισε τὸν δοῦλον τοῦ ἀρχιερέως. καὶ ἀφεί-  
λεν αὐτοῦ τὸ ὠτίον†. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ 'Ις εἶπεν αὐτοῖς†.  
ὥς ἐπὶ ληστὴν ἐξήλθετε μετὰ μαχαίρων καὶ ξύλων συλ-  
λαβεῖν με; καθ' ἡμέραν πρὸς ὑμᾶς ἦμην ἐν τῷ ἱερῷ διδάσ-  
κων καὶ οὐκ ἐκράτησατε με†. ἀλλ' ἵνα πληρωθῶσιν αἱ  
γραφαὶ† καὶ ἀφέντες αὐτόν ἔφυγον. καὶ εἰς τίς νεανίσκος  
ἠκολούθησεν αὐτῷ περιβεβλημένος σινδόνα ἐπὶ γυμνοῦ. καὶ  
κρατοῦσιν αὐτόν οἱ νεανίσκοι† ὁ δὲ καταλιπὼν τὴν σινδόνα.  
γυμνὸς ἔφυγεν ἀπ' αὐτῶ† καὶ ἀπήγαγον τὸν Ιν̄ πρὸς τὸν  
ἀρχιερέα. καὶ συνέρχονται αὐτῶ л. 112. πάντες οἱ ἀρχιε-  
ρεῖς καὶ οἱ πρεσβύτεροι καὶ οἱ γραμματεῖς. καὶ ὁ πέτρος  
ἀπὸ μακρόθεν ἠκολούθησεν αὐτῷ ἕως ἔσω εἰς τὴν αὐλὴν  
τοῦ ἀρχιερέως† καὶ ἦν συγκαθήμενος μετὰ τῶν ὑπηρετῶν  
καὶ θερμαινόμενος πρὸς τὸ φῶς†. οἱ δὲ ἀρχιερεῖς καὶ ὅλον  
τὸ συνέδριον. ἐζήτουν κατὰ τοῦ Ιϋ μαρτυρίαν. εἰς το θανα-  
τῶσαι αὐτόν καὶ οὐχ εὐρίσκον. πολλοὶ γὰρ ἐφευδομαρτύ-  
ρουν κατ' αὐτοῦ† καὶ ἵσαι αἱ μαρτυρίαι οὐκ ἦσαν†. καὶ

Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія Митро-  
полита XIV в. л. 24 и 24. об. а.

Еще емѹ гл҃цю. приходѣ ꙗѹда. едѣ сын ѿ. ки. ꙗ  
с нѣ нарѣ мно. с ножн. и дрѣксы. ѿ ар҃ерѣи. и кнѣ-  
жи. ꙗ старѣ. дастъ преданъ его знамѣе ꙗ гл҃а. егѡ  
л. 24. б. мре лобзю. то ѣ. ѣмѣте ѣ. ꙗ ведѣте твер-  
дѣ. ꙗ прише ѡе прѣстѣнѣхъ кнемѣ гл҃е емѹ. равкѣ равкѣ и  
облобыза и. онѣ кзложѣна нѣ рѣкѣ своѣхъ. ꙗ кша и  
едѣ же нѣкто престокиѣ. ѣзмѡ (sic) нѡ здарѣ раба  
архїереова. ꙗ оуѣза емѹ оуѣ . . . ꙗ ѡкѣнѣ ꙗс рѣ ꙗ.  
ѡ на разбойника ѣзмѡстѣ. с ножн. ꙗ дрѣксы кшн мѣ.  
но кш днн кѣ прѣкѣ к прѣкѣ оуѣ ꙗ не кште мене.  
но да исполнѣтѣ ншлѣ. ꙗ оставашне ѣ кш кѣжаша. и  
едѣ нѣкто оуѣноша. послѣдовашне емѹ одѣ. нѣцѣн-  
нѣцею по нагѹ. и нѣмѣ ꙗго оуѣноши. онѣ оставѣ нѣ-  
цѣннѣцю. нѣ кѣжа ѿ нѣ . . . и кѣноша ꙗсѣ ко ар҃ерѣю.  
ꙗ сходаѣ к нѣмоу кшн архїерѣи. ꙗ старѣи. ꙗ кнѣжѣи:  
а нѣ. ѡдалѣѣ послѣдовашне емѹ. до кнѣтрѣ двора ар҃е-  
реова. ꙗ кѣ сѣѣда с слѹгамѣи. ꙗ грѣкѣ прѣ кѣѣтѣ. архї-  
ерѣи же. и кѣ сѣѣдалѣре. ꙗскаѹ на ꙗсѣ свѣдѣтѣствѣ.  
да оуѣморѣ его. ꙗ не обрѣтѣ. мнози бо нѣже свѣдѣтел-  
ствовахѹ нѣ. ꙗ равкѣ свѣдѣтѣствѣ не кѣнѣ и нѣцѣи  
кѣставашне. нѣже свѣдѣтелствовахѹ нѣ гл҃ѣс. ѡ мѣ. слы-  
шѣхѡ и гл҃ѣа. ѡ а разорѣо цр҃кѣкѣ снѣо рѣкоткорензю.  
и ꙗ. мн дѣѣмѣ ннѣ нерѣкоткоренз сзѣжю. ꙗ нн сн-  
цѣ равкѣ кѣ свѣдѣтѣствѣ ꙗ. ꙗ кѣтѣ архїерѣи на срѣ.  
кѣравашне ꙗсѣ гл҃а. не ѡкѣнѣшн лн ннѣтѣ. ѹто сн на  
тѣ свѣдѣтелствѣѹ. онѣ молѹашне. ꙗ ннѣтѣ ѡкѣнѣшн.  
Нѣ ар҃ерѣи кѣросѣ егѡ ꙗ гл҃е емѹ. ты лн ссн хсѣ. снѣ



τινες ἀναστάντες ἐφευδομαρτύρουν κατ' αὐτοῦ λέγοντες· ὅτι ἡμεῖς ἠκούσαμεν αὐτοῦ λέγοντος· ὅτι ἐγὼ καταλύσω τὸν ναὸν τοῦτον τὸν χειροποίητον, καὶ διὰ τριῶν ἡμερῶν ἄλλον ἀχειροποίητον οἰκοδομήσω· καὶ οὐδὲ οὗτος ἴσῃ ἦν ἡ μαρτυρία αὐτῶν· καὶ ἀναστάς ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὸ μέσον, ἐπηρώτα τὸν Ἰν λέγων· οὐκ ἀπικρίνη οὐδὲν τί οὗτοι σου καταμαρτυροῦσιν; ὁ δὲ ἐσιώπα καὶ οὐδὲν ἀπεκρίνατο· πάλιν ὁ ἀρχιερεὺς ἐπηρώτα αὐτὸν καὶ λέγει αὐτῷ· σὺ εἶ ὁ χρῖς, ὁ υἱὸς τοῦ εὐλογητοῦ; ὁ δὲ Ἰς εἶπεν· ἰ. 112. οὐ. ἐγὼ εἰμὶ, καὶ ὅψεσθαι τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθ' ἐκ δεξιῶν καθήμενον τῆς δεξιᾶς, καὶ ἐρχόμενον ἐπὶ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐρανοῦ· ὁ δὲ ἀρχιερεὺς οὐκ ἠρξάμενος τοὺς χιτῶνας αὐτοῦ λέγει· τί ἔτι χρεῖαν ἔχομεν μαρτύρων; ἠκούσατε πάντως τῆς βλασφημίας, τί ὑμῖν φαίνεται; οἱ δὲ πάντες κατέκριναν αὐτὸν εἶναι ἕνοχον θανάτου· καὶ ἤρξαντο τινὲς ἐμπύειν αὐτῷ, καὶ περικαλύπτειν τὸ πρόσωπον αὐτοῦ καὶ καλαψίζειν αὐτὸν καὶ λέγειν αὐτῷ· προσφύτευσον ἡμῖν τίς ἐστίν ὁ παῖσας σε; καὶ οἱ ὑπηρέται ῥαπίσμασιν αὐτὸν ἔβαλον· καὶ ὄντος τοῦ πέτρου κάτω ἐν τῇ αὐλῇ ἔρχεται μία τῶν παιδισκῶν τοῦ ἀρχιερέως, καὶ ἰδοῦσα τὸν πέτρου θερμενόμενον ἐμβλέψασα αὐτῷ λέγει· καὶ σὺ μετὰ τοῦ Ἰωάννου ἱεροῦ ἦσθα; ὁ δὲ ἠρνήσατο λέγων· οὐκ οἶδα οὐδὲ ἐπὶ καὶ ὁλέκτωρ ἐφώνησε· καὶ ἡ παιδίσκη ἰδοῦσα αὐτὸν πάντων ἐστίν· ὁ δὲ πάλιν ἠρνεῖτο· καὶ μετὰ μικρὸν πάλιν εἶ· καὶ γὰρ γαλιλαῖος εἶ καὶ ἡ λαλία σου ὁμοιάζει· ὁ δὲ τῆτον ὃν λέγετε· καὶ ἐκ δευτέρου ὁλέκτωρ ἐφώνησε· καὶ ὁλέκτωρ φωνῆσαι οἷς ἀπαρνῆσθαι με τρεῖς· καὶ ἐπιβαλὼν ἐκ ἀρχιερεῖς μετὰ τῶν πρεσβυτέρων καὶ γραμματέων, καὶ ὅλον τῷ πιλάτῳ.

Чтеніе и обьясненіе снимка.

φυλ. 41. Ἀρχὴ τῶν καθημερινῶν εὐαγγελίων τῆ λουκᾶ ∴.

Δέον γινώσκειν ὅτι ἄρχεται ὁ λουκᾶς ἀναγινώσκεισθαι ἀπὸ τῆς κυριακῆς μετὰ τὴν ὕψωσιν. τότε γὰρ καὶ ἡση-  
μερία γίνεται ὃ καλεῖται νέον ἔτος. Ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν .: .

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. ἡρώδης ὁ τετράρχης ἐλαχόμενος ὑπὸ Ιωάννου. περὶ ἡρωδιάδος τῆς γυναικὸς τοῦ ἀδελφοῦ αὐ-  
τοῦ. καὶ περὶ πάντων ὧν ἐποίησε πονηρῶν ἡρώδης προσέθηκε καὶ τοῦτο ἐπὶ πᾶσιν κατέκλεισε, τὸν Ιωάννην ἐν τῇ  
φυλακῇ. ἐγένετο δε ἐν τῷ βαπτισθῆναι ἅπαντα τὸν λαὸν καὶ Ἰησοῦ βαπτισθέντος καὶ προσευχομένου.

φυλ. 202 οθ. Μνήσθητι χριστέ τῷ πόθῳ κτισαμένῳ. βίβλον τάχιστα τὴν παροῦσαν ἐκ πόθου. καὶ δὲ δι' αὐ-  
τῆς γινώσκῃ τὴν σὴν κεκτεῖσθαι. ὅπως λαβὼν ἄφρῃ τῶν ἐμπαισμάτων ὧν ἐν κόσμῳ ἡμαρτον βροτὸς ὑπάρχων· ὅτε-  
κριν. ζυμ... ἀζιώσον δέσποτα θεὲ τῶν ὅλων.

Μνήσθητι Κύριε ἐν τῇ βασιλείᾳ σου, τοῦ δοῦλου σου θεοδοσίου Ἱερομονάχου καὶ πνευματικοῦ. Μνήσθητι Κύριε ἐν τῇ βασιλείᾳ σου τὴν ψυχὴν τῆς δούλης σου ἀννησίας μοναχῆς.

Χεῖρ ἁμαρτωλοῦ μοναχοῦ μελετίου. καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες εὐχέσθαι μοι διὰ τὸν Κύριον. Μηνὶ Ἰουνίῳ ᾠ. Ἰν-  
δικτιώνος ῥ. ἐν ἔτει 866. (1320).

Τῇ β'. τῆς α'. ἐβδόμαδος. ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν. τῷ καιρῷ ἐκεῖνω ἡρώτα τίς τῶν φαρισαίων τῷ Ἰησοῦ. ἵνα φάγη μετ' αὐτοῦ καὶ εἰσελθὼν εἰς οἶκί. Заставки, заглавные буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія, εἰ. Ἰησοῦ. ὑποκρισιν, εὐλογητοῦ; πιλάτω.

Слова съ титлами и сокращенія: Ἰησοῦν. ὑμῖν. καὶ θεοῦ ἀνθρώπων παραβολὴν εἶπεν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἄγγελοι ἐξάρχουσιν. ε., λέγων εὐρήσει ἐξῆλθεν δεξιῶν. ν., μίζον ἦν οὖν συνέδριον. σ., σύσσημον σταυρωθῇ. τ., μετὰ ξὺ βαπτισθέντος.

Цифра съ титломъ: кѣ. частица ѿ съ двумя удареніями.

## V. Четверо-Евангеліе.

ПРИНАДЛЕЖАЩЕЕ Полковому Священнику Самогитскаго полка Петру Троицкому, приобрѣтенное имъ у Болгарскаго Священника влизъ Мраморнаго моря.

Длина пергамина . . . . .	$4\frac{2}{8}$	В.
Ширина . . . . .	$2\frac{6}{8}$	В.
Къ корешку . . . . .	$\frac{3}{8}$	В.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$\frac{6}{8}$	В.
Къ верху . . . . .	$\frac{5}{8}$	В.
Къ низу . . . . .	$\frac{1}{8}$	В.

Пергамень выдѣланъ хорошо, но мѣстами есть поврежденія. Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 286. листахъ. Последнія три листа пустыя. На 284. листѣ записано: *επληράθη τὸ παρὲν τετρα εὐαγγέλιον (sic) ἐν μηνὶ ἰουνίῳ ἰνδικτιώνος δ. ἔτους 4260.* (1321 г.) Чернила очень черны. Вмѣсто киновари, заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны коричневою краскою. Заставки довольно фигурны. Евангелисты, какъ видно, вырѣзаны прежними владѣльцами сего Евангелія. По словамъ полковаго священника это Евангеліе Болгарскимъ Священникомъ было зарыто въ землю для сохраненія его отъ истребленія Турецкаго.

### Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ф. 136 — 141. Ἀρχὴ τοῦ κατὰ Λουκᾶν ἁγίου  
εὐαγγελίου.

Изъ Новаго Завѣта св. Алексія Митрополита.  
Евангеліе ѿ ѿ лѣ.

Ἐπειδὴ περ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι διηγήσιν περὶ τῶν πεπληροφορημένων ἡμῖν πραγμάτων. κατ'ὧς παρέδωσαν ἡμῖν οἱ ἀπ' ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου. ἔδοξε καμοὶ παρηκολουθήκῳτι ἀνωθεν παῖσιν ἀκριβῶς καθεξῆς σοι γράψαι κράτιστε θεόφιλε. ἵνα ἐπιγνῶς περὶ ὧν κατηχήθης λόγων τὴν ἀσφαλείαν. ἐγένετο ἐν ταῖς ἡμέραις ἡρώδου τοῦ βασιλέως τῆς ἰουδαίας. ἱερεὺς τις ὀνόματι ζαχαρίας ἐξ ἐφημερίας ἀβιά. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἐκ τῶν φυγατέρων ἀρώ. καὶ τὸ ὄνομα αὐτῆς ἐλισάβετ. ἦσαν δὲ δίκαιοι ἀμρότεροι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ. πορευόμενοι ἐν πάσαις τοῖς ἐντολαῖς καὶ δικαιώμασι τοῦ Κυρίου ἁμεμποι (sic). καὶ οὐκ ἦν αὐτοῖς τέκνων καθότι ἡ ἐλισάβετ ἦν στεῖρα. καὶ ἀμρότεροι προβεβηκότες ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν ἦσαν. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ ἱερατεύειν αὐτὸν ἐν τῇ τάξει τῆς ἐφημερίας αὐτοῦ ἐναντι τοῦ θεοῦ κατὰ τὸ ἔθος τῆς ἱερατείας ἔλαχε. τοῦ θυμιᾶσαι εἰσελθὼν εἰς τὸν ναὸν τοῦ Κυρίου. καὶ πᾶν τὸ πλῆθος ἦν τοῦ λαοῦ προσευχόμενον ἔξω τῇ ὥρᾳ τοῦ θυμιάματος. ὦρθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος Κυρίου ἐστὼς ἐκ δεξιῶν τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ θυμιάματος καὶ ἐταράχθη ζαχαρίας ἰδὼν, καὶ φόβος ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτόν. εἶπε δὲ πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος. μὴ φοβοῦ ζαχαρία. διότι ἐισηκούσθη ἡ δέησις σου. καὶ ἡ γυνὴ σου ἐλισάβετ γεννήσει υἱόν σοι. καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰωάννην. φυλ. 137. καὶ ἔσται χαρὰ σοι καὶ ἀγαλλίασις. καὶ πολλοὶ ἐπὶ τῇ γεννήσει αὐτοῦ χαρήσονται. ἔσται γὰρ μέγας

Понѣ ꙗко мнози ꙗзаша кѣнати новѣ. о нзкѣщенїи к ꙗко кещѣ. ꙗко предаша ꙗко сохрани исперва самовидци. ꙗ слуги бывше словеси. ꙗзколися ꙗ мнѣ. прїислѣдовакши бывше кѣ опасно. порады то писати. державныи феофиле. да разумѣѣ. о нн же оглашѣ еси словесѣ. оутвержѣѣ. кѣ ко дни прѣдѣ ꙗко ꙗкоденска. ꙗерѣи нѣкто ꙗменѣ захарїа. ѿ оутастѣ акана. ꙗ жена его. ѿ дїерѣи алѣонѣ ꙗ ꙗма си елисавет. бѣста ꙗрвѣднїа ѿба прѣ бѣмѣ. ходѣла ко кѣ занокѣдѣ. ꙗ оправданїи гнїхѣ бес порока. ꙗ не бѣ ꙗма ꙗда. понѣ ꙗелїсавет бѣ неплодка. ꙗ оѣ замѣрѣкше ко днїхѣ своѣ бѣста. кѣ же вѣгда сїїнствокати емѣ. к ꙗїноу оутастѣа своѣ прѣ бѣмѣ по обѣїю сїїнствѣа лоуꙗїса емѣ кадїти знѣ к ꙗрѣкѣ гнїю. ꙗ ксе мнѣство бѣ людїи мѣтѣоука кнѣ к го кѣжѣа. ꙗкнжѣ ꙗмѣ аїгѣа гнѣ. стоѣа одесноуїю жертвенїка кадїла. ꙗ сматѣ захама кнѣдѣ. ꙗ стрѣа ꙗападе ꙗа. рѣ же к немѣ аїгѣа. не конса захарїа. занѣ оуслышана мѣтѣа твоѣа. ꙗ жена твоѣа елисавет. родї сїа то. ꙗ прозовекши ꙗма ѣ ꙗоѣ. ꙗ бѣдѣ радѣ тоѣ ꙗ кесѣѣ. ꙗ мнози о ржѣтѣ еге кзрадѣюѣ. бѣдѣ во келї прѣ гѣмѣ. ꙗ вина ꙗ сїкѣра по ꙗмѣ ꙗити. ꙗ дѣа стїо ꙗспомнїѣ. л. 26. об. сїрѣ ѿ ꙗрѣва мѣре своѣа. ꙗ многи сїѣкѣ ꙗзѣкѣ обрѣтї к гѣ бѣ ꙗ. ꙗ сѣ прѣндѣ прѣд нн к дѣ ꙗ сїлоу ꙗлїїноу. обрѣтїти сїѣа оїмѣ ꙗ ꙗада. ꙗ ꙗонокорїѣа к смѣ ꙗрѣ



ἐνώπιον Κυρίου. καὶ αἶνον καὶ σίκερα οὐ μὴ ποίῃ. καὶ πνεύματος ἁγίου πλησθήσεται ἔτι ἐκ κοιλίας μητρός αὐτοῦ. καὶ πολλοὺς τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ ἐπιστρέψει ἐπὶ Κύριον τὸν Θεὸν αὐτῶν καὶ αὐτὸς προσελεύσεται ἐνώπιον αὐτοῦ ἐν πνεύματι καὶ δυνάμει ἡλίου. ἐπιστρέψαι καρδίας πατρῶν ἐπὶ τέκνα. καὶ ἀπειθεῖς ἐν φρονήσει δικαίων ἐτοιμάσαι Κυρίῳ λαὸν κατασκευασμένον. καὶ εἶπε Ζαχαρίας πρὸς τὸν ἄγγελον κατὰ τί γινώσκω τοῦτο. ἐγὼ γὰρ εἰμι πρεσβύτερος. καὶ ἡ γυνὴ μου προβεβηκυῖα ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῆς. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος εἶπεν αὐτῷ. ἐγὼ εἰμι γαβριὴλ ὁ παρεστηκὼς ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ. καὶ ἀπεστάλλην λαλῆσαι πρὸς σέ καὶ εὐαγγελίσασθαι σοὶ ταῦτα. καὶ ἰδοὺ ἔσθι σιωπῶν μὴ δυνάμενος λαλῆσαι. ἄχρι ἧς ἡμέρας γένηται ταῦτα. ἀνθ' ὧν οὐκ ἐπίστευσας τοῖς λόγοις μου. οἵτινες πληρωθήσονται εἰς τὸν καιρὸν αὐτῶν. καὶ ἦν ὁ λαὸς προσδοκῶν τὸν Ζαχαρίαν. καὶ ἐθαύμαζον ἐν τῷ χρονίζειν αὐτὸν ἐν τῷ ναῷ. ἐξελθὼν δὲ οὐκ ἠδύνατο λαλῆσαι αὐτοῖς. καὶ ἐπέγνωσαν ὅτι ὀπτασίαν ἑώρακεν ἐν τῷ ναῷ. καὶ αὐτὸς ἦν διανέμων αὐτοῖς, καὶ διέμενε κωφός. καὶ ἐγένετο ὡς ἐπλήσθησαν αἱ ἡμέραι τῆς λειτουργίας αὐτοῦ ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ. Μετὰ δὲ ταύτας τὰς ἡμέρας συνέλαβεν ἑλισάβετ ἡ γυνὴ αὐτοῦ. καὶ περιέκρυβεν ἑαυτὴν μῆνας πέντε λέγουσα. ὅτι οὕτως μοι πεποίηκεν ὁ Κύριος ἐν ἡμέραις αἷς ἐπεῖδεν ἀφελεῖν τὸ ὄνειδός μου ἐν ἀνθρώποις. ἐν δὲ τῷ μηνὶ τῷ ἕκτῳ ἀπεστάλη ὁ ἄγγελος γαβριὴλ ὑπὸ τοῦ Θεοῦ εἰς πόλιν τῆς γαλιλαίας. ἡ ὄνομα ναζαρέτ. πρὸς παρθένον μεμνηστευμένην ἀνδρὶ. ὃ ὄνομα Ἰωσήφ ἐξ οἴκου δαβίδ. καὶ τὸ ὄνομα τῆς παρθένου μαριάμ. καὶ ἐισελθὼν ὁ ἄγγελος πρὸς αὐτὴν εἶπεν. χαῖρε κεχαριτωμένη ὁ Κύριος μετὰ σου. εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξίν. ἡ δὲ ἰδοῦσα, διετάραχθη ἐπὶ τῷ λόγῳ αὐτοῦ. καὶ διελογίζετο. ποταπὸς εἴη ὁ ἀσπασμὸς οὗτος, καὶ εἶπεν ὁ ἄγγελος αὐτῇ. μὴ φοβοῦ μαριάμ. εὗρες γὰρ χάριν παρὰ τῷ Θεῷ. καὶ ἰδοὺ συλήψαι ἐν γαστρὶ. καὶ τέξῃ υἱόν. καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν. οὗτος ἔσται μέγας. καὶ υἱὸς υἰσίου κληθήσεται. καὶ δώσει αὐτῷ Κύριος ὁ Θεὸς τὸν θρόνον δαβὶδ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ. καὶ βασιλεύσει ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ εἰς τοὺς αἰῶνας. καὶ τὴν βασιλείαν αὐτοῦ οὐκ ἔσται τέλος. εἶπε δὲ μαριάμ πρὸς τὸν ἄγγελον. πῶς ἔσται τοῦτο ἐπεὶ ἄνδρα οὐ γινώσκω. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος εἶπεν αὐτῇ. πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ. δύναμις υἰσίου ἐπισκιάσει σοι. διὸ καὶ τὸ γεγόμενον ἅγιον κληθήσεται υἱός Θεοῦ. καὶ ἰδοὺ ἑλισάβετ ἡ συγγενὴς σου. καὶ αὕτη συνειληφῶσα υἱὸν ἐν γήρει αὐτῆς. καὶ οὗτος μὴν ἕκτος ἐστὶν αὐτῇ τῇ καλουμένῃ στείρα. ὅτι οὐκ ἠδυνατήρει παρὰ τῷ Θεῷ πᾶν ρῆμα. εἶπε δὲ μαριάμ. ἰδοὺ ἡ δούλη Κυρίου. γένοιτο μοι κατὰ τὸ ρῆμα σου. καὶ ἀπῆλθεν ἀπ' αὐτῆς ὁ ἄγγελος. Ἀναστάσα δὲ μαριάμ ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις. ἐπορεύθη εἰς τὴν ὀρεινὴν μετὰ σπουδῆς εἰς πόλιν ἰούδα. καὶ ἐισῆλθεν εἰς τὸν οἶκον ζαχαρίου. καὶ ἡσπάσατο τὴν ἑλισάβετ. καὶ ἐγένετο ὡς ἤκουσεν ἡ ἑλισάβετ τὸν ἀσπασμὸν τῆς μαρίας, ἐσχίρτησε τὸ βρέφος ἐν τῇ κοιλίᾳ αὐτῆς. καὶ ἐπλήσθη πνεύματος ἁγίου ἡ ἑλισάβετ καὶ ἀνεφώνησε φωνῇ μεγάλῃ. καὶ εἶπεν. εὐλογημένη σὺ, ἡ κυρία μου. ἡ ἐλπίς μου. καὶ πόθεν μοι τοῦτο. ἵνα ἔλθῃ ἡ μητὴρ τοῦ Κυρίου μου πρὸς με. ἰδοὺ γὰρ ὡς ἐγένετο ἡ φωνὴ τοῦ ἀσπασμοῦ σου εἰς τὰ ὦτα μου ἐσχίρτησε τὸ βρέφος ἐν τῇ ἀγαλλιάσει ἐν τῇ κοιλίᾳ μου καὶ μακαρία ἡ πιστεύουσα. ὅτι ἔσται τελείωσις τοῖς λελαλημένοι αὐτῇ παρὰ Κυρίου. καὶ εἶπε μαρίῳ. μεγαλύνει ἡ ψυχὴς μου τὸν Κύριον. καὶ ἡγαλλίασε τὸ πνεῦμα ἐπὶ τῷ Θεῷ τῷ σωτῆρι μου. ὅτι ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν τῆς δού-

ведиши оуготовати г҃ни. люди встроены. и рече заха́ръ въ а҃н҃г҃лѣ. поумѣхъ разумѣю се азъ есмь ста́. а жена моя зами́тѣла во дѣхѣ скои́. и ѿкѣи́а а҃н҃г҃лъ рече мѣмъ. азъ есмь гаври́л, престолъмъ прѣвѣмъ. ꙗ́ко послѣ въ г҃л҃ти к то́. ꙗ́ко вѣкѣститъ то́ снѣхъ. и се вѣдѣ моуа. и не могуи г҃л҃ти до него́ дѣе вѣдѣ ти снѣхъ. поне́ некрока́ ꙗ́ко си словесе́ моѣ ꙗ́ко исполнѣти во вре́ своеѣ. и бѣша люде́ ꙗ́коуи захары́и и ꙗ́коуахоуа. вни́е ме́л҃ти емъ в церквѣ. Изше́ же. не можане г҃л҃ти ꙗ́ко. и познаша ꙗ́ко дѣе. вѣдѣ к цр҃квѣ. и тѣ въ помакан ꙗ́ко. ꙗ́ко пребываше нѣ. въ ꙗ́ко исполнѣши́а дѣе слаже́ты ꙗ́ко. ѿнде к до́ скои. но сѣ же дѣхѣ. заха́ елисакет жена́ е. ꙗ́ко таише́. е. мѣмъ г҃л҃ци. ꙗ́ко снѣ мнѣ створи́ г҃ъ. во дѣи. к нѣ прѣзрѣ. отати поноше́е мо́ вѣлѣи́е. въ мѣмъ же. ꙗ́ко. по-слѣ въ а҃н҃г҃лѣ гаври́л ѿ ба́. к грѣ галиленск. емоу́ ꙗ́ко наза́реѳ. к дѣмъ обрѣуе́мъ мѣжеви емѣ ꙗ́ко ꙗ́коуи. ꙗ́ко домъ дѣва. и нѣмъ дѣмъ ма́риамъ. и вни́е а҃н҃г҃лъ к неи рече. радоу́еа обрадована ꙗ́ко с то́ю. вѣлѣи́а к жени́. Оꙗ́ко вни́еви си́мѣ о словеси́ его. ꙗ́ко расмыслише. како во вѣдѣ цѣлоуа́е се ꙗ́ко рече а҃н҃г҃лъ си. не бонса ма́риамъ. обрѣте́ во вѣлѣи́а ѿ ба́. и се зау́не к үре́ ꙗ́ко роди́ снѣ. ꙗ́ко прозовѣ ꙗ́ко е ꙗ́ко. съ вѣт вѣлѣи. ꙗ́ко снѣ вѣлѣи́а на́реѣтъ. и да́ емѣ г҃ъ бѣ. прѣлѣ дѣда оꙗ́ко е и цр҃твѣ ꙗ́ко домѣ ꙗ́коуи к вѣ. ꙗ́ко цр҃твѣ е не боу́де конѣ. рече же мѣмъ к а҃н҃г҃лѣ. како вѣдѣ се. поне́ мѣмъ не змию. ꙗ́ко вѣлѣи́а а҃н҃г҃лъ рече ꙗ́ко. дѣмъ стѣи на́нде ꙗ́ко та. и снѣмъ вѣлѣи́а оскѣи́а та. л. 27. б. тѣ ражаемо́е сто на́реѣса снѣ бѣи. и се елисакет. сродница твоѣ ꙗ́ко та заха́мъ снѣ к старости́ своеи. и се мѣмъ ꙗ́ко. е ꙗ́ко. на́рицаемо́и стѣра. ꙗ́ко не измо́же (sic) при вѣмъ всѣмъ г҃лѣ рече же ма́риамъ. се раба́ г҃и́а. вѣдѣи мнѣ по г҃лѣ твоѣмъ. и ѿнде ѿ немъ а҃н҃г҃лъ . . .

Встакши́и ма́риамъ. во дѣи снѣхъ. нде к горско́у со-тичаньѣ. ꙗ́ко к грѣ ꙗ́коуи. и вни́е к до́ захары́и. ꙗ́ко цѣло-ва ели́саве. ꙗ́ко вѣи ꙗ́ко оуслыша ели́саве цѣлоуа́е ма́риамъ. взыгра́ младе́и к үре́кѣ емъ. и ꙗ́коуи дѣмъ ста ели́с-вет. ꙗ́ко взы́глъ г҃л҃сомъ вѣлѣи́и ꙗ́ко рече. вѣлѣи́а ты к жени́. и вѣлѣи́а плѣ оугрѣбѣ твоѣмъ. ѿвѣдѣ ми се. да прѣде мѣи г҃а моѣ ко мнѣ. се во ꙗ́ко вѣи г҃лѣ цѣлоуа́мъ твоѣмъ о҃хю твоѣю. взыгра́ младе́и радоуа́ми к үре́ моѣ. и вѣлѣи́а вѣроуа́иши. ꙗ́ко вѣдѣ сверше́и г҃л҃анѣи ен ѿ г҃а. Н рече ма́риамъ. вѣлѣи́и дѣмъ моя́ г҃а. ꙗ́ко взырадоуа́ дѣмъ



λης αὐτοῦ. ἰδοὺ γὰρ ἀπο τοῦ νῦν μακαριοῦσι με πᾶσαι αἱ γενεαί. ὅτι ἐποίησεν μοι μεγαλεῖα ὁ δυνατὸς. καὶ τὸ ἅγιον τό ὄνομα αὐτοῦ. καὶ το ἔλεος αὐτοῦ εἰς γενεὰν καὶ γενεὰν τοῖς φοβουμένοις αὐτόν. ἐποίησε κράτος ἐν βραχίονι αὐτοῦ. διεσκόρπισεν ὑπερηφάνους διανοία καρδίας αὐτοῦ. καθεῖλε δυναστάς ἀπὸ θρόνων, καὶ ὕψωσε ταπεινούς. πεινῶντας ἐνέπλησεν ἀγαθῶν καὶ πλουτοῦντος ἐξαπέστειλε κενούς. ἀντελάβετο Ἰσραὴλ παιδὸς αὐτοῦ μνησθῆναι ἐλέους. καθὼς ἐλάλησε πρὸς τοὺς πατέρας ἡμῶν, τῷ ἄβραάμ καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα. ἔμεινε δὲ μαριὰμ σὺν αὐτῇ ὡσεὶ μῆνας τρεῖς. καὶ ὑπέστρεψεν εἰς τὸν οἶκον αὐτῆς. τῇ δὲ ἐλίσσάβετ ἐπλήσθη ὁ χρόνος τοῦ τεκεῖν αὐτὴν καὶ ἐγέννησεν υἱόν. καὶ ἤκουσαν οἱ περίοικοι καὶ οἱ συγγενεῖς αὐτῆς. ὅτι ἐμεγάλυνε Κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ μετ' αὐτῆς, καὶ συνέχαιρον αὐτῇ. καὶ ἐγένετο ἐν τῇ ὀγδόῃ ἡ μέρα. ἤλθον περιτεμεῖν τὸ παιδίον. καὶ ἐχάλουν αὐτὸ ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ πατρὸς αὐτοῦ ζαχαρίαν. καὶ ἀποκριθεῖσα ἡ μητὴρ αὐτοῦ εἶπεν οὐχί. ἀλλὰ κληθήσεται Ἰωάννης. καὶ εἶπον πρὸς αὐτὴν. ὅτι οὐδεὶς ἐστὶν ἐν τῇ συγγενείᾳ σου ὃς καλεῖται τῷ ὀνόματι τούτῳ. ἐνένευον δὲ τῷ πατρὶ αὐτοῦ. τὸ τί ἂν θέλοι καλεῖσθαι αὐτόν. καὶ αἰτήσας πινακίδιον ἔγραψε λέγων. Ἰωάννης ἐστὶ τὸ ὄνομα αὐτοῦ. καὶ ἐθαύμασαν πάντες. ἀνέωχθη δὲ τὸ στόμα αὐτοῦ παραχρῆμα. καὶ ἐλάλει εὐλογῶν τὸν θεόν. καὶ ἐγένετο ἐπὶ πάντας φόβος τοὺς περιοικοῦντας αὐτοῖς. καὶ ἐν ὅλῃ τῇ ὄρεινῃ τῆς ἰουδαίας, διελάλειτο πάντα τὰ ρήματα ταῦτα. καὶ ἔθοντο πάντες οἱ ἀκούσαντες ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτῶν λέγοντες. τί ἄρα τὸ παιδίον τοῦτο ἔσται. καὶ χεὶρ Κυρίου ἦν μετ' αὐτοῦ. καὶ ζαχαρίας ὁ πατὴρ αὐτοῦ ἐπλήσθη πνεύματος ἁγίου καὶ προεφῆτευσεν λέγων. Εὐλογητὸς Κύριος ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ ὅτι ἐπεσκέψατο καὶ ἐποίησε λύτρωσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ. καὶ ἡγείρε κέρας σωτηρίας ἡμῖν ἐν τῷ οἴκῳ δαβὶδ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ. καθὼς ἐλάλησε διὰ στόματος τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνος προφητῶν αὐτοῦ. σωτηρίαν ἐξ ἐχθρῶν ἡμῶν καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν μισοῦντων ἡμῶν. ποιῆται ἔλεος μετὰ τῶν πατρῶν ἡμῶν. καὶ μνησθῆναι διαθήκης ἁγίας αὐτοῦ. ὅρκον ὃν ὤμοσε πρὸς ἄβραάμ τὸν πατέρα ἡμῶν τοῦ δοῦναι ἡμῖν ἀφόβως ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν ρυσθέντας. λατρεύειν αὐτῷ ἐν ὁσιότητι καὶ δικαιοσύνῃ ἐνώπιον αὐτοῦ πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. καὶ σὺ παιδίον προφήτης ὑψίστου κληθήσῃ. προπορεύσῃ γὰρ πρὸ προσώπου Κυρίου ἐτοιμάσαι ὁδοὺς αὐτοῦ, τοῦ δοῦναι γινῶσιν σωτηρίας τῷ λαῷ αὐτοῦ ἐν ἀφέσει ἁμαρτιῶν αὐτῶν διὰ σπλάγχνα ἐλέους Θεοῦ ἡμῶν. ἐν οἷς ἐπεσκέψατο ἡμᾶς ἀνατολὴ ἐξ ὕψους ἐπεφάναι τοῖς ἐν σκότει καὶ σκιᾷ θανάτου καθημένοις, τοῦ κατευθῆναι τοὺς πόδας ἡμῶν εἰς ὁδὸν εἰρήνης. τὸ δὲ παιδίον ἠύξανεν καὶ ἐκραταιοῦτο πνεύματι. καὶ ἦν ἐν ταῖς ἐρήμοις, ἕως ἀναδείξεως αὐτοῦ πρὸς τὸν Ἰσραὴλ.

#### Ч т е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

Ἀρχὴ τοῦ κατὰ Μάρκον ἁγίου εὐαγγελίου.

Ἀρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ τοῦ Θεοῦ ὡς γέγραπται ἐν τοῖς προφήταις. ἰδοὺ ἐγὼ ἀποστέλλω τὸν ἄγγελόν μου πρὸ προσώπου σου. ὃς κατασκευάσει τὴν ὁδόν σου ἔμπροσθεν σου. φωνὴ βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐτοιμάσατε τὴν ὁδὸν Κυρίου, εὐθείας ποιεῖτε τὰς τρίβους αὐτοῦ. ἐγίνετο Ἰωάννης βαπτίζων ἐν τῇ ἐρήμῳ. καὶ κηρύσσων βάπτισμα μετανοίας εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. καὶ ἐξεπορεύετο πρὸς αὐτόν πᾶσα ἡ ἰουδαία χώρα καὶ οἱ ἱεροσολυμίται καὶ

мої о вѣк спсѣ моѣ. ѿ прѣзрѣ на смѣрѣе рабы своѣа. се бо ѿ нѣи бл҃жѣть ма всн родн. ѿ створи мнѣ ке-лѣе сїлныи. ѿ стоѣ нма ѣ. ѿ мѣть ѣ. к роды родѡ боицѣи ѣ. створи державѣ мышцею своѣю. растоун презорнкыа мѣю сѣиа ѿ. низложн сїлныа ѿ прѣтлѣ. ѿ вѣзкыи смѣрентыа. алыющыа нсполнѣ бл҃гѣ. ѿ бл҃-тащыа ѡпѣстн тѣа вспрѣи нѣла отрока своѣе. помѣ-нѣтн мѣтн. ꙗко г҃ла кѣ оцѣ нашѣ. авраамѣ. н сѣме-нн его в вѣкн. пребѣ же мѣа с нею. ѿ мѣн. г҃. н вѣкрнті в дѡ скон. елсаветн же. нсполнѣ крѣ родн-тн. н родн сїа. ѿ слышаша окроу живѣщнн. н срѡ-днщн еа. ѿ вѣвлнун гѣ мѣть скою с нею. ѿ радо-вахочса с нею. н вѣи вѣ н. днѣ прѣдоша обрѣзати отрока. н прѣзыхахѣ ѣ по нменн оцѣ. ѣе захарїа. н ѡвѣщавші л. 26. об. а. мѣн ег҃ рѣ. нн. по прозо-вѣть їѡѡ н рѣиа к нн. ѿ ннктѡ ѣ в сродствѣ твоѣе. ѿ зовѣть нменѣ сн. помавахочже оцѣю ег҃. утѡбы хотѣ прозвѣтн его. н нспрѡ дщнцю. напнса г҃ла. їѡѡ. ѣ нма ѣ. ѿ уюдншѣ всн. ѡверзостаже оуста ѣ аѣ. н нзѣи ег҃. ѿ г҃аше бл҃гѣа бл҃. н бѣиа всѣ стрѣокрѣ живѣ-щнѣ н. н по всн горстѣн їюдѣнствѣн. повѣдаемн бл-хѣ вса г҃лы сїа. н положнѣ всн слышавшнн на сѣиа своѣ г҃аше. что оу отрока се боудѣ. ѿ рѣаа г҃ла вѣ с нн. ѿ захарїа оцѣ ѣ. ѿ сполнѣ дѣа стго. ѿ пррѣствова г҃ла . : .

Бл҃гнѣ гѣ бѣ нзлѣвѣ. ѿ посѣтн н створи нзбавлѣе людеѣ своѣи. ѿ вѣдѣи роѣ спсѣныа нѣ. в домоу дѣдѣвѣ отрока своѣ. ꙗко г҃ла оусты стѣх сѣиѣи ѡ вѣа пррѣеѣ. спсѣныѣ ѡ вѣа нашѣ. н ѡ рѣкн всѣ ненавѣдѣщнѣ нѣ. створнтн мѣть сѣ ѡиѣн нѣмн. ѿ помѣноути зѣвѣ стѣн свої. клѣтѣ. ею клѣтъ ко авраамѣ оцѣю нѣмѣ. датн нѣ бестраха. ѡ рѣкн вѣа нѣх нзбавлѣшнѣса. слоужнтн емѣ кѣ прѣиѣнн н правдѣ прѣд нн вса днѣ жѣкота нѣ-го. н ты отрока пррѣ кышннѣ нарѣшѣ. прѣндешн бо прѣд лѣиѣ г҃мѣ оуготовѣти пѣтн его. датн разоу спнѣа людеѣ его кѣ оставлѣе грѣхо нхѣ. бл҃грдѣа рѣа мѣтн бл нѣго. в ннхѣ посѣтн нѣ встоѣ свѣи. ꙗкнті нѣ ко тмѣ н сѣнн смртнѣн сѣдѣщнѣ. направитн ногн нѣа на пѣ мнрѣ: Отроуѣ растанѣ н крѣплѣшѣ дѣмѣ. ѿ бѣ в пѣ-стыннѣ до днѣ клѣтѣа своѣ ко нзлѣю . : .



ἐβαπτίζοντο πάντες ἐν τῷ ἰωρδάνῃ ποταμῷ ὑπὸ αὐτοῦ ἐξομολογούμενοι τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν ς. 135 об. καὶ οἱ μὲν στρατιῶται διαμερίζονται τὰ ἱμάτια αὐτοῦ τῶν δὲ στραυρωθέντων δύο ληστῶν. ὁ εἷς αὐτῷ μετανοήσας ὁμολόγησε καὶ ὅτι τὸ σῶμα τεθὲν ἐν μνημείῳ ἠγέρθη τριήμερος. καὶ μετὰ ταῦτα ἀνελήφθη βλέπόντων τῶν μαθητῶν.

† Ἐληρώθη τὸ παρὸν τετραευαγγέλιον ἐν μηνὶ Ἰουνίῳ, ἰνδικτιωνος ᾿. 2600. (1321).

Неполная азбука изъ заглавныхъ буквъ, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἡμέραν. ἐπιστάσα ἀμήν.

Слова съ титлами и сокращенія: ἄνθρωπος, Κύριε ἡμᾶς.

Слова имѣющіе въ срединѣ слова при переносѣ на другую строку большую букву. ἐρ Хетαι δὺ Νατον ὑμνήσαν Τες. Собственное имя съ титломъ на верху Ζαχαρία.; частира δὲ съ двумя удареніями.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., τάξει θαυμάζον. ε., ἐγὼ ἄγγελος δεξιῶν μέγας ἐπὶ ν., οὐρανοῖς. σ., ὁ θεός. σπεύσαντες. τ, μετ' αὐτῶν.

Гласная ω, имѣющая въ верху согласную: τ.

## VI. Слова святаго Григорія Богослова (16.) съ толкованіемъ на нихъ Никиты Еп. Иракійскаго,

Находятся въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 59-мъ.

Длина бумаги. . . . .	7	в.
Ширина . . . . .	5	в.
Къ корешку . . . . .	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$1\frac{1}{4}$	в.
Къ верху . . . . .	$\frac{7}{8}$	в.
Къ низу . . . . .	$1\frac{1}{4}$	в.

Бумага толстая сѣровая, лощеная. Въ началѣ рукопись промочена.

Писано скорописью довольно крупною въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 412. листахъ. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Съ 189. страницы начинается другой почеркъ, но тогоже времени. Вверху 2-го листа написано: Διονυσίου, а внизу: Арсеній κβ.

Шестнадцать словъ св. Григорія Богослова тѣже, какія помѣщены въ Синод. рукописи подъ № 61-мъ съ миниатюрами.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ толкованія Никиты Ираклійскаго на св. Григорія, брата Василіева.

л. 310 об. Ἑρμηνεία. Ἀπογνώμη τὸ προοίμιον. φησὶ γὰρ Ἰησοῦς ὁ τοῦ σιβαχ. φίλου πιστοῦ οὐκ ἔστιν ἀντάλλαγμα. καὶ οὐκ ἔστι σταθμὸς τῆς καλλονῆς αὐτοῦ. καὶ πάλιν. φίλος πιστός, σκέπη κραταία! ὁ δὲ εὐρών αὐτόν, εὗρε θησαυρόν. τὸ δὲ ἐξῆς ἀπὸ τοῦ σολομώντος, παρεφράσθη λέγοντος. ἀδελφός ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενος, ὡς πόλις ὀχυρά. ἰσχύει δὲ ἄσπερ μεμοχλευμένον βασιλεῖον. τὸ δὲ θησαυρός ἐμψυχός ἐκ τῶν ἐξω. ἀλέξανδρος γὰρ ἐρωτηθεὶς ποῦ τοὺς θησαυροὺς ἔχει. τοὺς φίλους παρόντας ὑπέδειξεν. οἵτινες ἐμψυχὸν ἢ θησαυρός. λέγει δὲ που καὶ θεόγονος ὁ ποιητής. ὅτι πιστός ἀνὴρ, χρυσῷ τε καὶ ἀργύρῳ ἀντερείσασθαι ἄξιος. ἤγουν ἀντισταθμῆναι. τὸ δὲ ὑπὲρ χρυσίον

Изъ Григ. Богослова съ толкованіемъ Никиты Иракійскаго. XIV в. (Син. Библ. № 954.)

Слово 16. О григорыи братъ василевъ. л. 210. отъ волн предъизображее. рѣ нсѣ і сираховѣ. дрѣтѣ въ рнѣ нѣ нзмѣны. н нѣ въса добротѣ его. н пакы. дрѣтѣ върѣ покрѣ крѣпѣ. обрѣтын же обрѣте скровниче. а проука ѿ соломона глѣюца. брѣ ѿ брата помогѣ яко грѣ твердѣ можетъ же. яко пауе обетшало црѣко. а еже скровниче дѣвно. то ѿ виѣшнѣ. александръ бн въпрошѣ кдѣ скровниче нмѣ. дрѣтннѣ снѣ сѣрѣною показа. нже въша днѣшнѣ скровница. глѣтѣ же нѣкдѣ н феогннн творецъ. яко върѣ мѣ злата н сребра про-

καὶ λίθον τίμιον πολὺν, ἐν τοῦ δαδ ἐκ δὲ τοῦ ἄσματος τῶν ἁσμάτων, τὸ κῆπος κεκλεισμένος καὶ πηγὴ ἐσφραγισμένος. οἷς καὶ τὴν ἐρμηνείαν ὁ θεόλογος προσέθηκεν. ὅτι ἡ πηγὴ καὶ ὁ κῆπος διὰ τοῦτο εἰσὶ κεκλεισμένα. ἵνα κατὰ τὸν τῆς χρείας καιρὸν ἀνοίγωνται καὶ μεταλαμβάνονται. πάλιν τὸ μὲν υἱὸς φωτὸς, τοῦ ἐκ εὐαγγελίου. ἵνα γὰρ φησιν υἱοὶ φωτὸς γέννησθε. ἄνθρωπος δὲ τοῦ θυ καὶ ὁ μωϋσῆς εἴρηται. καὶ τις προφήτης ἐν ταῖς βασιλείαις. καὶ τὸν τιμοθέον οὕτως ὀνομάζει ὁ ἀπόστολος ἐν δὲ τῇ ἐξόδῳ πάλιν εἴρηται. οἱ ἱερεῖς οἱ ἐγγίζοντες κῶ τῶ θω. ὁ δὲ δανιὴν ἀνὴρ ὀνομάσθη ἐπιθυμιῶν. τῶν δὲ κρείττωνων προσέθηκεν ὁ θεόλογος. διότι εἰσὶ καὶ ἄνδρες ἐπιθυμιῶν τῶν χειρόνων. ἔστι μὲν οὖν φησιν ὁ πιστὸς φίλος, λιμὴν ἀναψύξεως. ἂν δὲ συνετὸς εἴη. καὶ ἄκρος κατ' ἀμφοτέρων τὴν παιδείου. τὴν τε ἔξω φημί καὶ τὴν ἡμετέραν λαμπροτέραν. ἂν δὲ καὶ ἄξιός καλεῖσθαι τὰ κάλλιστα. τῶν ὀνομάτων καὶ οἷς τιμᾷ ἡ θεία γραφὴ τοὺς ἁγίους, οἷον λέγω τὸ σκέυος ἐκλογῆς. καὶ τὸ πιστὸς θεράπων καὶ λειτουργὸς κῶ καὶ τὰ ὅμοια τοῦτο δῶρον θυ. καὶ ὑπὲρ τὴν ἐμὴν ἀξίαν τὸ ἐπιτυχεῖν με φημί τοιούτου φίλου. εἰδὲ καὶ παρὰ φίλου ἀπέσταλται παρηγορήσεων ἡμᾶς. τουτέστι παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλείου. ὃν μαὶ ὁμότιμον φησὶ τῶ νύσσης. ἡ γὰρ ἴσον κατὰ τε τὴν ἀρετὴν καὶ τὴν πρὸς ἐμὲ φιλίαν, τοῦτο χαριέστερον ἐστὶ τοῦ ἀρχιερατικοῦ μύρου. ὅπερ κατὰ τῆς κεφαλῆς τοῦ ἀρχιερέως χυθὲν. πρῶτον αὐτὴν ἐκόσμη. εἶτα τὸν πώγωνα. ἔπειτα κατῆει καὶ μέχρι τῶν ἐνδύματων αὐτοῦ. χρὴ δὲ μύρον νοεῖν τὸ πᾶν τὸ ἅγιον. τοῦτο γὰρ πρῶτον τὴν τοῦ παντὸς σώματος κεφαλὴν ἥτις ἦν ὁ χς, ἐπλήρου. μεθ' ὃν π. 311. κατέβαινεν ἐπὶ τὸν χορὸν ἀποστολικὸν. κόσμον ὄντα τοῦ προσώπου χυ. εἶτα κατῆλθε καὶ ἐπὶ τὸ λοιπὸν σῶμα. τουτέστι τὴν ἐκκλησίαν. ἐκ τοῦ δαδ δὲ καὶ ταῦτα εἴληπται λέγοντος. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τι τερπνόν. ἀλλ' ἢ τὸ κακτοικεῖν ἀδελφοὺς ἐπιτοαυτὸ. ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλῆς τὸ καταβαῖλον ἐπὶ πώγωνα. τὸν πώγωνα τὸν ἁρῶν. τὸ καταβαῖνον ἐπὶ τὴν ὦαν τοῦ ἐνδύματος αὐτοῦ. ὡς δὲ ἐστίν, ὃ καλοῦμεν περιτραχήλιον. β'. Ἀράγε φησὶ συμμέτρως καὶ ἀρκοῦντως ὁ ἐμὸς λόγος τὸν ἄνδρα εἰκόνισεν, ἢ μιμήσομαι τοὺς ἐπιμελεῖς τῶν ζωγράφων. καὶ ὥσπερ ἐκεῖνοι ταῖς σκιαῖς τὰ σώματα προχαράσσοντες. δευτέρα καὶ τρίτη χειρὶ ταύτας ἐπακριβοῦσι καὶ τελειοῦσι τοῖς χράμασιν, οὕτω καγὼ πολλάκις ἐπιβαλὼ τοῦ λόγου τὰ χρώματα, ἵνα τὸν εἰκονιζόμενον παρ' ἐμοῦ παρστήσω ὑμῖν ἐντελέστερον. οὐκ ἔχω δὲ μεῖζον οὐδὲ γνωριμώτερον παράδειγμα, τοῦ κατὰ μωσέα καὶ ἁρῶν. ὥσπερ γὰρ ἐκεῖνοι, οὕτω καὶ ὁ μέγας βασιλεὺς καὶ ὁ νύσσης γρηγόριος. ἀδελφοὶ καὶ κατὰ σάρκα καὶ κατὰ εὐσέβειαν. καὶ ὁ μὲν μέγας βασιλεὺς νομοθέτης. ἡγουν κανονιστὴς ἐν ἱερεῦσι καὶ μονασταῖς ἐπιφανέστατος. ὁ δὲ νύσσης. ἱερέων τῶν ἄλλων ἀγιώτατος. ὡς ἐκεῖ ὁ ἁρῶν. καὶ ὁ μὲν μέγας βασιλεὺς, θς τοῦ νοητοῦ φαράω. ὡς π. 311 οἷ. ὁ μωϋσῆς τοῦ αἰσθητοῦ. εἴρηται γὰρ πρὸς αὐτὸν ἐν τῇ ἐξόδῳ. ἰδοὺ δέδωκα σε θυ φαράω. ἡ γὰρ ἐχειροτονήσα σε. Ἰὴλ δὲ νοητὸς τὸ, ὁ εὐσεβὴς λαός. οὐ προίστατο ὁ θεὸς βασιλεὺς. καὶ ὡς ἐνομοθέτει. νεφέλη δὲ ἡ τοῦ νομικοῦ γράμματος παχύτης. ἥς εἰσω χωρῶν ἡγουν πρὸς τὸ βάλος εἰσδύνων τῇ διανοίᾳ, ἐπώπτευε τὰ θεία μυστήρια τὰ τοῖς ἄλλοις ἀπόρητα. καὶ ἐμυσταγώγει ταῦτα διδάσκων. ἢ ὡς εἰς νεφέλην εἰς τὰ ἄδύτα τοῦ πᾶς εἰσῆλθε καὶ ταῦτα ἐθεώρει. σκηνὴ δὲ ἡ μὲν νομικὴ, τυπικὴ τις ἦν. ἣν ἐτεχνίτευσε μὲν βεσελεὺλ. ἐπήξατο δὲ μωϋσῆς. ἀληθινὴ δὲ σκηνὴ καθάρησι παῦλος. ἡ ἐκκλησία τῶν χριστιανῶν. ἱερεῖς δὲ ἀμρότε-

тигвѣснѣи дѡстѡннѣ. а ежѣ пауѣ злата и камѣм мно-гоцѣнна. ѿ дѣда. ѿ пѣсннн же пѣснѣ. огрѣ закло-уѣ нстоуни пѣхатѣ. нмѣ же толкѣ бѡсловѣ. прнложн. кко нстоуни н огрѣ заклоуѣ. да к потребѣ время от-ворнтса. пакы б., оубо снѣ свѣта. ежѣ кѣ еѣалн да снѣкѣ во реуѣ свѣта. хлѣкѣ же бнн монсн нрѣуѣ-са. н нѣкто прѣкѣ кѣ иртвнн н тнмофеа тако же нменѣ аплѣ. во нсходѣ же пакы реуѣ стнн блнзл-цесѣ гѣ бѣ. даннѣ же мѣ нменоваса желѣю. лѣхнн же прнложн бѡсловѣнѣ. занѣ сѣ мѣжн похотнн злѣ, ѣ оубо реуѣ вѣрѣ дрѣ прнстаннцѣ покоѣ. ацѣ лн н разѣмѣ бѣдѣ. н до краѣ обоюдѣ наказы. вѣнннѣе же н нашѣм свѣтлѣ. н дѡстѡннѣ зватнса лѣннннн н-менѣ. нмнже утѣ бѣе ннсѣ стнѣ. то бнн дарѣ. кн-ше моего дѡстѡннѣства. оулухннн мн рекѣ такогѡ дрѣга ѿ стѣго вѣснѣ. емѣже равнѡуѣнѣ вѣ ннсѣскын. н по добродѣтелн положн комнѣ н по любѣн. се радо-стнѣе естѣ стѣлѣскагѡ мнрѣ. ежѣ на глакѣ стѣлѣ нзлн-канѡе. тауѣ на брадѣ. потѡ схода на подолѣ рнзѣ егѡ. лѣпо пораѣмѣнн мнро. н стѣнн дѣхѣ. нже сннѣ на аплѣкын лн . . . л. 210. об. оубо реуѣ смѣрено н до-волнѡе слово мѣжа кѡбразннн подѡбн прнлѣжно пн-снѣ. ккоже она кѡбразнѡнѣ тѣлѣ. прохѣртѣю второе н г. есѣ н тако нзѣесто свѣршѣю канѣ. тако н азѣ. многѡждѣ налѡ слово канѣ. да вѡбразѣмѡе мною прѣставлю кѣ свѣршѣно. н не нмѣ болѣ нн знѣема оу-каза. но ежѣ о монснн н о арѡнѣ. тако гѣ велнкнн. вѣснѣнн н ннсѣскын грнгорнн. брата по плѡтн. брата н по блѣго-уѣтѣю. нѣо велнкын вѣснѣнн заѡнодаѣцѣ. гѣ пракнтѣ нерѣѣ гѣ ннокѣ. ннсѣскын же кѣ нерѣнн стѣн. кко та-мо арѡ. нѣо вѣснѣкын вѣснѣнн бѣ разѣмнѡмѣ флѣрѡнѣ. кко монсн уѡкѣственѡмѣ. реуѣ во к немѣ во нсходѣ. се дѣ та бѣ флѣрѡнѣ. нѣлѣже разѣмнѣнн вѣрннн лнѡѣ. нмѣже заѡнодаѣцѣ вѣснѣнн гѣ кѡ б., облакѣ же за-коннѡмѣ ннсѣю дебѣлѣство толстѡта. емѣже равнѡ лн-ковнѡ мыслѣю. вѣдѣашѣ бѣлѣ тѣннѣ недѡкѣдомо ннѣмѣ. гѣ наставѣашѣ оуѣлѣ. н кко кѣ ѡблѣ к нѣзаходнмѣлѣ вѣходѣ. скннѣлѣ же законнѣмѣ образѣ бѣ. юже оуѣхнтрн авѣселѣнѣлѣ. потѣе же монсн. нстнннѣлѣ же сѣнѣ. кко же реуѣ аплѣ. иртѣн хртѣанѣскѣлѣ. гѣрѣлѣ же облѣ. ве-лнкын вѣснѣнн старѣн гѣрѣѡ н оуѣлѣ ннсѣскѣ ннѣ н мола бѣ. кко во нсходѣ монснн арѡнѣ. то тн бѣдѣ оу-ста. тако н сн кѣста соѣкѣ по та оубо гѣ ю рѣмѣхнста сѣхнѣта. сн же тѣмнѣнн гѡннѣтѣ грѣ. она хѣрнѣнѡе ра-



ροι. καὶ ὁ μὲν μέγας βασιλῆιος ἑξαρχος τῶν ἱερέων. καὶ μυσταγωγῶν διὰ τοῦ νόσσης ἐτέρους. καὶ ἰλεῶν αὐτοῖς τὸν θ·ν. ὁ δὲ νόσσης μετὰ τὸν μέγαν βασιλῆιον εὐθύς. καὶ ὅπερ ἐν τῇ ἐξόδῳ εἴρηται πρὸς μωσῆν περὶ τοῦ ἁρῶν ὅτι αὐτός ἐσται σοι εἰς στόμα τὰ πρὸς τὸν λαόν. σὺ δὲ αὐτῷ ἔσῃ τὰ πρὸς τὸν θ·ν, τοῦτο καὶ οὗτοι ἦσαν ἀλλήλοις καὶ τότε μὲν ἐκεῖνοι. ταῖς δέκα πληγαῖς τὴν αἰγύπτου ἐβασάνιζον. νῦν δὲ οὗτοι τὴν σκοτεινὴν καὶ διώκτριαν ἁμαρτίαν. ἐκεῖνοι τὴν ἐρῦθράν. ἔτεμον. καὶ οὗτοι τὴν θάλασσαν τῶν παθῶν ἐκεῖνοι τὸν Ἰῆλ ἔσωσαν καὶ τοὺς αἰγυπτίους ἀπέπνιξαν. οὗτοι τοὺς εὐσεβεῖς διεφύλαξαν. τοὺς δὲ δαίμονας ἢ τοὺς εἰρετικούς κατεπόντισαν. ἐκεῖνοι τὸ μάνα ἐξ οὐνοῦ εἴλκυσαν καὶ νεικῶν. τὸ δὲ, ἐγλύκαναν τὸ ἐν τῇ μερῶ. ἔστι καὶ παρὰ τούτοις ἄρτος μὲν οὐνίος ὁ χς. ἡ πνικὴ τροφὴ ἐγὰ γὰρ φησιν ὁ ἄρτος ἐμὶ τῆς ζωῆς ὁ ἐκ τοῦ οὐνοῦ καταβάς. ὕδωρ δὲ τὸ ζωηρὸν νόμα τῆς διδασκαλίας τοῦ χυ. ὅς ἐστιν ἡ πέτρα κατὰ τὸν ἀπόστολον. γλυκαίνόμενον μὲν ὕδωρ ἐνταῦθα νοήσεις, τὸ ἀπὸ τῶν ἐλληνικῶν λόγων εἰς χυ μετα χειρῶν ἐκτάσει τὸν σῆρον τυποῦντες, τὸν ἀμαλῆκ ἐτροπώσαντο. καὶ οὗτοι τὸν διάβολον. ἐκεῖνοι πρὸς τὴν γῆν τῆς ἐπαγγελίας ἔσπευδον. καὶ τοὺς ἄλλους ὠδήγουν. καὶ οὗτοι εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐνῶν.

Γ. Λ. 312. Ἀπὸ τούτων φησι τῶν δύο, ὁ μὲν μέγας βασιλῆιος κρυπτόμενον με καὶ ἡσυχάζοντα, εἰς μέσον ἤγαγε καὶ ἐχειροτόνησεν. ἀναξίως κινήθεις τοῦ ἐν αὐτῷ πνς. τοῦτο δὲ φημι διὰ τὴν βίαν καὶ διὰ τὸ ἐμβαλεῖν με εἰς θορύβους καὶ ταραχάς. τοιοῦτον γὰρ τὸ χωρίον. τὰ σάσιμα. λέγω γὰρ ὅτι ἀναξίως ἐκινήθη καὶ τραχύτερος ὁ λόγος. πάντως δὲ ὁ μέγας βασιλῆιος φίλος ὢν, ὑπομενεῖ πάντα καὶ πάσχων καὶ ἀκλύων. ἡ γὰρ ἀγάπη, πάντα στεγαι πάντα ὑπομένει. ὁ δὲ νόσσης γρηγόριος, ἦλθε παραμυθισόμενος καὶ καταλλάξων καὶ προσημερώσων διὰ τοῦ ἐν αὐτῷ πνς καὶ ἐμοὶ μὲν, μέγα ἐστὶν ὅτι καὶ νῦν ἦλθε. μεμφομαι δὲ, ὅτι μετὰ τὴν χρείαν ἦλθε. καὶ μεθὸ κατέδραμε τὲ καὶ ἡττήσε με ἄκοντα. πείσαν χειροτονηθῆναι ὁ μέγας βασιλῆιος. ἐρωτῶ οὖν τὸν ὁμώνυμόν μοι. δια τί ὅτε σε ἐχρηζον οὐκ ἦλθες, ἵνα μοι συμμαχήσης. ἀλλ'. ὅστερον τοῦ καιροῦ ἄρα ὡς φιλάδελφος ἡσχύνθης τὴν τυραννίδα ἣν ἐτυράννησέ με ὁ ἀδελφός σε, ἢ καὶ σὺ ὡς δυναστής ἐδυσχέρανας διότι ἡπεῖθουν αὐτῷ πρὸς τὸ χειροτονηθῆναι. φθέζομαι τί πρὸς σε. ἀφ' ὧν εἶπεν ὁ Ἰωβ ἀλγῶν καγὼ ὡς ἐκεῖνος καὶ πρὸς φίλον διαλεγόμενος, εἰ καὶ μὴ φαῦλον, οἷ οι ἦσαν οἱ τοῦ Ἰωβ μὴ δὲ ἐφ' ὁμοίαις ταῖς συμφοραῖς. τί οὖν εἶπεν ἐκεῖνος; τί νι πρόσκεισαι. ἢ τί νι μέλλεις βοηθεῖν. πότερον οὐχ ὧ πολλὴ ἰσχὺς. καὶ ὧ βραχίων κραταῖος ἐστίν. ἐγὼ δὲ πρόσθειν καὶ ὧ πολλὴ σοφία καὶ ἐπιστήμη; ἔθος γὰρ τοῖς πολλοῖς αἰεὶ πρὸς τὸ δυνατόν. Λ. 312 οβ. μετατίθεσθαι μέρος. καὶ τοὺς μὲν ἀσθενοῦντας τῶν φίλων καταπατεῖν. θεραπεύειν δὲ τοὺς κρατοῦντας. τοῦτο μὲν οὖν σὺ οἶδας. τουτέστι τί νι μέλλεις βοηθεῖν. ἐμοὶ γὰρ οὐδίκαιον περὶ τοῦ ἀποφαντικῶς λέγειν τί τῶν οὐ καλῶν τὸ μὲν, ὅτι καλοῦ παντός τύπον σε καὶ κάνονα ἡγήμαι. τὸ δὲ, ὅτι καὶ ὑπὸ τῆς γραφῆς νοθευοῦμαι μὴ ταχύς εἶναι εἰς κρίσιν. ἦτοι εἰς ἀπόφασιν. ἢ εἰς κατάκρισιν. τοῦτο μὲν σολομώντος λέγοντος μὴ ἴσθι ταχύς ἐν λόγοις. τοῦτο δὲ ἀποδόλου μὴ πρὸ καιροῦ τί κρίνετε. ἐγὼ δὲ ἔτοιμος εἰμι διὰ φίλιαν, καὶ σοὶ καὶ παντὶ δοῦναι λόγον. τῆς ἐμῆς προμηθεύς ἀσφαλείας. καὶ τίνες αὐτὴν ἀπείθειαν ἐνομάζουσιν. ἵνα μάθῃς ὅτι οὐ πάνυ παυ-

здѣлнста. сннже морє стрѣннї. ннх нзѣл снсоста. н егннтантн погрѣзнста. снже вѣговерннѣ схраннста. н вѣсты ї еретнкѣ погрѣзнста. она с нѣсе мнннѣ прнне-соста. н кодѣ дннкѣ ѿ несѣкомаго. оуѣже осладнста к меррѣ. ѿ сею же хлѣ нбнѣтн дхнїа пннѣ кодаже жнкотвораїа крѣ оуѣснѣа хвѣ. еже ѣ камѣ по аїаѣ. ослажаемѣ кодѣ сдѣ разѣмѣкан. ѿ елннѣскѣ словѣ. ко хѣ прелагаема. н вѣгоуѣтнѣ прннемлемы. она тннн-окразнѣн рѣкѣ простертѣ крѣобразно. амалнка гѣка-їа людн побѣднста. сн же днѣкола. она в землїю обѣтованїю тнратса. сн же в црѣткѣ нѣное.

ὕδωρ πολὺ παράδοξον. τὸ μὲν ἐξ ἀκροτόμου πέτραν ἐξή-ναι. τὸ δὲ, ἐγλύκαναν τὸ ἐν τῇ μερῶ. ἔστι καὶ παρὰ τούτοις ἄρτος μὲν οὐνίος ὁ χς. ἡ πνικὴ τροφὴ ἐγὰ γὰρ φησιν ὁ ἄρτος ἐμὶ τῆς ζωῆς ὁ ἐκ τοῦ οὐνοῦ καταβάς. ὕδωρ δὲ τὸ ζωηρὸν νόμα τῆς διδασκαλίας τοῦ χυ. ὅς ἐστιν ἡ πέτρα κατὰ τὸν ἀπόστολον. γλυκαίνόμενον μὲν ὕδωρ ἐνταῦθα νοήσεις, τὸ ἀπὸ τῶν ἐλληνικῶν λόγων εἰς χυ μετα χειρῶν ἐκτάσει τὸν σῆρον τυποῦντες, τὸν ἀμαλῆκ ἐτροπώσαντο. καὶ οὗτοι τὸν διάβολον. ἐκεῖνοι πρὸς τὴν γῆν τῆς ἐπαγγελίας ἔσπευδον. καὶ τοὺς ἄλλους ὠδήγουν. καὶ οὗτοι εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐνῶν.

Л. 211. Г. Отъ тою оубо двѣ велнкнн вѣснлнн крѣ-ноцнлс н молѣаїа нл средѣ нзкедѣ. епїмѣ поставн. недостоннѣ подвнжѣ. еже в нѣ дѣ. сеже рѣкѣ нѣжеєю. н вложѣа ма радн в матежа в. н сѣла саснма. глїю во недостоннѣ подвнжесѣ. люко н жестѣко слово се. ксѣкоже велнкнн вѣснлнн ї дрѣ сын. тернї всѣ. н-стража н слыша. н волюбѣ. все тернї. ннѣскнн же грнгорнн прндѣ оуѣшнлї. прнмнраа кротѣ сѣшаго в нѣ дѣа. н мнѣ оубо вѣѣ ѣ любо нѣнѣ прндѣ. похѣ-лаїюже, ꙗко по потребовѣ прндѣ. н постнжѣ ма н побѣдн ма. не волею во створн мн статн велнкнн вѣснлнї. прашаю оубо еднннмннннта мн. поуто егда тебѣ требовѣ не прндѣ. да бы мн пособн ꙗко братомлюбѣ оустыдѣса нутѣствѣ. ннже оуѣмѣн ма брѣ-ткон. ты же ꙗко снлѣ ѿнеможе. занѣ протнвѣлѣса не поставннн менс. рѣкѣ же что к тобѣ нѣва. ꙗко кѣ дрѣгѣ бесѣднѣ. аѣе неаїото. что рече онѣ. кѣ ко-мѣ прнложнннн. комѣ лн хоїреннн помонн. не емѣже лн мннга крѣпость. ї мѣшнѣа крѣпка ѣ. азѣ же прнло-жю емѣ же мннга мѣрѣ н хнтрѣ. обѣѣаїа во ѣ мнн-гѣ. ксѣда к снлнѣ прнлѣгннлс ѣлсн. ї немоцнѣаго дрѣ-га тонтатн. оуѣгажатн же лѣѣшнї. се во н сѣ вѣсн. ты оубо ѿкѣ нмннн. датн. чтоже недобрѣ. ксѣко добрѣ. образѣ та нмѣю н прѣкнтелѣ. а еже ѿ ннсѣа нѣкн-кїю не скѣ кѣдн в сѣ ї кѣ ѿкѣ оуѣжѣа. солomonѣ глїю. не вѣдн скорѣ кѣ словесѣ. аїаѣ же. не прѣже вре-менн сѣднте. аз же готѣ есмѣ дрѣжѣа радн. ї тобѣ н ксѣкомѣ датн ѿкѣ моѣ оуѣсѣрдыа. любо нѣцн не-покорннка ма мнѣ. да оуѣвѣн ꙗко не ксѣко дрѣга лнха

λον ἔχεις φίλον καὶ ἀπερίσκεπτον. ἀλλὰ θαρροῦντα μὲν, ἃ θαρρεῖν ἄξιον. ἐκεῖ δὲ φοβούμενον κατὰ τὴν ψαλμωδίαν. οὗ ἔστι φόβος, φοβερὸν γὰρ τὸ μὴ φοβεῖσθαι τὸ τῆς ἐπισκοπίας ἀξίωμα καὶ μέγεθος.

Ἄ. Τὴν μὲν ἀπολογίαν φησιν εἰς ἄλλον καιρὸν ὑπερθώμεθα. νῦν δὲ εἰπώμεν τι πρέπον τῷ καιρῷ τούτῳ τῆς πανηγύρεως. ἐλευθερωθῶμεν ἀδελφοὶ κατὰ τὴν τῆ πάυλῃ π. 313. παραινέσιν ἀπὸ παντὸς μολυσμῶ σωματικῷ καὶ ψυχικῷ. ἀκούσωμεν ἡσαίου λέγοντος. λούσασθε. καθαροὶ γένεσθε. καὶ νιψώμεθα τῷ ὕδατι τῆς μετανοίας καὶ τῶν δακρύων καὶ καθὼς ρωμαίοις γράφει ὁ ἀπόστολος παραστήσωμεν τὰ σώματα ἡμῶν θυσίαν ζῶσαν ἁγίαν ἐυάρεστον τῷ θῷ. τὴν λογικὴν λατρείαν ἡμῶν. ὅρα δὲ τὴν ἀκρίβειαν ἐκάστης λέξεως. οὐ γὰρ εἶπε ποιήσωμεν τὰ μέλη ἡμῶν θυσίαν. ἀλλὰ παραστήσωμεν. ὥσ᾽ ἐῖλεγε μηδὲν κοινὸν ἔχουμεν πρὸς αὐτὰ. μὴ δὲ καθέλκωμεν πρὸς ἰδιωτικὰς διακονίας. τῷ θῷ καθάπαξ αὐτὰ ἀφιερώναντες. ἀλλὰ καὶ πάντα μῶμου περιέλωμεν ἀπὸ τῶν μελῶν, ἐπειδὴ θυσία τὰῦτα ἔστιν. ἡ γὰρ θυσία ἀπαρχὴ τῶν ἄλλων ἔστι. καὶ οὐδὲν ὀφείλει ἔχειν ὀκνάδατον... ἵνα μή τις νομίση ὅτι κατασφάξει κελεύει τὰ σώματα.

#### Ч т е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

φ. 95 об. Μένων ἐξέτασιν, ἐν τοῖς ἐξῆς ἀποδώσομεν τῇ συνεργίᾳ τοῦ πνεύματος. ἅπιτε μοι χαίροντες, ἡ φιλόχριστος ἐκκλησία. ἀντὶ παντὸς ὄψου πολυτελοῦς, καὶ τῶν ποικίλων κατυκρυμάτων τῇ μνήμῃ τῶν εἰρημένων τὰς σεμνὰς ὑμῶν κατακοσμοῦντας τραπέζας. καταισχυνεατο ὁ ἀνόμοιος. ἐκτραπέσθω ὁ ἰουδαῖος. ἀγαλλιάσθω τοῖς δόγμασι τῆς ἀληθείας ὁ εὐσεβής. δοξαζέσθω ὁ Κύριος. ὧ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος, εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. ἀμήν.

† Ἐτελειώθη σὺν θεῷ ἡ ἐξαήμερος τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλου κατὰ τὴν δευτέραν αὐτοῦ σεπτεβρίου μηνὸς π. 5. ἰνδικτιώνος τοῦ 4600. (1340. γ.) ἔτους.

φ. Второго почерка. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν γρηγορίου ἐπισκόπου νύσσης κεφάλαια τριάκοντα. εἰς τὴν τοῦ ἀνθρώπου διάπλασιν.

Ἐν ταῖς διὰ τῶν χρημάτων τιμαῖς. ἰδεὶ γεραίρεν τοὺς κατ' ἀρετὴν διαφέροντας.

Заглавные буквы и двѣ скорописныя азбуки.

Слова съ знаками препинанія: βλαστῆσις· εἰπης· ἀμήν: ὁμοίωσιν: ὄντων. ερως; προσκαιρον.

Сокращения и слова съ титлами: ἀνθρωπίνω θεός. οὐρανὸν καὶ συμπαθείσας περὶ δέ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., γὰρ ἀνθρωπον. ε., ἡμετέρος ἐπὶ ἐπιτηδείως. ν., οὖν συνεργίας. σ., διαφανής. τ., ὑπόστασιν, σχηματίζεται.

На л. 45. Разставочныя на полѣ слова въ перпендикулярномъ: направиленіи ὥραῖον ὅλον.

На л. 25. об. Знаки вносныхъ мыслей.

## VII. Шестодневъ святаго Василія Великаго съ сочиненіями другихъ отцевъ церкви.

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 251-мъ.

Длина бумаги . . . . .	4 <sup>7</sup> / <sub>8</sub>	в.
Ширина . . . . .	3 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ корешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub>	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	<sup>7</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ верху . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ низу . . . . .	1	в.

Бумага лощеная, бумажнаго знака близъ корешка трудно отгадать. Съ 96. листа до конца книги другая бумага, и другой знакъ, котораго также близъ корешка трудно отгадать.

1) Въ Слав. переводѣ много пропущено въ семь спискѣ.



Писано скорописью въ одинъ столбецъ по наръзамъ на 192-хъ листахъ. Простыя заставки, заглавія и заглавныя буквы въ началѣ рукописи писаны коричневою краскою, а съ 8. листа оборота разоватою краскою. Съ 96-го листа въ началѣ втораго почерка, опять заставка заглавія и заглавныя буквы писаны тою же коричневою краскою, каково писаны 1-е листы рукописи. Перваго почерка колеръ чернилъ темный. а 2-ю темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 1-го почерка 25 и 26-ть, 2-го почерка 31, 32. и 33 Помѣта тетрадей внизу на углу съ обоихъ сторонъ, на лицевой сторонѣ съ правой, а на оборотной съ лѣвой стороны. Вверху 1-го листа написано: τοῦ παντοκράτορος.

Шестодневъ св. Василія оканчивается 95-мъ листомъ., а на 96-мъ по 148. листъ написано св. Григорія Нискаго о сотвореніи челоѣка въ 30-ти главахъ.

л. 1 — 9. об. Начало: Ἐν ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. πρέπουσα ἀρχὴ τῷ περὶ τῆς τοῦ κόσμου συστάσεως μέλλοντι διηγεῖσθαι.

Начало: Μικροῖς ἔωθεν ἐνδιατρίψαντες ῥήμασιν.

л. 19—28 об. Трѣтъ. Начало: Τὰ τῆς πρώτης ἡμέρας ἔργα.

л. 28 об. — 35. 4-я. л. 35. об. — 45. 5-я. Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θεὸς βλαστησάτω. л. 45—48. 6-я. Начало: Τῶν ἀθλητῶν θεατὴν μετέχειν τινὸς προσεῖκε. л. 58—65 об. Ἐβδόμη. Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θεὸς ἐξαγαγέτω τὰ ὕδατα ἐρπετὰ ψυχῶν. ζωσῶν κατὰ γένος.

л. 65 об. — 75. ѱ. (8). Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θεὸς ἐξαγαγέτω ἡ γῆ ψυχὴν ζωσῶν κατὰ γένος.

л. 75—95. Ἐνάτη. Начало: Πῶς ὑμῖν ἡ ἐωθινή τῶν λόγων τράπεζα κατεφάνη.

Съ 152. до 192 об. Написаны неизвѣстнаго автора бесѣды, говоренныя во время поста.

Заглавій и начальныхъ буквъ, обыкновенно писанныхъ киноварью или коричневою краскою нѣтъ.

л. 152—158. Начало 1-й бесѣды: (Ε)ἰ ἐπὶ τοσαύταις παραινέσιν. ἃς ἐν τε τῷ προλαβόντι χρόνῳ παρακαλοῦντες ὑμᾶς οὐ διελίπομεν, καὶ ἐφεξῆς τῶν ἐπτα τῆς νηστείας ἐβδομάδων νυκτὸς καὶ ἡμέρας διαμαρτυρόμενοι ὑμῖν τὸ εὐαγγέλιον τῆς χάριτος τοῦ θεοῦ.

л. 158—164 об. Начало 2-й бесѣды: (Τ)ὰ φρέατα ἐξαντλούμενα εὐρωότερα γίνεται. καὶ πλούτου τὸ στασιμον, ἄχρηστον....

л. 164 об. — 172 об. Начало 3-й бесѣды: (Ο)ταν εἰς οἰκείαν ἀνδρὸς ἀπειροκάλλου εἰσέλθῃ καὶ ἴδῃ αὐτὴν παντοίοις γεγαννημένην ἀνθεσιν...

л. 164 об. — 183. Начало 4-й бесѣды: Ἰπτός μοι φόβος ἐνέσκηψε τοῖς τῆς διανοίας κολποῖς.

л. 183—179 об. Начало 5-й бесѣды: Χρὴ τὴν προσευχὴν μὴ ἐν συλλαβαῖς ἡμᾶς ἐκπληροῦν ἀδελφοί. ἀλλὰ προαιρέσει μάλλον ψυχῆς.

л. 179 об. — 192 об. Начало 6-й бесѣды: Στρατηγοὶ μὲν εἰς παράταξιν τὸν στρατὸν. καθιστῶντες τοῖς παρακλητικοῖς λόγοις πρὸ τῶν ἀγώνων κέχρηται.

л. 192 об. Начало 7-й бесѣды неконченной: Τοῦ θαύματος ἀγαπητοὶ πῶς ἕκαστος ἡμῶν μετὰ τὸ τοὺς μητρώους πόλιους ἀποφυγεῖν.

## Выписки изъ подлинника съ Дрекле-Славянскимъ переводомъ

л. 41 об. Τοῦ αὐτοῦ ὁμιλία εἶ. εἰς τὴν γένεσιν.

Καὶ εἶπεν ὁ θεὸς βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. σπέρμα κατὰ γένος. καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν κατὰ γένος. οὗ τὸ σπέρμα αὐτοῦ, ἐν αὐτῷ.

Ἀκολουθῶς μετὰ τὸ ἀναπνεῦσαι τὴν γῆν ἀποσκευασμένην τὸ βάρος τοῦ ὕδατος, τὸ πρόσταγμα αὐτῇ γέγονε βλαστῆσαι πρῶτον βοτάνην. ἔπειτα ξύλον. ὅπερ ἔτι καὶ νῦν ὁρῶμεν γινόμενον. ἡ γὰρ τότε φωνὴ καὶ τὸ πρῶτον ἔχει νο πρόσταγμα, οἷον νόμος τίς ἐγένετο φύσεως. καὶ ἐναπέμεινε τῇ γῇ τὴν τῇ γεννᾶν αὐτῇ καὶ καρποφορεῖν δύναμιν εἰς τὸ ἐξῆς παρεχόμενος. βλαστησάτω ἡ γῆ: Πρῶτον ἐστὶν ἐν τῇ γενέσει τῶν φυομένων ἡ βλαστησις. ἔπειτα

Изъ ШЕСТОДНЕВА ІОАННА ЕКЗАРХА БОЛГАРСКАГО  
№ 345. 1263. г. Синод. Библ.

в. II рече бѣ. да прорастиѣ земля травѣ съно-  
кноу ю. съноу по родѣ съме. ндрѣво плодноѣ тво-  
ре плѣ. по родѣ. іемоу же съме іего в немъ. по ун-  
ноу бѣ. іако бо акы ѿдѣхноу земля. съвлѣкъши се  
съ тежести кодыне. покельниіе іе н бѣ. прорастиѣ.  
прѣкоіе травѣ тауе дрѣво. іеже н нѣтъ бываіемо вн-  
димъ. тѣ бо гла н то прѣкоіе покельниіе акы законъ  
бѣ. н оуставъ іесткоу. н тѣ оуставъ земли. даіе іен  
сноу плѣ творню. на прокы дѣи все. да прозевнѣтъ  
земѣ л. 98. а. прѣкоіе стѣлъ бытнн. кльющннхъ (sic)  
прозевнѣніе. тауе іако прѣннкоуѣтъ малы. прозевнѣніа



ὅταν προκύψῃ μικρὸν τὰ βλαστήματα, βοτάνη γίνεται. εἴτ' ἐπειδὴν αὐξηθῇ χόρτος ἐστὶ κατὰ μικρὸν διαρθρουμένων τῶν φυομένων καὶ μέχρι τῆς ἐπὶ σπερμα τελειώσεως προϊόντων· τὸ γὰρ χλοερὸν καὶ πράζων, παραπλήσιον. ἐστὶν ἀπάντων. βλαστησάτω ἡ γῆ. βοτάνην χόρτον: Καθ' ἑαυτὴν ἡ γῆ προφερέτω τὴν βλάστησιν. οὐδεμιᾶς συνεργίας ἐτέρωθεν θεο . . . ἐπειδὴ л. 42. τινὲς οἰοῦνται τὸν ἥλιον αἰτίον εἶναι. τῶν ἀπὸ γῆς φυομένων, τῇ ὀλκῇ τοῦ θερμοῦ, πρὸς τὴν ἐπιφάνειαν τὴν ἐκ τοῦ βάθους δύναμιν ἐπισπώμενον. διὰ τοῦτο πρεσβυτέρα τοῦ ἡλίου ἡ περὶ γῆν διακόσμησις. ἵνα καὶ τοῦ προσκυνεῖν τὸν ἥλιον ὡς αὐτὸν τὴν αἰτίαν τῆς ζωῆς παρεχόμενον οἱ πεπλανημένοι παύσονται. ἐὰν ἄρα πεισθῶσιν. ὅτι πρὸ τῆς ἐκείνου, γενέσεως τὰ περὶ τὴν γῆν πάντα διεκόσμητο. καὶ τοῦ ἀμέτρου περὶ αὐτὸν θαύματος καθυφῶσιν, ἐνθυμηθέντες. ὅτι χόρτου καὶ βοτάνης νεώτερος ἐστὶ κατὰ τὴν γένεσιν. ἄρ οὖν τοῖς μὲν βοσκήμασιν ἡ τροφή προαπετέθη, τὸ δὲ ἡμέτερον οὐδεμιᾶς ἐφάνη προνοίας ἄξιον, ἀλλὰ μαλίστα μὲν ὁ βουσί καὶ ἵπποις τὸν ψιλὸν προαποθέμενος. σοὶ τὸν πλουτοῦ καὶ τὴν ἀπόλαυσιν παρασκευάζει. ὁ γὰρ τὰ κτήματα σου διατρέφων, τὴν σὴν συναύξει τοῦ βίου κατασκευῇν. ἔπειτα ἡ τῶν σπερμάτων γένεσις, τί ἄλλο ἐστὶ, καὶ οὐχὶ τῆς σὴν διαγωγῆς παρασκευῇ, πρὸς τῷ πολλὰ τῶν ἐν πόαις. ἔτι καὶ λαχάνοις ὄντων τροφήν ἄντων ὑπάρχιν. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτον. σπεῖρον σπέρμα φησὶ κατὰ γένος: "Ὡς τε καὶ τι γένος βοτάνης ἐτέροις διαφέρει κάκεινων τὸ κέρδος πρὸς ἡμᾶς ἐπανέρχεται. καὶ ἡμῖν ἡ χρῆσις τῶν σπερμάτων ἀφωρίσται. ὥστε εἶναι τὸν νῦν τῶν εἰρημένων τοιοῦτον. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην л. 42 об. χόρτου. καὶ σπέρμα σπεῖρον κατὰ γένος. "Οὕτω γὰρ καὶ τὸ τῆς λέξεως ἀκόλουθον ἀποκαταστῆναι δυνήσεται, ἀκαταλλήλως νῦν τῆς συντάξεως ἔχειν δοκούσης, καὶ τὸ ἀναγκαῖον τῶν ὑπὸ τῆς φύσεως οἰκονομουμένων διασωθήσεται. πρῶτον μὲν γὰρ βλάστησις. εἴτα χόρτον αὐξησις. εἴτα ὁ ἀπαρτισμὸς τῶν αὐξανομένων ἐρωτ. διὰ σπέρματος. Πῶς οὖν φησὶ πάντα εἶναι τὰ ἐκ τῆς γῆς φύομενα σπερματικὰ ὁ λόγος ἐνδεικνύται. ὅπουγε οὔτε κάλαμος, οὔτε ἄγρωσις, οὔτε τὸ ὑγρόσμον. οὔτε ἡ μένθη. οὐ κρόκος, οὐσχόροδον, οὐ βότοκον. οὐδ' ἄλλα μυρία γένη φυτῶν σπερματίζοντα φαίνεται. Λυσίς. Πρὸς δὲ τοῦτο φαιμέν, ὅτι πολλὰ τῶν φυομένων ἐκ τῆς γῆς ἐπὶ τοῦ πύθμενος καὶ τῆς ρίζης ἔχει τὴν δύναμιν τῶν σπερμάτων, ὥσπερ ὁ κάλαμος μετὰ τὴν ἐπέτειον αὐξησιν ἀπὸ τῆς ρίζης ἀφίησι τινὰ προβολὴν σπέρματος λόγον ἔχουσα πρὸς τὸ μέλλον. τοῦτο δὲ ποιεῖ καὶ ἄλλα μυρία, ὅσα διὰ γῆς νεμόμενα, ἐν ταῖς ρίζαις τὴν διαδοχὴν κέκτηνται. ὥστε παντὸς ἐστὶν ἀληθέστερον τὸ ἐκάστω τῶν φυομένων. ἢ σπέρμα εἶναι, ἢ δύναμιν σπερματικὴν ἐνυπάρχειν. καὶ τοῦτο ἐστὶ τὸ κατὰ γένος. οὐ γὰρ ἡ προβολὴ τοῦ καλάμου, ἐλαίας ἐστὶ ποιητικὴ. ἀλλ' ἐκ καλάμου μὲν, ἕτερος κάλαμος. ἐκ δὲ τῶν σπερμάτων, τὰ συγγενῇ τοῖς καταβληθεῖσιν. ἀποβλαστάνει. καὶ οὕτως τὸ ἐν τῇ πρώτῃ γενέσει. л. 43. προβληθὲν παρὰ τῆς γῆς, μέχρι καὶ νῦν διασώζεται τῇ

трава боудеть, таже како воздрастетъ къ врьтеници внидоу и члвчѣ. тврѣдесе и на свръшении приды. сѣме сътворѣтъ поплакыетъ. да прозебнетъ землѣ травоу сѣновноую ѿ себе землѣ да приноситъ прозебении. ни ѿ коудожѣ. днствл нноудѣ нетрѣбоуюци. нмѣже бо дроузни мнетъ слнѣе внино соуѣе. всемоу жеже ѿ землѣ растетъ. влѣуениемъ топлымъ. б., вѣнъ нзъ землѣ снлоу нз глауѣниѣ нзводе. сего цѣцл оуткаръ земнал. давнѣиши иестъ. слнѣа да не мнетъ. прѣлѣстниши слнѣа. творешл жнзнь. нъ да се иего ѿстаноуѣ кланѣуюѣе. како прѣже того створено ие на земан все. и иеже то без мѣры уюдетъсе иемоу. да ѿслабеть номысливше како же травы и сѣна покые иестъ слнѣе бытннемъ. боуде ли сн оубо. скотоу пицл оуготована. како сн оубо коудеть скотоу пицл прѣже зготована. али наша жнзнь не л. 88. об. а. боудеть на хоудѣ оустроена. а нели пауе иеже то иестъ конемъ нго ведомъ оуготоклена пицл. и крѣмѣ. то тебѣ то богатѣство и сласти все стронѣ. нже бо ткою ноутоу крѣмнѣ. тотъ жнтниѣ твоѣ стронѣ. тауе сѣменьное бытнне нно уѣо иестъ разкѣ твоиемоу жнтнню. много бо къ земни и травахъ пнтнниѣ уѣкомъ иестъ . . .

Да прорастиѣ землѣ травоу сѣновноую. сѣноую сѣме реуе по родоу. да аѣе и вѣн родѣ тракнѣн. скотѣ иестъ на поѣоу. да иеже томоу на б., потрѣбоу то намъ быкаѣтъ на строн. да и намъ на потрѣбоу. сѣмена соуѣѣ ѿлоуѣена. како оубо реуе. все иеже ѿ землѣ растетъ. то то сѣменно. все быкаѣтъ. вниднмѣе ннѣ. ни трѣсти ни троскота ни шеты. ни уесновнѣѣа. на нного многа рода садовнааго. сѣмене нмоуѣа . . . мыже протнвоу томоу ѿвѣрѣиѣмъ рекоуѣе како много ѿ растуѣиѣаго и землѣ. на днѣ къ коренни. нматъ снлоу сѣменноую какоже се трѣсть ѿраслн. на днѣ къ коренни. творнтъ л. 99. а. акы уесновнѣе. и все сѣмене мѣсто. проклѣѣтъ на кесноу снѣе же творнтъ и ннѣ много родѣ. иеже скокозѣ землю проростаѣтъ. то къ коренни нматъ. ѿ него же быкаѣтъ. како же всего нстиннѣе иестъ коѣѣѣ ѿ прорастваюѣиѣнхъ. нли сѣме нмѣти к себе. нли снлоу къ сѣмене мѣсто. да се иест иеже иемѣнтъ по родоу. не бо прѣлѣннѣе трѣстнѣоѣе маслннѣе творнтъ дрѣвѣннѣе нѣ ѿ трѣсти дроуѣнѣа быкаѣтъ трѣсть. а сѣме коѣѣѣ скоѣе племенноѣе растнтъ б., ти тако иеже ие прѣвоѣе къ бытннн прозебнѣло и землѣ. то то и до ннѣ поражаѣе тосе. родоу скоѣемоу коѣемоуѣѣо храннмо стѣ. да прорастиѣ землѣ. разоуѣмѣкан како ти ѿ мала класа (sic) и покѣлѣннѣа такоу хоудѣ носѣхнѣноу и кесѣменноу кѣскѣрѣ толнко нарѣѣнѣноу и налѣннѣноу акы нехалѣ нѣкакоу. нже лѣткѣннѣе рнзѣ ѿкѣрѣнѣноу. и нзмѣннѣноу се къ свѣтѣлѣство. (sic) и скоѣнѣе оуткорнѣнѣноу. и кеслоуѣноу. кнѣннѣе землю. и не свѣднѣннѣе сады л. 99. об. а. растѣноу хоѣноу къ тебѣ



ἀκολουθία τῆς διαδοχῆς φυλασσομένου τοῦ γένους. βλασ-  
τησάτω ἡ γῆ. Νόησον μοι ἐκ μικρῆς φωνῆς καὶ προσταγ-  
ματος οὕτω βραχέως, τὴν κατεψυγμένην καὶ ἄγονον ὠδί-  
νουςαν ἀθρόως, καὶ πρὸς καρπογονίαν συγκλινουμένην. ὥς  
πέρ τινα σκυθρωπὴν καὶ πενθήρη ἀπορρίψασαν περιβολὴν,  
μεταμφιεσσμένην φαιδρότεραν, καὶ τοῖς οἰκοῖσι κόσμοις ἀγαλ-  
λομένην, καὶ τὰ μυρία γένη τῶν φυομένων προβάλλουσιν.  
βούλομαι σοι σφοδρότερον τῆς κτίσεως ἐνιδρυθῆναι τὸ θαῦ-  
μα. ἴν ὅπου περ ἂν εὑρεθῇς. καὶ ὁποιοῦν ποτε γένει τῶν  
φυομένων παραστῆς, ἐναρχῇ λαμβάνης τοῦ ποιήσαντος τὴν  
ὑπόμνησιν. Πρῶτον μὲν οὖν ὅταν ἴδῃς βοτάνην χόρτου καὶ  
ἄνθος, εἰς ἔννοιαν ἔρχου τῆς ἀνίνης φύσεως. μεμνημένος  
τῆς εἰκόνας τοῦ σοφοῦ ὁσίου, ὅτι πᾶσα σὰρξ ὡς χόρτος,  
καὶ πᾶσα δόξα αἰῶντος, ὡς ἄνθος χόρτου. τὸ γὰρ ὀλιγοχρό-  
νιον τῆς ζωῆς, καὶ τὸ ἐν ὀλίγῳ περιχαρὲς καὶ ἱλαρόν τῆς  
ἀνίνης ἐνημερίας, <sup>1)</sup> καιριωτάτης παρὰ τῷ προφήτῃ τετύχη-  
κετῆς εἰκόνας. ὁ σήμερον εὐθαλῆς τῷ σώματι. κατασεσαρ-  
κωμένος ὑπὸ τρυφῆς ἐπαθοῦσαν ἔχων εὐχροίαν ὑπὸ τῆς  
κατὰ τὴν ἡλικίαν ἀκμῆς σφριγῶν καὶ σύντονος καὶ ἀνύ-  
ποστατος τὴν ὁρμὴν, αὔριον ὁ αὐτὸς οὗτος ἐλεεινός, ἢ τῷ  
χρόνῳ μαρανθεῖς. ἢ νόσῳ διαλυθεῖς. ὁ δεῖνα περίβλεπτος  
ἐπὶ λ. 43 об. χρημάτων περιουσία. καὶ πλήθος περὶ αὐ-  
τὸν κολάκων. δυσυφορία φίλων προσποιητῶν. τὴν ἀπ' αὐτοῦ  
χρεῖαν θεραπευόντων. πλήθος σργγενείας. καὶ ταύτης κα-  
τεσχηματισμένης, ἐσμὸς τῶν ἐφεπομένων μυρι... τῶν τε ἐπὶ  
σιτία. καὶ τῶν κατ' ἄλλας χρεῖας αὐτῷ προσεδρευόντων.  
οὓς καὶ προίων. καὶ πάλιν ἐπανίων, ἐπισυρόμενος, ἐπιφ-  
θονος ἐστὶ τοῖς ἐντυγχάνουσι. πρόθεος τῷ πλούτῳ καὶ πο-  
λιτικὴν τῖνα δυναστείαν ἢ τὰς ἐκ τῶν βασιλέων τιμὰς, ἢ  
ἐθνῶν ἐπιμέλειαν. ἢ στρατοπέδων ἡγεμονίαν. τὸν κήρυκα  
μέγα βοῶντα πρὸ αὐτοῦ, τοὺς ραβδοφόρους ἔνθεν, καὶ ἔν-  
θεν βαρυτάτην κατάπληξιν τοῖς ὀρχομένοις ἐμβάλλοντας,  
τὰς πληγὰς, τὰς δημέυσεις. τὰς ἀπαγωγὰς. τὰ δεσμωτήρια. ἐξ ὧν ἀφόρητος ὁ παρὰ τῶν ὑποχειρίων συναθροίζεται  
φόβος. καὶ τί μετὰ τοῦτο. μία νύξ καὶ πυρετὸς εἰς. πλευρίτης. ἢ περιπνευμονία, ἀνάρπαστον ἐξ αἰῶντος ἀπαγούσα τὸν  
αἶνον. οἴχεται πᾶσαν τὴν ἐξ αὐτῶν σκηνὴν ἐξαπίνης ἀπογυμνώσασα. καὶ ἡ δόξα ὥσπερ ἐνύπνιον ἀπηλέγχθη. ὥστε  
ἐπιτέτευκται τῷ προφήτῃ ἢ πρὸς τὸ ἀδρανέστατον ἄνθος ὁμοίωσις τῆς ἀνίνης δόξης.

#### Чтениѣ и объяснениѣ снима.

φ. 1 об. Οἱ ἀναγινωσκόμενοι λόγοι τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου ἐρμηνευμένοι ἀπὸ  
φωνῆς τοῦ σοφωτάτου Κυροῦ Νικήτα τοῦ ἡρακλείας. λόγος πρῶτος εἰς τὸ ὅγιον πάσχα καὶ εἰς τὴν βραδυτῆτα. προοίμιον.

Ἄκων χειροτονηθεῖς ἱερεὺς ὁ θεῖος γρηγόριος. ὥς τε λοιπὸν γηράσαντος τοῦ πατρὸς αντιλαμβάνεσθαι τῶν κατὰ  
ναζιανζὸν ποιμνίου καὶ ἀναπληροῦντες τὸ πατρικὸν ὑστέρημα.

φ. 412 об. † Ἐγράφη καὶ ἐτελειώθη ἡ θεία καὶ θεολογικὴ καὶ ἱερὰ αὕτη βίβλος ἐν ἔτει 868. (1339. г.)  
καὶ ἔυχεσθαι τὸν γράψαντα οἱ ἀναγῆ....

л. 249. Второго почерка: Тоῦ αὐτοῦ εἰς τὰ φῶτα.

Καὶ οὗτος ὁ λόγος κατὰ τὴν Κωνσταντινουπόλιν ὁμοίως ἐξεφωνήθη· καὶ ἐξεδώθη μετὰ τὴν τῶν ἁγίων θεοφα-  
νίων. εἰπουν τῶν Χριστοῦ γέννων ἀκολουθίως πανηγυρίζει.

Заставки, заглавные буквы и скорописная азбука.

<sup>1)</sup> Въ подлинникѣ до начала 43. об. стр. на полѣ по одной буквѣ написано: ὥρατον ὄλον.

зело да се оутвърднтъ. уюѣ зданнѣ сего. да гдѣ лю-  
бо лире ѿбращениисе. или приложениисе. надъ кымъ  
любо садомъ стоиѣ. то пакъ къспомѣненнѣ. творюу па-  
метъ. прѣкоиѣ во игда виднии тревнааго былниѣ цвѣтъ.  
къ оумъ си въниман уѣуѣ истко. поминнаю ѿбразъ.  
великааго исаніе рекоюма. пакъ къ нльть сѣно и  
кѣ слава уѣкѣ. акы цвѣтъ сѣнныи. мѣнитъ же ма-  
лого-дноуію жинъ. и хоудо растнѣ. и хоудое ке-  
селнѣ уѣуѣ. настѣкаѣ снѣ ѿбразъ творнтъ. днѣ рази-  
ладѣлъ іесн нльню. и оуинтельсѣ сластмн. и свѣтло  
нмани лице. юностию цвѣты и боуи снлоу а на  
оутрнѣ тоужѣ сѣ оунылъ и дрехлъ. или акы оуве-  
ноулъ. или іезею съдроуенъ. ѿнѣнѣ славенъ бога-  
тствомъ зело словы. и мнози ѿ немъ льстѣи хвля-  
щен велин. много ѿ немъ оужнкъ. и пльці ѿ немъ  
мнози ходетъ. ѿнѣ надъ іемоу готовѣсѣ. а дрѣзни много  
рѣ слоужѣіе іемоу іегоже дѣлаи и мнози іемоу закндетъ л.  
100. а. приложн же іемн. іесѣ ктомуу богатствѣ. и снлы  
великы рекше саны уѣстны ѿ властель. или коіеко-  
ды пѣставленѣ. или стронтеле инакы. или соуднѣ.  
и жезлѣннкы ѿба полѣ іего соудоу и соудоу. грѣды-  
ню творѣіе повннныи великоу. и ранѣ и ѿпоуіе-  
нны. ѿ него же бес трѣпѣнны повннныи събнраетсѣ  
страхъ. тауѣ уѣо боудетъ нотомъ. не іедннѣ ли ношѣ  
прнстоупнтъ. и ѿгнѣ ражѣжетъ. іедннѣ рѣврѣннкъ.  
или пльюіа нзгноу. или и кроуіиѣ б., урѣнаѣ  
въстѣкѣи. и акы громъ раздрѣшн. въ уѣсѣ въско-  
пнтѣ. да же и оустъ сконхъ. не оутѣгнетъ разврѣстн.  
тн кѣ снѣ нгрн. рекше. жнтнѣ сѣн сластн. акы по-  
кѣиѣ мнмо несетъ. и слава та акы въ снѣ боудетъ бы-  
ла. да клюуаіотсѣ прѣокоу. ю же прнүтоу цвѣтомъ прн-  
ложн. поіеіоу соуімоу уловѣи слава . . .

Слова съ знаками препинанія: γογγυσμοῦ, ἔθνεσι. ἀκολουθεῖ μοι·.

Сокращенія и слова съ титлами: μηδὲν καὶ σοφίας, κείμενον ἐρμηνία. δὲ Χριστὸν Χριστῷ.

Нѣкоторые буквы съ связи съ другими: α., προσάγεται πράγματι ἀναξίοις. ε., κелύει τραπέζην. ν, ἐτέ-  
λουν. σ., γλῶσσαν φράσσεσθαι πίστεως.

Бумажный знакъ, состоящій изъ двухъ круговъ по срединѣ перечеркнутый прямою чертою, выхо-  
дящею съ правой стороны отъ глаза за черту круга. см. л. 99.

На л. 172 об. Знаки вносныхъ мыслей.

## УШ. Собрание молитвъ и пѣснопѣній (ΩΡΟΛΟΓΙΩΝ) ѿкары Аѳонскаго монаха,

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 269-мъ.

Длина пергамина . . . . .	5 <sup>3</sup> / <sub>8</sub> в.
Ширина . . . . .	4 "
Къ корешку . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>2</sub> "
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 "
Къ верху . . . . .	5 <sup>5</sup> / <sub>8</sub> "
Къ низу . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>8</sub> "

Пергамень выдѣланъ хорошо, но отъ времени покособился. Нѣкоторые листы очень тонки. Пи-  
сано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 276. листахъ. Внизу 1-го ли-  
ста подписано: Арсеній ᾱ. Заставка въ началѣ простая, писана одною коричневою краскою. Загла-  
вныя буквы и заглавія тоюже краскою писаны. Въ срединѣ книги есть заглавія розовою карминною  
краскою писанныя, съ 148 листа заглавія писаны вишневою краскою. Колеръ чернилъ темно-корич-  
невый. Помѣта тетрадей внизу съ правой стороны и по срединѣ. Число строкъ на страницѣ 26.

Сначала въ родѣ предисловія. Въ заглавіи его упоминается διονυσίου μονα...

л. 2—19 об. Τοῦ αὐτοῦ γνωστικὰ κεφάλαια πεντήκοντα περὶ διαφορὰς τῶν· θείων ὕμνων. Начало: "Ὡσπερ  
ἐπὶ τῶν ἐμπόρων ἔστιν ἰδεῖν.

л. 19 об. — 111 об. Ωρολόγιον συ θῶ τῶν θείων ὕμνων καὶ εὐχαὶ μετὰ τροπαρίων εἰς τὸ ψαλτήρων. εἰς  
δὲ πόνημα θηκαρᾶ μοναχῶ. προοίμιον τοῦ θηκαρᾶ τῶν περὶ πίστεως λόγων. Начало: Τὸν ἀσχολούμενον περὶ τὴν  
καθάραν...

л. 112—117. Κανὼν χαιρετισμὸς, εἰς τὴν ὑπεραγίαν θῶκον. ποίημα τοῦ εὐσεβεστάτου βασιλέως κυροῦ θεοδώ-  
ρου τοῦ λάσκαρη. Начало 1-го тропаря: Χαίροις ἱλαστήριον ψυχῶν.

л. 117—128. Κανὼν τῆς ακαθίστου. Ἰωσήφ. καὶ οἱ κατὰ Αλφάβητον εἰς τὴν ὑπεραγίαν δέσποιναν ἡμῶν θῶκον.

л. 128—198 об. Κατήχησις περὶ τῆς ἀσκητικῆς ἀκολουθίας. Начало: Δεῖ τοὺς μὴ εἰδότας ἐκ στήθους τὸ  
ψαλτήριον, ὅταν λέγωσι τὴν ἀσκητικὴν ἀκολουθίαν.

л. 198 об. — 204. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαὶ συλλεχθεῖσαι ἀπὸ τῆς θείας γραφῆς. τὰ πλεῖστα δὲ, ἀπὸ τοῦ ἁγίου  
ἐφραίμ τοῦ σύρου...

Πένθος τῇ δευτέρᾳ ἐσπέρας. Начало: Δέξαι δέησιν ῥυπαροῦ καὶ ἀκαθαρτοῦ στόματος δέσποτα.

л. 204—209. Πένθος τῇ τρίτῃ ἐσπέρας. Начало: Οἶμοι ἐν ποίᾳ καταγνώσει ἔστηκα...

л. 209—215. Πένθος τῇ τετράτῃ ἐσπέρας. Начало: Ὁ πόνος λέγειν πρὸς θν̄ ἀναγκάζει με.

л. 215—220. Πένθος τῇ πέμπτῃ ἐσπέρας. Начало: Ἴδου πάλιν προσπίπτω ἐπὶ θυραῖς τοῦ ἐμοῦ δεσποτου.

л. 220—225 об. Πένθος τῇ παρασκευῇ ἐσπέρας. Начало: Ψυχὴ τεθλιμμένη προσέρχεται σοι ἅγιε Δέσποτα!

л. 225 об. — 231 об. Πένθος τῷ σαββάτῳ ἐσπέρας. Начало: Νῦν ἔτι καὶ σήμερον κατησχυμένῳ προσάπω  
καὶ εἰς γῆν νέουντι τολμῶ...

л. 231 об. — 235. Τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ καὶ ὥρα. Начало: Ἦ χάρις σου δέδωκε μοι τὸ λαλεῖν πρὸς σε...

л. 235—238. Πένθος τῇ κυριακῇ ἐσπέρας. Начало: Ὡς ἐνώπιον κ̅ε τοῦ φοβεροῦ σου βήματος ἐστὼς ὁ κατάκριτος.



л. 238 об. Ὡδὴ θ. τῆς ὑπεραγίας θ̅κ̅ου... μεγαλήνει ἡ ψυχὴ μου....

л. 240. Τροπάρια ψαλλόμενα εἰς παρακλήτικον τῆς ὑπεραγίας θ̅κ̅η̅ πρὸς τὴν τιμιώτεραν. Начало 1-го Киѡ-  
тὸν καὶ πλάκαν τὴν ἱεράν...

л. 240—243 об. Ἀκολουθία εἰς τὸν κ̅ν̅ ἡμῶν Ι̅ν̅ χ̅ν̅ περὶ νήψεως.

л. 243 об. — 276. Θεοδούλου μοναχοῦ διήγησις περὶ τῶν ὕμνων πῶς θεόθεν δεδωρῆνται. καὶ ὅτι χρὴ  
τοὺς αἰρουμένους λέγειν αὐτοὺς τηρεῖν ἑαυτοὺς ἀπὸ τῶν παθῶν. εἶτα καὶ μαρτυρίαι ἀπὸ τῶν ἁγίων διδασκάλων περὶ  
τῆς πρὸς θ̅ν̅ αἰνέσεως καὶ περὶ τῆς πρὸς αὐτὸν εὐχαριστίας. καὶ περὶ ἀρετῆς καὶ κακίας. Начало: Δέον ἡμῖν ἄπερ  
ἡκούσαμεν καὶ τῇ πείρᾳ ἐγνώκαμεν ἐν τοῖς δὲ τοῖς ὕμνοις, γραφῇ παραδοῦναι.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 240. Ἀκολουθία εἰς τὸν κ̅ν̅ ἡμῶν Ι̅ν̅ χ̅ν̅,  
περὶ νήψεως. στιχῆρα προσόμοια ηχ. πλβ. (6).

ὁλ. ἀποθέμενοι.

Ι̅υ̅ γλυκύτατε. ψυχῆς ἐμῆς θυμιδία. Ι̅υ̅ ἡ κ̅θ̅αρσις τοῦ  
νοῦς μου. δέσποτα πολυέλεε. Ι̅υ̅ σῶσον με. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ μου.  
Ι̅υ̅ μ̅η̅ παντοδύναμε. μ̅η̅ καταλειπῆς με. σ̅ε̅ρ Ι̅υ̅ μ̅η̅ ἐλέη-  
σον. καὶ λύτρωσαι κολάσεως πάσης Ι̅υ̅. καὶ ἀξίωσον τῆς  
τῶν σωζομένων μερίδος Ι̅υ̅ μου. καὶ χορῶ τῶν ἐκλεκτῶν  
σου σύνταξον Ι̅υ̅ φιλαν̅ε̅.

Ι̅υ̅ γλυκύτατε τῶν ἀποστόλων ἡ δόξα. Ι̅υ̅ μου καύχημα.  
τῶν μαρτύρων δέσποτα παντοδύναμε. Ι̅υ̅ σῶσον με. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ  
μ̅η̅. Ι̅υ̅ μου ὠραιότατε. τοὺς σοὶ προστρέχοντας. σ̅ε̅ρ Ι̅υ̅ μου τοῦ  
ἐλέησον πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε. πάντων л. 240 об.  
Ι̅υ̅ τῶν ἁγίων σ̅η̅. προσφητῶν τε πάντων σ̅η̅ρ μου. Ι̅υ̅ καὶ

Ι̅υ̅ γλυκύτατε τῶν μοναζόντων τὸ κλέος. Ι̅υ̅ μακρόθυμε.  
ἀσκητῶν ἐντρύφημα καὶ καλλώπισμα. Ι̅υ̅ σῶσον με. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ  
μου. Ι̅υ̅ μου πολυέλεε. χειρὸς ἐξάρπασον. σ̅ε̅ρ Ι̅υ̅ μου τοῦ  
δράκοντος. καὶ τούτου τῶν παγίδων με. σ̅ε̅ρ Ι̅υ̅ ἐλευθέρω-  
σον. λάκκῃς κατωτάτου. σ̅η̅ρ μου Ι̅υ̅ ἀναγαγών. καὶ δεξιῶς  
συναρίθμησον. Ι̅υ̅ προβάτοις με.

Κ̅α̅ν̅ ὠν. ἡχ. β'. ἐν βυθῶ κατέστρωσε ποτέ.

Ι̅υ̅ γλυκύτατε χ̅ε̅. Ι̅υ̅ μακρόθυμε. τὰ τῆς ψυχῆς μου  
θεράπευσον τραύματος. Ι̅υ̅ καὶ γλύκανον τὴν καρδίαν μου.  
πολυέλεε δέομαι. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ μου. ἵνα μεγαλύνω σε σωζόμενος.

Ι̅υ̅ γλυκύτατε χ̅ε̅. Ι̅υ̅ διάνοιξον τῆς μετανοίας μοι πύλας  
φιλάνε. Ι̅υ̅ καὶ δέξαι με. σοι προσπίπτοντα θερμῶς ἐξαι-  
τούμενον. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ μου τῶν πλημμελημάτων τὴν συγχώρησιν.

Ι̅υ̅ γλυκύτατε χ̅ε̅. Ι̅υ̅ ἐξάρπασον. ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ δο-  
λίου βελιάρ με. Ι̅υ̅ καὶ ποίησον. δεξιὸν παραστάτην. τῆς δό-  
ξης σου. Ι̅υ̅ σ̅η̅ρ μου. μοίρας εὐωνύμου λυτρωσάμενος.

Ι̅ν̅ γεννήσασα χ̅ν̅. Δέσποινα δυσώπησον. ὑπὲρ ἀχρείων  
οἰκετῶν πανάχραντε. ὅπως τῆς л. 241. κολάσεως. ταῖς  
πρεσβείαις σου λυτρωθῶμεν ἀμόλυντε. οἱ μεμολυσμένοι. δό-  
ξης αἰδίου ἀπολαύσαντες.

Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего  
собранія л. 130. об.—133.

Κ̅α̅ν̅ ὁ̅ μο̅λε̅β̅ε̅ γ̅ὸ̅υ̅ ἰ̅ς̅ χ̅ὸ̅υ̅. πο̅ε̅μ̅ ε̅γ̅δ̅α̅ β̅ε̅υ̅α̅-  
λ̅η̅. ε̅ς̅μ̅α̅ ἡ̅ κ̅β̅ε̅δ̅ε̅. γ̅λ̅ ḡ̅.

Ἰ̅ς̅ε̅ π̅ρ̅ε̅σ̅λ̅α̅δ̅κ̅η̅ν̅ δ̅ψ̅η̅ν̅ μο̅ε̅ν̅ ὠ̅τ̅η̅σ̅η̅ν̅ι̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ ὠ̅π̅η̅ψ̅ε̅  
ḡ̅μ̅η̅ μο̅ε̅μ̅η̅ β̅λ̅κ̅ο̅ μ̅η̅νο̅μ̅λ̅τ̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅η̅  
μ̅α̅ ἰ̅ς̅ε̅ β̅ς̅ε̅σ̅η̅λ̅η̅ε̅ν̅ ἡ̅ε̅ ὠ̅σ̅τ̅α̅β̅η̅ μ̅α̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅. ἰ̅ς̅ε̅ π̅ο̅μ̅η̅-  
λ̅η̅η̅ μ̅α̅, ἡ̅ζ̅β̅α̅β̅η̅ μ̅α̅ μ̅η̅κ̅η̅ β̅ς̅α̅κ̅η̅η̅, ἰ̅ς̅ε̅ σ̅π̅ὸ̅β̅η̅ μ̅α̅ σ̅ῑ̅η̅  
υ̅α̅σ̅τ̅η̅. ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ β̅λ̅η̅ψ̅ε̅ ἡ̅ζ̅β̅ρ̅α̅ν̅η̅ σ̅ο̅υ̅τ̅α̅ν̅ ἰ̅ς̅ε̅ υ̅λ̅κ̅ο̅μ̅ο̅υ̅ε̅:

Ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ ἀ̅π̅λ̅ὸ̅ π̅ο̅χ̅β̅α̅λ̅α̅. ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ σ̅λ̅α̅ μ̅ῡ̅η̅κ̅ὸ̅. β̅λ̅κ̅ο̅  
σ̅ῑ̅ε̅ μ̅α̅. ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ π̅ρ̅ε̅κ̅ρ̅α̅σ̅η̅. κ̅ τ̅ε̅β̅ε̅ π̅ρ̅η̅β̅ε̅γ̅α̅ῡ̅σ̅η̅ σ̅ῑ̅ε̅  
ἰ̅ς̅ε̅ π̅ο̅μ̅η̅λ̅η̅η̅. μ̅λ̅τ̅β̅α̅μ̅η̅ ρ̅ο̅ε̅σ̅α̅μ̅η̅ τ̅α̅ β̅ς̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅τ̅ῡ̅ π̅ρ̅ρ̅κ̅ε̅  
β̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ π̅η̅ψ̅η̅ ρ̅α̅ν̅σ̅τ̅ῡ̅η̅ σ̅π̅ο̅δ̅ο̅β̅η̅. ἰ̅ς̅ε̅ β̅λ̅η̅η̅.  
τῆς τρυφῆς. τοῦ παραδείσου ἀξίωσον Ι̅υ̅ πανάγαθε.

Ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ σ̅λ̅α̅δ̅κ̅η̅. ἡ̅ν̅ο̅υ̅τ̅β̅ε̅ḡ̅σ̅η̅μ̅η̅μ̅η̅ σ̅λ̅α̅β̅α̅. ἰ̅ς̅ε̅ δ̅ο̅λ̅γ̅ο̅-  
τ̅ρ̅ῡ̅π̅ε̅λ̅η̅ν̅ε̅. π̅ο̅σ̅τ̅η̅ν̅κ̅ὸ̅ ἡ̅σ̅λ̅α̅β̅ε̅ ἡ̅ ὠ̅κ̅ρ̅α̅σ̅η̅ν̅ι̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅  
μ̅α̅ ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅. ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ μ̅η̅νο̅μ̅λ̅τ̅ε̅ ρ̅η̅κ̅η̅ ἡ̅ς̅η̅η̅η̅  
μ̅α̅ σ̅ῑ̅ε̅ ἰ̅ς̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ ḡ̅μ̅ε̅κ̅η̅ς σ̅ε̅γ̅ο̅ σ̅ῡ̅τ̅η̅ μ̅α̅ σ̅ῑ̅η̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅κ̅ο̅β̅ὸ̅  
ὠ̅ ρ̅β̅α̅ π̅ρ̅ε̅ν̅σ̅π̅ο̅δ̅η̅γ̅ο̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ ἰ̅ς̅ε̅ β̅ο̅ζ̅κ̅ε̅ δ̅ε̅ς̅η̅μ̅η̅ μ̅α̅  
σ̅ο̅υ̅τ̅α̅ν̅ ο̅β̅η̅α̅μ̅η̅:

Κ̅α̅. μ̅ὸ̅ κ̅ε̅ γ̅ὸ̅υ̅ ἡ̅ψ̅ε̅μ̅η̅ ἰ̅ς̅η̅ ḡ̅η̅. π̅ο̅λ̅λ̅ε̅. (sic) γ̅λ̅ ḡ̅.  
π̅ε̅. ἁ̅. ἰ̅ρ̅η̅. Β̅ε̅ γ̅λ̅ε̅β̅η̅η̅ π̅ο̅τ̅ο̅π̅η̅ δ̅ρ̅ε̅κ̅λ̅ε̅:

Ἰ̅ς̅ε̅ σ̅λ̅α̅κ̅η̅ ḡ̅ε̅. ἰ̅ς̅ε̅ δ̅ο̅λ̅γ̅ο̅τ̅ρ̅ῡ̅π̅ε̅λ̅η̅ν̅ε̅. δ̅ψ̅ῡ̅η̅μ̅η̅ μ̅η̅ ἡ̅-  
ς̅η̅λ̅η̅ ἡ̅ζ̅β̅η̅. ἰ̅ς̅ε̅ ο̅σ̅λ̅α̅ σ̅ῑ̅ε̅ μο̅ε̅, ἰ̅ς̅ε̅ μ̅η̅νο̅μ̅λ̅τ̅ε̅ μ̅ο̅-  
λ̅ο̅ς̅α̅, ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅, δ̅α̅ β̅ε̅λ̅η̅ḡ̅α̅ῡ̅ τ̅α̅ σ̅ῑ̅λ̅α̅ε̅:

Ἰ̅ς̅ε̅ σ̅λ̅α̅δ̅κ̅η̅ ḡ̅ε̅ ἰ̅ς̅ε̅ ὠ̅β̅ε̅ζ̅ῡ̅ ὠ̅ ο̅κ̅α̅μ̅η̅ δ̅β̅ε̅ρ̅ ὑ̅λ̅κ̅ο̅μ̅ο̅υ̅ε̅,  
ἰ̅ς̅ε̅ π̅ρ̅η̅μ̅η̅ μ̅α̅ κ̅ τ̅ε̅β̅ε̅ π̅ρ̅η̅π̅α̅δ̅α̅ῡ̅σ̅η̅. ἡ̅ τ̅ε̅π̅λ̅ε̅ π̅ρ̅ο̅σ̅κ̅-  
η̅α̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅ π̅ρ̅ε̅γ̅ρ̅ῡ̅σ̅η̅ν̅ι̅ε̅μ̅η̅ π̅ρ̅ο̅ς̅η̅ν̅ι̅ε̅.

С̅т̅ῡ̅ π̅ε̅ρ̅ β̅ο̅ν̅ π̅ε̅ς̅η̅η̅:

Ἰ̅ς̅ε̅ σ̅λ̅α̅κ̅η̅ ḡ̅ε̅. ἡ̅ς̅ε̅ ἡ̅ς̅η̅η̅η̅ ἡ̅ζ̅ ρ̅η̅κ̅η̅ λ̅η̅κ̅α̅β̅α̅γ̅ο̅ σ̅τ̅ρ̅ε̅λ̅α̅.  
ἰ̅ς̅ε̅ σ̅τ̅β̅ο̅ρ̅η̅ δ̅ε̅ς̅η̅ π̅ρ̅ε̅σ̅τ̅α̅τ̅ε̅λ̅α̅ σ̅λ̅α̅β̅ε̅ τ̅β̅ο̅ε̅ν̅. ἰ̅ς̅ε̅ σ̅ῑ̅ε̅ μ̅ο̅ν̅  
ἡ̅ υ̅α̅σ̅τ̅η̅ ἡ̅ζ̅ῡ̅ ἡ̅ζ̅β̅α̅β̅α̅μ̅η̅:

С̅ по̅ ḡ̅. π̅ε̅.

Ἰ̅ς̅α̅ ρ̅ο̅ḡ̅ε̅η̅σ̅η̅. β̅λ̅ḡ̅ε̅ μ̅ο̅λ̅η̅ ἡ̅π̅ο̅τ̅ρ̅ῡ̅β̅η̅ν̅η̅ ρ̅λ̅ε̅β̅ π̅ρ̅η̅τ̅α̅μ̅,  
ἡ̅κ̅ο̅ δ̅α̅ μ̅η̅κ̅η̅ μ̅λ̅τ̅β̅α̅μ̅η̅ τ̅β̅ο̅η̅μ̅η̅ ἡ̅ς̅κ̅β̅ε̅ρ̅η̅η̅ ἡ̅ζ̅β̅α̅β̅ḡ̅ε̅  
ο̅ς̅κ̅β̅ε̅ρ̅η̅η̅η̅ σ̅λ̅α̅β̅ε̅ π̅ρ̅η̅ο̅ς̅η̅η̅μ̅η̅ π̅ρ̅ῡ̅η̅μ̅ε̅:

Ω. Γ. Τῆς... Ἐισάκουσον φιλάνε Ιὺ μν. τοῦ δούλου σου βοῶντος ἐν κατανύξει. καὶ ῥῦσαι Ιὺ με τῆς καταδίκης. καὶ τῆς κολάσεως. μόνε μακρόθυμε, Ιὺ γλυκύτατε πολυέλεε.

Ὑπόδεξαι τὸν δούλον σου Ιὺ μου. προσπίπτοντα σὺν δάκρυσιν Ιὺ μου καὶ σῶσον Ιὺ μν μετανοοῦντα. καὶ τῆς κολάσεως δέσποτα λύτρωσαι. Ιὺ γλυκύτατε πολυέλεε.

Τὸν χρόνον Ιὺ μου ὃν δέδωκας μοι, εἰς πάθῃ ἐδαπάνησα Ιὺ μου. διό με Ιὺ μου μὴ ἀπορρίψῃς. ἀλλ' ἀνακάλεσαι δέομαι δέσποτα. Ιὺ γλυκύτατε καὶ διάσωσον.

Παρθένε ἡ τεκοῦσα τὸν Ιὺ μου, ἰκέτευε ῥυσθῆναι με τῆς γεέννης ἡ μόνη προστασία τῶν θλιβομένων. θεοχαρίτωτε. καὶ καταξίωσον. τῆς ζωῆς. πανάμωμε τῆς ἀγήρω με.

Κάθισμα ηχ. ᾤ. Τὸν τάφον σε σῆρ.

Σῆρ μου Ιὺ ὁ τὸν ἄσωτον σῶσας. σῆρ μου Ιὺ ὁ δεξιόμενος πόρνην, καὶ με νῦν. ἐλέησον Ιὺ πολυέλεε. σῶσον οἰκτεῖρον ὦ Ιὺ ἐνεργετὰ. ὥσπερ εὐσπλαγχνε τὸν μανασσὴν Ιὺ μν. ὡς μόνος φιλόνοτος.

Ὡδὴ ᾤ. ἐλέλυθας ἐκ παρθένου.

Θεράπευσον. Ιὺ μου, ψυχῆς μου. τὰ τραύματα Ιὺ μου δέομαι. καὶ τῆς χειρός με ἐξάρπασον л. 241 об. Ιὺ μου εὐσπλαγχνε τοῦ ψυχοφθόρου βελιὰρ καὶ διάσωσον.

Ἡμάρτηκα Ιὺ μν. γλυκύτατε. εὐσπλάγχνε. Ιὺ μου σῶσον με τὸν προσφυγόντα τῇ σκέπῃ σου. Ιὺ μακρόθυμε. καὶ βασιλείας τῆς σῆς με καταξίωσον.

Οὐχ' ἤμαρτεν Ιὺ μου οὐδεὶς ὥσπερ ἤμαρτον. ἐγὼ ὁ талаίπορος. ἀλλὰ προσπίπτω δεόμενος. Ιὺ μου σῶσον με. καὶ τὴν ζωὴν Ιὺ μου. κληροδότησον.

Πανύμνητε. Ιὺ ἡ γεννήσασα κν, αὐτὸν καθικέτευε τοῦ λυτρωθῆναι κολάσεως. πάντας τοὺς ὑμνοῦντας σε. καὶ θκον κυρίως ὀνομάζοντας.

Ω. Ε. Ὁ φωτισμὸς, τῶν ἐν σκότει.

Σὺ φωτισμὸς Ιὺ μν νοός μου. σὺ σῖα τῆς ἀτεγνωσμένης ψυχῆς μου. σερ σὺ Ιὺ μου τῆς κολάσεως. ῥῦσαι καὶ γεέννης με κραυγάζοντα σῶσον, Ιὺ μου χε με τὸν ἄθλιον.

Ὀλοσχερῶς. Ιὺ μου πρὸς πάθῃ. τῆς ἀτιμίας καταβεβλημένος ἤδη κραυγάζω. су Ιὺ μου βοηθείας μοι χεῖρα καταπέμψας. ἐκπάσων κράζονα. σῶσον Ιὺ μου χε με τὸν ἄσωτον.

Βέβηλον νοῦν. Ιὺ περιφέρων ἀναβοῶ σοι. κάθαρων τοῦ ῥύπου με τῆς πορνείας. σὺ Ιὺ μου τὸν εἰς βάθῃ κακίας ἐξ ἀγνοίας л. 242. κατολισθῆσαντα. σερ Ιὺ μου. καὶ σῶσον με δέομαι.

Τὸν Ιὺ ἡ γεννήσασα κόρη θεοκυῆτορ τοῦτον α... ἐκδυσώπει πάντας σιοθῆναι τοὺς ὀρθοδόξους. μοναστὰς καὶ μιγάδας. καὶ γεέννης ρυσθῆναι κράζοντας, πλήν σου προστασίαν βεβαίαν οὐκ ἔγνωμεν.

П. Г. Ирмѣ На каменн:

Оуслыши вѣко уѣколюбче. їсе раба своего. вопнюща змненїе нзбави ма їсе. ѡсѡженїа н мѡкн. єднне долготрѣпанке. їсе слѣкн многомѣтве:

Поимн раба твоего їсе мон вѣпнюща въ змненїи, нзбави ма осѡженїа. нзбави ма мѡкн єднне многомѣтве гн їсе многослѣкн.

Врема їсе нмже дѣ въ стрѣтн їсе мон. но молютї не ѡверзи мене. но призови молютї вѣко:

Порожешн їсѣ. молн нзбавнтї геѡны. єднна прѣстателннца скорѡщн. бгѡблгтнаѣ спѡбн ма жнзнн всенепороунаѣ не старѣющнн:

Сѣ гл ѣ.

їсе сѣ мон. їсе нже влѣднѣ спѣ. сѣ мон їсе прїемын влѣдннцѣ. н мене ннѣ помнѣхн. їсе многомѣтве сѣн щѣѣрн. ѡ їсе блгтлю. ꙗко же мнлосерѣ манаснїо їсе мон. ꙗко єднѣ уѣколюбець:

П. Д. Ирмѣ Пришествн:

Нсѣлн їсе дѡѡа моеѣ мѡзвы. їсе мон молаѣ. н рѣкн ма нсхнтн. їсе мон влѣѡхтробне. дѡѣтѣннѣго стрѣлца. н сѣсн ма:

Согрѣшн їсе мон пресладкнн мѣре їсе мон сѣ ма. прнѣвѣгющаго покровѣ твоемѣ. їсе долготрѣпанвѣ. црѣтвїю твоемѣ ма спѡбн:

Не сѣгрѣшн їсе мон ннктоже ꙗко сѣгрѣшнѣ азѣ стрѣтны. но прнпадаю молаѣ їсе мон сѣ ма н жнзнн моєн їсе мон дарѣн:

Всепѣтаѣ їсѣа рожешнѣ гѣ. того молн нзбавнтн мѡкн всѣа поющѣа та. н бѣѣ констнннѣх нменѣющѣаѣ:

П. Е. Просѣщѣе ко тмѣ:

Ты просѣщєнїе їсе змѣ моемѣ во тмѣ, ты сѣнїе ѡѡѡѣ днѣа моеѣ сѣсе ты їсе мон мѡкн нзбавн. н геѡны мене зѡвѣща. сѣсн їсе мон хе мене ѡкаѣннѣаго:

Весь ѡнїю їсе мон, к страстѣ вєщєстнѣ нннзвєржєнь ннѣа зѡвѣ. ты їсе мон помѡщн мн рѣкѣ ннзѣ-послѣвѣ нсторгнн зѡвѣща, сѣн їсе мон хе мене ѡкаѣннѣаго:

Осквернѣ оѣ їсе ѡвнѡнѣх вѣзѡвѣю тн. ѡѡтн ма ѡсквернѣ влѣженїа ты їсе мон. н въ глѣбннѣх злѡбы ѡнєрѣзѣмѣа ннзѣнѡползѣнѣа сѣ мон, н сѣс ма молюѣ:

їсѣа рожєннѣа дѣко бгѡрѡѣтелннцє того змѡлн сѣтн всѣа прѣѡслѣкннѣа ннокн н мнрѣскѣа н геѡны нзбавнтн зѡвѣщаѣа. рѣзѣє тєбѣ прѣстателннцѣ тѣѣрѣ не знѣѣ:



Κρεμα ἵεε μον εἴ μὴ δᾶ. в στῆτε нждѣ ἵеε мон. тѣмже не ѿверзи ἵеε мон. но призови молюся вѣко. ἵеε прѣсладкии сѣи: .

Ὡδὴ εἰ. Ἐν ἀβύσσῳ πταισμάτων.

Ἰὺ μου χε πολυέлее. ἐξομολογούμενον δέξαι μεδέσποτα ὦ Ἰὺ καὶ σῶσον με καὶ φθορᾶς Ἰὺ μου ἐξάρπασον.

Ἰὺ μου οὐ γέγονεν ἕτερος. ἄσωτος οὐδεὶς ὡς ἐγὼ ὁ ταλαίπορος. ὦ Ἰὺ φιλάνε. ἀλλὰ σὺ Ἰὺ με διάσωσον.

Ἰὺ μου καὶ πόρνην καὶ ἄσωτον καὶ τὸν μανασσῆν καὶ τελώνην νενίκηκα. ὦ Ἰὺ μου πάθεισι. καὶ ληστὴν Ἰὺ. νινεύτας τε.

Ἰν τὸν χν μου куήсаса ἄχραντε παρθένε ἡ μόνη ἀμόλυντος. μεμολυσμένον ὄντα με, πρεσβειῶν σου ὑσώπω ἐκκάθαρον. Τὸ Κοντάκιον.

На полѣ послѣ написано: Σηρ' μου Ἰὺ ἰλάσθητι καὶ σῶσον με ὡς πόρνην ποτὲ. ληστὴν τε καὶ τὴν ἄσωτον καὶ με νῦν ἐλέησον. πανοικτίρμον εὐσπλαγχνε κε. καὶ κολάσεως λύτρωσαι. πανάγνου μρς σε ταῖς δεήσεσιν.

Ὡδὴ ζ. εἰκόνας χρυσῆς.

Χε Ἰὺ οὐδεὶς ἤμαρτεν ἐν γῇ ἐκ τοῦ αἰῶνος. ὦ Ἰὺ μου ὥσπερ ἤμαρτον ἐγὼ ὁ τάλας καὶ ἄσωτος. ὁ θεὸς Ἰὺ μου βοῶ σοι. μελωδοῦντα με οἴκτειρον. εὐλογητὸς. εἰ Ἰὺ ὁ τῶν πρῶν θς.

Χε Ἰὺ ἐκ τοῦ φόβου σου βοῶ. καθήλωσον л. 242 об. με. ὦ Ἰὺ μου καὶ κυβέρνησον. νῦν πρὸς λιμένα με εὐδιδιον. ὅπως Ἰὺ μου οἰκτίρμων μελωδῶ σοι σωζόμενος. εὐλογητὸς εἰ Ἰὺ ὁ τῶν πρῶν θς.

Χε Ἰὺ. μυριάκις ὑπεσχέθην σοι ὁ τάλας. ὦ Ἰὺ μου τὴν μετάνοιαν. ἀλλ' ἐψευσάμην ὁ ἄθλιος. ὅθεν Ἰὺ μου βοῶ σοι. τὴν ἀναισθητον μένουσαν ψυχὴν μου φώτισον χε ὁ τῶν πρῶν θς.

Χν Ἰν. ἡ γεννήσασα φρικτῶς, καὶ ὑπὲρ φύσιν, αὐτὸν δυσώπει παναμώμητε. τὰ παρὰ φύσιν μου πταίσματα. πάντα συγχωρῆσαι μοι κόρη. ἵνα κράζω σωζόμενος. εὐλογημένη Ἰν θν ἡ τέξασα.

Ὡδὴ η. Τὸν ἐν καμίνῳ τοῦ πυρὸς.

Σε Ἰὺ μου δυσωπῶ. ὡς τὴν πόρνην Ἰὺ μου ἐλυτρώσω. τῶν πολλῶν ἐγκλημάτων. οὕτω καὶ Ἰὺ χε μου. λύτρωσαι καὶ κάθαρον. τὴν ρερυπωμένην ψυχὴν μου Ἰὺ μου.

Καυποκυψας Ἰὺ ταῖς ἀλόγοις ἡδοναῖς, ἄλογος ὥφθην. καὶ τοῖς κτήνεσιν ὄντως, ὦ Ἰὺ μου οἰκτίρμον ὁ τάλας σερᾶφομοίωμαι. ὅθεν Ἰὺ με. τῆς ἀλογίας ῥῦσαι.

Περιπεσὼν ὦ Ἰὺ. ψυχοφθόροις ἐν λησταῖς ἀπεγυμνώθην. τὴν στολὴν Ἰὺ μου τὴν θεοῦφαντον· καὶ κεῖμαι μῶλωψι κατὰστικτος. л. 243. ἔλαιον χε μοι ἐπίχεε. καὶ οἶνον.

Τὸν Ἰν μου καὶ θν, ἡ βαστάσασα χν ἀνερμηνεύτως. θεοτόκε μαρία. τοῦτον δυσώπει αἰεὶ. κινδύνων. σώζεσθαι τὰς πόλεις σου. καὶ τοὺς ὑμνητὰς σου ἀπείρανδρε παρθένε.

Пѣ. ѿ. Ἰрмѡ. В безнѣ гр: .

Ἰеε мон хе многомѣте., исповѣдающася прѣима вѣко. о ἵеε сѣ ма н тла ἵеε мон нехити: .

Ἰеε мон не бѣ бл҃дннѣхъ н̄ ннктѡ ꙗко азъ стрѣтнн. о ἵеε хл҃комѡуе. но ты ἵеε мон сѣси: .

Ἰеε ми бл҃дннѣхъ н бл҃днаго, н манасею н мытаря прендѡ. о ἵеε мон стрѣтнн, н разбонннѣхъ ἵеε мон н нневи таны.

Ἰѣ хл моего рожнннѣхъ прѣтѣхъ дѣо. едннѣ небл҃зньнѣхъ. оскверненѣ ма свѣа, молитвѣ твоѣ ꙗкопѡ ѡчнстн ма: .

Пѣ. з. Ἰрмѡ. О тѣлѣ злѣ.

Ἰеε хе. ннктѡ съгрѣшн на землн. ѡ вѣхъ. о ἵеε мон ꙗко же съгрѣшн азъ окаяннѣхъ н бл҃дннѣхъ. те неε мон вѣпннѡ ти поюща ма хщедри. бл҃гвѣ еси: .

Ἰеε хе ѡ страха твоего вопннющн прѣгвоздн ма. о ἵеε мон. н ѡкормн ннѣ к прнстанннѣхъ тнхомъ. ꙗко да ἵеε мон щедре вопннѡ сѣсѣ. бл҃гвѣ: .

Хе ἵеε тмами обѣщахъ тѣ окаянннѣхъ. о ἵеε мон покаѣтн. но солгѣ стрѣтнн. тѣмже ἵеε мѡ вопннѡ ти. не хюственнѣхъ пребывшѣхъ. дшѣхъ мою просвѣтн хе. ѡцѣмъ бе бл҃гвенѣхъ еси: .

Хл ἵѣа рожешннѣхъ. страшннѡхъ выше ѣства. того молн непороунаѣхъ. ꙗже преже хрезъ ѣственаѣхъ согрѣшеннѣхъ. всѣхъ простн ми ѡтроковнѣхъ. да възываю сѣлѣ. бл҃гвенѣхъ же бѣ плотннѡ рожешннѣхъ: .

Пѣ. η. Ἰрмѡ. Н же в пещн огнѣн: .

Тл ἵеε мон молю. ꙗко бл҃дннѣхъ ἵеε мон. нзбавлѣхъ еси многн прегрѣшѣи тако имене ἵеε мон нзбавн. н ѡцѣти ѡскверненнѡхъ дшѣхъ мою ἵеε мон: .

Πρεκλονѣсѣ ἵеε бесловесннѣхъ стрѣтнн бесловѣнѣхъ ꙗкн̄, н скотѡ констнннѣхъ, о ἵеε мон сѣ. стрѣтно ѡκλаны хподовннѣхъ. тѣмже ἵеε безъсловеснѣхъ ма нзбавн.

Впѣ о ἵеε в дшѣтѣхъннѣхъ разбонннѣхъ. обнажнхъ ѡдежа ἵеε мон бѣтканннѣхъ. н лежѣ ранами хпзвенѣхъ. масло хе на ма възлѣн н внно: .

Ἰѣа моего н бѣ. носнвшннѣхъ хл нескѣзѣннѡ. бѣε мѣне того молн прѣно ѡ бѣ сѣтнѣхъ грѣ твоємъ, н пѣвѣε ненсѣхъ сомъжннѣхъ дѣо. ꙗже ѡ бѣ бѣ слово: .

Ὡδὴ θ̄. Τὸν ἐκ θ̄ ῡ θ̄ ν̄ λόγον.

Τὸν μανασσῆν ιϋ μου. τὸν τελώνην. τὴν πόρνην. τὸν ἄσωτον οἰκτίρμον ιϋ καὶ τὸν ληστὴν ὑπερβέβηκα. ιϋ μου ἐν ἔργοις αἰσχίστοις καὶ ἀτόποις ιϋ ἀλλὰ σὺ ιϋ μου. προφθάσας με διάσωσον.

Τοὺς ἐξ ἀδαμ̄ ιϋ μου, ἁμαρτήσαντας πάντας. πρὸ νόμου. ιϋ καὶ μετὰ νόμον ὁ ἄθλιος. ιϋ μου καὶ χάριν νενίκηκα τοῖς πάθεσιν οἰκτρῶς. ἀλλὰ σὺ ιϋ μου τοῖς κριμασί σου σῶσον με.

Μὴ χωρισθῶ ιϋ μου. τῆς ἀφράστου σου δόξης. μὴ τύχω τῆς μερίδος ιϋ τῆς εὐωνύμου γλυκύτατε ιϋ. ἀλλὰ σὺ με τοῖς δεξιόις προβάτοις σου χε̄ ιϋ μου συντάξας ἀνάπαυσον εὐσπλαγχνος.

Τὸν ιν̄ θ̄ κε̄. ὃν ἐβάστασας μόνη ἀπείρανδρε παρθένε μαρῖαμ, τοῦτον ἀγνή ἐξιλέωσαι. ὡς υἱόν σου καὶ χτίστην. ῥυσθῆναι τοὺς προστρέχοντας л. 243 об. εἰς σε. πειρασμῶν καὶ κινδύνων καὶ τοῦ πυρὸς τοῦ μέλλοντος.

Пѣ̄ ѿ̄ ἱρ̄ м̄ ѿ̄. Безнаучаа: .

Манасию ἱ̄се мон. н мытаря н влздннцѣ. н влзднаго шедре ἱ̄се, н разбонника прендѣ. ἱ̄се мон в делѣ срамнѣ. н безмѣстнѣ ἱ̄се. но ты ἱ̄се мон пѣкарне ма н с̄п̄н: .

Нже ѿ̄ адама ἱ̄се съгрѣшившаа вса преже закона н в законѣ ѿканнын. ἱ̄се мон бл̄г̄тн. премннѣ стр̄тмн оканно. но ты ἱ̄се сѣдбами си с̄п̄н.

Да не ѿлзхуеъ вѣдѣ ἱ̄се мон. нензреченным ти славы. да не ползхуѣ участн шѣмаа сладки ἱ̄се. но ты ма деснѣ ѿвѣѣ прнхтн. зпокон ꙗко м̄л̄рѣ: .

Ἰ̄са в̄ѣ̄ ег̄ ѿ̄ носила еси. едина мѣжа не нскѣснаа. дѣо м̄р̄не. того ӯтаа змоли. ꙗко с̄п̄а своего н знжителя. нзбавити прнтѣкающаа к тебе. нскѣшен̄и н вѣдѣ н огна вѣдѣцаго: .

#### Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а.

φ. 193 об. Ῥαζάμενος ψάλλειν τὸ ἀπόδειπνον. εἰ μὲν λέγεις ψαλτήριον τῇ νύκτι, λέγε τὴν εὐχαριστίαν εἰς τὴν ἀρχὴν μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ τρισάγιον. εἰ δὲ μὴ. λέγε αὐτὴν μετὰ τὸ δόξα ἐν ὑψίστοις θεῷ. καὶ ἔτι μετὰ τὸν τρισάγιον καὶ τὰ ἀπολυτικά. Ῥευχή.

Ἀπέλασον Κύριε τὴν ἀχλὺν τῆς ταλαιπώρου ψυχῆς μου καὶ παράσχου μοι μαρμαρυγὸν τῆς σῆς γνώσεως. συνέτισον μου τὸν νοῦν τὸν πτωχὸν καὶ ἀπρόσεκτον ἐλεεινῶς.

φ. 246 об. † Τέλος. τοῦ παρόντος βιβλίου ἐν ἔτει ςϞϞϞϞ. Μηνὶ Μαρτίῳ, ἰνδικτιώνος θ̄.

Заглавные буквы, двѣ скорописныя азбуки.

Слова съ знаками препинанія: πάντα, φῶς. ἀμήν: .

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ δύναται πνεύματος.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀρχὴν. ε., ἐξέπικραναν ἐκκράτει. ν., συναρμόσας σ., θάλασσαν. τ., μετὰ στέατος.

## ΙΧ. Н о м о к а н о н ъ, М а т ѳ е е я В л а с т а р я

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 149-мъ.

Длина пергамина. . . . .	6 <sup>7</sup> / <sub>8</sub> в.
Ширина . . . . .	4 <sup>7</sup> / <sub>8</sub> в.
Къ корешку . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub> в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>8</sub> в.
Къ верху . . . . .	1 в.
Къ низу . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub> в.

Пергамень сѣроватый, выдѣланъ хорошо; отдѣлкою похожъ на пергамень, на которомъ писанъ акаѳистъ Божіей Матери въ XIV в.

Писано скорописью по нарѣзамъ на 393. листахъ въ одинъ столбецъ. Заставицъ фигурныхъ нѣтъ, заглавныя буквы и заглавія въ началѣ рукописи писаны киноварью, съ 209. об. коричневою краскою, съ 215 об. розоватою краскою. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 32. Помѣта тетрадей внизу близъ корешка съ обоихъ сторонъ тетрадей.



На 1-мъ листѣ бумажномъ написано: Арсеній оѧ, на 1-мъ листѣ пергаменномъ вверху написано: τῶν ἱβηρῶν. .

л. 1. Τὸ πρὸς τὸν σιλβестρον πάπα ρώμης, θέσπισμα τοῦ μεγάλου καὶ ἰσοαποστόλου Κωνσταντίνου.

л. 2—200. Σύναγμα κατὰ στοιχεῖον τῶν ἐμπεριειλημμένων ἀπασῶν ὑποθεσέων. ταῖς ἱεροῖς καὶ θείοις κανόσι πονηθὲν ἅμα καὶ συντεθέν. τῷ ἐν ἱερομονάχοις ἐλαχίστῳ ματθαίῳ. προθεώρια. Начало: Τὸ τῶν ἱερῶν καὶ θείων χρῆμα κανόνων, ἦνθησε μὲν ἀπ' αὐτῆς ὡς ἔπος εἶπεῖν.

л. 200 — 205. Ἐκ τοῦ κανονικοῦ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ νηστευτοῦ: ἤμειψε ταυτὶ πρὸς σύνοψιν ματθαῖος: Начало: Ἀλλὰ γὰρ καὶ κατὰ τὸν νηστευτὴν θεῖον Ἰωάννην....

л. 205. об. — и 206. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις νικηφόρου Κωνσταντίνου πόλεως ὁμολογητοῦ κανόνες ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν αὐτοῦ συντάξεων. καὶ τῶν σὺν αὐτῷ ἁγίων πρῶν. Начало: Ἐὰν κατὰ ἄγνοιαν πλυθῇ ἀντιμίσιον....

л. 206. об. — 212. Ἐκ τῶν ἀποκρισεων ἰωάννου τοῦ ἱερωτάτου ἐπισκόπου Κίτρους, πρὸς τὸν ἱερωτάτον ἐπίσκοπον δυρραχίου τὸν καταβάσιλαν. Ματθαῖος ἔγνω ταυτὶ συντεταγέναι. Начало: Τὰ ἀντιμίσια τῆς ἁγιαστικῆς μετασχόντα δυνάμεως.

л. 212 — Ἡ γεγонуῖα διατύπωσις παρὰ τοῦ βασιλέως λέοντος τῆ σοφῆ, ὅπως ἔχουσι, τάξεως οἱ θρόνοι τῶν ἐκκλησιῶν. τῶν ὑποκειμένων τῷ πατριάρχῃ Κωνσταντίνου πόλεος. αἱ μητροπολεις. α. Ἡ καισάρεια, β. ἡ ἔφεσος...

л. 212 об. Λατινικαὶ λέξεις. Начало: Ἀδνούμιον, κατ' ὄνομα διέρχεσθαι.

л. 213. Τὰ ἱβ<sup>7</sup>. κεφάλαια ἃ συντάξεν ὁ ἅγιος κύριλλος Ἀλεξανδρείας κατὰ τοῦ δυσσεβοῦς νεστορίου.

Начало: Εἶτος οὐχ' ὁμολυγῇ θν εἶναι....

л. 215 — 255. Ἐλεγχος ὧδε τῆς πλάνης τῶν λατίνων, θύτου παῖοικτρου Ματθαίου μονοτροπου. Нач. Ἀρτι μὲν ἡ τοῦ χυ ἐκκλησία τῆς τῶν αἰρετικῶν δογμάτων ἀχλύος ἀπήλλακτο.

л. 256 — 336. об. Τοῦ ἐλαφίστου ἐν ἱερομονάχοις ματθαίου. πρὸς ἰουδαίους. 5-ть словъ. Начало 1-го слова: Οὐδὲν οἶμαι τῶν ἀπὸ χυ καλουμένων.

л. 337—377 об. Правила Апостольскія и соборныя.

л. 377 об. — 381. Περὶ τοῦ μὴ γίνεσθαι γαμον ἐβδόμου βαθμοῦ ἐξ αἵματος. Начало: Ἐπὶ τῶν ἡμερῶν τοῦ ἁγιωτάτου ἐκεῖνου πρῖαρχου κυρ. αλεξίου....

л. 381—391. Μακαρισμοὶ ἀπὸ τῆς κυριακῆς τοῦ θωμᾶ μέχρι τῆς τῶν ἁγίων πάντων. τῇ ἐβδομάδι τοῦ θωμᾶ μακαρισμοί. ὧν ἡ ἀκροστιχίς. Ματθαῖος ὕμνεῖ σὴν ἀνάστασιν λογέ μοναχος.

Вверху блаженныхъ написаны стихи:

Ματθαῖος οἶκτος, ἀρετῆς πάσης ξένος, ἡ ἄσματα μέλπει τῷ μόνῳ μακαρίῳ.

Начало 1-го тропаря: Μεγαλύνω τὸ μυστήριον. τῆς σῆς σεπτῆς οἰκονομίας χε̅.

л. 391 об. — Ἀναστασίου πρῖάρχου θεου πόλεως καὶ κυρίλλου Ἀλεξανδρείας ἐκθεσις σύντομος τῆς ὀρθοδόξου πίστεως. Начало: Ἐρωτ. ποίας θρησκείας εἶ ἄνε.

л. 392 об. Ὅτι ὁ βασιλεὺς οὐκ ἔχει ἐξουσίαν ἀμείβειν τοὺς θρόνους. Начало: Τοῦ μρπολίτου ἐκεῖνου τῆς μρποπολεος ἀθήνων. Κύρου νικολάου τοῦ ἁγιοθεοδωρήτου...

Рукопись замѣчательная по близости времени написанія ея къ жизни составителя номоканона Матѳея Власторя. (1335. г.) Древній Славянскій переводъ XIV—XV в. есть въ Воскресенской Новоіерусалимской Библіотекѣ.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 340. Κανόνες τῆς ἁγίας καὶ οἰκουμενικῆς πρώτης συνόδου.

Εἰτις ἐν νόσῳ ὑπὸ ἱατρῶν ἐχειρουργήθη ἢ ὑπὸ βαρβάρων ἐξετμήθη, οὗτος μενέτω ἐν τῷ κλήρῳ. εἰ δὲ τις ὑγαίνων ἑαυτὸν ἐξέτεμε, τοῦτον καὶ ἐν τῷ κλήρῳ ἐξεταζόμενον πεπαῦσθαι προσήκει. καὶ ἐκ τοῦ δεῦρο, μηδένα τῶν τοιούτων χρῆναι προάγεσθαι. ὥσπερ δὲ τοῦτο πρόδηλον ὅτι περὶ τῶν ἐπιτηδεούντων τὸ πρᾶγμα καὶ τολμώντων ἑαυτοὺς ἐκτέμνειν εἴρηται, οὕτως εἵτινες ὑπὸ βαρβάρων ἢ δεσ-

Изъ Кормчей XI—XII в. Синод. Библиотеки л. 21. и 22. № 227.

ѧ. Нже къ недоузѣ отъ врагѣхъ. по ноужн каже-никъ боудеть. ли отъ поганъ нздръзанъ. снн да прѣбывають къ прнухътѣ. аще ли кто съдракъ сын здръзалъса боудеть. томоу н къ прнухътѣ соущю нста-занемоу престати подобають. н отъсель ннкогоже та-ковынхъ достонть прнводити. а какоже се кѣвъ юсть. како о строеннхъ кештен. ѿ дерзаштнхъ себе

ποτῶν εὐνουχίσθησαν εὐρίσκονται δὲ ἄξιοι ἄλλως, τοὺς τοιούτους εἰς κλῆρον προσίσταται ὁ κανὼν.

β. Ἐπειδὴ πολλὰ. ἤτοι ἀπὸ ἀνάγκης ἢ ἄλλως ἐπειγομένων τῶν ἀνῶν ἐγένετο. παρὰ τὸν κανόνατὸν ἐκκλησιαστικὸν ὥστε ἀνούς ἀπὸ ἐθνικοῦ βῆν ἄρτι προσελθόντας τῇ πίστει. καὶ ἐν ὀλίγῳ χρόνῳ κατηχηθέντας, εὐθύς ἐπὶ τὸ πνικὸν λουτρὸν ἄγειν. καὶ ἅμα τῷ βαπτισθῆναι προάγειν εἰς τὴν ἐπισκοπὴν ἢ πρεσβυτερεῖον, καλῶς ἔδωξεν ἔχειν τοῦ λοιποῦ μηδὲν τοιούτου γίνεσθαι. καὶ γὰρ καὶ χρόνου δεῖ τῷ καθηγουμένῳ (—τηχοу—) καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα δοκιμασίας πλείονος σαφές γὰρ τὸ ἀποστολικὸν γράμμα τὸ λέγον. μὴ νεόφυτον ἵνα μὴ τυφωθεῖς εἰς κρίμα л. 340 об. ἐμπέση καὶ παγίδα τοῦ διαβόλου. εἰ δὲ προϊόντος τοῦ χρόνου ψυχικόν τι ἀμάρτημα εὐρεθείη περὶ τὸ πρόσωπον, καὶ ἐλέγχοιτο. ὑπὸ δύο ἢ τριῶν μαρτύρων πεπαύσθω ὁ τοιοῦτος τοῦ κλήρου. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα ποιῶν ὡς ὑπεναντία τῇ μεγάλῃ συνόδῳ θρασυνόμενος, αὐτὸς κινδυνεύσει περὶ τὸν κλῆρον.

Г. Ἀπηγόρευσε ἡ μεγάλη σύνοδος καθόλου μήτε ἐπισκόπῳ μήτε πρεσβυτέρῳ μήτε διακόνῳ μήτε ὅλῳς τινὶ τῶν ἐν κλήρῳ ἐξεῖναι συνείσακτον ἔχειν πλὴν ἐμὶ ἄρα μῶα ἢ ἀδελφὴν, ἢ θείαν ἢ ἃ μόνῃ προσώπῳ πᾶσαν ὑποψίαν διαπέφουγεν.

Д. Ἐπίσκοπον προσήκει μάλιστα ὑπὸ πάντων τῶν ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ καθίστασθαι, εἰδὲ δυσχερές εἴη τὸ τοιοῦτον, ἢ διὰ μῆκος ὁδοῦ. ἐξ απαντος τρεῖς ἐπὶ τὸ αὐτὸ συνηγμένους συμψηφῶν γενομένων καὶ τῶν ἀπόντων. καὶ συντιθεμένων διὰ γραμμάτων, τότε τὴν χειροτονίαν ποιεῖσθαι. τὸ δὲ κυριος τῶν γινομένων, δίδοσθαι καθ' ἐκάστην ἐπαρχίαν τῷ μῶπολίτῃ.

Е. Περὶ τῶν ἀκοινωνήτων γενομένων εἴτε τῶν ἐν κλήρῳ εἴτε τῶν ἐν λαϊκῷ τάγματι ὑπὸ τῶν καθ' ἐκάστην ἐπαρχίαν ἐπισκόπων κρατεῖται ἡ γνώμη κατὰ τὸν κανόνα τὸν διαγορεύοντα, τοὺς ὑφ' ἐτέρων ἀποβληθέντας. ὑφ' ἐτέρων μὴ προσίεσθαι. ἐξεταζέσθω δὲ μὴ μικροψυχία ἢ φιλονεικία ἢ τινὶ τοιαύτῃ ἀηδία τοῦ ἐπισκόπου ἀποσυνάγωγοι γεγένηνται. ἵνα οὖν τοῦτο τὴν πρέπουσαν ἐξέτασιν λαμβάνη, καλῶς ἔδοξεν ἔχειν ἐκάστου ἐνιαυτοῦ καθ' ἐκάστην ἐπαρχίαν, δις τοῦ ἔτους συνόδους γίνεσθαι. ἵνα κοινῇ πάντων τῶν ἐπισκόπων τῆς ἐπαρχίας ἐπὶ τὸ αὐτὸ συναγομένων, τὰ τοιαῦτα ζητήματα ἐξετάζοιτο. καὶ οὕτως οἱ ὁμολογουμένως προσκεκρουκότες τῷ ἐπισκόπῳ κατὰ τὸν λόγον ἀκοινωνήτοι παρὰ πᾶσιν εἶναι δόξωσι μέχρις ἂν τῷ κοινῷ τῶν ἐπισκόπων δόξῃ τὴν φιλανθρωποτέραν ὑπὲρ αὐτῶν ἐκθέσθαι ψῆφον. αἱ δὲ σύνοδοι γενέσθωσαν. μία μὲν πρὸ τῆς τεσσαρακοστῆς ἵνα πάσης μικροψυχίας ἀναιρουμένης. τὸ δῶρον

нздрѣзати реуено бѣ. сице нже отъ поганѣ. ли го-сподни. скопленн быша. обрѣтають же сѧ. инако до-стони. таковыя въ прихѣтъ приводить правнло.

в. Пониеже много рекъше по ноужн. ли инако въ-падаюштинныхъ хлѣкѣ бысть урестъ правнло црѣвннѣ. ꙗко же хлѣкы ѿ поганьска житнѧ нокопрншѣдша къ вѣрѣ. н въ мало время оглашенѣ. лѣпѣ къ дхѣвнѣн бани приводити коупно крѣпнню. приводи на епѣ-ство. ли на поповѣство. добръ нмѣти нзколнса. про-уеи ннхѣсомоуже таковоу быти. время бо требѣ юсть оглашеноуоумоу. н по кршѣтени нскоушеннѧ мно-жанша. ꙗкѣ бо юсть апльскоѣ писма глѣюштеи. не новосаженаго. да не разгѣрдѣвъ. въ грѣхѣ въпадетъ н сѣтъ доаволю. аште ли преходаштю временн. дѣше-внѣно нѣкоѣ сѣгрѣшеннѣ. обратетъса о лицн. ѿблн-уенѣ боудеть. отъ дѣкоу. ли трнн послоухѣ. да пре-станеть таковын отъ прихѣта. урестъ си же творѧ ꙗко протнвъ на велнкоуоумоу н сѣтоуоумоу събороу дързѧ. тѣ самѣ бѣдоу прннметъ о прихѣтѣ.

Г. Отърекль юсть отнноуѣ велнкын съборѣ. нн епѣж. нн попоу. нн днаконоу. нн всакомоу прихѣтъ-ннкоу. въводннца нмѣти тѣкмо аще да мѣръ. ли се-строу. ли тетѣкоу. ꙗже едина лица. всакого зазора оубѣжаша . : .

Д. Епѣж достонѣ пауе оубо отъ всѣхъ нже въ областн поставленѣоу быти. аште ли не оудѣбъ боу-детъ таковоѣ. ли коѣмъ радн бѣды. ли дѣлгостн радн поути. всакоо трымъ къкоупъ събнраюуемѣса. съвѣтъ-номѣ бываюуемѣ кромѣ соуштиннмѣ. н сълженѣомѣ писменѣ. тѣгда поставленнѣ творити. власть же бы-ваюштинныхъ. дѣлати къ коѣнжѣдо областн. мнтропо-лнтоу: .

Е. О не приобѣштынѣхъ быкнлюштинныхъ. ли въ при-хѣтѣ. ли въ людѣстѣмъ унноу. ѿ коѣмъжѣдо областн епѣж. да държнтѣса кола правнлоу глѣюштнѣоуоумоу. отъ дроуѣтинхъ отъвѣрженннмѣ. дроуѣтиннн непрнѣ-млемѣомѣ быти. еда испнтѣиетъ же сѧ. еда малѣдѣнн-ѣмъ. ли свѣрѣмъ. ли коѣю таковою пѣуалнѣю епѣпа. ѿ събора ѿлоууѣна быша. да оубо секе подобнѣюштеи испнтѣннѣ прннметъ. добръ нмѣти нзколнса коѣмоуѣо лѣтоу. къ коѣнжѣдо ѿбласти. дѣкншѣды лѣта събо-ромѣ бывати да обѣштеи всѣмъ епѣѣомѣ областннн-нмѣ. къкоупъ събнраюуемѣса. таковыя нскнннѧ н-спытати н тако нже нспѣкѣднн боудѣтъ прѣтнвъ-шесѧ епѣж. по словесн бес прнѣкнтенн ѿ всѣхъ бы-ти нзколнтѣса. дѣдѣшѣ нзо обѣштѧ епѣѣомѣ нзко-лнтѣса хлѣкѣлюбнѣннѧ о ннхъ пожѣдати соудѧ. съборн же да быкнютъ едннѣ оубо прѣдѣ велнкыннмъ по-



καθαρόν προσφέρηται τῷ θῷ. δευτέρα δὲ τὸν τοῦ μετα-  
πώρου καιρόν.

стѣмъ. да всакомоу малодѣшню погоубляемоу. даръ  
ѹнстѣ приносимъ ѣ (sic) боудеть бѣу. вѣторынѣе въ  
жлѣвноуе время . . .

### ИЗЪ СЛОВАРЯ ЛАТИНО-ГРЕЧЕСКАГО.

л. 213. Ραιπούδιον χωρισμός γάμων. διὰ πιττακίων. ραιφερενδάριος. ὁ τὰς ἀποκρίσεις κομίζων. σκρινιάριοι, σκη-  
πτροφόροι ἤγουν οὐ χαρτουλλάριοι. σάκρων ἱερῶν ἐκκλησιῶν. σπουρίους συρφετοὺς πορνυγενεῖς. σπάδωνες, οἱ ψύξιν τῶν  
γονίμων μυρίων ὑποστάντες. ταβουλλάριοι, δημόσιοι. τίτλος κεφάλαιον αἰτία. τρακταῖζεται, ψηλαφᾶται. φάκτα ἐργα.  
καὶ ὁ τρόπος τοῦ πράγματος. φαλκίδιος, νόμος περιαιρῶν, ἀπὸ τῶν λεγαταρίων τὸ τέταρτον μέρος, καὶ περιποιῶν  
τῷ κληρονόμῳ. φαμιλία, λαός. φάμουσος ἄτιμος. ἄνωνυμος. φέρνη ἡ προίξ. φιδικόμισσα, πίστει καταλιμπανόμενου.  
φίσκος, ὁ δημόσιος. φισκάλια. φούρτη ἀγωγή κατὰ κλεπτῶν εἰς τὸ διπλοῦν.

### Чт е н і е и о б ѣ я с н е н і е с н и м е а.

Ἐκ τοῦ κανονικοῦ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ νηστευτοῦ. ἤμειψε ταυτὶ πρὸς σύνοψιν Ματθαῖος.

Ἀλλὰ γὰρ καὶ κατὰ τὸν νηστευτὴν θεῖον Ἰωάννην θεραπείαν τῶν ἡμῖν συμβαινόντων θεωρητέον παθῶν, καλῶς  
ἔχειν δοκιμάσαντα. ὡς οἶόντε ταύτην ἐπιτιμᾶν.

φ. 256. Ματθαῖος ἔιργει τῶν Ἰουδαίων θράσος. | ὥσπερ χαλινόις πέντε φιμώσας λόγοις. | ὅστις δε τούτων τὴν  
ἐπίρρητον πλάνην. | πλάνην. ἀτεχνῶς ἐξελέγξει τῷ λόγῳ | ἄρδην ἀπασαῖς συγκαθεῖκεν αἰρέσεις. | μητὴρ γὰρ αὐτῶν  
ἡ θεοκτόνων ἔρις. |

Τοῦ ἐλαχίστου ἐκ ἱερομονάχοις ματθαίου πρὸς Ἰουδαίους. λόγος πρῶτος Ὅτι τρισυπόστατον καὶ ἡ παλαία τὸν  
θεὸν κηρύττει γραφή ἐν πατρὶ καὶ υἱῷ καὶ ἁγίῳ πνεύματι προσκυνούμενον. Ὅτι οὐ μόνον Κύριος καὶ θεὸς ἀλλὰ καὶ  
ἄγγελος ὁ τοῦ θεοῦ υἱός, παρὰ τῇ παλαῖα καλεῖται γραφή: .

Ὅτι про αἰωνίως γεννησθαι τὸν υἱὸν ἐκ τοῦ πατρὸς καὶ ἡ παλαιὰ δογματίζει γραφή. καὶ συναίδιον τῷ πατρὶ  
καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι καὶ τῆς κτίσεως συνδημιουργόν.

Заставица, нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ὦν. παρεγγυᾶ: .

Сокращеніе и слово съ титломъ: καὶ πατρᾶσι.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α ., συνάξεσι. ε ., ἐξ μέτρον προσπεφευγότας, ν ., οὖν δυνάμεως.  
σ., τεσσαράχοντα φιδικόμισσα. τ., μετάληψν. Собственное имя съ титломъ: βασιλείου.

## Х. Т р і о д ѣ п о с т н а я,

Находится въ Московской Сѣнод. Типогр. Библіотекѣ подъ № 484-мъ.

Длина бомбициной бумаги . . . . .	4 <sup>3</sup> / <sub>4</sub>	в.
Ширина . . . . .	3 <sup>1</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ корешку . . . . .	2	д.
Къ правой сторонѣ . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ верху . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub>	в.
Къ низу . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub>	в.

Писано скорописью на бомбицинѣ, въ одинъ столбецъ на 313-ти листахъ. Первая заставка блѣ-  
дно-желтаго цвѣта. Заглавія и начальныя буквы писаны киноварью. Колеръ чернилъ коричневый.  
Число строкъ на страницѣ 24. Бумажный знакъ у корешка близко трудно разобрать. Въ началѣ и  
въ концѣ рукописи вклеены два пергаменные листа изъ литургіи св. Іоанна Златоустаго XIV в. Сѣ-  
наксаріевъ по 6-й пѣсни нѣтъ. Въ концѣ Тріоди помѣщены двѣ службы отдѣльно св. Іоанну Лѣстви-  
нику и св. Маріи Егѣпетской .

# Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ неѣли Мытаря и Фарисея.

Ιδιом. ηχ. α. л. 2. Μή προσευξώμεθα φαρισαϊκῶς ἀδελφοί. ὁ γὰρ ὑψῶν ἑαυτὸν ταπεινωθήσεται. ταπεινωθῶμεν. ἐναντίον τοῦ θ·υ τελωνικῶς δια νηστείας κράζοντες. ἰλάσθητι ἡμῖν ὁ θ·ς τοῖς ἀμαρτωλοῖς.

ηχ. α. Фарисαῖος κενοδοξία νικόμενος. καὶ τελώνης τῇ μετανοία κλινόμενος. προσῆλθον σοι τῷ μόνῳ δεσπότῃ. ἀλλ' ὁ μὲν καυχησάμενος, ἐστερήθη τῶν ἀγαθῶν. ὁ δὲ. μὴ φθειγέμενος. ἡξιώθη τῶν δωρεῶν. τοῖς στεναγμοῖς στήρηξον με. χ·ε ὁ θ·ς ὁ φιλάνθος.

Ἐἰς τ. στιχ. Δοξα ηχ. плδ. (5).

Βεβαρυμένων τῶν ὀφθαλμῶν μου ἐκ τῶν ἀνομιῶν μου. καὶ οὐ δύναμαι ἀτενίσαι καὶ ἰδεῖν τὸν αἰθέρα τοῦ οὐνοῦ. ἀλλὰ δεῖξαι με ὡς τὸν τελώνην μετανοῦντα л. 2 об. с·ηρ καὶ ἐλέησον με.

Κανὼν. ἀνοίξω τὸ. ὠδὴ α. плβ. (6). ὡς ἐν ἡπείρῳ.

Παραβολαῖς ἐμβιβάζων πάντας χ·ε. πρὸς βίου διόρθωσιν. τὸν τελώνην ἀνυφοῖ. ἐκ τῆς ταπεινώσεως δεικνύς. φαρисαῖον τῇ ἐπάρσει καθαιρούμαι.

Ἐκ ταπεινώσεως γέρας ὑποποιὸν. ἐκ δὲ τῆς ἐπάρσεως πτώμα βλέπων χαλεπόν. τοῦ τελώνου ζήλου τὰ καλὰ. καὶ τὴν φαρисαϊκὴν κακίαν μήσησον.

Ἐξ ἀπονοίας κενοῦται πᾶν ἀγαθόν. ἐκ δὲ ταπεινώσεως. καθαιρεῖται πᾶν κακόν. ἥνπερ ἀσπασώμεθα πιστῶς. βδελυττόμενοι πιστοὶ τρόπον κενοδό...

ϥ. Γνώμην βουλήν προσδοκίας σῶμα ψυχὴν. καὶ τὸ πν̄α δέσποινα. ἀνατίθημι πρὸς σέ. δυσχερῶν ἔχθρῶν καὶ πειρασμῶν. θ·ε ἀγαθὴ ῥῦσαι καὶ σῶσον με.

Ἐδὲ ἡ ϥ. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς σὺ.

Ἀπὸ κοπρίας μὲν παθῶν. ταπεινὸς ἀνυφοῦται л. 3. ἀρετῶν ἀπὸ ὕψους. καταπίπτει δὲ δεινῶς. ὑψηλοκάρδιος πᾶς. οὗτον τρόπον. τῆς κακίας φύγωμεν.

Καινοδοξία ἐκκενοῖ. πλοῦτον δικαιοσύνης. τῶν παθῶν δὲ σκορπίζει. ἡ ταπείνωσις πληθύν. ἥν μιμουμένους ἡμᾶς τῆς μέριδος δεῖξον τοῦ τελώνου с·ηρ.

Ὡς τελώνης καὶ ἡμεῖς. τύχωμεν εἰς τὸ στήθος κατανύξει βοῶντες. ἰλάσθητι ὁ θ·ς. ἡμῖν τοῖς ἀμαρτωλοῖς. ὅπως τούτου λάβωμεν τὴν ἄφεσιν.

Томъ III.

Изъ Трїуди постной № 319. XII в. Моск. С·н. Библіотеки.

л. 1.—7. об. Не помолнмъса. фарнскы братнїе. нбо възносн себе смъртѣса, смърнмъса предъ бо·гмъ. мытарскы постмъ възывающе оцѣстн нъ боже грѣшныиъ.

Фарнскн. бо·гѣстнїю побѣжаемъ. н мытарь покланнїемъ прекланяемъ. прїдоста къ тебѣ єдннмоу вла·дѣтцѣ. нъ овъ похвалнвѣса лншенъ бысть блгынхъ. овъ... достоннѣ бысть даровъ къ тѣхъ въздыханнхъ оутврдн ма хрнсте боже ꙗко уловѣколюбыѣ.

Отагъуенама. оунма монма. отъ беззаконнн мо·нхъ. не възмогоу възрѣтн н вндѣтн. въздоуха небеснаго. нъ прнмн ма ꙗко мытарѣ кающасѣ сп·се. н помнлохн ма . : .

л. 2. об. Кнѣ. гл̄. с̄. пѣ. а. ꙗко по соух . : .

Прнтъуамн навода въса хрнстосъ. на нсправленнє жнтнѣ. мытарѣ възвынаєтъ. отъ смъреннѣ ꙗвлѣ. фарнскѣ велнчаннїемъ осоужаєма . : .

Отъ смъреннѣ усть высокотворашн. а отъ възношеннѣ наденнє вндѣ зѣло. мытаревн рѣкыноу до... нмъ. н фарнскнскою зѣловоу възненавндн . : .

Отъ безоумнѣ нстыцїаєтъса въсако благо. а отъ смъреннѣ потрѣблїаєтъса въсако зѣло. ꙗже възпрннмѣмъ устынѣ. гноушающеа върыннѣ. образа тѣцѣ·славѣна . : .

Разоумъ скъетъ уамннє. тѣло н доушю н доухъ владѣунце. възлагаю на тѣ. скърбнн вражнн н на·пастнн боудуцїаго процїеннѣ нзбавн н сп·пасн ма . : .

Пѣ. г̄. ірмѣ. Нѣсть скѣта . : .

Отъ гноу оубо страстнн. смъренын възноснтьса. отъ высоты же добродѣтелнн снпадїаєтъ лютѣ вы·соко сѣрдѣцѣннѣ въсѣбъ. ꙗгоже образа зѣлобы бѣганнѣ . : .

Тѣцїеславнє нстыцїаєтъ. богатѣство правѣды. стра·стнн же растауаєтъ. смъреннѣ мнѣожѣство. ꙗмоу подо·блїасѣ насъ. частн ꙗкн мытарскы сп·паснтелю . : .

ꙗко же н мытарь н мы. кыюцїесѣ къ персн оу·млєннїемъ кынюцїе. оцѣстн боже намъ грѣшннн·комъ. ꙗко того прннмѣмъ оставленнє . : .



ϕ. Εν σοί τῇ μόνῃ προσφυγῇ πεποιθὼς με ἐκπέσω τῆς καλῆς προσδοκίας. ἀλλὰ τύχοιμι τῆς σῆς ἐπικουρίας ἀγνῆ. πάσης βλάβης. δυσχερῶν λυτρούμενος.

Ωδὴ δ'. χς' μου δύναμις. θς' καὶ κς'.

Ἀριστην ἔδειξεν. ὁδὸν ὑψώσεως. τὴν ταπείνωσιν λόγος. л. 3 οὐ. ταπεινωθεῖς. μέχρι καὶ μορφῆς δουλικῆς. ἦν ἐκμιμούμενος ἅπας. ἀνυψοῦται ταπεινούμενος.

Ἰψώθη δίκαιος. καὶ καταπέπτωκε. φαρισαῖος ἐν πλήθει δὲ τῶν κακῶν. βριθῶν τεταπείνεται τελώνης ἀλλ' ἀνυψώθη. πάρελπίδα δικαίουμενος.

Πενίας πρόξενος. ἐκ πλούτου τῶν ἀρετῶν. ἡ ἀπόνοια ὤφθη. καὶ πορισμοῦ. αὐθις ἡ ταπείνωσις δικαιοσύνης ἐξ ἄκρας. ἀπορίας ἦν κτησώμεθα.

ϕ. Ὡς φῶς ἀπρόσιτον. παρθένε τέξασα. τῆς ψυχῆς με τὸ σκότος. φωτιστικῇ. αἴγλη διασκέδασον. καὶ σφίγας πρὸς τρίβους. τὴν ζωὴν μου χειραγώγησον.

Ὡδὴ ε'. Τῷ θείῳ φέγγει σου ἀγαθὲ.

Τοῦ φαρισαίου τὰς ἀρετὰς. σπεῦσωμεν μιμεῖσθαι καὶ ζηλοῦν. τὴν τοῦ τελώνου ταπείνωσιν. τὴν ἐν ἐκατέροις. μισοῦντες ἄτοπον. ἀπώλειαν καὶ λύμην τῶν παραπτώσεων.

Δικαιοσύνης δρόμος κενός. ἤλεγχται συζεύξας ἐν ταύτῳ. τῆς ἀπονοίας τὸ φύσσημα. τῆς δὲ αἰκίας ὄγκος κενώνεται. κτησάμενος συνέμπορον τὴν ταπείνωσιν.

Ἀρματιλάτης ἐν ἀρεταῖς. ὥστο δραμεῖν φαρισαῖος. ἀλλὰ πεζὸς παραλύδιον. ἄρμα διαθέων. καλῶς προέλαβε. συζεύξας ὁ τελώνης οἰκτω ταπείνωσιν.

ϕ. Ράβδον δυνάμεως ἀγάθῃ. πᾶσιν ἐξαπόστειλον ἡμῖν. л. 4. τοῖς ἐπὶ σοί καταφεύγουσι. κατακυριεύειν. ἐν μέσῳ πάντων ἐχθρῶν. παρέχουσα καὶ πάσης βλάβης ἐξαίρουσα.

Ὡδὴ ς'. Τοῦ βίου τὴν θάλα.

Τοῦ βίου τὸ στάδιον. ὁ τελώνης ἐν ταύτῳ. καὶ φαρισαῖος ἔδραμον. ἀλλ' ὁ μὲν ἀπονοία κατενεχθεὶς αἰσχυρῶς ἐναυάγησεν. ὁ δὲ τῇ ταπεινώσει διεσώζετο.

Τὸν βίον διείλαντο. φαρισαῖος ἀρεταῖς. ὁ δὲ τελώνης τῇ ταπείνωσιν. ὁ δὲ ἀνυψοῦται. ταπεινόφρων φανείς.

Τοῦ βίου τὸν βίαιον. διαμείβοντες ἡμεῖς. δρόμον ἐκμιμώμεθα. τοῦ τελώνου μὲν φρόνημα ζηλωτόν. φύγωμεν δὲ φύσσημα. βδελυκτὸν φαρισαίου καὶ ζησώμεθα.

Γυμνὸν τῇ ἀπλότητι. τῇ ἀτέχνῳ τέζωῃ. πλασθέντα παραβάσεως. διπλὴν περιβάλλει με ὁ ἐχθρὸς σαρκὸς τε παχύτητι. νῦν δὲ σῇ μεσιτεῖα. Κόρη σώζομαι.

Тебе единомъ прибѣжиши. оупъвавъ не отъпадоу. добраго исповѣданна. нъ да положю твою помощь. унстаѣ. отъ всакого вреда псуални избавлѣмса . : .

Пѣ. д'. хъ мѣнь сила . : .

Добли показа поутъ възношенна. сѣмѣренна сло-во. сѣмѣрса. н до зрака рабна нмоу же оуподо-блѣса всакъ. възноснтьсѣ сѣмѣрамса . : .

Възнесеса правдынкъ. н низъпалъ ксть фарисѣн. въ мѣножствѣ же зълъ богатыя сѣмѣрса. нъ възвы-снса мытаръ пауе надежа оправленъ (sic) . : .

Оубожествоу ходатан. отъ богатства добродѣтели. неразоумниѣ явнса. н нмѣньство дѣние сѣмѣренниѣ отъ правдынаго коньца. немѣниѣ нже сътажнмъ . : .

Іако свѣтъ непрнстоупнъ. дѣво порождѣши. тмоу свѣтлою зарею раженн. н доуша моеѣ на стѣза съ-пасенна. жизнь мою прѣведи . : .

Пѣ. е'. ірмѡ. бѣниѣмъ свѣтъмъ ти . : .

Фарисѣа добродѣтельмъ потѣшнмъсѣ подражати н рѣвновати. н мытарекоу сѣмѣренню въ обою непа-внѣши зѣлааго. неразоумна н пагоубы прѣгрѣ-шенни . : .

Правдыноѣ теуеннѣ. тѣше облуѣено бысть съѣ-такъ къкоупъ. неразоумна гърдыню. неправдынаѣ же тажесть. нстѣнса. сътажавъ съкоупника сѣмѣ-ренниѣ . : .

Въроужитель добродѣтельмн мнѣлѣшеса теши фа-рисѣн. нъ пѣшь къколесници прнтѣкаѣ. добръ варнѣзъ ксть. съѣтакъ мытаръ мнѣлостью сѣмѣренниѣ . : .

Жъзлъ силы благаѣ всѣмъ намъ послан. къ тебе прибѣгающнмъ. н обладати посредеъ всѣхъ врагъ. по-дающн отъ всакого вреда нземлющи . : .

Пѣ. ж'. ірмѡ. жнтннскаго мора . : .

Жнтна мѣрнлнцѣмъ мытаръ. въкоупъ н фарисѣн текоста. нъ окъ оубо неразоумиѣмъ повърженъ быкъ. срамънѣ потомленъ (sic) бысть. съ же сѣмѣре-ниѣмъ съпасѣшеса . : .

птаѣсмасин. ἀλλ' ὁ μὲν τὴν ἐξ ὄγκου φρενουλαβῆ. ὑπέσ-

л. 5. Жнтнѣ поужьноѣ нзмѣнѣющѣ мы. теуенню оуподобнмъсѣ. мытарекоу оубо оупмоудренню блаже-ноу. бѣганимъ же гърдына мързостн фарисѣокы. н жи-вн боудѣмъ . : .

Нагого прѡстѣнѣю. не хытрынмъже жнвотъмъ. създана прѣстоупленна. дѣкогоубою мѣрнзою врагъ. плѣти же добельствомъ. нына же тѣонмъ ходѣ-танствомъ дѣво съпасѣюса . : .

ΚΟΝΔΑΚΉ И ИКОСΉ СМОТРИ ВЪ ΚΟΝΔΑΚΑΡΙИ.

Л. 4 ОБ. Ὡδὴ ζ. δροσοβόλον μεν τῇν καμ...

Δικαιώσεως. τοῖς ὄγκοις ἐπαιρόμενος. βρόχοις κενοδοξίας δεινῶς. περιεπάρη. φαρισαῖος ἄμετρα αὐτοῦ τελώνης δὲ κούφῳ τῷ πετρῷ. τῆς ταπεινώσεως ἀρθεῖς θῷ προσήγγισε.

Таπεινώσεως τῇ κλίμακι χρησάμενος. τρόπῳ τελώνης πρὸ οὐνοῦ. ὕψος ἐπήρθη. τῆς ἀλαζονίας δὲ σαθρᾷ. κουφότητι δεῖλαιος ἀρθεῖς. ὁ φαρισαῖος καταντᾷ. πρὸς ἄδου πέταυρον.

Τοὺς δικαίους ἐνεδρεύει μὲν ὁ δόλιος κενοδοξίας συλᾶν. ἀμαρτωλοὺς δὲ. βρόχοις ἀπογνώσεως δεσμεῖν. ἀλλ' οὖν ἐκατέρων τῶν κακῶν. οἱ τοῦ τελώνου ζηλωταί. ῥυθῖναι σπέυσωμεν.

Θ. Ἰακώβ σε καλλονὴν καὶ θείαν κλίμακα. κάτοθεν ἦν ἐώρακε πρὶν. ἐκτεταμένην. πρὸς ὕψος γινώσκωμεν ἄγνή. κατὰ γούσαν ἄνωθεν θῷ. σεσαρκωμένον καὶ βροτοὺς αὖθις ἀνάγουσαν.

Ὡδὴ. Η. ἐκ φλογὸς τοῖς ὁσ.

Таπεινόφρονι γνώμη ἴλεων κν. ὁ τελώνης στέναξας εὖρε καὶ σέσωσται. τρόπῳ δὲ δεινῷ. γλώσσης μεγαλορρήμονος. τῆς δικαιοσύνης. ἐκπίπτει φαρισαῖος.

Л. 5. Φαρισαίου τὸν τύπον τῆς προαιρέσεως. καὶ τὴν προσηγορίαν τῆς καθαρότητος. φύγωμεν πιστοί. ζηλοῦντες τοῦ τελώνου καλῶς. τὴν ἡλεημένην. ταπείνωσιν καὶ γνώμην.

Τὰς φωνὰς τοῦ τελώνου πίστει φθειγξώμεθα. ἱερῷ ἐναγίῳ. ὁ θς ἴλαθι. ἵνα σὺν αὐτῷ. τύχωμεν συγχωρήσεως. λύμης μεγαλαύχου. ῥυθέντες φαρισαίου.

Θ. Οὐ ἐπίσταμαι πλήν σου ἄλλην ἀντίληψιν. σὲ πρόβλλομαι πρέσβιν καὶ προστασίαν ἄγνή. σὲ πρὸς τὸν ἐκ σοῦ τεχθέντα μεσιτείαν κινᾷ. πάντων τῶν λυπούντων. ἐλεύθερον με δεῖξον.

Ὡδὴ Θ. θν ἁνοίς ἰδεῖν ἀδύνατον.

Ὅδὸν ὑψώσεως τὴν ταπείνωσιν. παρὰ χῦ. λαβόντες σρῖας ὑπόδειγμα. τοῦ τελώνου τὸν τρόπον ζηλώσωμεν. τύπον ὑπεροψίας. πόρρῳ βαλῶμεθα. γνώμη ταπεινοφροни. θν' ἐξιλεούμενοι.

Ψυχῆς ἀπόνοιαν ἀναποθώμεθα γνώμην εὐθῇ. ἐν ταπεινοφροσύνῃ κτησώμεθα. ἑαυτοὺς δικαιοῦν μὴ σπουδάζωμεν. τὸν τῆς κενοδοξίας τύπον μισήσωμεν. καὶ σὺν τῷ τελώνῃ τὸν θν ἱλεωσώμεθα.

Λιτὰς τῷ κτίστῃ οἴκτου προσφέρομεν. τελωνικὰς. τὰς φαρισαϊκὰς ἐκτρεπόμενοι. ἀχαρίστους εὐχὰς μεγαλαύχους φωνὰς. αἱ κατὰ τοῦ πλησίον κρίσιν. ἐπάγουσιν. ἵνα θεῖον ἔλεον καὶ φῶς ἐπισπασώμεθα.

Л. 5 ОБ. Πολλῶν πταισμάτων ἐσμῷ βαρούμενος. ὑπερβολῇ κακίας τὸν τελώνην παρήλασα. οἷς τοῦ φαρισαίου τὸν μεγαλαύχον. τύπον πρὸς ἐπικτῶμαι. παντῶν ἐρημος. παντῶν καθιστάμενος καλῶν. κῆ φεῖσαι μου.

Θ. Ὑμνεῖν δοξάζειν καὶ μακαρίζειν σε δίδου ἡμῖν ἀξίως τοῖς τιμώσι σε πάντα γνε. καὶ τὸν τόκον. τὸν σὸν μεγαλύνουσι. μόνη εὐλογημένη. σὺ γὰρ τὸ καύχημα. τῶν χριστιανῶν καὶ πρὸς θν. πρέσβις εὐπρόσδεκτος.

Л. 5. ОБ. Пѣ. ζ. ірмѡ хладодавнцю оубо.

Οправданнѣ тажестымн възвышамса, сътымн тѣщеславнѣм люте възпалъ єсть. фарнскѣн безмѣрно хвалася. мытаръ же лѣгкымн крнлома. съмѣреннѣ възвышѣса. къ богоу приближнѣса .: .

Іако келесницю (sic) съмѣреннѣм нахнѣ. образънѣ мытаръ. на небесноу ю висоту възася. гърдо-стнѣю же ѣвѣ. лѣгостнѣю окаяннѣм възнесѣса. фарнскѣн постнѣе къ адоко дѣно .: .

Правдѣным оулавлѣють оубо лоукавнѣ. образы тѣщеславнѣм. окрадовати грѣшнѣмн же. сътымн неула-ннѣм казати. нѣ оубо отъ обою зѣлобоу. мытаревн рѣкннтеле нзбавнтѣса молнмѣнтѣса .: .

Нѣковѣ та добротоу н божнѣю лѣстнцѣ. ннзъ юже вндѣ. прѣже простѣреноу ю. на висоту съвѣмъ ун-стаѣм. съводащю съвѣшнѣ бога възпѣшѣна. н уловѣ-кы. лѣннѣ възводаща .: .

Пѣ. η. ірмѡ нс пламене стѣным .: .

Съмѣреномудрынѣм разоумомъ. млостнѣаго бога мытаръ въздѣхноуѣмъ. обрѣте н съпасенѣм бысть. обра-зѣмъ жезѣлѣмъ. ѣззыка вельрѣуна отъпаде правдѣнын фарнскѣн .: .

Фарнскѣвы гърдынѣм. пронзколеннѣ. н нареуеннѣм унстоты. вѣганѣмъ вѣрыннѣ. рѣкннѣющѣм мытаревкоу до-бре помнлѣваноуоумоу. съмѣреннѣю н разоумоу .: .

Гласъ мытаревѣмъ. вѣрыннѣмъ вѣшанѣмъ въ цѣркѣвн свѣ-тѣн. коже млостнѣмъ боудн. да съ нмѣмъ положѣнѣмъ процѣннѣ. ѡ пагоуѣмъ келнѣавааго нзбавленнѣм фарнскѣм .: .

Не съкѣмъ разѣмъ тебе нного застоуплѣннѣм. та предѣ-лагаю молнтѣвннѣю н застоуплѣннѣм унстаѣм та къ рожнѣноумоуѣм нс тебе ходатаѣмъ подвнзѣю вѣскѣмъ скѣрѣ-внѣнѣмъ свобѣдѣна ма ѣвн .: .

Пѣ Θ. ірмѡ. ѣа уловѣкомъ .: .

Поуѣ възношеннѣм. съмѣреннѣм. отъ хрнста прннѣмъ съпасеннѣм прнтѣу ю мытаревкоу образоу порѣкннѣюмъ. коѣєсть прѣзорѣства далѣує отъложнѣмъ. разоумѣмъ съмѣреномудрынѣмъ бога да оумолнѣмъ .: .

Дѡуша неразоумнѣмъ отъложнѣмъ. разоумѣмъ далѣе не-достаєтѣмъ.



Чт е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а .

Κοντάκιον. ὡς ἀπαρχαὶ.... ἡχ. πλδ. (8).

Ὡς εὐσεβείας κήρυκας καὶ ἀσεβείας φρίμωτρα τῶν θεοφόρων τὸν δῆμον ἐφαίδρυνας τῇ ὑψηλίῳ λάμποντα. ταῖς αὐτῶν ἱκεσίαις. ἐν εἰρήνῃ τελεία τοὺς σὲ δοξάζοντας καὶ μεγαλύνοντας διαφύλαξον ψάλλοντας σοὶ Κύριε τὸ ἀλληλούϊα.

Τέλος σὺν θεῷ ἀγίῳ τῆς δέλτου. ἐτελειώθη διὰ χειρὸς ἀμαρτωλοῦ ἱακώβου τάχα καὶ ἱερομονάχου. ἐν ἔτει 1344 г.) καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες, εὐχέσθαι διὰ τὸν Κύριον ὅτι καὶ ὁ γράφων παραγραφῇ.

Κύριε Ἰησοῦ χριστέ υἱὲ τοῦ θεοῦ ἐλέησον μὲ τὸν ἀμαρτωλόν.

Азбука изъ заглавныхъ буквъ, заставка и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ρήμασι, ἐπιλάθῃ; ἱασίς:

Сокращения и слова съ титлами: ὀφλημάτων ἐκφθορᾶς. Κύριε.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγία. ε., ἔξ ἐγκρατεία. ν., νυνί. σ., πίστεως οἱ πόδες σάρκες. τ., μέτρα.

## ХІ. Сборникъ бесѣдъ св. Златоустаго изъ Маргарита изъ книги о священствѣ и другихъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 136-мъ.

Длина бумаги.	. . . . .	9 1/2 в.
Ширина . . . . .	. . . . .	6 1/2 в.
Къ корешку . . . . .	. . . . .	5/8 в.
Между столбцами.	. . . . .	1/8 в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	. . . . .	1 1/8 в.
Къ верху . . . . .	. . . . .	1 в.
Къ низу . . . . .	. . . . .	1 1/4 в.

Бумага толстая лощеная.

Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ. Заставки, заглавныя буквы и заглавія словъ писаны киноварью. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на страницѣ 34. Помѣта тетрадей въ началѣ ея на верху въ углу съ правой стороны и въ концѣ тетрадей внизу въ углу съ правой же стороны.

Лишнее противъ маргарита № 73. Сев. соб. X—XI в. слѣдующее:

л. 41—49 об. λογος. ζ. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς ἀπολειφθέντας τῆς συνάξεως. καὶ τοῦ ὁμιούσιον εἶναι τὸν υἱὸν τῷ πρὶ ἀπόδειξις. καὶ ὅτι τὰ ταπεινῶς εἰρημένα. καὶ γεγεννημένα παρ' αὐτοῦ, οὐ δὲ ἀσθένειαν δυνάμειος ἐγένετο. οὐδὲ δὲ ἐσχόττωσιν, ἀλλὰ δὲ οἰκονομίας διαφοροῦς. καὶ περὶ ἀκαταλήπτου ἀκολούθως. Начало: Πάλιν ὑποδρομία καὶ πάλιν ὁ σύλλογος ἡμῖν.

л. 49 об. — 55 об. λογος η. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ αἵρετικῶν. καὶ εἰς τὴν αἵτησιν τῶν υἱῶν ζεβεδαίου, καὶ περὶ ἀκαταλήπτου. Начало: Ἐκ πολέμου χθὲς ἐπανήλθομεν.

л. 55 об.—89. λογος θ. Τοῦ αὐτοῦ. πρὸς τοὺς σκανδαλισθέντας ἐπὶ ταῖς δυσημερίαις καὶ ταῖς παρανομίαις ταῖς παρανομίαις ταῖς γενομέναις. καὶ τῇ τοῦ λαοῦ καὶ πολλῶν ἱερέων διώξει καὶ διαστροφῇ. καὶ περὶ τῆς τοῦ θῷ προνοίας. καὶ περὶ ἀκαταλήπτου καὶ κατὰ Ἰουδαίων λογος. θ. Начало: Ἰατρῶν μὲν παῖδες ὅταν πυρέττοντας τινας.

л. 89 — 145 об. Οι περὶ ἱερωσύνης λόγοι.

л. 89—95 об. λογος ι. Τοῦ ἐν ἀγίοις πρὶ ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου κωνσταντίνου πόλεως τοῦ χρυσοστόμου. πρὸς τοὺς ἐγκαλοῦντας. ἐπὶ τῷ διαφευγεῖν τὴν ἱερωσύνην, ἀπολογητικός. καὶ ὅποιον εἶναι δεῖ τὸν ἱερέα. πρὸς βασιλεῖον φίλον αὐτοῦ. λογος α. Начало: Ἐμοὶ μὲν πολλοί. ἐγένοντο φίλοι.

л. 142 — 181. Λογοι. α β'. ι. δ. Ἐἰς τὸν πλουτὸν καὶ λάζαρον ..

л. 181 — 187 об. Τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸ ρητὸν τοῦ ἀποστόλου. περὶ δὲ τῶν κεκοιμένων, οὐ θέλω ὑμᾶς ἄγνο-  
εῖν ἀδελφοί, ἵνα μὴ λαιπῆσθε ὡς καὶ οἱ λοιποὶ οἱ μὴ ἔχοντες ἐλπίδα. λόγος. εἶ. Начало: Ἡμέρας τέσσαρας ἀνη-  
λώσαμεν. τὴν κατὰ τὸν λάζαρον παραβολὴν ὑμῖν ἐξηγούμενοι.

л. 187 об. — 198 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστό-  
μου. ὁμιλία κατὰ ἰουδαίων. ἐλέχθη δὲ πρὸς τοὺς ἰουδαίζοντας καὶ μετὰ ἐκείνων νηστεύοντας. λόγος. αἶ. Нач. Εβου-  
λόμην ὑμῖν ἀποδοῦναι τὰ λείψανα τήμερον τῆς ὑποθέσεως.

л. 198 об. — 206 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἰουδαίους εἰς τὰς σάλπιγγας τοῦ πάσχα αὐτῶν. ἐλέχθη ἐν ἀντιοχείᾳ,  
ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησίᾳ. λόγος βῖ. Начало: Πάλιν οἱ δέιλαιοι καὶ πάντων ἀνῶν ἀθλιώτεροι νηστεύειν μέλλουσιν  
ἰουδαῖοι.

л. 206 об. — 222 об. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ ἰουδαίων λόγος γῖ. Начало: Ποθεν ἡμῖν ἄρα πλείων ὁ σύλλογος  
γέγονε τήμερον.

л. 222 об. — 231 об. Τοῦ αὐτοῦ. ὅτι τῇ προτεραίᾳ μακρὰν ὁμιλίαν εἰπὼν κατὰ ἰουδαίων. καὶ βράγχω κα-  
τασχεθεῖς ἀπὸ τοῦ μήκους τῶν ἐιρημένων, ταύτην εἶπε τὴν διάλεξιν. λόγος τέταρτος. Начало: Τὰ θηρία. ἕως μὲν  
τὰς ὕλας νέμονται.

л. 231 — 240. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ ἰουδαίων. λόγος εἶ. Начало: Ἄρα κόρον ἐγάβετε τῆς πρὸς ἰουδαίους μάχης.

л. 240 — 251 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἰουδαίους λόγος εἷ. Начало: Παρῆλθεν ἡ νηστεία τῶν ἰουδαίων, μαλ-  
λον δὲ ἡ μέθη.

л. 252 — 298 об. λόγοι κζ̃. κη̃. κϥ̃. λ̃. λλ̃. λϛ̃. λγ̃. и λδ̃. есть въ вышеозначенномъ спискѣ на лис-  
тахъ. 53 об—89. и 136. об. — 160. л.

298. об. — 304. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἄννης καὶ εἰς τὴν τοῦ σαμουὴλ γαλακτοτροφίαν. καὶ ὅτι χρήσιμος ἡ  
περὶ τὸν τόκον βραδύτης. καὶ ὅτι επικίνδυνον καὶ σφαλερὸν τὸ τῶν παίδων ἀμελεῖν. λόγος γῖ. Начало: Ἐἰ μὴ δοκῶ  
προσκορήσθαι εἶναι καὶ φορτικὸς...

л. 304 — 311. Τοῦ αὐτοῦ, πρὸς τοὺς τὰς συνάξεις καταλιμπάνοντας καὶ εἰς τὰ θεάτρα ἀναβαίνοντας. καὶ  
ὅτι οὐ μόνον χρησιμώτερον τῆς ἐν ταῖς θεάτροις διαγωγῆς ἢ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ διατριβῇ, ἀλλὰ καὶ ἡδίων. καὶ εἰς  
τὴν δευτέραν ῥῆσιν τῆς ἄννης. καὶ εἰς τὸ δεῖν συνεχῶς ἔυχεσθαι. καὶ ἐν παντὶ τόπῳ, καὶ ἐν ἀγορᾷ ὦμεν. καὶ  
ἐν ὁδῷ. καὶ ἐπὶ κλίνης. λόγος ς̃. Начало: Οὐκ οἶδα ποίοις χρήσομαι λόγοις σήμερον.

л. 311 — 316 об. Τοῦ αὐτοῦ. πρὸς τοὺς ἐν ἑορταῖς μόνον συναγομένους. καὶ τί ποτέ ἐστιν ἑορτή. καὶ  
πρὸς τοὺς ἐγκαλοῦντας τῇ τοῦ θ̃υ προνοίᾳ, διὰ τὸ πλουσίους εἶναι καὶ πένητας ἐν τῷ βίῳ. καὶ ὅτι χρησιμώτατον  
ἡ πενία. καὶ ὅτι πλούτου, πλείοντα ἡδονὴν ἔχει πανταχοῦ καὶ ἀσφάλειαν. καὶ εἰς τὴν ἄνναν. λόγος εἷ. Начало:   
Μάτην ἔοικε τοὺς τῇ προτέρα συνάξει παραγενομένους ἡμῖν παρεκαλέσαμεν.

л. 316 об. — 320 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστό-  
μου. λόγος εἰς τὸν ἄμεμπτον καὶ μακάριον... ιωβ λόγος αἶ. Начало: Ἦκεν ἡμῖν ἐνιαύσιος σήμερον. ὁ τῆς οἴκου-  
μένης ἀθλητής.

л. 320 об. — 336. λόγοι βῖ. γῖ. δ̃. есть въ той же рукописи на листахъ 183—200.

л. 336—342 об. Λόγοι ἐκ τῶν ἀνδριάντων. Τοῦ ἐκ ἁγίοις πρὸς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινου-  
πόλεως τοῦ χρυσοστόμου. ἔπαινος τῶν κατωρθωκότων τὸ, μὴ ὀμνύειν. καὶ ὅτι οὐκ ὀφείλει τις διακρίνεσθαι μετὰ  
ἐστίασιν, ἀκροάσθαι θείων λόγιων ἐν ἐκκλησίᾳ. καὶ διατὶ μετὰ χρόνον πολὺν ἐδόθησαν αἱ ἁγίαί. γραφαί. καὶ εἰς  
τὸ. οἱ οὐνοὶ διηγοῦνται δόξαν θ̃υ. καὶ φυσιολογία κόσμου. καὶ περὶ τοῦ μὴ ὀμνύειν. λόγος. αἶ. Начало: Καὶ  
πρώην πρὸς ὑμᾶς. καὶ νῦν πρὸς ὑμᾶς.

л. 342 об. — 348 об. Τοῦ αὐτοῦ ἔπαινος τῶν μετὰ τὴν ἐστίασιν ἀπληντηκότων εἰς τὴν ἀκρόασιν. καὶ φυσι-  
ολογία κόσμου. καὶ κατὰ τῶν θεοποιούντων τὴν κτίσιν. καὶ περὶ τοῦ ὀμνύειν. Начало: Χαίρω καὶ συγχαίρω πασὶν  
ὑμῖν, ὅτι τὴν παραίνεσιν ἡμῶν...

л. 348 об. — 354 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαριστία πρὸς τὸν θ̃ν περὶ τῆς ἀπαλλαγῆς τῶν ἐκ τῆς στάσεως προσ-  
δοκῇέντων κακῶν, καὶ ἀνάμνησις τῶν τότε συμβάντων. ἔτι δὲ καὶ κατὰ τῶν τὸ σῶμα ἡμῶν διαβαλλόντων. καὶ  
διόλου περὶ τῆς τοῦ ἀνῶ κατασκευῆς. καὶ πρὸς τῷ τέλει, περὶ τοῦ μὴ ὀμνύειν. Начало: Επειδὴ ἐννοήσω τὸν πα-  
ρελθόντα χειμῶνα καὶ τὴν παρούσαν γαλήνην.

л. 354 об. — 361 об. Τοῦ αὐτοῦ ἔτι εὐχαριστία πρὸς τὸν θ̃ν περὶ τῆς συγχωρήσεως τῶν ἡμαρτηκότων  
εἰς τὸν βασιλέα. καὶ φυσιολογία περὶ τῆς κτίσεως. καὶ ὅτι ποιήσας ὁ θ̃ς τὸν ἀνῶν νόμον φυσικὸν ἐγκατέθηκεν  
αὐτῷ. καὶ περὶ τοῦ πάσῃ σπουδῇ ἀπέχεσθαι τῶν ὅρκων. Начало: Καὶ χθὲς εἶπον εὐλογητὸς ὁ θ̃ς.



л. 361 об. — 366 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαριστία πρὸς τὸν θν̄, περὶ τῆς μεταβολῆς τῆς ἀπο τῶν σκυθρωπῶν. καὶ ἀνάμνησις τῶν διὰ τὴν στάσιν κατὰ εὐρέντων τὲ καὶ τιμωρηθέντων, ὁμοίως δὲ πάλιν περὶ τῆς τοῦ ἀν̄ου δημιουργίας. καὶ ὅτι φυσικὸν νομον ἐδέξατο διὰ τῆς γνώσεως τῶν πρακτέων. καὶ περὶ τοῦ κατορθῶσαι τὸ μὴ ὀμνύειν. Начало: Ἀπὸ τῆς αὐτῆς ἀρχῆς καὶ τῶν αὐτῶν προοιμίων ὧν χθές...

л. 366 об. — 374 об. Τοῦ αὐτοῦ. Τοῦ δήμου παντὸς ἀθέντος τῆς ἀγωνίας καὶ θαρσήσαντος, τινὲς πάλιν τὴν πόλιν ἐτάρτζαν φήμαις φοβεράς. καὶ ἠλέχθησαν. εἰς τοῦτο γοῦν ἡ ὁμιλία εἴρηται. καὶ εἰς τὴν περὶ τῶν ὅρκων παραίνεσιν. Διὸ καὶ ἡ κατὰ τὸν ἰωναθὰν καὶ τὸν σαοῦλ ἱστορία, καὶ τὸν ἱεφθάε παρήχθη καὶ ἐδείχθη πόσαι ἐξ ἐνὸς ὅρκου γίνονται ἐπιπορίαι. Начало: Ὁυχῶς ἔτυχε τὴν πόλιν ἡμῶν. ὁ διάβολος χθές ἐθορήθησεν.

л. 374 об. — 381. Τοῦ αὐτοῦ. ἔτι εἰς τὴν συμφορὰν τῆς πόλεως ἀντιοχείας καὶ ὅτι χρήσιμον πανταχῇ φόβος. καὶ ὅτι πένθος γέλωτος λυσιτελέστερον. καὶ εἰς τὴν ῥῆσιν τὴν λέγουσαν ἐπίγνωθι ὅτι ἐν μέσῳ παγίδων διαβαίνεις, καὶ ὅτι τοῦ φονεύειν, τὸ ὀρκίζει χεῖρον. Начало: Ἔτει καὶ τήμερον καὶ τῷ προτέρῳ σαββάτῳ.

л. 381 — 397 об. Τοῦ ἐν ἀγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. λόγος παρακλητικὸς πρὸς τινα δαιμονίωντα ἀσκητὴν σταγείριον. καὶ ὅτι οὐκ ανευκινδύνων οἱ δικαιοὶ τὸν παρόντα βίον διήνυσαν. Начало: Ἐδει μὲν ἡμᾶς ὦ φίλτατε πάντων ἐμοὶ σταγειριε.

л. 398 об. — 415, Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν. ὅτι ἀθυμία, χαλεπωτέρα, καὶ δαίμονος. Начало: Ταῦτα μὲν ἡμῖν. ὑπὲρ τῆς τοῦ θῡ προνοίας εἰρήσῃω.

л. 415 — 431. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν μοναχὸν σταγείριον, ἔτι περὶ ἀθυμίας λόγος Γ. Начало: Ἰκανὰ μὲν οὖν καὶ τὰ εἰρημένα.

л. 431 — 442 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς δημήτριον μονάζοντα, περὶ κατανύξεως. (нѣ. λογ.) Начало: Ἐγὼ σε ὀρῶν ὦ μακάριε δημήτριε.

л. 442 об. — 451. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς στελέχιον περὶ κατανύξεως. Начало: Καὶ πῶς ἐνὶ γενέσθαι τοῦτο ὅπερ ἐπέταξας ἅγιε τοῦ θῡ στελέχιε.

л. 451 — 459 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς πολεμοῦντας, τοῖς ἐπὶ τὸ μονάζειν ἐνάγουσιν. Начало: Ὅτε τον ἐν ἱεροσολύμοις νεῶν πολλῶν ἐτῶν χαμαὶ κείμενον.

л. 460 — 473. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἄπιστον πρ̄α. Начало: Ἰκανὰ μὲν οὖν καὶ ταῦτα ἔκστασιν ἐργάσασθαι.

л. 473 — 501. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς πιστὸν πρ̄α. Начало: Φέρε δὲ λοιπὸν καὶ τὸν πιστὸν πρ̄α διδάξωμεν.

л. 501 — 522 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος παραινетиκὸς ἐν εἶδει ἐπιστολῆς εἰς θεόδωρον ἐκπεσόντα. Начало: Τίς δώσει τῇ κεφαλῇ μου ὕδωρ καὶ τοῖς ὀφθαλμοῖς μου πηγὴν δακρύων.

л. 522 об. — 527 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν θεόδωρον λόγος δεύτερος. Начало: Ἐὶ δάκρυα καὶ στεναγμοὺς ἦν διὰ γραμμάτων δηλοῦσθαι.

л. 527 об. — 529. Ἐπιστολὴ θεοδώρου τοῦ πεπτωκότος. ἐν ἣ καὶ σύμβολα ἐναρگوῦς μετανοίας πρὸς τὸν χρυσοστόμον. Начало: Πάντοτε οἱ ἐν εὐδίοις λιμέσιν ὀρμιζόμενοι.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 15 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀκαταλήπτου. καὶ ὅτι οὐ δὲ. ἡ συγκατόβασις τοῦ θῡ φορητῇ. τοῦ θῡ φορητῇ τοῖς σεραφίμ.

Οἱ φιλόπονοι τῶν γεωργῶν. ἐπειδὴν ἰδῶσι δένδρον ἄκαρπον καὶ ἀνήμερον. τοῖς αὐτῶν λυμαινόμενον πόνοις. καὶ τῇ τῆς ρίζης τραχύτητι. καὶ τῇ βαρύτητι τῆς σκιᾶς. διαφθεῖρον τὰ ἡμερὰ τῶν φυτῶν μετὰ πολλῆς ἐκτέμνουσιν αὐτὸ τῆς σπουδῆς. πολλάδὲ л. 16. а. καὶ ἄνεμος αὐτοῖς παρελθὼν ποθὲν συνεφάπτεται τῆς τομῆς καὶ τῇ κόμῃ τοῦ δένδρου προσπέσων. καὶ μετὰ πολλῆς τινάξας τῆς σφοδρότητος, συνέκλασε τε αὐτὸ, καὶ εἰς τὴν γῆν ἔρριψε, καὶ τοῦ πόνου τὸ πλεόν, αὐτοῖς ἐπεκούφισεν. εἰπεὶ οὖν καὶ ἡμεῖς δένδρον ἐκτέμνομεν ἄγριον καὶ ἀνήμερον. τῶν ἀνομοίων τὴν αἵρεσιν, παρακαλέσωμεν τὸν θν̄, πέμψαι τοῦ πν̄ς ἡμῖν

Изъ МАРГАРИТА 1499 г. СѢН. БИБЛ. № 103. л. 19—23.

л. 19. Тогоже о непостижимемъ и како не... въ схоженіе къ серафимомъ.

Трѣдолоубнѣн ѿ земеделнѣи книгѣ аще видѣть. древо бесплодно и не пнтомо тѣ гъбащѣе трѣды. и корене дебелствомъ и таготою съни раставлющѣе сады, съ мнозѣмъ тѣпаніемъ л. 19. об. ѿ съцаютъ то. множицею же тѣмъ и вѣтръ ѿ нѣкѣдѣ нашѣ съпрнхасетъ съченію вѣтвѣ древа припадѣ. и съ многою. потрасѣ зѣло стію. сломн же то и на землю поврѣже, и ѿ трѣда ващѣше. тѣмъ ѿблегу. елмаже оубо и мы древо посѣцаемъ. днѣе и непнтомо. не подобнѣ ересь. помолнмъ бѣ послати намъ дхѣнѣю блѣть. како да вѣтра всакого зѣланѣше проложвше.



τὴν χάριν . ἵνα ἀνέμου σφοδρότερον παντὸς προσβαλοῦσα, πρὸρριζον ἀνασπάσῃ τὴν αἵρεσιν, τὸ πλεόν ἡμῖν ἐπικουφίζουσα τοῦ πόνου . ἤδη γὰρ που καὶ γῇ χερσωθεῖσα . καὶ γεωργικῶν οὐκ ἀπολαύσασα χειρῶν, πονηρὰς βοτάνας, καὶ ἀκανθῶν πληθούς . καὶ δένδρα ἄγρια ἐξέβρασεν, ἐκ τῶν οἰκείων κόλπων πολλὰκις . οὕτω καὶ ἡ τῶν ἀνομοίων ἐρημωθεῖσα ψυχὴ, καὶ τῆς ἀπὸ τῶν γραφῶν ἐπιμελείας οὐκ ἀπολάουσα, οἰκοθεν καὶ παρ' ἑαυτῆς . τὴν ἀγρίαν ταύτην καὶ ἀνήμερον ἐξέβρασεν αἵρεσιν . τοῦτο γὰρ τὸ δένδρον, οὐ παῦλος ἐφύτευσεν οὐκ ἀπολλῶς ἐποτίσεν . οὐχ ὁ θεὸς ἤυξεν, ἀλλ' ἐφύτευσε μὲν, β' . λογισμῶν ἄκαιρος περιεργία . ἐπότισε δὲ, ἀπονοίας τυφός . ἤυξεν δὲ φιλοδοξίας ἔρως . καὶ δεῖ τῆς τοῦ πνὸς ἡμῖν φλογὸς ἵνα μὴ μόνον ἀνασπάσωμεν, ἀλλὰ κατακαύσωμεν, τὴν πονηρὰν ταύτην ρίζαν . καλέσωμεν τοίνυν αὐτὸν τὸν ὑπ' ἐκείνων μὲν βλασφημούμενον, ὑφ' ἡμῶν δὲ εὐφημούμενον θ·ν, καὶ παρακαλέσωμεν, ὥστε καὶ τὴν γλῶτταν ἡμῶν πρὸς πλείονα διεγείραι δρόμον, καὶ τὴν διάνοιαν ἡμῖν πρὸς σαφεστέραν διανοίξει τῶν λεγομένων σύνεσιν . ὑπὲρ γὰρ αὐτοῦ καὶ τῆς αὐτοῦ δόξης, ἅπας ἡμεῖς ὁ πόνος . μᾶλλον δὲ ὑπὲρ τῆς σφίγας τῆς ἡμετέρας . τὸν μὲν γὰρ θ·ν οὐδεὶς . οὔτε ἀτιμάζων παραβλάψαι δυνήσεται, οὔτε εὐφημῶν λαμπρότερον ἀποφῆναι . ἀλλ' ἐπὶ τῆς οἰκειᾶς αἰεὶ μένει δόξης . οὔτε εὐφημίαις αὐξανόμενος, οὔτε ἐλαττούμενος βλασφημίαις . τῶν δὲ Ἀνῶν . οἱ μὲν δοξάζοντες αὐτὸν κατ' ἀξίαν . μᾶλλον δὲ κατ' ἀξίαν μὲν, οὐδενὶ δυνατὸν . εἰς δὲ δύναιμι τὴν ἑαυτῶν τὴν ἀπὸ, τῆς δοξολογίας, καρποῦνται ὠφέλειαν . οἱ δὲ βλασφημοῦντες . καὶ ἐξευτελίζοντες, τὴν οἰκειάν λυμαίνονται σφίαν . ὁ γὰρ βαλὼν λίθον εἰς ὕψος, εἰς τὴν κεφαλὴν ἑαυτοῦ ἔβαλε, περὶ τῶν βλασφημούντων π. 16 οβ. α. τίς εἶρηκε . καθάπερ γὰρ ὁ λίθον πρὸς τὸ ὕψος ἀκοντίζων . τοῦ οὐνοῦ μὲν τὸ σῶμα διὰ τεμεῖν, οὐ δυνήσεται . οὐδὲ πρὸς τὸ ὕψος φθάσαι ἐκεῖνο . τὴν δὲ πληγὴν . τῇ ἰδίᾳ δέχεται κεφαλῇ . πρὸς τὸν ἀκοντίσαντα ἐπανώντος τοῦ λίθου, οὕτω δὲ καὶ ὁ βλασφημῶν τὴν μακαρίαν ἐκείνην οὐσίαν . ἐκείνην μὲν, οὐδὲν παραβλάψει ποτὲ . πολλῶ μείζονα οὔσαν, καὶ ὑψηλοτέραν . ἥ ὥστε δέξασθαι τινα βλάβην . κατὰ δὲ τῆς ἑαυτοῦ ψυχῆς, τὸ ξίφος ἀκοντῶν ἀγνώμων, περὶ τὸν εὐεργετὴν γινόμενος .

Καλῶμεν τοῖνον αὐτόν. τὸν ἀνέκφραστον. τὸν ἀπερίληπτον. τὸν ἀπερινόητον θ'ν. τὸν ἀόρατον. τὸν ἀκατάληπτον. τὸν νικῶντα γλώττην ἀνῆνης δύναμιν. τὸν ὑπερβαίνοντα διανοίας θνητῆς κατάρληψιν. τὸν ἀνεξιχνίαστον ἀγγέλοις. τὸν ἀνεξερεύνητον ἀρχαγγέλοις. τὸν ἀθέατον τοῖς σερραφίμ. τὸν ἀκατανόητον τοῖς χερουβίμ. τὸν ἀόρατον, ἀρχαῖς. καὶ ἐξουσίαις. καὶ δυνάμεσι, καὶ ἀπλῶς, πάσῃ τῇ κτίσει. ὑπὸ υἱοῦ καὶ πν̄ς μόνου γνωριζόμενον. καὶ οἶδα μὲν, ὅτι Ἀλαζονεῖαν καταγνώσκονται τοῦ λόγου, ὅτι καὶ ταῖς ἀνωτέραις δυνάμεσιν. ἀκατάληπτον αὐτόν εἶπον β'. εἶναι. ἐγὼ δὲ πολλὴν αὐτῶν διὰ τοῦτο καταγνώσομαι μα-  
νίαν καὶ ἀπόνειαν. ἀλαζονεῖα γάρ. οὐ τὸ λέγειν ὅτι τῆς τ-  
μιουργός, ἀλλὰ τὸ λέγειν. ὅτι τὸν ταῖς ἄνω δυνάμεσιν  
τοσοῦτον ἐκείνων ἀφεστηγρόσι τῇ τῶν οἰκείων λογισμῶν ἀσθ-

[illegible]



τουτο ὅπερ υπεσχόμην δίκαιος ἂν εἶην ἀλαζονείας ὑποπεσεῖν ἐγκλήματι. ὑμεῖς δὲ. οἱ μετὰ τὸ δεῖξαι με. ἀκατάληπτον ὄντα ταῖς ἄνω δυνάμεσιν, ἔτι διῖσχυρίζεσθαι καὶ φιλονεικεῖτε αὐτὸν εἰδέναι πόσων ἂν εἴητε βαράθρων, πόσων δὲ κρημνῶν ἄξιοι, τὰ ταῖς ἀσωμάτοις δυνάμεσιν ἀπάσαις ἀθέατα, ἀλαζονευόμενοι, μετὰ ἀκριβείας εἰδέναι. φέρε οὖν λοιπὸν ἐπὶ τὰς ἀποδείξεις αὐτὰς χωρῶμεν: πάλιν, ἐπὶ τὴν εὐχὴν, τὸν λόγον τρέψαντες. πολλάκις γὰρ αὕτη τῆς εὐχῆς ἢ ἀκολουθία, παρέξει τῶν ζητούμενων ἡμῖν τὴν ἀπόδειξιν. καλῶμεν τοίνυν αὐτὸν, τὸν βασιλέα τῶν βασιλευόντων, καὶ κῦ τῶν κυριευόντων, τὸν μόνον ἔχοντα ἄθανασίαν φῶς οἰκοῦντα ἀπρόσιτον. ὃν εἶδεν л. 17 а. ἡ δὲ εἰς αὐτῶν, οὐδὲ ἰδεῖν δύναται. ὧ τιμὴ καὶ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ταῦτα οὐκ ἐμά. Ἀλλὰ παύλου τὰ ῥήματα. σὺ δέ μοι κατάμαθε ψυχῆς εὐλάβειαν, καὶ πόθον ἐρριζωμένον. μνησθεῖς γὰρ τοῦ θῦ, ὃ πρότερον ἠγέσχετο. πρὸς τὴν ἀκολουθίαν ἐκβῆναι τῆς διδασκαλίας, ἕως τὸ ὀφειλόμενον αὐτῷ χρέος ἀπέδωκεν εἰς δοξολογίαν. κατακλείσας τὸν λόγον. εἰ γὰρ μνήμη δοκαίου καὶ μετ' εὐφημίας. μετ' ἐγκωμίων πολλῶ μαλλον μνήμη θῦ, μετ' εὐσεβείας ποιεῖ δὲ αὐτὸ, καὶ ἐν προοιμίαις ἐπιστολῶν: ἀρχόμενος γὰρ ἐπιστολῆς πολλάκις. ἐπειδὴ μνησθῆ τοῦ θῦ, ὃ πρότερον ἐπὶ τὴν διδασκαλίαν πρόεισιν, ἕως ἂν ἀποδῶτὴν ὀφειλομένην αὐτῷ δοξολογίαν.

Ἀκουσον οὖν γαλάταις γράφων, πῶς φησὶ. χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη ἀπὸ θῦ πρὸς ἡμῶν, καὶ κῦ Ιῦ χῦ, τοῦ δόντος ἑαυτὸν ὑπὲρ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν ὅπως ἐξέληται ἡμᾶς ἐκ τοῦ. ἐνεστῶτος αἰῶνος πονηροῦ, κατὰ τὸ θέλημα τοῦ θῦ καὶ πρὸς ὧ ἢ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. καὶ πάλιν ἀλλαχοῦ. τῷ δὲ βασιλεῖ τῶν αἰώνων. ἀφθάρτῳ ἀοράτῳ μόνῳ σοφῷ θῷ, τιμὴ καὶ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ἀρ' οὖν. ἐπὶ τοῦ πρὸς αὐτὸ ποιεῖ μόνον. ἐπὶ δὲ τῇ υἱοῦ οὐχ οὕτως ἄκουσον γοῦν, β'. πῶς καὶ ἐπὶ τοῦ μονογενοῦς τὸ αὐτὸ τοῦτο πεποίηκεν. εἰπὼν γὰρ ὅτι εὐχόμεν ἄνθρωπον εἶναι ἀπὸ τοῦ χῦ. ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν μου τῶν συγγενῶν μου τῶν κατὰ σάρκα, ἐπήγαγεν, ὧν ἡ υἱοθεσία. καὶ αἱ διαθήκαι, καὶ αἱ ἐπαγγελίαι. ἐξ ὧν ὁ χς τὸ κατὰ σάρκα, ὁ ὧν ἐπὶ πάντων θς εὐλογητός. εἰς τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ὥσπερ γὰρ τῷ πρὶ οὕτω καὶ τῷ μονογενεῖ. τὴν δοξολογίαν πρότερον ἀποδοὺς, τότε ἐπὶ τὴν ἀκολουθίαν ἦλθε τοῦ λόγου. ἤκουσε γὰρ τοῦ χῦ λέγοντος, ἵνα πάντες τιμῶσι τὸν υἱὸν, καθὼς τιμῶσι τὸν πατέρα. καὶ ἵνα μάθῃτε ὅτι αὕτη ἡμῖν ἡ εὐχὴ παρέξει τὴν ἀπόδειξιν, φέρε αὐτὴν εἰς τὸ μέσον ἀγάγωμεν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων φησὶ, καὶ κς τῶν κυριευόντων. ὁ μόνος ἔχων ἄθανασίαν. φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. ἐνταῦθα. Στῆθι καὶ ἐρώτησον τὸν αἰρετικόν. τί ποτὲ ἐστὶ τοῦτο τὸ, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. καὶ πρόσεχε τῇ ἀκριβείᾳ τοῦ παύλου. ἡ γὰρ εἶπε, φῶς ὧν ἀπρόσιτον. ἀλλὰ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. ἵνα μάθῃς, ὅτι. εἰ ὁ οἶκος ἀπρόσιτος, πολλῶ μαλλον ὁ ἐνοικῶν αὐτὸν θς. Ταῦτα δὲ ἔλεγεν, οὐχ' ἵνα οἶκον. καὶ τόπον, περὶ θῦ ὑποστέουσας, ἀλλ' ἵνα ἐκ πολλῆς τῆς περιουσίας, τὸ ἀκατάληπτον μάθῃς. ἀλλ' л. 17 об. а. ἡ δὲ φῶς οἰκῶν ἀκατάληπτον εἶπεν, ἀλλὰ ἀπρόσιτον. ὁ τῇ ἀκατάληπτου. πολλῶ μεῖζον ἐστὶ. τὸ μὲν γὰρ ἀκατάληπτον λέγεται, ὅταν ἐρευνῇ καὶ ζητηθῇ, μὴ καταληφθῇ παρὰ τῶν ζητούντων αὐτὸ. ἀπρόσιτον δὲ ἐστὶν ὃ μὴ δὲ ἐρένης ἀνέχεται τὴν ἀρχὴν, μὴ δὲ ἐγγὺς

еже показати ми его. вышнимъ силамъ. свѣта непо-  
стижыма. оукрепляетея и еше, и любопретеся то  
видѣти. колнцемъ оубо пропадемъ вѣдете. колнцѣ же  
стреминнѣа достонни. иже бестелеснѣи силѣ всѣмъ не  
кнѣнна. гордащеса и глѣше съ ѡпаствомъ видѣти.  
гради оубо проуеет на самаа оуказанїа пондѣ. пауеже  
на мѣтѣхъ слоко ѡбратимъ множыцею бо самаа мѣтѣхъ  
послѣдованїе подовлетъ нскомъ намъ оуказанїе. на-  
рицаѣ оубо за црѣа црѣтвѣющѣи. и глѣ гѣтвѣющѣи. еди-  
наго нмѣщаго безсмертїе., свѣ непрїстѣпѣ жыкѣща.  
егоже видѣ ннктоже ѡ ѹлѣкѣ. ннже кн (л. 21.) дѣ-  
ти можетъ. емѣже ѹтѣ и дрѣжава в вѣкы амннѣ.

Сїи не мон свѣ но пакловы глѣи. тыже ми разсмо-  
три дшѣа бл҃гогокѣннѣство. и стрѣа вкорененъ. помѣ-  
нѣ оубо бѣа. нѣ прѣвѣе вѣсхотѣ къ слѣдованїю нзыти  
оуцнтельства дондеже длѣжны емоу длѣгъ ѡдѣа. къ  
славословїю препокон къ слово. аше бо памѣ прѣвнѣи  
с похвалами, множае памѣа бл҃гїа съ бл҃гохваленїемъ.  
творѣи бо тѣ в науалѣ посланїе. наунааа бо посланїе  
множыцею. виегда аше помѣи бѣа; не прѣвѣе на оу-  
цнтельство нсходитъ. дондеже ѡдѣа емѣ длѣжное сла-  
вословїе. слыши оубо посылаа галатамъ како рѣ, бл҃гѣ  
вѣа и мирѣ ѡ бѣа ѡїа и глѣ нашего їѹ хѣ. давнаго  
себе ѡ нѣа како да возмѣ нѣа ѡ настоящаго вѣка лѣка-  
ваго сего. по волѣ бѣа и ѡїа нашего, емѣ слава в вѣ-  
кы амннѣ. И пакы вѣ нномъ црѣю вѣкомъ, нетѣннѣ-  
мѣи невнѣнмомѣ едннѣи прѣмѣромѣ бѣѹ. ѹтѣ и слава вѣ  
вѣкы амннѣ. оубо ѡ оїи ли се творѣи тоуїю. ѡ снѣ же  
нѣ тако, слыши како и ѡ едннороднѣ се нстое стѣво-  
ри. рѣ бо како молнѣса анафема быти ѡ хѣ ѡ братї-  
ахѣ монѣ, и срѣннѣи монѣ по плоти. прнведе, ннже  
сїи поположенїа и завѣти ѡбѣтованїа. ѡ ннхже хс по  
плоти сы нѣа ксѣми бѣа. бл҃гѣи в вѣкы амннѣ. какоже  
бо ѡїю тако и едннородномѣ славословїе прѣвѣе ѡ-  
давѣ. тогда (л. 21. об.) на послѣдованїе слова прїи-  
де. слышѣа бо хѣ глѣиа како да вси ѹтѣа снѣа, кѣѹ ѹтѣ  
ѡїа, и да навѣкнѣте како сїа нѣа мѣтѣа подѣа оуказа-  
нїе, гради, то на средѣ прнведемъ. црѣ црѣтвѣющѣи ре-  
че, и ѹтѣ гѣтвѣющѣи, едннѣи нмѣиан безсмертїе. вѣ свѣ-  
тѣ жывыи непрнѣстѣпнѣи. зде станїи и вѣспроси еретнѣа.  
ѹто оубо ѣ се еже вѣ свѣтѣ жывыи непрїстѣпнѣи и внем-  
ли ѡпастѣхъ пакловѣхъ. не реуе свѣа сы не прѣстѣпенъ,  
но свѣа жывыи не прѣстѣпенъ. множае нѣа нже в немъ  
жыкѣи бѣа. сїа же глѣише. не како да домъ и мѣсто  
ѡ бозѣ вѣзнѣпнѣи. но да како ѡ многа прѣнзѣпнѣ-  
стка непостнжнѣи навѣкнѣи. но нн свѣа непостнжнѣи  
жывыи рѣ. но непрїстѣпенъ еже ѡ непостнжнѣаго мнѣ



αὐτοῦ γενέσθαι τις δύναται. οἷον ἀκατάληπτον λέγεται. πέ-  
λαγος. εἰς ὃ καθιέντες ἑαυτοὺς οἱ κολυμβηταί. καὶ πρὸς  
πολὺ καταφερόμενοι βάθος, τὸ πέρας ἀδυνατοῦσιν εὐρεῖν.  
ἀπρόσιτον δὲ ἐκεῖνο λέγεται, ὃ μὴ τε τὴν ἀρχὴν ζητη-  
θῆναι δυνατόν, μὴ δὲ ἐρευνηθῆναι. τί πρὸς Ταῦτα ἀν εἴ-  
ποις. ἀλλ' ἀνθρώποις φησὶν ἀκατάληπτον. ἢ χὶ ἀγγέλοις.  
οὐδὲ τοῖς ἄνω δυνάμεσι. σὺ οὖν ἄγγελος εἶ εἰπέ μοι, καὶ  
εἰς τὸν χορὸν τῶν ἀσωμάτων δυνάμεων τελεῖς; οὐχὶ ἄνθρω-  
πος εἶ, καὶ τῆς αὐτῆς οὐσίας ἐμοί; ἢ καὶ τῆς φύσεως ἐπιλέ-  
λῃσαι; θῶμεν γὰρ, ἀπρόσιτον εἶναι ἀνθρώποις μόνον. καίτοιγε,  
τοῦτο οὐ πρόσκειται ἢ δὲ εἶπεν ὁ παῦλος, ἀνθρώποις μὲν φῶς  
οἰκῶν ἀπρόσιτον, ἀγγέλοις δὲ οὐκ ἀπρόσιτον. πλὴν ἀλλ'  
εἰ βούλει, κατὰ συγχώρησιν θῶμεν. οὐχὶ καὶ αὐτὸς  
ἄνθρωπος εἶ; τί οὖν. εἰ καὶ ἀγγέλοις ἀπρόσιτον μὴ ἦ, τί τοῦ-  
το πρὸς σὲ τὸν φιλονεικοῦντα, β'. καὶ περιεργαζόμενον καὶ  
λέγοντα, ἀνὴρ φύσει καταληπτὴν εἶναι τὴν οὐσίαν ἐκεῖ-  
νην ἵνα δὲ μάθῃς. ὅτι οὐκ ἀνθρώποις μόνον ἀλλὰ καὶ ταῖς ἄνω  
δυνάμεσιν. ἐστὶν ἀπρόσιτον, ἀκουσονται φησὶν ὁ ἡσαίας. ὅταν  
δὲ εἶπω τὸν ἡσαίαν, τοῦ πν̄ς τὴν ἀπόφασιν λέγω. προ-  
φήτης γὰρ τὰς τοῦ πν̄ς ἐνεργείας φθέγγεται καὶ ἐγένετο  
τοῦ ἐνιχυτοῦ οὐ ἀπεφανεν ὀξίας ὁ βασιλεὺς, εἶδον τὸν κν̄  
καθήμενον, ἐπὶ θρόνου ὑψηλοῦ καὶ ἐπηρμένου. καὶ τὰ σε-  
ραφίμ, εἰστήκεισαν κύλῳ (sic) αὐτῇ ἔξ πτέρυγες τῷ ἐνί,  
καὶ ἔξ πτέρυγες τῷ ἐνί καὶ ταῖς μὲν δυοσί, κατεκάλυπτον  
τὰ πρόσωπα αὐτῶν. ταῖς δὲ δυοσί, τοὺς πόδας. τίνος Ἐνε-  
κεν εἰπε μοι καλύπτουσι τὰ πρόσωπα, καὶ προβάλλοντι  
τὰς πτέρυγας. τίνος δὲ ἔνεκεν. οὐδενὸς ἐτέρου, ἀλλ' ἢ διὰ  
τὸ μὴ φέρειν τὴν ἐκ τοῦ θρόνου πηδῶσαν ἀστραπὴν, καὶ τὰς  
μαρμαρυγὰς ἐκεῖνας. καίτοιγε, οὐκ αὐτὸ ἄκρατον ἐώρων τὸ  
φῶς. οὐ δὲ αὐτὴν ἀκραιφνῆ τὴν οὐσίαν. ἀλλὰ συγκατάβα-  
σις ἦν τὰ ὁρώμενα. τίδε ἐστὶ συγκατάβασις Ὅταν μὴ ὡς  
ἐστὶν ὁ θεὸς φαίνεται, ἀλλ' ὡς ὁ δυνάμενος αὐτὸν θεωρεῖν,  
οἷος τέ ἐστὶν, οὕτως ἑαυτὸν δεικνύη. ἐπιμετρῶν. τῇ τῶν λ. 18.  
ἀ. ὁρώντων ἀσθενεία τῆς ὀψεως τὴν ἐπίδειξιν. καὶ ὅτι συγκα-  
τάβασις ἦν ἐξ αὐτῶν τῶν ῥημάτων δῆλον. εἶδον. γὰρ φησι  
τὸν κν̄ καθήμενον. θεὸς δὲ οὐ κάθεται. ἀσωμάτων γὰρ ὁ  
σχηματισμὸς οὗτος. καὶ ἐπὶ θρόνου. θεὸς δὲ θρόνω οὐ περιεί-  
ληπται. ἀπερίγραπτον γὰρ τὸ θεῖον. ἀλλ' ὅμως, οὐδὲ συγκατά-  
βασιν ἡδυνήθησαν ἐνεγκεῖν. καίτοι πλησίον ἐστῶσαι. τὰ γὰρ  
σεραφίμ εἰστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ. δι' αὐτὸ μὲν οὖν μά-  
λιστα τοῦτο οὐκ ἴσχυσαν ἰδεῖν, ἐπειδὴ πλησίον ἦσαν. πλη-  
σίον δὲ, οὐ τόπον φησιν, ἀλλὰ δεῖξαι βουλούμενον τὸ πν̄α  
τὸ ἅγιον. ὅτι. καίτοιγε. ἡμῶν ἐγγύτεραι οὔσαι τῇ οὐσίᾳ  
ἐκείνῃ. οὐδὲ οὕτως αὐτὴν δύνανται θεωρεῖν. διὰ τοῦτο φη-  
σι, καὶ τὰ σεραφίμ εἰστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ, οὐχὶ τόπον  
πάλιν αἰνιττόμενος, ἀλλὰ τῇ κατὰ τὸν τόπον ἐγγύτητι, τὸ,  
ἡμῶν ἐγγύτερας ταύτας εἶναι παραδηλῶν. τὸ γὰρ ἀκατά-  
ληπτον, οὐχ οὕτως ἡμεῖς ἴσμεν, ὡς ἐκεῖναι αἱ δυνάμεις.  
ὅσω καθαρώτεραι καὶ διορατικώτεραι καὶ σοφώτεραι, τῆς  
ἀνινης εἰσὶ φύσεως. καθάπερ γὰρ τὸ τῶν ἀκτίνων ἡλιακῶν  
ἀπρόσιτον. οὐχ οὕτως β'. οἶδεν ὁ τυφλός. ὡς ὁ βλέπων,  
οὕτως καὶ τὸ τοῦ θῦ ἀκατάληπτον, οὐχ οὕτως ἡμεῖς, ἴσμεν

болши ѣ непостижимое бо гл̄тсѧ. ег̄а̄ нспытовано н  
взыскано непостижено бздѣ н ѿ нцнѡцн̄ є. непрі-  
стѣнно еже ѣ, еже на нспытанїа прїемлѣ в науалѣ, н̄ блнз  
его быти кто можетъ. ꙗкоко непостижима гл̄тсѧ пѣ-  
уина. в нїѡ ннспѣцаюѹтъ пловци. н къ многѡ ннзкодн-  
ми глзбннѡ. конца не могѡ ѡбрѣсти. не прїстѣнно  
ѡно гл̄тсѧ. еже нн к науалѣ взыскатї можѣ, н̄ н-  
спытано быти. что оубо к снмѣ рѣшн. но уе (л. 22.)  
ловѣкомѣ рѣ непостижимо ѣ а не агглѡмѣ н̄ горн̄  
снлѣ ты оубо аггл̄ лн еси рцн ми н к лицѣ бестѣ-  
леснѣ снлѣ пребываешн. не ул̄кѣ лн еси. н тогѡ свцѣ-  
стка подобенѣ мнѣ. нлн н ество забылѣ еси. поло-  
жѣ бо непрїстѣнно быти ул̄кѡ тоуїю. тѣ н сїе н не  
прлѣжѣ. н̄ рѣ пакелѣ ул̄кѡ оубо скѣ жмыкы н е пр е-  
стѣпенѣ (sic). агглѡ же не не престѣпенѣ (sic). ѡ-  
баче аще хоуешн по прошенїю положѣ. н не снм  
лн ул̄кѣ еси что оубо, аще н агглѡ непрнстѣпно ѣ.  
еда что се к тѣѣ любо н пращомѡсѧ. н нспытаю-  
щомѡ н гл̄цнѡ ул̄укомѡ ѣствѡ. постижымѡ быти св-  
цѣсткѡ ѡномѡ, н да навыкнешн ꙗко не ул̄кѡ тоуїю.  
но н горн̄ снлѣмѣ ѣ не прїстѣпенѣ. слышнн что рѣ  
нсана егѡ рекоу нсаню. дх̄а ѡвѣщанїа гл̄а. прр̄кѣ бо  
сѣ дх̄окнѣ дѣнстїемѣ гл̄а.

Н бѣ в лѣ к нїеже оумрѣ ѡзїа цр̄ь. вндѣ гл̄ сѣдѡца на  
пр̄тѣ кысоцѣ н прекознесенѣ. н серафннн столхѡ  
ѡкр̄тѣ его. шестѣ крнлѣ еднномѡ. н шестѣ крнлѣ дрѡ-  
гомѡ, н двѣмѡ оубо покрывахѡ лица скол. двѣмѡ позѣ.  
уесѡ р̄а рцн ми покрываюѹтъ лица, н прѣлагаюѹтъ крн-  
лѣ. сего р̄а нного, развѣ за еже не трѣнѣтн ꙗже ѡ  
пр̄тѣ сїающа молнїа н зл̄рѡ ѡны. тѣ не самы н  
нерастворенѣ зрѡхѡ скѣтѣ. н̄ самое утѡе свцѣство.  
но нсхоженїа зрнмѡ бахѡ. (л. 22. об.) утѡ ѣ схоже  
нїе. ег̄а̄ не ꙗкѡ ѣ бѣ ꙗклѣтѣ. но ꙗкѡ̄ могы того  
зрѣтн. моуенѣ ѣ снѣе себе показѣтѣ. оумрѡл зрѡцн̄  
немѡцн зрѣнїа показанїе. н ꙗко схоженїе бѣ ѡ сн-  
мѣ гл̄ ꙗкѣ ѣ. вндѣ бо рѣ гл̄ сѣдѡца. бѣ же не сѣ-  
дн̄. телесное ѣ вѡѡбраженїе се. н на пр̄тѣ бѣ же  
пр̄тѡ̄ не ѡбїемлѣтсѧ. не ѡннсано бо ѣ бѣтѡ. но ѡб̄  
н̄н̄ схоженїе вѣзмогоша понестн. тѣ н блнзѣ столїе.  
серафннн бо рѣ столхѡ ѡкр̄тѣ его. за емоѡ оубо на-  
че сїе не вѣзмогоша вндѣтн, понѣ блнз бѣхѡ, блнз же  
не мѣстѡ рѣуено показатн хотѣ дх̄ѣ стнч. ꙗко тѣ н  
ѡ н̄ блнжанннн свцѣ свцѣсткѡ ѡномѡ. н̄ снѣе то  
могѡ зрѣтн. сего р̄а рѣ, н серафннн столхѡ ѡкр̄тѣ  
его. не мѣсто намы нн знаменѡ. но по мѣстномѡ прн-  
блнженїю. еже ѡ н̄ блнжаннн̄ быти сн̄ покѣдѡ. не  
постнжнмоє бо не снѣе нмын стѣкмы ꙗкѡ̄ ѡны сн-  
лѣ. снл̄ка утѣннѡ н прїрѣннѡ. н прозорлнвннѡ  
ул̄гѡго сѣ ѣствѡ ꙗкѡ̄ бо лоууен сн̄їуны̄ не прѣстѣ-  
пнос. не снѣе вѣстѣ сн̄ны ꙗкѡ̄ зрѡ. тако н бѣтѣ  
непостнжнмоє. не снѣе нмы сѣкмы ꙗкѡ̄ ѡнн снл̄ко  
бо сн̄наго н зрѡцаго посрѣнсе. толнко намы н ѡ



ни<sup>ѣ</sup> разнѣ<sup>ѣ</sup>и<sup>ѣ</sup>. тѣмже аще и прѣ<sup>ѣ</sup>ка оуслышнн<sup>ѣ</sup>и глѣ<sup>ѣ</sup>ца.  
внѣ<sup>ѣ</sup> гѣ<sup>ѣ</sup> сѣ<sup>ѣ</sup>даща. да не се (Л. 23.) възненщюешн. яко  
сѣ<sup>ѣ</sup>щество внѣ<sup>ѣ</sup> оно, по сѣ<sup>ѣ</sup>женіе, и сѣ<sup>ѣ</sup> не явленнѣ<sup>ѣ</sup>и-  
ше яко<sup>ѣ</sup> горнаа свѣ<sup>ѣ</sup>лы. толкно бо внѣ<sup>ѣ</sup>ти небы възмо-  
гѣ<sup>ѣ</sup> яко<sup>ѣ</sup> херѣ<sup>ѣ</sup>вннн. и что глѣ<sup>ѣ</sup>ю ѿ блжнѣ<sup>ѣ</sup>мъ сѣ<sup>ѣ</sup>ществе  
ѿно<sup>ѣ</sup>. нѣ<sup>ѣ</sup>же ни агг<sup>ѣ</sup>лово сѣ<sup>ѣ</sup>щество моцно ѣ<sup>ѣ</sup> у<sup>ѣ</sup>лѣ<sup>ѣ</sup>хъ съ  
свободою внѣ<sup>ѣ</sup>ти. и да навѣ<sup>ѣ</sup>кнѣ<sup>ѣ</sup>те яко се ѣ<sup>ѣ</sup> истинно  
у<sup>ѣ</sup>лѣ<sup>ѣ</sup>ка въ средѣ<sup>ѣ</sup> прикода бжѣ<sup>ѣ</sup>а дръ<sup>ѣ</sup>га дръзновѣ<sup>ѣ</sup>тіа нмѣ<sup>ѣ</sup>-  
щн многа, ѿ прѣ<sup>ѣ</sup>тн и правѣ<sup>ѣ</sup>. и ѿ многы<sup>ѣ</sup> ннѣ<sup>ѣ</sup> свѣ<sup>ѣ</sup>-  
дѣ<sup>ѣ</sup>тельствована исправленѣ<sup>ѣ</sup>. стго данна глѣ<sup>ѣ</sup>ю яко да  
ѣ<sup>ѣ</sup>га покажю его нзнимагѣ<sup>ѣ</sup>юща, разслабѣ<sup>ѣ</sup>ема и расте-  
рзаема ѿ агг<sup>ѣ</sup>лова пришествіа. да ннѣ<sup>ѣ</sup>то<sup>ѣ</sup> рѣ<sup>ѣ</sup> сѣ<sup>ѣ</sup>грѣ<sup>ѣ</sup>ше-  
нн и лѣ<sup>ѣ</sup>кавы сѣ<sup>ѣ</sup>вѣ<sup>ѣ</sup>стн. се того пострадатн нещюеть,  
по показавшюса ѣ<sup>ѣ</sup> по дшн его дръзновѣ<sup>ѣ</sup>іе нже ѣ<sup>ѣ</sup>-  
ства немошь<sup>ѣ</sup> кѣ<sup>ѣ</sup> ѿблнѣ<sup>ѣ</sup>аѣ<sup>ѣ</sup>тъ.

Чтеніе и обьясненіе снимка.

φυλ. 20. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντίνου πόλεως. τοῦ χρυσοστόμου. περὶ ἀκαταλήπτου, ἀπόντος τοῦ ἐπισκόπου. λόγος. ᾠ. πάτερ. εὐλόγησον...

Τι τοῦτο. ὁ ποιμὴν οὐ παρέστι. καὶ τὰ θρέμματα, μετὰ πάσης τῆς ἐνταξίας ἔστηκε. τοῦ ποιμένου. καὶ τοῦτο τὸ κατόρθωμα. τὸ μὴ μόνον παρόντος, ἀλλὰ καὶ ἀπόντος, πᾶσαν ἐπιδείκνυσθαι σπουδὴν τὰ ποίμνια. ἐπὶ μὲν γὰρ τῶν ἀλόγων, ὅταν ὁ πρὸς τὴν νομὴν ἐξάγων μὴ παρῇ, μένειν εἰσω τῶν σηκῶν, ἀνάγκη τὰ πρόβατα.

φυλ. 529 β. Ἐγράφη ἐν ἔτει 4601. (1345 γ.) παρὰ σάβα εὐτελοῦς.

φυλ. 36 οβ. α. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀκαταλήπτου. ἐρρήθη ἐν καινῇ πρὸς ἀνομίους. Εὐλόγησον Πάτερ...

Μίαν ὑμῖν διαλέχθην ἡμέραν. καὶ ἀπὸ τῆς ἡμέρας ἐκείνης οὕτως ὑμᾶς ἐφίλησα, ὥς ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐκ πρώτης ὑμῖν συντραφεῖς. οὕτως ὑμῶν συνεδέθην τοῖς τῆς ἀγάπης δέσμοις, ὥς χρόνον ἄφατον τῆς ἡδίστης ὑμῶν ἀπολάυσεως συνουσίας. τοῦτο δὲ γέγονεν, οὐκ ἐπειδὴ φιλικός.

Заставка, заглавныя фигурныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: μελ-  
λούσης, λόγου. αμήν:—

Сокращенія и слова съ титлами: ὑμεῖς καὶ ἀμήν. πεντηχοστον Κύριος θεός.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ταγματων ἀγίω. ἁξίας. ε., μετὰ γίνεται. ν., μονον. σ., παραι-  
νέσεως. τ., μετώπου.

Союзъ: 'αυ съ дыханіемъ и двумя тяжелыми удареніями. Цифра: κñ. означающая помѣту тетрадей.

## XII. Л а в с а и в ъ с ъ П а т е р и к а м и,

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 165-мъ.

Длина бумаги . . . . .	6 <sup>3</sup> / <sub>4</sub> в.
Ширина . . . . .	4 <sup>1</sup> / <sub>8</sub> „
Къ корешку . . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub> „
Къ правой сторонѣ . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub> „
Къ верху . . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub> „
Къ низу . . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub> „

Бумага лощеная. Бумажнаго знака близъ корешка видѣнъ кругъ, а съ другой стороны крестъ. Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 159. листахъ.

Заставки раскрашены зеленою, синею, желтою, черною и малиною красками. Заглавныя буквы довольно фигурныя писаны коричневою краскою, а мѣстами розоватою. Колеръ чернилъ черныя, а



μῆσταми темносѣрый. Помѣта тетрадей на 10-мъ листѣ написана вверху страницы: β'. по срединѣ; но на многихъ тетрадяхъ урѣзана. Число строкъ на страницѣ 32. Вверху 2-го листа подписано: τοῦ βατοπαίδιου.

Лавсаикъ оканчивается на 72-мъ листѣ.

л. 72 — 103 об. Βίος ἀββᾶ ιωάννου τοῦ ἐν λυκῶ... ἀρχὴ τοῦ πατερικοῦ.

Πρώτην οὖν θῷ θελόντος, ἀρχὴν ποιήσομαι ὑψηλήσεως. τὴν τῶν ἁγίων μεγάλων πρῶν πολιτείαν ἐκδιηγούμενος...

Въ концѣ сего патерика замѣчено: ἕως ὧδε ἡ καταίγυπτον μοναχῶν ἱστορία.

л. 104—110. Βίος ἀββᾶ παύλου τοῦ θηβαίου, εἰς τὴν εἴρημον. Начало: Ἐν πολλοῖς πολλάκις. ζήτησις ἐκινεῖτο παράτινος.

л. 110 — 132. Πατερικὸν ἢ λεγομένη παράδεισος: Διηγήματα καὶ νουθεσίαι πατέρων ὁσίων περὶ κατανύξεως. Начало: Διηγήσαντο ἡμῖν τινες ἀδελφοὶ. παραβάλουσιν ἡμῖν εἰς ραῖθου.

л. 132 — 135 об. Περὶ ἀββᾶ μακαρίου τοῦ πολιτιτικοῦ. Начало: Τοῦ βασιλέως τῶν αἰώνων πλουσίῳ χαρίζομενου τοῖς ἀξίοις τῶν αὐτοῦ ἀγαθῶν εἰς ἔπαινον καὶ δόξαν τοῦ αὐτοῦ.

л. 145 об. — 148 Τοῦ ὁσίου πατρὸς ἀθανασίου σύγγραμμα διδασκαλίας πρὸς μονάζοντας καὶ πάντας χριστιανοὺς κληρικούς τε καὶ λαϊκοὺς. Начало: Ἔστιν ὁ βίος τῶν υἱῶν τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας.

л. 148 об. — 153. Τὰ τῶν προφητῶν ὀνόματα. καὶ ποῦ ἀπέθανον καὶ ποῦ κεῖνται. Начало: Ἦσαϊας ἦν ἀπὸ ἰλῆμ...

л. 153 — 156 об. Σύγγραμμα ἐκκλησιαστικὸν περὶ τῶν ὁ μαθητῶν τοῦ κυ. διωροθέου ἐπίσκοπου τύρου ἀρχαίου ἀνδρὸς πνευματοφόρου καὶ μάρτυρος γεγονότος. ἐν τοῖς καιροῖς λικινίου καὶ Κωνσταντίνου τῶν βασιλέων. Начало: Οὗ ὁ προλεχθεὶς ἀοίδημος ἀνὴρ. καὶ συγγράματα καταλέλοιπεν ρωμαῖκα. τε καὶ ἐλληνικᾶ.

л. 156 об. и 157. Пасхальный кругъ вачинающійся 1345 годомъ, оканчивается 1380 г.

На листѣ 158-мъ до конца книги написано чье-то поученіе начинающееся такъ: Πολλάκις μὲν παροτρύνας εὐλογημένον τέκνον διαγραφῆς δηλωσε σοι τί πράττειν.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ. <sup>4)</sup>

л. 48. об. Λέγει αὐτῷ ἡ μακαρία μελανίων. οὐκ ἀρέσκει μοι ὑιὲ ἡ σὴ μακρονομία. εἰπέ οὖν μοι τὰ ἐν τῇ διανοίᾳ σου. οὐκ ἔστιν γὰρ ἀθεΐα αὕτη σου ἢ νόστος. ὠμολόγησεν οὖν αὐτῇ τὸ κατὰ Κωνσταντινούπολιν πρᾶγμα συμβᾶν. λέγει αὐτῷ ἡ μακαρίτης. δός μοι λόγον ἐπὶ κυ. ὅτι ἔχει τοῦ σκοποῦ. τοῦ εἰς τὸν μονῆρι βίον. καὶ εἰ ἀμαρτωλὸς εἰμι. προσεύχομαι πρὸς κυ. ἵνα σοι δοθῇ καιρὸς καμάτου <sup>1)</sup> καὶ προσεσμία ζωῆς. ὁ δὲ συνέθετο. εὐξαμένης δὲ αὐτῆς. ἐντὸς ὁλόγων ἡμερῶν ὑγίανεν. καὶ ἀναστὰς παρ' αὐτῆς ἐκείνης. μετημφιάσθη. καὶ ἐξέρχεται ἐκδημήσας εἰς τὸ ὄρος τῆς νιτρίας τῷ ἐν αἰγύπτῳ ἐν ᾧ οἰκήσας δεύτερον ἔτος. τῷ τρίτῳ εἰσβάλλει εἰς τὴν ἔρημον. ζήσας οὖν δεκατεσσαρα ἔτη ἐν τοῖς λεγομένοις κελλίοις. ἤσθιεν μὲν ἄρτου λίτρων τὴν ἡμέραν. ἐν τριμηναίῳ δὲ χρόνῳ ξέστην <sup>2)</sup> ἐλαίου. ἀνὴρ ἀπὸ ἀβρώτου καὶ τρυφηλοῦ βίου καὶ ὑγροτάτου ηγμένος. ἐποίει δὲ εὐχὰς ἑκατόν. γράφων τοῦ ἔτους τὴν τιμὴν μόνον ὧν ἤσθιεν. εὐφυῶς γὰρ ἔγραψεν τὸ ξύρουγγον χαρακτήρα. <sup>3)</sup> ἐντὸς οὖν πέντε καὶ δέκα ἔτων.

шє. хитръ ко писаніє скорѡ характера. кнѣтръ оубѡ пятнадесяти лѣтъ.

л. 118. Γέсть блжѣнамъ меланіа. не згождаеть мнѣ снѣ твоє долгоболезнїє. рцы збо мнѣ къ мысли твоєи не есть бо истинною сєи нехѣгъ. испокѣда оубѡ тѣи ежє къ константинополи емѡ сазѹишєсє. глѣтъ емѡ блжєннаа. даждь ми слово прѣ гдѣмъ кѡмъ имашєи мысли сєа къ монашєскомъ житїи, и, аирє и грѣшна єсмь, помолѹсє ко гдѣ. да дастєя тєбѣ время ко матѣ(а) и приложєнїє жиѹи. онъ же (ѡбєщєсє) сѣложнєсє помолѹишєсє же тѣи. кѣнѣтръ малыхъ днєи здракъ бѣ (ѡздракъ) и востакъ, ѡ самыа оныа ѡдѣлѣмъ монашєскимъ образомъ, и исхѡднѣтъ изшєдъ къ горѣ нитринскѹю свѣзѹю во єгѹптѣ, къ неи же ѡбнѣтакъ второе лѣто, къ третѣмъ вхѡдѣ къ нѣстѹи. живѣ збо ѹстыренадєсѣ лѣтъ къ глѣмыхъ кеλλїахъ, кѡда збо хѣкѣа лѹтрѣ на днѣ. къ трємѣсѹиѣмъ же времени хєстинѣ єлєа. мѣжъ ѡ масѡниѹиѣлѡ, и сластѣаго житїа и клѣжнѣиѣлѡ прикєдєнъ. творашє же мѣткѹ сто. пиѣшєи на лѣто цѣнѣ токѣмъ кѣжє кѡда-

<sup>1)</sup> commeatus. <sup>2)</sup> ξέστην sextarium **шєстакъ мєрѣ** <sup>3)</sup> eleganter. οξύρυγγον celerem.

<sup>4)</sup> Славянский переводъ изъ Лавсаика XVII в. № 549. Свп. Библ.



Καθαρεύσας τὸν νοῦν. κατηξιώθη χάρισματος γνώσεως καὶ σοφίας καὶ κρίσεως πνῶν. συντάττει οὖν οὗτος τρία βιβλία ἱερὰ μοναχῶν ἀντιρρητικῶν οὕτω καλούμενα. τὰς πρὸς τοὺς δαίμονας ὑποθέμενος τέχνας. τούτῳ ὡχλησεν ποτε Π. 49. εἰς βάρος ὁ τῆς πορνείας δαίμον ὡς αὐτὸς ἡμῖν διηγείτο. καὶ διὰ πάσης νυκτὸς. γυμνὸς ἔσται ἐν τῷ φρέατι χειρῶνος ὄντως. ὡς παγῆναι αὐτοῦ τὰς σάρκας. ἄλλος τε πάλιν ὡχλησεν αὐτῷ πῶς βλασφημίας. καὶ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις ὑπὸ στέγην οὐκ εἰσῆλθεν. ὡς καὶ τὸ σῶμα αὐτοῦ καθάπερ τῶν ἀγρίων ζώων, κρώτοντας ἐμβρᾶσαι. τούτῳ τρεῖς ὑπέστησαν ἐν ἡμέρᾳ δαίμονες ἐν σχήματι κληρικῶν. περὶ πίστεως συζητοῦντες αὐτόν. καὶ ὁ μὲν ἔλεγεν ἑαυτὸν ἀρειανόν. ὁ δὲ εὐνομιανόν. ὁ δὲ ἀπολιναριανόν. καὶ τούτων περὶ ἐγένετο διαβραχέων τῇ πνικῇ σοφία. πάλιν μίας τῶν ἡμερῶν τῆς κλειδὸς ἀπολλιομένης τῆς ἐκκλησίας. σφραγίσας τὸ πρόσωπον τοῦ ἡλωταρίου καὶ τῇ χειρεὶ ὡσας. ἤνοιξεν ἐπικαλεσάμενος τὸν χν. τοσαῦτα δὲ ἐμασθηγύθη οὗτος ὑπὸ δαιμόνων καὶ τοσοῦτον ἔλαβεν. πείραν δαιμόνων ποικίλων. ὡς μὴ ραδίως τούτους ἀριθμηθῆναι. ἐνὶ δὲ τῶν μαθητῶν ἑαυτοῦ. τὰ μετὰ δεκα ὀκτῶ ἔτη συμβησόμενα τούτῳ. προεῖπεν πάντᾳ κατείδος προφητεύσας αὐτῷ. ἔλεγεν δὲ ὁ μακάριος οὗτος. ὅτι ἀφ' οὗ κατέλαβον τὴν ἔρημον. οὐ θύρη θαλάσσης. οὐ λεπτολαχάνου. οὐ χωροῦ τινός. οὐχ ὁ πῶρας. οὐ σταφυλῆς οὐ λουτρῆς. οὐ κρέως. οὐκ ἄρτου. οὐχ οἴνου. οὐδόλως τινός τῶν δια πυρὸς διερχομένων, πλὴν ῥητῶν λαχάνων ὡμῶν. καὶ ἐμμέτρου ὕδατος. εἰς εἴςτερον δὲ τὸ ἔξ καὶ δεκάτῳ ἔτει τῆς πολιτείας τῆς ἄνευ πυρὸς ἐφέματος. λοιπὸν χρείας ἐχούσης αὐτοῦ τῆς σαρκὸς διὰ τὴν ἀσθένειαν καὶ τὴν τοῦ στομαχοῦ ἀνομαλίαν. τοῦ μεταλαμβάνειν δια πυρὸς. ἄρτου μὲν ἦτατο οὐκ ἔστι δὲ λαχάνων μεταλαβεῖν ἐψιμένων. ἀθληπητῆς ἢ ὁσπρίων ἐπὶ δύο ἔτη ἐν τούτοις τελευτᾷ τὸ σῶμα ὁ μακάριος. τὴν ψυχὴν ζωοποιήσας τῷ ἀγίῳ πνι. κοινωνήσας εἰς τὰ ἐπιφάνεια ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ. ἀφηγεῖτο οὖν ἡμῖν ὁ γενναῖος τοῦ χν ἀθλητῆς περὶ τὸν θάνατον. ὅτι τρίτον ἔτος ἔχω. ἀφ' οὗ οὐκ ἔτι ὀχλήθη ὑπὸ ἐπιθυμίας σαρκικῆς. μετὰ τοσοῦτον ἀρετῆς βίον καὶ ἀσκήσεως. καὶ πόνον ἄμετρον. καὶ κόπον ἀκαμπέστατον. καὶ προσευχὴν ἡφισσας ἀδιάλειπτον. καὶ ἐπὶ τοσοῦτον ὁ μισόκαλος καὶ διεφθαρμένος. δαίμον. τούτῳ τῷ ὁσίῳ ἐπέθετο. τί τοίνυν Π. 49 ὁβ. πάσχει τοῖς ραθυμοτέροις οἰόμεθα ὑπὸ τοῦ μυταροῦ δαίμονος. ἢ ὑπὸ τῆς αὐτοῦ ἀμελείας. ἐμηνύθη τῷ ἀγίῳ τούτῳ. ποτέ ἡ τελευτῇ τοῦ ἑαυτοῦ πρς. καὶ λέγει τῷ ἀναγγεῖλαντι. παῦσαι βλασφημῶν. ὁ γὰρ ἐμὸς πῆρ ἀθάνατος ἐστι. ἕως ἐνταῦθα ὁ ἄκρος βίος τῆς ἐναρέτου πολιτείας τοῦ ἀοιδήμου εὐαγρίου.

στ'. Πῶς τίς ὀνόματι. τὸ γένος αἰγύπτιος. νέος τῇ ἡλικίᾳ, ἀποταξάμενος ἐξῆλθε τοῦ οἴκου τοῦ πατρικοῦ. καὶ δι' ὑπερβολὴν ἔρωτος πνικῶ. καὶ λόγον ἔδωκε τῷ θῷ. μήκετι τινὰ ἰδεῖν τῶν ἰδίων. μετὰ οὖν πεντήκοντα ἔτη ἢ τούτου ἀδελφῇ γυράσασα. καὶ μαθοῦσα παρὰ τινος ὅτι ὁ ἀδελφὸς αὐτῆς ζῇ. εἰς ἐκστάσιν ἤρχετο γληγομένη τὴν τούτου θέαν. ἐλθεῖν δὲ μὴ δυναμένη ἐν τῇ πανερῆμῳ. ἰκέτευσε τὸν κατὰ τόπον ἐπίσκοπον γράψαι τοῖς ἀγίοις πατρᾶσιν τοῖς ἐν ἐρήμῳ. ἵνα αὐτὸν ἀποστείλωσιν καὶ ἴδῃ αὐτόν. βίας οὖν αὐτῷ πολλῆς περιτεθήσεις. ὑπακούσας τῶν πρῶν. ἔδοξεν ἄλλον ἕνα συμπαραλαμβάνειν καὶ ἀπελθεῖν. καὶ γενόμενος ἐν τῇ οἰκίᾳ τῆς ἀδελφῆς. ἐσίμανεν διάτινος. ὁ πῶρ ἀδελφὸς σου παρεγένετο καὶ ἔξω ἔστηκεν. αἰσθόμενος δὲ τοῦ ψώφου τῆς θύρας. ὅτι εἰς συνάρτησιν αὐτοῦ ἐξέρχεται ἢ ἀδελφῇ. καμύσας ὁ πῶρ τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐβόησεν πρὸς αὐτὴν ἀδελφῇ ἢ δύνᾳ. ἐγὼ εἰμι πῶρ ὁ ἀδελφός σου. ἐγὼ εἰμι. ἴδε βλέπε με ὅσον θέλεις. πληροφορηθεῖσα οὖν ἐκείνη. ἐδόξασεν τὸν θν. καὶ πολλὰ ποιήσασα. οὐκ ἔπεισεν εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶκον. ἀλευχὴν ποιήσας ἐπὶ τῆς φιλίας ἀπεδήμησεν πάλιν εἰς τὴν ἔρημον τὴν ἰδίαν πατρίδα. ἐκεῖ κατορθῶν τὴν τηρῶν ἀσκήσεως ἀρετὴν. φέρεται δὲ τοῦ ἀγίου τούτου καὶ τὸ τῆς ὑπομονῆς θαῦμα. εἰς γὰρ τὸν τόπον ὃν ὠκῆσεν ὀρήξας φρέαρ. εἶρεν ὕδωρ πικρώτατον. καὶ μεχριστότου ἐτελεύτησεν. ἐκεῖ σε παρέμεινεν. στοιχήσας ἐν ἐκείνῳ τῷ πικροτάτῳ ὕδατι. ἵνα δειχθῇ τοῦ γενναίου τούτου καὶ ἀθλητοῦ τοῦ χν ἢ ὑπομονῇ καὶ ἢ ἀκροτάτῃ πίστις. πολλοὶ οὖν τῶν μοναχῶν δοκιμώτατοι ἄνδρες. μετὰ τὸν θάνατον τοῦ ἀθανάτου φιλονικήσαντες μεῖναι ἐν τῇ κέλλῃ ἐκείνῃ ἐνιαιτὸν ὅλον οὐκίσχυσε ἐκτελέσαι. ἔστιν γὰρ καθ' ὑπερβολὴν καὶ τὸ ὕδωρ πικρὸν καὶ σφόδρα φοβερόν ὁ τόπος. καὶ παντάπασιν ἀπαράκλητος.

Π. 50. γζ. Μωϋσῆς ὁ λίβης. ἀνὴρ πραύτατος λίαν ἀγαπητικώτατος. οὗτος κατηξιώθη χάρισματος ἱαμάτων. αὐτὸς μοι ἀφηγήσατο. ὅτι ἐν τῷ μοναστηρίῳ ἤμην νέος καὶ φρέαρ ὠρύσαμεν μέγιστον εἰκοσι ποδῶν πλάτος. ἐν τούτῳ τρεῖς ἡμέρας ἐκχόσαντες ἄνδρες ὀγδοήκοντα. καὶ τὴν συνήθη καὶ ὑποπτον φλέβα παρελθόντες ὡς πήχην. ἕνα οὐχ εὔραμεν ὕδωρ πάνυ οὖν ἀπολυπηθέντες. ἐσκεπτάμεθα ἀναχωρῆσαι τοῦ ἔργου. καὶ ἐν τῷ σκεπτεσθῇ ἡμᾶς τοῦτο ἐπιστάς ἡμῖν ὁ μακάριος πῶρ ἐκ τῆς πανερῆμῃ ἐν αὐτῇ τῇ μεσημβρίᾳ τοῦ καματος ἐκφλεγόμενος γερον ἄνως. περιβεβλημένος τὴν μεμωτὴν. καὶ ἀσπασάμενος ἡμᾶς. λέγει μετὰ τὸν ἀσπασμὸν πρὸν ἡμᾶς. τί ἐμικροψυχήσατε ὀλιγόπιστοι. ἑώρακα γὰρ ὑμᾶς ἀποχθὲς ὀλιγοψυχήσαντας. καὶ τοῦτο εἰπὼν. κατῆλθεν τῇ κλίμακι εἰς τὸ ὄρυγμα τοῦ φρέατος. καὶ κατελθὼν ποιεῖ εὐχὴν σὺν πᾶσι τοῖς κατελθούσιν αὐτῷ εἰς τὸ ὄρυγμα. καὶ λαβὼν τὸν ὄρυγα καὶ κατενεγκὼν τρίτην εἶπεν. ὁ θς τῶν ἀγίων πατριαρχῶν. μὴ ἀχρειώσης τὸν τόπον τῶν δούλων σου. ἀλλὰ ἀπόστειλον αὐτοῖς τὴν τῶν ὕδατων χρείαν. καὶ παραχρῆμα. ἐξεπῆδησεν ὕδωρ ὡραντισθῆναι πάντας ἡμᾶς. πάλιν οὖν προσευξάμενος. καὶ τὸν θν ὁξάσας ἐπὶ τῇ τοσαύτῃ αὐτοῦ παροχῇ. ὥχετο. ἀναγκαζόντων οὖν αὐτῶν ἵνα σφαγῇ ἐκεῖ συναυτοῖς.



οὐκ ἠνεσχετο. εἰπὼν. οἱ δ' ἀπεστάλην ἤσθη. διεκείνο δὲ οὐκ ἀπεστάλη. ταῦτα τὰ παραδόξα πτωρ τοῦ γενναίου στόλου  
τῆς ὑπομονῆς. καὶ τοῦ τούτο τέλος τῆς ἐκείνου ἀρετῆς. ἀντὶ τῆς πικρᾶς πηγῆς αἰώνιον νόμα γλυκύτητος. μετὰ με-  
γάλης πνευματικῆς χαρὰς ἀπολάυω δια παντός.

π. 133 οβ. <sup>1</sup>). Γέρων τις διηγήσατο περὶ τοῦ ἀββᾶ μακαρίου τοῦ πολιτικῆ. ἔτι περὶ τὸν ἀρσενιοτην. ἐκαθέζετο τις μονάζων ἐπὶ ἔτι πολλὰ. τὸν ἅγιον ἀσκήσας βίον. ὦ πνᾶ πύθωνος προσεπέλασεν κενοδοξῶ, περὶ τὴν ὄντι διὰ τὴν ὑπερηφάνειαν καὶ κουφώτητα. καὶ πρῶτον μὲν πλανᾷ αὐτόν. ἀπὸ τῆς ἀληθοῦς πίστεως. καὶ εἰσάγει τὸν εἰς τὸ φρόνημα τῶν λεγομένων ἱερακιμιτῶν. οἵτινες λέγουσιν. μήτε τὸν σῶα ἀνΐνον ἀνήλειφέναι σῶμα. μήτε ἐγείρεσθαι τὸ π. 134. ἡμέτερον σῶμα ὃ περικείμεθα καὶ ὅτι τρεῖς ἰσὶν ἀρχαί. θς. καὶ ὕλη καὶ κακία. ἐξ ὧν κατασκευάζεται. μήτε ἐνηνθροπικῆναι τὸν θν λόγον καὶ τέλειον ἀνῆλειφέναι ἄνῳ. μη τε· μὴν σώζεσθαι· τὸ εἶναι τῶν πάντων αἷτιον οὗτος δὲ διάστραφεις. ἀποσπᾷ ψυχὰς πεντακοσίας. ἔσχυσε δὲ διὰ τὸ λέγειν πολλὰ πολλοῖς. καὶ ἀπωλείας εὗρεσεις. καὶ ἀποβολὰς θανάτου ἐν διαφόροις τρόποις. ἀλλὰ καὶ δαιμόνια. φησιν ἐξέβαλλεν κατὰ ἐν εὐαγγελίῳ εἰρημένον. ὅτι δώσουσιν σημεῖα καὶ τέρατα. ὥσται ἐι δυνατόν. πλανῆσαι καὶ τοὺς ἐκλεκτοὺς. σφοδρὰ γάρ, τὰ ἀρχοντικὰ δαιμόνια περὶ ταῦτα ἰσχύει. τὰ αὐτὰ ἐκεῖνα δῆθεν καταργεῖν πάνυ γὰρ συμφονοῦσιν ἐπαπωλεία ψυχῶν. ὁ οὖν τοῦ τόπου ἐπίσκοπος. μετὰ τοῦ κλήρου παραγίνεται πρὸς τὸν δοῦλον τοῦ θυ μακάριον. ἀξιῶντος. τὴν γειτονίαν ἡμῶν καθάρωμεν. πάντες αὐτῷ πρόκεινται. καὶ εὐχερῶς περὶ τὰ φαινόμενα τῇ πλάνῃ ὑπαγόμενοι ἀπώλυνται. ὁ δὲ πρὸς αὐτὸν ἔφη. καὶ ἰδὲ ἔρχομαι, ἰδιώτης ἄνῳς τί αὐτῷ ποιήσω. ὁ δὲ ἐπίσκοπος ἐπέμενεν ἀξιῶν καὶ λέγων. ὅτι οὕτως πιστεύω. ὅτι ἐὰν ἐλθῇς. ὁ θς εἰρηνεύει τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ. πολλάκις γὰρ πρόθέμενος ἐλθεῖν. ἐκωλύθη ὑπὸ τοῦ κλήρου ὡς καταγελόμενος ὑπὸ τῶν κοσμικῶν. νῦν οὖν μὴ φέρων τὴν ἀπώλειαν τοῦ λαοῦ. ἄλλως δὲ καὶ τὸ ἔγκλημα φοβούμενος τοῦ θυ λέγοντος. ὅτι τῷ αἵμα αὐτῶν ἐκζητήσω. ἐκ τῆς χειρὸς ἡμῶν. ἤλθον πρὸς σὲ πέμψαντος με τοῦ θυ. ὁ δὲ ἀναστὰς ἠκολούθησεν αὐτῷ. καὶ ἔρχονται ἕως ἐκεῖνου τοῦ πλάνου. καὶ ὁρᾷ αὐτὸν καὶ λέγει τῷ ἐπισκόπῳ. οὗτος πνᾶ ἔχει ἀρχοντικόν. καὶ ἵνα οἶδας. ὅτι ἐμὸν ἔργον τοῦτο οὐκ ἔστιν. οὔτε γὰρ πρὸς ταῦτα τὰ πνᾶτα ὅλως ἐπάλαισα. διὸ γὰρ τάγματα λέγουσιν οἱ ἅγιοι εἶναι δαιμόνων. ἐν τὸ τὰς ἡδονὰς ἐμβάλλων τῷ σωματι. καὶ ἐν τὸ τὰς ψυχικὰς ἐμποιοῦν πλάνας. ὃ καὶ σφοδρὰ ἐστὶν δυσόπτακτον. ταῦτα γὰρ ἀφονίζει ὁ σατανᾶς. τοῖς γόησι καὶ τοῖς πλάνοις. καὶ αἵρεσιάρχαις. καὶ φαρμάκοις καὶ μάντεσι. καὶ εἴτι τοιοῦτον. λέγει ἐπίσκοπος καὶ τί ποιήσομεν. λέγει ὁ γέρων. εὐχῶν χρεῖα ἐκ βᾶθους. λόγος γὰρ οὐκ ἰσχύει κελεύουσιν οὖν αὐτὸν ἐξελεῖν. ὁ δὲ ἐξέρχεται πρὸς αὐτοὺς καὶ παραχρῆμα δέχεται αὐτὸν ὁ ἐπίσκοπος χεῖλεσι. καὶ λέγει αὐτόν. πῶς τοσοῦτον χρόνον.

л. 131 об.—134. Старецъ нѣкыи повѣда намъ о  
ѡцѣи макаріѣи гл҃а. ꙗко к мѣстѣ рече нѣкоемъ гл҃емъ  
арсенонтъ жителствоваши нѣкыи инокъ многы лѣты.  
жестокымъ и постыжескимъ житіемъ прѣбываа.  
егоже прелести дх҃ъ инфонѣскимъ тѣснѣнаго ради жи-  
тіа его и гордости и прѣвѣ оубо прелести его ѡ  
нстинныѣ вѣры ѡпасти. и введе его к моудрова-  
нїе вѣровати ереси гл҃емъ. неракнѣ. нже гл҃ють ꙗко  
непрїатъ сѣсъ улуѣское тѣло. ниже воскресноути те-  
лесемъ нлинымъ. на вѣскрїїе. и ꙗко три сѣхъ науаа  
бг҃ъ и сн҃це, и злоба. и ѡ сн҃, вса створена быша.  
сн҃це оубо окаянныи то поплзноуѣса и ѡ-  
брати въ слѣдъ себе ꙗко двѣстъ днѣ. за еже прр҃уѣ-  
ствовати емѣ ложиаа. и проглати нѣкымъ нѣкаа...  
многаѣи бо и вѣсы нзгна ѡулкѣ. по еѣскомуу сло-  
ви. ꙗко дадѣти рече знаменїа и уюдеса. еже прел-  
сти многы ѡ избранныѣ. зѣло бо науааиномѣ вѣсоу по-  
виноуѣтся проуїи вѣсоке к погыбелѣи днѣамъ. мѣста  
же оубо оногѣ еїпѣ съ клиросомъ. прїнде къ оїю  
макарїю аще бо рече ты не придеши помощи  
намъ вси къ слѣдъ его ѡбрататса, вѣроуѣще прел-  
сти его ѡцѣ же макаріе к нему рече. се оубо при-  
хожю, и гроуѣостню моею что створю емѣ. еїпѣ  
же прѣбываше мола его и гл҃а. ꙗко сн҃це вѣроуѣ.  
аще бо прїндеши бг҃ъ оумирить цр҃кѣвѣ свою. множи-  
цею бо хотѣхъ прїити, и вѣзбраненъ бы ѡ клирикѣ.  
нѣтъ же не трылю погыбелѣи стада х҃ѣа. дроугѣе па-  
кы соудѣи бг҃ѣа боюса гл҃юшаго. ꙗко кроки н, ѡ роу-  
коу твоею нзыщю. и бг҃ъ пославшю ма прїндѣ к те-  
бѣ. он же вѣставъ и послѣдова нмъ. и ндоша до хы-  
жины ндеже жилаше прелестникъ онъ. и оузрѣвъ его  
ѡцѣ макаріе. и гл҃а къ еїпоу, се его же виднши.  
науаалныи дх҃ъ нмать. и да вѣси, ꙗко мое дѣло нѣ  
се. ни бо к сн҃цевымъ вѣсѣмъ и еше брань створи хъ.  
два бо унѣа вѣсовѣска еста. гл҃еть ѡцѣ, единъ оубо  
нже сластолюбїе влагаетъ тѣлоу. дроугъ же нже прел-  
лести днѣамъ влагаетъ. нже и жестоуаннѣи ест зѣло  
и непокорикъ. сїа бо приагадѣтъ вѣсѣ. волхвомъ и  
прелестникѣмъ, и ереси науаалникѣмъ. и уродѣемъ. и  
гл҃а еїпѣ. и что створи. и рече старецъ. мѣтѣ по-  
треба. и слѣвомъ бо ннѣтоже оуспѣемъ. повѣдѣша оу-  
бо нзыти емѣ. тѣ же нзыде к нимъ, авїе же еїпѣ  
срѣте его словесы, и гл҃а емѣ. ꙗко толико лѣтъ сын  
зде, и не прїнде к нѣ. онъ же ѡвѣрѣа. нонсже не

1) Славянский переводъ изъ патерика скитскаго № 142. Сун. Библ. Авторомъ указателя несправедливо названъ: Л а в с а п к о м ъ, гдѣ нѣтъ неподнаго сказанія изъ Лавска.





ἀκοὴν αὐτοῦ εἶχον ζῶν. ἐφ' οὗ γὰρ βασιλέως εἰρήκη τε-  
λευτηχέναι. про τῆς παρούσης τοῦ χυ ἦν. βαπτίσας οὖν  
αὐτὸν εἶχεν μεθ' ἑαυτοῦ ἔτη τρία. τὴν ἀληθεὶ λοιπὸν κή-  
μησιν κοιμηθέντα. ὡς ἀρμώζειν ἐπ' αὐτὸν τὸν λόγον τοῦ  
χυ. ὅτι οὔτε οὗτος ἤμαρτεν. οὔτε οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ἀλλ' ἵνα  
φανερῶθῃ ἡ δόξα τοῦ θυ.

Ѡѣъ макаріе. и Ѡблѣтъ его ко нноуѣскын Ѡбразѣ. и нмѣаше его с собою лѣ г. и проуеє нстнннмѣ сномѣ  
оуєне Ѡ гѣ и сбытѣ на немѣ слово гѣе глѣе. ꙗко нн сѣ согрѣшн, нн роднтеліе его. но да ꙗвѣтсѣ дѣ-  
ла божіа на немѣ.

#### Ч т е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а.

φ. 110. Πατερικὸν ἢ λεγομένη παράδεισος: διηγήματα καὶ νουθεσίαι πατερων. ὁσίων περὶ κατανύξεως.

Διηγῆσαντο ἡμῖν τινὲς ἀδελφοί. παρακαλοῦσιν ἡμῖν εἰς ραῖθου. ὅτι ἦν τίς γέριον πονιχὸς καθήμενος εἰς τὰ  
σπήλαια ἄνωθεν τοῦ λεγομένου Ἰσραήλ. καὶ τοιαύτην νῆψιν εἶχεν ὁ νοῦς τοῦ γέροντος. ὥστε σχεδὼν κατὰ βῆμα  
ὅτε περὶ ἐπάτει. ὅπου δῆποτε ἴστατο καὶ ἐπεσκέψατο τὸν λογισμὸν αὐτοῦ. καὶ ἡρώτα αὐτόν.

φ. 156 об. Ἐτελειώθη δια χειρὸς ἐμοῦ ἀνδρὸς τοῦ μελέτιου. ἐν ἔτει 869. (1345 г.).

φ. 132. Περὶ τοῦ ἀββᾶ μακαρίου πολιτικοῦ.

Τοῦ βασιλέως τῶν αἰώνων πλουσίως χαριζομένου τοῖς ἀξίοις αὐτοῦ ἀγαθῶν εἰς ἔπαινον καὶ δόξαν τοῦ ὀνόματος  
αὐτοῦ καὶ σωτηρίαν τῶν ἐλπίζόντων ἐπ' αὐτόν. δίκαιον λέγειν πρὸς ωφέλειαν τὰ διὰ τοῦ ὁσίου μακαρίου κατορθώ-  
ματα. οὗτος γὰρ εἰς τελειώτητα φθάσας τῆς κατὰ θεὸν ἀρετῆς. καὶ πάντων ὑπεράνω γενόμενος τῶν παθῶν.

Заглавные буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ὁπολλῶ, ἐκομίζετο.

Сокращения и слова съ титлами: καὶ δὲ καρπούς, κατὰ. πάτερ.

Частица δὲ съ двумя удареніями.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγγελω ἀγορεύουσιν. ε., ἐνδειχάμενον. ἐπρέσβευεν. ν., νῦν.  
σταφυλὰς κρεῖσσον τ., μετελάμβανον.

### ХІІІ. Постническія слова св. Исаака Сүрина

Находится въ Московской Сүнод. Библіотекѣ подѣ № 308-мѣ.

Длина бумаги.	. . . . .	4 <sup>5</sup> / <sub>8</sub>	в.
Ширина.	. . . . .	3 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ корешку.	. . . . .	<sup>3</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ правой сторонѣ	. . . . .	<sup>7</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ верху	. . . . .	<sup>5</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ низу	. . . . .	1	в.

Бумага толстая лощеная, бумажный знакъ вѣтвь съ тремя фигами.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 327-ми листахъ. Нарѣзовъ не видно. Заставки и за-  
главныя буквы довольно фигурныя, писаны голубою, черною и пунцовою красками. Другія заглавныя  
буквы не близъ заставокъ, и заглавія писаны одною киноварью. Колеръ чернилъ черный. Помѣта те-  
традей внизу на углу съ обоихъ сторонъ, съ лицевой на правой сторонѣ, а съ оборотной на лѣвой.  
Число строкъ на страницѣ 24. Въ низу 1-го непомѣченнаго листа написано: Арсеній. а на боку 1-го  
помѣченнаго: τοῦ βατοπαδίου.

л. 1. — 14. об. Πρόλογος εἰς τὸν βίον τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν Ἰσαὰκ τοῦ σύρου ἐν μέρει. καὶ ὑπαγορεύων καὶ  
εἰς τὸν βίον αὐτοῦ. Начало: Μέγιστα ἀμαρτήματα καὶ πᾶνδυσίατα. Въ концѣ пролога стихи.

Φωτίζεται νοῦς γνωστικὸς θεωρίας.

Πρὸς ὕψος ἀρθεῖς τοῖς δ' ἐπεντύχων λόγοις...



л. 15 — 20 об. Λόγοι άσκητικοί τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν ἄββᾶ Ἰσαάκ τοῦ σύρου. τοῦ ἄσκητοῦ καὶ ἀναχωρητοῦ. γενομένου ἐπισκόπου τῆς φιλαριστοῦ πόλεως νηνευῖ. ἐρμηνευθεντες ὑπὸ τῶν πανοσίων πρῶν ἡμῶν ἄββᾶ πρίκίου. καὶ ἄββᾶ ἄβραμίου. τῶν φιλοσόφων καὶ ἡσυχαστῶν. ἐν τῇ λαῦρα τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν σαβα. περὶ ἀποταγῆς καὶ μοναχικῆς πολιτείας λόγος ᾿Α. Начало: Ὁ φόβος τοῦ θῦ, ἀρχὴ τῆς ἀρετῆς. λέγεται δὲ εἶναι γέννημα τῆς πίστεως.

л. 20 об. — 26. Τοῦ αὐτοῦ λόγος δεύτερος. Начало: Ἡ ἀχαριστεία τοῦ λαμβάνοντος, ἐρεθίζει τὸν διδόντα τοῦ δοῦναι δωρήματα.

л. 26 — 36. Τοῦ αὐτοῦ λόγος γ. Начало: Ὅταν μὴ εἰσέλθωσιν ἔξωθεν μέριμναι.

л. 36 — 44 об. Λόγος δ. Начало: Ψυχὴ ἡ τὸν θῦ αγαπῶσα, ἐν τῷ θῷ καὶ μόνῳ τὴν ἀνάπαυσιν κεκτηται.

л. 44 об. — 55. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ε. Начало: Πολλὴν ὁ θς τοῖς ἀνῶις δέδωκε τιμὴν. τῇ διπλῇ μαθήσει.

л. 55 — 65. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ς. Начало: Τὰ ἐν τινι συμπτώματι τῆς ἁμαρτίας.

л. 65 — 68 об. ζ. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαιον διδάσκων ὑπὸ τίνος ὠφελεῖται ὁ ἄνῳς. εἰς τὸ προσεγγίσει τῷ θῷ ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ. καὶ τίς ἡ ἀληθινὴ αἰτία ἡ προσεγγίζουσα αὐτῷ κρυπτῶς τὴν βοήθειαν. καὶ τίς πάλιν ἡ αἰτία. ἡ ἄγουσα τὸν ἄνῳ ἐς ταπεινώσιν. Начало: Μακάριος ἄνῳς ὁ γινάσκων τὴν ἑαυτοῦ ἀσθένειαν.

л. 68 об. — 71 об. η. Περὶ ἁμαρτιῶν τῶν γινομένων ἀπὸ τίνος συμβεβηκότος. καὶ περὶ ἐκουσίων καὶ ἀκουσίων. Начало: Ἐστὶν ἁμαρτία ἀπὸ ἀσθενείας γινομένη...

л. 71 об. — 73 об. θ. Περὶ τῶν λόγων τῆς θείας γραφῆς τῶν πρὸς μετάνοιαν ἐρεθιζόντων. ὅτι πρὸς τὴν ἀσθένειαν τῶν ἀνῶν ἐρρέθησαν. ἵνα μὴ ἀπόλλονται ἀπὸ θῦ ζῶντος. καὶ ὅτι οὐ δεῖ πρὸς ἀφορμὴν τοῦ ἁμαρτάνειν ἐκλαβεῖν ταῦτα. Начало: Τὴν ἀνδρείαν ἣν οἱ πρὲς ἐν ταῖς γραφαῖς αὐτῶν τεθήκασι.

л. 74. 75. ι. Ἐν τίνι διαφυλάττεται τὸ κάλλος τῆς μοναχικῆς πολιτείας. καὶ τίς ὁ τρόπος τῆς τοῦ θῦ δοξολογίας. Начало: Δεῖ τὸν μοναχὸν εἶναι ἐν πᾶσι τοῖς ἑαυτοῦ πράγμασι, τόπον ὠφελείας τοῖς ὁρῶσιν αὐτόν.

л. 75. ια. Περὶ τῆς ἐναλλαγῆς καὶ τροπῆς τῆς γινομένης τοῖς ὁδούουσιν ἐν τῇ ὁδῷ τῆς ἡσυχίας. τῇ ὑπὸ τοῦ θῦ τεταγμένη συμβαίνει γὰρ σκυθρωπότης καὶ ψυχικὸς πνιγμὸς. καὶ ἐξέφνης χαρὰ καὶ ἀσυνήθης θερμότης. δόξα τῷ εὐθετοῦντι, τὰς ὁδοὺς ἡμῶν ἀμύν. Начало: Ὁ συνελθὼν τῷ νοῖ αὐτοῦ ἐν τῇ ἡσυχίᾳ πολιτεύσασθαι.

л. 75 об. — 77. ιβ. Περὶ τῶν ἡσυχάζόντων. πότε ἄρχονται νοσῆσαι. ποῦ ἐφθασαν ἐν τοῖς ἔργοις αὐτῶν ἐν τῇ ἀπεράντῳ θαλάσῃ. ἦτοι διαγωγὴ τῆς ἡσυχίας. καὶ πότε δύνανται ἐλπίζειν μικρὸν. ὅτι ἤρξαντο δοῦναι αὐτοῖς οἱ κόποι τῶν αὐτῶν καρπῶν. Начало: Λέγω σοι πρῶγμα καὶ μὴ γελάσης.

л. 77. — 78 об. ιγ. Περὶ τοῦ μὴ δεῖν τὸν δούλον τοῦ πτωχεύσαντα ἀπὸ τῶν κοσμικῶν καὶ ἐξεληλυθέντα εἰς ἀναζήτησιν αὐτοῦ. διὰ τὸ μὴ ἐφθακέναι τὴν κατάληψιν τῆς ἀληθείας, παύσασθαι τῆς ἀναζητήσεως καὶ ψυχρανθῆναι τῆς θερμῆς τῆς τικτομένης τῶν μυστηρίων αὐτοῦ. διὸ δὴν τρόπον πέφυκεν ὁ νοῦς φόρεσθαι ἐν τῇ μνήμῃ τῶν παθῶν. Начало: Τρεῖς εἰσὶ τάξεις ἐν αἷς προκόπτει ὁ ἄνῳς.

л. 78 об. — 81 об. ιδ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν τρόπων τῆς εἰς θῦ ἐλπίδος. καὶ τίνα δεῖ ἐλπίζειν ἐπὶ τῷ θῷ. καὶ τίς ἐστὶν ὁ ἀφρόνως καὶ ἀσυνέτως ἔχων τὴν ἐλπίδα. Начало: Γίνεται ἐλπίς ἐπὶ θῷ.

л. 81 об. — 87 об. ιε. Τοῦ αὐτοῦ περὶ φυλακῆς καὶ τηρήσεως τῆς ἐκ τῶν χαύνων καὶ ἀμελῶν. καὶ ὅτι ἐκ τοῦ πλησιαμοῦ αὐτῶν, βασιλεύει τῷ ἀνῳ ἡ ἀμέλεια καὶ ἡ χαυνότης καὶ πληροῦται ἀπὸ παντὸς πάθους ἀκαθάρτου. καὶ περὶ τοῦ φυλάξασθαι ἑαυτὸν, ἐκ τῆς ἐγγύτητος τῶν νεοτέρων. ἵνα μὴ μολυνθῇ ὁ νοῦς ἐν τοῖς ἀκολάστοις λογισμοῖς. Начало: Ὁ κωλύων τὸ στόμα αὐτοῦ ἐκ τῆς λαλιᾶς...

л. 87 об. — 90. ις. Περὶ ἀποταγῆς κόσμου. καὶ ἀποχῆς τῆς πρὸς ἄνῳους παρρησιάσεως. Начало: Ὅταν ἀγαπήσωμεν φυγεῖν ἐκ τοῦ κόσμου καὶ ξενιτῶν κοσμικῶν γενέσθαι.

л. 90 — 93. ιζ. Περὶ τάξεως ἀρχαρίων. Начало: Ἐστὶν ἡ τάξις ἡ σώφρων καὶ θῷ προσφιλής.

л. 93. ιη. Περὶ τάξεως τῆς μοναχικῆς πολιτείας. συντομίας τε καὶ διαφορᾶς. καὶ πῶς καὶ ποίῳ τρόπῳ τίκτονται αἱ ἀρεταὶ ἐξ ἀλλήλων. Начало: Ἐκ τῆς ἐργασίας τῆς βιαίας, τίκτεται ἡ θερμὴ ἡ ἄμετρος.

л. 94 — 96. ιθ. Ὅτι ὠφέλημος τοῖς ἡσυχασταῖς ἡ ἀργία ἀπὸ τῶν φροντίδων. καὶ ἐπιζήμιος ἡ εἴσοδος καὶ ἡ εἴσοδος. Начало: Ἄνῳς πολυμέριμος. πρῶτος καὶ ἡσύχιος γενέσθαι οὐ δύναται.

л. 96 — 99. об. ιθ. Περὶ ὁδῶν τῶν πλησιάζειν τῷ θῷ ποιουσῶν. φανερούμενων τῷ ἀνῳ ἐκ τῶν ἰδίων ἔργων τῆς νυκτερινῆς ἐργασίας. καὶ ὅτι οἱ ἐν τῇ διαγωγῇ ταύτῃ ἐργαζόμενοι, μέλιτρέφονται πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτῶν. Начало: Μὴ νομήσης ὡς ἄνθρωπος ὅτι ἐν πάσῃ τῇ ἐργασίᾳ τῶν μοναχῶν.

л. 99 об. — 107. об. κα. Διήγησις ἁγίων ἀνδρῶν καὶ λόγοι πανόσιοι οὕσπερ αὐτῶν ἀκήκοα καὶ περὶ τῆς θαυμασίας αὐτῶν διαγωγῆς. Начало: Ἐν μιᾷ αὐτῶν ἡμερῶν, ἀπῆλθον, ἀπῆλθον εἰς κελλίον τινὸς ἀδελφοῦ ἁγίου.

л. 107 об. — 114. об. κβ. Περὶ διαφορᾶς τῆς ἐν ἡσυχίᾳ διακρίσεως. καὶ περὶ τῆς τοῦ νοὸς ἐξουσίας. καὶ μέχρι τίνος ἔχει ταύτην ἐξουσίαν, τοῦ κινῆσαι τὰς ἰδίας κινήσεις ἐν τῇ διαφορᾷ τῶν τῆς προσευχῆς σχημάτων. καὶ τίς ὁ τῇ φύσει δεδομένος ὅρος τῆς προσευχῆς. οὗτινος μέχρι ἐξουσίας τὴν αὐτῇ προσεύχεσθαι, καὶ ὃν διαβαινούσης ὅρον μὴ εἶναι ταύτην προσευχήν. εἰ καὶ προσευχῆς προσηγορία λέγεται τὸ τότε τελούμενον. Δόξα. τῷ ἀνεχομένῳ καὶ τῶν ἀναξίων καὶ ἁμαρτωλῶν. παρίστασθαι ἐνώπιον τῆς δόξης αὐτοῦ ἀμήν. **Начало:** Δόξα τῷ ἐκχέοντι πλουσίως τὰς ἑαυτοῦ δωρεὰς ἐπὶ τοῖς ἄνθρωποις.

л. 114 об. — 119 κγ. Περὶ δυνάμεως τῆς ἐνεργείας τῶν κακιῶν τῆς ἁμαρτίας ὑπὸ τίνων συνίστανται, καὶ ὑπὸ τίνων πάνονται. **Начало:** Ἔως ἂν ἀληθῶς ἐκ καρδίας μισήσῃ τίς τὴν αἰτίαν τῆς ἁμαρτίας.

л. 119 — 122. κδ. Ὑπόθεσις τῇ ψυχῇ τῇ ζητούσῃ τὴν βαθεῖαν θεωρίαν τοῦ θυθισθῆναι ἐν αὐτῇ ἀπὸ τῶν σαρκικῶν λογισμῶν τῶν ἀπὸ τῆς μνήμης τῶν πραγμάτων. **Начало:** Πᾶν πρᾶγμα ὑψηλότερον ἄλλον, ἐγκέκρυπται ἐξ ἐκείνου.

л. 122 — 126. κε. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ πόσους τρόπους καὶ διαφορὰς, δέχεται τὴν θεάν τῆς φύσεως τῶν ἁσωμάτων ἢ ἀνὴν φύσις. **Начало:** Πάσης φύσεως ἁσυνθέτου καὶ λεπτῆς τῶν πνικῶν σωμάτων κατὰ τρεῖς διαφορὰς.

л. 126 — 128. κς. Ὑπόδειγμα καὶ παραβολή. περὶ τῆς κατὰ κυριακὴν καὶ σάββατον θεωρίας. **Начало:** Ἡ κυριακὴ μυστήριον ἐστὶ τῆς γνώσεως ἀληθείας.

л. 128. 129. κζ. Τοῦ αὐτοῦ. **Начало:** Τίς τῶν ἀδελφῶν ἔγραψε ταῦτα καὶ ἐτίθη αὐτὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ διήνεκῶς.

л. 129 — 130. об. κη. Περὶ φυλακῆς καρδίας καὶ θεωρίας λεπτοτέρας. **Начало:** Ἐν κατὰ μόνας ὑπάρχεις ἐν τῷ κελλίῳ σου.

л. 130. об.— κθ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν σημείων τῆς ἀγάπης. **Начало:** Ἡ ἀγάπη θερμὴ ἐστὶ τῇ φύσει.

л. 131 — 140. об. λ. Τοῦ αὐτοῦ λόγοι πεπληρωμένοι τῆς ὑψηλοτάτης σοφίας τοῦ πν. **Начало:** Ἡ ἄσκησις μῆρ τοῦ ἀγιασμοῦ.

л. 140 об.—154. ла. Περὶ ἡσυχίας. ἐρώτ. ιβ. εἰσὶ τινὲς πολλοὶ ἔχοντες τὰ ἔργα ταῦτα καὶ τῆς γαληνῆς.

л. 155 — 159. лб. Τοῦ αὐτοῦ περὶ διαφορὰς τρόπων τοῦ πολέμου ἐκ τοῦ διαβόλου. πρὸς τοὺς ἐν τῇ στενῇ ὁδῷ τῇ ὑπερέχουσιν τὸν κόσμον πορευομένους. **Начало:** Ἐχει ἔθος πάλιν ὁ διάβολος ὁ ἀντίπαλος ἡμῶν.

л. 159— лг. (по прежней мѣтѣ д.) Ἄλλος τρόπος τοῦ πολέμου τοῦ ἐχθροῦ. πρὸς τοὺς δυνατοὺς καὶ ἀνδρείους. **Начало:** Ὅταν οὖν μετὰ ταῦτα ὅλα ἐπαναστῇ ὁ διάβολος...

л. 159 об.— 162. об. лд. Ἀντίρρσις ἄλλη τοῦ πολέμου. **Начало:** Λοιπὸν τοῦτο μόνον ὑπελείφθη αὐτῷ.

л. 163 — 170. ле надъ заставкою подписано: Τέλος τοῦ πρώτου βιβλίου. **Аподъ заставкою:** Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀδιαλήπτου νηστείας. καὶ τῇ συνάξαι ἑαυτὸν ἐν ἐνὶ τόπῳ. καὶ τί τὰ ἐκ τούτων γινόμενα. καὶ ὅτι ἐν γνώσει τῆς διακρίσεως ἐδιδάχθη τὴν ἀκρίβειαν τῆς χρήσεως τῶν τοιούτων. **Начало:** Ἐν πολλῷ καιρῷ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιῶν καὶ ἀριστεροῖς. **На полѣ сей бесѣды написано:** ἀνάγνωθι ταῦτα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου.

л. 170— лс. Τοῦ αὐτοῦ περὶ σιωπῆς καὶ ἡσυχίας. **Начало:** Το αἰεὶ σιωπᾶν. καὶ ἡ φυλακὴ τῆς ἡσυχίας.

л. 171 об. 172. об. лз. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς κινήσεως τοῦ σώματος. **Начало:** Ἡ δὲ κίνησις τῶν κάτω μελῶν τοῦ σώματος.

л. 172 об. — 175. об. ли. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τὰ εἶδη τῶν διαφορῶν τῶν πειρασμῶν. καὶ πόσιν ἔχουσιν ἡδύτητα οἱ πειρασμοὶ οἱ ὑπὲρ τῆς ἀληθείας γινόμενοι καὶ ὑπομενόμενοι. καὶ βαθμοὶ καὶ τάξεις ἐν αἷς ὁ ἄνθρωπος συνετὸς πορεύεται. **Начало:** Αἱ ἀρεταί, ἀλλήλας διαδέχονται.

л. 175 об.— 177. об. ли. Διαίρεσις τῶν πειρασμῶν. **Начало:** Οἱ πειρασμοὶ οἱ ὑπὸ τὴν πρῶτην ῥάβδον εἰς προκοπὴν καὶ αὔξησιν τῆς ψυχῆς γινόμενοι.

л. 177. об.—180. м. Τοῦ αὐτοῦ ἐρμηνεῖα τῶν τρόπων τῆς ἀρετῆς. καὶ τι ἐστὶν ἡ ἰσχὺς τῆς διαφορᾶς ἐκάστου αὐτῶν. **Начало:** Ἡ ἀρετὴ ἡ σωματικὴ ἐν τῇ ἡσυχίᾳ.

л. 180— ма. Περὶ τῆς καθάρσεως τοῦ σώματος. καὶ τῆς καθάρσεως τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ νοὸς. **Начало:** Ἡ καθάρσις τοῦ σώματος ἐστὶν, ὁσιότης ἐκ τοῦ μολυσμοῦ τῆς σαρκὸς.

л. 180. — 184. мб. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ γραφῆσα πρὸς τίνα ἀδελφὸν ἀγαπόντα τὴν ἡσυχίαν, πῶς ὁ διάβολος τροποῦσαι καταργῆσαι τοὺς σπουδάζοντας. συνεχῶς ἡσυχάζειν ἐκ τῆς ἡσυχίας ἐπιμόνου. ἐν προσώπῳ ἀγάπης ἐγγυτέρων. καὶ ἔντισι τιμίους. καὶ πῶς δεῖ τὸν ἡσυχαστὴν καταφρονεῖν τῶν ἀπάντων ὑπὲρ τῆς γνώσεως τοῦ θυ τῆς εὕρισκομένης ἐν τῇ ἡσυχίᾳ, ὥσπερ ἐφάνει ἐν τοῖς πατράσιν ἡμῶν τοῖς ἀρχαίοις. **Начало:** Διότι γνωρίζω σε ἀγαπόντα τὴν ἡσυχίαν.

ф. 184 и об. мв. Τοῦ αὐτοῦ ἀπόκρισις πρὸς τίνα ἀδελφὸν φυσικὸν καὶ πνευματικὸν, προτρεπόμενον. καὶ παρακαλοῦντα ἐν γράμμασιν ἐνδουμῆσαι πρὸς αὐτὸν οἰκοῦντα ἐν τῷ κόσμῳ καὶ διψόντα θεάσασθαι αὐτὸν. **Начало:** Οὐχὶ ὥς νομίζεις σὺ ἡμεῖς ἐσμὲν δυνατοὶ ὧ μακάριε. καὶ ἴσως οὐ γινώσκεις τὴν ἀσθένειαν μου.



л. 184 об — 187. λογ. μα. Τοῦ αὐτοῦ λόγοι ἀντιληπτικοὶ καὶ ὑποθέσεις ὁφέλημοι. πεπληρωμένοι τῆς σοφίας τοῦ πν̄ς. Начало: Ἡ πίστις ἐστὶν ἡ θύρα τῶν μυστηρίων.

л. 187 — 189. με. Τοῦ αὐτοῦ πόσον γίνεται τὸ μέτρον τῆς γνώσεως καὶ τὰ μέτρα περὶ τῆς πίστεως. Начало: Ἐπὶ γνώσις προηγουμένη τῆς πίστεως.

л. 189 — 196. με. Τοῦ αὐτοῦ συμβουλία πεπληρωμένοι ὀφελείας. ἃς ἐν τῇ ἀγάπῃ ἐλάλησε τοῖς ἐν ταπεινώσει ἀκούουσιν αὐτοῦ. Начало: Οὐκ ἔστιν ἔννοια ἀγαθῇ, μὴ οὕσα ἐκ τῆς χάριτος τῆς θείας ἐμπίπτουσα ἐν τῇ καρδίᾳ.

л. 196 — λογ. мз. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀγγελικῆς κινήσεως τῆς πρὸς προκοπὴν τῆς ψυχῆς ἐν τοῖς πνικῶς διὰ τῆς προνοίας τοῦ θ̄. ἐξυπνιζομένοις ἐν ἡμῖν. Начало: Πρώτη ἔννοια, ἡ ἐκ τῆς φιλάνιας τοῦ θ̄ ἐμπίπτουσα ἐν τῷ ἀν̄ω.

л. 197 — λογ. мп. Τοῦ αὐτοῦ περὶ δευτέρας ἐργασίας ἐν τῷ ἀν̄ω. Начало: Ἐργασία ἑτέρα μετὰ ταύτην. ὅτε πορεύεται ἄν̄ος καλῶς ἐν πολιτεία ἀγαθῇ.

л. 198. и 199 об. λογ. мф. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀλλοιώσεως τῆς ἐν τῇ ψυχῇ γινομένης ἐν παντὶ καιρῷ τὸ φῶς καὶ τὸ σκότος καὶ ἐμβιβασμὸς ἐν τοῖς δεξιῶς καὶ ἀριστεροῖς γινόμενος. Начало: Ἰδωμεν ὡς ἀγαπητοὶ ἐν τῇ ψυχῇ ἡμῶν ἐν τῇ ὥρᾳ τῆς εὐχῆς.

л. 199 об. — λογ. 205. об. п. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαια μικρὰ ἐν οἷς ὑπάρχουσι νόες παρηλλαγμένοι. ἐν οἷς διδάσκει τὴν βλάβην τοῦ μωροῦ. τοῦ ὡς ἐπὶ προσώπου τοῦ φόβου τοῦ θ̄ καὶ τὴν βοήθειαν τὴν ἐκ τῆς πράττης σὺν ἄλλοις τρόποις. Начало: Ἄν̄ος ζηλωτῆς, οὐδέποτε φθάνει τὴν εἰρήνην τῆς διανοίας.

л. 206. 207 об. λογ. пѧ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ λογισμῶν πονηρῶν ἀκουσιῶν ἐκ τῆς λύσεως τῆς ἀμελείας τῆς πρὸ αὐτῶν γινομένης τιχτομένων. Начало: Ἐισὶ τινὲς οἱ ἐρείδοντες τὸ σῶμα καὶ ἐπιθυμοῦσιν ἀναπαῦσαι αὐτὸ μικρὸν.

л. 207 — 209. об. λογ. пѧ. Τοῦ μὴ δεῖν μισῆσαι τὸν ἁμαρτωλὸν. ἀλλὰ καὶ κλαίειν καὶ εὐχασθαι ὑπὲρ αὐτοῦ. Начало: Μὴ μισήσης τὸν ἁμαρτωλὸν. πάντες γὰρ ἐσμὲν ὑπέυθυνοι.

л. 209 об. — 214. об. λογ. пг. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν τριῶν τρόπων τῆς γνώσεως καὶ τῆς διαφορᾶς τῆς ψυχῆς. καὶ τοῦ πλούτου τοῦ μυστικοῦ τοῦ ἐγκεκρυμμένου ἐν αὐτῇ. καὶ πόσον διαφέρει ἡ γνώσις τοῦ κόσμου τοῦτου ἐν τοῖς τρόποις αὐταῖς τῆς ἀπλότητος τῆς πίστεως. Начало: Ἡ ψυχὴ ἐν ταῖς τρίβοις τῆς πολιτείας καὶ ἐν τῇ ὁδῷ τῆς πίστεως διαπορευομένη.

л. 214 об.—216. об. λογ. пд. Περί τῶν τριῶν τάξεων τῆς γνώσεως τῆς σωματικῆς καὶ ψυχικῆς καὶ πνικῆς. Начало: Τρεῖς τρόποι ἐστὶν νοητοί.

л. 216 об. — λογ. пѧ. Τάξις в. τῆς γνώσεως. Начало. Ὅτε ἀφήσει τίς τὴν τάξιν τὴν πρώτην.

л. 217.—219 об. λογ. пѧ. Τάξις г. τῆς γνώσεως. ὅπερ ἐστὶ τάξις τῆς τελειώσεως. Начало: Πῶς οὖν λεπύνεται καὶ κτᾶται τὸ πνικόν.

л. 219 об. 220. λογ. пз. Τοῦ αὐτοῦ πάλιν κεφάλαια σύντομα, ὑπὲρ ἄλλων τρόπων τῆς διαφορᾶς τῶν ἐννοιῶν τῆς γνώσεως. Начало: Ἡ γνώσις ἡ ἀναστρεφόμενη ἐν τοῖς ὁρατοῖς.

На листѣ 220-мъ на полѣ написано заглавіе: περὶ τῶν τριῶν γνώσεων ἡγουν τῆς φυσικῆς τῆς πνικῆς καὶ τῆς ὑπερφύσεως καὶ πόθεν αὗται γεννῶνται. главы не означено, и начальною буквою отдѣльно не писано.

л. 220 об. λογ. пф. Τρόπος τῆς εὐχῆς. καὶ τῶν λοιπῶν περὶ τῆς διηνεκῶς μνήμης ἐξ ἀνάγκης ζητούμενων καὶ πολυμερῶς ὠφελούντων ἥτις ἐν διακρίσει ἀναγνώσκει αὐτὰ καὶ φυλάττει αὐτὰ. Начало: Τὸ βεβαιωθῆναι τινα ἐν τῇ αἰτήρει εὐχῇ...

— λογ. з. Περί πληροφορίας τῆς πίστεως. Начало: Ὅταν εὖρης ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς τὴν πίστιν μεμιγμένην ταῖς πολιτείαις.

л. 221. λογ. за. Περί ἀναγνώσεως. Начало: Μελέτης διηνεκῆς ἐν τῇ γραφῇ.

— λογ. зѧ. Περί τοῦ μετὰ προσοχῆς καὶ ἀναγκαίας ἀκούειν τοὺς λόγους τῶν πρακτικῶν. Начало: Λόγους ἀπὸ πειρας λεγομένους.

— λογ. зг. Περί τοῦ ὅτι αἱ μνήμαι. εἴτε καλαὶ εἰσιν εἴτε κακαὶ. ἀνακαινίζουσιν ἡμῖν ἀρετὴν ἢ κακίαν. καὶ διὰ τοῦτο χρὴ πᾶσιν φυλακὴ τηρεῖν ἑαυτοὺς καὶ ἐν σοφίᾳ περιπατεῖν. Начало: Ἐὰν γὰρ ἡ μνήμη τῶν ἀρετῶν. ἀνακαινίζει ἡμῖν...

л. 221 об. — λογ. зѧ. Ὅτι πρὸς τὴν κατάστασιν τῆς ψυχῆς καὶ τῆς διὰ τῶν μνημῶν ἐν τῷ νῷ ἀνατυπώσεως ἐπακολουθοῦσι καὶ αἱ νυκτεριναὶ φαντασίαι καὶ αἱ ἡμεριναὶ ἀδολεσχίαι. Начало: Λοιπὸν οὐχὶ μόνον ἡ μελέτη βλάπτει τὸν ἔχοντα αὐτὴν.

λ. 222. "Οτι ἀπο τῶν μνημῶν δύναται ὁ προσέχων ἐπιγινώσκειν τὴν ἑαυτοῦ κατάστασιν. καὶ ἐν ποίοις ἐστὶν ἡ ἐργασία τῆς διανοίας αὐτοῦ. ἴπότερον ἐν τοῖς δαιμονιώδεσι λογισμοῖς. ἢ τοῖς τῶν παθῶν ἢ τοῖς ἀπο τῶν προλήψεων. Нач. Καὶ ἡμεῖς ὧ ἀδελφοί. λαμβάνομεν ἄρτι τὸ διακρίνειν αἰεὶ ἐν ταῖς μνήμας τῆς μελέτης ἡμῶν. Περι ἀγαπῆς. Начало: 'Η ἀγάπη ἡ ἐκ τινων γινομένη πραγμάτων... Послѣ 61. слова до 66. на полѣ не означено: λογ.

λ. 223. λογ. χς. Περι τοῦ πῶς φάλλειν ἀσυγχύτως. Начало: Θελης τρυφῆσαι ἐν τῇ στιχιλογίᾳ τῆς λειτουργίας σου καὶ λαβεῖν αἴσθησιν τῶν λογίων τοῦ πνς ὑπὸ σοῦ λεγομένων.

λ. 223 об. λογ. χς. Περι ἀκηδίας καὶ μετεωρισμοῦ. Начало: 'Η ἀκηδία ἐκ τοῦ μετεωρισμοῦ.

— "Οτι οὐ δεῖ ἀντιλέγειν τοῖς λογισμοῖς, ἀλλὰ παρίπτειν ἑαυτὸν τῷ θῷ. Начало: 'Ο μὴ ἀντιλέγων τοῖς ἐν ἡμῖν ὑποσπειρομένοις λογισμοῖς τοῦ ἐχθροῦ.

λ. 224. λογ. οα. (sic). Περι τῶν δακρύων διδασκαλία θαυμασθη: Начало: Τὰ δακρυα τὰ ἐν τῇ εὐχῇ.

λ. 224 об. λογ. οβ. "Οτι οὐ δεῖ τὸν ἡσυχαστὴν ἐργάζεσθαι προφάσει τῆς χρείας αὐτοῦ. ἢ τῆς ἐλεημοσύνης. ἀλλὰ φυλάττειν τὸν νοῦν αἰεὶ. καὶ προσεύχεσθαι καὶ ἀναγινώσκειν. Начало: "Οταν στραφεῖς εἰς τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἐν τῇ διαμονῇ τῆς ἡσυχίας σου.

λ. 225. Περι τοῦ μὴ δειλίαν καὶ φοβεῖσθαι. ἀλλὰ στηρίζειν τὴν καρδίαν ἐν πεποιθῆσαι τοῦ θῷ. καὶ θареῖν τῇ πίστει τῇ ἀδιαστάκτου ὡς φρουρὸν καὶ φύλακα ἔχων τὸν θν. Начало: 'Εὰν γὰρ ποτε εὐρεθῇς ἄξιος τῆς ἀναχωρίσεως τῆς ἐχούσης τὰ φορτία ἐλαφρὰ.

λ. 226. λογ. ογ. (sic). Περι πειρασμῶν ὑπομονῇ. καὶ ὅτι δι' αὐτῶν προκόπτουσιν οἱ ἀγωνισταὶ καὶ σοφίζονται. Начало: Εἶπεν γὰρ τις τῶν ἀγίων. ὅτι ἦν τις τῶν ἀναχωρητῶν γέρων τιμιος. καὶ ἀπῆλθον αὐτὸν ἀπαξ.

λ. 226 об. "Οτι ἡ φύλαξ τῆς γλώσσης κ μόνον ἐξυπνίζει τὸν νοῦν πρὸς τὸν θν, ἀλλὰ καὶ ἐγκρατεία συμβάλλεται. Начало: 'Ην τις τῶν πρῶν. καὶ ἦν ἐσθίων δευτερον τῆς ἐβδόμαδος.

λ. 227. λογ. οε. Περι ἀγρυπνίας καὶ τῆς ἐξ αὐτῆς ὠφελείας. Начало: Οὗτος δε ὁ ἅγιος, συνήθειαν εἶχε πολλὴν εἰς τὴν ἀγρυπνίαν τῆς νυκτος.

λ. 227 об. — 229 об. Τοῦ αὐτοῦ. πόθεν φυλάττεται ἡ νήψις ἡ κρυπτή ἡ ἔσωθεν ἐν τῇ ψυχῇ γενομένη καὶ πόθεν εἰσέρχεται ὁ ὕπνος καὶ ἡ ψυχρότης ἐν τῇ διανοίᾳ. καὶ σβέννυσι τὴν θερμὴν τὴν ἀγίαν ἀπονεκροῦσι τὴν εἰς θν ἐπιθυμίαν. ἀπὸ τῆς θερμῆς τῶν πνικῶν καὶ οὐνίων. Начало: 'Ουκ ἔστι δυνατόν ἔχουσι τὰς καλὰς ἐπιθυμίας ὑπὸ τῆς ἐναντιώσεως.

λ. 229 об. — 230 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀλλοιώσεων τῶν πολλῶν τῶν ἀκολουθούντων τῇ διανοίᾳ. καὶ ἐν τῇ εὐχῇ δοκιμαζομένων. Περι ἐπιγνώσεως τοῦ θελήματος τῆς θῷ. Начало: Τὸ προκρίνειν μὲν τὸ ἀγαθὸν θέλημα...

λ. 230 об. — 232 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ὑπομονῆς τῆς ὑπὲρ τῆς ἀγάπης τοῦ θῷ. καὶ πόση ἀντίληψις εὐρίσκεται ἐν αὐτῇ. Начало: "Οσον καταφρονήσῃ ἄνθρωπος τούτου τοῦ κοσμοῦ.

232 об. — 234. λογ. οδ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν ἔγγιστα τοῦ θῷ ζώντων. καὶ ἐν τῇ ζωῇ τῆς γνώσεως πᾶσας τὰς ἡμέρας αὐτῶν διαγόντων. Начало: Γέρων τις ἔγραψεν εἰς τὰ τεῖχη τοῦ κελλίου αὐτοῦ λόγους καὶ ἐννοίας πολυτρόπους.

λ. 234.—236. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ὠφέλημος. ὅτι οὐ δεῖ μεριμνᾶν τῆς σωμάτων χρείας. Начало: 'Ο λόγος τοῦ κῡ ἀληθινὸς ὃν εἶρηκεν.

λ. 236—238 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ μὴ δεῖν χωρὶς ἀνάγκης ἐπιθυμεῖν ἢ ἐπιζητεῖν σημεῖα τινα φανερα ἔχειν ἐν ταῖς χερσὶν ἡμῶν. Начало: 'Εν παντι καιρῷ ἐν ᾧ ὁ κς ἐγγὺς εἰς ἀντιλήψεις τῶν ἀγίων αὐτοῦ, χωρὶς ἀνάγκης.

λ. 238 об. — 240. Τοῦ αὐτοῦ διὰ πόσας αἰτίας ἀφεῖ ὁ θς τοὺς πειρασμοὺς, ἐπὶ τοὺς ἀγαπόντας αὐτὸν. Начало: 'Εκ τῆς ἀγάπης ἧς ἐδειξαν οἱ ἅγιοι πρὸς τὸν θν.

λ. 240 — 243 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ συνιέναι τῷ ἐν ποίῳ μέτρῳ ἴσταται τις ἐκ τῶν κινουμένων ἐν αὐτῷ λογισμῶν. Начало: 'Ανθρωπος ὅσον ἐστὶν ἐν ἀμελείᾳ, ἐκ τῆς ἔρας τοῦ θανάτου φοβῆται.

λ. 243 об. — 246 λογ. πδ. (sic). Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν ἀββὰ Ἰσαάκ. δια τί οἱ ἄνθρωποι οἱ ψυχικοὶ ἐν τῇ γνώσει περιβλέπουσιν εἰς τινα πνικὰ κατὰ τὴν παχύτητα τῶν σωμάτων. καὶ πῶς δύναται ἡ διάνοια ὑψωθῆναι ἐκ ταύτης. καὶ τί ἐστὶν ἡ αἰτία τοῦ μὴ ἐλευθερωθῆναι ἐξ αὐτῆς. καὶ πότε καὶ ἐν ποίῳ δυνατόν ἐμμεῖναι τὴν διάνοιαν ἀνευφαντασίας ἐν τῇ ὥρᾳ τῆς λειτουργίας. Начало: Εὐλογημένη ἡ τιμὴ τοῦ κῡ τοῦ ἀνοίγοντος θύραν ἐμπροσθεν ἡμῶν.



л. 246 — 248. Λόγοι πάλιν τοῦ αὐτοῦ. Начало: Μὴ ψυφίσῃς ἀρχίαν τὴν ἔκτασιν τῆς εὐχῆς τῆς ἀμετεωρίστου.

л. 248—250 об. λόγος. γλ̃. (sic). Περί σιωπῆς. Начало: Ὑπὲρ πάντα τὴν σιωπὴν ἀγάπησον. ὅτι προσεγγίζει σε πρὸς καρπὸν.

л. 250 об. — 252. λογ. γλ̃. Περί μετανόιας. Начало: Ἐὰν ἀγαπᾷς τὴν μετάνοιαν, ἀπάτησον καὶ τὴν ἡσυχίαν.

л. 252 — 256. Ἐπιστολὴ τοῦ αὐτοῦ ἀββᾶ Ἰσαάκ, ἣν ἀπέστειλε πρὸς τινὰ ἀγαπητὸν αὐτοῦ διδάσκων ἐν αὐτῇ τὰ περὶ τῶν μυστηρίων τῆς ἡσυχίας. καὶ πῶς πολλοὶ ἀμελοῦσι διὰ τὸ μὴ γινώσκειν αὐτοὺς τὴν ἐργασίαν ταύτην τὴν θαυμαστήν. καὶ ὅτι οἱ πλείστοι ἐκράτησαν τὸ κάθισμα τῶν κελλίων ἐκ διαδοχῆς τῆς πορευομένης μεταξὺ τῶν μοναχῶν μετὰ συντόμου συναγωγῆς τῆς ὀφειλομένης τῇ διηγῆσει τῇ ἡσυχίας. ὡς ἐραστὰ τῆς ἡσυχίας ἀνάγκωθι ἐν ταύτῃ ἐπιστολῇ πασας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου καὶ μὴ παύσῃ. Начало: Ἀδελφέ. ἐπειδὴ ἠναγκάσθην τοῦ ὀφείλοντος ἐπιστεῖλαι σοι....

л. 256 об. 257 об. Περί διαφορῶν νοημάτων ποία ἔστι χρεία ἐκάστου τούτων. Начало: Ἄισθησις πνικὴ ἔστιν, ἣ ποιηθῆσα δόξασθαι τὴν θεωρητικὴν.

л. 257 об. — Κεφάλαια σύντομα. ἐκλογὴ. Начало: Ἡ ἀλήθεια ἐστίν, αἴσθησις κατὰ θν̃.

л. 258 об. Περι πληρώσεως γαστρος. Начало: Καθάπερ ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ ἰδρωτός τῆς νηστείας...

л. 258 об. 259 об. Περί σωφροσύνης. Начало: Ὡς σωφροσύνη πόσον λαμπρύνεται τὸ κάλλος σου ἐν τῇ χαμυνίᾳ καὶ ἐν τῷ πόνῳ τῆς πείνης.

л. 259 об. — λογ. (sic). Τοῦ αὐτοῦ πῶς ὀφείλει ὁ διακριτικὸς καθέζεσθαι ἐν τῇ ἡσυχίᾳ. Начало: Ἄκουσον ἀγαπητέ. ἐὰν θέλῃς ἵνα μὴ γέγονται τὰ ἔργα σου μάταια.

л. 260 — 262. λογ. ρλ̃. Σημεῖα καὶ τεκμήρια τῆς ἡσυχίας. Начало: Ὅτε ἐν τῷ νοί σου ἐν τῇ ἡσυχίᾳ βλέπεις τὴν διάνοιαν σου δυναμένην. ἐλευθερίως ἐνεργεῖν ἐν τοῖς λογισμοῖς.

л. 262. — 265 об. λογ. ρκ̃. Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ Ἰσαάκ. ὅτι τὰ μέτρα τῆς πολιτείας ἡμῶν, ἐκ τῆς ἀλλοιώσεως τῆς διανοίας ἡμῶν νοοῦμεν. καὶ ὅτι τὸ πλῆθος τῆς ἀλλοιώσεως τῶν ἔργων ἡμῶν, νηπιωδῶς μὴ ἐπεριδόμεθα. ἀλλὰ τὸ μέτρον τῶν ψυχῶν ἡμῶν γνωσόμεθα ὡς σοφοί. ἐκ τοῦ ἀνακαινισμού τοῦ ἐν τῷ κρυπτῷ. οὗς αἰσθανόμεθα ἡμέραν καθ' ἡμέραν. καὶ περὶ τάξεως λεπτῆς τῆς διακρίσεως. Начало: Πρόσχε σεαυτῷ ἀγαπητέ ἀεὶ. καὶ ἴδε ἐν τῇ συνεχείᾳ τῶν ἔργων σου.

л. 265 об. — 270. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀληθοῦς γνώσεως. καὶ περὶ πειρασμῶν. καὶ περὶ τοῦ ὀκριβῶς γινώσκειν. ὅτι οὐχὶ μόνον τινὲς ἐλάχιστοι καὶ ἀσθενεῖς καὶ ἀγύμναστοι. ἀλλὰ καὶ οἱ ἀξιωθέντες τῆς ἀπαθείας χρονικῶς. καὶ φθάσαντες τὴν τελειότητα τοῦ φρονήματος. καὶ πλησίον γενόμενοι τῆς καθαρότητος μερικῶς. τῆς μετὰ τῆς νεκρώσεως συνεξευγμένης. καὶ φθάσαντες ὑπεραρθῆναι τῶν παθῶν. ἐν ὧς εἰσὶν ἐν τῷ κόσμῳ τούτῳ. ἐπετράπη ἐκ τοῦ θν̃ ἐν τῇ συζεύξει τῆς ζωῆς τῆς μετὰ σαρκὸς τῆς παθητῆς. ἔχειν ἀγῶνα καὶ κατὰ κόπους εἶναι ἐκ τῶν παθῶν διὰ τὴν σάρκα διότι γίνεται πρὸς αὐτοὺς ἀεὶ παραχώρισις ἐν ἐλλείψει διὰ τὴν πτώσιν τῆς ὑπερηφανείας. Δόξα τῷ ἐκχέαντι πλουσίως ἐπὶ πάσης τὸ ἔλεος αὐτοῦ. δόξα τῇ ἀνικάστῳ ἀνοχῇ καὶ μακροθυμίᾳ αὐτοῦ τῇ ἐπὶ τοὺς ἀμαρτωλοὺς ἀμῆν. Начало: Κατὰ μίαν, καὶ μίαν, πασάκις παραβαίνουσι τινες.

л. 270 — 273. Τοῦ αὐτοῦ νοῦς τοῦ κεφαλαίου τούτου. μετὰ τῶν νοημάτων τῶν λεχθέντων ἐν αὐτῷ. Начало: Διάνοια δὲ συνηγμένη τοῦ κεφαλαίου τούτου ἐστὶ, τὸ γινώσκειν ἡμᾶς ἐν πάσῃ ὥρᾳ...

л. 273 — 279. Τοῦ αὐτοῦ ἐρωτήσεις περὶ διαφορᾶς ἀρετῶν. καὶ περὶ τελειώτητος τῆς παντὸς δρόμου. καὶ περὶ μεγαλοσύνης τῆς ἀγάπης τῶν ἁγίων κατὰ τρόπον πνικόν. τὸν τελειοῦντα πάντας τοὺς ἁγίους. δι' οὗ ἐπήχθη ἐν αὐτοῖς ἡ θεία ὁμοιώσις ἐν τῇ ἀγάπῃ αὐτῶν τῇ πλουσίᾳ. ἣν ἐξέχεαν. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν ἁγίων. Начало: Τελειότης παντὸς δρόμου, ἐν τούτοις τοῖς τρισὶν ἐστίν.

л. 279—286 об. Περί πίστεως καὶ ταπεινοφροσύνης. Начало: Ὡς ἁν̃ ἐλάχιστε. θέλεις εὑρεῖν τὴν ζωὴν τὴν πίστιν καὶ τὴν ταπεινώσιν κράτησον ἑαυτῷ. (Τοῦτο κεφάλαιον πεπληρωμένον ζωῆς.)

л. 286 об. — Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν Ἰσαάκ. περὶ ὠφελείας τῆς ἐκ τῆς φυγῆς τοῦ κόσμου. ὅτι ἐν τῇ ἐξετάσει καὶ προσευχῇ τῆς σοφίας ἐτροπώσαντο οἱ πρὸς τοῦτον τὸν τρόπον. Начало: Ἰσχυρὸς ἐστὶν ἀληθῶς καὶ δυσχερὴς καὶ δύσκολος ὁ ἀγὼν ὁ γινόμενος ἐν τοῖς πράγμασι.

л. 287 — 291. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἐκείνων δι' ὧν κτήσασθαι τις δύναται τὴν ἀλλοίωσιν τῶν κρυπτῶν νοημάτων. μετὰ τῆς ἀλλοιώσεως τῆς πολιτείας τῆς ἑξῶ. Начало: Ὅσον ἐστὶ ἐν τῇ ἀκτημοσύνῃ. ἡ ἐνδημία τῆς ζωῆς ἀνερχεται ἐν τῇ διανοίᾳ αὐτοῦ ἀεὶ.

л. 291. — 292. об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀγρυπνίας τῶν νυκτῶν. καὶ περὶ διαφορᾶς τρόπων τῆς ἐργασίας αὐτῆς καὶ ὅτι οὐδεὶς τὸν σκόπον τῶν ἔργων ἡμῶν πρὸς τελείωσιν καὶ ὀρισμὸν ποσότητος εἶναι. ἀλλ' ἐν ἐλευθερίᾳ τῆς διακρίσεως ὡς υἱοὶ τοῦ μετὰ τοῦ πρὸς αὐτῶν ἐργαζόμενοι ἐν τῇ προθυμίᾳ τῆς ἀγάπης. καὶ πόσον ἐστὶ τίμιον τὸ ἔργον τῆς ἀγρυπνίας ὑπὲρ πάσας τὰς πολιτείας. καὶ ποία ζητεῖ τοῖς ἐκλεξαμένοις τοῦτο τὸ ἔργον. καὶ πῶς δεῖ πορεύεσθαι ἐν αὐτῇ. καὶ περὶ τῶν χαρισμάτων τῶν ἀξιουμένων ὑπὸ τοῦ τοῦ αὐτοῦ εἶναι. καὶ περὶ τῶν ἀγιόνων τῶν ἐξ-εναντίας αὐτῶν, ἐκ τοῦ ἄρχοντος τοῦ αἰῶνος τούτου. Начало: "Οταν θελήσεις στῆναι ἐν τῇ λείτουργίᾳ τῆς ἀγρυπνίας σου ἐν τῇ συνεργείᾳ τοῦ τοῦ ποίησον ὡς λεγῶ σοι ἐγὼ.

к. 292 об. — 297. Τοῦ αὐτοῦ περὶ πόσης τιμῆς ἧς κέκτηται ἡ ταπεινοφροσύνη. καὶ πόσον ἀνώτερος ἐστὶ ὁ βαθμὸς αὐτῆς. Начало: Θέλω ἀνοῖξαι τὸ στόμα μου ὦ ἀδελφε. καὶ λαλῆσαι περὶ τῆς ὑψηλῆς ὑποθέσεως τῆς ταπεινοφροσύνης.

л. 297 — 306 об. Начало: Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ Ἰσαάκ. ἐπιστολὴ πρὸς τὸν ἀββᾶν. συμεῶνα. Начало: Ἡ ἐπιστολὴ σου ὦ ἄγιε οὐχὶ λόγοι ἀγκεχαραγμένοι εἰσὶν ἐν αὐτῇ.

лл. 306 об. — 308 об. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαιον ἐκ τῆς πρώτης διδασκαλίας ἐστὶ, καὶ ἐθήκαμεν αὐτὸ ἐν τῷ μέσῳ τοῦ λόγου τούτου πρὸς τὸν ἅγιον συμεῶνα. Начало: Ἐρωτ. Ἐὶ καλὸν ἐστὶν ἐκ πάντων τῶν ἐρεθιζόντων τὰ πάθη μακρυνθῆναι.

л. 308. об. — 324. Τὸ ὑπόλοιπον τῆς ἐπιστολῆς τῆς πρὸς τὸν ἀββᾶν συμεῶνα. Начало: Πάλιν ἐν τῇ ἐπιστολῇ σου ἔγραψας. ὅτι ὁ μοναχὸς ὁ θέλων ἀγαπῆσαι τὸν τοῦ.

л. 324 — 325 об. Перὶ τοῦ μαλπάτ. Начало: Μαλпᾶт γὰρ τι ὀνομαζόμενος. ὃς ἐν καιρῷ τινὶ ἐν ἐδέσει τῇ πόλει.

л. 325 об. 327. Перὶ ἰαρώνα. Начало: Πάλιν δὲ ἄλλος ἄνθρωπος ἦν ἐν ἐδέσει.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 30 об. Περὶ αἰσθησεων.

Αἱ αἰσθήσεις αἱ σώφρονες καὶ σε συνηγμέναι, εἰρήνην γεννῶσι τῇ ψυχῇ. καὶ οὐκ εἴσιν αὐτὴν πείραν λαβεῖν τῶν πραγμάτων. ὅταν δὲ αἰσθησιν τῶν πραγμάτων μὴ λαβῇ, τότε γενήσεται νικη δίχα ἀγώνος. εἰ μέντοι ἀμελήσει ὁ ἄνθρωπος καὶ τὰς προσβολὰς εἰσελθεῖν ἐν αὐτῷ παραχωρήσει, τότε ἀναγκάζεται πολεμῆσαι. ταραττεται δὲ, ἡ πρώτη καθαρότης. ἣτις ἐστὶν ἀπλουστάτη καὶ ὁμαλή. οἱ πλείστοι γὰρ τῶν ἄνθρωπων, ἡ καὶ ὅλως ὁ κόσμος, διὰ τὸν ἀμέλειαν ταύτην, ἐξέρχονται ἐκ τῆς φυσικῆς καὶ καθαρᾶς л. 31. καταστάσεως. διὰ τοῦτο οἱ ἐν κόσμῳ καὶ τοῖς κοσμικοῖς συμφερόμενοι, οὐ δύνανται καθαρθῆναι τὴν διάνοιαν, διὰ τὴν πολλὴν τῆς κακίας ἐπίγνωσιν. ὀλίγοι δὲ εἰσιν οἱ δυνάμενοι ὑποστρέψαι. εἰς τὴν πρώτην καθαρότητα τῆς διανοίας. διὰ τοῦτο δεῖ ἀσφαλῶς τηρεῖν ἕκαστον ἄνθρωπον τὰς αἰσθήσεις αὐτοῦ καὶ τὴν διάνοιαν ἐκ τῶν προσβολῶν. νήψεως γὰρ πολλῆς χρεῖα καὶ φυλακῆς καὶ τηρήσεως. ἡ πολλὴ ἀπλότης πέφυκεν εὐπρεπῆς. φόβου χρεῖα τῇ ἀνῆνι φύσει, ἵνα τοὺς ὄρους τῆς ὑπακοῆς φυλάξει. ἡ ἀγάπη κινεῖ πρὸς πόθον τῆς ἐργασίας τῶν ἀρετῶν. προηγεῖται δὲ ἀμ-

Изъ постническихъ словъ св. Исаака Сирина, № 109. Сын. Библ. 1525. года.

л. 34. Того же ѿ уювьствѣ: слѣд. ѿ.

Уювьства цѣломѣнна и събранна. смиреніе разпѣють дѣшн. и не ѡставаѣю тѣхъ нсквсъ пріати кеціен. еѣа же уювьство веціем не пріимѣ, тоѣа бѣдетъ побѣда и кро-мѣ поѡнга. аще же нерадѣи ѡлѣкъ, и прилогѣ кинтѣ в се-ке поѡвстѣ. тоѣа нѣднѣса ратовати. смѣщаѣ же са прѣ-кла унѣстота, кже ѣ простѣнша и глѣка. мнѡжаннн ко ѡ ѡлѣкъ, нли и кесъ мирѣ. за некрѣженіа рѣ сего нсходѣ ѡ ѣствѣнаго и унѣстаго ѡставленіа. сего рѣ нже к мирѣ и съ мирскымн смѣнѣюшѣнса. не мо-гѣтъ ѡунѣстнн мысль, за многыа злобы познаніа. малн же соѡ могѣшѣн кѣзкрѣнтнѣ кѣ прѣкѣю унѣсто-тѣ мыслн. л. 34. об. сего рѣ поѡдовѣтъ твердѣ съ-блюдати всакомѣ ѡлѣкоѡ, уювьства скоѡ и мыслн ѡ прилогѣ прѣно. трѣзвеніа ко трѣбѣ мнѡго. и храненіа и блюденіа. мнѡга простота ѣ оѡдобѣ прѣкратнѣ. бо-лѣзнн потреба оѡко ѡлѣѣскомѣ ѣствѣ. даже прѣдѣлы послѣзаннѣ еже кѣ боѡ съхраннѣ. любовѣе кже кѣ боѡ нѡѡнѣжѣтъ кѣ желанію дѣланіа добродѣтели. ') прѣ-

1) Сихъ словъ: и тою въсхыщѣется кѣ блѣгомѣ дѣланію. дѣхѣннн разѣмѣ вторнн ѣ естество дѣланіа добродѣте-лен, по Гречески нѣтъ въ сей рукописи.



φοτέρων ὁ φόβος καὶ ἡ ἀγάπη. καὶ πάλιν προηγεῖται τῆς ἀγάπης ὁ φόβος. πᾶς τίς ἀναιδῶς λέγων, δυνατὸν κτήσασθαι τὰς τελευταίας πρὸ τῶν πρώτων, ἀνεδιάστως θεμελίον ἀπολείας τῇ ἐκυτοῦ ψυχῇ τέθηκεν. αὕτη ἐστὶν ἡ ὁδὸς κυ. ὅτι αὗται. ὑπ' ἐκείνων γεννῶνται μὴ ἀλλάξης τὴν ἀγάπην τοῦ ἀδελφοῦ σου, ἀγάπη τινὸς τῶν πραγμάτων. διότι τὸν πάντων τιμιώτερον λελυθότως ἐνδοθεν κέκτηται. κατὰλειψον τὰ μικρὰ ἵνα εὕρης τὰ μεγάλα. ἐξευτέλισον τὰ περισσὰ ἵνα εὕρης τὰ τίμια γενοῦ τεθνεῶς ἐν τῇ ζωῇ σου καὶ μὴ ζήσης, εἰς θάνατον. δίδουσε αὐτὸν θανεῖν ἐν τοῖς ἀγωνίσμασι, καὶ μὴ ζῇ ἐν ἀμελείᾳ. οὐ μόνον γὰρ οἱ διὰ τὴν εἰς χυ πίστιν δεξιόμενοι τὸν θάνατον, μάρτυρεν εἰσίν. ἀλλὰ καὶ οἱ διὰ τὴν τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ τήρησιν ἀπαιθνήσκοντες μὴ γίνου ἄφρων л. 31 об. ἐν τοῖς σοῖς αἰτήμασιν, ἵνα μὴ τὸν θυ καθυβρίσης τῇ σμικρότητι τῆς σῆς γνώσεως. γενοῦ σοφὸς ἐν ταῖς σαῖς προσευχαῖς, ἵνα τῶν ἐνδόξων καταξιωθῇς. ζήτησον τὰ τίμια παρὰ τοῦ μὴ φρονούντος, ἵνα καὶ παρ' αὐτοῦ τὴν τιμὴν δέξῃ διὰ τὸ σαφὸν σου θέλημα. σοφίαν ἠτήσατο σολομών, καὶ σὺν αὐτῇ βασιλείαν τῆς γῆς ἐδέξατο. καθότι σοφῶς ἠτήσατο. λέγω δὲ παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλέως. ἐλίσσαι ἐδιπλὴν ἠτήσατο τὴν χάριν παρὰ τοῦ πνς, τὴν οὖσαν τῷ διδασκάλῳ αὐτοῦ, καὶ οὐδαμῶς τῆς αἰτήσεως ἀπέτυχεν. ὁ γὰρ παρὰ βασιλέως αἰτῶν τὰ εὐτελῆ, τούτου τὴν τιμὴν ἐξευτελίζει. Ἰῆλ ἠτήσατο εὐτελῆ, καὶ τὴν ὀργὴν τοῦ θυ ἐδέξατο. ἀφῆκε τοῦ θαυμάσαι ἐν τοῖς ἔργοις. τοῦ θυ, καὶ τὰ φοβερά θαυμάσια αὐτοῦ, καὶ ἐζήτησε τὴν ἐπιθυμίαν τῆς γαστρὸς αὐτοῦ. ἔτι δὲ οὖσης τῆς βρώσεως ἐν τῷ στόματι αὐτῶν καὶ ὀργὴ τοῦ θυ ἀνέβη ἐπ' αὐτούς. πρόσφερε τῷ θυ κατὰ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ τὰς αἰτήσεις σου ἵνα μεγαλύνῃ σου πρὸς αὐτὸν ἡ ἀξία καὶ ἐπιχαρῇ σοι. ὥσπερ γὰρ ἐάν τις αἰτήσῃται παρὰ τοῦ βασιλέως μέτρον κόπρου, οὐ μόνον αὐτὸς ἀτιμάζεται παρὰ τῆς εὐτελείας τῆς αἰτήσεως αὐτοῦ. καθότι πολλὴν ἀγνωμοσύνην ἐνεδείξατο ἀλλ' ὅτι καὶ ὕβριν τῷ βασιλεῖ χάρι τῆς ἀνιτήσεως αὐτοῦ. ἐπέθηκεν, οὕτως καὶ ὁ τὰ γήινα ζητῶν παρὰ θυ ἐν ταῖς προσευχαῖς αὐτοῦ. ἰδοὺ γὰρ ἄγγελοι καὶ ἀρχάγγελοι. οἱ τινες εἰσὶ τοῦ βασιλέως μεγιστάνες, εἰς σὲ ἀτενίζουσιν ἐν τῷ καιρῷ τῆς προσευχῆς. ποῖαν αἴτησιν αἰτεῖ л. 32. παρὰ τοῦ δεσπότη αὐτῶν. καὶ ἐκπλήττονται ὅταν ἴδωσι τὸν γεώδη, καταλείψαντα τὴν ἑαυτοῦ κόπρον καὶ τὰ οὐρία αἰτοῦντα. μὴ ζητήσης παρὰ θυ, ὅπερ αὐτὸς ἄνευ αἰτήσεως ἡμῖν διδόναι προνοεῖται. οὐ μόνον τοῖς ἰδίοις καὶ προσφηλέσιν. ἀλλὰ καὶ τοῖς οὖσι ξένοις τῆς αὐτοῦ γνώσεως. μὴ γίνεσθε γὰρ ὡς τὰ ἔθνη βαττολογοῦντες ἐν ταῖς προσευχαῖς. ταῦτα γὰρ τὰ σωματικὰ, τὰ ἔθνη ἐπιζητοῦσιν. ὑμεῖς δὲ μὴ μεριμνήσητε τί φάγητε ἢ τί πίνητε. ἢ τί ἐνδύσησθε. ὁ γὰρ πῆρ ἡμῶν οἶδεν ὅτι χρεῖαν ἔχετε τούτων. ὁ υἱὸς ἔχει ἔτι αἰτεῖ παρὰ τοῦ πρς ἄρτον, ἀλλὰ ζητεῖ τὰ μέγιστα καὶ ὑψηλὰ τῆς οἰκείας τοῦ πρς αὐτοῦ. διὰ γὰρ τὴν ἀσθένειαν

караѣ же ѿ бою, стра н любовь н пакы прѣварѣ любве, стрѣ, вьсакъ нже вестѣднѣ глѣ ꙗко моцино стажатн послѣдннхъ, прѣже прьвѣ дѣланїѣ. прьвое вестоѹнѣ ѿсноканїѣ погыбѣлн своен дшн полѡжн. съ бо ѣ ноуѣ гнѣ, ꙗко сїа ѿ ѡнѣхъ ражѣютсѣ. да не нзмѣннншн люковы брата твоего, любовїю н ѣ ѹсого ѿ вѣщен. занеже кѣ ѹстнѣ ѡтан. вѣнѣтрѡудѣ нмѣтъ. ѡставн мѣла да ѡбращеннн велнкѣ. о҃чннннжн нзнншнмѣлн безѹстнѣ, да ѡбращеннн ѹстнѣлѣ. бѣдн о҃чмрѣ въ жнзнн твоен. да не жнкѣ бѣдѣшн кѣ смрѣтъ. даван самъ себе о҃чмрѣтн кѣ пѡвнѣѣ. а не жнтн кѣ лѣнѡстн. не тоуїю бо нже хвѣ рѣ вѣры прїемншен съмрѣтъ, мѹннцн соѹ. но н нже заповѣден его радн съблѡденїѣ о҃чнннрѡючїен. не бѣдн безѣмѣнѣ въ твонхъ прошенїѣ. да не бѣ о҃чннннжншн о҃чмаленїѣмъ твоего разѣмѣ. бѣдн прѣмѣдрѣ въ тѡнѣ мѣтвѣ, да славнѣ спѡдобншнѣ. просн ѹстнѣлѣ ѿ нежѣвнѣмѣлѣго, да н ѹстѣ ѿ того прїнмѣшн прѣмѣлѣго радн твоего хотѣнїѣ. прѣмѣрѣтн просн соломѣ. н съ нею црѣво землѣ прїѣтъ. занѣ прѣмѣрѣ просн. глїю же ѿ велнкѣго црѣ, елнсен съ го҃ѹ вѣѹю нросн блгѣ дхѣ. ꙗже со҃цѣлѣ въ о҃чннтелн его. н ннкакѡ прошенїѣ погрѣшн. нже бо о҃ч црѣ просн хѣдѣлѣ, сего по҃ѹстѣ ѡхѣжѣлѣ. ꙗнѣ просн хѣдѣлѣ. н гнѣвъ ѿ бѣ прїѣтъ. ѡставн бо еже ѹюднѣтн въ дѣлѣсѣ бжїнхъ, н стрѣннѣ ѹюдѣсѣ его н просн похотн ѹрѣвлѣ своего, н ещѣ брѣшнхъ со҃цѣлѣ въ о҃чстѣ нхъ, н гнѣвъ бжїн взыде на нѣ. прннесн бгѡвн по славѣ его прошенїѣ твоѣ. да възвѣлнхнѣтсѣ к немѣ твон самѣ. н възрѣѣтнѣтсѣ. ꙗко же бо ꙗбо лѣше кто въспроснѣтъ ѿ црѣ мѣрѣ гноѣ, не токмо тѣ ѡбезѹстнѣтсѣ хѣдѣго рѣ прошенїѣ своего, по неже много неразѣмїѣ показѣ. но ꙗко н досѣдѣ црїю прошенїѣ рѣ своего нѣложн. снѣ н нже земнѣлѣ просѣ въ мѣтвѣ своѣ ѿ бѣ. се бо аглн н архлглн нже со҃цѣт л. 35. об. црѣвн велмѣжїѣ. на тѣ взнрѣютъ въ вѣмѣлѣ мѣтвѣ твоеѣ. кѣкакѡ прошенїѣ просншн ѿ вѣкы нѣ. н днѣтсѣ н рѣ ѹтсѣлѣ. егѣ внѣдѣ земнѣлѣго ѡставѣлѣшѣ свою плѣ, н неѣлѣлѣ просѣлѣлѣ. 1) да не просншн о҃ч бѣ вѣщѣ, ꙗже самъ кромѣ прошенїѣ намѣ даватн промышлѣѣ. н не тоуїю своѣ н любезнѣ. но ннже сълѣ стрѣннѣмъ того разѣмѣ. не бывѣнтѣ рѣѣ, ꙗкоже ꙗзыцн лншѣ глїющѣ въ мѣтвѣ. сїа бо тѣлѣснѣлѣ ꙗзыцн нцѣтъ рѣѣ гѣ. вы же нн пѣцѣтѣ ѹто ꙗстѣ нлн ѹто пїетѣ, нлн въ ѹто ѡблѣѣѣтсѣлѣ нбо ѡцѣ вѣшѣ вѣтъ ꙗко трѣѣѣтѣ снѣ. снѣ не кѡмѣ проснѣ ѿ ѡцѣ своего хлѣѣлѣ. но проснѣ велнкѣлѣ н вѣсоклѣ домѣ ѡцѣ своего. немоцн бо рѣ н мыслн ѹлѣѣскѣлѣ. заповѣдѣ гѣ проснѣтн всѣднѣкнѣн хлѣѣѣ. зрн бо ѹто заповѣдѣлѣлѣ свѣршеннѣмъ разѣмѣѣ, н зрѣвѣ дшнѣю. не пѣцѣтѣ рѣѣ ѡ пнцн. н ѡ одѣжн, лѣше бо бесѡѣесннн жнѣкѡтннн н птнцѣмн н самѣ-

1) Слово: ꙗко же бо ꙗбо негодѣютъ пакы кѣ ѡставѣлѣшѡмѣ неѣлѣлѣ н просѣлѣлѣ скон гнон. по Гречес. въ рукопнсн вѣтъ.



τῆς διανοίας τῶν ἄνων, ἐνετείλατο ο καὶ αἰτεῖσθαι τὸν καθημερινὸν ἄρτον. ὅρα γὰρ τί ἐντέταλται τοῖς τελείοις τὴν γνῶσιν καὶ ὑγιεινοῖς τὴν ψυχὴν. μὴ μεριμνήσητε γὰρ φησιν περὶ βρώσεως ἢ ἐνδύματος. εἰ γὰρ τῶν ἀψύχων πετεινῶν ἐπιμελεῖται, οὐ πολλῶ μάλλον υμῶν; ἀλλὰ μάλλον ζητήσατε τὴν βασιλείαν τοῦ θυ καὶ τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ, καὶ ταῦτα πάντα προστεθήσεται ὑμῖν. ἐὰν δεηθεῖς τοῦ θυ περὶ πράγματος. καὶ μακροθυμήση τοῦ μὴ ταχέως ὑπακοῦσαι σου, μὴ λυποῦ. οὐ γὰρ εἰ σὺ τοῦ θυ σοφότερος. τοῦτο δὲ συμβαίνει σοι, ἢ διὰ τὸ ἀνάξιοντα τυχεῖν τῆς αἰτήσεως, ἢ διὰ τὸ μὴ εἶναι τὰς ὁδοὺς τῆς καρδίας σου ἐφαμίλους τῆς αἰτήμασι σου. ἀλλ' ἐναντίας. ἢ διὰ τὸ μήπω ἐφθαλέναι σε τὸ μέτρον, τοῦ δέξασθαι τὸ χάρισμα л. 32. об. ὅπερ αἰτεῖς. καθότι οὐ δεῖ εἰς μέτρα μεγάληα πρὸ καιροῦ ἡμᾶς ἐπιβάλλειν ἑαυτοῦς. ἵνα μὴ ἀκριωθῇ τὸ χάρισμα τῆς θυ, τῇ ταχύτητι τῆς ὑποδοχῆς αὐτοῦ. πᾶν γὰρ τὸ ραδίως καταλαμβανόμενον ταχέως καὶ ἀπόλλυται. ἕκαστον δὲ πραγμα μετὰ πόνου καρδίας εὐρισκόμενον, μετὰ παρὰ φύλακῆς καὶ φυλάττεται. διὰ χυ δῖψησον ἵνα σε μεθύσεν τῇ ὀγαπη αὐτοῦ. κάμυσον τοὺς οφθαλμοὺς σου ἀπὸ τῶ τερπνῶν τοῦ βίου, ἵνα καταξιωθῇς παρὰ θυ, τοῦ βασιλεύειν ἐν τῇ σῇ καρδίᾳ τὴν αὐτοῦ εἰρήνην. ἐγκρατεύου ἀπὸ τῶν πραγμάτων ὧν τὰ σὰ ὄμματα θεωρεῖ, ἵνα τῇ πνικῆς χαρὰς καταξιωθῇς. ἐὰν μὴ ἀρεσώσι τῷ θυ τὰ ἔργα σου. μὴ ζητήσης παρ' αὐτοῦ τὰ ἐπίδοξα, ἵνα μὴ γένῃ ὡς ἄνος πειράζων τὸν θυ κατὰ τὴν διαγωγὴν σου, δέον εἶναι καὶ τὴν εὐχὴν σου. ἀδύνατον γὰρ τινα συνδεδεμένον τοῖς γῆινοῖς ζητεῖν τὰ οὐνία. ἀμήχανον τε τὸν ἐν τοῖς κοσμικοῖς ἀσχολούμενον τὰ θεία αἰτήσασθαι. διότι ἐκάστου ἀνῶς ἡ ἐπιθυμία, ἐκ τῶν ἔργων αὐτοῦ δείκνυται. καὶ ἐν οἷς τισι πράγμασι τὴν ἑαυτοῦ σπουδὴν. ὑπὲρ αὐτῶν ἀγωνίζεται ἐν τῇ εὐχῇ. ὁ τὰ μέγιστα θέλων, οὐκ ἐνασχολεῖται τοῖς εὐτελεστέροις. γενοῦ ἐλεύθερος. συνδεδεμένος ὧν τῷ σώματι. καὶ δεῖξον σου τὴν ὑπακοὴν τῆς ἐλευθερίας διὰ χυ. γενοῦ δὲ καὶ νουνεχῆς ἐν τῇ σῇ πραότητι, ἵνα μὴ л. 33. κλαπῆς. ἀγάπησον τὴν ταπείνωσιν ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου, ἵνα ῥυσθῇς ἀκαταλήπτων παγίδων. αἵτινες εὐρίσκονται, ἔξω τῆς ὁδοῦ τῶν ταπεινοφρόνων. μὴ ἀπαναίνου τὰς θλίψεις ὅτι δι' αὐτῶν, εἰς τὴν ἐπίγνωσιν τῆς ἀληθείας εἰσέρχῃ. καὶ μὴ φοβηθεῖς τοὺς πειρασμοὺς ὅτι ἐν αὐτοῖς εὐρίσκεις τὰ τίμια. προσέυξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς τοὺς ψυχικοὺς πειρασμούς. πρὸς δὲ τοὺς σωματικοὺς εὐτρεπίζου ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος σου, ἐκτὸς γὰρ τούτων, οὐ δύνασε προσπελάσαι τῷ θυ. διότι. ἐνδοθεν αὐτῶν ἀπόκειται ἡ θεία ἀνάπαυσις. ὁ φεύγων τοὺς πειρασμοὺς, φεύγει τὴν ἀρετὴν. πειρασμὸν δὲ λέγω, οὐ τῶν ἐπιθυμιῶν ἀλλὰ τὸν τῆς θλίψεως. καὶ πῶς ὁμοφωνήσῃ τὸ εὖξασθαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ τὸ ἀγωνίσασθαι εἰσελθεῖν διὰ τῆς στενῆς πύλης. καὶ πάλιν μὴ φοβηθῇ τε ἀπὸ τῶν ἀποκτενόντων τὸ σῶμα. καὶ ὁ ἀπολέσας τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἐνεκεν ἑμοῦ εὐρήσει αὐτήν. πῶς οὖν πανταχοῦ προτρέπεται ἡμᾶς ὁ καὶ, πρὸς τοὺς πειρασμούς. ἐνταῦθα δὲ προσέταξεν εὖξασθαι, μὴ εἰσελθεῖν εἰς

ми тѣмн бездѣшнымн печется, коимн плаче камн, но възъимате плаче цѣтво бжїе и правдѣ его, и сїа вса приложѣса камѣ. аще помлнши бжї о вещн. и долготерпнї еже не скоро л. 36. слышатн тѣ, не скорбн, не бо еси ты мѣдрѣн бѣ. се же слышѣтьтнся, нли зане недѣстони тѣ свѣцѣа полхунтн прошенїа. нли зане небытн пѣтековѣ срїца твоего тоуишї прошенїю твоемоу, но протнвншї. нли зане не н еше достнхнхтн тн мѣры. еже прїлхн тебѣ дарѣ его же просншн. по нѣ не пѣдѣаетн намѣ вѣ мѣры великыѣ. прѣжѣ врѣмена вѣлагатн себе, да не непотрѣбно бѣдетн дарованїе бжїе скоростїю пѣатїа его. всако бо еже оудѣвь постнгаемо, скоро н побываетн. всака же вещь съ болѣзнїю срїца ѡбрѣтаема, съ съблюденїемъ храннтсѣ. хѣ рѣ по жлѣн, да тѣ оупонтн любуе своеѣ. смлжн ѡун скон ѡ красншї жнтїа. да спѣдѣншн ѡ бѣ еже цѣтвѣатн вѣ твоемъ срїцн того смѣренїю. възѣржнсь ѡ вещь нхже ткон ѡун зратн. да дѣовныѣ рѣостн спѣдѣншн. аще не оудѣвна вѣдѣтн бжїкн дѣла ткоѣ, да не просншн ѡ него слакнѣа. да не боудѣшн ꙗкоже хѣкн нескнѣа бѣ. прѣмо прѣбыванїю твоемоу, приклѣнѣ бытн н млнтѣ ткоен. не моцно бо комѣ сказаномѣ земнымн, нескатн неѣа. не вѣзнѣжно же, нже вѣ мнрскы оупражнѣюшомѣсѣ. л. 36. об. вѣтвенѣа проснтн. занеже всакого хѣкѣ желанїе, ѡ дѣлѣ его показѣтсѣ. н вѣ нх же вещь показѣть свое тѣцлнїе. ѡ тѣхъ пѣвнѣтсѣ вѣ млѣтѣ. нже великѣа хотѣ, не оупражнѣетсѣ хѣжншнмн. боудн своѣѣдѣ сказанѣ сын тѣлесеми н показн послѣзанїа твоего своѣѣдѣ хѣ рѣ. вѣдн же мѣрѣ вѣ кротостн ткоен, да не оукрѣдѣн вѣдѣшн. вѣзлюбн смѣренїе вѣ всѣхъ дѣлѣ тконхъ. да нзѣвншн ѡ непостнжнхъ сктен. ꙗже ѡбрѣтаютсѣ прїно кнѣюдѣ нхтн смѣреномѣрхъ. не ѡ вѣган скорбн. зѣ не же тѣмн вѣ разоу нстннннхъ вѣхѣдншн. н да не коншнѣа нескншенїн. зѣ неже в нш ѡбрѣтаенн хѣтнѣа. помолї еже не кннтн к дѣшнскнѣа нескоушенїа. вѣ тѣлеснымъ жл готовнѣа, ѡ всѣа крѣностн ткоѣа, кромѣ бо сн не моженн прнблнжнтн бжїкн. зѣ не кнхтрѣ оудѣ снхъ прѣлѣжн бжїественнхъ покон. вѣганн нескоушенїа, вѣжн добродѣтели. нескншенїе же глїю, не желанїн, но скорбншн: † копрѣ. да како съгласн еже помлнтн, да не кнхдѣте вѣ нескоушенїе. н еже поѣвнгантѣ кннтн тѣснмн дкермн, н пакы не оуконтѣ ѡ оукнѣаюшн тѣло. н л. 37. погѣвннхъ днш менѣ рѣ, ѡбращѣ тоу. ѡк. како ꙗбо ксїудѣ вѣдн нѣ гѣ вѣ нескоушенїе. зѣ же повелѣ помлнтн не кннтн к ннхъ. кѣа бо добродѣтель кнѣкѣ кромѣ скорбн н нескоушенїа. нли коѣ нескоушенїе болше еже погѣкнтн комѣ себе кнѣже кннтн намѣ его рѣ повелѣ. нже бо рѣ не вѣзмѣ крѣтѣ скон н вѣ слѣ менѣ не пондѣ. нѣ мнѣ дѣннѣ. кѣкоꙗбо вѣ всемъ оуѣенн своѣмъ повелѣ кннтн вѣ нескншенїа. зѣже не кннтн молнтн занѣкѣа. многѣмн бо рѣ скор-



αὐτοῦς. ποία γὰρ ἀρετὴ γίνεται ἄνευ θλίψεως καὶ πειρασ-  
μοῦ ἢ ποῖος πειρασμὸς μείζων τοῦ ἀπολέσαι τινὰ ἑαυτὸν.  
εἰς δὲ ἐλθεῖν ἡμῶν ἔνεκεν αὐτοῦ διεκελεύσατο. ὅστις γὰρ  
φησι μὴ ἄρῃ τὸν στήθον αὐτοῦ καὶ ἀκολουθεῖ ὀπίσω μου,  
οὐκ ἔστι μου ἄξιος. πῶς οὖν ἐν πάσῃ τῇ διδασκαλίᾳ αὐ-  
τῷ. л. 33 об. προστάξας εἰσελθεῖν εἰς τοὺς πειρασμοὺς,  
ἐνταῦθα μὴ εἰσελθεῖν προσεύξασθαι ἐνετείλατο. διὰ θλί-  
ψεων γὰρ δεῖ ἡμᾶς εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν.  
ὡ τῆς λεπτότητος τῆς ὁδοῦ τῶν σῶν διδαγμάτων κ. ε. ἡς  
ἔξωθεν πάντοτε καθέστηκεν. ὁ μὴ συνετὸς καὶ μετὰ γνώ-  
σεως ἀναγνώσκων. ἡνικα ἐπεθύμησαν οἱ υἱοὶ τοῦ ζεβεδαίου  
καὶ ἡ μῆρ αὐτῶν τῆς μετ' αὐτοῦ καθέδρας εἰς τὴν βασι-  
λίαν, ταῦτα εἶπεν αὐτοῖς. δύνασθε πιεῖν τὸ ποτήριον τῶν  
πειρασμῶν ὁ ἐγὼ μέλλω πίνειν; καὶ τὸ βάπτισμα ὃ ἐγὼ  
βαπτίζομαι βαπτισθῆναι; καὶ πῶς ἐνταῦθα ἂν δέσποτα ἐπι-  
τρέπεις ἡμῖν εὐξασθαι, τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν.  
περὶ ποίων πειρασμῶν ὡ δέσποτα κεύεις ἡμῖν εὐξασθαι  
τοῦ μὴ εἰσελθεῖν. εὕξει τοῦ μὴ εἰσελθεῖν, εἰς τοὺς εἰ-  
τὴν πίστιν πειρασμοὺς. εὕξει μὴ εἰσελθεῖν εἰς τοὺς πειρα-  
σμοὺς, ἐν τῇ οἰήσει τοῦ νοός σου, μετὰ τοῦ θαίμονος τῆς  
βλασφημίας καὶ τῆς ὑπερηφανίας. εὕξει μὴ εἰσελθεῖν κατὰ  
παρὰχώρησιν εἰς πειρασμὸν φανερόν τοῦ διαβόλου. διὰ τὰς  
κακὰς ἐνθυμήσεις, ἃς ἐνεθυμήθης ἐν τῇ διανοίᾳ σου. δι-  
ἃς καὶ παρεχωρήθης. εὕξει μὴ ἀποστῆναι ἀπὸ σοῦ τὸν ἄγ-  
γελον τῆς σωφροσύνης σου. ἵνα μὴ ἐμπύρω πολέμῳ πολε-  
μηθεῖς τῆς ἁμαρτίας χωρισθεῖς ἀπ' αὐτοῦ. εὕξει μὴ εἰ-  
σελθεῖν εἰς πειρασμὸν ἐρεθισμοῦ τινὸς κατὰτινος. εὕξει μὴ  
εἰσελθεῖν εἰς л. 34. πειρασμὸν διψυχίας καὶ δισταγμοῦ.  
ἐξ ὧν ἡ ψυχὴ εἰς μέγαν ἀγῶνα ἐκβάλλεται. τοὺς μέντοι  
πειρασμοὺς τοῦ σώματος. ὁ λοψυχῶς ὑποδέξασθαι εὐτρεπί-  
ζου. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς μέλεσί σου, διάπλευσον ἐν αὐτοῖς.  
καὶ τοὺς οφθαλμοὺς σου θακρύων πλήρωσον. ἵνα μὴ ἀπο-  
στή ἀπὸ σοῦ ὁ φυλάσσων σε. ἐκτὸς γὰρ πειρασμῶν, ἡ πρό-  
νοια τοῦ θ. οὐχ ὁράται. καὶ τὴν πρὸς θ. παρρησίαν ἀδύ-  
νατον κτήσασθαι. καὶ τὴν σοφίαν τοῦ π.ν.ς, ἀμήχανον μα-  
θεῖν. καὶ τὸν θεῖον πόθον ἐν τῇ ψυχῇ βεβαιωθῆναι ἀνε-  
δεκτον. πρὸ γὰρ τῶν πειρασμῶν, ὡς ξένον τίς εὐχεται τῷ  
θ. ἐπ' ἀν δὲ εἰσελθῇ εἰς τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν ἀγάπην  
αὐτοῦ, καὶ μὴ δεῖξεται ἀδλοῖωσιν τηνικαῦτα, καθάπερ τίς  
ὑπόχρεων ἔχων τὸν θ.ν. καὶ ὡς γνήσιος φίλος λογίζεται  
παρὰ θ.ν. διότι ἔνεκεν τοῦ θελήματος αὐτοῦ ἐπολέμησε τὸν ἐχθρὸν αὐτοῦ καὶ ἐνίκησεν αὐτὸν. τοῦτο ἐστὶ τὸ εὐξασθαι  
μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ πάλιν εὕξει τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν τὸν φοβερόν τοῦ διαβόλου διὰ τὴν ἀλα-  
ζονίαν σου. ἀλλὰ διὰ τὸ ἀγαπᾶν σε τὸν θ.ν., ἵνα ἡ δύναμις τοῦ θ.ν. συνεργήσῃ σοι. καὶ ἐν σοὶ νικήσῃ τοὺς ἐχ-  
θρούς αὐτοῦ. εὕξει μὴ εἰσελθεῖν εἰς τούτους τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν κακίαν τῶν λογισμῶν σου καὶ πράξεων. ἀλλ'  
ἵνα δοκιμασθῇ σου ἡ πρὸς θ.ν. ἀγάπη. καὶ δοξασθῇ ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν τῇ ὑπομονῇ σου.

#### Чт е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

Τέλος τοῦ πρώτου βιβλίου.

Изъ Исаака Сүрина XV в. моего собрания.

л. 163. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ὁδιαλήπτου νηστείας καὶ  
τοῦ συναῖσαι ἑαυτὸν ἐν ἐνὶ τόπῳ. καὶ τι τα ἐκ τούτων γι-

быи нѡбѡастъ намъ кннѣи въ црѣво нѣнѡе. 1) ѡ  
топкостн поѣтн ткоѣ ѡуенѣи тн, его же кнѣюдѡ ксеѣа  
бываѣ. нже не рѡзѡиѣн съ рѡзѡмомъ проѡнтаа. кне-  
ѣа кѡжѣлѣннѡ снѡве зекедѣѡвн п мѣтн нхъ еже с тобою  
сѡдланнѡ въ црѣвѣи, сѣа рекѡ еси тѡмъ, можете ли  
ннѣи ѡашѡ нскѡшенѣи, юже азъ хоѡѡ ннѣи. н кре-  
ѡренѣемъ нмже азъ крѣпѡюса крѣтнѣи; н како зѣ ѡ кѡко  
пovelѡвѡеннѡ намъ, помѡнтѣи еже не кннѣи въ нскоѡ-  
шенѣе. ѡ коѣ нскоѡшенѣи повелѡвѡеннѡ намъ помѡн-  
тѣи еже не кннѣи; ѡвѡ. помолѣи рѣ не кннѣи въ кѡрѣ  
нскоѡшенѣи. л. 37. об. помолнѡ не кннѣи въ еже  
въ мнѣннѡ оѡма твоего нскѡшенѣемъ, съ вѡсѡ хѡлы н  
грѡдѡннѡ. помолѣи не кннѣи по поноѡшенѣю бѣѣю, въ  
нскѡшенѣе пѡвенно, дѣаѡле, зѡмъ рѡ кѡспомѡноѡтѣи,  
нхже вѡспомѡнѡлѡ еси въ мыслн твоен. нхже рѡдн  
н поноѡшенѡ бѣ. помолѣи не ѡстѡннѣи ѡ тебе агѡлѡ  
цѡломъ ѡрѣа твоего, да не гораѡею рѡтѣю рѡтовѡнѡ бѡ-  
деннѡ грѡха. н ѡлѡхѡнѣи ѡ него. помолѣи не кннѣи въ  
нскоѡшенѣе поѡѡренѣю кого на кого. нли въ нскоѡ-  
шенѣе двѡедѡѡнѣа н сѡмнѣнѣа. ѡ ннхже дѡѡа в ве-  
лнкѡ пѡвнѡгъ кѡзѡдѡнѣа. нскоѡшенѣа же тѡлеснѡа вѡсе-  
дѡнѣнѡ пѡѡмѡтн гѡѡвнѡ. н вѡсѡмн оѡдѡсы тѡннн про-  
пѡлѡн сѡѡѡгъ тѡхъ. н оѡн тѡн слѡзъ нспѡлнн, да не  
ѡстѡннѡ хрѡнѡн тѡ ѡ тебе. кромѡ бо нскѡшенѣи про-  
мыслѡ бѣѣи не зрѣнѡ н кѡ бѡ дрѡзѡновѣе не моѡ-  
но стѡжѡтн. н прѡмѡрѡсть дѡа немоѡно наѡыкнѡтн.  
н бѡтѡенѣи лѡвѡн въ дѡѡн твоен оѡтѡрѡднѣи, неѡрѣат-  
но, прѡѡе бо нскѡшенѣи, ѡко же кто стрѡненѡ ѡѡкъ  
мѡнтѡ бѡ. кнѣѡа же кннѡдѡ въ нскѡшенѣа лѡвѡе его  
рѡ, н не нрѣннѡ нзмѡненѣе, тоѡа ѡкоже кто долѡѡ-  
ннкѡ нмы бѡ, н ѡко нскрѡнн дрѡгъ вѡмѡнѡтѡ ѡ бѡ.  
занѡе же хотѡнѣа рѡ л. 38. его, рѡѡѡа вѡга его. н  
пѡвѡдн сѡго. сѡ ѣ еже помолнѣи не кннѣи въ нскоѡ-  
шенѣе. н пѡкы помолѣи еже не кннѣи въ нскѡшенѣе  
страшно дѣаѡле. за грѡдѡ (sic) тѡю. но за еже  
лѡвнѣи тн бѡ, да снѡа его нспѡѡннѡтѡ тѡѡ, н тобою  
пѡвѡдн вѡгы сѡѡа. помѡнѡ сѡ еже не кннѣи въ нскоѡ-  
шенѣа сѣа за злѡвѡ помыслѡ сѡѡн н дѡннѡн. но да  
нскоѡснѣи ѡже кѡ бѡѡ лѡвѡы, н пѡслѡвнѡ снѡа его  
въ трѡпнн тѡѡемъ то мѡ сѡѡѡа...

τοῦτο ἐστὶ τὸ εὐξασθαι  
μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ πάλιν εὕξει τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν τὸν φοβερόν τοῦ διαβόλου διὰ τὴν ἀλα-  
ζονίαν σου. ἀλλὰ διὰ τὸ ἀγαπᾶν σε τὸν θ.ν., ἵνα ἡ δύναμις τοῦ θ.ν. συνεργήσῃ σοι. καὶ ἐν σοὶ νικήσῃ τοὺς ἐχ-  
θρούς αὐτοῦ. εὕξει μὴ εἰσελθεῖν εἰς τούτους τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν κακίαν τῶν λογισμῶν σου καὶ πράξεων. ἀλλ'  
ἵνα δοκιμασθῇ σου ἡ πρὸς θ.ν. ἀγάπη. καὶ δοξασθῇ ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν τῇ ὑπομονῇ σου.

л. 376 об. и 377. ѡ не ѡскоѡднѡмъ поѡшенѣи.  
н ѣ сѡѡра сѡѡе. Кѡ едннѡмъ мѡстѡ. н ѡѡѡа же ѡ

1) Словъ: н въ мирѣ скорѡбнн вѡдѡте, н в снхъ трѡпнн стѡжнѡтѡ дѡѡа вѡшѡ, въ Грѡч. рукопнсы нѡтѡ.



νόμενα. καὶ ὅτι ἐν γνώσει τῆς διακρίσεως ἐδιδάχθη τὴν ἀκριβείαν τῆς χρήσεως τῶν τοιούτων.

Ἐν πολλῶ καιρῷ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιῶς καὶ ἀριστεροῖς. καὶ ἑαυτὸν δεικνύσας ἐν τοῖς δυοῖς τόποις τούτοις πολλὰ καὶ δεξιόμενος ἐκ τοῦ ἐναντίου πληγὰς ἀναριθμήτους καὶ ἀξιώθεις μεγάλων ἀντιλήψεων κρυπτῶς, ἐκοιμήσασθαι αὐτῷ πεῖραν ἐν τῷ μακρῷ χρόνῳ τῶν ἐτῶν. καὶ ἐν δοκιμασίᾳ ταῦτα ἔμαθον. Ὅτι ὁ θεμέλιος πάντων τῶν ἀγαθῶν. καὶ ἡ ἀνάκλησις τῆς ψυχῆς τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ ἐχθροῦ.

На полѣ написано: Ἀνάγνωθι ταῦτα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου.

л. 15. Ἰησοῦ μου βοήθει μοι.

#### ИЗЪ ИСААКА СУРИНА XV В. МОЕГО СОБРАНІЯ.

Λόγοι ἀσκητικοὶ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἁββᾶ ἰσαὰκ τοῦ ἀσκητοῦ καὶ ἀναχωρητοῦ γενομένου ἐπισκόπου τῆς φιλοχριστοῦ πόλεως νηνεῦ. ἐρμηνευθέντες ὑπὸ τῶν παροσίων πατέρων ἡμῶν ἁββᾶ πατρικίου. καὶ ἁββᾶ ἁβραμίου τῶν φιλοσόφων καὶ ἡσυχαστῶν. ἐν τῇ λαῦρα τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν σάβα. περὶ ἀποταγῆς καὶ μοναχικῆς πολιτείας. λόγος ᾧ. ὁ φόβος τοῦ θεοῦ ἀρχὴ τῆς ἀρετῆς. λέγεται δὲ ἐν καρδίᾳ. ἔταν ἀποχωρήσῃ ἡ διάνοια ἐκ τοῦ περισπασμοῦ τοῦ κόσμου.

снѣ ражѣма. н ꙗко к разоумѣ разоуженїа. нлоученѣ бы. нскѣстно творенїи снѣкѣ.

Въ мнозѣхъ времени нскоушаѣ въ деснѣхъ н шюнѣ. н себе нскоушенѣ въ двоѣмъ сею образоу многаѣмъ. н приемѣ ѿ сѣпротивна раны безумслены. н сподобивсѣ великии застоупленїи сѣкровно приахѣ себе нскоу въ долъзѣхъ времени лѣ. бжїею блгїю. н въ нскѣсѣхъ сна навько ѡснованїе всѣхъ блгї. н възванїа дшн ѿ плененїа вражїа.

л. 22. об. и 23. Нже во стѣхъ ѿца ншѣго нсаака. сурїаннна постннка н ѡшельннка бывшаго еїпа хрѣтолюбнбаго града нннекїа словеса постннѣска написана оубо ѿ него сконмѣхъ кзыкомѣ. сказана же ѿ прѣбнѣ ѿцѣ наниѣ аввы натрнкїа н аввы авраамїа любопремодрѣхъ безмолвннкѣхъ нже в лаврѣхъ безмолвствовавшѣхъ въ стѣхъ ѿца ншѣго саввы. естѣ же ѡбразѣхъ таковымъ словесемъхъ снмѣ ѿ ѡреуенїи нноуестѣмъхъ жнтїи гъло полезна. слово ᾧ. стрѣхъ бжїи науало ѣ добродѣтели

глетѣжеса быти роженне въры н скетсѣ въ срїи. егда ѿлоучнтсѣ мысль ѿ молъвы мнра.

л. 327. Τῷ ἔχοντι καὶ γράφοντι χριστε μου σῶσον.

Ἰωάννης ἁμαρτωλὸς παρὰ πᾶσιν ἀνθρώποις. ὡς τάχα καὶ ἱερεὺς ἔγραψε τὴν βίβλιον ταύτην. καὶ οἱ ἀναγινόσκοντες αὐτὴν μετ' εὐλαβείας εὐχεσθε ἅμοι ὡς ἀβροτόμων πάντων ὅπως ταῖς ὑμῶν εὐχαῖς λυτρωθῶ κολάσεως.

Τῷ ρωζγ. (1355 г.) ἔτους καὶ μηνὸς Ἰουνίου.

† Νήφων ἱερομονάχῃ ἐστὶ τὸ παρὸν βιβλος.

Заглавные буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: εὐρισκόμενον, ὑμῶν ἀπέχει: αὐτῶν.

Слова съ титлами и сокращения: θεοῦ. ἄνθρωπος θεοῦ. καὶ γὰρ δὲ στενωχωρίαις. ἀναπάυσεως ἔργοις διακρίσεως.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγωνίσμασι ἀπαρτάξιν. ε., πολιτεύεσθαι περὶ ἐν ἐκ ἐξ, εἰ μέγεθος ἐξελοῦμαι εὐαγγελίῳ πέλαγος ἀγρυπνοῦντες δεινῶς. ν., δύναται δυνάμεως. σ., περισσὰ θεός. τ., τρέφει πίσμετ.

На л. 185. написана лѣствица, съ сими словами: ἀγαπή, ἀπροσπάθεια ἐλπίς ὑπομονή ἐγκρατεία φόβος πίσις. Κλίμαξ.

### XIV. О произведенной отъ Бога твари неизвѣстнаго сочинителя

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 56-мъ.

Длина бумаги.	. . . . .	9 <sup>1</sup> / <sub>8</sub>	в.
Ширина.	. . . . .	6 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ корешку.	. . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub>	в.
Къ правой сторонѣ	. . . . .	1 <sup>3</sup> / <sub>8</sub>	в.
Къ верху . . . . .	. . . . .	1 <sup>1</sup> / <sub>4</sub>	в.
Къ низу . . . . .	. . . . .	1 <sup>3</sup> / <sub>8</sub>	в.

Бумага плотная лощеная съ слишкомъ частыми въ ширину полосками.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 318. листахъ.

Томъ III.



Заглавные буквы не фигурны, писаны коричневою краскою, мѣстами пунцовою. Колеръ чернилъ темно-коричневый, мѣстами сѣрый. Число строкъ на страницѣ 32. Помѣта тетрадей съ лицевой стороны внизу на углу правой стороны, и съ оборотной внизу же на углу съ правой стороны.

На верху 1-го листа написано: κτήμα μανουήλου τοῦ σπανδουνίδου καὶ τῶν χρω̃μων; ниже сего: τῶν ἱβήρων. внизу: Арсеній ρζ.

Неизвестный Авторъ для доказательства своихъ мнѣній приводитъ свидѣтельства бл. Августина и св. Дамаскина, св. Діонисія и другихъ.

#### Чтеніе и объясненіе снимка.

φ. 318. Ὁ δὲ χριστὸς λέγεται εἶναι ἐν τῷ Ἀδάμ κατὰ τὴν σωματικὴν οὐσίαν, ἀλλ' οὐ κατὰ τὸν σπερματικὸν λόγον. ἡ γὰρ ὕλη σώματος αὐτοῦ ἡ χορηγηθεῖσα ἐκ τῆς παρθένου μητρὸς, κατῆλθεν ἐκ τοῦ ἀδάμ. ἡ δὲ ποιητικὴ δύναμις οὐκ ἐκ τοῦ ἀδάμ ἦν. τὸ γὰρ τοῦ χριστοῦ σῶμα, οὐκ εἰδοπεποιήται δυνάμει. σπέρματος φυσικοῦ. ἀλλὰ τῇ τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐνεργείᾳ τοιοῦτος γὰρ εὐπρεπέτοκος. τῷ ὑπὲρ πάντα εὐλογημένῳ. εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

Ἐνεπληρώθη τῇ τρις καὶ δεκάτῃ τοῦ νοεμβρίου τῆς δωδεκάτης ἰνδικτιῶνος περὶ ὥραν τετάρτην τῆς ἡμέρας. κατὰ τὸ ἑξακισχιλιοστὸν ἑξηκοστὸν ἐβδόμον ἔτος (1359 г.) διὰ χειρὸς μανουήλ τοῦ τζουκανδούλη.

φ. 53. Μετὰ τοῦτο ζητεῖται, περὶ τοῦ τρόπου τῆς ἀγγελικῆς γνώσεως. περὶ ὃ ζητοῦνται ἐπὶ α. εἰ ὁ νοῦς τοῦ ἀγγέλου ποτὲ μὲν δυνάμεις. ποτὲ δὲ ἐνεργεία. β. ὄν.

Скорописная азбука. Слова съ титлами и сокращенія. θεῶ. τοῦ θεοῦ. ἄνθρωποι. καὶ διατρίβειν.

Слова съ знаками препинанія: ἀγγέλῳ, ἐληθῆ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγαθόν φθαρτοί. ε., ἔχουσιν ἕτερον ἐφεξῆς. λέγεται νοεῖ ἔξω, ν., ἐν. σ., ἐστὶ νόες. τ., λέγεται διέρχεται.

Бумажные знаки: два полушарія и груши.

## ХV. Фотографическій снимокъ

Литургіи св. Василия Великаго 1375. года № 67. Сев. собранія.

Сей снимокъ сдѣланъ на 36-ти клишахъ въ двѣ страницы каждый; только первый изъ нихъ въ одну страницу. На каждой страницѣ, кромѣ 1-й, по 14. строкъ. Въ немъ запись писца: θεοῦ δῶρον καὶ ἰωσαφ πόνος. ἔτους ς ρ ρ ι γ. (1375 г.) ἰνδικτιῶνος γι. μηνὶ αὐγούστῳ ζ.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

14. Ὁ ἱερεὺς ἐπέυχεται.

П ѿ. м ѿ. ѿ т а н.

Ὁ ὢν. дѣспота. Κύριε. θεε. πάτερ. παντοκράτορ. προσκυνητέ. ἄξιον ὡς ἀληθῶς καὶ δίκαιον καὶ πρέπον τῇ μεγαλοπρεпеῖα τῆς ἁγιωσύνης σου, σε αἰνεῖν. σε ὑμνεῖν. σε εὐλογεῖν. σε προσκυνεῖν. σοι εὐχαριστεῖν. σε δοξάζειν τὸν μόνον ὄντως ὄντα θεόν. καὶ σοὶ προσφέρειν ἐν καρδίᾳ συντετριμμένη. καὶ πνεύματι ταπεινώσεως, τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ἡμῶν. ὅτι σὺ εἶ ὁ χαρισάμενος ἡμῖν τὴν ἐπίγνωσιν τῆς σῆς ἀληθείας. καὶ τίς ἱκανὸς λαλῆσαι τὰς δυναστείας σου. ἀκουστάς ποιῆσαι πάσας τὰς αἰνέσεις σου. ἡ 15. ἡδιηγῆσθαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου ἐν παντὶ καιρῷ. дѣспота дѣспота τῶν ἀπάντων. Κύριε οὐρανοῦ καὶ γῆς. καὶ πάσης κτίσεως ὀρωμένης τε καὶ οὐχ ὀρωμένης.

Сынъ вѣдко гѣ бѣ ѿѣ вседержителю. покланяемын. достоинно ѣсть ꙗко вѣстннѣ и праведно. и подобно келельннѣ стѣна твоѣмъ. та хвалити та пѣти. та бѣгословити. тебе кланатисѣ. тебе бѣгодарити. та славити. соущаго во истинноу ѣднного бѣ. и тебе приносити срѣдцѣмъ скроушеномъ и дѣмъ смѣреномъ словесноу сню нашу слоужбоу. ꙗко ты ѣси давыи намъ разоумъ истинны твоѣмъ. и кто доволенъ ѣсть изъгѣти силы твоѣ. слышаны створиши всѣ хвалы твоѣ. или исповѣдати всѣ чюдеса твоѣ на всѣмъ вѣмъ. вѣдко вѣдко гѣ нѣси и земли. и всѣмъ тварн видимѣмъ же и невидимѣмъ. сѣданъ на прѣстоли славы. и виданъ

ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης καὶ ἐπιβλέπων ἀβύσσους. ἀναρχε. ὁράτε. ἀκατάληπτε. ἀπερίγραπτε. ἀναλλοίωτε. ὁ πατήρ τοῦ Κυρίου ὑμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. τοῦ μεγάλου θεοῦ. καὶ σωτήρος τῆς ἐλπίδος ἡμῶν. ὅς ἐστιν εἰκὼν τῆς σῆς ἀγαθότητος. σφραγὶς ἰσότυπος. ἐν ἑαυτῷ δεικνύς, σὲ τὸν πατέρα. λόγος ζῶν. θεὸς ἀληθινός. ἡ πρὸ αἰώνων σοφία. ζωὴ. ἁγιασμός. δύναμις. τὸ φῶς τὸ αἰληθινόν. παρ' οὗ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐξεφάνη. τὸ τῆς ἀληθείας πνεῦμα. τὸ τῆς υἱοθεσίας χάρισμα. ὁ ἀρραβὼν τῆς μελλούσης κληρονομίας. ἡ ἀπαρχὴ τῶν αἰώνιων ἀγαθῶν. ἡ ζωοποιὸς δύναμις. ἡ πηγὴ τοῦ ἁγιασμοῦ. παρ' οὗ πᾶσα κτίσις λογικὴ τέ καὶ νοερά 16. δυναμουμένη, σοὶ λατρεύει. καὶ σοὶ τὴν αἰδίον ἀναπέμπει δοξολογίαν. ὅτι τὰ σύμπαντα δοῦλα σά. σὲ γὰρ αἰνοῦσιν ἄγγελοι. ἀρχάγγελοι. θρόνοι. κυριότητες, ἀρχαί. ἐξουσίαι. δυνάμεις. καὶ τὰ πολυόμματα χερουβὶμ σοὶ παρίστανται κύκλῳ τὰ σεραφίμ. ἔξ πτέρυγες τῷ ἐνὶ. καὶ ἔξ πτέρυγες τῷ ἐνὶ. καὶ τοῖς μὲν δυοὶ κατακλύπτουσι τὰ πρόσωπα ἑαυτῶν. ταῖς δὲ δυοὶ τοὺς πόδας. καὶ ταῖς δυοὶ πετόμενα. κέκραγεν ἕτερον πρὸς ἕτερον. ἀκαταπαύστοις στόμασιν. ἀσυγήτοις δοξολογίαις.

Ἐκφώνησις. Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον. ἄδοντα. βοῶντα. κέκραγότα καὶ λέγοντα;

Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος, ἐπέυχεται.

Μετὰ τοῦτων τῶν μακαρίων δυνάμεων δέσποτα φιλόφρωνε, καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ βοῶμεν καὶ λέγομεν, ἅγιος εἰ ὡς ἀληθῶς καὶ πανάγιος. καὶ οὐκ ἔστι μέτρον τῇ μεγαλυπρεπείᾳ τῆς ἁγιωσύνης σου. καὶ 17. ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου. ὅτι ἐν δικαιοσύνῃ καὶ κρίσει ἀληθινῇ πόντα ἐπήγαγες ἡμῖν. πλάσας γὰρ τὸν ἄνθρωπον χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς. καὶ εἰκόνι τῇ σῇ ὁ θεὸς τιμήσας, τέθεικας αὐτὸν ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρυφῆς. ἀθανασίαν ζωῆς καὶ ἀπολαυσιν αἰώνιων ἀγαθῶν. ἐν τῇ τηρήσει τῶν ἐντολῶν σου ἐπαγγελάμενος αὐτῷ. ἀλλὰ παρακούσαντα σοῦ τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ τοῦ κτίσαντος αὐτόν. καὶ τῇ ἀπάτῃ τοῦ ὄφεως ὑπαχθέντα, νεκρωθέντα τέ τοῖς οἰκείοις αὐτοῦ παραπτώμασιν, ἐξώρισας αὐτόν ἐν τῇ δικαιοκρίσει σου ὁ θεός. ἐκ τοῦ παραδείσου εἰς τὸν κόσμον τοῦτον. καὶ ἀπέστρεψας εἰς τὴν γῆν ἔξ ἧς ἐλήφθη. οἰκονομῶν αὐτῷ τὴν ἐκ παλιγγενεσίας σωτηρίαν. τὴν ἐν αὐτῷ τῷ χριστῷ σου. οὐ γὰρ ἀπεστράφης τὸ πλάσμα σου εἰς τέλος, ὃ ἐποίησας ἀγαθῆ. οὐδὲ ἐπελάθου ἔργου χειρῶν σου. ἀλλ' ἐπεσκέψω πολυτρόπως διὰ σπλάγχνα ἐλέους σου. 18. Προφῆτας ἐξαπέστειλας. ἐποίησας δυνάμεις. διὰ τῶν ἁγίων σου τῶν καθ' ἑκάστην γενεάν καὶ γενεάν εὐαρεστησάντων σοι. ἐλάλησας ἡμῖν. διὰ στόματος τῶν δοῦλων σου τῶν προφητῶν προκαταγγέλλων τὴν μέλλουσαν ἔσεσθαι σωτηρίαν. νόμον ἔδωκας εἰς βοήθειαν. ἀγγέλους ἐπέστειλας φύλακας. ὅτε δὲ ἦλθε τὸ πλήρωμα τῶν καιρῶν, ἐλάλησας ἡμῖν ἐν αὐτῷ τῷ ὑἱῷ σου. δι' οὗ καὶ τοὺς αἰῶνας ἐποίησας. ὅς ὢν ἀπαύγασμα τῆς δόξης σου. καὶ χαράκτηρ τῆς ὑποστάσεως σου. φέρων τέ τὰ πάντα τῷ ρήματι τῆς δυνάμεως αὐτοῦ, οὐχ ἀρπαγμὸν ἡγήσατο. τὸ εἰ-

БЪЗДЪНЫ. БЕЗНАУЧАНЕ. НЕВНДНМЕ. НЕОДЕРЖНМЕ. НЕ-  
ИСПИСАНЕ. НЕИЗМЪННМЕ. ОУЕ ГЛА НАШЕГО ІСА ХА. ВЕЛН-  
КАГО БА Н СПСА ОУПОВАННА НАШЕГО. НЖЕ ІЕСТЬ ОБРАЗЪ  
ТВОЕИ БЛГТИ. ЗНАМЕННІЕ РАКНООБРАЗНО. ВЪ СОВѢ КЛАМ  
ТА ОЦА. СЛОВО ЖИВО. БЪ ИСТИННЫИ. ПРЪВЪУНАМ МОУ-  
ДРОСТЬ. ЖИЗНЬ. СТІИ. СНАА. СКЕТЪ ИСТОВЪ. НМЪ ЖЕ  
СТІИ ДХЪ ІВНСА. ИСТИННЫИ ДХЪ. ОУСЫНЕННІЕ. ДАРО-  
ВАННІЕ. ОБОУЧЕННІЕ. ГРАДОУЩАГО ДОСТОИНА. НАУАТОКЪ  
ВЪУННХЪ БЛГЪ. ЖИВОТВОРАЩІА СНАА. ИСТОУННЪ СТІИ.  
НМЖЕ ВСА ТВАРЬ СЛОВЕСНА ЖЕ Н МЫСЛНА ВЪСЫЛАЕМА.  
ТОБѢ СЛОУЖИТЬ. Н ТЕБѢ КОНИННОЕ КЪСПОУЩАЕТЪ СЛА-  
ВОСЛОВАЕННІЕ. ІАКО ВСА РАБОТНА ТОБѢ. ТА БО ХВАЛАТЬ  
АНГЛІИ АРХАНГЛІИ ПРЪСТОЛН ГЪСТКА. НАУАЛА ВЛАСТІИ СНАА.  
Н МНОГОУНТАМ ХЪРОУКНМЪ ТОБѢ ПРЪСТОМАТЪ ОВЪРСТЪ  
СКРАФНМЪ. ШЕСТЬ КРНЛЪ ІЕДННОМЪ. Н ШЕСТЬ КРНЛЪ ІЕДН-  
НОМОУ. ДВѢМА ЖЕ ПОКРЫВАЮТЪ ЛИЦА СВОА. ДВѢМА ЖЕ  
НОЗЪ. Н ДВѢМА ЛЕТАЩЕ ВОПННХОУ ДРОУГЪ КЪ ДРОУГОУ.  
НЕ ПРЪСТАЮЩІИ ОУСТЫ. НЕ МОЛЪУНЫИ БОСЛОВИИ . . .

Побѣдноу ю пѣ поуща възопиюща н глѣша.

попѣ. малѣвоу тан . . .

Съ снми бжтвными силами вѣко улюблюбѣе. н мы  
грешнии копиемъ н глѣмъ стѣ іеси іако ко истинноу  
н прѣтѣ. н нѣ нзмѣрениа велелѣбноу стѣа твою. н  
прѣправднѣе во всѣхъ дѣлѣхъ своихъ. іако въ правъ-  
доу н соудомъ истиннымъ все наведе на ны. создавъ  
бо улюбѣа перьсть приємъ ѿ земли. н ѿ образомъ  
твоимъ бѣ поустѣ іего. положн н въ рли пиша. бес-  
мертнѣе жизни. н наслаженнѣе вѣуныхъ твоихъ. въ  
сблудѣннѣ заповѣднн твоихъ ѿбѣщаѣвъ іемоу. нѣ ѿс-  
лоушавъша тебе истиннаго бѣа создаѣшаго н. нлѣстн  
зминнѣ послѣдоваѣша. оумерцѣвѣна же іего свои-  
ми іемоу прѣгрѣшеннн. нзгнл н правдннѣмъ твоимъ  
соудомъ бѣ. ѿ рли въ мирось. н възвратн н въ землю  
ѿ неа же взать бѣ. сматрѣа іемоу пакнбытннскою  
спѣннѣ іеже ѿ томъ хѣ твою. не ѿкратн боса соз-  
данннн своіего до коньца іеже сткорн блже. ннже забы  
дѣла роукоу своєю. но посѣтнлѣ іеси многообразнѣ.  
за малѣне малѣи твою. прѣркы посла. сткорнлѣ іеси  
снлы стѣи своимн. оугѣднѣшнми тобѣ на всахъ  
родѣ н родѣ. глѣ намъ оусты рабѣ твоихъ прѣркѣ.  
прокѣзвѣщаа намъ хотащѣе быти спѣннѣ. законѣ дастѣ  
въ помощь. англы приставн храннтелл. іегда же прн-  
детѣ коньнна времѣнемъ. глѣ намъ самѣмъ спѣмъ твоимъ.  
ннмже н вѣкн сткорн. нже сын спѣннѣ славы твою.  
н образѣ постава твоіего. носл же всауѣскаа глѣмъ  
снлы твою. нѣ вѣсхѣщеннѣ мнѣ быти равнѣ тобѣ  
бѣу н ѿцѣ. нѣ бѣ сын прѣвѣуныи. на землн івнса  
н съ улюбѣи походн. н ѿ дѣты стѣа кѣлоуѣса. съ-



ναι ἴσα σοὶ τῷ θεῷ καὶ πατρὶ. ἀλλὰ θεὸς ὢν προαιώνιος. ἐπὶ τῆς γῆς ὤφθη. καὶ τοῖς ἀνθρώποις συνανέστραφη. καὶ ἐκ παρθένου ἁγίας σαρκωθεὶς. ἐκένωσεν ἑαυτὸν. μορφὴν δούλου λαβὼν. σύμμορφος γενόμενος τῷ σώματι τῆς ταπεινώσεως ἡμῶν. ἵνα ἡμᾶς συμμόρφους ποιήσῃ τῆς εἰκόνος τῆς δόξης αὐτοῦ. 19. ἐπειδὴ γὰρ δι' ἀνθρώπου ἡ ἁμαρτία ἐισῆλθεν εἰς τὸν κόσμον. καὶ διὰ τῆς ἁμαρτίας ὁ θάνατος. εὐδόκησεν ὁ μονογενὴς σου υἱός. ὁ ὢν ἐν τοῖς κόλποις σου τοῦ θεοῦ καὶ πατρός. γενόμενος ἐκ γυναικὸς τῆς ἁγίας θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. γενόμενος ὑπὸ νόμον. κατακρίναι τὴν ἁμαρτίαν ἐν τῇ σαρκὶ αὐτοῦ. ἵνα οἱ ἐν τῷ Ἀδὰμ ἀποθνήσκοντες, ζωοποιηθῶσιν ἐν αὐτῷ τῷ Χριστῷ σθ. καὶ ἐμπολιτευσάμενος τῷ κόσμῳ τούτῳ. δούς προστάγματα σωτηρίας. ἀποστήσας ἡμᾶς τῆς πλάνης τῶν ἐιδώλων, προσήγαγε τῇ ἐπιγνώσει σου τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ καὶ πατρός. κτισάμενος ἡμᾶς ἑαυτῷ λαὸν περιούσιον. βασιλεῖον ἱεράτευμα. ἔθνος ἅγιον. καὶ καθαρῶς ἐν ὕδατι. καὶ ἁγιασας τῷ πνεύματι τῷ ἁγίῳ. ἔδωκεν ἑαυτὸν ἀντάλλαγμα τῷ θανάτῳ. ἐν ᾧ κατειχόμεθα. πεπραμένοι ὑπὸ τὴν ἁμαρτίαν. καὶ κατελθὼν διὰ τοῦ σταυροῦ εἰς τὸν ἄδον. ἵνα πληρώσῃ ἑαυτοῦ τὰ πάντα. ἔλυσε τὰς ὁδῖνας τοῦ θανάτου. καὶ ἀναστὰς 20. τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ. καὶ ὁδοποιήσας πᾶσιν σαρκὶ τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν. καθότι οὐκ ἦν δυνατόν κρατεῖσθαι ὑπὸ τῆς φθορᾶς τὸν ἀρχηγὸν τῆς ζωῆς, ἐγένετο ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων. προτότοκος ἐκ τῶν νεκρῶν. ἵνα ἡ αὐτὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσι πρωτεύων. καὶ ἀνελθὼν εἰς τοὺς οὐρανούς. ἐκάθισεν ἐν δεξιᾷ τῆς μεγαλωσύνης σου ἐν ὑψηλοῖς ὅς καὶ ἤξει ἀποδοῦναι ἐκάστῳ κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ. κατέλιπε δὲ ἡμῖν ὑπομνήματα τοῦ σωτηρίου αὐτοῦ πάθους, ταῦτα. ἃ προτεθεῖκαμεν κατὰ τὰς αὐτοῦ ἐντολὰς. μέλλων. αὐτοῦ θάνατον. τῇ νυκτὶ ἣ παρεδίδου ἑαυτὸν ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς, λαβὼν ἄρτον ἐπὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ καὶ ἀχράντων χειρῶν. καὶ ἀναδείξας σοὶ τῷ θεῷ καὶ πατρὶ. εὐχαριστήσας. εὐλογήσας. ἁγιάσας. κλάσας.

Ἐκφώνησις. Ἐδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις. εἰπὼν. λάβετε φάγετε. τοῦτό μου ἐστὶ τὸ σῶμα 21. τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλόμενον εἰς ἅφесιν ἁμαρτιῶν.

Ὁ ἱεροὺς μυστικῶς. Ὁμοίως καὶ τὸ ποτήριον ἐκ τοῦ γεννήματος τῆς ἀμπέλου λαβὼν, κεράσας εὐχαριστήσας. εὐλογήσας. ἁγιάσας.

Ἐκφώνησις. Ἐδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις. εἰπὼν, πίνετε ἐξ αὐτοῦ πάντες. τοῦτο ἐστὶ τὸ αἷμα μου τὸ τῆς καινῆς διαθήκης. τοῦ ὑπὲρ ὑμῶν καὶ πολλῶν ἐκχυνόμενον εἰς ἅφесιν ἁμαρτιῶν. Ὁ ἱερεὺς ἐπέυχεται.

Τοῦτο ποιεῖτε εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. ὅσας γὰρ ἂν ἐσθίητε τὸν ἄρτον τοῦτον. καὶ τὸ ποτήριον τοῦτο πίνετε. τὸν ἐμὸν θάνατον καταγγέλλετε. τὴν ἐμὴν ἀνάστασιν ὁμολογεῖτε. μεμνημένοι οὖν δέσποτα καὶ ἡμεῖς τῶν σωτηρίων αὐτοῦ παθημάτων. τοῦ ζωοποιῶν σταυροῦ. τῆς τριημέρου ταφῆς. τῆς ἐκ νεκρῶν ἀναστάσεως. τῆς εἰς οὐρανούς ἀνόδου. τῆς ἐκ δεξιῶν σου τοῦ θεοῦ καὶ πατρός κατέδρας. καὶ τῆς ἐνδόξου καὶ φοβερᾶς δευτέρας αὐτοῦ παρουσίας...

мѣрса ѡбразъ рабни прїемъ. соѡбразенъ бывъ телесн смѣрениа нашего. да ны соѡбразны створитъ ѡбразѡу славы своеѣ. ꙗкоже бо ѹлкомъ грѣхъ вниде въ весь миръ. грѣхомъ же смѣръ. бѣгоколи ꙗединѡудын тѡн снѣ сынъ къ мдрѣхъ тебе бѡу и ѡцѹ. ражасѡ ѡ жены стѣнъ бѣа и прїснодкѣа мѣрнѡ. быкъ подъ закономъ. ѡсоудн грѣхъ плотью своею. да нже оумнрлющен ѡ адамѣ. ѡжнкоутъ ѡ самомъ хѣ твоѣмъ. и положнкъ въ мирѣ сѣмѣ. да къ повелѣннѣ снѣснню. и ѡтоставнкъ ны ѡ лѣстн ндолѣ. прїведе ны во оувѣдѣннѣ и разоумѣннѣ тебе истнннѣаго бѣа и ѡцѣа. снѣскав ны собѣ людн нзбраны. црѣско снѣннѣ. кзтыкъ стѣ. и ѡуицѣ ны водою. и ѡснѣ дхѡмъ стѣмъ. дастъсѡ нзмѣноу смѣртн. в нѣнже держнмн бѣхомъ продлнн грѣхомъ. и снѣдѣ. крѣмъ въ адѣ да нсполннтъ собою всауѣскаѡ. раздрѣннн болѣзнн смѣртнннѣа. и въскрѣсъ въ третн днѣ. и ноутъ створи всѣн плѣтн вѡскрѣннѣ ꙗже нз мѣрткыхъ. ꙗкоже же не бѣ моцно держнмоу бытн нстѣнннѣмъ. науалннкоу жнзнн. бѣ науалннкъ оумѣрннмъ. первенецѣ нз мѣрткыхъ. да ꙗсть тѣ всауѣскаѡ ѡ всѣхъ первѣнѣствѡнѣа. и вшѣдъ на нѣса сѣде ѡ десноу величѣствнѣа къ выскыхъ. нже прїдетъ къздѣтн комоуждо по дѣломъ ꙗго. ѡставнѣа же ꙗсть намъ намятн снѣннѣа ꙗго стрѣтн снѣа. ꙗже прѣдложномъ по заповѣдемъ ꙗго. хѡта во нзнтн къ волиѣн и словоуцннн и жнвотворѣцнн ꙗго смѣртн. в ноцѣ в нюже прѣдакашесѡ. жнзнн дѣла мнроу. прїемъ хлѣбъ стѣмъ сконма и прѣутыма роукама. и показавъ тобѣ бѡу и оцѹ. вѣбѣагодарнкъ. бѣгословнкъ. ѡснѣ прѣломнѣа

γὰρ ἐξίεναι ἐπὶ τὸν ἐκούσιον καὶ αἰοδιμον. καὶ ζωοποιὸν κόσμου ζωῆς, λαβὼν ἄρτον ἐπὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ καὶ ἀχράντων χειρῶν. καὶ ἀναδείξας σοὶ τῷ θεῷ καὶ πατρὶ. εὐχαριστήσας. εὐλογήσας. ἁγιάσας. κλάσας.

Вѣда стѣмъ сконмъ оуѣеннѡмъ и аплѣмъ рекъ. прннмѣте и ѡднтѣ. се ꙗсть тѣло мое лѡмнѡе за вѣыко ѡставленнѣ грѣховъ. мѡ тѣн.

Такоже и ѹашню ѡ плода лѡзнаго прнѣмъ. раство- рнкъ. бѣагодарнкъ. бѣгословнкъ. ѡснѣ. вѣда стѣмъ сконмъ оуѣеннѡмъ и аплѣмъ рекъ. вѣзглѣ.

Пннтѣ ѡнѣа всн. се ꙗсть кровъ моя но- ваго за вѣта нзлнѡаѣма за вѣы н замногы во ѡставленнѣ грѣховъ . . . мѡ. тѣн . . .

Се творнтѣ въ мое въспомннѣннѣ. ꙗкншдѣ бо лѣе вѣсте хлѣбѡсь. и ѹашню снѣо пнѣтѣ. мою смѣръ про- повѣдаѣтѣ. мое вѡскрѣннѣ нсповѣдаѣтѣ. помннѣаще оуѣо влѣко н мы. снѣннѣа ꙗго стрѣтн. и распѣтнѣ жн- вѡтворѣщѣе и крѣтъ. трндѣвнѡе погрѣбѣннѣ. вѡскрѣннѣ ꙗже ѡ мѣрткыхъ. нѣнѡе въшѣствнѣа. ѡ десноу тебе бѣа и ѡцѣа сѣдѣннѣ. и славное и стрѣшное второѣе прншѣствнѣа . . .





22. Ἐκφώνησις. Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοι προσφέροντες κατὰ πάντα καὶ δια πάντα.

Ὁ ἱερεὺς ἐπέυχεται.

Διὰ τοῦτο δέσποτα πανάγιε . καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοι σου. οἱ καταξιοθέντες λειτουργεῖν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ. οὐ διὰ τὰς δικαιοσύνας ἡμῶν. οὐ γὰρ ἐποίησα μὲν τι ἀγαθὸν ἐπὶ τῆς γῆς. ἀλλὰ διὰ τὰ ἑλέη σου καὶ τοὺς οἰκτισμούς σου. οὓς ἐξέχεας πλουσίως ἐφ' ἡμᾶς, θαρροῦντες. προσεγγίζομεν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ. καὶ προθέντες τὰ ἀντίτυπα τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου. σοῦ θεόμεθα. καὶ σὲ παρακαλοῦμεν ὅγwie ὁγίων. εὐδοκία τῆς σῆς ἀγαθότητος ἐλθεῖν τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς. καὶ ἐπὶ τὰ προκείμενά δῶρα ταῦτα. καὶ εὐλογῆσαι αὐτά. καὶ ἁγιάσαι. καὶ ἀναδεῖξαι. καὶ ἀνιστάμενος σφραγίζει ἱ. τὰ ἅγια δῶρα. λέγων. Τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον, αὐτὸ τὸ τίμιον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος 23. ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. ὁ διάκονος ἀμήν. Ὁ ἱερεὺς. τὸ δε ποτήριον τοῦτο αὐτὸ τὸ τίμιον αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. ὁ διάκονος. ἀμήν. ὁ ἱερεὺς. τὸ ἐκχυθὲν ὑπὲρ

Ὁ ἱερεὺς ἐπέυχεται.

Ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς ἐκ τοῦ ἐνὸς ἄρτου καὶ τοῦ ποτηρίου μετέχοντας, ἐνώσαι ἀλλήλοις εἰς ἐνὸς πνεύματος ἁγίου κοινωνίαν. καὶ μηδὲνα ἡμῶν εἰς κρίμα. ἢ εἰς κατὰ κρίμα ποιῆσαι μετασχεῖν τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου. ἀλλ' ἵνα εὐρωμεν ἔλεον καὶ χάριν μετὰ πάντα τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνος σοι εὐαρεστησάντων. προπατόρων. πατέρων. πατριάρχων. προφητῶν. ἀποστόλων. κηρύκων. εὐαγγελιστῶν. μαρτύρων. ὁμολογητῶν. διδασκάλων. καὶ παντὸς πνεύματος δικαίου ἐν πίστει τετελειωμένου.

Ἐκφώνησις. Ἐξαίρετως τῆς παναχίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης δεσποίνης ἡμῶν θεοτόκου. καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. 24. Ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν κεκοιμημένων. ὁ δὲ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπέυχεται.

Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ. τῶν ἁγίων καὶ πανευφύμων ἀποστόλων. τοῦ ἁγίου δεινός. οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν. καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. ὧν ταῖς ἱκεσίαις, ἐπίσκειται ἡμᾶς ὁ θεός. καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων, ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. Ἰωσήφ μονάχον. μνήσθητι Κύριε τῶν δούλων σου. νεύλου. καὶ δωροθέου. τῶν ἀρχιερέων. μάρκου ἱερομοναχῆ. διονυσίου μοναχοῦ, ὁμητρίου καὶ τῶν τέχνων αὐτοῦ μαγδαλινῆς καὶ ἰσιδώρας τῶν μοναχῶν. καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. ἔτι σου θεόμεθα μνήσθητι Κύριε, τῆς ἀχίας σου καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς. καὶ εἰρήνευσον αὐτήν, ἣν περιποιήσω τῷ τιμίῳ αἵματι τοῦ Χριστοῦ σου. καὶ τὸν ἅγιον οἶκον. 25. τοῦτον στερέωσον. μέχρι τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος. μνήσθητι Κύριε τῶν τὰ δῶρα σοι ταῦτα προσκομισάντων. καὶ ὑπὲρ

Възглаго. Твоѣ ѿ твоихъ тебѣ приносяще ѿ всѣхъ и за . . . матка. таи . . .

Сего ради вѣдо прѣсты и мы грѣшнии. и недостойнии раби твои. сподоблени слоужити стмоу твоѣмоу жертвинкоу. не за правды наши. ниуто во бѣга створихомъ на земли. нъ за мѣти твоѣ и щедроты твоѣ. ꙗже нзавѣ бѣтно на ны. оуновлюще приближимъса. къ стмоу твоѣмоу жертвинкоу. и предложыше образы тѣла стго и крѣве хѣ твоѣго. тебѣ самнхдѣемъ. и тебе молимъ стѣ стмъ. бѣговолѣннѣмъ твоѣмъ бѣгстн. прити стмоу твоѣмоу дхгоу на ны. и на прѣдлежащѣмъ дары снѣ. и бѣгословити ѣ. и ѡстѣти. и ѣкити . . . и късклоньса знаменаетъ стѣмъ дар . . .

Хлѣбъ оубо съ то утноѣ тѣло га и бѣ сѣса нашего іс хѣ . . . днѣкон. амин. а се уашю знаменаѣ гѣтъ: Уашю же сню тоу утноюу кровь га и бѣ и сѣса нашего ісѣ хѣ . . . а се третѣе ѡбоѣ уашню и блюдо . . . Нзлыапоюу жикота ради всего мира . . . днѣк. амин. тѣс тоу κόσμου ζωῆς, ὁ διάκονος ἀμήν.

Πο. μο. ѡтан . . .

Нѣ же всѣ приуащѣющѣмъса едннѣмъ хлѣбѣ и едннѣмъ уашн. совѣкоуни дроу га къ дроугоу. къ ѡбѣщеннѣ едннѣго дхѣ стго. и ннѣдннѣго насъ въ соудъ ли во ѡсоуженнѣ сткѣри. приуащѣющѣхъса стмъ тѣлѣ и крѣви хѣ твоѣго. нъ да ѡбращемъ мѣтъ и бѣгдтъ со всѣмн стмн оугожышннѣмъ тебѣ ѡ вѣка. праѡѣн. ѡѣн. патрнархы. прѣркы. аплы. проповѣдннѣкн. бѣговѣстннѣкн. мѣнѣкы. исповѣдннѣкн оуѣнтѣли. и всѣкомъ дѣѣ пракеднѣ. въ кѣрѣ сконьуанѣ . . .

Възглаго. Нздрадно прѣтън утѣн прѣбѣгословленѣи . . . матка. ѡтан . . .

Съ стмн и славнѣмн и бесплотнѣмн снѣамн. стмъ нѡанѣмъ прѣтуею и кѣнтѣлемъ. и стмн аплы. и стмъ снѣмъ. нмѣр. ѣмоу же памѣтъ творнмъ. и всѣмн стмн твоимн. нхъже мѣткѣмн посѣти насъ бѣ . . .

И помани всѣ оусопшаѣ. ѡ оунованнѣи кесѣрннѣи жнзни въуѣтѣхъ. и поконъ изъ ндеже прнсеѣмѣтъ свѣтъ лица твоѣго. и кѣре молимътънѣса. помани гн стѣою твою скорноюу апѣскоюу ирѣкѣ соуѣною ѡ концѣ до концѣ вселенѣхъ оуѣмнри ю юже приѡбѣрѣте утноюу кровью хѣ твоѣго. и стѣи храмъ съ оутверди. до коньуннѣи вѣка. помани гн прннесѣшѣмъ дары снѣ токѣ. и за нѣ же нхъ же ради. и ѡ ннхъ же ѣ прннесѣша. помани гн плоды носѣмѣмъ и доброткѣмѣмъ къ стѣхъ твоихъ ирѣкѣхъ. и помннѣющѣмъ ннѣмѣмъ. въздаѣмъ нмъ бѣтѣмн нѣнѣмн твоимн дарѣмъ. даѣмъ нмъ къ зѣмнѣхъ мѣсто



ων. και δι ων. και εφ οϊς αυτα προσεκομισαν. μνησθητι Κύριε. των καρποφορούντων. και καλλιεργούντων εν ταϊς αγιας σου εκκλησιας. και μεμνημένων, των πενήτων. αμειψαι αυτοις. τοις πλουσιοις ση και επουρανιοις χαρισμασι. χαρισαι αυτοις αντι των επιγειων, τα ουρανια, αντι των προσκαίρων, τα αιωνια. αντι των φθαρτων, τα αφθαρτα. μνησθητι Κύριε, των εν ερημιας. και ορεισι. και σπηλαι-οις. και ταϊς οπαϊς της γης, μνησθητι Κύριε. των εν παρ-θενια. και ευλαβεια. και ασκησει. και σεμνη πολιτεια δια-γόντων. μνησθητι Κύριε, των ευσευεστατων και πιστοτά-των ημων βασιλεων. ους εδικαιωσας βασιλευειν επι της γης. οπλω αληθειας. οπλω ευδοκίας. στεφάνωσον αυτοις. επισ-κιάσον 26. επι την κεφαλην αυτων, εν ημέρα πολέμου. ενίσχυσον αυτων τον βραχίονα. υψωσον αυτων. της δεξιαν. κράτυνον αυτων την βασιλειαν. υποτάξον αυτοις παντα τα βάρβαρα εθνη τα τους πολέμους θέλοντα. χάρησαι αυτοις μαθειαν και ανεφαίρετον ειρήνην. λάλησον εις την καρδιαν αυτων. αγαθα. υπέρ της εκκλησίας σου. και παντός του λαου σου. ινα εν τη γαλήνη αυτων. ηρεμον και ησυχιον βιον διάγωμεν. εν παση ευσεβεία και σεμνότητι. μνησθητι Κύριε, πάσης αρχής και εξουσίας. και των εν τω παλα-τίω αδελφων ημων. και παντός του στρατοπέδου. τους αγα-θους. εν τη αγαθότητι διατήρησον. τους πονηρους, αγα-θους ποιήσον εν τη χριστότητι σου. μνησθητι Κύριε του περιεστωτος λαου. και των δι ευλόγους αιτίας απολειφθέν-των. και έλεησον αυτοις και ημας. κατα το πληθος τη έλεους σου. τα ταμεία 27. αυτοις εμπλησον παντός αγα-θου. τας συζυγίας αυτων. εν ειρήνη και όμονοία διατήρη-σον. τα νήπια εκθρεψον. την νεότητα παιδαγωγήσον. το γήρας περικράτησον. τους ολιγοψυχους παραμύθησαι. τους εσχορπισμένους. επισυνάγαγε. τους πεπλανημένους. επανά-γαγε. και συναψον τη αγία σου καθολικη και αποστολικη εκκλησία. τους οχλουμένους υπό πνευματων ακαθάρτων ελευθέρωσον. τοις πλέουσι σύμπλευσον. τοις όδοιποροῦσι. συνόδευσον γηρων πρόστηθι. όρθιων. υπεράσπεσον. αιχ-μαλώτους ρύσαι. νοσοῦντας. ίασαι. των εν βήμασι. και με-τάλλοις και εξορίασι. και πικραις δουλείαις. και πάση θλί-φει και ανάγκη. και περιστάσει όντων, μνημίνευσον. ό θεός και πάντων των δεομένων της μεγάλης σου ευσπλαγχνίας. και των αγαπώντων ημας. και των μισούντων. και των 28. εντειλαμένων ημιν τοις αναξις ευχεσθαι υπέρ αυτων. και παντός του λαου σου. και επι πάντας εκχεον το πλου-σιον σου έλεος. πασι παρέχων τα προς σωτηρίαν αιτήματα. και ων ημεϊς ουκ εμνημονεύσαμεν δι άγνοιαν. η λήθην. η πληθος ονομάτων. αυτός μνημόνευσον ό θεός. ό ειδώς έκαστου εκ κοιτίας μητρος αυτοῦ. συ γάρ ει Κύριε. ήβοή-θεια των άβοηθήτων. ή έλπις των απηλπισμένων ό των χειμαζομένων. σωτήρ. ό των πλεόντων λιμήν. ό των νοσοῦντων ιατρός. αυτός τοις πασι τα πάντα γενοῦ. ό ειδώς έκαστον. και το αϊτημα αυτοῦ. οϊκον. και την χρείαν αυτοῦ. ρύσαι Κύριε. της πόλιν ταύτην. και πασαν πόλιν. και χώραν, από λιμοῦ. λοιμοῦ. σεισμοῦ. καταποντισμοῦ. πυρός. μαχαίρας επιδρομής άλλοφύλων. και εμφυλίου πολέμου.

нѣнаѣ. и въ вѣмѣньныхъ мѣсто вѣунаѣ. и ко нстѣнь-ныхъ мѣсто нѣнстѣньнаѣ. помани г҃и соѹиѣмъ къ поѹ-стынахъ. и въ горахъ. и въ неѹсрахъ. и въ раснадан-ныхъ зѣмныхъ. помани г҃и соѹиѣмъ къ дѣствѣ и къ го-вѣнни и къ пощенин. и къ утѣ житни прѣбывающнхъ. помани г҃и бл҃говернаго князя нашего. имар. ѣго же оуправдалъ ѣсн цр҃тковати на земан. ороужниѣмъ нстн-ньнымъ. ороужниѣмъ бл҃говолимъ вѣнуан ѣго. ѡсѣни надъ глакою ѣго къ днѣ врани. и оукрѣпи мѣшѣцею ѣго и къзнеси десницю ѣго. оутверди вл҃хѣство ѣго. покори под онѣ всѣ нномзѹиѹныѣ страны. хотѣ-иѣмъ ратемъ. дажь ѣмоу пространтин и не ѡтемлемын миръ. г҃ли въ ср҃дци ѣго бл҃гаѣ ѡ цр҃кви твоѣи. и ѡ всѣхъ людехъ твоихъ. да въ тишнѣи ѣго тнхо и безѣ-молъбно житнѣе пожнемъ. всѣцѣмъ бл҃говерниѣмъ и утѣтою. помани г҃и всѣ наѹаѣ и кластн. и соѹиѣю братью нашу въ полатѣ. и всѣ воѣ бл҃гыѣ въ бл҃гстн твоѣи съблѹдн. злыѣ добры створи бл҃гстни твоѣю. помани г҃и прѣстоѹиѣмъ людн и ѡставшаѣ потрѣбныхъ вниѣ дѣлѣ. и помноуѣи ѣ. и насъ множьствомъ млтн твоѣи. кластн ихъ наполни всакого бл҃га. подроужни-ныхъ к мирѣ и въ вѣднѣнни съблѹдн. младѣньца ихъ въспитан. оуѹность накажи. старость подѣдержн. мало-днѣньныѣ оутѣши. расѣмныѣ съберн. влоудѣиѣмъ при-ведн и сокъкоуѣи съ стѹю и аплѣскою цр҃квѣю твоѣю. поуднмыѣ дх҃ты неутѣиѣи свободн. с плавающнми пла-ван. со въ поутѣ ходащнми шесткоуѣи. вдовнцѣмъ по-моуѣннѣмъ боудн. снрѣмъ застоуѣннѣмъ. плѣнныѣ нзбавн. болаѣмъ нцѣли. и соѹиѣмъ на соудниѣи. и въ роудяхъ. и въ потоуѣннихъ. и въ лютахъ работахъ. и во всакон скорби и бѣдѣ и поужн соѹиѣнхъ. помниѣи бѣ и всѣ трѣбоуѣиѣмъ велнаго твоего мар҃днѣ. и любѣиѣмъ нѣи и ненавнѣиѣмъ. и заповѣдавѣиѣмъ намъ недостоннѣмъ. молнитѣся за на и за всѣ людн твоѣи. помани г҃и бѣ нашѣ. и на всѣ ны нзлѣи бл҃тоуѣю твою мѣтъ. всѣмъ подаѣмъ прошеннѣи ѣже ко сп҃сѣнию. нхѣе мы не поманоуѣомъ неѣвѣдннѣмъ ли забытѣю. ли множьствомъ нменѣ. ты ѣ помани бѣе. свѣдѣи ко-гождо възрастѣ и нареѹиѣиѣ свѣдѣи когождо и цр҃ѣвѣ мѣтре своѣиѣ. ты бо ѣсн г҃и помоуѣ не нмоуѣннѣмъ помоуѣи. надежа нннмоуѣннѣмъ надежѣ волнѣиѣмъ сп҃сѣ. плавающнмъ пристаннѣиѣ. болаѣннѣмъ цѣлнтель. самъ боудн все. свѣдѣи когождо и прошеннѣи ѣго. домъ и потрѣбоу ѣго. нзбавн г҃и градѣсь. и всѣ гра-ды и страны. ѡ глада гоуѣнѣлѣства. троуѣса. потопа. ѡгна. меуѣ. принѣстѣннѣи нноплемѣнннѣмъ. и ѡ соѹ-бнныѣмъ рати . . .

Чтєніє и об̑ясненіє снѣмкѣ.

36. Ἑὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ συστειλῆναι τὰ ἅγια.

Κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν. ὁ ἀγαθὸν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ἡμᾶς ποιήσας τῶν φρικτῶν σε μυστηρίων, σύναψον ἡμᾶς τῇ λογικῇ σου ποιίμνῃ. καὶ κληρόνομους ἀνάδειξον τῆς βασιλείας σου. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνων ἀμήν.

Θεῦ δ᾿ᾱρον καὶ Ἰωασάφ πόνοσ. ἔτους 4600. (1375 г.) г҃. ἰνδικτιῶνος. μηνὶ αὐτούστῳ 3.

Слова съ знаками препинанія: μυστηρίων, ἡμῶν. ἀμήν.

Слова съ титлами и сокращенія: Θεὸς θεοῦ σωτῆρος. Ἰησοῦ χριστοῦ. ὑμῶν. ἐκφώνησις ἀντιλαβοῦ εὐχῆ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., δίδαξον θ̑ξίως. ε., ἐπιτελεῖν μετὰ. ν, νῦν εὐτήν. σ., σῶσον. δέσποτα. τ., μέτοχοι. πάντας.

# XVI. Сборникъ статей поменическаго содержанія противъ Латинъ.

Находится въ Московской Синодальной Библиотекѣ подъ № 366-мъ.

Длина бумаги . . . . .	5 <sup>3</sup> / <sub>4</sub> в.
Ширина. . . . .	4 "
Къ корешку. . . . .	<sup>1</sup> / <sub>2</sub> "
Къ правой сторонѣ . . . . .	<sup>7</sup> / <sub>8</sub> "
Къ верху . . . . .	<sup>3</sup> / <sub>4</sub> "
Къ низу. . . . .	<sup>7</sup> / <sub>8</sub> "

Бумага сѣрая лощеная, бумажнаго знака не видать.

Писано скорописью на 241-мъ листѣ по нарѣзамъ. Заставки писаны коричневою краскою. Заглавныя буквы фигурны, писаны тою же краскою, а мѣстами блѣдною розовою какъ и оглавленія. Колеръ чернилъ темный. Начальныя листы промочены, и чернила слиняли. Помѣта тетрадей позднѣе писана внизу. Число строкъ на сраницѣ не опредѣленно и 38. и 40 и 41. и 37.

Сборникъ сей замѣчателенъ въ 1-й разъ изданными въ Лейпцигѣ Архимандритомъ Андроникомъ Димитракопуло сочиненіями Николая еп̑па меонскаго и другихъ Греческихъ писателей.

л. 1—9. Νικολάω μεθωνος, λόγος πρῶτος κατὰ λατίνους περὶ τῆς ἐκπορεύσεως τοῦ ἁγίου πν̑ς. Начало: Τὸ περὶ τοῦ ἁγίου πν̑ς λέγειν.

л. 9 — 19 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος δεύτερος πρὸς λατίνους περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Τὸν μὲν πρῶτον τὸν λόγον ἐποιήσαμην, ὃ λατῖνε φιλε πρὸς σε...

л. 20 — 25 об. Τοῦ μ̑ροπολίτου νικαιας κυρ εὐστράτιου λόγος πρὸς λατίνους, τοὺς λέγοντας ὅτι, ἐκ τοῦ πρ̑ς καὶ ἐκ τοῦ υἱοῦ τὸ πν̑α τὸ ἅγιον ἐκπορεύεται, κατασκευάζων ὅτι ἐκ τοῦ πρ̑ς διὰ τοῦ υἱοῦ μόνου οὐχὶ δὲ καὶ ἐκ τοῦ υἱοῦ τὸ πν̑α τὸ ἅγιον ἐκπορεύεται. Начало: Οὐ πρὸς ἔριν ὁ λόγος. ἀλλ' εἰς ἀληθείας ἐξετάξιν.

л. 25 об. — 28. Τοῦ αὐτοῦ λόγος β'. περὶ τοῦ ἁγίου πн̑ς. Начало: Ἀλλ' ἔρις ἦδε, οὐκ ἀγαθὴ βροτοῖσι καθεστῆκε...

л. 28 — 34 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος πρὸς λατίνους περὶ τῶν προσφερομένων ἀζύμων, ἅτε παρὰ τοὺς θείους κανόνας ταῦτα ποιοῦσι. Начало: Περὶ μὲν δὴ τοῦ παναγίου πн̑ς ὡς οὐ χρ̑η λέγειν.

л. 34 об. — 40 об. Τοῦ αὐτοῦ λογ. β'. Начало: Ἐδεῖ μὲν ἀνηρημένου καθόλου τοῦ γράμματος.

л. 40 об. — 44. Θεοδώρου κουροπαλάτου τοῦ σμυρναίου λόγος περὶ τῶν ἀζύμων καὶ περὶ τῶν λεγομένης παρὰ ρωμαίοις τοῦ πн̑ς ἐκ τοῦ υἱοῦ ἐκπορεύσεως.

л. 44 — 48. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἐκπορεύσεως τοῦ παναγίου πн̑ς.

л. 48 — 50. Τοῦ ἀρχιεπισκόπου μεδιολάνιον διάλεξις περὶ τοῦ ἁγίου πн̑ς. ὅτι ἐν τοῦ υἱοῦ ἐκπορεύεται μεθ' ἣν ἡ ἀντίρρσις. Начало: Ἀκουσον καὶ νόησον ἃ ἐγὼ πρὸς σε φθέγγομαι τοῦ θ̑υ ἐπιπνέοντος.



л. 50 — 52. Τοῦ μοναχοῦ κυρ Ιωάννου, καὶ πρώτου τοῦ γάνη τοῦ φουρνῆ. ἀντιρρητικὴ πρὸς ταῦτα ἀπολογία. **Начало:** Γράψας ἅπερ ἐβούλου. καὶ διατρανώσας ὡς οἶει...

л. 52 — 58. Τοῦ εὐστρατίου νικαίας λόγος περὶ τοῦ παναγίου πν̄ς μετὰ τοῦτον δὲ καὶ παρ' αὐτοῦ ἀντίρρησις κατὰ τῶν προλεχθέντων τῶν μεδιολάνων περὶ τῆς ἐκ τοῦ υἱοῦ ἐκπερεύσεως τοῦ ἁγίου πν̄ς. **Начало:** Τοῖς φιλολόγοις βασιλεῦσι, τοὺς λόγους.

л. 58 об. — 65. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ἀντιρρητικὸς πρὸς τὰ προφερόμενα παρὰ τοῦ μεδιολάνων περὶ τῆς ἐκ τοῦ πρ̄ς καὶ ἐκ τοῦ πν̄ς καὶ τοῦ υἱοῦ ἐκπορεύσεως. **Начало:** Πάλιν λατῖνος ἡμῖν. καὶ πάλιν ζητήσεις περὶ τοῦ πν̄ς.

л. 65 — 68. Τοῦ αὐτοῦ ἐκθεσις τῆς γεγονυίας διαλέξεως πρὸς Γροσολάχον ἀρχιεπίσκοπον μεδιολάνων περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς ἐκπορεύσεως πρὸ τῶν ἀντιρρητικῶν ῥηθείσα. **Начало:** Πρῶτον μὲν ἡμῖν δύο γράμματα ἐκπεπόνηται πρὸς ἅπερ λατῖνοι φασί.

л. 68 — 71. Ιωάννου τοῦ τιμωτάτου μρ̄οπολίτου κλαυδιουπόλεως περὶ τῶν ἀζύμων. **Начало:** Επειδὴ σοι μαθεῖν ἔρω τιμώτατε π̄ερ.

л. 71 об. — 73. Θεοφυλάκτου βηλγαρίας. πρὸς λαλιὰ τινὶ τῶν αὐτοῦ ὁμιλιτῶν περὶ ὧν ἐγκαλοῦνται λατῖνοι. **Начало:** Ἐισῆλθε τὸ ἀξίωμα σου ἐνώπιον μн.

л. 73 — 76. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν ἀζύμων. **Начало:** Ἐπεὶ δὲ καὶ περὶ τῆς προσφορᾶς τῶν ἀζύμων.

л. 76 — 79. Πέτρου θῦ πόλεως καὶ πάσης ἀνατολῆς πατριάρχου. λόγος. καθ' ὃν καιρὸν εἰσῆλθε ὁ ἰταλὸς ἀργυρὸς ἐλέγξων τὰ ἡμετέρα. **Начало:** Ὅσα ἐπονηρεύσατο ὁ ἐχθρὸς ἐν τῷ ἁγίῳ σου.

л. 79 — 81 об. Ἐπιστολὴ τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν ἀρχιεπίσκοπον βραδένστης. **Начало:** Πολλῆς ἡμῖν εὐφροσύνης καὶ μεγάλης πν̄ικῆς καὶ μεγάλης πν̄ικῆς ἀγαλλιάσεως.

л. 81 об. — 86 об. Ιωάννου τοῦ ἁγιωτάτου π̄ριάρχου ἀντιοχείας λόγος περὶ τῶν ἀζύμων πρὸς τὸν ἀδριανουπόλεως. **Начало:** Ἀναμνήσθητι τῆς πρεσβείας ἐκείνης.

л. 86 об. — 90. Νικήτα μοναχοῦ μονῆς. τοῦ στουδίου καὶ πρεσβυτέρου τοῦ στηθάτου Ρωμαίσις περὶ τῶν ἀζύμων. τῆς νηστείας τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. καὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερέων. **Начало:** Καλὸν ἢ πρὸς τὸν πλησίον ἀγάπη ὦ πάντων ἐθνῶν σοφώτατοι.

л. 90 — 91. Λέοντος ἀρχιεπισκόπου βολλγαρίας ἐπιστολὴ πεμφθεῖσα πρὸς τὸν ἐπίσκοπον Ρώμης περὶ τῶν ἀζύμων καὶ τῶν σαββάτων. **Начало:** Ἡ τοῦ θῦ μεγάλη ἀγάπη.

л. 91 — 92 об. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ δευτέρα περὶ τῶν ἀζύμων. **Начало:** Ἐτέθεικε τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν.

л. 92 об. — 95 об. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ τρίτη. **Начало:** Ἀδελφοί. μὴ παιδίᾳ γίνεσθε ταῖς φρεσίν.

л. 95 об. — 100. Λέοντος μρ̄οπολίτου ρωσίας πρὸς Ρωμαίους ἦτοι λατίνους. περὶ τῶν ἀζύμων. **Начало:** Ἄνδρες Ῥωμαῖοι ἀκούσατε.

л. 100. . Τὰ παρὰ τῶν φράγγων παρὰ τὴν ὀρθόδοξον πίστιν παρὰ τὴν ἐκκλησιαστικὴν συνήθειαν δοξαζόμενα καὶ τελούμενα δι' ἃ καὶ ἔχομεν πρὸς αὐτοὺς ἀκοινωνήτως, εἰσὶ τοιαῦτα. (17).

л. 100 — 102. Ιωάννου μρ̄οπολίτου ρωσίας, ἐπιστολὴ πρὸς κλήμεντα παπας τῆς πρεσβυτερας ρωμης. **Нач.** Ἀπεδεξάμην τὴν ἐν κῶ ἀγάπην σου.

л. 102. — 103 об. Μουζάλωνος νικολάου πρὸς τὸν βασιλέα ἀλέξιον τὸν κομνηνον ἐπὶ τῆς τοῦ ἁγίου πν̄ς ἐκπορεύσεως. **Начало:** Δέσποτα μου ἅγιε κράτιστε θεόστεπτε βασιλεῦ.

л. 104 — Ἐυθυμίου μοναχοῦ τοῦ ζαγαβινῆ κεφάλαια ιβ̄. εἰς τὸ ἐκ μόνου πρ̄ς ἐκπορεύεται τὸ πν̄α, τὸ ἅγιον. **Начало:** Ἐι ἀπλοῦν μὲν. τὸ πν̄α.

л. 104 об. Τοῦ μακαριωτάτου μοναχῆ Κυρίλλου ὑποτύπωσις βραχεῖα διαλέξεως πρὸς λατῖνον περὶ ἀζύμων. **Начало:** Οὕτω σχηματίζεις τὸν λόγον.

л. 104 — 105 об. Φωτίου π̄ριάρχου κατὰ λατίνων περὶ τοῦ ἁγίου π̄ς. **Начало:** Τίς ὅλως ἀνάσχοιτο.

л. 105 об. — 106 об. Μεθοδίου π̄ριάρχου Κωνσταντινουπόλεως περὶ τῶν ἀζύμων. **Начало:** Τὰ ἄζυμα, οὐκ ἄρτος ὡς ἄντις εἴποι τέλειος καὶ ὁλόκληρος.

л. 106 об. — 110. Νικήτα παφλαγόνοιο τοῦ φιλοσόφου. τοῦ καὶ δαδ ὅτι, τῇ γ' τῆς σελήνης πρὸ μιᾶς τοῦ νομικοῦ πάσχα, τὸ μυστικὸν τοῦ κῦ γέγονεν δεῖπνον, καὶ οὐ τὸν ἄμνὸν τότε μετὰ τῶν μαθητῶν ἔφαγεν ὁ χς̄. **Начало:** Ἐζητήται περὶ τοῦ δείπνου τοῦ δεσποτικοῦ πολλαῖς.

л. 110 — 116. Ἐυστρατίου μρ̄οπολίτου νικαίας, διάλογος ἐκτεθείς, ὅτε ἡ ἀμφισβήτησις περὶ τῶν ἁγίων εἰκόνων ἐγένετο, πῶς δεῖ προσκυνεῖσθαι καὶ τιμᾶσθαι αὐτάς, σχετικῶς ἢ λατρευτικῶς. τοῦ τῆς ἐν βιθυνίᾳ χαλκῆ-



δονος μῦθοις, καὶ τῶν συνισταμένων αὐτῷ πρὸς τὸν λοιπὸν ἅπαν πλήρωμα τῆς ἐκκλησίας ἀντιπιπτόντων, καὶ λατρευτικὴν ἀπόνεμειν φιλονεικοῦντων τὴν προσκύνησιν ταῖς γεγραμμέναις εἰκόσι τοῦ σῶς χυ, ἣν μόνη τῇ θεότητι ἡ ἐκκλησία ἔλεγεν ἐποφείλεσθαι, τῇ δὲ ἀγία εἰκόνι, τὸ σχετικὸν καὶ ἀναφορικὸν τῆς προσκυνήσεως ἐφαρμόττειν καὶ τῆς τιμῆς. **Начало:** Ποῦ δὲ καὶ πόθεν ὦ φιλοσύνητες.

л. 116 об. — 118 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ τρόπου τῶν σεβασμίων εἰκόνων τιμῆς τε καὶ προσκυνήσεως συλλογιστικὴ ἀπόδειξις. **Начало:** Ἡ λατρεία μόνη ἀρμόττει καθ' αὐτὸ τῇ θεότητι.

л. 118 — 128 об. Τοῦ αὐτοῦ ἔλεγχος καὶ ἀνατροπὴ τῶν λεγόντων μίαν φύσιν ἐπὶ τοῦ χυ ἡμῶν ἐκ λογικῶν καὶ φυσικῶν καὶ θεολογικῶν επιχειρήσεων. ἐξ ὧν δείκνυται ἀναγκαίως, ἐκ δύο φύσεων εἶναι τὸν σῶα χυ μετὰ τὴν ἄρρητον αὐτοῦ κατὰ σάρκα. οἰκονομίαν. ἀφύρτως καὶ ἀσυγχύτως καὶ ἀτρέπτως ἀλλήλαις ἡνωμένων ἐν μιᾷ καὶ τῇ αὐτῇ ὑποστάσει. ἐξεδήθη δὲ μετὰ τὴν διάλεξιν παρὰ τοῦ βασιλέως κυρ ἀλεξίου τοῦ κομνηνοῦ πρὸς ἀρμένιον τὸν τιγράνην. **Начало:** Γυμνασίας ἔνεκεν τῆς εἰς ἀλήθειαν τὸ προκείμενον.

л. 128 об. — 137. Νικολάου ἐπισκόπου μεθώνης, πρὸς τὸν μέγιστον βασιλέα. τὸν ἄριστον ἀριστεά, τὸν κράτιστον αὐτοκράτορα, τὸν κομνηνὸν κυρ μανουήλ τὸν πορφυρογέννητον. μετὰ τὴν ἐν Κωνσταντινουπόλει συγκροτηθεῖσαν κελεύσει αὐτοῦ νέαν σύνοδον κατὰ τῆς ὀρτιφανοῦς αἰρέσεως τῶν λεγόντων τὴν σωτήριον ὑπὲρ ἡμῶν θυσίαν μὴ τῇ τρισυποστάτῳ θεότητι προσαχθῆναι. ἀλλὰ τῷ πρὶ μόνῳ, καὶ διαιρούντων μὲν οὕτω τὴν μίαν θεότητα μεμφομένων δὲ ὡς αἰρετικούς, καὶ νεστοριανούς ἀποκαλούντων τοὺς λέγοντας τὸν χυ καὶ ἑαυτῷ ταύτην τὴν θυσίαν προσενεγκεῖν. καὶ μετὰ τὰ ἐπὶ ταύτῃ τῇ συνόδῳ βασιλικά κατὰ τὴν ἀνατολὴν τρόπαια. ἐπινίκιος. ἐν ᾧ καὶ ἀντίρρησις συνοπτικωτέρα πρὸς τὰ γραφέντα τῷ τῆς αἰρέσεως ἐξάρχῳ. **Начало:** Μεθὼνῃ πόλις ἀλλ' ἀποκόπτει μοι τὸ συμπλήρωμα.

л. 137 — 142. Νικολάου φιλοσόφου τοῦ μεθώνης πρὸς τὸν μέγαν δομεστικόν. ἐρωτήσαντα περὶ τοῦ ἀγίου πνς, πῶς λέγεται οὐσιωδῶς ἐπιδημῆσαι καὶ ἐνοικῆσαι τοῖς ἀποστόλοις, καὶ εἰ οὕτως ἦν καὶ ἐν ταῖς χυ, πῶς οὐχὶ καὶ αὐτὸν χριστοὶ λέγονται, ἢ εἰ μὴ οὕτως, τίς ἡ διαφορά. **Начало:** Τὰς ἀφορμὰς τῶν παρόντων περὶ τοῦ παναγίου πνς λόγων...

л. 142 об. — 146 об. Τοῦ αὐτοῦ φιλοσόφου πρὸς τὸν ἐρωτήσαντα, εἰ ἔστιν ὅρος ζωῆς καὶ θανάτου. καὶ πῶς τοῦτου δοθέντος οὐκ ἂν εἴη κακῶν αἴτιος ὁ θς. **Начало:** Ἐγὼ σε πολλὰ πολλάκις θαυμάσας...

л. 146 об. — 152 об. Περὶ τοῦ αὐτοῦ λόγος δεύτερος ἐκ τῶν γραφικῶν μαρτυριῶν τὰ αὐτὰ συνάγων. καὶ τὸν τῆς ἀοριστίας πρεσβευτὴν ἐλέγχων μὴ καλῶς τινὰς αὐτῶν ἐκλαμβάνοντα. καὶ τὰς ἐντεῦθεν φυομένας ἀπορίας λύων. **Начало:** Λεῦρο δὲ οὖν ὅσπερ εἰς δευτέραν νύσσαν τὸν αὐτὸν ἀνύοντες.

л. 153 — 154 об. Περὶ τοῦ αὐτοῦ λόγος τρίτος. τὴν ἀτοπίαν ἐλέγχων τῆς κατὰ τὴν ἀοριστὴν ὑποθέσεως διὰ τῆς εἰς ἀδύνατον ἀπαγωγῆς. **Начало:** Ἀτὰρ ἐπὶ τρίτον τοῦτον ἄεθλον καταβαίνοντες.

л. 155 — 163. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἐπὶ τῇ καταστάσει τοῦ πρὶαρχοῦ ἀντιλογίας. καὶ περὶ ἱεραρχίας. **Нач.** Ἐιδὼν ἀνεμίαν καὶ ἀντιλογίαν ἐν τῇ πολει.

л. 163 — 171. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς σκανδαλιζομένους, ἐπὶ τοῖς ἀποστολικοῖς ῥητοῖς. ὅταν δὲ ὑποταγῇ αὐτῷ τὰ πάντα, τότε καὶ αὐτὸς ὁ υἱὸς ὑποταγῆσεται, τῷ ὑποτάξαντι αὐτῷ τὰ πάντα. καὶ τῷ ἵνα ἡ ὁ θς τὰ πάντα ἐν πᾶσι. καὶ διὰ μὲν τοῦ ὑποταγῆσθαι λέγειν πρὶ τὸν υἱὸν οἰομένους ὑποδεέστερον φύσει ποιεῖν αὐτὸν υἱὸν τοῦ πρς κατὰ τὴν αἵρεσιν ἀρειοῦ. διὰ δὲ τοῦ ἔσεσθαι τὸν θυ τὰ πάντα ἐν πᾶσι τὴν ωριγένους διγματοῖς ἀποκατάστασιν. καὶ πρὸς εὗρεσιν τοῦ ἀποστολικοῦ σκοπῆ, πρὸς δὲ ταῦτα φησὶν, ἀνάπτυξις τῶν προειρημένων αὐτῷ περὶ τῆς κοινῆς πάντων νεκρῶν ἀναστάσεως. **Начало:** Ἐρευνᾶν ἀλλ' οὐπερ ἐργάζεσθαι τὰς γραφάς.

171 — 177. Τοῦ αὐτοῦ. τὰ λείποντα περὶ τῆς θείας ἱεουργίας. καὶ τοῦ πῶς ὁ χς λέγεται προσφέρων καὶ προσφερόμενος, καὶ προσδέχων καὶ προσδεχόμενος.

л. 177 — 189. Ἀντίρρησις πρὸς τὰ γραφέντα περὶ τῆς αὐτῆς ὑποθέσεως παρὰ σωτηρίου τοῦ προβληθέντος πρὶαρχοῦ ἀντιοχείας. **Начало:** Βουλοίμην ἂν ἐγὼ μηδέποτε...

л. 189 об. — 190 об. Περὶ τοῦ παναγίου πνς ἐκ μόνου τοῦ πρς ἐκπορευσεως (ἀνδρονίκη δρουγγαρίη τῆς Βίγλης. συλλεγεν. κυρ. μανηλ κομνην.) προγραμματεία. **Начало:** Λέων ἐρέυζεται. καὶ τίς ἡ φοβηθήσεται.

190 — 221. об. Διάλεξις τοῦ σοφοῦ μεγάλου βασιλέως καὶ τῶν τῆς πρεσβυτέρας ῥώμης σοφοτάτου καθιδινάλων περὶ τῆς τοῦ παναγίου πνς ἐκ μόνου τοῦ πρς ἐκπορεύσεως. **Начало:** Ἀποδιδόναι τὰ καίσαρος καίσαρι.

л. 221 — 225 об. Προσώπου ὀρθοδόξου καὶ μακεδονιανοῦ συντεθείτης δαλέξεως. **Начало:** Μακεδονιανός. ἔχεις μοι δεῖξαι πῶς γέγραπται θς. τί με περιάγεις πολλά.

л. 225 об. — 242. Τοῦ αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ α λόγου τοῦ βιβλίου οὗ ἡ ἐπιγραφὴ ἐλλήνων πικτημάτων θεραπευτικῆ. **Начало:** Ἀλλὰ μὴ θορυβεῖσθε...



## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 36 об. Νικήτα μοναχοῦ μονῆς. τοῦ στουδίου καὶ πρεσβυτέρου τοῦ στηφάνου. Ρωμαίοις. περὶ τῶν ἁζύμων. τῆς νηστείας τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. καὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερέων.

Τῶν ἁζύμων οἱ εἶμι μετέχοντες, ὑπο τὴν σκίαν τοῦ νόμου εἶμι. . . . οὐχὶ δὲ λογικὴν καὶ ζῶσαν θῦ, καὶ ἡμῖν πεπιστευκόσιν αἰσ, ἐπιούσιον τε καὶ ὁμοούσιον, καθὼς ἄνωθεν ἐξαίτεσθαι τὸν ἐπιούσιον ἐδιδάχθημεν ἄρτον. τί γὰρ ἐστὶν ὁ ἐπιούσιος, εἰμὶ ὅτι ὁμοούσιος. ἕτερος δὲ οὐδεὶς ἐστὶν ἡμῖν ὁμοούσιος ἄρτος, ἀλλ' τὸ σῶμα τῆς χυ, ὡς ὁμοουσίου γεγονότος ἡμῖν κατὰ σαρκὰ τῆς ἀνότητος. εἶδε ἔμφυχος ἐστὶν ἡ οὐσία τοῦ ἡμετέρου φυράματος, ἦν ὁ λόγος ἡμίσχετο, ἄρα οὐ τὸν ἡμῖν ἐπιούσιον ἄρτον ἐσθίετε ἁζύμων μετέχοντες. τὰ γὰρ ἄζυμα, δηλονότι καὶ ἄψυχα. ὡς αὕτη τῶν πραγμάτων ἡ φύσις ἐκδηλότερον ἐκειδᾶσκει. προκαταβληθεῖσα γὰρ ἡ μικρὰ ζύμη ἐν τῷ φυράματι τοῦ ἀλευρου, καὶ συμφυραθεῖσα αὐτῷ, καὶ μία τὸ ὅλον ζύμη ἀποτελεσθεῖσα, δυνάμει τινὶ ζωτικῇ ἐκθερμαίνει αὐτήν, καὶ κινητικὴν οἷα δὴ ζῶσαν ἐργάζεται. ὅπερ ἐν ἁζύμῳ τῶν φαρισαίων. ἦν .. καὶ φεύγειν ἡμῖν ὁ λόγος ἐπισκήπτει, οὔτε ἐγένετο ποτὲ, οὔτε μὴν καθόλου γενήσεται. θείας γεγόναμεν κοινωνοὶ φύσεως, ἧς καὶ μετέχομεν οἱ κοινωνίαν ἐσχηκότες μετὰ χυ. καθάφησι καὶ πέτρος ὁ κορυφαῖος. χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη πληθύνθει ἐν ἐπιγνώσει τοῦ θυ Ιυ τοῦ χυ ἡμῶν. καὶ μετ' ὀλίγα, ἵνα διὰ τούτων γενήσθητε κοινωνοὶ φύσεως οὐχὶ δὲ ζύμης ἁζύμου τῶν θεοκτόνων. θείαν δὲ φύσιν, τίς ἂν καὶ εἴποι ποτὲ κύριος ὢν λογισμοῦ, ἄζυμον καὶ νεκρὰν ζύμην τῶν ἰουδαίων, ἦν εἰς θυσίαν ὑμεῖς τῷ θῷ ἀναθέρετε, καὶ ἦν ὡς ἀντίτυπον τῆς ζώσης σαρκὸς τοῦ χυ ἐσθίετε. πῶς δὲ καὶ κοινωνίαν ἔχετε μετὰ χυ... τὴν νεκρὰν ὡς εἴρηται καὶ ἄζυμον ἐσθίοντες, τῆς τοῦ νόμου σκίας, καὶ οὐ τῆς καινῆς διαθήκης. ἐὰν γὰρ καὶ τοῦτο εἶπητε, ἀλλ' οὐχ οὕτως ἔχει. φησὶ γὰρ ὁ ἡγαπημέμος τοῦ χυ. μαθητῆς. ἐὰν εἴπωμεν ὅτι κοινωνίαν ἔχομεν μετ' αὐτοῦ, καὶ ἐν τῷ σκότει περιπατοῦμεν, ψευδόμεθα καὶ οὐ ποιῶμεν τὴν ἀλήθειαν. ἐὰν δὲ ἐν τῷ φωτὶ περιπατῶμεν ὡς αὐτός ἐστιν ἐν τῷ φωτὶ, κοινωνίαν ἔχομεν μετ' ἀλλήλων. καὶ τὸ αἶμα Ιυ χυ τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ, καθαρίζει ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας. ὁ οὖν τὰ ἄζυμα ἐσθίων, ἐν τῷ σκότει τοῦ νόμου περιπατεῖ. καὶ πῶς κοινωνίαν ἔξει μετὰ χυ. . . л. 87. σκοπεῖτε δὲ ὅτι ἐν μὲν τοῖς ἁζύμοις, οὐδεμία τίς ἐστὶ ζωτικὴ δύναμις. νεκρὰ γὰρ εἰσὶν. ἐν δὲ τῷ ἄρτῳ ἡγουν τῷ σώματι τοῦ χυ τρία τὰ ζῶντα καὶ ζῶν παρέχοντα τοῖς αὐτῶν ἀξίως ἐσθίουσι. τὸ πᾶν τὸ ὕδωρ. καὶ τὸ αἶμα. ὡς καὶ αὐτὸς ὁ ἐπιστήθιος τοῦ χυ ἰωάννης συμμартуреῖ μοι τῷ λόγῳ. τρεῖς εἰσὶ μαγυροῦντες λέγων. τὸ πᾶν καὶ τὸ ὕδωρ καὶ τὸ αἶμα, καὶ τρεῖς εἰς τὸ ἓν εἰσὶ. δηλονότι τὸ σῶμα τοῦ χυ. ὃ καὶ κατὰ τὸν καιρὸν τῆς τοῦ χυ στρώσεως, δῆλον γέγονεν ὁπηγика τὸ ὕδωρ καὶ τὸ

Изъ Сборника XVI в. Сын. Библ. № 561.

л. 52. Инокты монаха презкнтера стѣнскѣа. по реклаѣ же стифата. к латинномъ о ω прѣсноцѣхъ.

л. 52. об. Аще ѡбω опрѣснокѣ ω римляне прихлцатѣ. н ещѣ нѣ снѣю закона есте. не бѣѣа словесныа н живыа н нѣ вѣровавнѣи ѡко насѣщныа н еднносѣщныа. ако на сѣщныа хлѣ просити свыше назѣнстѣ. что бѣ ѣ насѣщнын. аще ѣ не нѣ еднносѣщнѣ. нмже нн едн нѣ нѣ еднносѣщнѣ хлѣ. но тѣло хѣо, ѡко едѣносѣщнѣ нѣ бѣ по плѣскомѣ ѣ вѣуѣенѣю аще съдѣшкно ѣ сѣщнество ншѣ смѣшенѣа; в нѣ слово ѡ нѣ обѣуѣ не насѣщнын ѡбω, нн еднносѣщны л. 53. нѣ хлѣ пастѣ. опрѣснокѣ прихлцалющѣ. опрѣсноцн бѣ мѣвѣ бѣдѣнн сѣ. ѡко н н самѣ вѣщнѣ ество мѣвѣ склзжѣ. прѣ бѣ вложѣ бѣ мѣ квасѣ вѣшенѣе мѣвѣ. н смѣсн вса с нею н все едѣно тѣсто створѣ снлою нѣкоѣю живѣною стѣрѣвѣ ѣ. н повнзатн ѣ живѣ стѣвѣ раѣ егѣ не в кнслѣ тѣстѣ фарнѣнстѣ нн бѣ когѣ нн ѡ нѣ не бѣдѣ. егѣ же вѣгатн нѣ слово повѣлѣвѣ. бѣтѣнаго ества вѣхѣ обѣщннн. егѣ н прихлцалѣмѣ. ѡбѣщнѣ нмѣщн съ хмѣ ѡко петрѣ верховнѣн рѣ. блгѣ вѣ н мнрѣ да ѡмножѣсѣ. в разѣмѣ бѣ іс хѣ гѣ ншѣ. н по малѣ. да сн рѣ бѣдете обѣщннн бѣтѣнаго ества. не тѣстѣ прѣсна бѣгѣнственѣ. бѣіе же ество кто аще рѣуѣ. гѣ сын помыслѣ прѣсно. н мѣтво тѣсто іудѣнское. еже вы вѣ жертвѣ бѣн приноснѣ. н еже ѡко рѣкноѡбѣразно живѣн плотн гѣн пастѣ. ѡко н ѡбѣщнѣ нмѣтѣ съ хмѣ. мѣтво ѡко рѣуѣнно бѣ, н прѣсно тѣсто мѣвѣщѣ. законныа сннн, а не новаго зѣвѣта. л. 53 об. аще бѣ н се рѣтѣ, не нстѣнствѣтѣ. рѣ бѣ бѣгѣсло іѡѣ. аще рѣуѣ ѡко ѡбѣщнѣ нмѣмы с нн н вѣ тмѣ ходн. лжѣ а не творн нстнны. аще вѣ свѣтѣ ходн ѡко тон ѣ вѣ свѣтѣ. ѡбѣщнѣ нмѣмы дрѣ кѣ дрѣгѣ. н кровѣ іс хѣл оуѣнстн нѣ ѡ всѣко хрѣхл. н ѡбω опрѣснокы ѣ. вѣ тмѣ закона ходн. н како ѡбѣщнѣ хоцѣтѣ нмѣтн съ хмѣ. смотрнѣтѣ. кѣ вѣ опрѣсноцѣ ѡбω. нн едннѣ кѣ ѣ живѣтнѣа снлѣ. мѣтѣн бѣ сѣ. во хлѣбѣ рекнѣ в тѣлѣ хѣвѣ трн живѣ. н живѣ дѣрѣжнѣа дѣннѣ мѣвѣщнѣ мѣ. дѣхѣ вода н кровѣ. ѡко н тон хѣвѣ наперстнѣ іѡѣ, свѣтѣльствѣ мн словесн. трѣ сѣ свѣтѣльствѣющѣ рѣ. дѣхѣ вода н кровѣ. н трѣ вѣ едннѣ сѣ. мѣвѣлѣа тѣло хѣо. ѣ н вѣ вѣрѣмѣ гѣлѣ распѣлѣ мѣвѣ бѣ. егѣа вода н кровѣ ѡ прѣтѣаго рѣбрѣ егѣ. нстѣуѣ, н копѣе пробѣдѣнѣ вѣвшн плотн ѣ. (зрн) живѣн н стѣн дѣхѣ прѣвѣн







καθὼς γέγραπται. οὐ καλὸν τὸ καύχουμα. . . . .  
. . . οὐκ οἶδατε φησὶν ὅτι μικρὰ ζύμη ὅλον τὸ φύραμα  
ζυμοῖ, καὶ ἄρτος τηνικαῦτα οὐκ ἄζυμα γίνεται, ἀλλὰ τί  
τοῦτο λέγων ὁ ἀπόστολος γράφει πρὸς κορινθίους. μὴ ὥσ-  
περ ὑμεῖς ὑπολαμβάνετε περὶ τοῦ ἑορτάζειν αὐτοὺς ἐν ἄζυ-  
μοις; οὐδαμοῦ. ἀλλ' ἐπειδὴ ἐκεῖνοι, τοῦτο μὲν περιεβλέ-  
ποντο τὸν τὴν μητρίαν λαβόντα, τοῦτο δὲ, καὶ ἐν τοῖς πα-  
λαιοῖς ἐθίμοις τῆς ψευδοσύμου γνώσεως αὐτῶν ἐνεκαυχῶντο,  
I. 87 об. θέλων αὐτοὺς ὁ παῦλος ἐντρέψαι καὶ τῆς παλαιᾶς  
ἀποκινήσαι κακίας, οἷον διὰ τῆς εἰκόνης ταύτης τῆς ζύμης  
καὶ τοῦ φύραματος, ἔδειξεν αὐτοῖς ὅτι τὸ ἐν κακόνως μικρὸν  
καταφρονούμενον, μεγάλην τὴν βλάβην εἰς τὸ κοινὸν τῆς ἐκ-  
κλησίας πιεῖται. διὸ καὶ ἐπιφέρων φησί. καὶ οὐκ ἐπενθήσατε.  
ἵνα ἐξάρθῃ ἐκ μέσου ὑμῶν ὁ τὸ ἔργον τοῦτο ποιήσας... ἐκ-  
καθάρατε οὖν φησὶ τὴν παλαιὰν ζύμην τῆς ἁμαρτίας. ἐξά-  
ρατε ταύτην ἐκ μέσου ὑμῶν. ἵνα ᾗτε νέον τῷ ᾧ φύραμα,  
καθὼς ἐστὲ βαπτισθέντες ἄζυμοι. ἡγουν καταροῖ. . . .  
καὶ οὕτως ἐστὶν ὃ σοφώτατοι τὰ τῆς διανοίας τῆ ἀποστόλου  
τοῦ ρητοῦ. καὶ οὐχ ὥσπερ ὑμεῖς αὐτὸ. ἐκλαμβάνετε. . .  
εἰ γὰρ περὶ τῶν ἄζυμων καὶ τῆς αὐτῶν ἑορτῆς κορινθίοις  
ὁ παῦλος ἐπέστελλε, καὶ ἐν ἄζυμοις ἑορτάζειν αὐτοὺς προε-  
τρεπετο, οὐκ ἂν δογματίζων μετὰ τῶν ἑνδεκα καὶ πᾶσαν  
κανονίζων τὴν τῶν πιστῶν ἐκκλησίαν ἐν τῷ ἐβδομικοστῷ  
κανόνι, μετ' ἐπιτιμίου παρηγγυᾶτο πᾶσι καὶ ἐξησφαλίζετο,  
τὰ τοιαῦτα παρ' ἰουδαίων μὴ δεχεσθαι. Κανὼν α'. τῶν ἁγίων  
ἀποστόλων. "Εἰ τις ψάσκων ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ  
ὅλως τοῦ καταλόγου τῶν κληρικῶν, νηστεύει μετὰ ἰουδαίων  
ἢ ἑορτάζει μετ' αὐτῶν, ἢ δέχεται παρ' αὐτῶν τὰ τῆς ἑορτῆς  
αὐτῶν ξένια. οἷον ἄζυμα ἢ τοιοῦτοντι, καθαιρείσθω. εἶδε  
λινικός ἀφορίζεσθω: εἰ δὲ λέγετε μὴ δεχεσθαι ταῦτα παρὰ  
ἰουδαίων, ἀλλὰ ποιεῖν οἴκοθεν, τί τοῦτο εἴτε παρ' ἐκείνων  
δεχόμενοι εἴτε οἴκοθεν, ἄζυμα ἐσθίετε, κατὰ τοῦτο μᾶλ-  
λον βαρυτέραν ἔχετε τιμωρίαν. ὅτι ἀφέντες ποιεῖν ἃ προ-  
σετάγητε παρὰ χυ καὶ τῶν ἀποστόλων αὐτοῦ, ποιεῖτε ὡς  
ὑπὸ νόμον δουλεύοντες ἃ ποιοῦσιν ἰουδαῖοι ἐν τῇ σκιά καὶ  
καὶ τῷ σκότει τοῦ νόμου καθήμενοι. ἀποθοῦντες οὕτω λέ-  
γοντι παύλω, ἀφελφοὶ ἕκαστος ἐν ἡ ἐκλήθῃ τάξει ἐν ταύτῃ  
καὶ μενέτω. οὐ γὰρ εὐρήσετε καὶ ὅλως ἐν τῇ θείᾳ γραφῇ  
ὅτι ἄζυμον εἶρηται παρὰ τοῦ χυ ἢ τῶν ἀποστόλων αὐτοῦ,  
ὁπνῆκα ἐμυσταγωγοῦντο. παρ' ἐκείνου τὸ τῆς καινῆς δια-  
θήκης μυστήριον. ὁ μὲν γὰρ παῦλος κορινθίοις γράφων φησί.  
ἐγὼ παρέλαβον ἀπὸ τοῦ κυ ὃ καὶ παρέδωκα ὑμῖν. ὅτι  
κς Ις ἐν τῇ νυκτὶ ἡ παρεδίδото, ἔλαβεν ἄρτον φησὶ  
καὶ οὐκ ἄζυμον. καὶ εὐχαριστήσας ἔκλασε καὶ εἶπε  
λάβετε φάγετε. τοῦτο μὲν ἐστὶ τὸ σῶμα τὸ ὑπὲρ ὑμῶν  
κλωμένον. τοῦτο ποιεῖτε εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. καὶ οὐχ  
ἄπαξ. . . . . καὶ οὐχ οὗτος τοῦτο λέ-  
γει μόνος. ἀλλὰ καὶ οἱ λοιποὶ τῶν εὐαγγελιστῶν. καὶ ὁ  
μὲν ματθαῖος φησὶν, ἐσθιόντων δὲ αὐτῶν, λαβὼν τὸν ἄρ-  
τον ὁ Ις. ὁρᾷ; ἄρτον καὶ οὗτος φησὶ. . . . .  
. . . . . ὁμοίως δὲ τὰ αὐτὰ καὶ ὁ μαρκος φησὶ,  
καὶ οἱ λοιποὶ. καὶ οὐδαμοῦ ἄζυμον παρ' αὐτῶν μνημονεύε-

ветхын кѣ грѣховнын. и нзмете ѿ среды кашеа. да  
вѣдѣте нокое хѣо вѣмненіе. ꙗкѡ крѣнса прѣсне рекше  
ѹнстн. и се ѿ преймѣн разоу аплѣ сего рѣнїа. а  
не ꙗкѡ вы сїе мннѣ. аще бо о ѿпрѣсноцѣ н о праж-  
ннцѣ н, к корїнфїѡ аплѣ пакѣ посыланіе н съ ѿпрѣ-  
снокы пражнокатн н л. 55. об. повелѣ не збо зѹа  
съ едннѣнадесате аплѡ. и вса нспраклаа цркѣ вѣрнѣ.  
в сѣмьдесатнѡ правїлѣ съ заирѣценїе закѣцїа н вѣве-  
рдн кѣ таковыѣ ѿ ноден не прїнматн: стѣ аплѣ  
пакнло, ѡ. рѣ бо аще которын епѣ нли през-  
внтерѣ : лн дїакѡ нли вса сїеннїскаго ѹнна постнса  
съ ноден. нли пражнжѣ с нннн. нли прїемлѣ ѿ нн  
пражннка н ѹестѣ. рекше опрѣснокы нли нно ѹто та-  
ково. да нзвержѣта. мнрскыѣ ѹлѣ да ѡлѹнса. аще  
глѣте ꙗ не прїемлѣ сн ѿ ноден. но в домѣ сннн  
творн ѹто ѿ се. аще бо ѿ онѣ вземлешн. аще в домѣ  
творннн. опрѣсноцн овѣ сѣ. и сѣ рѣ пѣ тѣѹаннзю  
прїнмете мѣкж. ꙗ оставлше творнтн ꙗ хс повелѣ н  
аплн ѿ. творнтѣ ꙗкѡ по законною работою сѣше. ꙗ  
творѣ ноден вѣ тмѣ н сѣнн закона сѣдѣшен. непо-  
карлюцѣ тѣ глѣш паклѣ. вѣе коѹо в немже звѣ ѿ.  
в тѡ да пребываѣ нбо не обрѣтаѣтсѣ ѿ нѣвѣ вѣтнѣ  
пнсанїн. ꙗ опрѣсноцн рѣнѣ вышѣ ѿ хѣ н ѿ аплѣ ѿ.  
ега зѹахсѣ ѿ не новѣ закѣта тннствѣ. пакѣ бо к ко-  
рїнфїѡ пнша рѣ. ꙗ прїа л. 56. ѿ га ѿ н прѣдѣ вѣ.  
ꙗ тѣ іс в ноцѣ в ннѡ прѣдашѣ. прїѣ хлѣ рѣа не опрѣ-  
сноѡ. н вѣгодарн прѣломлѣ н рѣ, прїнмѣте н пднтѣ.  
н не тон сѣ едн глѣ, но н проѹн еѹѣлнстн мѣѣн збо  
рѣ пдѣшнмже н прїѣ хлѣ іс. зрншн лн, ꙗ хлѣ н сѣн  
рѣ: такоже же сїе н марко рѣ н проѹн. н ннѣѣ  
опрѣсноѡ ѿ нн не номннѣтсѣ. понѣ нострѣтн пѡвѣше  
хѣ в тон днѣ законныѣ пасхы. конже н агнець ѿ нн-  
ден жрѣшѣ хотѣшѣ пасхѣ вѣтн ѿ бѣгѣнцѣ в дѣ пѣ.  
ꙗкѡ рѣ іѡѣ, понѣ пѣ вѣ. вѣ бо велн днѣ том сѣтѣ.  
конже тога н ѹетвертын наѣсатын днѣ лѣнѣ первѣ  
мїѣ прилѣшн. к лѣ. ѿ. ф. лѣ. крѣга бо снѣшнѣ лѣто  
бѣше ѡсмо наѣсатѡе. лѣннѣгѡ лѣ. ѿ. да не прѣдѣ вѣ.  
не доспѣѣ своѣа пасхы зѹнѣ прѣдатн. на вѣрн вѣзлѣ.  
в вѣрѣ ꙗкѣ ѹѣ. ꙗдѣ збо тога. но свою пасхѣ прѣ  
пражннка опрѣсноѡ. н еѣ ꙗкѣ ѿ еѣ, понѣже вѣзлѣже.  
не вѣ бо се зѣаконѣно. снма стоѣшѣ н обѣкенѡ, съ  
тїанїѣ закѡ повелѣ пстн пасхѣ. ѡложнвже збо в по-  
слѣнѣа вѣременѣ пасхѣ законнѣю. нсполннѣ его пропо-  
вѣданїа прѣдѣ же свою на вѣрн. тѣмже н по вѣрн,  
прїѣ. хлѣбѣ л. 56 об. н прѣломлѣ прѣдѣ аплѡ тнн-  
ство новѣ закѣта в нѡ ѹѣка. третн бо наѣсатын днѣ  
бѣше лѣнѣ в ѹѣ. а не вѣхж опрѣсноцн. понѣ н еѣ  
хлѣ пдѣхѣ. в ѹетвертын наѣсате агнець токмо жрѣтн.  
тѣ н вѣ ѹетвертын наѣсате збо днѣ первѣ мїѣ лѣнѣ  
пасхоѹ прорнцѣ закѡ. пѣтын наѣсате лѣнѣ, первын  
днѣ опрѣсноѡ н сѣботж нменнѡ. н не вѣше опрѣсноѡ.  
в ѹѣ, трѣемнаѣсате днѣю лѣнѣ сѣшѣ. аще хс по-



ται. ἐπειδὴ δὲ παθεῖν ἔδει τὸν χυ̅ν̅ κατὰ τὴν ἡμέραν αὐ-  
τὴν τοῦ νομικοῦ πάσχα. καθ' ἣν καὶ ὁ ἄμνός παρὰ τῶν  
ιουδαίων ἐθύετο, ἔμελλε δὲ γίνεσθαι τὸ πάσχα παρὰ τῶν  
θεοκτόνων, παρασκευῇ ἡμέρα ἐν ἣ τὴν καυτὰ καὶ ἡ ἰᾶ.  
τῆς σελήνης κατὰ τὸν πρῶτον μῆνα ϕεβῳᾶ. ἐμπεσεῖν ἔτυχε.  
κύκλος γὰρ ἦν ὁ ἰῆ. τοῦ ἡλίου καὶ ἔ τῆς σελήνης, ἵνα  
μὴ παραδοθῇς οὐ φράση τὸ οἰκεῖον πάσχα τοῖς μαθηταῖς  
παραδοῦναι, ἀναπεσὼν ἐν τῷ δεῖπνῳ κατὰ τὴν ὀψίαν τῆς  
ἑ. μετὰ τὸ δειπνῆσαι λαβὼν ἄρτον καὶ κλάσας παρέδωκε  
τοῖς ἀποστόλοις τὸ μυστήριον τῆς καινῆς διαθήκης. л. 88.  
ἐν τῇ νυκτὶ τῆς πέμπτης. . . . . τρεῖς καὶ δεκαταῖα γὰρ  
ἦν ἡ σελήνη τῇ ἑ. ἐκείνη. καὶ οὐκ ἦν ἄζυμα. διὰ τὸ μήπω  
γενέσθαι τὴν ἄρσεν τοῦ ἄρτου. τὰ γὰρ ἄζυμα. . . . .  
τῇ δὲ ἰᾶ. τὸν ἄμνον καὶ μόνον θύεσθαι. Διὸ καὶ τὴν μὲν  
ἰᾶ. τοῦ πρώτου μηνὸς τῆς σελήνης, πάσχα προσαγορεύει. ὁ  
νόμος τὴν δὲ. ἰῆ. πρώτην τῶν ἁζύμων. ἦν καὶ σάββατον  
ὠνόμασε... καὶ οὐκ ἦν ἄζυμα κατὰ τὴν ἑ. ἐκείνην, τρεῖς  
καὶ δεκαταῖας οὔσης τῆς σελήνης. . . . .  
ἐι δὲ χς̅ ἐτύθη καὶ ἐστῶθη τῇ ἰᾶ. τῆς σελήνης κατὰ τὴν  
ἡμέραν τῆς παρασκευῆς. τὸ δὲ σάββατον ἦν τῶν ἁζύμων  
ἡ ἑορτὴ, πότε τὰ ἄζυμα ἔφαγε. καὶ πότε ταῦτα τοῖς ἀπο-  
στόλοις ἐν τῇ καινῇ διαθήκῃ παρέδωκεν. . . . .  
μὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι αὐτὸν ἐκ νεκρῶν; οὐχ ὁρᾶτε ὅτι  
προδήλως ἀπὸ τῶν πραγμάτων ἐλέγχεσθε ὅτι δε οὐκ ἦν  
τότε τὰ ἄζυμα, ὅτε τὰ μυστήρια τῆς καινῆς διαθήκης  
παρεδίδου τοῖς ἀποστόλοις ὁ χς̅, ἀποδείξω ὑμῖν καὶ ἀπὸ  
μωσαϊκῆς νομοθεσίας. φησὶ γὰρ, αὗται ἑορταὶ τοῦ κυ̅. καὶ  
αὗται αἱ ἅγιοι. ἃς καλέσετε δεκτὰς. ἐν τῷ πρώτῳ μηνὶ  
ἐν τῇ ἰᾶ. ἡμέρα τοῦ μηνὸς, ἀνὰ μεσον τῶν ἐσπερινῶν,  
πάσχα τῷ κυ̅. καὶ ἐν τῇ ἰῆ. ἡμέρα τοῦ μηνὸς τούτου,  
ἑορτὴ. τῶν ἁζύμων τῷ κυ̅. ἐβδόμη ἡμέρα ἄζυμα ἔδεσθε.  
ἰδοὺ καὶ ἀπὸ τῆς νομοθεσίας μωσέως ἐμάθετε, ὅτι οὐκ ἦν  
τότε ἄζυμα. . . . . κατὰ τὴν ἐσπέραν τῆς ἑ. . . . .  
. . . . . ποῦ ἐυρέθησαν τότε τὰ ἄζυμα, ὅτε μετὰ  
τῶν αὐτοῦ μαθητῶν τὸ δεῖπνον ἔφαγεν ὁ χς̅. . . . .  
. . . . . ὥς οὐκ ἔφθασε γενέσθαι ἡ ἄρσις τοῦ  
ἄρτος κατὰ τὴν νομοθεσίαν μωσέως. . . . .  
. . . . . ἐπτὰ καὶ μόνας  
ἡμέρας ταῦτα ποιεῖν παρέδωκαν ὑμῖν, ἀλλ' ἐν ὅλῳ τῷ ἐνι-  
αὐτῷ τὴν νομοθεσίαν μωσέως πατήσαντες καίτοι τοῦ κυ̅  
καταλῦσαι. τὸν νόμον ἐλθόντος, ἀλλὰ πληρῶσαι. ἀλλ' εἰς  
μάτην ἀντιπίπτετε ἀδελφοὶ τῇ ἀληθείᾳ. ἐι γὰρ ἦν παραδε-  
δομένον ὑμῖν παρὰ τῶν ἀποστόλων τὸ ἐσθίειν τὰ ἄζυμα,  
ἐνέστη ἂν γενναίως ὁ ἱερός πάπας ὑμῶν ἀγάθων, πρόεδ-  
ρος ὢν τῆς ἱερᾶς ἐκτῆς συνόδου ἐπὶ κωνσταντίνῃ βασιλείῳ,  
καὶ ὁ θεῖος γρηγόριος ὁ ἀκραγαντίνων ἐπίσκοπος. ὁ πηνίκα ταύ-  
της τῆς ἀγίας συνόδου οἱ θεῖοι πρῆς. κατὰ τῶν ἁζύμων  
νόμον ἐξέθεντο, τοῦ μὴ παρὰ τινος τῶν πιστῶν ταῦτα γί-  
νεσθαι. . . . κανόνα αὐτῶν οὕτως ἔχοντα.

Κ α ν ω ν τ ῆς ζ̅. συνόδου.

Μηδεὶς τῶν ἐν ἱερατικῷ κατελεγεμένων τάγματι. ἡ λαι-  
κός, τὰ παρὰ τῶν ιουδαίων ἄζυμα ἐσθιέτω ἢ τούτους προ-

жрѣса и распаса в четвертын лхны къ дѣ пѣ. в св-  
ботѣ бѣ пражнѣ опрѣсноѣ. когда опрѣсноки ѡдоша.  
и когѣ сїе аплѣ в новѣ завѣтъ предѣ ѣ хс̅ егѣ по въ-  
скр̄ніи ѣ ѣ нз мртвѣ. не видите ли ꙗко ꙗвѣ ѡ вѣщѣи  
облнѣемн есте. ни пасхы бѣ законныа не достиже хс̅  
в то врѣмѣ ꙗстн. и ꙗко не быша тогѣ ѡпрѣсноци,  
егда танны новѣ завѣта предѣ гѣ. покажѣ ꙗ ѡ мо-  
нсеова законноположенїа. рѣ бѣ сѣ се пражнннн гнн.  
и се сѣ сг̄н. и нарнѣ сїа къ врѣмена и. в первыи  
мѣѣ в четвертонадесатыи дѣ мѣѣ. посрѣ вѣрн пасхи  
гнн. и в ѡтонадесатыи днѣ тогда мѣѣ пражнѣ опрѣ-  
сноѣ гнн. сѣмѣ дннн опрѣсноки л. 57. да ꙗсте. и се  
ѡ монсеова законоложѣа. звѣдѣсте ꙗ не въхѣ тогѣ  
опрѣсноци в дѣ четвертка. гдѣ обрѣтошѣ тогда опрѣ-  
сноци, егда сѣ зѣнѣкы своимн вѣрѣ ꙗде хс̅. ꙗ не  
достиге быти ѡмѣ хлѣба по законѣ монсеовѣ. сѣмѣ бо  
токмо днн м ѡ всг̄н предѣ сїе творити къ всѣмѣ лѣтѣ.  
вы же законоположенїе монсеова поправше, прз (sic)  
все лѣто ѡпрѣсноки творите. хс̅ же не разорнѣ закона  
прннѣмѣ, но съвершннн. тѣмѣже ксн брѣе протнвнѣ  
нстнннѣ. Аще бѣ бы предано было ꙗ ѡ аплѣ опрѣ-  
сноки ꙗстн; стѣ бы протнкѣ храборскыи сг̄енныи вѣшѣ  
папа агафонѣ. первопрестолинѣ сын сг̄еннѣ и шестѣ  
собора прн константннѣ цр̄н. и блжннн грггорїе акра-  
ганскыи еп̄пѣ. егда тон. сг̄го събора вжткннн ѡцн, на  
опрѣсноки закѣ нзложїша. ѣ ннкомѣ ѡ вѣрнѣи снѣ-  
вѣ не творити нмѣ же закѣ снѣ. шестаго и сг̄го съ-  
бора. правнѣ ꙗ. нже къ трѣлѣ полатнѣ. Да ннкто ѡ  
прнѣтнннѣ въ сг̄еннннскыи санѣ, или мнрскыи ѣлѣ.  
л. 57. и ѡ ꙗуден опрѣсноки ꙗстн дрѣзнѣтъ. нн дѣ  
прнскомѣсѣ к нн и в недѣлѣ сын, да не прнзѣмѣ вра-  
ѣванїа ѡ нн трѣбѣ. нн в банн ѡ нѣ да немѣсѣ  
с ннмн. Аще кто се творити наѣнѣ. прнѣтннн збо  
да нзвержетсѣ. мнрскыи ѣлѣ да ѡлѣнѣсѣ. нѣ ѡ опрѣ-  
сноки кто творѣ и ꙗды. аще и ѡ ꙗуден не прѣемлѣ  
и. но поборннн нмѣ к тѣмѣ. ꙗуденскѣ мрѣствѣа бе-  
законенѣ ѣ. и ѡ опрѣсноцѣ збо доволно ꙗ сказахѣ  
ꙗкѣ моцно. пѣбѣ же и ѡ постѣ свѣотнѣ рѣцн: ѡ  
аплѣмѣ занокѣднн о постѣ свѣотнѣм. Рцѣте ꙗ ѡкѣдѣ  
постнѣ в сѣтѣ. в ѣтыредесѣ днн велнкѣ поста прї-  
али есте. ѡ аплѣ ли да не вѣдѣ. аплѣ бѣ верховннн  
в ꙗтѣ кннѣгѣ занокѣднн. к нн же о мѣнѣ прнннн-  
но ѣ. в декатонадесатон главнннн снѣ глѣ. срдѣ и  
ꙗтѣ повелѣ ꙗ гѣ постнѣ. срдѣ збо предѣ рѣ. ꙗ-  
тѣже сг̄ртн рѣ. тѣ велнкѣю сѣтѣ постнѣи предѣ. не ꙗ  
пѣбѣ к сѣтѣ. постнѣи. нонѣ зпокоенїа ѣ днѣ (sic).  
ѡ дѣ тварнн. но ꙗ токмо едннѣ постнѣи нѣдѣлет. съ-  
дѣтелекн и снѣ нѣ землѣю сжнѣ. л. 58. на коннѣ  
кннѣгѣ пѣ рѣ. ꙗсѣкѣ бѣ сѣтѣу разѣ едннѣ; и ꙗсѣкѣ  
нѣлю творѣнѣ съборы ꙗселнѣ. и по малѣ глѣ ꙗ-  
селннн бо сѣ пѣбѣ к нн а не сѣтѣкнн. тѣ же, в  
сѣмѣнн гннн. тѣ же занокѣднн, къ ꙗ. главѣ снѣ рѣ



ποικλιούσθω. ἡ ἐν νόσοις προσκαλείσθω καὶ ἰατρείας παρ' αὐτῶν λαμβανέτω. ἡ ἐν βαλανείοις τούτοις παντελῶς συλλουέσθω. εἰδὲ τις τοῦτο πρᾶξαι επιχειροίη. ἐμὲν κληρικὸς εἶη, καθαιρείσθω. εἰδὲ λαϊκὸς, ἀφορίζεσθω ὁ γοῦν ἄζυμα ποίων καὶ ἐσθίων, εἰ καὶ μὴ λαμβάνη ταῦτα παρὰ Ἰουδαίων ἀλλὰ μιμητῆς. ἐκείνων ἐν τούτῳ γενόμενος, Ἰουδαίου φρονέσθι καὶ παράνομος. . . . . περὶ μὲν τῶν ἁζύμων, ἱκανῶς л. 88 об. ὑμῖν. . . . . ἀπεδείξαμεν. φέρε δὲ ἀποδείξωμεν ὑμῖν καὶ τὸ περὶ τῆς νηστείας τῶν σαββάτων. παράνομιν. εἶπατε ἡμῖν, πόθεν νηστεύειν τὰ σάββατα τῆς ἀγίας τεσσαρκακοστῆς περελάβετε. ἀπὸ τῶν ἀποστόλων; μὴ γένοιτο. τῶν ἀποστόλων οἱ κορυφαῖοι, ἐν μὲν τῷ πέμπτῳ βιβλίῳ τῶν διατάξεων, τῶν ὑπὸ κλήμεντος τῆς ῥώμης γραφείσων, ἐν ᾧ περὶ μαρτύρων ἐπιγέγραπται κατὰ τὸ ιϞ. κεφάλαιον, ταῦτα φασί, τετραδά γὰρ καὶ παρασκευὴν προσέταξεν ἡμῖν νηστεύειν ὁ κς. τὴν μὲν, διὰ τὴν προδοσίαν, τὴν δὲ, διὰ τὸ πάθος. αὐτὸ δὲ νηστεῦσαι τὸ σάββατον παρέδωκεν οὐχ ὅτι δεῖ τὸ σάββατον νηστεύειν τοῦ δημιουργοῦ ἔτι ὑπὸ γῆν ὄντος. . . κατὰ δὲ τὸ τέλος τοῦ βιβλίου, πάλιν οὕτω φησί. πᾶν μὲν σάββατον, ἄνευ τοῦ ἐνός. καὶ πᾶσαν κυριακὴν ἐπιτελοῦντες συνόδους, εὐφραίνεσθε. καὶ μετ' ὀλίγον, εὐφρανθῆναι δεῖ ἐν ταύταις, ἀλλ' οὐ πενθῆναι. ἐν δὲ τῷ ζ'-βιβλίῳ τῶν αὐτῶν διατάξεων κατὰ τὸ κβ. κεφάλαιον, τὰ δε φησί. τὸ σάββατον μέντοι καὶ τὴν κυριακὴν, ἐορτάζετε. ὅτι τὸ μὲν, δημιουργίας ἐστὶν ὑπόμνημα. ἡ δὲ ἀναστάσεως. ἐν δὲ σάββατον ὑμῖν φυλακτέον ἐν ὅσῳ τῷ ἐνιαυτῷ. τὸ τῆς χυ ταφῆς. ὅπερ νηστεύειν προσήκει, ἀλλ' οὐχ ἐορτάζειν. ἐν ὅσῳ γὰρ ὁ δημιουργὸς ὑπὸ γῆν τυγχάνει, ἰσχυρότερον τὸ περὶ αὐτοῦ πένθος, τῆς κατὰ τὴν δημιουργίαν χαρᾶς. ἀλλὰ γὰρ ταῦτα μυστικῶς διὰ κλήμεντος πάπα διατάχόμενοι, οὐχ ἔστησαν ἕως τούτων. ἀλλ' εἰδότες θεῖον πνί, οὐ τὴν τυχοῦσαν παράβασιν εἶναι τὸ νηστεύειν τὰ σάββατα, καὶ ἐπὶ τιμίῳ σφοδρῷ καταδεσμοῦσι περὶ τούτου τὴν ἐκκλησίαν. φασί γὰρ ἐν τῷ χδ. κανόνι τῶν ἱερῶν κανόνων αὐτῶν. "Εἰ τις κληρικὸς εὗρεθῇ τὴν κυριακὴν ἡμέραν νηστεύων ἢ σάββατον πλὴν τοῦ ἐνός μόνου, καθαιρείσθω. εἰδὲ λαϊκὸς, ἀφορίζεσθω. τούτοις ἐξακολουθοῦντες καὶ ἐν τῇ ε. συνόδῳ πρῆς, συμφώνως οὕτω νομοθετοῦσι προκαθεζομένου τῆς ἀγίας συνόδου, ἀγάθωνος παπα ῥώμης. καὶ γρηγορίου συνόντος αὐτοῖς τοῦ ἀκραγαντίνων ἐπισκόπου. "Επει δὲ μεμαθήκαμεν τοὺς ἐν τῇ ῥώμῃ πόλει ἐν ταῖς ἀγίαις τῆς μ. νηστείαις τοῖς ταύτης σάββασι νηστεύειν παρὰ τὴν δοθεῖσαν ἐκκλησιαστικὴν ἀκολουθίαν, ἔδοξε τῇ ἀγίᾳ συνόδῳ ὥστε κρατεῖν ἐπὶ τῇ ῥώμῃ ἐκκλησίᾳ ἀπαρασάλευτον κανόνα τὸν λέγοντα. εἴ τις κληρικὸς εὗρεθῇ. καὶ. . . . . τελουμένης οὖν τελείας τῆς λειτουργίας κατὰ τὴν γ. ὥραν τῆς ἡμέρας ἐν ἣ καὶ νενομοθετῆται τὴν θυσίαν ἀναφέρεσθαι. πῶς τὴν νηστείας ἕως Ϟ. ὥρας φυλάξετε, λύοντες αὐτὴν ἐν τῷ καιρῷ τῆς λειτουργίας. οὐδαμῶς. εἰδὲ τοῦτο ἀδύνατον ἀναθέματι περιπίπτετε. οἱ γὰρ τῆς ἐν γάγγα συνόδου πρῆς, κατὰ τὸν ιϞ. κανόνα, τὰ δε φασίν. εἴ τις τῶν ἀσκούντων χωρὶς σωματικῆς ἀνάγκης ὑπερφηανέουτο. καὶ τὰς παραδεδομένας νηστείας ἐν τῷ κοινῷ καὶ φυλασσομένας ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας παραλύει. ἐπαικουροῦντος ἐν αὐτῷ τελείου λογισμοῦ, ἀνάθεμα ἔστω, οἱ δε τῆς ἐν λαοδικείᾳ συνόδου πρῆς, κατὰ τὸν ν. κανόνα, οὕτω φασίν. ὅτι οὐ δεῖ ἐν τῇ μ. μαρτύρων γενέθλιον ἐπιτελεῖν. ἀλλὰ

сжботж збо н нѣлю пражнзнтѣ. ꙗ сжбота збо дѣлнѣа тварѣн ѣ вѣспомѣннѣ. нѣлѣ вѣскрѣнѣа едннѣ сѣта да храниѣса вѣмн вѣ всѣ лѣтѣ. гнѣа погребенѣа, в ннѣ поститѣ нѣбѣа а не пражнѣвати. елнко бѣ сѣдѣтѣ нѣ землѣю ѣ. крѣпчѣннѣе о нѣ сѣтованѣе нѣ сѣлнѣа. тварн н рѣстн ткорнтн: стѣа апѣ. правнѣ. зѣ. но сѣа збо тнннѣо канментѣо нѣпою рнмскѣ, нѣпѣсакнѣ н зѣповѣдавнѣ. не стѣа до снѣ. но вѣдѣщѣ бѣтѣвнѣ дхѣ. не малѣ престѣпленѣю бытн, ѣ поститѣ в сѣты. н зѣпрѣщенѣе о сѣ крѣпкѣ сѣвѣжѣе црѣкѣ. рѣнѣа во вѣ зѣ. тѣо правнѣ нѣ. ащѣ которн прнѣетнѣн обрѣщѣтѣсѣ в нѣлннн днѣ постѣа. нѣн в сѣа, рѣзѣ едннѣа велнкѣа сжботѣ, да нзѣвержѣтѣсѣ. Ащѣ лн мнрскѣн ѣлѣ да ѣлѣзѣнѣса. снѣ послѣдѣющѣ н шѣстаго сѣбора л. 58 об. ѣпн. соглѣа тѣа зѣко полагѣа. прѣсѣдѣщѣа стѣмѣа соборѣа томѣ, н аѣофонѣа пѣпѣ рнмскѣмѣ. н грнгорѣю аѣрагенскѣмѣ епнѣа. снѣе гѣщѣе понѣ зѣвѣдѣхѣ ꙗ сжпѣн вѣ рнмскѣа гѣдѣа, ко ѣетѣредѣсѣтѣ днѣн стѣго поста, постѣтѣсѣ в сѣты, ѣрѣ предѣннѣн црѣковнѣн ѣнѣ. Годѣ вѣ стѣмѣа сѣборѣа. ꙗ да дерѣжн н рнмскѣа црѣкѣн нѣпѣвнжнѣо правѣло стѣа апѣа гѣщѣе. Ащѣ которн прнѣетнѣн обрѣщѣсѣа в нѣлннн днѣ постѣа нѣн в сѣа. рѣзѣ едннѣа токмо велнкѣа сѣты, да нзѣвержѣтѣсѣ. ащѣ лн мнрскѣн ѣлѣ, да ѣлѣзѣнѣса. рѣзѣа ащѣ не болѣзѣнѣ телѣснѣа пакѣстнѣ. творѣн збо сѣвершѣннѣн сѣжѣа вѣ гѣ ѣа. вѣ нжѣ н вѣзѣконѣа ѣ вѣзѣноснѣтн вѣзѣкровнѣю жѣртѣвѣ. кѣа по до Ϟ. ѣсѣа храниѣтѣ, рѣзѣщѣающѣе вѣ вѣрѣмѣа сѣжѣвѣ. ннѣкѣо. Ащѣ се не вѣзѣможно, вѣа клѣтѣвѣа вѣпаѣтѣе. нѣо нѣ вѣа гѣгѣа сѣбора ѣ пн вѣа дѣвѣтѣнаѣсѣлѣо правнѣа тѣа рѣкошѣа. нжѣ в гѣгѣа сѣбора правнѣо ѣтѣ. Ащѣ кто ѣа вѣзѣержѣщѣнѣса кромѣа телѣснѣа нѣжѣа рѣзѣгорднѣтѣсѣ. н предѣннѣа постѣа вѣа ѣпнннѣа, н хранимѣа л. 59. ѣа крѣкѣа рѣзѣщѣащѣ. цѣлѣа сжпѣа сѣкрѣшенѣмѣа помыслѣа. дѣвѣдѣа проклѣа: Лѣдѣѣкнѣскѣаго (sic). сѣбора ѣпн вѣа етѣ. тѣо правнѣа снѣе рѣкѣа. Лѣдѣѣкнѣскѣа сѣбора. правнѣа етѣ. Тѣо мѣ. ꙗко не нѣбѣа вѣа мѣ. днѣн стѣго поста мѣнѣко пѣмѣтн творнтн токмо в сѣты н нѣла. н пѣа тѣа рѣнѣа вѣа мѣ. правнѣа. ꙗко не нѣбѣа вѣа мѣ. днѣн стѣго поста прѣсѣпнѣры прнноснтн, ащѣ не в сѣты н нѣла токмо. но н шѣстѣаа всѣленскѣа сѣбора ѣпн тѣко. нѣ.мѣа правнѣа повѣлѣкѣаю; сѣа сѣпѣннѣмѣа аѣофонѣо. гѣщѣе снѣе. вѣа мѣ. днѣн стѣго поста, кромѣа сѣты н нѣла. н стѣго вѣлѣгѣщѣнѣа днѣ. да вѣвѣа сѣжѣа прѣсѣпѣннѣа. тѣа зѣа прѣѣмѣе мѣ. в сѣтѣа сѣжѣнѣ н вѣа нѣлю вѣа гѣ. ѣа днѣа вѣнжѣе стѣн дѣтѣа сннѣеа нѣа апѣа. н прнносѣащѣе в тѣа дѣа днѣа прѣсѣпнѣры, ѣсѣпѣа дѣа. ѣа ннѣа жѣа дѣвѣнѣаа храниѣщѣе прѣа всѣа нѣла. вѣа вѣрѣмѣа Ϟ. ѣсѣа сѣкрѣшннѣнѣе всѣа пѣсно-



τῶν ἁγίων μαρτύρων μνείαν ποιεῖν ἐν ταῖς σάββασι καὶ ταῖς κυριακαῖς. κατὰ δὲ τὸν μῆ. κανόνα, πάλιν φασὶν οἱ αὐτοὶ ὅτι οὐ δεῖ ἐν τῇ μ. ἄρτον προσφέρειν, ἐμὴ ἐν τῷ σαββάτῳ καὶ τῇ κυριακῇ μόνον. ἀλλὰ καὶ οἱ ἐν τῇ ἑκτῇ καὶ οἰκουμενικῇ συνόδῳ πρῆς, ὁμοίως κατὰ τὸν β. κανόνα νομοθετοῦσι σὺν τῷ ἱερῷ ἀγάθῳ τῷ λ. 89. πάπα ῥώμης λέγοντες οὕτως. ἐν ταῖς τῆς ἁγίας μ. ἡμέραις. παρεκτὸς σαββάτου καὶ κυριακῆς καὶ τῆς ἁγίας τοῦ εὐαγγελισμοῦ ἡμέρας, γινέσθω ἡ τῶν προηγιασμένων ἱερὰ λειτουργία. οὕτω τοίνυν παραλαβόντες ἡμεῖς. σάββατα λειτουργοῦμεν καὶ καὶ κυριακὰς τηνικαῦτα κατὰ τὴν τρίτην τῆς ἡμέρας ὥραν. ἐν ἣ καὶ τὸ πᾶν κατηῆλθε τὸ ἅγιον ἐπὶ τοὺς ἀποστόλους. καὶ προσκομίζοντες ἐν αὐταῖς ἁγιάζομεν τὰ δῶρα ἐξ ὧν ἱκανὰ τῇ ὅλῃ φυλάττοντες ἐβδομάδι, εἰς τὰς ἐτέρας ἡμέρας τῆς εβδομάδος, κατὰ τὸν τῆς θ. ὥρας καιρὸν συμπεράναντες πᾶσαν ὑμολογίαν, ἐν τῷ πληρώματι τοῦ λυχνικοῦ, ποιοῦμεν οἱ ἱερεῖς μετὰ τῶν διακόνων εἰσοδόν. θυμιατήριον μόνον ἐπιφερόμενοι. καὶ μετὰ τὴν ἀνόγνωσιν τῶν προφητῶν, τὰς τυπωθεῖσας εὐχὰς παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλείου ποιήσαντες καὶ τὰ δῶρα μετακομίσαντες ἀπὸ τῆς προθέσεως, καὶ εὐξάμενοι ἐπ' αὐτοῖς, ἐτι δὲ καὶ τὴν παραδοθεῖσαν εὐχὴν παρὰ τοῦ κυρίου εἰπόντες, ὑψοῦμεν τὸν προηγιασθέντα ἄρτον. καὶ λέγομεν, τὰ προηγιασμένα ἅγια τοῖς ἁγίοις. καὶ ἐνώσαντες, μεταλαμβάνομεν τοῦ ἄρτου καὶ τοῦ ποτηρίου τῶν μυστηρίων κυρίου. καὶ οὕτως εὐχαριστήσαντες, ἀπολύμεν. ἑαυτοὺς τῆς συνάξεως. . . ὑμεῖς δὲ ἀναφέροντες τὴν τελείαν καθ' ἑκάστην ἐν τῇ μ. λειτουργίαν, τὴν οφειλομένην κατὰ τὴν γ. ὥραν τῆς ἡμέρας ἀναφέρεσθαι, τοὺς χειμένους παραβαίνετε κανόνας τῆς ἐκκλησίας. καὶ ἐν τούτῳ καὶ τῇ τῶν πρῶν ἁγῶν ὑποπίπτετε. καθὰς εἴρηται. τίς δὲ ἐστὶν ὁ παραδούς ὑμῖν καὶ τὸ κωλύειν ἢ καὶ τέμνειν τὸν γάμον τῶν ἱερέων. πῶς τῶν διδασκάλων τῆς ἐκκλησίας τοῦτο ὑμῖν παραδέδωκε τὸ ἀτόπημα. ἐμὲν γὰρ μὴ γαμήσας χειροτονεῖται, εἴτα πρὸς γάμον ὁρᾷ ὁ χειροτονηθεὶς ἄγαμος, νομικῶς τοῦτο. εἰδὲ πρὸ γάμου λύοντες, παρανομεῖτε. καὶ ὅτι ἁμαρτάνοντες καὶ τοῦτω πορανομεῖτε, ἀπὸ τῆς τῶν ἀποστόλων διαταγῆς καὶ τῶν ἱερῶν αὐτῶν ἀποδείξω κανόνων. ἐν μὲν γὰρ τῷ β. βιβλίῳ τῶν διακλήμεντος πάπα Ῥώμης. γραφέντων κατὰ τὸ ιζ. κεφάλαιον, οἱ ἀποστολοὶ τάδε φασὶν. ἐπίσκοπον καὶ πρεσβύτερον καὶ διάκονον, εἴπομεν μονογάμονα καθίστασθαι καὶ τε ζῶσιν αὐτῶν αἱ γαμεταί, καὶ τε μὴ, μὴ ἐξεῖναι δὲ αὐτοῖς μετὰ χειροτονίας ἀγάμοις οὖσιν, ἐτι ἐπιγάμους ἔρχεσθαι. ἢ γεγαμηκότας, ἐτέραις συμπλέκεσθαι, ἀλλ' ἀρκεῖσθαι, ἢ ἔχοντες ἡλθόν ἐπὶ τὴν χειροτονίαν. ἐν δὲ τῷ ε. κανόνι τῶν ἱερῶν κανόνων αὐτῶν, οὕτω φασὶν. ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος ἢ διάκονος, τὴν ἑαυτοῦ γυναῖκα μὴ ἐκβαλέτω προφάσει εὐλαβείας. ἐὰν δὲ ἐκβάλλῃ, ἀφορίζεσθω, ἐπιμένων δὲ, καθαιρεῖσθω. . . . . τίδὲ καὶ περὶ τῆς ἁγίας καὶ οἰκουμενικῆς β. συνόδου εἴποις ἂν. οὐχὶ πάπαν ὑμῶν τὸν ἱερὸν ἀγάθον αὐτὸς ὡς πολλάκις εἴπομεν. πρέσβρον εἶχεν αὕτη τῶν ρθ. πρῶν. ἐπὶ Κωνσταντίνου βασιλείᾳ τοῦ ἀπογόνου ἡρακλείου. . . . . πῶς οὐκ ἀντεῖπε τότε. . . . . τῇ ἁγίᾳ συνόδῳ θεσπιζούσῃ κατὰ τῶν παρανομιῶν τούτων, ὧν ἔχετε νῦν. . . . . ἐπεὶ δὲ νόθους ἐγίνωσκε τὰς παραδόσεις. καὶ ξένας τῆς τῶν ἀποστόλων διδασκαλίας λ. 89 οὐ. διὰ τοῦτο συσάμα τοῖς πρᾶσι πᾶσι τῆς ἱερᾶς ἑκτῆς συνόδου

словіе скончѣвающѣ вѣрнн. творн̄ презвнтеры съ дѣлконѣ вхѣ; кадлннцж токмо нослцѣ. н по утенн̄н прѣркѣ рекше паремн̄н ҃сѣвленнѣ млтвѣ велнкѣ влснлѣ створше н дары прннѣше ѿ преложенїа. рекше ѿ малл̄ олтарѣ въ велнкѣ. н помолшѣ нл̄ нмнн. ещѣ н преданнѣю нл̄ млтвѣ ѿ гл̄ рекше. възносн̄ прѣжѣснннн хлѣ. н глѣ, прѣжѣ осцѣннлѣ стлѣ стѣ. н съвокзплѣше тѣло с кровїю, прншлѣмсл. н тл̄ бл҃годарнѣше ѿпѣ творн̄. вы же ѿ рнмланѣ не възнослѣше всегл̄ въ м.те днн̄ ст҃го поста съвершеннѣю слѣбж длѣжнїю въ г. гл̄ възносннн. зѣ лѣжлѣ прѣстѣплѣсте прѣкнлѣ. н в тѣ ѿцѣ клѣтѣ повнннѣ естѣ. н правїлѣ. о брацѣ сцѣннн̄. кто же лн прѣдл̄ вл̄, ѣ възбранѣтн нлн прѣстѣплѣтн бракѣ їерѣѣ. которн ѿ ҃хнтелн̄н прѣкннн̄ сїю прелѣ прѣдл̄ вл̄. аще ҃ко не ѿженнлѣсѣ поставлѣ вѣдѣ. н потѣ женнн̄ възсхѣщѣ. поставлен бѣ безженѣ. законно ѣ възбранннн емѣ. аще прѣ ѣженнлѣсѣ вѣдѣ поставлѣ їерѣн к ҃нстѣтѣ жннн н цѣломѣренѣ. таковогѣ брл̄ рл̄зрѣшлѣщѣ, безаконїе творннѣ. н нл̄ съгрѣшлѣщѣ н в тѣ. облнѣаемн естѣ ѿ стѣхл̄ апл̄ заповѣдн̄. къ шестѣ ҃ко кннгл̄ напнсннн̄ л. 60. канментѣ папою рнмскѣ. в сѣмьнадесѣтон главнн̄знѣ ещѣ рекошл̄ апл̄н: ѿ заповѣден стѣ апл̄. епн̄пѣ. нлн дѣлконѣ нлн презвнтеры, рѣхѣ едннѣженцѣ поставлѣтн. н аще жнвы сѣ жѣны н. аще ҃мрошл̄. не поѣлѣ нмѣ прѣ поставленїа не женнлѣшнмсл. по поставленн̄ къ бракѣ прнхѣтн. нлн женнлѣшнмсл нл̄ дрѣгыл̄ понмѣтн. но доколнѣ бытн тѣмн н же нмѣхѣ на поставленїе прншѣше. стѣ апл̄. правнлѣ ѣ. къ пѣтомже правнлѣ стн̄ апл̄н ещѣ рѣшл̄. епн̄пѣ нлн презвнтерѣ. нлн дѣлкѣ, своѣ жѣны да не ѿпѣцлѣю нзвѣтѣ бл҃говѣрїа. аще лн ѿпѣстн̄ да ѿлѣхнѣтсѣ. прѣбывлѣ н не хоташѣ пѣ полѣтн ю, да нзвержѣсѣ. утѣ н о шѣстѣ стѣ собѣрѣ рѣте. на напѣ лн вл̄шего сцѣннл̄ агафона. кѣкѣ мнѣжнцѣю рѣхѣ. перѣкнрѣстѣлннкл̄ нмѣшѣ съборѣтон. рѣ. стѣхл̄ ѿцн̄ прн константн̄н црн, внжцѣ прѣклѣевѣ. кѣ. прѣтнкѣ не рѣе стѣмѣ съборѣ. повелѣкѣющѣ на безаконїа сїа н же держннѣ ннѣ. понѣ тѣжл̄ сжцл̄ вѣдлѣше л. 60. об. такокл̄ преданїа. н ҃сѣтрѣненл̄ ѿ апл̄кѣ ҃хенїа. сего рл̄ кѣпнѣ съ кѣмн ѿцн̄ сцѣннл̄ шѣстл̄ съборѣ. кѣкѣ ѿ ѿпрѣсноцѣ; н о сѣботн̄н̄ постѣ н о сцѣннн̄н̄ жерѣтѣ. н в велнкѣн̄ по. тако н о брацѣ їерѣнстѣ; законѣположн̄ къ трннадесѣтѣ правнлѣснѣ рѣ. понѣ къ рнстѣн̄ прѣкн̄н̄ в ҃хнн̄ правнлѣ прѣдано ҃вѣдѣхѣ. хотѣцн̄ спѣкннн̄ поставленїа дѣлконѣ нлн презкнтерѣ. нспѣкѣдѣтн̄ кѣ съ скѣмнн̄ жѣнамн̄ к томѣ не съвокзпннн̄. мн̄ дрѣкнѣмѣ послѣдѣзющѣ прѣ



ὡσπερ περὶ τῶν ἀζύμων καὶ τῆς νηστείας τῶν σαββάτων καὶ τῆς ἱερᾶς θυσίας τῶν νηστειῶν, οὕτω καὶ περὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερέων ἐνομοθέτησεν. οὕτως εἰπὼν. ἐπειδὴ ἐν τῇ ῥωμαίων ἐκκλησίᾳ ἐν τάξει κανόνος παραδεδοσθαι διέγνωμεν, τοὺς μέλλοντας διακόνου ἢ πρεσβυτέρου ἀξιοῦσθαι χειροτονίας, καθομωλογεῖν ὡς οὐκετι ταῖς αὐτῶν συνάπτειντο γαμεταῖς, ἡμεῖς τῷ ἀρχαίῳ ἐξακολουθοῦντες κανόνι τῆς ἀποστολικῆς ἀκριβείας καὶ τάξεως, τὰ τῶν ἱερέων ἀνδρῶν κατὰ νόμους συνοικέσια, καὶ ἀπὸ τοῦ νῦν ἐρρῶσθαι βουλόμεθα. μηδαμῶς αὐτῶν τὴν πρὸς τὰς γαμετάς συνάφειαν διαλύοντες, ἢ ἀποστεροῦντες αὐτοὺς τῆς πρὸς ἀλλήλους κατὰ καιρὸν τὸν προσήκοντα ὁμιλίας. ὥστε εἴτις ἄξιος εὐρεθῇ πρὸς χειροτονίας ὑπὸ διακόνου ἢ διακόνου ἢ πρεσβυτέρου οὗτος μηδαμῶς κωλυέσθω ἐπὶ τὸν εἰρημένον βάθμον ἐμβιβάζεσθαι. γαμετῇ συνοικῶν νομίμω. . . . . εἰ τις οὖν τολμήσῃ παρὰ τοὺς ἀποστολικοὺς κανόνας κινούμενος, τίνα τῶν ἱερωμένων. . . . . ἀποστερεῖν τῆς πρὸς τὴν νόμιμον γυναῖκα συναφείας τε καὶ κοινωνίας, καθαιρεῖσθω. . . . . πῶς οὖν ὑμῖν καὶ ἐκ τίνων τὰ χαλεπὰ ταυτὶ ἐπῆλθε νοσήματα. ἄνδρες, Ῥωμαῖοι σοφώτατοι, καὶ τῶν ἄλλων ἀπάντων ἐθνῶν εὐγενέστεροι. . . . . ἐξετάσατε περὶ τούτων. ἀγαπητοί. μήποτε ἐκ τῶν τοιούτων. τὰ εἰρημένα καὶ ἀπελεγχθέντα ἰώδη νοσήματα, λέγω δὴ τὰ ἄζυμα, τὴν τῶν σαββάτων νηστείαν, τὸν γάμον τῶν ἱερέων καὶ τὴν ἐν ταῖς νηστεαῖς προσκομιδὴν, παρελάβετε. καὶ μαθόντες νῦν τὸ ἄτοπον αὐτῶν ἐκ τῆς θεοπνευστου γραφῆς φύγετε τὰ τοιαῦτα ποιεῖν, ἐκκλησίᾳ ὄντες θῷ καὶ πατρὶ τῆς οἰκουμένης, ἀειλαμπεῖς ὀφθαλμοί, ἵνα ἐνωθέντες ἡμῖν τοῖς ὑμῶν ἀδελφοῖς, οὓς διὰ τῶν εἰρημένων ἐσχίσατε, σωμα ὄντας, ἀνακεκαλυμένῳ προσώπῳ τὴν δόξαν κυρίου ἐν συμφώνῳ τῇ ὁμολογίᾳ μετὰ ὀρθοδόξου πίστεως κατοπτριζώμεθα.

кнѣх. апѣкаго нзкѣренїа ѹннх. сїеннѣ моѹ по зако-  
нѣ съ житїе ѿ нїѣ цѣлѣ быти повелѣкаѣ. ннкакѣ нмѣ  
к скопї женѣ съкокоупленїа не разарающе. нн лнша-  
юще н дрѣ ѿ дрѣга, въ время побно съвокупленїа.  
аще н рнмлане. на дїаконство н на презвнтерство  
прнходнмѣ. нвстннн женѣ повелѣкаѣ. по мы цѣлѣ быти  
дїаконскомѣ съжнїю повелѣкаѣ. ꙗже аще кто достоннѣ  
обрѣтеса поставнтї ꙗподїаконѣ. нли дїаконѣ нли през-  
внтерѣ. сен ннкакѣ да невобрапен бѣде на таковын  
степень възнтн. л. 61. съ законною женою живн.  
Аще кто ꙗбо дрѣзнѣ ꙗрез апѣкаа правнла поѹннса. нѣ-  
кѣ ѿ сїеннѣ лнштн. въ законннн его женѣ съво-  
купленїа н общенїа. да нзвержеса. ѿкѣдѣ ꙗбо н ѿ  
кѣ злїн сїн недѣзн нандоша на вы ѿ мѣе рїстїн  
премїїн, н ннѣ всѣ бл҃горовннншн. нспытанте нзвѣ-  
стно прѣе ѿ се брѣе. еда когда ꙗдовнтѣ ѿ таковы  
недѣ, опрѣсно гл҃а. н свѣоннн по, н разоренїе брака  
їеренска. н нї к велнкн по по вса днн слѣжбѣ съ  
вершеннꙗ. н ꙗвѣше злобѣ сн ѿ всѣ б҃годѣновеннѣ  
пнсанїн. вѣганте таковы творнтн. цркѣн сжще б҃їа.  
да съедннше с нннн вашею брѣю н же прѣрѣннѣ рѣ. ѿ-  
вергостѣ ѿкровенѣ лнще слѣвы гл҃а. въ согласнѣ съ-  
еднненн с православною вѣрою зрнѣ.

### Чтєніє и объясненіє снмѣа.

Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἐπὶ τῇ καταστάσει τοῦ πατριάρχου ἀντιλογίας. καὶ περὶ ἱεραρχίας.

Ἴδον ἀνομίαν καὶ ἀντιλογίαν ἐν τῇ πόλει φησὶν ὁ θεῖος καὶ θεοπάτωρ ἐν βασιλεῦσι δαβὶδ ὃ θεόπτα βασιλεὺς καὶ θεόκλητε εἰ καὶ τινα ἄλλην ἢ τότε γινομένην ἢ ὕστερον ἐσομένην ἐκ τραγωδῶν. ἀλλὰ γὰρ οὐδὲν ἤττον οἶμαι καὶ τὴν νῦν ἀθέσμως κωμωδουμένην. ὕβριν τε τῆς ἱερᾶς ἐκκλησίας.

Θεοδώρου κουροπαλάτου τοῦ σμυρναίου λόγος περὶ τῶν ἀζύμων καὶ περὶ τῆς λεγομένης παρὰ ῥωμαῖοις τοῦ πνεύματος ἐκ τοῦ υἱοῦ ἐκπορεύσεως.

Πρὸς τοὺς ἐκ Ῥώμης ἢ ὑπὸ ῥώμην ἡμῖν ὁ λόγος τῷ σωτήρι Χριστῷ φθεγγομένους ἀντιστῶν καὶ τῶν ἱερῶν. κα-  
ταναι δεομενους εὐαγγελίων οἷς προστιθέναι μηδὲν καὶ ὦν. ἀφαινέσθαι μηδὲν ὁ τῆς ἀληθείας λόγος ἐνομοθέτησε.  
καὶ κατὰ παρατάξεως ἡ ὀντιπαραγαγ. οὐ στρατηγουμένης τῷ πατρὶ, ἀλλ' οπλιζομένης κατὰ τοῦ πνεύματος. καὶ ὁ  
λόγος οὐκ ἄλογος.

Заставки, заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἀμήν † δίδωσιν. προσεξευρίσκειν. θεῷ. εὐδοχία.

Слова съ титлими и сокращенія: Κυρίου Ἰησοῦ Χριστέ. νηστείας, κηδόμενος μὲν συνάπεως ὀφειλομεν. καὶ  
βυθὸν ἐνανθρωπήσεως.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., μακαριότητους. ἀναντίρρητον. ε., ἐξ ἐπεγεινόμενον πρόσδε-  
ξαι. ν., συντόξας μαννασῆν. δύνασθαι. σ., ἐξεταστῆς σοι. τ., μετὰ ἀφράστου. ιβ̄. цифра означающая помѣту  
тетрадей.

## XVII. Четверо-Евангеліе съ мініатюрами.

Находится въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 118-мъ.

Длина пергамина . . . . .	4	в.
Ширина . . . . .	3	в.
Къ корешку . . . . .	$\frac{1}{2}$	в.
Къ правой сторонѣ . . . . .	$1\frac{1}{2}$	в.
Къ верху . . . . .	$\frac{5}{8}$	в.
Къ низу . . . . .	$\frac{7}{8}$	в.

Пергамень выдѣланъ очень хорошо и довольно бѣлъ, мѣстами посѣрѣлъ, похожъ на пергамень на которомъ въ Сѣн. Библіотекѣ написанъ Акаѳистъ Божіей Матери XIV в.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 384. л. Заставки и заглавныя буквы предъ каждымъ Евангеліемъ по золотому фону писаны синею, голубою, бѣлою, темно-зеленою и зеленою красками, въ срединѣ заставки нарисованы стебли цвѣтковь съ листьями и развернувшимся по срединѣ цвѣткомъ. Заглавія Евангелій писаны золотомъ, прочія заглавія и заглавныя буквы свѣтло-коричневою краскою. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 18-ть.

**Миніатюры въ томъ же Четверо-Евангеліи послѣ 1320. г. смерти Греческаго Царя Михаила Палеолога IX-го <sup>1)</sup>.**

1). На 1-й страницѣ нарисована притча о сѣмени. На полосѣ старецъ въ верхнемъ короткомъ красномъ одѣяннѣ, въ шапкѣ и сапогахъ правою рукою сѣетъ сѣмена на полосу, а въ лѣвой держитъ корзину съ сѣменами, лицомъ обратившись на вола близъ него стоящаго. Впереди его юноша, въ короткой же верхней одеждѣ малиноваго цвѣта, босой какимъ-то острымъ орудіемъ вспахиваетъ или разрываетъ, обоими руками ухватившись за него, землю, еще не вспаханную. Сзади старика нарисовано три дерева, съ которыхъ птицы слетаютъ на засѣваемое поле, и клюютъ зерна. Рамка сей миніатюры окаймлена краскою пунцоваго цвѣта.

### Миніатюра до 1320 года.

α). На оборотѣ 1-го листа изображены: св. Константинъ и Елена Греческаго письма. Константинъ въ царской Греческой коронѣ по правую сторону креста въ красной порфирѣ и темно-зеленой нижней одеждѣ. Правую руку онъ приложилъ къ груди, а лѣвою держитъ за осмиконечный крестъ, который стоитъ между ими. По лѣвую сторону отъ Царя Константина стоитъ Царица Елена въ порфирѣ же пурпуроваго цвѣта и въ коронѣ. Волоса покрыты покрываломъ малиноваго цвѣта. Правую рукою она держится за крестъ, а лѣвой руки ладонь близъ груди простерла отъ себя. Надъ ними подпись: ἄγιος κωνσταντίνος, ἡ ἄγια ἐλένη. <sup>2)</sup>.

2). На 2-мъ листѣ нарисована бесѣда Спасителя близъ колодезя съ женою Самарянкою. По правую сторону колодезя стоитъ женщина съ непокрытою головою, съ обнаженными до плеча руками, изъ коихъ правая протянута, а лѣвая положена на край колодезя круглаго. Она нѣсколько наклонилась и внимательно слушаетъ разговоръ Спасителя. Подлѣ колодезя поставленъ кувшинъ, а въ колодезь вѣроятно опущено черпало, концы веревки отъ котораго лежатъ на краю колодезя. Съ другой стороны колодезя сидитъ Спаситель близъ дерева, лицомъ обратившись къ женѣ Самарянкѣ; правую рукою благословляетъ ее именовословно, а лѣвую положилъ на колѣно. Верхняя одежда Спасителя пурпуроваго цвѣта, а нижняя зеленая. Впереди колодезя видны три древа, аза нимъ городъ Самарія.

### β. Миніатюра до 1320 года.

2). На оборотѣ 2-го листа изображенъ глобусъ поставленный на верху скалы. Вверху его оси небольшой четвероконечный крестъ. На глобусѣ нарисованы земля и море съ кораблями.

<sup>1)</sup> Арабскія цифры писаны предъ миніатюрами послѣ 1320. г. а Греческими до 1320. года.

<sup>2)</sup> Муральтъ въ своемъ описаніи Греческихъ рукописей Царицу Елену называетъ ошибочно Иринею.



## γ. Μινιατούρα до 1320 года.

На 3-мъ листѣ изображенъ золотой двухглавый орелъ съ короною надъ нимъ, съ распущенными крыльями. На шеѣ у него на красной лентѣ повѣшена круглая монограмма Палеолога.

3). На оборотѣ 3-го листа нарисована буря во время сна Спасителя. Иисусъ Христосъ сидитъ на задней части корабля, заснувши. Во время бури съ лѣвой стороны подошелъ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ и положилъ свою лѣвую руку со страхомъ и вмѣстѣ съ любовію на правое плечо Спасителя и будить Его, а св. Ап. Петръ съ большимъ испугомъ подошелъ къ корабельной мачтѣ, прислонивъ голову къ ней, а руки протянулъ къ Спасителю, говоря: *Господи, спаси ны, погибаемъ*. У св. Евангел. Іоанна прекрасное молодое лицо, а у св. Петра старческое, волосы у него сѣдые короткіе и борода короткая. На самой кормѣ корабля одинъ молодой ученикъ смотритъ въ лицо другому сѣдому и съ длинною бородою, который обоими руками показываетъ на бурю и не знаетъ, что дѣлать.

4) На 21-мъ листѣ нарисовано: *Благовѣщеніе Пресвятыя Богородицы*. Близъ двухъ древнихъ зданій сверху спустился св. Духъ въ видѣ голубя, испуская отъ себя лучи на Божію Матерь. Съ лѣвой стороны подошелъ Архангелъ Гавріиль, держа въ лѣвой рукѣ въ родѣ жезла, на верху котораго пунцовый цвѣтъ, а правою благословляетъ ее, второй палецъ отъ мизинца пригнувъ. Взоръ его обращенъ къ верху. Божія мать съ изумленіемъ смотритъ на Архангела и его привѣтствіе, правую кисть руки изъ подъ одежды пурпуроваго цвѣта обративъ къ нему; въ лѣвой же держитъ пряжу красную съ веретеномъ. Прекрасное выраженіе лица Божіей матери похоже нарисовано, какъ и въ Греческомъ Акаѳистѣ конца XIV вѣка. Московской Синод. Библіотеки.

5). На оборотѣ 21-го листа нарисовано: *Рождество Христово*. Младенецъ Іисусъ лежитъ спеленанный въ ясляхъ; подлѣ него сидитъ Божія Матерь съ изумленіемъ, воздѣвъ руки, смотритъ на пришедшихъ двухъ пастуховъ поклониться рожденному Іисусу. Подлѣ Божіей Матери ниже сидитъ съ костылемъ въ правой рукѣ обручникъ Іосифъ, задумчивый и изумленный. Вверху на скалѣ съ правой стороны еще двое пастуховъ съ своими посохами идутъ и слушаютъ двухъ Ангеловъ, лѣтящихъ съ неба и благословляющихъ ихъ идти и поклониться рождшемуся Іисусу. Надъ скалою остановилась звѣзда противъ яслей, гдѣ лежитъ Младенецъ Іисусъ.

## δ. Μινιατούρα до 1320 года.

4). На 22-мъ листѣ изображенъ Греческій Царь Михаилъ Палеологъ сѣдовласый съ окладистою бородою въ порфирѣ пунцоваго цвѣта, и нижнемъ одѣяніи зеленомъ. На немъ шляпа съ большими полями пунцоваго же цвѣта. Обоими руками показываетъ онъ въ правую сторону, а лицомъ обращенъ въ лѣвую. Вдали его садъ изъ разныхъ деревьевъ. Выше его надпись: Βυζαντίου πόλεως μῆχαηλ παλεόλογος βασιλεὺς θῷ χαρητί.

6). На оборотѣ 22-го листа нарисовано: *Срътненіе Господне*. Изображенъ храмъ, посреди престола, надъ нимъ сѣнь. Божія Матерь принесла въ храмъ Младенца Іисуса, передала Его праведному Сүмеону, который принялъ Его на свои руки, покрытыя бѣлымъ полотномъ. Сзади Сүмеона стоять, должно быть, Анна пророчица, на что-то указывая пальцемъ правой руки, которую она подняла. Взоръ ея обращенъ на Божію Матерь съ превѣчнымъ Младенцемъ. Позади Божіей Матери стоитъ съ костылемъ въ правой рукѣ, и съ двумя птенцами голубиными въ корзинѣ въ лѣвой рукѣ обручникъ Іосифъ.

7). На 23-мъ листѣ нарисовано: *Крещеніе Господне*. Спаситель стоитъ, перекрестивъ руки на груди, въ Іорданѣ повыше колѣнъ. Св. Іоаннъ Предтеча во власяной одеждѣ правою обнаженною рукою коснулся верха Владычня, а лѣвую откинулъ назадъ за спину, коснувшись однимъ пальцемъ своего пояса. Св. Іоаннъ одною ногою стоитъ на колѣнахъ, а другую начинаетъ приподнимать. Лицемъ Спаситель обращенъ къ Предтечи. По лѣвую сторону Спасителя стоятъ два Ангела. У одного на рукахъ, пурпуровая одежда Спасителя, а другой обратилъ свой взоръ къ небу, отколѣ летитъ св. Духъ въ видѣ голубя, и слышатся слова Господа: *Сей есть Сынъ мой возлюбленный*. По правую сторону Ангеловъ нарисована скала, а по лѣвую сторону Предтечи древо.



ε. Мниатюра до 1320 года.

На оборотѣ 23-го листа нарисованъ на золотомъ полѣ св. Евангелистъ Матѳей, сѣдящій на сѣдалищѣ съ спинкою и съ подножіемъ. Близъ него на сѣдалищѣ положена красная подушка. Книга-Евангеліе разложена у Евангелиста на колѣняхъ. Правою рукою онъ начинаетъ писать Евангеліе, написавъ двѣ строки, а лѣвою поддерживаетъ его. Евангелистъ сѣдовласый съ окладистою бородою въ розовой нижней одеждѣ, а верхней зеленоватой, нѣсколько наклоненъ, лицомъ обращенъ въ правую сторону къ налойчику, укрѣпленному на столѣ съ письменными принадлежностями. Въ верхней каймѣ рамки на двухъ кольцахъ виситъ въ родѣ завѣсы, гдѣ въ срединѣ нарисована красною краскою голова льва.

8). На оборотѣ 122-го листа нарисовано: *Пресображеніе Господне*. Спаситель въ сіяніи въ верхней бѣлой одеждѣ и нижней розовой стоитъ среди облаковъ, простерши обѣ руки по обѣ стороны. Правою рукою Онъ благословляетъ Ілію, который простерши свои руки къ верху съ изумленіемъ смотритъ на Спасителя. Ілія сѣдовласый съ длинною окладистою бородою въ зеленой верхней одеждѣ. По лѣвую сторону Спасителя нарисованъ Моисей съ скрижалями, въ одеждѣ малиноваго цвѣта съ темною продолговатою бородою. Ниже ихъ подъ горою пробудившіеся отъ сна Апостолы Петръ, Іаковъ и Іоаннъ. На каждого изъ нихъ отъ Спасителя низшли лучи. Св. Ап. Петръ сѣдовласый съ короткою бородою, приподнявшись нѣсколько, руки воздѣлъ къ верху а голову откинулъ назадъ, чтобы посмотриѣть на прославленнаго Спасителя. Св. Іоаннъ молодой безъ бороды какъ бы на корточкахъ сѣдящій, и руки и взоръ свой устремилъ на Спасителя же; посреди ихъ находящійся св. Ап. Іаковъ также немного приподнялся, лѣвою рукою онъ уперся на землю, а правую немного приподнялъ близъ груди. Лице его изумленное обращено не много къ верху.

9). На оборотѣ 124-го листа нарисовано: *Воскресеніе Лазаря*. Въ пещерѣ гробъ. Изъ него по слову Спасителя поднялся въ бѣлой одеждѣ воскресшій Лазарь. По обѣимъ сторонамъ гроба два мальчика, быть можетъ братья его; одинъ изъ за него въ голубоватой рубашкѣ смотритъ на Спасителя, благословляющаго именословно Лазаря. Другой мальчикъ въ красной рубашкѣ обратился назадъ.

Одна сестра Лазаря, стоящая на колѣняхъ близъ Спасителя, въ красной одеждѣ съ изумленіемъ смотритъ на своего брата Лазаря, воздѣвъ немного свои руки. Другая сестра ея въ зеленой одеждѣ припала къ ногамъ Спасителя. Спаситель въ лѣвой рукѣ держитъ свитокъ, лице Его превосходно нарисовано, волосы довольно долги, борода короткая. Сзади Спасителя нѣсколько лицъ мужскихъ, два старческія а 5-ть молодыхъ, также изумляются этому событію. По правую сторону пещеры одинъ мальчикъ въ шапкѣ прислонилъ руку къ устамъ и съ изумленіемъ смотритъ на Лазаря, а другой рядомъ съ нимъ стоящій, должно быть Фарисей, имѣющій покрывало на головѣ, изумительно смотритъ на Спасителя.

10). На 125-мъ листѣ нарисованъ *Входъ Спасителя въ Іерусалимъ*. Спаситель въѣзжаетъ въ городъ на ослѣ. Правою рукою Онъ благословляетъ впереди Его встрѣчающихъ старцевъ и молодыхъ съ ваіями и постилающихъ одежды. Сзади Спасителя должно быть идутъ Его ученики, разсуждая между собою о торжественной встрѣчѣ Его. Впереди встрѣчающихъ нарисована городская башня съ воротами, не далеко отъ ней дерево, а по лѣвую сторону Спасителя нарисована скала.

ζ. Мниатюра до 1320 года.

На оборотѣ 125-го листа изображенъ на золотомъ полѣ св. Евангелистъ Маркъ, на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою и подножіемъ близъ него. Евангелистъ съ просѣдью, окладистою небольшою бородою въ зеленой верхней одеждѣ, и въ пунцовой нижней, наклонившись въ правую сторону; лѣвую руку онъ положилъ на столъ предъ нимъ стоящій съ письменными принадлежностями, а правою оттираетъ у стола ящикъ. Надъ столомъ укрѣпленъ маленькій налойчикъ, вверху котораго лежитъ раскрытое Евангеліе. Въ верхней каймѣ рамки сквозь три кольца продернута небольшая довольно узкая завѣса.



11). На оборотѣ 190-го листа нарисовано *Распятіе Господне*, съ подножіемъ на крестѣ и съ надписью на бѣлой особо укрѣпленной дщицѣ I. N. R. I. Божія Матерь и св. Іоаннъ Богословъ, сложивъ кисти рукъ своихъ со слезами на глазахъ съ скорбію и грустію смотрятъ на Распятаго Спасителя. Подъ голгоою видна Адамова голова, орошенная кровію Распятаго. Вдали виднѣется Іерусалимъ.

12). На оборотѣ 193. листа живописно нарисовано: *Воскресеніе Христово*. Спаситель въ овальной съ сіяніемъ нишѣ стоитъ на сломанныхъ версехъ ада. Въ мракѣ адакомъ видны петли, гвозди отъ верей. Правую рукою Онъ взялъ за правую руку Адама, а лѣвою за правую руку Еввы. Выше Адама Предтеча простеръ свои руки къ Спасителю. На Предтечу подлѣ него смотритъ еще какое-то старческое лице. Подлѣ Еввы стоятъ въ голубой порфирѣ Цари: Давидъ и Соломонъ.

13. На 194-мъ листѣ нарисовано: *Воснесеніе Господне*. Іисусъ вознесшійся сидитъ въ кругѣ на верхней дугѣ, какъ бы радугѣ краснаго цвѣта, въ подножіи такого же цвѣта дуга. Онъ, простерши руки Свои, благословляетъ именословно Божію Матерь и Апостоловъ. Вокругъ Спасителя по двумъ сторонамъ два Ангела. Внизу Апостолы и посреди Божія Матерь, а подлѣ ея съ обоихъ сторонъ сзади стоятъ два Ангела въ бѣломъ одѣянніи, и указываютъ на Спасителя вознесшагося, по обоимъ сторонамъ Божіей Матери находящимся Апостоламъ. Спаситель въ бѣлой одеждѣ; а Божія Матерь въ верхней пурпуроваго цвѣта, а нижней голубой.

### г. Миниатюра до 1320 года.

На оборотѣ 194-го листа изображенъ св. Евангелистъ Лука на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою. Подъ ногами у него подножіе. На колѣнахъ раскрыто Евангеліе, которое онъ начинаетъ писать, написавъ двѣ строки. Лѣвую онъ положилъ на столъ предъ нимъ стоящій съ письменными принадлежностями, на которомъ утверждёнъ налойчикъ съ раскрытымъ Евангеліемъ. Нижняя его одежда голубая, а верхняя розовая. Волоса темные какъ будто съ просѣдью, курчавые, борода короткая. Въ верхней каймѣ рамки сквозь три кольца продернута небольшая завѣса, одна половина которой краснаго цвѣта, а другая бѣлаго.

14). На оборотѣ 300. листа нарисована живописно: *Пятдесятница*. 12-ть Апостоловъ полукругомъ сидятъ въ горницѣ. Св. Ап. Петръ и Павелъ посреди этаго полукруга сидятъ. У Ап. Петра въ лѣвой рукѣ замѣтенъ, какъ бы ключъ, у Ап. Павла книга Апостолъ. На каждого изъ нихъ сошелъ св. Духъ въ видѣ огненнымъ языкомъ.

15). На 301. листѣ нарисовано: *Успеніе Божіей Матери*. Божія Матерь лежитъ во гробѣ, покрытомъ покровомъ малиноваго цвѣта. По другую сторону гроба въ овальной нишѣ краснаго цвѣта и розоваго съ сіяніемъ вокругъ стоитъ Спаситель держащій на рукахъ душу Божіей Матери въ младенческомъ видѣ спеленанною; по сторонамъ Его два Ангела. На верху овальной ниши нарисованъ шестокрилатый Серафимъ, держащій въ обоихъ рукахъ по рипидѣ четверугольной съ надписью: ὁ ὤσιος. По сторонамъ наши два древнія зданія, а по краямъ гроба по 6-ти Апостоловъ. У изголовья съ правой стороны одинъ изъ Апостоловъ сѣдовласый нагнулся на гробъ, держась обоими руками за край гроба, Онъ смотритъ на другаго Апостола у ногъ Божіей Матери, нагнувшагося и какъ бы участвующаго въ положеніи ея во гробъ. Онъ положилъ свою правую руку на край гроба. Взоръ же его обращенъ къ лицу Божіей Матери. По лѣвую сторону изголовья одинъ изъ Апостоловъ кадитъ. Съ лѣвой стороны гроба стоитъ на невысокомъ подсвѣчникѣ заженная свѣча. Прочіе Апостолы съ выраженіемъ грусти и плача на лицѣ.

### д. Миниатюра до 1320-го года.

На оборотѣ 301. листа изображенъ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою и красною подушкою на немъ. Лицемъ онъ обратился назадъ въ правую сторону отъ него въ верхній уголъ, гдѣ нарисована благословляющая именословно десница Господня. Отъ десницы ниспущены три луча на Евангелиста. На колѣнахъ у него листъ бумаги, на которомъ написано только полторы строки; правую рукою онъ поддерживаетъ этотъ листъ. Предъ нимъ столикъ съ письменными принадлежностями и съ налойчикомъ, утвержденнымъ на немъ для Евангелія, которое вверху его и раскрыто.



16). На оборотѣ 383. листа изображенъ позднѣе всѣхъ описываемыхъ миниатюръ Димитрій Палеологъ \*) стоящій на колѣнахъ въ черномъ одѣяніи и въ черной шапочкѣ съ воздѣтыми руками, кисти которыхъ сложены вмѣстѣ. Онъ нарисованъ въ концѣ Евангелія отъ Іоанна; краски на немъ совершенно отличны отъ красокъ въ миниатюрахъ.

## П о с л ъ 1320-го г о д а .

17). На листѣ 384. нарисована: *Тайная вечеря*. Спаситель сидитъ посреди стола; подлѣ Него по правую сторону сидитъ св. Іоаннъ Богословъ, положивъ руки на столъ, а на руки свои и голову свою. Головы его лѣвою рукою коснулся Спаситель, а правую поднялъ, какъ бы желая благословить трапезу; подлѣ Іоанна Богослова стоитъ Ап. Петръ сѣдовласый съ короткою бороною, лицомъ обратившись къ Спасителю и правую руку простерши къ Нему. Молодой Апостолъ близъ Петра съ другимъ сѣдовласымъ отвортился отъ Спасителя. Этотъ молодой Ап. пальцемъ правой руки на что-то указываетъ въ ту сторону, гдѣ находится Спаситель. Подлѣ нихъ другіе два, одинъ сѣдовласый, а другой молодой безъ бороды смотрятъ съ изумленіемъ на Спасителя. Молодой протянулъ лѣвую руку въ сторону къ Спасителю. По лѣвую сторону Спасителя 4-й Апостолъ коснулся правою рукою рыбы, лежащей на столѣ, устремивъ взоръ свой къ Спасителю. Послѣдній изъ нихъ 6-й въ нижней красной одеждѣ и зеленой верхней отвортился отъ Спасителя и отъ Апостоловъ назадъ въ сторону, правою рукою упершись на скамью, на которой они сидятъ, а лѣвую простеръ къ правой рукѣ 4-го Апостола, коснувшася лежащей на столѣ рыбы.

18). На оборотѣ 184-го листа нарисовано: *Умовеніе ногъ*. Спаситель, препоясанный лентіемъ, за-сучивъ оба рукава, омываетъ, правую ногу св. Ап. Петра сидящаго, съ крещенными руками на груди и съ изумленіемъ смотрящаго на высокое смиреніе своего Учителя и Господа. Сзади Спасителя стоитъ одинъ изъ Апостоловъ съ кувшиномъ. Четверо впереди стоящіе Апостолы обратили свой взоръ на молодаго Апостола съ кувшиномъ (должно быть св. Іоанна Богослова), а прочіе на смиренное дѣйствіе Спасителя. По лѣвую сторону Ап. Петра стоитъ столъ съ двумя свѣчами на немъ, двумя бутылками, изъ которыхъ въ одной что-то красное налито. Быть можетъ это принадлежности для омовенія ногъ.

# Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

МАРК. IV. 1—23.

λ. 136. Καί ἄλιν ἤρξατο διδάσκειν παρὰ τὴν θάλασσαν. καὶ συνήχθη πρὸς αὐτὸν ὄχλος πολὺς. ὥστε αὐτὸν ἐμβάντα εἰς τὸ πλοῖον, καθῆσθαι ἐν τῇ θαλάσῃ. καὶ πᾶς ὁ ὄχλος πρὸς τὴν θάλασσαν. ἐπὶ τῆς γῆς ἦν. καὶ ἐδιδάσκεν αὐτοὺς ἐν παραβολαῖς πολλὰ. καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς ἐν τῇ διδαχῇ αὐτοῦ. ἀκούετε. ἰδοὺ ἐξῆλθεν ὁ σπεῖρων τοῦ σπεῖρου. καὶ ἐγένετο ἐν τῷ σπεύρειν, ὃ μὲν, ἔπεσε παρὰ τὴν ὁδὸν. καὶ ἦλθεν τὰ πετεινὰ καὶ κατέφαγεν αὐτό. ἄλλο δὲ ἔπεσεν ἐπὶ τὸ πετρῶδες, ὅπου οὐκ εἶχε γῆν πολλήν. καὶ εὐθέως ἐξανέτειλε. διὰ τὸ μὴ ἔχειν βάθος γῆς. ἡλίου δὲ ἀνατείλαντος, ἐκαυματίσθη. καὶ διὰ τὸ μὴ ἔχειν ῥίζαν, ἐξηράνθη. καὶ ἄλλο ἔπεσεν εἰς τὰς ἀκάνθας. καὶ ἀνέβησαν αὐτὰ καὶ συνέπνιξαν αὐτὸ. καὶ καρπὸν οὐκ ἔδωκε. καὶ ἄλλο ἔπεσεν εἰς τὴν γῆν τὴν καλήν. καὶ ἐδίδου καρπὸν ἀναβαίνοντα καὶ αὐξάνοντα. καὶ ἔφερεν ἐν τριάκοντα. καὶ ἐν ἐξήκοντα. καὶ ἐν ἑκατόν. καὶ ἔλεγεν, ὃ ἔχων ὧτα

ИЗЪ НОВАГО ЗАВѢТА СВ. АЛЕКСІЯ МИТРО-  
ПОЛИТА. Л. 18. А. 6.

И пакѣ науха оуѣн прѣ морн ѣ собрѣ к немѣ. нарѣ  
мно. пакѣ емѣ клѣзню к корабл. състи на морн. ѣ  
кѣ нарѣ прѣ морн на зѣ бѣ. ѣ оуѣн ѣ к прѣтѣ мно-  
го. ѣ глѣше ѣ кѣ оуѣн своѣ. слышнѣте. се ѣзѣе съѣн  
съѣ. ѣ бѣи кнѣѣ. съѣнѣ. ово оуѣ наѣе прѣ нѣ ѣ прѣдо  
птица. ѣ поѣдо ѣ. ннѣ наѣе на каменѣ. ѣѣе не ѣма  
зѣ многи. ѣ ѣѣе прозаѣе. занѣ не ѣмѣ глѣбнѣ зѣ.  
слѣнѣю же воснѣкнѣю прѣмаѣе. ѣзанѣ не ѣмѣтѣ коренн  
оуѣнѣ. а ннѣ наѣе к тернѣн. ѣ кзѣдо тернѣн ѣ спо-  
даѣѣ. ѣ наѣда не дѣ. а ѣно наѣе на зѣ доѣрѣ. ѣ да-  
нѣе пѣѣ всѣодаѣи ѣ рѣтѣнѣ к. ѣ. н. ѣ. н. ѣ. н. глѣше  
ѣмѣнѣ оуѣ слышнѣтѣ да слышнѣ. сѣдѣ бѣи сѣнѣ. кѣроснѣнѣ  
н соуѣнѣи ѣ не съ кѣ. прѣтѣнѣ. ѣ глѣ ѣ. кѣ данѣо кѣдѣтѣ  
тѣнѣнѣ прѣтѣнѣ бѣнѣ : . . Оѣнѣмѣ соуѣнѣи кнѣ. к прѣтѣнѣ всѣ  
бѣнѣѣе. да кѣдѣнѣе кѣдѣ ѣ не оуѣрѣ. ѣ слышнѣнѣе слы-  
шѣ ѣ не рѣзѣмѣнѣю. сѣдѣ когдѣ обѣратѣѣ. ѣ оставѣтѣ ѣ

<sup>1)</sup> Г. Муральтъ на этомъ основаніи относитъ Миниатюры и рукопись къ 1450. году смерти Димитрія Палеолога.



ἀκούειν ἀκούετω. ὅτε δὲ ἐγένετο κατὰ μόνας, ἠρώτησαν αὐτὸν οἱ περὶ αὐτὸν σὺν τοῖς δώδεκα τὴν παραβολὴν, καὶ ἔλεγεν. **Π. 137.** αὐτοῖς. ὑμῖν δέδοται γινῶναι τὸ μυστήριον τῆς βασιλείας τοῦ θ. ἐκείνοις δὲ τοῖς ἔξω, ἐν παραβολαῖς τὰ πάντα γίνεται. ἵνα βλέποντες βλέπωσι. καὶ οὐ μὴ ἴδωσι καὶ ἀκούοντες, ἀκούωσι. καὶ οὐ μὴ σινηῶσι. μήποτε ἐπιστρέψωσι, καὶ ἀρεθῇ αὐτοῖς τὰ ἁμαρτήματα. καὶ λέγει αὐτοῖς. οὐκ οἴδατε τὴν παραβολὴν ταύτην; καὶ πῶς πάσας τὰς παραβολὰς γνώσεσθε. ὁ σπείρων τὸν λόγον σπείρει. οὗτοι δὲ εἰσιν οἱ παρὰ τὴν ὁδὸν, ὅπου σπείρεται ὁ λόγος. καὶ ὅταν ἀκούσωσιν εὐθέως ἔρχεται ὁ σατανᾶς. καὶ αἶρει τὸν λόγον τὸν ἐσπαρμένον ἐν τοῖς καρδίαις αὐτῶν. καὶ οὗτοι εἰσὶν ὁμοίως **Π. 137.** οἱ ἐπὶ τὰ πετρῶδη σπειρόμενοι, οἱ ὅταν ἀκούσωσι τὸν λόγον, εὐθέως μετὰ χάρας λαμβάνουσιν αὐτὸν. καὶ οὐκ ἔχουσι ρίζαν ἐν ἑαυτοῖς. ἀλλὰ πρόσκαιροὶ εἰσιν. εἴτα γενομένης θλίψεως ἢ διωγμοῦ διὰ τὸν λόγον εὐθέως σκανδαλίζονται. καὶ οὗτοι εἰσιν οἱ εἰς τὰς ἀκάνθας σπειρόμενοι. οὗτοι εἰσὶ οἱ τὸν λόγον ἀκούοντες. καὶ καὶ αἱ περὶ τὰ λοιπὰ ἐπιθυμία ἐισπορευόμεναι. συμπνίγουσι γῆν τὴν καλὴν σπαρέντες, οἵτινες ἀκούουσι τὸν λόγον καὶ ἐνεξήκοντα. καὶ ἐν ἑκατόν. καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς. μήτι ὁ λύγος ἔχ' ἵνα ἐπὶ τὴν λυχνίαν ἐπιτεθῇ; οὐ γὰρ ἐστὶ κρυπτόν, ὁ φανερόν ἐλθῇ. εἴτις ἔχει ὧτα ἀκούειν, ἀκθετω.

[illegible]

ἀκάνθια σπειρόμενοι. οὗτοι εἰσι οἱ τὸν λόγον ἀκούοντες. καὶ αἱ μεριμναὶ τοῦ αἰῶνος τούτου. καὶ ἡ ἀπάτη τοῦ πλούτου. καὶ αἱ περὶ τὰ λοιπὰ ἐπιθυμίαι εἰσπορευόμεναι. συμπνίγουσι τὸν λόγον καὶ ἄκαρπος γίνεται. καὶ οὗτοι εἰσιν οἱ ἐπὶ τὴν γῆν τὴν καλὴν σπαρέντες, οἵτινες ἀκούουσι τὸν λόγον καὶ παραδέχονται. καὶ καρποφοροῦσιν ἐν π. 138. τρίακοντα. καὶ ἐνεξήκοντα. καὶ ἐν ἑκατόν. καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς. μήτι ὁ λύχνος ἔρχεται ἵνα ὑπὸ τὸν μόδιον τεθῇ. ἢ ὑπὸ τὴν κλίνην ἢ ἵνα ἐπὶ τὴν λυχνίαν ἐπιτεθῇ; οὐ γὰρ ἐστὶ κρυπτόν, ὃ ἐὰν μὴ φανερωθῇ. οὐ δὲ ἐγένετο ἀπόκρυφον, ἀλλ' ἵνα εἰς φανερόν ἔλθῃ. εἴ τις ἔχει ὥτα ἀκούειν, ἀκηέτω.

Чтеніе и обьясненіе снѣмка.

Κυριακῇ πρὸ τῆς Χριστοῦ γεννήσεως τῷ ἀνάγνωσμα πατέρων.

Τὸ κατὰ ματθαῖον ἅγιον εὐαγγέλιον.

Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ. υἱοῦ δαβίδ. υἱοῦ Ἀβραάμ. Ἀβρααμ ἐγέννησε τὸν Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν Ἰακώβ. Ἰακώβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰσδαν καὶ τοὺς ἀδελφούς αὐτοῦ.

Ὁ δοῦλος Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ δημήτριος παλαιολόγος.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: *μόνας, παραβολήν. ταύτην; ἀμήν.*

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., κατέφαγεν ε., ἐξῆλθεν. ν., ὀμνῦναι. σ., ἐγέννησε. θαλάσ-  
ση. τ., γίνεται. Монограмма Παλαίολογος.

к. Цифра, означающая помѣту тетрадей.

## XVIII. Лицевой Греческій Акаѳистъ

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 429-мъ.

Длина бумаги.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	1 $\frac{3}{4}$	в.
Ширина.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	1	в.
Къ корешку.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	.	.	.	.	.	.	.	.	.	$\frac{5}{8}$	в.
Къ верху	.	.	.	.	.	.	.	.	.	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу	.	.	.	.	.	.	.	.	.	$\frac{5}{8}$	в.

Самый Акаѳистъ писанъ крупною скорописью на 34-хъ листахъ. Въ Акаѳистѣ на страницѣ безъ миниатюръ по 12-ти строкъ. Колеръ чернилъ темно-сѣрый.

Заглавные буквы съ прекрасными изображеніями птицъ, звѣрей, а начальная буква Х. писана творенымъ золотомъ. Съ 35-го листа до конца 71-го другія статьи богослужебнаго содержанія:

л. 35—44 об. Ακολουθια τῆς ἀκαθίστου.

л. 44 об. — 55. Τῷ αὐτῷ μηνὶ κέ. ὁ εὐαγγελισμὸς τῆς ὑπερευλογημένης παναχράντου δεσποινῆς ἡμῶν θεοτόκου, ἡχος πλβ. (6).

л. 55 — 61 об. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν Θεοτόκον τὴν ἀμολυντον. ἡχ. πλδ. (8). Начало канона: Τῶν λυπηρῶν αἱ ἀπαγωγαὶ χειμᾶζουσι.

л. 62 — 67. Τροπάρια διάλογος ὄντα τῆς παναγίας Θεοτόκου πρὸς τὸν δεσπότην Χριστὸν. δέησιν αὐτῆς περιέχοντα καὶ μεσιτεῖαν. τὰ δὲ τοῦ διαλόγου πρόσωπα, δεσπότης καὶ Θεοτόκος. προλέγει ἡ Θεοτόκος. ἡ ἀκροστιχὶς αβγ. ἀντίστροφος. καὶ ἐν τῷ τέλει ταύτης φιλοθέου. ποιήματα δὲ τοῦ Κυροῦ φιλοθέου πατριάρχου. ἡχος πλβ. (6) Τὴν τιμιωτέρα τῶν χερουβιμ.

л. 67 — 71. Ωδάριον κατανοκτικὸν κατὰ ἀλφαβητον. ποιήμα ἀνακρεόντιον. λέοντος τοῦ φιλευσεβοῦς βασιλέως καὶ φιλοσόφου: πρὸς τὸν οὐρανὸν τοῖς ἄστροις. Начало: Ἄρα τίς γῆθεν ἀειρας. ἐν συστροφῇ με ζεφύρου.

Этотъ знаменитый по миниатюрамъ Акаѳистъ, относимый Г. Матѳеемъ и преосвящ. Саввою къ Х. вѣку, писанъ во 2-й половинѣ XIV вѣка <sup>1)</sup>. Здѣсь, послѣ Акаѳиста написаны тѣмъ-же почеркомъ, но гораздо мельче и на томъ-же пергаминѣ, стихотворныя сочиненія въ честь Божіей Матери Филоѳеемъ патріархомъ Константинопольскимъ, которымъ онъ былъ съ 1354 года по 1376 годъ <sup>2)</sup>. Приложенная здѣсь на таблицѣ азбука изъ Акаѳиста крупная, и изъ сочиненія патріарха Филоѳея мелкая укажутъ на сходство обоихъ почерковъ — и мелкаго и крупнаго. Кромѣ сего историческаго доказательства, по которому надо отнести эту рукопись ко 2-й половинѣ XIV вѣка, и палеографическія данныя заставляютъ къ тому-же времени отнести его. Здѣсь нѣтъ ни одного древняго дыханія полукрестиками, употребляемаго въ рукописяхъ Х, XI, XII и даже XIII вѣковъ. Буква ζ съ такимъ очертаніемъ, какое значится въ азбукѣ наприлагаемомъ здѣсь списокѣ, употребляется чаще всего въ рукописяхъ XIV—XV в. Заглавныя фигурныя буквы съ такими животными также употребительны болѣе въ рукописяхъ XIV—XV вѣка.

Вотъ данныя, по которымъ относимую рукопись къ Х. вѣку, надо отнести ее къ концу XIV в.

Теперь приступимъ къ описанію прекрасныхъ миниатюръ этого хотя и въ концѣ XIV вѣка писаннаго, но замѣчательнаго по миниатюрамъ Акаѳиста и древнѣйшаго. Древнѣе его намъ доселѣ пока неизвѣстенъ съ миниатюрами Акаѳистъ Божіей Матери.

1) Предъ 1-мъ кондакомъ изображена Божія Матерь сѣдящая на сѣдалищѣ съ воздѣтыми руками, между двумя древними зданіями. Надъ вѣнцемъ вокругъ головы Божіей Матери, обведенномъ киноварью, написано: Мр. Θυ.; поле во всѣхъ миниатюрахъ золотое.

2) Предъ 1-мъ икосомъ изображено: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы*. Божія Матерь сидитъ въ своей комнатѣ на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подножіемъ. Одною лѣвою рукою Она касается пряжи, укрѣпленной на прялкѣ, въ другой держитъ веретено съ красною ниткою, протянутою отъ пряжи на прялкѣ. Лицемъ обратилась къ Архангелу Гавріилу, сзади подошедшему къ Ней. Въ лѣвой рукѣ у него трость, а правою какъ будто благословляетъ Ее, имѣя 2-й палецъ отъ мизинца пригнутымъ. Надъ Архангеломъ вверху подписано: Αχ. Γαβριήλ.; а надъ Божіею Матерію: Мр. Θυ.

3) Послѣ 1-го икоса предъ 2-мъ кондакомъ опять нарисовано: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы*. Божія Матерь сидитъ на сѣдалищѣ, подобномъ табуреткѣ, лицомъ и всѣмъ тѣломъ обратившись къ Архангелу Гавріилу. Въ лѣвой рукѣ у Ней пряжа и веретено съ красною пряжею, а правая поднята къ верху, куда устремлены и Ея взоры отъ изумленія явившагося предъ Нее Архангела, который стоя, Ее какъ-бы благословляетъ. Второй палецъ отъ мизинца у него пригнутъ. Другой руки его не видно. Надписи: Αχ. Γαβριήλ. Мр. и Θυ.

<sup>1)</sup> Къ XIV вѣку этотъ Акаѳистъ отнесъ и преосвящ. Филаретъ Черниговскій. См. Истор. обзоръ пѣснописцевъ. 1860 г. С.П.Б. стр. 173. Г. Викторъ въ своемъ описаніи сего Акаѳиста, фотографически снятомъ Г. Аласнымъ, относитъ его не ранѣе XII в., не смотря на его вѣрныя соображенія, сдѣланныя въ этой его статьѣ въ отношеніи сходства пергаминна и почерка письма, которымъ писано сочиненіе патріарха Филоѳея, жившаго во 2-й половинѣ XIV вѣка. Къ величайшему сожалѣнію, и доселѣ указываютъ на этотъ драгоценный памятникъ не какъ XIV в., а какъ X в.

<sup>2)</sup> Смотр. Фабриція том. XI. р. 513.



4) Предъ 2-мъ икосомъ изображено: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы*. Божія Матерь сидитъ на сѣдалищѣ, похожемъ на табуретку, съ подножіемъ, съ воздѣтыми руками и лицомъ, изумленнымъ отъ словъ Архангела, который правою рукою Ее благословляетъ. Сверху на зданіи, близъ котораго Божія Матерь сидитъ, перекинута завѣса, касающаяся нижняго зданія. — Вверху изъ облака лучи благодати низпущены на Божию Матерь.

5) Предъ 3-мъ кондакомъ изображена Божія Матерь стоящею посреди зданія на одномъ подножій съ воздѣтыми руками, и глазами устремленными къ верху, отколѣ изъ облака сіяніе въ видѣ трехъ лучей, имѣя посреди фокусъ, изъ котораго идутъ также три луча, низпущено на Божию Матерь. Надпись: Мр. Өб.

6) Предъ 3-мъ икосомъ изображена Божія Матерь привѣтствующею (лобзающею) Елисавету. Сзади ихъ древнія зданія.

7) Предъ 4-мъ кондакомъ нарисованы: Божія Матерь съ праведнымъ Іосифомъ, который простеръ руки отъ изумленія, ставъ близъ двухъ колоннъ сѣни съ лѣвой стороны. А Божія Матерь стоитъ съ правой стороны близъ двухъ-же колоннъ сѣни, и, обратившись къ Іосифу, лѣвою рукою указываетъ въ сторону, и увѣряетъ его въ непорочномъ Своемъ зачатіи отъ Духа святаго, какъ Архангелъ Гавріиль Ей сказалъ. 4-ре колонны съ куполомъ надъ ними по формѣ своей похожи на сѣнь, дѣлаемую надъ престоломъ въ церквахъ.

8) Послѣ 4-го кондака написано золотыми буквами *τέλος τῆς Α' στάσεως*: Предъ 4-мъ икосомъ вверху миниатюры написаны: *ἀρχὴ τῆς Α' στάσεως*. На сей миниатюрѣ изображена пещера. Въ ней Божія Матерь сидитъ съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ. Головою Она наклонилась къ своему правому плечу и вмѣстѣ къ превѣчному младенцу Іисусу. Іосифъ сидитъ въ задумчивости по правую сторону внѣ пещеры нагнувшись; а съ лѣвой стороны пастухъ съ изумленіемъ смотритъ на 4-хъ ангеловъ вверху надъ пещерою славословящихъ родившагося младенца Іисуса. Надъ самою главою Божіей Матери изъ облака сходитъ на Божию Матерь *сила Вышняго* въ видѣ трехъ лучей.

9) Предъ 5-мъ кондакомъ нарисованы три волхва съ быстротою ѣдущихъ верхомъ на коняхъ. Одинъ изъ нихъ передній рукою указываетъ на звѣзду на Востокѣ, другой пальцемъ указываетъ третьему, обратившись лицомъ къ заднему старшему, который, поднявъ лѣвую руку надъ головою, какъ будто чрезъ нее смотритъ на звѣзду, Шапочки у волховъ на самой маковкѣ головы похожи на верхушки китайскихъ зданій.

10) Предъ 5-мъ икосомъ нарисована пещера. Божія Матерь сидитъ въ ней съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ, лѣвую руку положивъ на лѣвое плечо младенца Іисуса, а правая у Ней простерта. — Лице изумленное. У младенца Іисуса правая рука изображена благословляющею. Волхвы пришли поклониться Ему, принесли свои дары, и удивляются видѣнному ими. Шапочки на нихъ такіа-же, какія въ предъидущей миниатюрѣ нарисованы. — Вверху изъ облака сіяніе надъ пещерою. — Одинъ лучъ средній большой почти касается правой руки Божіей Матери. Въ золотомъ вѣнцѣ вокругъ главы младенца Іисуса нѣтъ: *συν.*, а изображенъ крестъ.

11) Предъ 6-мъ кондакомъ нарисованъ Вавилонъ со стѣною, внутри которой зданіе въ родѣ языческаго храма. Одинъ изъ волхвовъ входитъ въ него, занеся лѣвую ногу въ дверь зданія, и обратившись къ старшему волхву что-то говоритъ, что слушаетъ и третій молодой волхвъ. Старшій изъ нихъ протянулъ обѣ руки къ говорящему, а второй подлѣ него стоящій — правую руку. На макушкахъ головы у нихъ такіа-же шапочки, какія нарисованы на нихъ въ предъидущихъ миниатюрахъ.

12) Предъ 6-мъ икосомъ изображенъ Египетъ со стѣною. При приближеніи Божіей Матери къ идольскому храму, три идола, поставленные на верху его, падаютъ внизъ, а два лица близъ храма находящіеся, одно безъ шапки, а другое въ шапкѣ, съ изумленіемъ смотрятъ на входящую Божию Матерь, Которая Своею рукою указываетъ на храмъ. Вокругъ Божіей Матери съ передней стороны нарисовано сіяніе.

13) Предъ 7-мъ кондакомъ изображено: *Срътненіе Господне*. Праведный Свмеонъ, взявъ на руки превѣчнаго младенца Іисуса, передаетъ Его чрезъ нѣкотораго рода какъ-бы жертвенникъ, подъ сѣнью, Божіей Матери, Которая, стоя по другую сторону онаго, протянула обѣ руки, чтобы принять отъ праведнаго Свмеона младенца Іисуса. Надъ жертвенникомъ сѣнь на 4-хъ колоннахъ съ прямымъ шатрикомъ, посреди имѣющимъ четырехгранный пирамидальный куполь. Завѣса предъ нимъ отдернута и концемъ своимъ обвита около колонны.



14) Послѣ 7-го кондака написано золотыми буквами: τέλος της Β' στασεως. — Предъ 7-мъ икосомъ изображена Божія Матерь съ младенцемъ Іисусомъ сѣдящею на великолѣпномъ тронѣ съ шатромъ надъ нимъ. Прарою рукою Она указываетъ на 5-ть пришедшихъ къ ней мужей, а лѣвою поддерживаетъ младенца Іисуса, Который правою рукою ихъ благословляетъ. Въ благословляющей рукѣ Его 2 и 3-й пальцы простерты, 1-й пригнутъ къ 4-му. Первый и пятый изъ тѣхъ мужей простерли свои руки къ Божіей Матери и младенцу Іисусу. Вверху сего изображенія написано: ἀρχὴ τῆς Γ' (στάσεως).

15) Предъ 8-мъ кондакомъ изображена пещера. Въ ней полулежитъ Божія Матерь (1) подлѣ яслей, гдѣ лежитъ повитый пеленами младенецъ Іисусъ. Тутъ-же возлѣ яслей стоятъ два животныхъ — осель и корова. Съ лѣвой стороны близъ пещеры стоятъ нѣсколько людей, съ поднятыми кверху руками. Надъ ними вверху сіяніе, какъ-бы отъ звѣзды. Надписи: Μρ. Θϛ. Ιζ. χζ.

16) Послѣ 8-го кондака нарисованъ Іисусъ Христосъ, сѣдящій между двумя зданіями, имѣющими по сторонамъ по колоннѣ. Тронъ на подобіе стула съ полукругою спинкою на 4-хъ ножкахъ. Спаситель правою рукою благословляетъ. 4-й палецъ благословляющей Его руки пригнутъ къ 1-му, 2-й и 3-й простерты, изъ нихъ 3-й нѣсколько наклоненъ. Надпись: Ιζ. χζ. Въ концѣ вокругъ головы нѣтъ: ωων.

17) Предъ 9-мъ кондакомъ изображенъ стоящимъ Іисусъ Христосъ въ сіяніи среди овальной фигуры, имѣющей по краямъ уголки > цвѣта пунцоваго, розоваго, бѣлаго и голубаго. По обѣимъ сторонамъ Спасителя по три ангела съ простертыми къ Нему руками, готовые выслушать отъ Него приказанія для исполненія. Надъ головою Спасителя изображенъ херувимъ. Спаситель правою рукою благословляетъ. 2-й и 3-й палецъ Его десницы простерты, 3-й изъ нихъ нѣсколько пригнутъ, а 1-й пригнутъ къ 4-му; въ лѣвой-же Онъ держитъ свитокъ.

18) Предъ 9-мъ икосомъ изображена Божія Матерь сѣдящею на тронѣ съ простертыми руками. Лице у Ней задумчивое. По правую сторону Ея стоитъ Іосифъ и изумляется пришедшимъ ораторамъ. По лѣвую сторону Божіей Матери ихъ стоитъ шесть. Два изъ нихъ съ хартіями. Одинъ, держа въ правой рукѣ хартію, лѣвую приложилъ къ своимъ устамъ и съ изумленіемъ смотритъ на Божию Матерь. *Шестое лице* между двумя ораторами въ бѣлыхъ довольно высокихъ шапкахъ, похожихъ на перво-священническія, едва видно. Видна на немъ только часть лица. У одного оратора въ родѣ зубчатой короны, у двухъ шапка съ полями, а верхушка ихъ конусообразна.

19) Предъ 10-мъ кондакомъ изображенъ Спаситель благословляющій. Онъ стоитъ на лѣвой сторонѣ картины. У благословляющей Его десницы 2-й и 3-й пальцы простерты, 4-й пригнутъ. Изображеніе Спасителя и одежда на Немъ отъ времени стерлись, только видны 2, 3 и послѣдній пальцы простертыми. На правой сторонѣ есть изображенія, но они стерты. Надпись надъ Спасителемъ: Ις. Χ. Въ вѣнцѣ вокругъ головы Его нѣтъ: ωων. Въ концѣ кондака написаны: Τέλος τῆς Γ'. στάσεως.

20) Предъ 10-мъ икосомъ изображена Божія Матерь сѣдящею на тронѣ близъ древняго зданія. съ простертыми руками. Взоръ Ея устремленъ кверху. По ту и другую сторону Божіей Матери стоятъ по шести дѣвъ, и всѣ онѣ въ изумленіи отъ Божіей Матери. По лѣвую сторону передняя дѣва, указывая правою рукою на Божию Матерь, лицомъ къ другой и что-то ей говоритъ. По правую сторону передняя дѣва стоитъ съ обѣими простертыми руками. Волосы на головѣ у всѣхъ дѣвъ не покрыты. — По ту и другую сторону у переднихъ дѣвъ руки выше локтя обнажены. Подпись надъ Божіею Матерью: Μρ. Θϛ.

21) Предъ 11-мъ кондакомъ изображенъ Спаситель съ книгою въ лѣвой рукѣ. Правая-же Его десница обращена къ груди. По лѣвую сторону Его стоятъ два святителя въ архіерейскихъ кресчатыхъ облаченіяхъ съ простертыми руками къ Нему; а сзади ихъ ликъ иноковъ въ древнихъ камилкахъ. По правую сторону Его стоятъ шесть лицъ изъ евреевъ. У перваго лица лѣвая рука вынута изъ рукава, а правою сложено благословеніе. Между ними два лица молодые безъ шапокъ. На всѣхъ лицахъ выражено вниманіе.

1) На чемъ полулежитъ Божія Матерь, это вверху и внизу въ родѣ длиннаго мѣшка, по обѣимъ концамъ связаннаго.



22) Предъ 11-мъ икосомъ изображена стоящею Божія Матерь въ такой-же овальной фигурѣ съ уголками > по краямъ, въ какой изображенъ Спаситель предъ 9-мъ кондакомъ въ 17-й миніатюрѣ. Правая рука у Ней простерта къ пришедшимъ предъ Нее шести мужамъ, лѣвуюже руку Она положила на одежду у правой руки. Взоръ Ея устремленъ кверху. Предъ Нею стоитъ большая горящая свѣща на очень невысокомъ подсвѣчникѣ. Изъ шести пришедшихъ мужей первый, простерши руки свои, наклонился. Прочіе пять мужей устремили свои взоры на Божию Матерь.—Надпись: Мр̃. 65.

23) Предъ 12-мъ кондакомъ изображенъ Иисусъ Христосъ стоящимъ близъ вратъ (должно быть райскихъ). Правою рукою Онъ указываетъ на нихъ стоящимъ по другую сторону ихъ, и первому должно быть Адаму, чтобы по отверзтіи ихъ войти туда. — Текстъ кондака написанъ мелко и другою рукою, гораздо позднѣе (около XV вѣка).

Предъ 12-мъ икосомъ картины нѣтъ, но видно мѣсто, гдѣ вырѣзана картина. По этому случаю кондакъ 12-й, написанный своевременно на вырѣзанномъ листѣ съ картиною предъ 12-мъ икосомъ, написанъ уже послѣ, въ XV вѣкѣ, подъ картиною своевременно писанною, но не имѣвшею своевременнаго текста 12-го кондака.

24) Предъ 13-мъ кондакомъ нарисованъ образъ Божіей Матери съ превѣчнымъ младенцемъ Иисусомъ на лѣвой рукѣ. Лицемъ Божія Матерь обращена въ правую сторону.—По лѣвую сторону образа стоятъ впереди три духовныя лица, похожія на святителей <sup>1)</sup>, въ бѣлыхъ высокихъ шапкахъ, а сзади ихъ другія духовныя особы въ красныхъ шапкахъ. По правую-же сторону нѣсколько лицъ въ шапкахъ конусообразныхъ. Отъ образа Божіей Матери спущена пелена. <sup>2)</sup>.

## Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ф. 35 — 36 об. Βουλὴν προαιώνιον ἀποκαλύπτων σοι Κόρη. γαβριὴλ ἐφέστηκε σε κατὰσπαζόμενος καὶ φθεγγόμενος. χαῖρε γῆ ἄσπορε. χαῖρε βάτε. ἀφλεκτε. χαῖρε βάθος δυσθεώρητον. χαῖρε. ἡ γέφυρα. πρὸς τοὺς οὐρανοὺς ἡ μετάγουσα. καὶ κλίμαξ ἡ μετάρσιος. ἦν ὁ Ἰακώβ ἐθεάσατο. χαῖρε θεία στάμνε. τοῦ μάννα. χαῖρε λύσις τῆς ἀρᾶς. χαῖρε ἀδάμ ἡ ἀνάκλησις. μετὰ σοῦ ὁ κς:.

видѣ. радоуѣса божьствѣнахъ роуѣько мѣнны. радоуѣса съ тобою господь . . .

Φαίνη μοι ὡς ἄνθρωπος. φησὶν. ἡ ἀφθόρος Κόρη. πρὸς τὸν ἀρχιστράτηγον. καὶ πῶς, φθεγγῇ ρήματα ὑπὲρ ἄνθρωπον. μετ' ἐμοῦ ἔφησας τὸν θῆν ἔσεσθαι. καὶ σκηναῶσαι ἐν τῇ μήτρᾳ μου. καὶ πῶς γενήσομαι λέγε μοι χωρίον ἐν ὅρω. καὶ τόπος ἀγιασματος. τοῦ τοῖς χερουβὶμ ἐπιβάνοντος. μή με δελεάσης ἀπάτη. οὐ γὰρ ἔγνω ἡδονὴν. γάμου ἡπάρχω. ἀνύητος. πῶς οὖν παῖδα τέξομαι.

Θς̃ ε̃που βουλεται νικᾶται φύσεως τάξις φησὶν ὁ ἄσωματος. καὶ τὰ ὑπὲρ ἄνθρωπον διαπράττεται. τοῖς ἐμοῖς πίστευε. ἀληθῆσι ρήμασι. παναγία ὑπεράμωμε. ἡ δε ἐβόησε. γέ-

Изъ триоди постной съ крюковыми нотами XII в. Моск. Синод. Библиотеки № 319.

Стір. на хвалѣ г҃ѣ . . . г҃ѣ г҃ѣ. пѣ все оупѣва . . .

Мысль прѣвѣьно<sup>3)</sup> (— уьноу) отъкрываю ти дѣво. гаврилъ прѣдѣставъ. тебѣ цѣлоуѣхъ н вѣщахъ. радоуѣса землѣ бестмѣньнахъ. радоуѣса неопланиахъ. радоуѣса глоуѣнно дѣвовидниахъ. <sup>4)</sup> радоуѣса мостѣ на небесахъ возводан. радоуѣса лѣстнице вьсокахъ. юже нѣковъ раздрѣшеніе клѣтвъ. радоуѣса адамово вѣзведеніе.

Иакоже шнмнѣсѣ ꙗко уловѣкѣ. реуѣ унстаѣ дѣвнцѣ. къ архистратнгоу. н ꙗко вѣщаѣши глаголы. пауѣ уловѣка съ мною бо реуѣ бога быти. н вѣселнѣсѣ къ оутробоу мою. н ꙗко рождю глаголи ми вѣмѣстнѣ (— тнлнѣ) пространноу. н мѣсто свѣщеннѣ. на хѣровнмѣ сѣдѣцѣаго (— цаго). не прѣлѣстн менѣ лѣстнѣ. не бо разоуѣмѣхъ сластн. бракоу соуѣшн не нс-коуѣснѣахъ. ꙗко оубо отроуѣ рождю . . .

Богъ ндеже хоуѣеть. одолѣваѣтъ ѣствѣства уннѣ. реуѣ бесплѣтнѣын. н ꙗже вѣше уловѣка сѣдѣваѣтъ. моннѣ вѣроуѣ нстннѣынмѣ глаголомѣ. прѣуѣнстаѣ непороуѣна.

<sup>1)</sup> Одежда на нихъ стерлась отъ времени; поэтому трудно сказать были-ли на нихъ омофоры.

<sup>2)</sup> Перепечатано изъ X-й книги Чтеній Московскаго Общества Любителей Духовнаго Просвѣщенія 1870 года.

<sup>3)</sup> Разночтенія въ скобкахъ изъ Стихирари XII в. № 278. той же Библиотеки.

<sup>4)</sup> Въ XIV в. н позднѣе неѣдобозрнмѣахъ.

νητό μοι νῦν ὡς τὸ ρῆμα σου. καὶ τέξομαι τὸν ἄσχαρον. σάρκα ἐξ ἐμοῦ δανεισάμενον. ὅπως ἀναγάγῃ τὸν ἄνθρωπον ὡς μόνος δυνατός. εἰς τὸ ἀρχαῖον ἀζῖωμα. διὰ τῆς συγκράσεως.

Δόξα καὶ νῦν. ἦχος. πλβ. (6).

Ἀπεστάλη ἐξ οὐρανοῦ γαβριήλ ὁ ἀρχάγγελος, εὐαγγελίσασθαι τῇ παρθένῳ τὴν σύλληψιν. καὶ ἐλθὼν, εἰς Ναζαρέτ, ἐλογίζετο ἐν ἑαυτῷ τὸ θαῦμα ἐκπληττόμενος. ὅτι πῶς ὁ ἐν ὑψίστοις, ἀκατάληπτος ὢν, ἐκ παρθένου τίκτεται. ὁ ἔχων θρόνον οὐρανῶν. καὶ ὑποπόδιον τὴν γῆν, ἐν μήτρᾳ χωρεῖται γυναικὸς. ὃν τὰ ἐξ ἀπτέρυγα καὶ πολυόμματα, ἀτενίσαι οὐ δύνανται λόγῳ μόνῳ ἐκ ταύτης σαρκωθῆναι εὐδόκησε. θῦ ἐστι λόγος ὁ παρὼν. τί οὖν ἵσταμαι, καὶ οὐ λέγω τῇ Κόρῃ, χαῖρε κεχαριτωμένη ὁ κς μετὰ σου. χαῖρε ἄγνη παρθένε. χαῖρε νύμφη ἀνύμφευτε. χαῖρε μῆρ τῆς ζωῆς. εὐλογημένος ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου.

она же възъи. бодн нынѣ по глаголю твоѣмоу н. рожию бесплѣтнаго. плѣть отъ мене прннмѣша. како да възведетъ уловѣка. како едннѣ снлнѣ. въ първое достоинннѣ сѣмѣреннѣ радн . : .

На слѣ. н нѣ. глѣ. ѣ. самоглѣ . : .

Послѣманъ бысть. съ небесе гаврилъ архангѣл. благовѣстнн. дѣвнцн зачатнѣ. н прншѣдъ въ назарефъ. помышлалаше въ себе уюдесн оуднвлалася. како оубо въ вышннхъ непостнжнмъ сын отъ дѣвы ражѣется. нмѣян прѣстолъ небо. н поднжннѣ землю. въ оутробоу въмѣщѣется женскоу. его же шестокрнлатнн. н мнгооунтнн зърѣтн не могоутъ. словѣмъ едннѣмъ отъ неѣ въплѣтннса нзволн. божнѣ естъ слово. соущее. убо оубо стою. н не глаголю дѣвнцн. радонса обрадованнѣмъ господъ съ тобою. радонса унстѣмъ дѣво радонса некъсто безнекъстнѣмъ. радонса матн жнвотоу. благословенъ плодъ урѣва твоѣго . : .

#### Чтєніє и об̑ясненіє снмѣа.

л. 28. Крупнаго почерка. Χαῖρε ἡ τὸν σπορέα τῆς ἀγνείας τεκοῦσα.

Χαῖρε παστὰς ἀσπόρου νυμφεύσεως. χαῖρε πιστοὺς Κυρίῳ ἀρμόζουσα. χαῖρε καλὴ κουροτρόφῃ παρθένων. χαῖρε ψυχῶν νυμφοστόλῃ ἀγίων. χαῖρε νύμφῃ ἀνύμφευτε.

л. 10 об. Δαιμόνων.

л. 62. Мѣлкаго почерка того же писца. Κύριε Ἰησοῦ Χριστέ θεοῦ ἐλέησον. Троπάρια διάλογος ὄντα τῆς παναγίας θεοτόκου πρὸς τὸν δεσπότην χριστὸν. δέησιν αὐτῆς περιέχοντα καὶ μεσιτείαν. τὰ δὲ τοῦ διαλόγου πρόσωπα, δεσπότης καὶ θεοτόκος. проλέγει ἡ θεοτόκος. ἡ ἀκροστιχίς. αβ. ἀντίστροφος. καὶ ἐν τῷ τέλει ταύτης, φιλοθέου . : . ποιήματα δὲ τοῦ Κυροῦ φιλοθέου πατριαρχου . : . ἦχος πλβ. (6).

Θεοτόκος ὦ δέσποτα Κύριε καὶ υἱέ. λόγε καὶ σοφία καὶ ἀπαύγασμα τοῦ πατρὸς ὦ κτίστα καὶ σῶτερ τῶν πάντων Ἰησοῦ μου. τῆς σῆς μητρὸς ἐντεύξεις συνήθως πρόσδεξαι . : .

Δεσπότης. ψυχὴ καὶ καρδίᾳ μήτερ ἡ σή. καὶ νοῦ καὶ τοῦ.

Азбука крупнаго и мѣлкаго письма того же писца.

Слова съ знаками препинанія крупнаго почерка: ζωήν. τούτω, ἀλληλούϊα: Мѣлкаго почерка: Τὸ παράδοξον, ἄσπορος. δόξαν.

Сокращения и слова съ титлами обоихъ почерковъ: καὶ καὶ θεοτόκε Κύριος. πύργος ἀδιάφθορος.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими, обоихъ почерковъ: α., ἐδίδαξε κλίμαξ. ε., ἐδόξασεν χαῖρε χαῖρε συγκράσεως. ἀναπλάσεως. ν., ἴσχυν, νῦν. σ., νεφέλης τῆς ἀστῆρ. всіαν. τ., παστὰς στόλε.





## О Г Л А В Л Е Н І Е

### Рукописей описанныхъ. — XIII-й вѣкъ.

	Стран.
I. Θεотокарій (Богородичникъ) 1235. года . . . . .	1—4
II. Псалтирь съ толкованіемъ разныхъ Отцевъ церкви. 1275. г. . . . .	4—6
III. Четверо-Евангеліе 1275, года . . . . .	6—8
IV. Лѣствица св. Іоанна 1275. года. . . . .	9—13
V. Сборникъ разныхъ Отцевъ церкви Нравств. содержанія. 1289, г. . . . .	14—17
VI. Сочиненія Нравств. содержанія брат. Раймонда Медиоланскаго. . . . .	—18
VII. Прологъ съ Сентября по Мартъ 1292. г. 1295 . . . . .	19—26
VIII. Патерикъ Павла монаха Евергетиды 1297. . . . .	26—38
IX. Уставъ Іерусалимскій 1298. г. . . . .	38—41

### XIV-й вѣкъ.

	Стран.
I. Лѣствица св. Іоанна 1306. года . . . . .	42—44
II. Фотографическій свитокъ литургіи св. Іоанна Златоустаго. . . . .	44—50
III. Сочиненія Нрав. содержанія, содержащія въ себѣ сначала Діоптру или Зерцало 1318. года . . . . .	51 52
IV. Евангеліе по недѣлямъ 1320. года. . . . .	53 54
V. Четверо-Евангеліе 1321. года . . . . .	55—58
VI. 16. словъ св. Григорія Богослова съ толкованіемъ Никиты Иракійскаго. 1340, года. . . . .	58—61
VII. Шестодневъ св. Василия Великаго съ сочиненіями другихъ Отцевъ церкви 1339 года. . . . .	61—64
VIII. Собраніе молитвъ и пѣснопѣній Ѳеодора Аѳонскаго монаха 1341. года. . . . .	65—69
IX. Номоканонъ Матѳея Властаря 1342. г. . . . .	69—72
X. Тріодъ постная 1344. года . . . . .	72—76
XI. Сборникъ бесѣдъ св. Іоанна Златоустаго 1345. г. . . . .	76—82
XII. Лавсаикъ съ патериками 1345. г . . . . .	82—87
XIII. Постническія слова св. Ісаака Сиріина 1355. г. . . . .	87—97
XIV. О произведенной отъ Бога твари 1359. . . . .	97. 98
XV. Фотографическій снимокъ Литургіи св. Василия Великаго 1375. г. . . . .	98. 103
XVI. Сборникъ статей полетичекаго содержанія 1387. г. . . . .	103—112
XVII. Четверо-Евангеліе до 1320. г . . . . .	113—118
XVIII. Лицевый Греческій Акаѳистъ 2-й половины XIV в. . . . .	118—123

## О Г Л А В Л Е Н І Е

Древле-Славянскаго перевода съ означеніемъ времени написанія, и рукописи, изъ которой  
заимствованъ переводъ.

	Стран.
Изъ канонѣвъ XIV в. № 210. Рум, Музея. л. 74. об.—78 об. . . . .	1—3
Изъ Псалтири XVI—XVII в. моего собранія съ разночтеніями въ скобкахъ изъ толковой Ѳеодоритовой Псалтири 1472. года. л. 2—4. . . . .	4. — 6. об.
Изъ Четверо-Евангеліе 1144. года. Синод. Библіотеки. глав. 2-я Марка. л. 71. об.—73 об. стр. 7 и 3	
Изъ лѣствицы св. Іоанна XV в. моего собранія л. 272—277. къ пастырю. . . . .	9—18



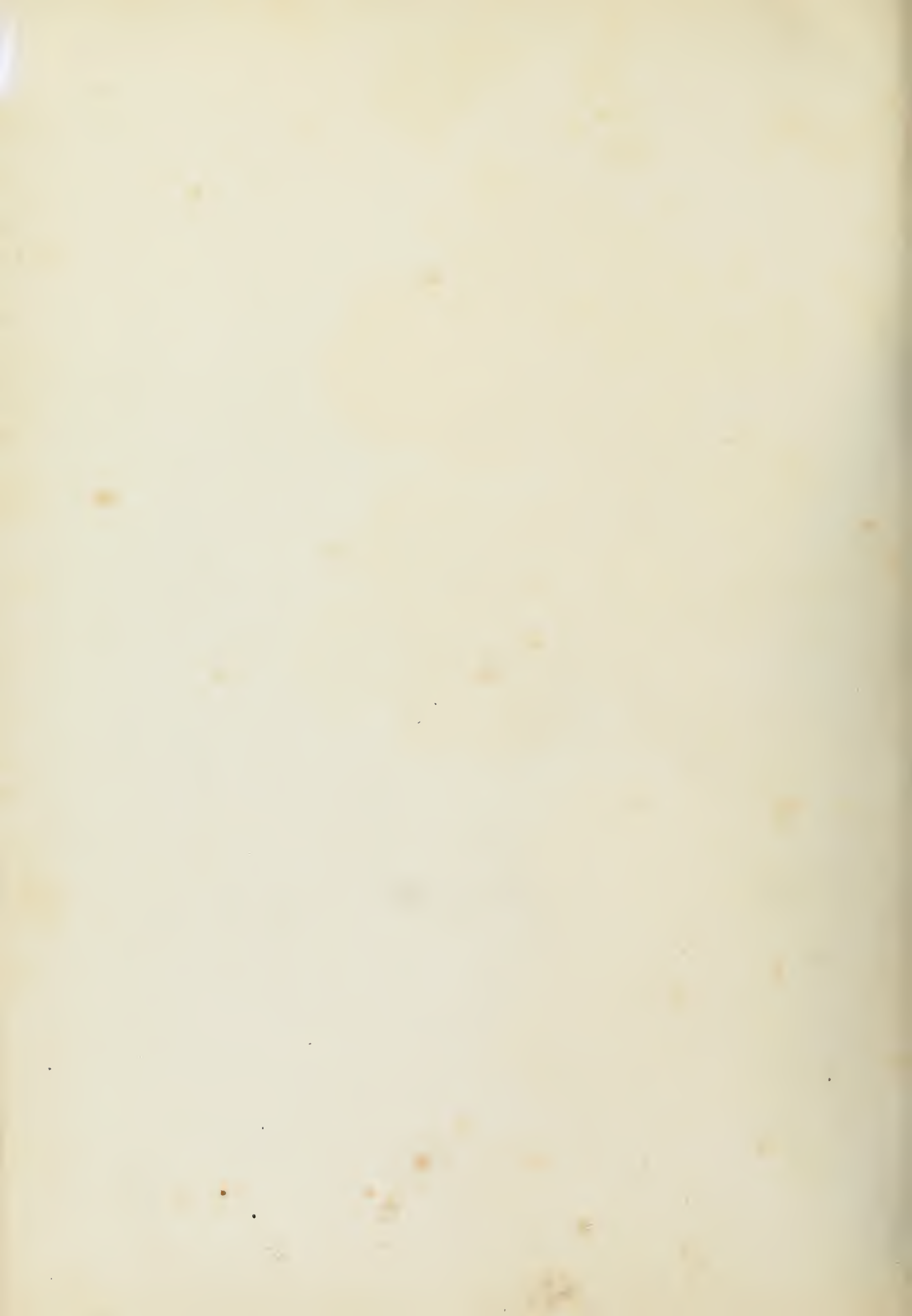
Изъ Декабрской Макаріевской Четъи-миней XVI в. слово Антіоха къ Евстаѣю о молит- вѣ гл. рѣ. л. 593 . . . . .	15—17
Изъ Пролога XVI—XVII в. Синод. Библіотеки № 242. л. 56. об. 26. Сентября о прес- тавленіи св. Іоана Богослова. . . . .	19—26
Изъ Пандекта Антіоха XI в. Воскресенской Ново-Іерусалимской Библіотеки . . . . .	81 32
Изъ Пандекта Антіоха XVI в. въ Макаріевскихъ Четъи-минейхъ за Декабрь мѣсяць гл. 88. л. 583.. . . .	37 38
Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего собранія л. 249. об. и 250. об. слово св. Іо- анна Златоустаго на св. Пасху. . . . .	39 и 40
Изъ той же Псалтири Воскресные тропари. л. 264. и 265. об. . . . .	40 41
Изъ лѣствицы св. Іоанна XV в. моего собранія. л. 93—95. о неизглаголенныхъ помы- словъ хульныхъ. . . . .	42—44
Изъ служебника преп. Варлаама Хутынскаго XIII в. Синод. Библ. л. 14—19. Изъ Литур- гій св. Іоанна Златоустаго. . . . .	45—53
Изъ Книги: Діоптра 1493 г. Кирилло-Бѣлозерской Библіотеки. . . . .	51 и 52
Изъ Новаго Завѣта Святителя Алексія Митрополита. XIV в. л. 24. и об. а. Въ среду Мясопустную отъ Марка. . . . .	53 54
Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія XIV в. изъ 1-й главы Еван. Луки. . . . .	55—57
Изъ св. Григорія Богослова съ толкованіемъ Никиты Ираклійскаго слово 16 о Григоріи, братѣ Василиевѣ XIV в. Синод. Библ. № 954. л. 210. 211. . . . .	58—61
Изъ шестоднева Іоанна Екзарха Болгарскаго 1263. года. № 345. Синод. Библ. изъ 5. бесѣды на бытіе. л. 97. об.—100 . . . . .	62—64
Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего собранія Канонъ Господу Іисусу. л. 130. об.— 133. . . . .	66—69
Изъ Кормчей XI—XII в. л. 21. и 22. № 227. Синод. Библ. 5-ть правилъ 1-го Все- ленскаго Собора. . . . .	70—72
Изъ Тріоди постной XII в. № 319. Синод. Библіотеки л. 1—7 об. Стихиры и канонъ въ недѣлю Мытаря и Фарисея. . . . .	73—75
Изъ Маргарита 1499. г. № 103. Синод. Библіотеки л. 19—23. о непостижимомъ . . . . .	78—82
Изъ Лавсаика XVII. № 549. Синод. Библ. л. 11. изъ патерика Скитскаго № 949. л. 131 об.—134. . . . .	83—87
Изъ постническихъ словъ св. Исаака Суріина 1525. г. № 109. Синод. Библ. слово о чувствахъ. л. 34—38. и изъ нихъ же моего собранія XV в. л. 376 об. и 377. л. 22. 23. . . . .	93—97
Изъ Литургій св. Василия Великаго Преп. Варлаама Хутынскаго XIII в. . . . .	98—102
Изъ Сборника XVI в. Сын. Библ. № 561. Никиты Стифата противъ Латинъ объ опрѣс- нокахъ. л. 52. об.—61. . . . .	106—112
Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія. XIV в. Марк. IV. 1—23. . . . .	117—118
Изъ Тріоди постной XII в. Сын. Библ. нѣсколько стихиръ на Благовѣщеніе Пресв. Бо- городицы. . . . .	122 и 123

# О П Е Ч А Т К И:

стран.	строка.	Напечатано:	Надобно читать:
13.	1. снизу.	φεβουάριος	φεβρουάριος.
63.	16. сверху.	88.	98.
85.	1 и 2. снизу.	142.	940.
—	—	лавсликомъ.	Лавсаикомъ. Это сказанія.
—	—	ниоднаго сказанія.	ниоднаго.

---







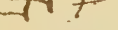





































































































ιστ' Φλογοσμε  
 σου μαγική ύο σφ

$$e^{\lambda \pi}$$

$\frac{1}{2}$ 
 $\frac{1}{3}$ 
 $\frac{1}{4}$ 
 $\frac{1}{5}$ 
 $\frac{1}{6}$ 
 $\frac{1}{7}$ 
 $\frac{1}{8}$ 
 $\frac{1}{9}$ 
 $\frac{1}{10}$ 
 $\frac{1}{11}$ 
 $\frac{1}{12}$ 
 $\frac{1}{13}$ 
 $\frac{1}{14}$ 
 $\frac{1}{15}$ 
 $\frac{1}{16}$ 
 $\frac{1}{17}$ 
 $\frac{1}{18}$ 
 $\frac{1}{19}$ 
 $\frac{1}{20}$ 
 $\frac{1}{21}$ 
 $\frac{1}{22}$ 
 $\frac{1}{23}$ 
 $\frac{1}{24}$ 
 $\frac{1}{25}$ 
 $\frac{1}{26}$ 
 $\frac{1}{27}$ 
 $\frac{1}{28}$ 
 $\frac{1}{29}$ 
 $\frac{1}{30}$ 
 $\frac{1}{31}$ 
 $\frac{1}{32}$ 
 $\frac{1}{33}$ 
 $\frac{1}{34}$ 
 $\frac{1}{35}$ 
 $\frac{1}{36}$ 
 $\frac{1}{37}$ 
 $\frac{1}{38}$ 
 $\frac{1}{39}$ 
 $\frac{1}{40}$ 
 $\frac{1}{41}$ 
 $\frac{1}{42}$ 
 $\frac{1}{43}$ 
 $\frac{1}{44}$ 
 $\frac{1}{45}$ 
 $\frac{1}{46}$ 
 $\frac{1}{47}$ 
 $\frac{1}{48}$ 
 $\frac{1}{49}$ 
 $\frac{1}{50}$ 
 $\frac{1}{51}$ 
 $\frac{1}{52}$ 
 $\frac{1}{53}$ 
 $\frac{1}{54}$ 
 $\frac{1}{55}$ 
 $\frac{1}{56}$ 
 $\frac{1}{57}$ 
 $\frac{1}{58}$ 
 $\frac{1}{59}$ 
 $\frac{1}{60}$ 
 $\frac{1}{61}$ 
 $\frac{1}{62}$ 
 $\frac{1}{63}$ 
 $\frac{1}{64}$ 
 $\frac{1}{65}$ 
 $\frac{1}{66}$ 
 $\frac{1}{67}$ 
 $\frac{1}{68}$ 
 $\frac{1}{69}$ 
 $\frac{1}{70}$ 
 $\frac{1}{71}$ 
 $\frac{1}{72}$ 
 $\frac{1}{73}$ 
 $\frac{1}{74}$ 
 $\frac{1}{75}$ 
 $\frac{1}{76}$ 
 $\frac{1}{77}$ 
 $\frac{1}{78}$ 
 $\frac{1}{79}$ 
 $\frac{1}{80}$ 
 $\frac{1}{81}$ 
 $\frac{1}{82}$ 
 $\frac{1}{83}$ 
 $\frac{1}{84}$ 
 $\frac{1}{85}$ 
 $\frac{1}{86}$ 
 $\frac{1}{87}$ 
 $\frac{1}{88}$ 
 $\frac{1}{89}$ 
 $\frac{1}{90}$ 
 $\frac{1}{91}$ 
 $\frac{1}{92}$ 
 $\frac{1}{93}$ 
 $\frac{1}{94}$ 
 $\frac{1}{95}$ 
 $\frac{1}{96}$ 
 $\frac{1}{97}$ 
 $\frac{1}{98}$ 
 $\frac{1}{99}$ 
 $\frac{1}{100}$

$$+ (\omega \otimes \sigma \otimes C_{\pi \omega \sigma} \phi) :$$
[illegible][illegible]

1. 
 2. 
 3. 
 4. 
 5. 
 6. 
 7. 
 8. 
 9. 
 10. 
 11. 
 12. 
 13. 
 14. 
 15. 
 16. 
 17. 
 18. 
 19. 
 20. 
 21. 
 22. 
 23. 
 24. 
 25. 
 26. 
 27. 
 28. 
 29. 
 30. 
 31. 
 32. 
 33. 
 34. 
 35. 
 36. 
 37. 
 38. 
 39. 
 40. 
 41. 
 42. 
 43. 
 44. 
 45. 
 46. 
 47. 
 48. 
 49. 
 50. 
 51. 
 52. 
 53. 
 54. 
 55. 
 56. 
 57. 
 58. 
 59. 
 60. 
 61. 
 62. 
 63. 
 64. 
 65. 
 66. 
 67. 
 68. 
 69. 
 70. 
 71. 
 72. 
 73. 
 74. 
 75. 
 76. 
 77. 
 78. 
 79. 
 80. 
 81. 
 82. 
 83. 
 84. 
 85. 
 86. 
 87. 
 88. 
 89. 
 90.







α α β γ δ ε ζ ε  
 \* θ ι κ λ μ ρ ζ  
 ο π ρ σ τ τ υ φ χ ψ  
 ω ω

καὶ τὸ ἀβέβαιον ἀπομαχόμεν  
 φασίμ ὅτι ἐν τῷ μαλακίᾳ  
 βγαίνει παλὶ τῆς αὐτοῦ κελτα  
 τῶν ἰσχυρῶν παρὶ ἀλλήλων  
 ἰχθυοῦν τοῦ τῆς οὐραίου  
 τῆς σφραγίδος πύδατος  
 ἔκαστος φανόζου. λαοὶ δὲ τοῦ  
 πρὸς ὅρεκαί χεῖρ ἡμῶν χεῖρ  
 δεῖ. ἡ γὰρ σφραγὶς αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ  
 τοῦ χεῖρ. ὡς βῆ ἡμῶν σφραγὶς καὶ  
 ἡ σφραγὶς τοῦ μὲν, ὡς ἡμῶν σφραγὶς  
 τῶν βλαβερῶν καὶ τῶν ὀνείων. τὸ δὲ

ἡ δὲ = ἐπὶ ἀπὸ δαῖ.  
 ἡ γὰρ ἐπὶ τῆς δαῖ.  
 α γὰρ τοῦ  
 ε ε ζ αβγ. ἡ ποιεῖται  
 γ αὐτῶν  
 ἡ δὲ

ἡ σφραγὶς αὐτοῦ τῶν βλαβερῶν καὶ τῶν ὀνείων. τὸ δὲ

ἡ σφραγὶς αὐτοῦ τῶν βλαβερῶν καὶ τῶν ὀνείων. τὸ δὲ  
 ἡ σφραγὶς αὐτοῦ τῶν βλαβερῶν καὶ τῶν ὀνείων. τὸ δὲ  
 ἡ σφραγὶς αὐτοῦ τῶν βλαβερῶν καὶ τῶν ὀνείων. τὸ δὲ







ΤΟ ΚΑΤΑ ΙΩΑΝΝΗΝ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ



Ἀρχὴ ἦν ὁ λόγος· καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος· οὗτος  
ἦν ἀρχὴ πρὸς τὸν θεόν·  
πάντα δι' αὐτοῦ ἐγένετο·  
καὶ χωρὶς αὐτοῦ ἐγένετο οὐ  
δὲ ἦν ὁ γινόμενος.

α β γ δ ε ς ζ η θ ι κ λ μ ν  
ρ σ τ υ φ χ ψ ω



Ἐν ἀρχῇ ἦν τὸ τοιοῦτον ἄγιον καὶ θεόν  
εὐαγγέλιον διὰ χειρὸς μελλόντων  
ταπεινῶν καὶ ἀμαρτωλῶν μοιραχῶν  
τοῦ ἐκ ἐξουσίας ὁρμώμενου· διὰ  
σωθῆναι καὶ μετὰ τὴν ὁδοδείξιν  
ἐκ τῆς ταπεινότητος ἐξόδου, τοῦτα μοι  
σημαίνει ἡ βοήθεια καὶ ἡ χάρις  
τοῦ καὶ δόξα μου τῆς θείας καὶ πόρι  
λαλή του μοι τῆς ἀληθείας μου τῶν  
παιδῶν τοῦ μαυροῦ παυροῦ μένης·  
εἰς λύτρωσιν καὶ ἀφάρτησιν τῶν ἀμαρτωλῶν  
καὶ ἡμεῖς οὐκ ἔσμεν· ἐν τῇ ἡμέρᾳ  
ἡμεῖς οὐκ ἔσμεν· ἐν τῇ ἡμέρᾳ  
ἡμεῖς οὐκ ἔσμεν· ἐν τῇ ἡμέρᾳ

ἡμεῖς οὐκ ἔσμεν· ἐν τῇ ἡμέρᾳ





ρ α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ  
 μ μ ρ  
 Α Β Γ Δ Ε Ζ Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ξ Ο Π Ρ Σ Τ  
 ϕ χ ψ ω  
 υ φ χ ψ ω

εσπεισαν ἄλλοι χρυσὸν εἰς βρῦναι·  
 ἄλλοι δὲ, γῆρας ἐύδοξον ἠκαίμαρ γάρ·  
 καὶ πάντα τὰ λούτορ, πρᾶσι εἰς ἀπλησίαν·  
 ἀποδεύσας δὲ τοῦ παρ' οὐ τοῦ ἰσχύου,  
 οὐ μαρτυρίαν, οὐχὶ θοῦν χρυσίου·  
 πῶς μορφήν δὲ τῶν ἄλλων τοῦ χύμου,  
 σοφῶς ἀνὰ ρῶν δὲ βρῦναι τοῦ θόου,  
 ἐν θόου ἠὲ πλῆτορ ὅς μὲν ἄλλοι·  
 ῥῶν παρ' ταῖς γὰρ καὶ ῥῶν μὲν βρῦναι·

ρ α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ  
 ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω  
 ε  
 α, ἀνέλκω  
 ε, ἔλαμψε  
 η, ἀνέλκω  
 σ, ἔλαμψε  
 τ, ἀνέλκω  
 ω, ἔλαμψε  
 ε, ἀνέλκω  
 ζ, ἔλαμψε  
 η, ἀνέλκω  
 θ, ἔλαμψε  
 ι, ἀνέλκω  
 κ, ἔλαμψε  
 λ, ἀνέλκω  
 μ, ἔλαμψε  
 ν, ἀνέλκω  
 ξ, ἔλαμψε  
 ο, ἀνέλκω  
 π, ἔλαμψε  
 ρ, ἀνέλκω  
 σ, ἔλαμψε  
 τ, ἀνέλκω  
 υ, ἔλαμψε  
 φ, ἀνέλκω  
 χ, ἔλαμψε  
 ψ, ἀνέλκω  
 ω, ἔλαμψε











ἡ λόγος ἀκνητικός τοῦ ἀββᾶ ἰωάννου  
τοῦ ἡγουμένου τῶν ἐν τῷ εἰκᾶ ὄρει  
μοναχῶν : λόγος θ' :-

οὐκ ἄνωθ' οὐ καὶ ὑπεράνωθ' οὐ καὶ πα-  
ραπάνωθ' οὐ καὶ ὑπερβασιλέως  
καλὸν γὰρ ἐκ θῦ πρὸς τοῖς θῦ θρα-  
πορτασὶν ἄρξασθαι· παύσαι τὰ ὑπ' αὐ-  
τοῦ κτιοῦντα λογικὰ· αὐτοῦ ζου-  
σιότητος αὐξιώματι· τιμήσαντες  
οἱ μέν ἐσιν αὐτοῦ φίλοι· οἱ δὲ γνήσι-  
οὶ δοῦλοι· οἱ δὲ ἀχρεῖοι·

ΕΦΗ ΤΟΥ ΠΟΥΛΙΤΗ

∴ περίμνημις θαυμάσιον ∴

ἂν τοὺς λόγους προηγείται ἔμροια·

μνήμη δὲ θαυμάσιου καὶ πλαισμάτων·





<sup>26</sup>  
 α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ξ ο π ρ σ τ τυ φ ϑ χ ψ ω ω ω  
<sup>3</sup>

α. ἀγγέλοις.

α. ὁζέλαθε ὑ ἄνδρ ἡμῶν

πρ  
θῦ

χαρίσμα

θάψα

α. ροῦ γράφω

φυσ

α. καθύπερ, αἰ μῦ ασου

πλῆθαι περὶ τῆς

ἑπαύσαι τοι

πόθον

μοιχῶς

1288

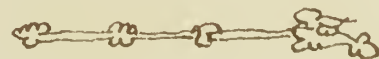
1289 Γ.

ἐν τῇ αἰῶνι τῇ περὶ τῆς δόξης  
 αὐτοῦ δεχόμενοι δέ τε δοκῶντες ἀπαρτίζονται τὴν ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 αἰ τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν

ἐν τῇ αἰῶνι τῇ περὶ τῆς δόξης  
 αὐτοῦ δεχόμενοι δέ τε δοκῶντες ἀπαρτίζονται τὴν ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 αἰ τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν

Ε Π Λ Μ Ν Ξ Ο Π Ρ Σ Τ Φ Ψ Ω

τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν  
 ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν ὡς τὸ ἐκκλησίαν



α. ἀποστόλων

β. ὁ δὲ θεὸς

γ. τοῦ δὲ θεοῦ

δ. τοῦ δὲ θεοῦ

ε. τοῦ δὲ θεοῦ





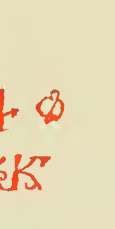
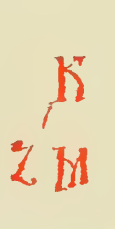
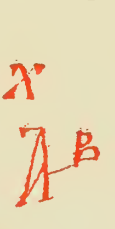

περὶ τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης τῆς δόξης




ὡς τὸ

17






α, δ, ζ, η, θ, ι, κ, λ, μ, ν, ξ, ο, π, ρ, σ, τ, φ, χ, ψ, ω

α, δ, ζ, η, θ, ι, κ, λ, μ, ν, ξ, ο, π, ρ, σ, τ, φ, χ, ψ, ω

α, δ, ζ, η, θ, ι, κ, λ, μ, ν, ξ, ο, π, ρ, σ, τ, φ, χ, ψ, ω

α, δ, ζ, η, θ, ι, κ, λ, μ, ν, ξ, ο, π, ρ, σ, τ, φ, χ, ψ, ω

1292 г.


 πεινήσας πολλοὺς  
 θυμὸν ἐν δόλῳ  
 ἐκείνου πρὸς ἀποβόλῃ  
 ραββίλου καὶ θωρδῶ πρὸς  
 ὡμῶν ἐν χειρὶ αὐτοῦ διατίθητο  
 εἰς τιμὴν τοῦ ἡγερέου κού  
 καὶ ἐν ἀφάγκῳ πάντων  
 τῶν φίλων τῆς ἀληθείας τῆς ἐνδοξείας  
 αὐτοῦ ἐν σὺν ἑβραϊσῶν ἀφάγκῳ  
 φέρει ἐν τῷ σπον τοῦ κυρίου ἐν τῇ κη

καὶ οἱ ἑβραῖοι πῶς οἱ ἑβραῖοι τοῦ  
 ἱεροῦ χερσὶν οἱ οὗτοι μετὰ αὐτοῦ κλη-  
 τῆς ἡ ἀφάγκῳ. δύνανται εἶναι πρὸς  
 πειναλέοις προσδοκῶν καὶ αἱ πρὸς αὐ-  
 τῶν σαφενέως κερῶν. δέδοται  
 ἐν τῷ καὶ τῷ μαρτυροῦν τῇ ἡμερᾷ  
 πρὸς τῆς ἐοδείας τῆς ἀλλοτρίας ἀφάγκῳ  
 τῶν τοῦ κυρίου ἀφάγκῳ τῆς μαρτυρίας  
 ἑαυτοῦ χερσὶν διακρίνομεν εἰς  
 ἡ κοινὴ δέδοται:

Περὶ τοῦ ἡμετέρου καὶ τῶν σημαντικῶν  
 τοῦ ὁμοῦ αὐτοῦ καὶ τῶν σημαντικῶν αὐτοῦ:

α, β, γ, δ, ε, ζ, η, θ, ι, κ, λ, μ, ν, ξ, ο, π, ρ, σ, τ, φ, χ, ψ, ω





Α Α Γ Δ Ε Β Μ Π Τ

α. ἡ ἀποστολὴ ἡμετέρας

β. ἐκείνου

γ. δυνάμει

δ. ἐκείνου ἡμετέρας

ε. ἐκείνου

ϛ

τοῦ αὐτοῦ

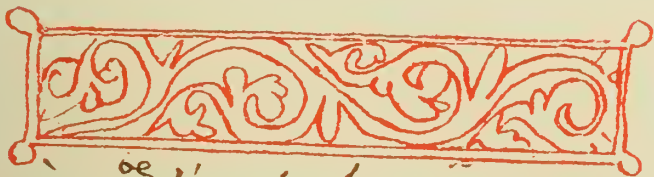
φύσιν

τοῦ αὐτοῦ

ἐκείνου

τοῦ αὐτοῦ

την ἐκείνου



**Μ**ὴν ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
καὶ οὐκ ἔστιν ἡμετέρας ἡμετέρας

αυ γ δ ε ϛ ζ

η θ ι κ λ  
μ ν ρ ξ ζ ο

τῶν αὐτῶν κε· μὴ τῶν αὐτῶν  
ρίων, μαρτυροῦν καὶ μαρτυροῦν  
ὅτι καὶ ἀποστολὴ τοῦ αὐτοῦ ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας

ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας

**Π**ρὸς τὴν ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
καὶ μαρτυροῦν τε·

**Π**ρὸς τὴν ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
καὶ μαρτυροῦν τε·

**Ο**ὕτως ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας

χ ψ ω

ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας



αυ γ δ ε ϛ ζ

η θ ι κ λ

μ ν ρ ξ ζ ο

αυ γ δ ε ϛ ζ

η θ ι κ λ

μ ν ρ ξ ζ ο

ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας  
ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας ἡμετέρας

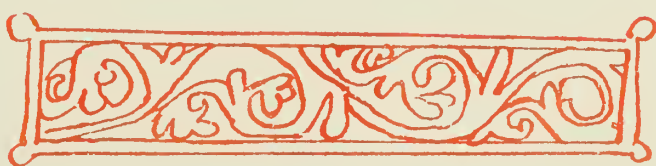
+ ἡμετέρας ἡμετέρας + +







Α Μ Φ Ι Γ Β Ω Ζ Ξ



Χ

Ψ

Δ

Τ

Υ

ἄχειρι βει. — θω:

α υ π λ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ρ β ξ ζ ζ  
ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

σημῆ

μομῆ

τωῶ

κῆ

α. διαπαράξαμ καταφύοσιμ

β. δξ. δε σρ ασίωμ λέει ποριποσών. ιφεπόμν  
γ. τινῶ δξεδήμν

δ. προσέδνας πορ άηναφ

ε. γλῶτταλ

σέλ κρο

δ' τι





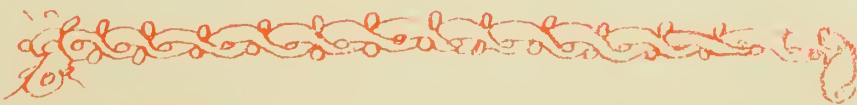




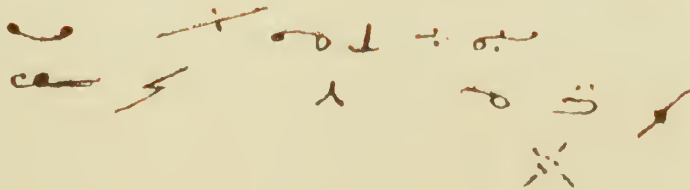


† δὲ πρὸς τὸν ἰσχυρὸν, ὡς ἔαλε· *ἐν τῇ*  
τῇ πατρίδι τοῦ θεοῦ· καὶ ἡ  
γορασάμενος· ἐν τῇ ἀλώσει  
θεασατορίκῃ· καὶ νῦν δίδω  
μι αὐτὸ πρὸς τὸν πατέρα καὶ  
ἀρσένιον τὸν κρητὰ καὶ τοῖς  
μεταπταῖ ἀδελφοῖς, *χρὶς* ὃς  
ἀφ' αἱνῶσκα αὐτὸ· καὶ ὁφθαλμοῖς  
αὐτοῦ· καὶ ὁ τὰ βούχου *σε δαήραι*  
μαί· ἡ παρὰ αὐτὸς ἐξ αὐτῶν·  
ἴδ' ἐσμινοί μοι θάρσος, ἵνα αὐ  
χῶσιν αὐτὸ οἱ ῥηθῶντες ἀδελφοί,  
καὶ εὐχόμενοι καὶ μετὰ τὸν  
ῥηθῶντες οὐθιότητος·  
ἔτι *ἐν* πρὸς μετὰ αὐτῶν

† δὲ πρὸς τὸν ἰσχυρὸν, ὡς ἔαλε·  
α α β γ δ ε ζ η θ ι  
κ λ μ ν ξ ο π ρ σ ς  
τ υ φ χ ψ  
*Α Π Δ Μ Π*



α β γ δ ε ς ζ η θ ι κ λ μ  
ν ξ ο π ρ σ ς τ υ φ χ ψ  
φ χ ψ



οι ω ρ τ



και ρ σ























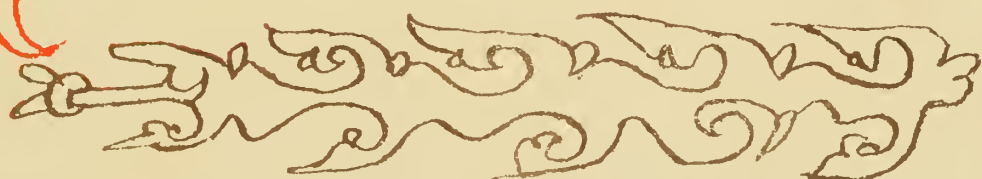






ἰρ

ἀγος τοῦ;  
πιλάτου,  
ἰϋ.



ἀπὸς ἑκείνου



ἡς

ἑ.

εἰς

ἑδ

οὐ ἀρδ



Θ παραμολ

Β α υ δ ε β ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο

ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

α, ἐξάνουσιν ἄνελοι

σεμ Θ η ς  
συλημον

ε ἀρ ήσει ο ς η λ θ εν  
δδξίωρ, λ άωρ  
οὐ συνεδριο τ ω  
μίζο

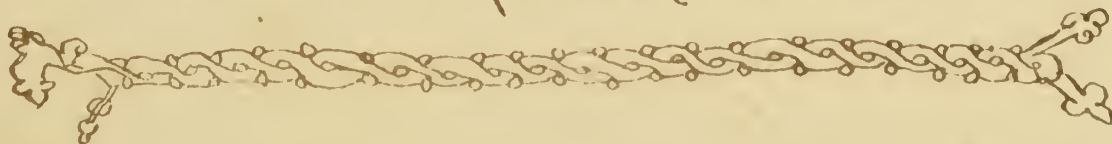
μίζου Κ τ  
μαπαθεύτος



ἰηϋ τῆεϋ : ἐκ τῶν κατὰ λογικῶν :



φ και ρ ω ἐ κεί ρ ω · ἡρώτα τῖς τῶν  
φ αρ ῖ σαί ω ρ τῶ ἰϋ· ἰ ρ α φ ῆ η μῖ δ ω  
τοῦ + καί εἰσελθῶν ἑς τὴν οἰκίαν



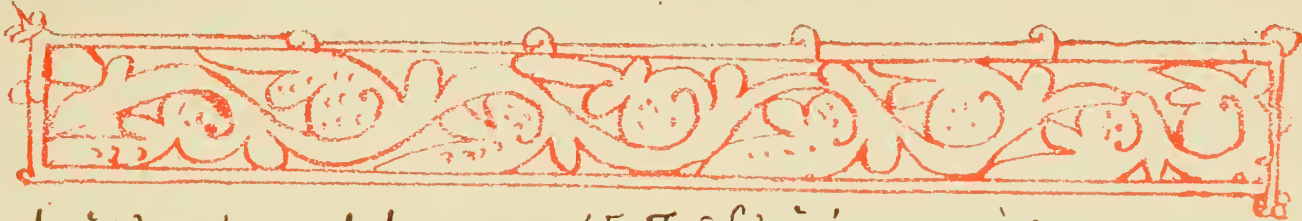












Ψ Α Δ  
X  
A

οἱ ἀνὰ τὴν ἡμετέραν λόγον τοῦ ἡγεῖοις πρὸς κινῶν γεν  
γορίου τοῦ θεολόγου ἐρμηνεύοντες ἀποφωκῆς τοῦ σο  
φωτῶ κυροῦ ἡ κήτα τοῦ ἡρακλείας· λόγ· πρῶ· εἰς  
ἅγιον πάσχει καὶ εἰς τὴν ἡραδύτην· προσάμειον·  
κωρχαροτορνηθεῖσι· ἐρῶς ὁ θῶος γεντόριος· ὡς πῶλοι  
πὺρ γηρασάμ τοσ τοῦ πρῶ· ἀρτί λαμναρδοθα· τοῦ κατ  
ραζίαρ ζοῦ ποιμνίου καὶ ἀρασληροῦ τοσ τὶ πρῶ· κομ  
υτέρημα·  
τὴ γράφη· ἡ γράφη θά· ἀ καὶ θεολογική καὶ ἰσθ' αἰτὶ βί  
βλος· ὡς γρῶ· αἰτ' ἡ γράφη οἱ ἀρ· γι

α α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ς ο π ρ σ ς τ τ υ φ ψ ω

κςμς)  
B M  
A K Y A E Φ Π  
K A B



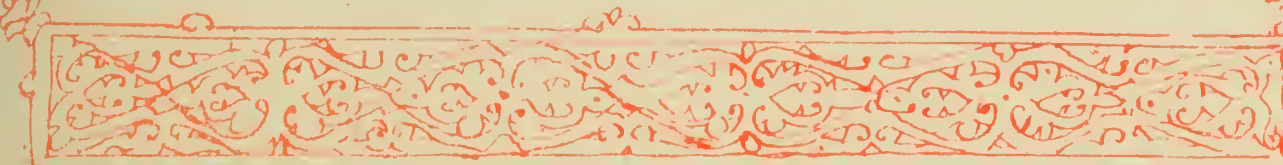
ἀκολουθῆσαι·  
ἐθρῶν·  
Γοττιου, σαι·  
χῶ·  
σοφί·



α ω β γ δ ε ς ζ η θ ι κ λ μ ν ξ  
π ρ σ ς τ τ υ φ ψ ω



πρῶ· ἀρ· ἀραξίος  
ε, κελά· τρεπός·



φραά·



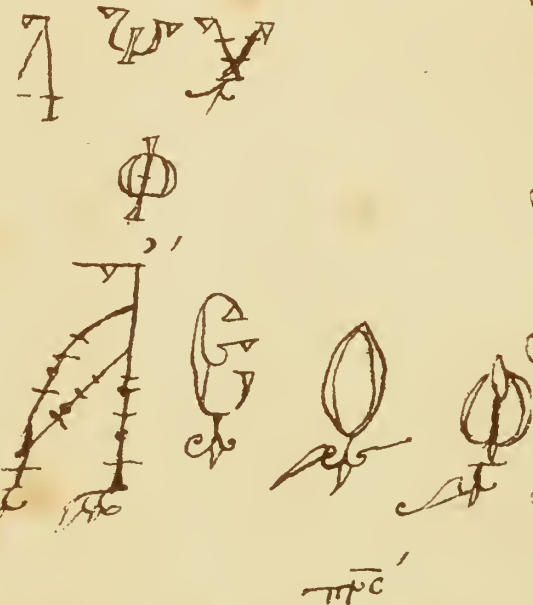






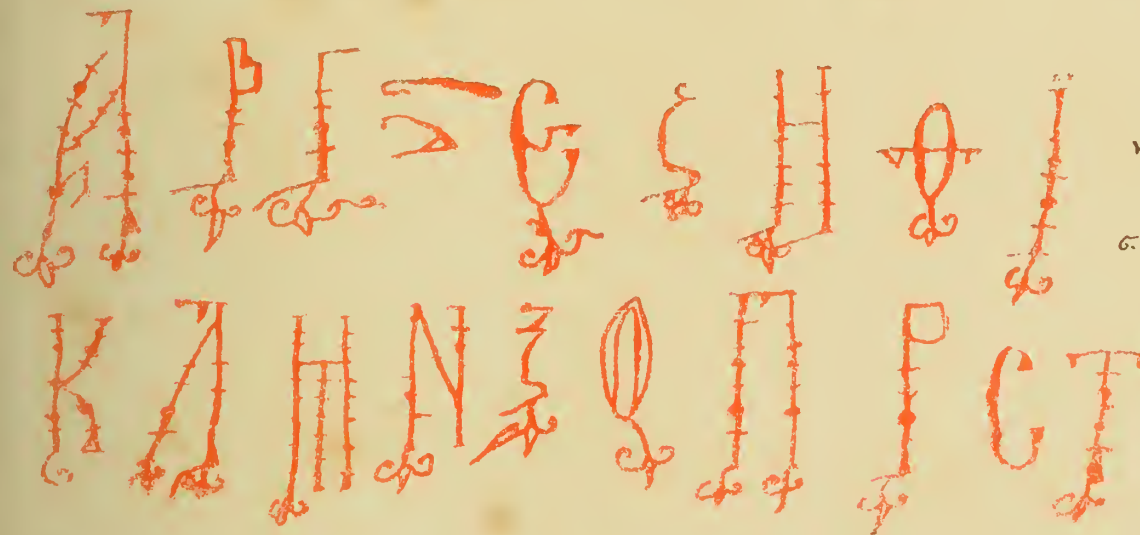


Ἀρξάμενος χαλκὸν τὸ ἀπὸ δὲ πρὸς  
 εἰς μετὰ λείπει χαλκὸν τῆς ὑκτὶ, λέ-  
 γει τὴν εὐαρίστητον εἰς τὴν δὲ χυμὸν αὐ-  
 τῆς πλείονος τοῦ τρισάκτου· εἰ δὲ μὴ, λέ-  
 γει αὐτὴν τὸ δοξαζέμεν ψῆσοις θω. ὅ-  
 τι καὶ τὸν τρισάκτον καὶ τὰ ἀπο-  
 λυτῆς αὐτῆς + αὐτῆς  
 πάλαι σὺν Κῆ τῇ δὲ αὐτῇ τῆς τὰ αὐτῇ  
 ρου ψῆσιν, ὅτι παρὰ τοῦ μοι καὶ μετὰ  
 τῆς σῆς ἰσότητας. οὐκ ἐστὶν οὐ μὴ τὴν  
 τὸν πῶτον ὅτι ἀπὸ σέκτου ὅτι ἔστιν



Ἦ, τέλος τοῦ πρὸς τοῦ βιβλίου  
 ἐν γὰρ τῷ μὲν μὲν μὲν

ἀμὴν·  
 πρὸς τὸ  
 φῶς.



ὅτι ἐκ τῆς αὐτῆς  
 καὶ οὐκ ἐκ τῆς αὐτῆς  
 ὅτι ἐκ τῆς αὐτῆς  
 καὶ οὐκ ἐκ τῆς αὐτῆς

ἀποδομήτου



αβ γ δ ε ζ η θ κ λ μ ν ξ ο π  
 ρ σ τ τυ φ ψ χ + ψ ω ω

ουκ

αβ γ δ ε ζ η θ κ λ μ ν ξ ο π  
 ρ σ τ τυ φ ψ χ + ψ ω ω











4 A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

ДНЕНТГОФТ

αδβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ρ ρ ξ ο π ρ σ ϕ τ τ υ φ χ  
 ἡμεῖς ὑπὸ τῶν ἰσχυρῶν ἰσχυροῦν  
 ἡμεῖς ὑπὸ τῶν ἰσχυρῶν ἰσχυροῦν

$$a \quad a^2$$

α. τῷ ὧς      ζ',      μέρα      ἀνελτεία  
 η. πρὶ

ο. οἱ πρόσθετοι ἀριθμοί

τκ! ὡς ἀπαρ: ππδ  
 κοιν: ὡς ἀπαρ: ππδ  
 Ὡς δὲ δέας κήρυκας καὶ ἀποβάσφιν ὡς τ  
 θβοφός ὡρτορ δὴ μορβφάδε ὡς τῆ φηλῶ α,  
 μαῖσορ τ. ταῖς αὐτῶν ἱκωταῖς. ὄρε ἰεῶν η τῆ  
 τοῖς ἀδὸς ἀζορτας. καὶ μερῶν ὡρτας. δεφύ  
 λαζορ τ' ἄλλορ τ' αἰσοῖ κ' το αλλῶ!

† Τέλος (ὡς θῶμα τῆς δόξης τοῦ  
 τῶν τοῦ ἰδίου τοῦ ἀνθρώπου τοῦ  
 τῶν καὶ ἰσομοιῶν. Ἐν τῇ τῇ  
 ὅτι ἀνθρώπων σκοπῶν. ἀλλὰ διὰ τὸν κῆ-  
 ὅτι καὶ ὅτι ἀνθρώπων πᾶσι γινώσκῃ.

ΚΕΙΤΥΧΕ ΤΕ ΤΟΥ ΘΥΓΕΝΕΩΣ ΜΕΤΟΝ  
ΑΝΔΡΟΠΟΛΟΥ.







τοῦ ἐναγίου πρεσβυτέρου  
 ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου  
 κωνσταντινουπόλεως,  
 τοῦ ὑψοφύτου, περὶ  
 ἀκατάληπτον, ἀπὸ τοῦ  
 τοῦ ἐπισκόπου, χ' α' πέρ' ἐν:

τοῦτο· ὁ ποιμὴν οὐρανῶν  
 ῥαπ. καὶ τὰ θρέμματα, ἐγράφη ἔπειτα ὡς πρὸς ἀκέραιον:  
 μετὰ πάσης τῆς ἀληθείας  
 ἀνκ'· τοῦ ποιμένος αβιγδεζζηζηθι  
 εἰς τοῦτο γὰρ κατόρθωσαι,  
 τὸ μνημόριον παρὸν τὸς ἀλ κρ λ μ μ ρ ζ ο πα ρ  
 λαὶ καὶ παρὸν τὸς πασάν  
 ὁσιδ' ἀκράδαι σπουδῆται  
 ποιμνίας· ποιμὴν γάρ  
 τῶν ἀλόγων, ὅταν ὁ σὺρ  
 τηρὸν κηρύττω μὴ πα  
 ρβ'· μὲν γὰρ ὅσα τῶν  
 κῶν, ἀνακνῆται ποροματ

ς σ τ τυ φ χ

† ∞





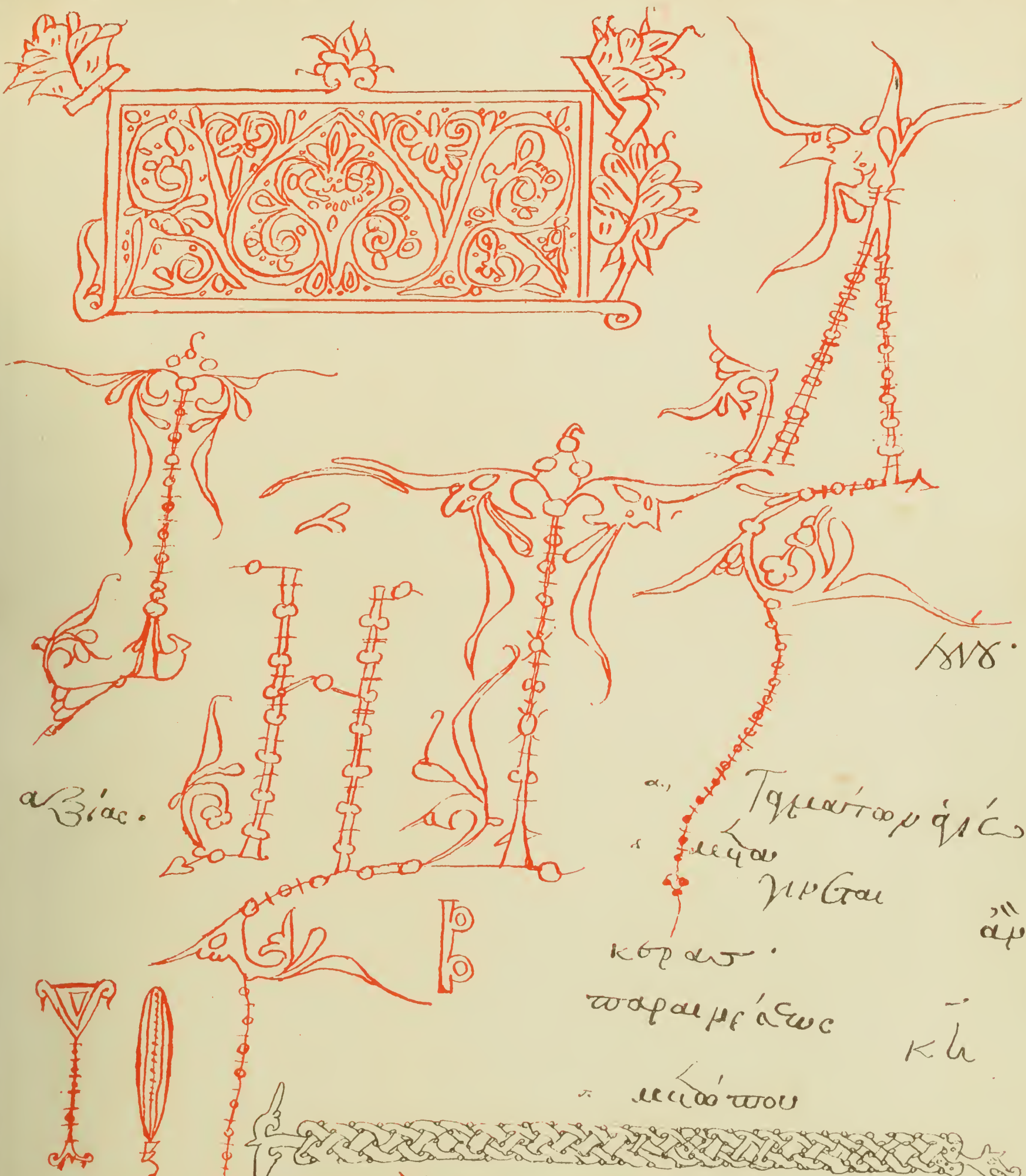
Τοῦ αὐτοῦ, περὶ ἀκατα-  
ληπτον· ἐρρήθην ἐκ αὐτῆς  
πρὸς ἀνομοιογς· ἐγὼ περ·  
ἰὰρ ψῖρ δὲ βρὰ δὲ κρημίνων  
καὶ ἀπὸ τῆς κρημίνων βρὰ  
ρῆς. ὅπως μὰς βρὰ μὴ  
ὡς ὁ ἀρχὴ καὶ βρὰ πρὸς τῆς  
μυρσὺν τραφεῖς· ὅπως  
μυρσὺν ἐδὲ κρημίνων τῆς ἀ-  
γαθὴς δὲ μὴ, ὡς χρὸς  
φάτορ. ἡ δὲ δὲ τῆς μὴ  
πορὰ μὴ οὐσίαν· Τὸ  
δὲ μὴ βρὰ. ὅπως δὲ κρημίνων  
α λ β γ δ ε ζ η θ  
ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ σ  
τ τυ φ χ ψ ω

περὶ τῆς κοτ

ψ δ κς σς ἀμ·  
μυρομένη







αβίας.

188.

α. Τριμύταρ ἄλς  
 α. μέγα  
 γινεται  
 κβρ ας  
 παραιμέας  
 κβ  
 α. αὐώπου

ΠΑΤΡΙΚΟΝ ΗΛΕΙ ΜΕΜΗΓΑΛΕΙΣ ΟΣ: ΔΙΗΜΑΤΑ ΚΑΙ  
 ΜΟΝΘΕΣΙΑ ΠΛΕΡΙΩΝ ΟΣΙΩ ΠΕΡ ΚΑΤΑ ΠΥΞΩΣ:

Ἰησὺς αὐτὸς ἡμῶν τρεῖς ἀδελφοὶ παραμάλωσιν ἡμῶν φέ  
 ρειοῦ. ὅτι ἡ τρεῖς ἱερῶν πορικὸς καθ' ἡμῶν φέ τὰς αἰνῶν.  
 ἄρ' ὡς τοῦ λειομέγ' ἡλ. ἐ τοιαυτὴν ἡμῶν εἶχε ῥοῦ τοῦ  
 πέρι. ὡς ἐκεῖνος κ' ἡμῶν ὅτι περὶ εἰς πᾶν, ὅπου δ' ἡπο  
 τίς αὐτοῦ καὶ περικέπτει τὸν λογισμὸν αὐτοῦ. ἐ ἡρώτ' αὐτόν.







πλεον τοῦ α' με αὐμακρίον τὸν πολὺν.



ὁμοῦ τὸν αὐτὸν πλοῦσι καὶ χειρομύρον τοῖς ἀγίοις τοῦ αὐτοῦ ἡ  
 ἡ' ἐπαινοῦ δόξαν τοῦ ὀνόματός αὐτοῦ καὶ σὺ τὸν ἐλπιζόμενον  
 ἐπ' αὐτόν· δὲ καὶ ἐρρέτω πρὸς αὐτὸν τὰ διὰ τοῦ ἑμακαρίου  
 κατορθώματα· οὗτος γὰρ ἐπελφάσθη τὰ φθάνοντα καὶ ἔθετο  
 τῆς· ἐπ' αὐτὸν ὑπερφύωμεν ὁμομύρον τῶν παθόντων.



ἐπελάττω δὲ λαχρὸν ἐμοῦ ἀπ' τοῦ ἡν. ἔρε π ᾠ ρτ

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω





 ὑπολαβὴ ἐνομήζον. δεῖ  
 πρὸς

$\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \xi \omicron \pi \rho \sigma \tau \upsilon \phi \chi \psi \omega \omega$

6) καρπός

α,  $\eta \sqrt{\epsilon} \lambda \omega$   $\dot{\psi} \sigma \mu \epsilon \nu \sigma \omega \sigma \tau \iota$ .

α. ἐρδὴ ξάμβρου· ἐπεύβει·

2.  $\mu$

σ, ε αφυλάκτο ηρώων .

5.  $\mu$   $\epsilon$   $\lambda$   $\theta$   $\mu$   $\alpha$   $\nu$   $\odot$ .

















ὅδε χεῖμα εἶναι

ἢ ἄρα δαίκατα γὰρ βωμάτε κ' οὐ σὶ, ἀλλ' οὐ κατὰ τὸ ἁρμολογικὸν λόγῳ· ἡ δὲ  
ὑλη τοσοῦτος αὐτὸν ἰχθυόσιν· θάλασσα δὲ ἐκ τῆς παρθενοῦς, καὶ ἡ θύλη  
τοιαύτη δαίκα· ἡ δὲ ποιεῖται κ' ἡ γὰρ αὐτὴ, ὅτι ἐκ τῆς δαίκα· ἡ δὲ τοιαύτη  
σώμα· οὐκ ἔστι ποιεῖται ἀλλὰ ἡ ἀρμολογία τοῦ φ' οὐκ ἔστι· ἀλλὰ τὸ τ' αὐτοῦ  
πρὸς ἐν τῇ δαίκα· τοιοῦτος γὰρ ἔστι τὸς τοκοῦς, εἰς ὑπὲρ τῶν ἀπογεγενημένων, εἰς τὴν  
αἰώνιον τῶν αἰώνων δαίκα +

φ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα  
τὸ τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα  
εἰς τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα  
αβγδεζηθικλμνηξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω ω

**Γ**αλ, τοιοῦτος, πρὸς τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα  
εἰς τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα τὸν τ' οὐκ ἔστι τὸ τ' αὐτοῦ τὴν δαίκα

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω ω

ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω ω

γὰρ.  
λέγειται νοδ βζω

π

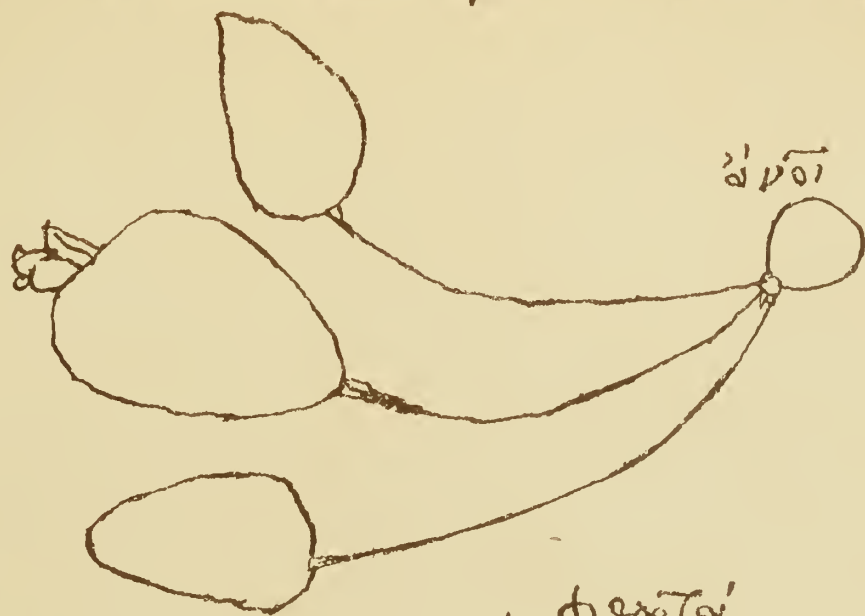
ροήσας.  
αἰσθητόν.  
ἀγέλαος

ροήσας.  
ἐστὶν ἀγέλαος





καλα



δὲ ἀρίβ,

ἐλὺφθην.  
ἀγέλω,  
τ' ω

α, φθάρται

ε, ζωοῖν ἔτρον, φθάρται



π. διέχεται,

1375 r.

+ *ἡ δὲ ἀρίβ, ἐλὺφθην, ἀγέλω, τ' ω*

ἔχ λειψάνων τῶν γενησάντων  
ἀλλὰ.  
Εἰς τὴν αἰώνιον ζωὴν ἡμῶν  
τὸς πατρὶσιν ἐν μέλει  
ταῦτας καὶ κοίταις ἡμῶν  
ποιήσας εὖ φρεῖν τῶν ἀλ-  
μῶν τῶν οὐρανῶν καὶ τῶν  
ἐν γῆ καὶ ἐν ὕδατι καὶ  
ἐν ἀέρι καὶ ἐν πύρι καὶ  
ἐν ὅλῳ κόσμῳ καὶ ἐν  
ἐκείνῳ καὶ ἐν τῷ αἰῶνι  
ἀμήν.

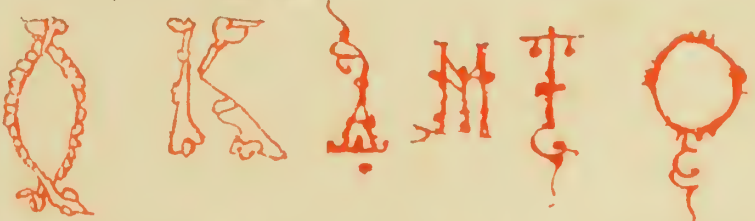
α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ  
ν ξ ο π ρ σ τ υ φ



+ *ἡ δὲ ἀρίβ, ἐλὺφθην, ἀγέλω, τ' ω*

M E G

α β γ δ ε ζ η θ ι κ  
λ μ ν ρ σ τ υ φ  
χ ψ ω







Α Β Γ Δ Ε Ζ Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ξ Ο Π Ρ Σ Τ Υ Φ Χ Ψ Ω  
α α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

θω  
εὐλοκίδου

α. μαρτυρούμεν  
ε. Πρὸς λαοὺς  
ω. τὸ ξυ  
π. μαρτυροῦμεν

ὁφείλομεν  
ἐν δὲ θρωπύσας  
βυθ' σε



π. ἀφ' ὧν

... ἡ αὐτὴ περὶ τῶν ἐπὶ τῆς ἀναστάσεως τοῦ σώματος καὶ  
περὶ ἰσχυρίας·  
... ἀποδομένην ἐν τῇ ἀναστάσει τῇ πλάττειν ἐκ τῆς οὐρανίας βασιλείας  
... ἀποδομένην ἐν τῇ ἀναστάσει τῇ πλάττειν ἐκ τῆς οὐρανίας βασιλείας  
... ἀποδομένην ἐν τῇ ἀναστάσει τῇ πλάττειν ἐκ τῆς οὐρανίας βασιλείας

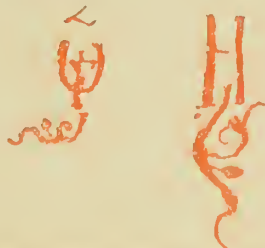
Α Β Γ Δ Ε Ζ Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ξ Ο Π Ρ Σ Τ Υ Φ Χ Ψ Ω

... αὐτὴ δὲ ἡ ἀναστάσις τοῦ σώματος καὶ  
... αὐτὴ δὲ ἡ ἀναστάσις τοῦ σώματος καὶ  
... αὐτὴ δὲ ἡ ἀναστάσις τοῦ σώματος καὶ

α. ἀναστάσις  
ε. ἀναστάσις  
ω. ἀναστάσις  
π. ἀναστάσις



... τοῦ σώματος καὶ  
... τοῦ σώματος καὶ  
... τοῦ σώματος καὶ







$\therefore \bar{\kappa}^r \pi \rho o \tau \chi \nu \epsilon \iota / \sigma \epsilon \lambda \acute{\alpha} \pi \rho o \mu$  20 B2a7.



ΚΟΝΣΤΑΝΤΙΝΟΣ ΗΓΕΜΕΝ.

47

ΕΚ ΤΑ ΜΑΘΗΤΩΝ ΕΝΑ ΕΛΕΙΣ:

Πῖνος, ὑρέσθωσι υἱ. ἡοὺδαλ.  
 ἡοὺδαβραμ. ἀβραμ ἡβρῆνα  
 ἡρῖσακ. ἰσακ δὲ ἡερῆνοσ τὸ ρ  
 ἰακωβ. ἰακωβ δὲ ἡβρῆνοσ τὸ ρ ἰ  
 ἀδρ καὶ ρ ἰς ἀδβρφοῖς αὐτοῦ.

α β γ δ ε ζ η θ ι κ  
 λ μ ν ξ ο π ρ σ τ τ  
 υ φ χ ψ ω ω̃ κ̃

Д Г К М Г О О О

B

—B—

1450 г.

морас,  
 паравохнѣ  
 тайтнѣ;

Σελων: +

α, κατεφύγν

၁. ဗဒ္ဒိယဝဂ္ဂ

27 опиши

σ. θανάσιμη γράφα

$\epsilon \hat{s}$   $\mu^{\hat{s}}$   
 $\tau \tau$   $\pi \rho \alpha$

2  
 3  
 4  
 5  
 6  
 7  
 8  
 9  
 10  
 11  
 12  
 13  
 14  
 15  
 16  
 17  
 18  
 19  
 20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100  
 101  
 102  
 103  
 104  
 105  
 106  
 107  
 108  
 109  
 110  
 111  
 112  
 113  
 114  
 115  
 116  
 117  
 118  
 119  
 120  
 121  
 122  
 123  
 124  
 125  
 126  
 127  
 128  
 129  
 130  
 131  
 132  
 133  
 134  
 135  
 136  
 137  
 138  
 139  
 140  
 141  
 142  
 143  
 144  
 145  
 146  
 147  
 148  
 149  
 150  
 151  
 152  
 153  
 154  
 155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200  
 201  
 202  
 203  
 204  
 205  
 206  
 207  
 208  
 209  
 210  
 211  
 212  
 213  
 214  
 215  
 216  
 217  
 218  
 219  
 220  
 221  
 222  
 223  
 224  
 225  
 226  
 227  
 228  
 229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526

ἱεροδουλὸς Ἰωάννης  
 Δημήτριος  
 παλαμ.  
 16  
 195

۱۴۰۵

X  
af  
S  
T





∴ ΚΕΙΤΧΥΘΟΥΕΛΕΝΟΝ

χαίρει το μαυρε τ  
γνείας τς κοίτα  
χαίρε πασας λαο  
ρου μμφόβως  
χαίρε πια τοις κω  
αρμόζοισα  
χαίρε κλη του τρο  
φε παρ βρω  
χαίρε ψυχων μμφω  
το λεγω μ  
χαίρε κνυμφ καν

+ τρο παρια δια λος οη τ της  
παναθοκον προς τον δεσπ την  
χη· δένει αν της περιεχον τ  
κς κς τεϊαν· ταδε τον δια λο  
προς ω π, δεσ πο της κθκος·  
προ χεί η θκος· η ακροσι αβ αντι  
τροφος· κεν ω τε χει ταυτης, φι  
λοθεον· ποιηματα δε τον κνρον  
φιλοθεον πρια χ·· η χ πβ··  
την τιμω τβραν των χρονβιμ·  
δβ απο τα κβ και υβ· λογος και σοφισκος  
και αταυρασος του πρς· ω κτις  
και οβρ των παρ των υμων· της οης  
μς βρ τα ζης οινω ως πορος δβαι·  
ζυχη και καρδια μβρηση· κ ρους του δε

Δομω Η

950 X 80 + 2

α α α β β β γ γ δ ε ε ε ζ ζ ζ η η θ θ  
α α α β β β γ γ δ ε ε ε ζ ζ ζ η η θ θ  
κ κ λ λ λ μ μ μ ν ν ζ ζ ζ ο ο π π π  
κ κ λ λ λ μ μ μ ν ν ζ ζ ζ ο ο π π π  
ρ ρ ρ σ σ α τ τ τ υ φ χ χ ψ + ψ ω  
ρ ρ ρ σ σ α τ τ τ ω τ υ φ χ + + ω









433068







Z  
6620  
.R9  
A64  
v.3  
IMS

Amfilokhii, Bp., 1818-1893.  
Paleograficheskoe opisanie  
grecheskikh rukopisei IX<sub>1</sub>-XVII<sub>1</sub>  
vieka opredelennykh liet

PONTIFICAL INSTITUTE  
OF MEDIAEVAL STUDIES  
59 QUEEN'S PARK  
TORONTO 5, CANADA



